॥ श्री ॥

॥ श्रीसमरादित्यकेवलीनोरास ॥

पुरवाचार्यश्रीहरिभद्रसूरीइंक्रोधनीरासनेंअर्थेंश्रीसमरादित्यके
वलीनुंचरीत्रभाष्यूंतेउपरथीसर्वपंमीतशीरोम
णीपं० श्रीपद्मविजयजीइंरचेलो.

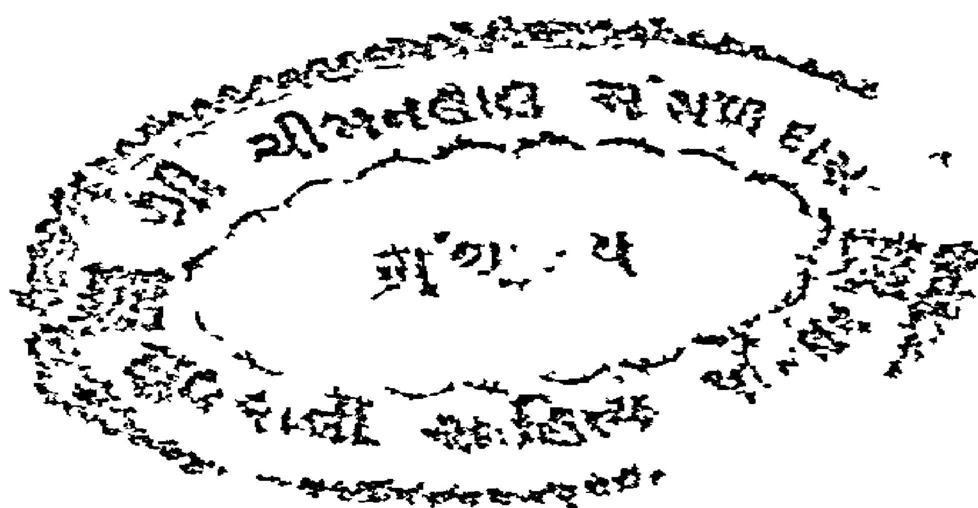
भव्यजिवोनेभणवागुणवानाउपियोगसारु.

दोलतचंदहकमचंदे

मुंबईमध्ये

गणपतकृष्णाजीनाछापखांनामांछपाव्यो.

संवत् १९२२.




8669

॥ ए८० ॥ ॥श्रीगुरुत्स्योनमः॥ दुहा॥ स्वस्तिश्रीवरसारदा॥ कुंदचंदसमकाय
॥ कमलमुखीनेंकमलकर ॥ प्रणमुंतेहनापाय ॥१॥ जगचुडामणीजगजयो॥
जगकेवलदिनराज ॥ रीषभगतीगतीराजती ॥ आदिदेवनमुंआज ॥२॥ शमन
समननेंसमणजे॥ समफोवलिसमांन ॥ समणपदेचउअतीशाया॥ वंदुश्रीवर्द्ध
मांन॥ ३ ॥ अत्रव्याख्या॥श्रमणभगवान्महावीरइहांप्राकृतेंसमणपदें॥व्या
ख्अतिशयसूचव्याछें ॥ तेइमरोगादिकउपद्रवशमावें ॥ माटेंसमनकहिंइ ॥ इ
तिअपायापगमातिशय ॥१॥ तथाअनुत्तरविमाननादेवतानासंशयटालवानें॥
द्रव्यमनप्रवर्त्तावेंछें॥माटेंमनसहितवर्त्तें ॥ तेसमनइतिज्ञानातिशाय॥२॥तथास
म्यगूरुमीपरें॥अणतिकहतांबोलेंसिद्धांतअविरोधी॥ तेसमणकहीइ॥इतिवचना
तिशय ॥ ३ ॥ तथासहमानेनवर्त्ततें ॥ मानेंकरीसहित ॥ एतलेंसुरअसुरनीपु
जारूपमानेंवर्त्तेंछें ॥तेहनेंसमानकहिंइप्राकृतमाटें॥ इत्यर्थायइतिपूजातिशाय
॥४॥ दूहा॥ परिसहसहताजेप्रभू॥ संख्यापणितसडोस ॥ केवलज्ञानदिवाकरू
नमुंअजीतादीजीनेश ॥ ४ ॥ गौतमपमुहागणहरा॥ सूरीनमुंसूजगीस ॥अनुं
क्रमेंजिणथीआवीउ ॥ श्रूतएविसवावीस ॥ ५ ॥ मुखरअलिश्रेणीमीली ॥ कु
सूमवुठिसूरकीद्ध॥तिर्थप्रवर्त्तनसमयते ॥ सद्गकरोलवसीद्ध ॥६॥ गुणदायक
श्रुतआगला॥ वंदुगुरूगुणवंत ॥ जिणेंवचनेंकरीजाणीइं॥तत्वातत्वमहंत ॥७॥
समरादित्यसुसाधुनुं॥ चरित्रअछेसूविचित्र॥हरीभद्रसूरेंभाषीउ॥ वचनविचा
रपवित्र॥८॥ अलपनिदांनउदइअती ॥ बहुलबंधबनाव॥ सूणतांसूखउपजा
वस्यें॥ जेहथीभवभाजभाव॥ ए ॥ नवरबंफेंकरीनीरमलो ॥ रासरचुंसूखकार॥
सत्तरभवसोहामणा ॥ कहुंविचित्रप्रकार ॥१०॥ अपराधीनरउपरिं ॥ करिइं
नहींकांयक्रोध॥तिणेंएसमरादित्यतणा॥चरीत्रसूणोसुभबोध ॥११॥ ढाल॥
॥चोपई॥ गुणअनंतआतमनाकह्या ॥ तेहमांपणिदोयमुख्यजलह्या ॥ दर्शन
नेंवलीबीजुंज्ञान ॥ तेहमांपणिज्ञानजपरधांन ॥१ ॥ यद्यपीज्ञानछेपंचप्रकार
॥ मतिश्रूतअवधीनाणअवधारि ॥ मनपर्यायतिमकेवलज्ञान ॥ पणिश्रुतनाण
इहांबहुमांन॥२॥ कालादीकजेआठआचार ॥ तेश्रुतज्ञानतणानीरधार॥ श्रू

तज्ञानेंचउनांणंजणाय॥ प्रथमलाभपणिएहनोप्राय ॥३॥ आहारअशुद्धपणि
शुभउपयोग ॥ श्रूतज्ञानीलाव्याशुभजोग ॥ पणितेकेवलीकरेंआहार॥ इमश्रुत
ज्ञानसहुसिरदार ॥४॥ उक्तंच उघनिर्युक्तौ ॥ उहोसुत्तोवउत्तो। सूअनाणी
जईकगिएहइअसूद्धं ॥ तंकेवलीविसूंजइ ॥ अपमाणंसवेसूअंइहरा ॥ १ ॥
॥ चौपै ॥ ज्ञानेंसविआदेय गहेवाय ॥ ज्ञानेंसयलतेहेयतजाय ॥ इहसव
परसवपणिहितथाय ॥ साध्यसाधनज्ञानथीजणाय ॥ ५ ॥ मंत्रयंत्रआरा
धनकरे ॥ ज्ञानेंदेवताआपदहरे ॥ अज्ञानेंआवरयोसदैव ॥ हिताहीतनवीजा
णेंजीव ॥ ६ ॥ विणउद्यमनोदीवोएह ॥ नितउग्योसूरजछेजेह ॥ त्रिजूंलोच
नज्ञानउदार ॥ चोरिनकरेचोरकिवार ॥ ७ ॥ पापथकीदूरेंरहेसदा ॥ कु
शलपकर्मांवरतेतदा ॥ विनयनीप्रतीपत्तिसूहाय ॥ ज्ञानेजेहअसाध्यसधाय
॥ ८ ॥ श्रद्धापणिज्ञानेंथीरथाय ॥ जाण्याविणसरधानकराय ॥ तेश्रुतज्ञानआ
राधनकरो ॥ जिमसवशायरलीलातरो ॥ ९ ॥ भणवानोसवीकरोअभ्यास ॥
जोतुह्महोइंज्ञानपीपाश ॥ दिवसेंएकपदपरखमांदोय ॥ जोसिषेउद्यमकरीतो
य ॥ १० ॥ यतः पुष्पमालायां ॥ जइविकदिवसेणपयं ॥ धरिकपरकेणवासि
लोगधं ॥ उज्झोयंमामुंचसू ॥ जईइछसिसिरिकउनाणं ॥ २ ॥ चौपै ॥ व्याकर्णछं
दकाव्यअलंकार ॥ नाटकतर्कगणीतनिरधार ॥ सम्यग्दृष्टिजिवेग्रह्युं ॥ तेस
हीज्ञाननंदीमांकह्यूं ॥ ११ ॥ एबोलेंआचारप्रदीप ॥ तिणेंतुमेंज्ञानसणोसवी
खिप्प ॥ अज्ञानीतकरस्येकिस्यूं ॥ पुण्यपापस्यूंलहेस्येंइस्यूं ॥ १२ ॥ मास
मासनेंपारणंकरे ॥ पणिअज्ञानहैयामांधरे ॥मायावीसमेगर्भअनंत ॥ किमपा
मेसवजलनोअंत ॥ १३ ॥ यतःसूगडांगे ॥ जइवियणिगिणेकीसेचरे ॥ जइ
वीग्रहूजियमासमंतसो ॥ जेइहमायाइमिझइ॥ आगंतागब्भायणंतसो ॥ ३॥
॥ चौपै ॥ सूगडांगेंएछेअधीकार ॥ दृष्टांतअगनीशरमवृत्तीकार ॥ तिणेंअग
नीशर्मानीवात ॥ जोमेंसांभलज्योवीख्यात ॥ १४ ॥ चरित्रमांवलीसांभ्यूंइम॥
धर्म्मकरोतुह्मेंसवीकाप्रेम ॥ धरमेसुकुलरूपसंपदा ॥ धरमेंनासेशवीआपदा
॥ १५ ॥ धरमेंकीरतिवाधेघणी ॥ तिणेकरोधर्मबीजुंअवगणी ॥ जेजेइंद्रीयम

नअसीरांम ॥ तेतेधर्मतणांसङ्ककांम ॥ १६ ॥ अर्थसयणनेंवलीशरीर ॥ मर
णकालमुंकेलहीपीर ॥ धर्मएकहोयेसूसहाय ॥ परसवदेवमनुजवलीथाय ॥
॥ १७॥ शिवसुखपांमेंतीहांथीवली धर्मकथातिणेंकहेकेवली ॥ आराधकनें
वीराधकजेह ॥ गुणदोषकारककहीइंतेह ॥ १८ ॥ सांसलीहोइंपरमवेराग ॥
तिणेंएसमरादीत्यनोलाग ॥ नवसत्वविङ्कनोजीमसंजोग ॥ तिमसाधुंतुल्लेसू
णोसवीलोग ॥ १९ ॥ मुनीचंदरायराणीनर्मदा ॥ वेलंधरसूरनीपर्षदा ॥ तेआ
गलजिमकेवललही ॥ निजपुरवसववातजकही ॥ २० ॥ संषेंपेकहेस्यूंतेचरी
सांसलोसङ्कइंहर्षजधरी ॥ समरादीत्यचरीत्ररशाल ॥ पद्मवीजयकहेपहेली
ढाल ॥ २१ ॥ सर्वगाथा ॥ २२ ॥ ड्हा ॥ संग्रहणीगाथासूणो ॥ नरसूरसवनां
नांम ॥ इमनगरीनेंआउषां ॥ आचारजकहेआंम ॥ २३ ॥ यतः चरीत्रे ॥ गु
णसेणअग्नीसम्मा ॥ १ ॥ सिहाणंदायतहपीयाउत्ता ॥ २ ॥ सिहीजालिणीमा
इसूया ॥ ३॥ धणधणसिरीमायपइसख्रा ॥ ४ ॥ १ ॥ जयविजयायसहोदर
॥ ५ ॥ धरणोलछीयतहपइसख्रा ॥ ६ ॥ सेणवीशेणापित्तीअउत्ताजम्मंमी
सत्तमए ॥ ७ ॥ २ ॥ गुणचंदवाणमंतर ॥ ८ ॥ समराइच्चगिरीसेणिपाणोउ ॥
॥ ९ ॥ एक्कस्सतउमुरको ॥ णंतोवीअस्ससंशारो ॥ ३ ॥णगराइंखिइपइठं ॥ १ ॥
जयपुर २ कोसं ३ सूसमनयरंच ४ कायंदी ५ मायंदी ६ चंपा ७ उत्साय
८ उझेणी ९ ॥ ४ ॥ गुणसेणस्सुववाउ ॥ सोहम्म १ सणंकुमार २ वंसेसू ३
सूक्का ४ णया ५ रणेसू ६ गेवीझ्रा ७ णत्तरेसूंच ॥ ८ ॥ ५ ॥ इयरस्सुववा
उ ॥ विझूकुमारेसूहोइनायवो ॥ सेशोअणंतरोउण ॥ रयणाइसूअहक्कमसो
॥ ६ ॥ सागरमेगंपंचय ॥ नवपनरसेयतहयअठारा ॥ वीसंतीसंतित्तीसं ॥ वी
अस्सठिइउणरएसू ॥ ७ ॥ ड्हा ॥ श्रीहरिसद्रसूरीसरे ॥ चौदसेंचउच्यालीस ॥ थं
थआलोअणमांथरा ॥ जगमांबहोतजगीश ॥ २४ ॥ प्रथमग्रंथप्रारंसीउ ॥
क्रोधनीराशनेंकांम ॥ एहगुरुहआम्नायछे ॥ समतासंगसूठाम ॥ २५ ॥ ढाल ॥
महावीरदेहपेत्रसोहासणर ॥ एदेशी ॥ जंवूद्वीपसोहामणो ॥ पछीममहाविदेह ॥
लालरे ॥ खितिप्रतिष्टनामेंसलूं ॥ नगरअनोपमजेंह ॥ लालरे ॥ २६ ॥ज०॥

गढमढमंदिरमालीआं ॥ मानुंसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे ॥ जिहांमहीलाजनमो
हती ॥ रूपेरंलसमान ॥ लालरे ॥ ३७॥ जं० ॥ वदनेंकमलकोईलश्वरें ॥ नय
णेंकुवलयपत्र ॥ ला०॥ राजहंसगतीईकरी ॥ जीतरमणीयत्र ॥ ला ॥ जं०
॥ ३८ ॥ जीहांवीद्याव्यसनीजना ॥ पापसीरुजसलोस ॥ ला ॥ धनबुद्धीधर
मेंकरी ॥ राषेथइथीरथोस ॥ ला ॥ जं० ॥ ३९ ॥ पुरणमंगलपरगमो ॥ जन
मननयणाणंद ॥ ला ॥ मयकलंकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचंद ॥ ला ॥ ४० ॥
॥ जं०॥ कुमुदीनीनामेंकामिनी ॥ अंतेउरसीरदार ॥ ला ॥ मदनधरेरतीवल्लहा
सोगवेलोगउदार ॥ ला ॥ जं० ॥ ४१ ॥ गुणसेनकुमरछेतेहनें ॥ गुणगणरय
णलंभार ॥ ला ॥ क्रीमाप्रियबालकपणें ॥ व्यंतरसूरपरेंसार ॥ ला ॥ जं०॥४२
अल्पारंसपरिग्रही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसास्त्रपाठकवली ॥ जज्ञ
दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ जं० ॥ ४३ ॥ सोमदेवागरलेंथयो ॥ अगनीशर्मापुत्त ॥
॥ ला ॥ मोहटुंत्रीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेंवृत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ४४ ॥
चीपमुंनाकबेशीगयुं ॥ बिलमातरजशकांन ॥ ला ॥ दंतदंतुशलनीपरे ॥ देहते
बीसत्सवान ॥ ला ॥ जं० ॥ ४५ ॥ लंबोदरकोटिवांकमी ॥ वाकाटुंकाहाथ ॥
॥ ला ॥ एकपासूउचुंवली ॥ मानुंपापनोसाथ ॥ ला ॥ जं० ॥ ४६ ॥ थुलक
ठीनलघुजेहनी ॥ जंघनेंपोहलापाय ॥ ला ॥ विषमउहूकेसकाबरा ॥ विषमक
टितटथाय ॥ ला ॥ जं० ॥ ४७ ॥ गुणसेनकुमरकौतकथकी ॥ तालकंसालमृ
दंग ॥ ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो ॥ अग्निशर्मासंग ॥ ला ॥ जं० ॥ ४८ ॥ हसतो
हस्ततालीदीई ॥ गर्दसेंकरीआरोप ॥ ला ॥ बालकवृंदपरवरयो ॥ उपजावेतस
कोप ॥ ला ॥ जं० ॥ ४९ ॥ फाटुंत्रटुंसूपमुं ॥ छत्रकरेशीरठाय ॥ ला ॥ मिमि
मफुटाढोलज्यूं ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला ॥ जं० ॥ ५० ॥ राजपंथेंउतावलो
नितहींमावेतेह ॥ ला ॥ इमकरतोतेकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
॥ ५१ ॥ इमखमतांहवेउपनी ॥ वैराग्यसावनाचीत्त ॥ ला ॥ चिंतवेईणिपरें
चित्तमां ॥ पुण्यकर्युंनपवीत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ५२ ॥ तोधीकारबहुजन
करें ॥ परपरासवनोगांम ॥ ला ॥ हासीकरतालोकनुं ॥ सहीईसहुंईआम ॥

॥ ला ॥ जं० ॥ ५३ ॥ धर्मनकीधोपरसवे ॥ तिणेएपामुंविवाग ॥ ला॥ देषीन
करूंइणेसवें ॥ तोकिमलक्रंडखताग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५४ ॥ तिणेंकरीइंहवेध
र्मनें ॥ जिमनवीपामुंडःख ॥ ला ॥ डर्जनजनथीविर्मवणा ॥ नविलहीइंलक्रंसू
ख ॥ ला ॥ जं० ॥ ५५ ॥ इमचिंतीवैराग्यथी ॥ मुंक्योनयरीसंग ॥ ला ॥ सं
क्लेशाथानकवर्जिइं ॥ इमजांणीएकंग ॥ ला॥ जं० ॥ ५६ ॥ देशाअंतेंसीमा
लगें ॥ हिंमतांथयोएकमाश ॥ ला ॥ तिहांतपोवनदिठुंहवे ॥ नामसूपरितोस
जास ॥ ला ॥ जं० ॥ ५७ ॥ चंपकबकुलअशोकतीहां ॥ नागअनेपुन्नाग
॥ ला ॥ मृगमृगपतीरमेएकठा ॥ गुरूमतथावलीनाग ॥ ला॥ जं० ॥ ५८ ॥ धू
मपम्लघृतहोमनो ॥ उपजेतापसंतोष ॥ ला ॥ गिरिनदिनीम्फरणावहे ॥ पाम्यो
सूखनोपोष ॥ ला ॥ जं० ॥ ५९ ॥ विसामोइंणिइंहांकरयो ॥ देषीजागिवि
शाल ॥ ला ॥ पद्मविजइंबीजीकही ॥ ढालअतिसूरशाल ॥ ला ॥ जं० ॥ ६० ॥
॥ डुहा ॥ करिविसामोतिहांकणें ॥ षेदथयोजबषीण ॥ तवउम्योउतावलो ॥
तापससूंतेलीए ॥ ६१ ॥ नयणेंलागोनीरषवा ॥ आर्जवकोमीन्नएह ॥ नामेंते
ध्यांनेंरह्यो ॥ कदलीघरकरयु गेह ॥ ६२ ॥ लेइरूद्राक्षमालाकरें ॥ जपतोबे
ठेजाप ॥ वांकलुंपहेस्युवक्कनुं ॥ परगटनहीआलाप ॥ ६३ ॥ जटाजुटजोगी
सरो ॥ सूतिलगावीसाल ॥ कमंमलमुंकयुंकनें ॥ सोमदृष्टीसंसालि ॥ ६४ ॥ कम
लपत्रउपरिंकरयूं ॥ आसनअतिहिउदार ॥ जोगपटेंआसनसज्युं ॥ वरज्यो
सेषव्यापार ॥ ६५ ॥ नाशाइंजोम्यांनयन ॥ दृष्टिहरष्योदेखि ॥ रोमांचित्त
थईहरषसुं ॥ प्रणम्योधरतीपेषि ॥ ६६ ॥ उत्तमांगअवनीतलें ॥ थापीथयोस
नाथ ॥ मांनेधन्यनिजआतमा ॥ पारलह्योसवपाथ ॥ ६७ ॥ ढाल ॥ रागविहा
गमो ॥ मुऊघरिआवज्योरेनाथ ॥ एदेशी ॥ करजोमीनेंकहेइंणिपरिं ॥ प्रसूपा
रपांम्योआज ॥ तुह्मदिठेडखसवीविसरयां ॥ मुऊनहीअवरसूंकाज ॥ ६८ ॥
गुरुजीवीनतीमुऊएह ॥ मुऊकरोपावनदेह ॥ गुरु० ॥ एआंकणी ॥ इमसांस
लीतापसहवे ॥ देषितेअतीबहुमांन ॥ स्वागतपूछेइमतेंहनें ॥ मुकीपोतानुंध्यां
न ॥ ६९ ॥ गुरु० ॥ दिइंतापसआसनएहनें ॥ कहेबेसणहीगाय ॥ तवबेठो

कुसनेंआसनें ॥ कहेकिहांथीआयोसाय ॥ ७० ॥ गुरु० ॥ जवकह्युंनिजवी
तकसवे ॥ तवकहेतापसइंम ॥ वरसपुर्वकृतकर्मेंकरी ॥ सङ्कलेशपांमेंनेम ॥ ७१
॥ गुरु० ॥ तिणेंसूंपेंपिम्ध्यापाणीआ ॥ वलीदलद्दुहव्याजेह ॥ दोसागकलंके
डसीआ ॥ होयन्नाणवीयोगिनेंएह ॥ ७२ ॥ गुरु० ॥ इहसेंवेंपरसेंवेंसुखकरे ॥
एपरमसीतलगण ॥ परसंगेंडखनवीपामीइं ॥ लोकथीनहीअपमांण ॥ ७३ ॥
॥ गुरु० ॥ डुरगतिनवीजईइंवली ॥ तिणेंधन्यछेवनवास ॥ इमकहेबोल्योतेहवे ॥
स्वामीकह्युंतेषास ॥ ७४ ॥ गुरु० ॥ जोहोयमुझउपरिकृपा ॥ जोजाणोव्रतनें
जोग ॥ तोव्रतदेइअनुग्रहकरो ॥ तवबोल्यातपसीलोग ॥ ७५ ॥ गुरु० ॥ तुह्मवी
नांबीजोकूणहोइं ॥ तुझनेंघणोवेराग ॥ पणिमार्गअमचोसमझीनें ॥ तुह्मेंव्रतली
उमहासाग ॥ ७६ ॥ गुरु० ॥ इंमकहीसमझाव्योसलो ॥ हतोजेहनिजआचार ॥
रहीकेइक दिननेंव्रतदीउ ॥ सुसतिथीनषेतरवार ॥ ७७ ॥ गुरु० ॥ कोइडख
गर्भितवैराग्यथी ॥ दिक्षादिनेंकहेइंम ॥ मास २ नेंकरुंपारणुं ॥ मुझमहाप्रती
ज्ञाप्रेम ॥ ७८ ॥ गुरु० ॥ पारणादिनेंपहेलेघरे ॥ सुसअसुसजेमलेआहार ॥
अथवामिलेनहीतोहिर्पाण ॥ फिरीजाउंआपणेंगार ॥ ७९ ॥ गुरु० ॥ पणि
जावुंनहीबीजेघरे ॥ सङ्कसांसलोएनेंम ॥ पालतांप्रतिज्ञावहीगयां ॥ बङ्कला
षपूरवएम ॥ ८० ॥ गुरु० ॥ इंणिअवसरिवनढुंकडु ॥ एकवसंतपुरइंणनांम ॥
तसलोकगुणरागीथयो ॥ बङ्कसक्तिवंतोतांम ॥ ८१ ॥ गुरु ॥ अहोमहातपस्वीएहछ
इं ॥ आलोकनीनहीआश ॥ निजशरीरनोप्रतिबंधनही ॥ एहनुंसफलजीवी
तवास ॥ ८२ ॥ गुरु० ॥ इमबङ्कप्रशंसातेकरे ॥ हवेपुर्णचंदजेराय ॥ गुणसेन
नेंपरणावीउ ॥ वलीकीधलोमहाराय ॥ ८३ ॥ गुरु० ॥ तपोवनेंतापशनृपथ
यो ॥ रांणीसहीतशुभचित्त ॥ गुणशेंनराज्यनेंपालतो ॥ त्रणिवर्गसाधेनीत्य ॥
॥ ८४ ॥ गुरु० ॥ बङ्कुरायसामंतपदनमें ॥ साध्यतेबङ्कलादेश ॥ दशदिशेंनिर्म
लजसवधें ॥ निजदेशनेंपरदेश ॥ ८५ ॥ गुरु० ॥ वसंतसेनानामथी ॥ पटरा
णीसूंएकदिन्न ॥ वसंतपुरआव्योवही ॥ तपोवन्ननेंआशन्न ॥ ८६ ॥ गुरु० ॥ पे
छेमहामंगलकरी ॥ विमानछंदप्राशाद ॥ पाउसनीलीलासूचवे ॥ नाटिकगाज

नोनाद ॥ ८७॥ गुरु० ॥ रयणावलीउविजली ॥ धूपघटीमेघअंधार ॥ चंमर श्रेणीबगपंतीउ ॥ मुक्तावलीजलधार ॥ ८८ ॥ गुरु० ॥ पंचवरणीपदांसुकजि के ॥ लटकेतेइंद्रधनुंष ॥ सुगंधप्रथवीमहमहे ॥ देखीनलागेसूष ॥ ८९ ॥ ॥ गुरू० ॥ मोहनींदमांजेधारीआ ॥ तेणेसुपनसरीखुंथाय ॥ सज्जनगरलोक विसर्जिआ ॥ सुखमांतेदिवशागमाय ॥ ९० ॥ गुरू० ॥ जबसूर्यउदयोतब करे ॥ गोसकृत्यतेभूपाल ॥ कहेपद्मत्रीजीढालए ॥ सुंणतातेमंगलमाल ॥९१ ॥ गुरू० ॥ डूहा ॥ नरपतीरमवानीकल्यो ॥ खेलावेबहुखास ॥ आसअति उतावलो ॥ पामेतेहथीप्यास ॥९२॥ तेहनोखेदउतारवा ॥ वेगेसहसंवबन्न ॥ इंणसमेतापशआवीआ ॥ नरपतिनेंआसन्न ॥ ९३ ॥ नारिंगांनवरंगना ॥आ पीदेआशीस ॥ भूपतिपणिउंलोथई ॥ साचुंनामेंसीश ॥ ९४ ॥ आपेआशान आदरे ॥ तवलाषेरीषीतेह ॥ अमगुरूमोकलीआइहां ॥ डखसुखपुछनेदेह ॥ ॥ ९५ ॥ कहेनरपतिकिहांकुलपती ॥ तापसबोलेतांम ॥ इंणतपोवनमांआ वीइं ॥ देखोदरीसउद्दाम ॥९६॥ कौतकनोलीधोथको॥ तपोवनपोहोतोतेह ॥ तापसबहुवलीकुलपती ॥ नमीउआणीनेह ॥ ९७ ॥ कुलपतिभूपतिनेंकहे ॥ सांत्तलिधर्मसनाथ ॥ विनइंसांभलीविनती ॥ साखेहवेभूनाथ ॥ ९८ ॥ ढाल॥ श्रीरीपभाननगुंणनिलो ॥ एदेशी॥ नरपतिकरजोमीकहे॥ मुजउपरिकरोसुप सायहो ॥ मुंणिंद ॥ ल्योआहारमाहरेघरे ॥ सहुतापशनोसमुदायहो ॥ मु०॥ आवोगुरूमुजमंदीरे ॥ एआंकणी ॥ ९९ ॥ कुलपतिकहेसूणभूपती ॥ आव स्युंपणिटालीएकहो ॥ मु० ॥ अगनीसर्मातेनामथी ॥ तेहनेंमासमासनीटेक हो ॥ मु० ॥ १००॥ आ० ॥ तेवातसुंणीकहेराजीउ॥ कीधोमुजनेंउपगारहो ॥ मु० ॥ पणिकिहांतपसीवमलागीउ ॥ करूंदर्शनपामुंपारहो ॥मु०॥१०१॥ ॥ आ० ॥ कहेकुलपतीउध्यांनेरह्यो ॥ जिहांश्रेणीअछेसहकारहो ॥ मु० ॥ जइदिठोपदमासनरह्यो ॥ प्रशांतचित्तव्यापारहो ॥ मु० ॥ १०२ ॥ आ०॥ बहुहर्षधरीपुलकितथइ ॥ प्रणमेतेहनावरपायहो ॥ मु० ॥ तवदिइंआशीस तापसतीहां ॥ सूखेंआव्यातुह्मेंइंणठायहो ॥ मु० ॥ ३ ॥ आ० ॥ तुह्मेंबेसो

इहांइणेंथांनिकें ॥ तवबेलीतेहनरिंदहो ॥ मु० ॥ कहेकिमडुकरएआदस्यूं ॥
तवबोल्योतेयोगिंदहो ॥ मु० ॥ ४ ॥ आ० ॥ एकदालीदुःखनेंविरुपता ॥ व
लीपरपरिसवपणिहेतुहो ॥ मु० ॥ तिमगुंणसेनवलीनृपसूतसलो ॥ कल्याण
मीत्रसुसचेतहो ॥ मु० ॥ ५ ॥ आ० ॥ नीजनामेंशंक्योनरपती ॥ कहेतेकहो
कारणकेमहो ॥ मु० ॥ सूपतीसूततुह्महेतुथयो ॥ तवअगनीशर्माकहेंइमहो
॥ मु० ॥ ६ ॥ आ० ॥ जेजेउत्तमनरहोयते ॥ पामेंप्रतीबोधस्वयमेवहो ॥मु०
परप्रेरयामध्यमनरलहे ॥ जघन्यलहेनसदेवहो ॥मु० ॥ ७ ॥ आ० ॥ प्रेरेजे
संसारीजीवनें ॥ धर्मेंकोइकनयेणहो ॥ मु० ॥ काढ्योतिणेंकारागारथी ॥ क
ल्याणमित्रकहुंतेणहो ॥ मु० ॥ ८ ॥ आ० ॥ निजवितकसंसारीमनें ॥ लज्जा
अवनतकरीवयणहो ॥ मु० ॥ कहेकिमप्रेरयातुह्मनेंतिणें ॥ किमतेथयोधरममां
सयणहो ॥ मु० ॥ ए ॥ आ० ॥ कहेतेअगनीशर्माहवे ॥ प्रेरणातोछेअनेक
हो ॥ मु० ॥ तिणेंकोइनिमित्तेंप्रेरीउ ॥ म्हेधरिउतेहथीविवेकहो ॥ मु० ॥ १० ॥
॥ आ० ॥ तवचिंतेचित्तमांसूपती ॥ अहोअहोएहनोपरीणांमहो ॥
॥ मु० ॥ मानेंएउपगारनें ॥ छेजेहपरासवगांमहो ॥ मु० ॥ ११ ॥ आ० ॥ न
करेएनिंद्याकेहनी ॥ पणिम्हेतोकीधअकाजहो ॥ मु० ॥ पापकरयुंतेप्रका
सीइं ॥ इमचिंतवीतेमहाराजहो ॥ मु० ॥ १२ ॥ आ० ॥ महापापकारीहुंतू
मप्रतू ॥ तुह्मनेंकीधोसंतापहो ॥ मु० ॥ हुंतेअगुणसेनजांणज्यो ॥ किधूंघोर
मेअतीपापहो ॥ मु० ॥ १३ ॥ आ० ॥ इमनहीतपसीकहेसांसलो ॥ तुंमुझ
धरमसखायहो ॥ मु० ॥ नृपकहेगुणग्राहकतुह्मो ॥ चंद्रथीअगनीनझराय
हो ॥ मु० ॥ १४ ॥ आ० ॥ हवणांइणवातेंतोसरयूं ॥ पणिपारणंतुह्मकिवार
हो ॥ मु० ॥ तपसीकहेपांचदिवशपछें ॥ प्रथवीपतीसाषेतिवारहो ॥ मु० ॥
॥ १५ ॥ आ० ॥ माहरेघरेपारणंकीजीइं ॥ जोकीजेंमुझसूपसायहो ॥ मु० ॥
तुह्मप्रतिज्ञाविधीजीके ॥ मेंजांणीकुलपतीपाछहो ॥ मु० ॥ १६ ॥ आ० ॥
तिणेंअनागतहुंविनवुं ॥ तवबोलेतपसीवाणिहो ॥ मु० ॥ तेदिनआवेतबहाक
हुं ॥ बिघमीतेविघननीषांणहो ॥ मु० ॥ १७ ॥ आ० ॥ जीवलोकसूपना

समो ॥ जिवांचितवेआजनेकालहो ॥मु०॥ कामकरस्यूपणिजाणेनही ॥काल नेतोहायढेकालिहो ॥ मु०॥१८॥आ॥ तवनरपतीबोलेइमफरी ॥ निर्विघनेंआ वेतेदिन्नहो ॥ मु० ॥ पारणेंप्रभूआववुंमुझघरे ॥ आग्रहथीतिणेंप्रतीपन्नहो ॥ ॥मु०॥१९॥आ०॥हवेराजाहरषेंप्रणमीउ॥गयोनयरमांनीजआवासहो॥मु० सगतिकरीकुलपतीनीघणी ॥ गयापांचदिवसपणिताशहो॥ मु०॥२०॥आ॥ कहीचोथीढालइंणिपरिं ॥ सहुधरमनाअरथीजीवहो॥मु०॥कहेपद्मविजयस मझीकरो ॥ तोपामोसूखअतीवहो ॥ मु० ॥ २१ ॥ आ०॥ दुहा ॥ पारणंक रवापोहचीउ ॥ गुणसेनरायनेंगेह ॥सिरवेदनअतीसयथइ॥ जालिमनृपनेंजे ह ॥ २२ ॥ आकुलव्याकुलसहुथया ॥ आव्यावैद्यअसेस ॥ वैदकसा स्त्रवदेघणां ॥ पणिगइनपीडालेस ॥ २३ ॥ रयणवीचीत्तचुरणकरी ॥ लेपल गायालख ॥ बुद्धीवंतवलीआवहु ॥ विवुहांमतिविलख ॥ २४ ॥ होमहवनपु रोहीतकरे ॥ सांतीकरमसंसाल ॥ अंतेउरआंसूंझरे ॥ म्लांनथइफूलमाल ॥ ॥ २५ ॥ कमलायुंमुखकमलते ॥ कंन्याकंडुककील ॥ चित्रकर्मपरीचयत ज्यों ॥ लगीननाटिकलील ॥ २६ ॥ पडीहारागतप्रांणजीम ॥ कंचुइकतजे कांम ॥ सूपकारसूखनवीकरे ॥ सामंतसोकविश्राम ॥ २७ ॥ तापसदेखीत हवुं ॥ वलीउचीत्तविचार ॥ पाछुंनवीकोइपूछिउ ॥ पोहतोतपोवनपार ॥२८॥ ॥ढाल ॥ जोगीसरचेलातीदेसी ॥ किमआव्यापाछाफिरिरे॥ तापसपुछेवातरे जोगीसर ॥ खीणशरीरतुमारुंरेलाल ॥ अगनीशरमाबोलीउरे॥सांभलोकंहुअ वदातरे ॥ जो ॥ रायतणेंघरिहुंगयोहोलाल ॥ २९ ॥ रायसरीरेंशातानहीरे ॥ लोककरेउदवेगरे ॥ जो० ॥ देखिनसक्योहुंसहीहोलाल ॥ तुरततिहाथीपाछो वल्योरे ॥ सहुकहेधरीविवेगरे ॥ जो० ॥ साचुंशातानतेहनेंरेलाल ॥ ३० ॥ अन्यथाभक्तीवंतोघणोंरे ॥ किमनहोवेसावधांनरे ॥ जो० ॥ गुणतुमचाजा णेंघणांरेलाल ॥ कुलपतीआगलबहुकरयारे ॥ इणतुमचागुणग्यानरे ॥जो०॥ अगनीशर्मातवबोलीउरेलाल॥ ३१ ॥ नहीप्रयोजनआहारनुंरे ॥ पणिएहनें थाउशातरे ॥ जो० ॥ इमकरीमाशकरयोवलीरेलाल ॥ कोइकसावीसावथीरे

आतार्थईन्टपगातेरे ॥ जो० ॥ पुछेतपस्वीवातमीरेलाल ॥ ३२ ॥ पारणदीवश
तेत्र्प्राजछेरे ॥ त्र्प्राव्याकेनहीतेहरे ॥ जो० ॥ त्र्प्रादरदिधोकेनहीरेलाल ॥ तवप
रीजनबोल्योतदारे ॥ त्र्प्रावीनेंगयाजेहरे ॥ नरेसर ॥ सङ्ख्नेंवीकल्पजांणीकरी
रेलाल ॥ ३३ ॥ रायकहेधीगमुझनेरे ॥ चुक्योलाभत्र्प्रपाररे ॥ जो० ॥ त्र्प्रनर
थथयोपिम्ह्यामुनीरेलाल ॥ बिजेदिनविहाणेंगयोरे ॥ लाजतोरायत्र्प्रपाररे ॥
॥ जो० ॥ कुलपतीपायजइनम्योरेलाल ॥ ३४ ॥ त्र्प्राशीसदेइबेशामीउरे ॥ पु
छेवातशरीररे ॥ जो० ॥ नीचुंजोइन्टपबोलीउरेलाल ॥ निसासोनाषेवलीरे ॥
कुलपतीकहेथाउधीररे ॥ नरे० ॥ कहोउदवेगकारणतुह्मेरेलाल ॥ ३५ ॥ न्टप
कहेकहेवाईनहीरे ॥ कुलपतीकहेकहोतोहिरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेइणीपरें
रेलाल ॥ निर्दयीचरीत्रकहेतायकारे ॥ चित्तनचालेमोहिरे ॥ जो० ॥ पणितूम
त्र्प्राणाथीकङ्खरेलाल ॥ ३६ ॥ मातपीतानेंसारीषारे ॥ कुलपतीकहेत्र्प्रमलोगरे ॥
॥ न० ॥ तिहांलज्जाकरवीकीसीरेलाल ॥ ङःखकहेतोवीचारीइरे ॥ टालणनो
उपयोगरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेवातमीरेलाल ॥ ३७ ॥ मुझनिमित्तेंतापश
थयोरे ॥ मेंत्र्प्रवीचारीतकीधरे ॥ जो० ॥ वलिहिमणांपणिइंमबन्यूंरेलाल ॥ बि
जोमासथयोएहनेंरे ॥ म्हेंत्र्प्रपजसबङ्खलीधरे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीइंणिपरि
सणेरेलाल ॥ ३८ ॥ तुंतोधरमकारणथयोरे ॥ पहेलानेंवलीत्र्प्राजरे ॥ न० ॥
कहेतेंस्यूंहीफककरयुरेलाल ॥ नरपतीकहेनिमंत्रणारे ॥ किधीत्र्प्राहारनेंकाजरे
॥ जो० ॥ मस्तकथइमुझवेदनारेलाल ॥ ३९ ॥ पारणंमेंनकरावीउरे ॥ उल
टोकरयोत्र्प्रंतरायरे ॥ जो० ॥ धर्ममांविघनकारीथयोरेलाल ॥ कुलपतीकहेबङ्ख
सांभलोरे ॥ तुझत्र्प्रपराधनकायरे ॥ न० ॥ रोगीकृत्याकृत्यनवीलहेरेलाल ॥
॥ ४० ॥ त्र्प्रंतरायतुह्मेंनवीकरयोरे ॥ उलटोकिधोसहायरे ॥ न० ॥ खेदनक
रोमनमांतुम्हेरेलाल ॥ त्र्प्राहारनलीधोमुझघररे ॥ तेहनोखेदमुझथायरे ॥ जो०
सूपतिइंणिपरिवीनवेरेलाल ॥ ४१ ॥ माहरोखेदतेकीमटलेरे ॥ लिघावीएगुरू
त्र्प्राहाररे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीकहेरायनेंरेलाल ॥ मासखमणनुंपारणेरे ॥
त्र्प्रावस्येएहनेंजीवाररे ॥ न० ॥ तवतुझघरिकरस्येहवेरेलाल ॥ ४२ ॥ त्र्प्रग

नीशर्माबोलावीउरे ॥ कहीनरेंद्रनीवातरे ॥ जो० अपराधएहनोमंचितवेरला ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ वलीकरवासूखशातरे॥ जो० ॥ पारणंएहनेंघरे करोरेलाल ॥ ४३ ॥ एहसक्तीनउवेषीइरे ॥ माहरूंवचनपणिमानरे ॥ जो०॥ तवतेतापसबोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुफतुफवचनप्रमांणरे ॥ जो० ॥ मुफउपगारकरयोइंणेरेलाल ॥ ४४ ॥ राजाबहुमानेंकरीरे ॥ प्रण मीपोहतोगेहरे ॥ जो० ॥ इमकरतांवलीआवीउरे॥ पारणाकेरोदिन्नरे ॥जो०॥ इणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेनृपनेंवचन्नरे ॥ न ॥ मानसंगनृपआ वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेइमारीआरे ॥ आपणासैन्यनालोकरे॥ न० ॥ हवेजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिसेंचढयोरे ॥ आंणीमनमांशोक रे ॥ न० ॥ कोपानलपणिदिपतोरेलाल ॥ ४६ ॥ निर्द्दइधरणीपगामतोरे ॥ अम रषेबलनांवयणरे ॥ न० ॥ तुरवजमावेप्रयांणनारेलाल ॥ गयबलहयबल सजकरेरे ॥ करीविकरालतेनयणरे ॥ न० ॥ रहवरसमसन्नद्धआरेलाल ॥ ॥ ४७ ॥ चामरछत्रधरावतोरे ॥ वाजंतेवरतुररे ॥ न० ॥ बंदिविरूदबोलीजते रेलाल ॥ मंगलकलशचलावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो० ॥ पारणा नेंइणअवशरेरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदेख्योतिहांरे ॥ सज्जनसज्ञशंग्रामरे ॥ जो० ॥ देखीनेंपाछवल्योरेलाल ॥ कोईइउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज ठांमरे ॥ जो० ॥ ज्योतिषीइंणअवसरेसणेरेलाल ॥ ४९ ॥ लगनआवेलाछेस लुरे ॥ किजेतुरतप्रयांणरे ॥ रा० ॥ राजाकहेतववातफीरेलाल ॥अगनीशरमा आव्यानहीरे ॥ मानीछेमुफवाणिरे ॥जो० ॥आव्यापछीजइइंसज्जरेलाल ॥५०॥ तवएकनरबोल्योतीहांरे ॥ आवीगयाइणवाररे ॥ रा० ॥हजीअहस्येपुरमांस हीरेलाल ॥ तवराजाविलषोथइरे ॥ चाल्योतेहनील्हाररे ॥ रा० ॥ दि ठेनीकलतांयकारेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाइपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा यरे ॥ जो० ॥ करीयपशायपाछवलोरेलाल ॥ माहरेजावुंघणुंइंहतुरे ॥ पणि नवीगयोरूषीरायरे ॥ जो० ॥ वाटतूम्हारीजोवतांरेलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेअण जाण्यापाछवल्यारे ॥ तिणेंचालोमुफगेहरे ॥ जो० ॥ अगनीशर्मातबबोली

उरेलाल ॥ तुंजांणेंसवीवारतारे ॥ म्हारेप्रतिज्ञाजेहरे ॥ रा० ॥ सत्यसधातप
सीहोईरेलाल ॥ ५३ ॥ लासालाससमत्रेवमेरे ॥ हवेंवोलेनररायरे ॥ जो० ॥
म्हाराप्रमादचरीत्रथीरेलाल ॥ लाजुंहुस्वामीघणोरे ॥ तेंमुखथीनकहेवाय
रे ॥ जो० ॥ तुम्हतपश्चरीरपीमाथकीरेलाल ॥ ५४ ॥ मुझप्रतीपिमाउपजे
रे ॥ उपजेहिईश्रांतापरे ॥ जो० ॥ बोलीनसकुंवयणथीरेलाल ॥ हेईडःखमाई
नहीरे ॥ म्हेंकिधूंमहापापरे ॥ जो० ॥ डःखउपसममुझचितवोरेलाल ॥५५॥
तवतापसमनचिंतवेरे ॥ रायबहुखेदायरे ॥ रा० ॥ गुरुसगतोएअतिघणोरे
लाल ॥ पारणुंनकरूंएहनेंघरेरे ॥ तोडःखएहनुंनजायरे ॥ रा० ॥ ईमचिंतीत
पीउकहेरेलाल ॥ ५६ ॥ करस्यूंतुझघरिपारणुंरे ॥ निरविघनेंदीनतेहरे ॥रा०
तवराजाहरष्योघणुंरेलाल ॥ नृपकहेविमलनांणीतुम्होरे ॥ प्रणमेत्रांणीनेहरे
॥ जो० ॥ प्रभूमुझनेंनिस्तारीउरेलाल ॥ ५७॥ समरादित्यनारासमारे ॥ एक
हीपांचमीढालरे ॥ रा० ॥ विबुंजनमनराजीथयारेलाल ॥ पद्मवीजयकहे
सांसलोरे ॥ आगलेंवातरसालरे ॥ रा० ॥ गुणपक्षपातीराजाघणोरेलाल
॥ ५८ ॥ डुहा ॥ तपसीनेंकहेसूपती ॥ तुम्हेंजाउतपोवन्न ॥ कुलपतीपासेंकिम
हीके ॥ नहिआवणनुंमन्न ॥ ५९ ॥ मुखदेषावीमाहरूं ॥ नसकुंनाथनीदान ॥
इमकहीराजाघरिगयो ॥ तपसीगयोतेरांन ॥ ६० ॥ कुलपतिनेंसघलुंकह्यूं ॥
कुलपतीकहेवरकांम ॥ कीधूइमपरसंत्रीउ ॥ मासत्रीजोकरयोतांम ॥ ६१ ॥ व
धतेपरिणामेंवली ॥ तपपूरोतसथाय ॥ रायतणेंघरिपारणें ॥ पुत्रजनमप्रगटा
य ॥ ६२ ॥ प्रतिहारीमुखेंपांमीउ ॥ अवलपूत्रअवतार ॥ आपेआतूषणअं
गना ॥ पुर्णकरीप्रतीहार ॥ ६३ ॥ गुणउोनरायनेंआंगणें ॥ उछवअतिहिंउदा
र ॥ मांम्योतेमहामोदथी ॥ परीघलपुन्यप्रकार ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ ईमरआंबा
आंबलीरे ॥ एदेशी ॥ रायहुकमफरमावीउरे ॥ मुंकोकारागार ॥ उदघोषणा
करीदीजीईरे ॥ दांनअनेकप्रकार ॥ ६५ ॥ सविकजनसाविसावतेहोय ॥ सा
वीनटालेकोय ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ जितशत्रुमुखरायनेरे ॥ कहेवरावो
एवात ॥ नयरमांसहुसंसलाविईरे ॥ जिणेंबहुमहोछवयात ॥ सवी० ॥ ६६॥

जेकह्यूंतेसवेकरशुंरे॥नाचेपगेंपगेंपात्र॥ वरचिवरधरीरमणीउरे॥ गावेतेवाली गात्र॥ सवी० ॥ ६७॥ दानेंसंतोषीतबोलतारे॥ वंदिजय२सब्द॥ तालवि णामादलतणारे॥ सांसलीईंबज्ञनद्द॥ ६८॥ सवि०॥ वधामणांआवेघणां रे॥ राजसवनसंकीन्न॥ इणअवसरतापसतिहांरे॥ कुउ प्रतिज्ञातिन्न॥सवि० ॥ ६७॥ पारणानिमित्ततेआवीउरे॥ राजकुलेंतेंआय॥ सकुतेहर्षप्रमोदमां रे॥ नवीकायनेंचित्तसाय॥ सवि०॥ ७०॥ आकुअवलूंजोईनेंरे॥ वलि उतेततकाल॥ असुसकरमउदइंकरीरे॥ चिंतवेआलपंपाल॥ सवि०॥ ७१॥ आर्त्तध्यांनवसिंचिंतवेरे॥ अहो२एहराजान॥ मुफउपरिबालसावथीरे॥ वे रसावअसमांन ॥ ७२॥ सवि०॥ जूउमायाकरेकेतलीरे॥ गुढाचारचरी त॥ सकुशारवेंकरेविनतीरे॥ आचरेअतिविपरित॥ सवि०॥ ७३॥ इमचिं तवतोनिकल्योरे॥ पूरबाहिरतेजाम॥ दोषअज्ञानेंआकरेरे॥ क्रोधतणेंवली धाम॥ सवी॥ ७४॥ वासितजैनमारगेंनहीरे॥ धरमसरधागइतास॥ परलो कनीवासनातजिरे॥ आवित्रमैत्रीजाश॥ सवि०॥ ७५॥ सूखेंकलकली देहमीरे॥ आकर्षोवलीसूख॥ द्वेषजाग्योनृपउपरेंरे॥ सुद्दिनरहीतिलतुष ॥ सवी०॥ ७६॥ तपनुंफलजोमाहरूंरे॥ तोएहनोवधकार॥ करेनियाणूं एहवुंरे॥ सवसवडुखदातार॥ सवी०॥ ७७॥ शत्रूनेंडुखदिधूनहीरे॥ वा ल्हानेंसूखनविदिध॥ मातविगूंवीतनरेंरे॥ जन्मलहिस्यूंकिध॥ सवि० ॥ ७८॥ इंमनियाणूंतिणेंकरयुंरे॥ आलोयुंनहीतेगाण॥ क्रोधानलबलतोकरे रे॥ कोमिवीकलनअजांण॥ सवी०॥ ७७॥ पोहतोतपोवनतेहवेरे॥ कुल पतिमुंक्याडुर॥ परीहरीशेषतापसवलीरे॥ दिशंतोमहाक्रूर॥ सवी०॥ ॥८०॥ जईसहकारश्रेणिरह्योरे॥ चिंतवेवलिइंमचित्त॥ अहोराजामुफउप रिरे॥ प्रत्यनीकसलीरीत॥ सवी०॥ ८१॥ हासीजोग्यमुफनेंकर्योरे॥ ताप ससर्वमफार॥ जाणीप्रतिज्ञामाहरीरे॥ किधोमायाप्रकार॥ सवि०॥ ८२॥ करियनिमंत्रणाइंणिपरेंरे॥ नवीआप्योमुफआहार॥ इणवेलाखलनाकरीरे॥ स्योएहनेंअहंकार॥ सवि॥ ८३॥ तपसीनेंकिमएकरेंरे॥ शत्रुमीत्रसमजा

स ॥ अथवानतज्योमुलथीरे ॥ अहारतोपांम्योविषास ॥ सवि० ॥ ८४ ॥ ते
माटेहवेमुक्सस्यूंरे ॥ जावजिवलगेंआहार ॥ नकरुंईमव्रतआदस्यूंरे ॥ छां
मीसर्वव्यापार ॥ सवि० ॥ ८५ ॥ दिठेतापसेंइणसमेरे ॥ जाण्युंध्यांनअसु
ध ॥ पुछेकिमनवीपांमीआरे ॥ कुसूमविलेपणसुध्द ॥ सवि० ॥ ८६ ॥ गुण
शेनरायतणेंघरेरे ॥ स्यूंनगयाप्रसूआज ॥ पारणंकिमनवीनीपनुंरे ॥ तेसाषोम
हाराज ॥ सवि० ॥ ८७ ॥ अगनीशर्मातवबोलीउंरे ॥ क्रुगयोनृपनेंगेह ॥ शत्रु
बालपणाथकीरे ॥ आजलगीहजीएह ॥ सवि० ॥ ८८ ॥ मीठवचनेंबोलतोरे ॥
करतोवीनयअपार ॥ वेरनटल्युंमुक्उपरिरे ॥ जाण्युंमेंनिरधार ॥ सवि० ॥ ८९ ॥
पणिएमायावीषरोरे ॥ किधूंमाहारूंहास्य ॥ किधोपरासवइंणपरेंरे ॥ एहअ
नार्यविलास ॥ सवि० ॥ ९० ॥ सहसाउछवमांमीउरे ॥ जांणीपारणदिन्न ॥
आदरदीठेनकेहनोरे ॥ वलिउविलषीतमन्न ॥ सवि० ॥ ९१ ॥ कहेतापसन
वीसंसवेरे ॥ एहनरिंद्रगुणवंत ॥ अथवाविचित्रपरिणांमछेरे ॥ स्यूंनकषाइंक्रुत
॥ सवि० ॥ ९२ ॥ जिनवरमतवाशीतवीनारे ॥ उत्तमतानवीहोय ॥ तिणेंजिनम
तअंगीकरोरे ॥ ज्ञानश्रध्दासक्रुकोय ॥ ९३ ॥ सवि० ॥ छठीढालइंणिपरिरे ॥ साषी
कर्मनिदान ॥ पद्मविजयकहेसांभलोरे ॥ दुःखदाईअज्ञान ॥ सवि० ॥ ९४ ॥
॥ दुहा ॥ कुलपतिपासेंजईकह्यूं ॥ अगनीसरमाआज ॥ पारणविणपाछाव
ल्या ॥ महातपसीमहाराज ॥ ९५ ॥ कुलपतिआव्यातिहांकनें ॥ तपसीइंपू
ज्याताम ॥ वछपारणंनवीकस्युं ॥ किधूंदुःक्करकांम ॥ ९६ ॥ राइंस्यूंएआच
स्यूं ॥ असरिसजनआचार ॥ अगनीसरमाइमकहे ॥ रायप्रमादप्रकार ॥
॥ ९७ ॥ आहारतज्योनहीआदरे ॥ पाम्योआपदपेषि ॥ जावजिवहवेवरजी
उ ॥ आसादेहउवेखि ॥ ९८ ॥ विनतिहवेंक्रुविनवुं ॥ कहेस्योहवेनकांय ॥
तवकुलपतिकहेतेहनें ॥ एहमांहाणिनकाय ॥ ९९ ॥ कालजतांवारजकी
सी ॥ तपसीबोलेतथ्य ॥ पणिनररायनेंउपरि ॥ क्रोधनकरोएकथ्य ॥ १०० ॥ यतः ॥
सव्वोपूव्वकयाणं ॥ कम्माणंपावएफलविवागं ॥ अवराहेसूगुणेसूअ ॥ निमीत्तमी
त्तपरोहोइ ॥ १ ॥ दुहा ॥ इंमसिखामणदेइनइं ॥ सेवाकाजसकास ॥ तापस

मुंकीकुलपति ॥ पोहतोश्रासनपास ॥ १ ॥ ढाल ॥ नानोकेनानोनाहलोरे ॥
॥ एदेशी ॥ पारणवेलाअतिक्रमीरे ॥ सांसर्युरायनेंतांम ॥ लागीवेदनारे ॥ अ
होम्हारीअधन्यतोरे ॥ उत्सवमांथयुश्रांम ॥ २ ॥ लागी० ॥ श्राजपिणपा
रणंनवीथयुरे ॥ हैंहैप्रगट्युंपाप ॥ ला० ॥ पुछेपासनामनुंजनेंरे ॥ श्राव्यान
श्राव्यानीढाप ॥ ३ ॥ ला० ॥ षोलिकरीनरत्तेकहेरे ॥ श्राविगयानीजठोर ॥
॥ ला० जनमउछवधामधूममांरे ॥ चाल्यूंनएहनुंजोर ॥ ४ ॥ ला० ॥ रायक
हेम्हेपापीईरे ॥ तपसीनेंकर्योअंतराय ॥ ला० ॥ उदयश्रापदलणीमुऋथयोरे ॥
एदूःखमेंनखमाय ॥ ५ ॥ ला० ॥ अल्पपुण्यघरिनवीहोईरे ॥ वृष्टिसलीवसू
धार ॥ ला० ॥ ऊतोतिहांनवीजइसकुंरे ॥ मुखनदेखावुंलगार ॥ ला० ॥ ६ ॥
सोमदेवपुरोहीतनेरे ॥ साषेईणिपरिवांण ॥ ला० ॥ अणजांण्योथइतुंतिहांरे ॥
जइनेंजोतिणठांण ॥ ला० ॥ ७ ॥ तेहनीषवरकरोतुम्हेरे ॥ स्योकिधोव्यवसा
य ॥ ला० ॥ जोइकहेमुऋनीपनुंरे तवतेगयोतिणठाय ॥ ला० ॥ ८ ॥ बऊता
पसथीपरिवर्योरे ॥ माससंथारेबइठ ॥ ला० ॥ अमरषसर्योनृपनीकथारे ॥
करतोतेंणेंदीठ ॥ ९ ॥ ला० ॥ गिरिनदीपासेंतेहनेंरे ॥ विनइकरीप्रणमंत ॥ला०
नामदेइवेशारीउरे ॥ दिईआशीसमहंत ॥ १० ॥ ला० ॥ पूछेपुरोहीततेहनेंरे ॥
किमप्रभूषीणशरीर ॥ ला० ॥ तापसकहेसूणिडबलोरे ॥ तपसीहोईधीर ॥ला०
॥ ११ ॥ पुरोहीतकहेसाचुप्रभूरे ॥ होयतपस्वीनीरीह ॥ला०॥ धनधान्यादिक
सऊतज्यांरे ॥ पणिनहीधर्मनीदेह ॥ १२ ॥ ला० ॥ आहारमात्रलेवोघटेरे ॥
धरमसधाईजेण ॥ ला० ॥ ईणनगरीमांउत्तमवसेरे॥आहारदीईहरषेण ॥ला०॥
॥ १३ ॥ तृणमणीपथरकनकमांरे ॥ सत्रुमीत्रसमभाव ॥ ला० ॥ मोक्षमारग
तुह्मेआदर्योरे ॥ भवजलपोतस्वभाव ॥ ला० ॥ १४ ॥ तुह्मनेंआहारकमीक
सीरे ॥ तापसबोल्योतांम ॥ ला० ॥ वातकहीसाचीतुह्मेरे ॥ पणिनरपतिडःख
ठाम ॥ ला० ॥ १५ ॥ धरमीराजासांसल्योरे ॥ तुम्हेकीमभाषोइम ॥ ला० ॥
तपसीबोल्योत्रटकीनेंरे ॥ एहवाधरमीनकेम ॥ ला० ॥ १६ ॥ जीतिदेशनें
श्रावीउरे ॥ तपसीमारणकाज ॥ ला० ॥ सोमदेवचिंतेतदारे ॥ क्रोधचढ्योअ

तिआज ॥ ला० १७ ॥ बेठेसंथारेदेखीइंरे ॥ रायतणेंनिरवेद ॥ ला० ॥ हो
स्येंअणसणआदरयुंरे ॥ पामीअतिशयखेद ॥ ला० ॥ १८ ॥ पुछ्योबोलेवा
कयुंरे ॥ तिणेंनहीपुछणलाग ॥ ला० ॥ प्रणमीउठ्योतिहांथकीरे ॥ वातनोकाढ
वाताग ॥ ला० ॥ १९ ॥ फूलकरेनदीउतरेरे ॥ तापसएकतिवार ॥ ला० ॥ ते
हनेंपूछेइंणीपरेंरे ॥ कहोएकीस्योविचार ॥ ला० ॥ २० ॥ आसूंसरीतबोलीउ
रे ॥ जेथइवातविस्तार ॥ ला० ॥ सांसलीनीजथानिकगयोरे ॥ सोमदेवतिणवार
॥ २१ ॥ संसलावेसवीरायनेंरे ॥ सूपतिअधीकखेदाय ॥ ला० ॥ चिंतवेजइ
परसन्नकरूंरे ॥ एतपसीरीषीराय ॥ ला० ॥ २२ ॥ धरमनोअरथीराजवीरे ॥
बालतपस्वीतेह ॥ ला० ॥ सातमीढालसोहामणीरे ॥ पद्मकहेससनेह ॥ ला० ॥
॥ २३ ॥ दुहा ॥ नृपअतेउरलेइनें ॥ परिजनसाथेंप्रधान ॥ पयचारीतपोवनप्रतें ॥
तपसीमेलनतांम ॥ २४ ॥ पोहतोतेपरीवारथी ॥ जाण्युतापसजांम ॥ कह्यूं
अगनीशर्माकन्हे ॥ आव्योसूपतीआम ॥ २५ ॥ क्रोधानलबलतोकहे ॥ ते
मोकुलपतीतात ॥ नवआव्याकहेतेहनें ॥ विनयनीमुंकीवात ॥ २६ ॥ सो
सोकुलपतीऊंसण ॥ सूणज्योसाचीवात ॥ एहअधमराजाइहां ॥ तहूअेणी
आयात ॥ २७ ॥ मुखनदेखावेमुझनें ॥ करीइंएहवुकांम ॥ जिमपाछेएजा
यतिम ॥ रूकुंथाइरांम ॥ २८ ॥ ढाल ॥ रामचंदकेबाग ॥ एदेशी ॥ कुलपति
चिंतेएम ॥ एहकषाइहस्योरी ॥ दृष्टीइंनहोइंराय ॥ तोवरकांमकस्योरी ॥
॥ २९ ॥ सनमुखचाल्योजांम ॥ कुलपतिरायतणेंरी ॥ नवपरीवारस्युराय ॥
दीठेखेदघणेंरी ॥ ३० ॥ विनइंप्रणमीपाय ॥ आशीसशीसलहेरी ॥ लह्योआ
णंदजबराय ॥ कुलपतीतामकहेरी ॥ ३१ ॥ आवोचंपकश्रेणि ॥ बेशीइंति
हांसूमनांरी ॥ इमकहीतिहांलेईजाय ॥ आश्रनेंकुश्रतरणांरी ॥ ३२ ॥
विमलशीलापटढामि ॥ कुलपतिबेठाजीस्येरी ॥ नरपतीबेठेसूमि ॥ आणाल
हियतिस्येरी ॥ ३३ ॥ कुलपतिपुछेएम ॥ किमपयचारीतुमेरी ॥ आव्याएवभिसूमि ॥
अचरिजपामूंअमेरी ॥ ३४ ॥ वलीशाथेंपरीवार ॥ तबबोल्योसूपतिरी ॥ पूरूषअध
मनीवात ॥ कहेविनहीजुगतीरी ॥ ३५ ॥ धरमसांहिअंतराय ॥ तपसीनेंलें

करयोरी ॥ पापसराणेघोर ॥ हवेकिमसवऊतरयोरी ॥ ३६ ॥ अगनीशर्मा ॥
स्वामि ॥ किहांछेतेहकहोरी ॥ देखाडोनमुंआज ॥ पातिकसर्वदहोरी ॥ ३७॥
कुलपतिबोलेतांम ॥ मतसंतापकरोरी ॥ तुह्ममाटेनवीकीध ॥ अणसणएहष
रोरी ॥३८॥ अमचोएहआचार ॥ अणसणेंदेहतजेरी ॥ चरमव्रयेंअमलोक ॥
तिणेंअणसणएसजेरी ॥ ३९ ॥ तवबोलेनरराय ॥ स्यूंबऊतुह्मनेंकऊंरी ॥ द
रिशणतेहनुंस्वामि ॥ एकवारऊंलऊंरी ॥ ४० ॥ कुलपतिकहेसूणिराय ॥ एघ
णिवातनहिरी मकरोतसअंतराय ॥ ध्यांनमांवेठासहीरी ॥ ४१ ॥ वलीअव
सरलहीकोय ॥ दरिशणताशकरोरी ॥ सांभलीबोलेराय ॥ जेतुह्मेंआंणिधरो
री ॥ ४२ ॥ वलिआविसऊंस्वामि ॥ उठयोइंमकहीरी ॥ आंमणदूमणोतेह ॥
अवशरएहलहीरी ॥ ४३ ॥ प्रणमीकुलपतीपाय ॥ चाल्योनयरसणीरी ॥ त
वएकतापसआय ॥ वयतसबालघणीरी ॥ ४४ ॥ धरतोपश्चाताप ॥ वातते
शर्वकहेरी ॥ अगनीशर्माअसीप्राय ॥ तवपरमार्थलहेरी ॥ ४५ ॥ हवेआव्ये
स्युंहोय ॥ कुलपतीकष्टकरेरी ॥ तिणेंनवीघटतुंमुझ ॥ रहेवुंइंणनयरेरी ॥
॥ ४६ ॥ वलीतपसीनीवांणि ॥ श्रवणेंसूंणवीपझेरी ॥ जिमतिमबोलेतेह ॥ एप
णिवातनझेरी ॥ ४७ ॥ पुछेलगननोदिन्न ॥ निजआवासजइरी ॥ जोसीमुख
अभ्यास ॥ कहेतुंसूणिनरवइरी ॥ ४८ ॥ कालिमुऊर्त्ततेरवास ॥ खितिपइठस
णीरी ॥ साषीसर्वनइंवात ॥ कालिप्रयांणतणीरी ॥ ४९ ॥ सेनाकरीचतुरंग ॥
चाल्याप्रयाणकरीरी ॥ महिनेंपोहताछेहि ॥ आव्यातिणनयरीरी ॥ ५० ॥
सिणगारीसवीसहेर ॥ पोहतानिजसुवनेंरी ॥ उछवमहोछवकीध ॥ नहिविकल्प
मनेंरी ॥ ५१ ॥ सर्वतोभद्रआवाश ॥ माहिकेलिकरेरी ॥ दिनदूखीजननेह
॥ तेसऊनेंउधरेरी ॥ ५२ ॥ समरादित्यनोरास ॥ आठमीढालकहीरी ॥ पद्मक
हेसूरशाल ॥ आगलवातवहीरी ॥ ५३ ॥ दुहा ॥ इणअवशरउद्यानमां ॥ मा
संकल्पमर्याद ॥ मुनीवरविहारेंम्हालता ॥ पालंताअप्रमाद ॥ ५४ ॥ शिष्यस
मुहेंश्रमणतें ॥ सूंदरसर्वेसरीर ॥ चौनांणीचारित्रीउ ॥ धोरीपरिसहधीर ॥ ५५ ॥
वयजोवनआव्यावंती ॥ गुणरयणागरजेह ॥ कुलगररवंतीतणंकस्युं ॥ निल

यधर्मनोलेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीवरतिहां ॥ सूपतिकुलसंसूत ॥ कुसल
पक्षमानुंढगकस्यो ॥ आचारयअदसूत ॥ ५७॥ अशोकदत्तसेठनुंअजब॥
दिसेचैत्यउद्दाम ॥ मागीअवग्रहमुनीवरू ॥ उतस्यातिहांआराम ॥५८॥ ढाल॥
तोरणथीरथफेरीउरेहां ॥ एदेशी ॥ जिहांसहकारसोहामणारेहां ॥ दुर्लसविव
रजणाय ॥ सविजनसांसलो ॥ नीतीवंतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासदलस
ठाय ॥ सवि० ॥ ५९ ॥ रूंषतेवाविकांठेरह्यारेहां॥ सोसेअधोमुखतेहा॥सवि०
परस्त्रीदेखणनेंयथारेहां ॥ उत्तमपूरुषसनेंह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
प्रसक्तपापंमीआरेहां ॥ सोलिबनसोहेतेम ॥ स० ॥ वृक्षअशोकशोसेजथारे
हां॥कुसूंसवस्त्रवरजेम ॥स०॥६१॥जिवलोकमनोरथपरेंरेहां ॥ बहुविधपाद
पहोय ॥स०॥हिमगिरीशिषरपरेंग्रहीरेहां॥ जिनवरचैत्यतेजोय॥स०॥६२॥
चरणकरणनीसित्तरीरेहां ॥ पालेसंजमसार ॥स०॥ इणअवशररराजाहवेरेहां॥
पुछेवातउदार ॥स०॥६३॥ कौतूकदिठुंलोकहोरेहां ॥ तवनामेंकल्यांण ॥स०॥
एकअठेहूंजेकहुरेहां ॥ रायसूणोवरजांण ॥ स० ॥ ६४ ॥ अशोकवनउद्या
नमारेहां ॥ पाउधारयाऋषीराय ॥ स० ॥ जोवनेंजीत्योमारनेंरेहां ॥ सोवन
वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५ ॥ जोपिणसंगसहुतज्योरेहां ॥ सहुनेंकरेउपगार॥
॥ स० ॥ धर्ममुरतीधरीआवीउरेहां ॥ विजयशेनगणधार॥ स० ॥ ६६ ॥ गं
धारदेशनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनरतुजजांणीइरे
हां ॥ लक्ष्मिसेनसूतजाण ॥ स० ॥६७॥ मेंवांद्याहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
राय ॥ स० ॥ ताहरोसवसफलोथयोरेहां ॥ तुकतपुण्यजणाय ॥ ६८ ॥ स० ॥
हुंपणिकालेवांदस्यूरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आडंबरथीवंदिआरेहां॥
साधूसवेपरस्तात ॥ स० ६९ ॥ देखीदेखीहरषतोरेहां ॥ पुलकीतथाईतन्न॥
॥ स० ॥ आणंदबाहजलपूरीआरेहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
वलि२प्रणम्योप्रेमसपूरेहां ॥ मांनेधन्यअवतार॥स०॥ धर्मलासदिधोगुरेरेहां॥
शाश्वतसूखदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ चिंतासीझीवधूतणीरेहां॥ तिणेंदूर्बलथयुं
तन्न ॥ स० ॥ अढारसहससिलसारथीरेहां ॥ नविषेदायुंमन्न ॥ ७२ ॥स०॥

एहवामुनीवरप्रणमीउरेहां ॥ वेंगेगुरूनेंपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३ ॥ स० ॥ पुठेराज्यठेमीकरीरेहां ॥ किमली धोव्रतसार ॥ स० ॥ स्योवैराग्यतेउपनोरेहां ॥ किमठांम्योसंसार ॥ स० ॥ ७४ ॥ मुनीवरकहेसूणिनरपतिरेहां ॥ स्यूंपूठेवेराग ॥ स० ॥ जेसंसारमांदेखीइरेहां ॥ तेवैराग्यमहात्याग ॥ स० ॥ ७५ ॥ ठामि २ निरवेदठेरेहां ॥ चिऊंगतिमासंसा लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेंरेहां ॥ सघलानेचिरकाल ॥ स० ॥ ७६ ॥ लषमीअथीरनवीसूखदिइरेहां ॥ आव्योसूंकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुंकिणठामें वलीरेहां ॥ एज्ञानेंपिणसुंन्य ॥ स० ॥ ७७ ॥ वलीमानवनोसवसलोरेहां ॥ रयणचितामणीतुल ॥ स० ॥ मासअणीजलजेहवुंरेहां ॥ जिवीतहारेंथुल ॥ ॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपित्तसूजंगमसारिषारेहां ॥ कामसोगसंसार ॥ स० ॥ गजकर्णवीजुचंचलयथारेहां ॥ ऋद्धिशरदजलधार ॥ स० ॥ ७९ ॥ तपचा रीत्रनआदरयेरेहां ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकवीहामणारेहां ॥ नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ बहुदूखेंकरीबलीरह्योरेहां ॥ रोगसोगवि प्रयोग ॥ स० ॥ सवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिझीकरेमुंढलोग ॥ स० ॥ ८१ ॥ मोक्षसाधनतिणेंसाधीइरेहां ॥ एदुःखटालणहार ॥ स० ॥ एमुक्तनिमीत्तवैरा ग्यनुंरेहां ॥ सामान्येंसंसार ॥ स० ॥ ८२ ॥ वलिअविशेषसूणिमाहरूंरेहां ॥ जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढालेपदमकहेरेहां ॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र ॥ स० ॥ ८३ ॥ दुहा ॥ जंबुद्विपइणविजयमां ॥ देशगंधारउदाम ॥ निवसूगंधारनयरी इ ॥ तिणपुरिइमुक्तनाम ॥ ८४ ॥ मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसूसुतसार ॥ चि सावसूघणंवालहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥ ८५ ॥ एकदिनतेआतंकथी ॥ ... घोदंम ॥ मरणलह्योमुक्तदेखतां ॥ दुःखतेदिधप्रचंम ॥ ८६ ॥ ढाल ॥ झांझ रीआमुनीवरधन २ तुलअवतार ॥ एदेशी ॥ इणअवसरतिहांआवियाजी ॥ विचरतामुनीवरच्यार ॥ चोमासूंरहेवासणीजी ॥ करताउग्रविहार ॥ ८७ ॥ सवीसावधरीनेंवंदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गंधारपर्वतनीगुफाजी ॥ तिहां आवीनेंठाय ॥ मुनीमुक्तनेंवाहलाघणाजी ॥ च... ॥ ८८ ॥

यधर्मनोलेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीवरतिहां ॥ सूपतिकुलसंसूत ॥ कुसल
पक्षमानुंढगकस्यो ॥ आचारयअदसूत ॥ ५७ ॥ अशोकदत्तसेठनुंअजब ॥
दिसेचैत्यउद्दाम ॥ मागीअवग्रहमुनीवरू ॥ उतस्यातिहांआराम ॥५८॥ ढाल॥
तोरणथीरथफेरीउरेहां ॥ एदेशी ॥ जिहांसहकारसोहामणारेहां ॥ उलसविव
रजणाय ॥ सविजनसांसलो ॥ नीतीवंतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासदलस
ठाय ॥ सवि० ॥ ५९ ॥ रूषतेवाविकांठेरस्यारेहां॥ सोसेअधोमुखतेह॥सवि०
परस्त्रीदेखणनेंयथारेहां ॥ उत्तमपूरुषसनेह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
प्रसक्तपापंमीआरेहां ॥ सोलिबनसोहेतेम ॥ स० ॥ वृक्षअशोकशोसेजथारे
हां॥ कुसूंसवस्त्रवरजेम ॥स०॥६१॥ जिवलोकमनोरथपरेंरेहां ॥ बहुविधपाद
पहोय ॥स०॥ हिमगिरीशिपरपरेंशहीरेहां ॥ जिनवरचैत्यतेजोय ॥स०॥६२॥
चरणकरणनीसित्तरीरेहां ॥ पालेसंजमलार ॥स० ॥ इंणअवशरराजाहवेरेहां॥
पुछेवातउदार ॥स०॥६३॥ कौतूकदिठुंतोकहोरेहां ॥ तवनामेंकल्यांण ॥स०॥
एकअछेहूंजेकहुंरेहां ॥ रायसूणोवरजांण ॥ स० ॥ ६४ ॥ अशोकवनउद्या
नमांरेहां ॥ पाउधारयाक्षषीराय ॥ स० ॥ जोवनेंफीत्योमारनेंरेहां ॥ सोवन
वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५ ॥ जोपिणसंगसहुतज्योरेहां ॥ सहुनेकरेउपगार ॥
॥ स० ॥ धर्ममुरतीधरीआवीउरेहां ॥ विजयशेनगणधार॥ स० ॥ ६६ ॥ गं
धारदेशनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनतुउजांणीइंरे
हां ॥ लक्ष्मिसेनसूतजाण ॥ स० ॥६७॥ मेंवांद्याहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
राय ॥ स० ॥ ताहरोसवसफलोथयोरेहां ॥ तुकतपुण्यजणाय ॥ ६८ ॥ स० ॥
हुंपणिकालेवांदस्यूंरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आंमंबरथीवंदिआरेहां ॥
साधूसवेपरस्तात ॥ स० ६९ ॥ देखीदेखीहरषतोरेहां ॥ पुलकीतथाइंतन्न ॥
॥ स० ॥ आणंदबाहजलपूरीआरेहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
वलि२प्रणम्योप्रेमसरपूंरेहां ॥ मांनेधन्यअवतार ॥स०॥ धर्मलासदियोगुरेरेंहां॥
शाश्वतसूखदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ चिंतासीह्वीवधूतणीरेहां॥ तिणेंदूर्बलथयुं
तन्न ॥ स० ॥ अढारसहससिलसारथीरेहां ॥ नविषेदायुंमन्न ॥ ७२ ॥स०॥

एहवामुनीवरप्रणमीउरेहां ॥ वेठेगुरूनेंपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी
रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३ ॥ स० ॥ पुछेराज्यछेदीकरीरेहां ॥ किमली
धोव्रतसार ॥ स० ॥ स्योवैराग्यतेउपनोरेहां ॥ किमछांम्योसंशार ॥ स० ॥ ७४ ॥
मुनीवरकहेसूणिनरपतिरेहां ॥ स्यूंपूछेवेराग ॥ स० ॥ जेसंशारमांदेखीइरेहां ॥
तेवैराग्यमहासाग ॥ स० ॥ ७५ ॥ गमि २ निरवेदछेरेहां ॥ चिहुंगतिमासंसा
लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेरेहां ॥ सघलानेशिरकाल ॥ स० ॥ ७६ ॥
लषमीअथीरनवीसूखदिइरेहां ॥ आव्योसूंकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुंकिणठामें
वलीरेहां ॥ एज्ञानेंपिणसुंन्य ॥ स० ॥ ७७ ॥ वलीमानवनोसवसलोरेहां ॥
रयणचितामणीतुल ॥ स० ॥ मासअणीजलजेहवुंरेहां ॥ जिवीतहारेयुल ॥
॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपित्तनूजंगमसारिषारेहां ॥ कामसोगसंशार ॥ स० ॥
गजकर्णवीजुचंचलयथारेहां ॥ ऋध्दिशरदजलधार ॥ स० ॥ ७९ ॥ तपचा
रीत्रनआदरयेरेहां ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकवीहामणारेहां ॥
नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ बहूदूखेंकरीबलीरह्योरेहां ॥ रोगसोगवि
प्रयोग ॥ स० ॥ सवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिझीकरेमुंढलोग ॥ स० ॥ ८१ ॥
मोक्षसाधनतिणेंसाधीइरेहां ॥ एदुःखटालणहार ॥ स० ॥ एमुझनिमीत्तवैरा
ग्यनुंरेहां ॥ सामान्येंशंसार ॥ स० ॥ ८२ ॥ वलिअविशेषसूणिमाहरूंरेहां ॥
जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढालेपदमकहेरेहां ॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र
॥ स० ॥ ८३ ॥ दुहा ॥ जंबुद्विपइंणविजयमां ॥ देशगंधारउदाम ॥ निवसूगंधारनयरी
इ ॥ तिणपुरिइमुझनांम ॥ ८४ ॥ मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसूसुतसार ॥ वि
सावसूघणंवालहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥ ८५ ॥ एकदिनतेआतंकथी ॥
देवेंदीधोदंम ॥ मरणलह्योमुझदेखतां ॥ दुःखतेदिधप्रचंम ॥ ८६ ॥ ढाल ॥ काफ
रीआमुनीवरधन २ तुलअवतार ॥ एदेशी ॥ इणअवशरतिहांआवियाजी ॥
विचरतामुनीवरच्यार ॥ चोमासूंरहेवासणीजी ॥ करताउग्रविहार ॥ ८७ ॥
सवीसावधरीनेंवंदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गंधारपर्वतनीगुफाजी ॥ तिहां
आवीनेंगाय ॥ मुनीमुझनेंवाहलाघणाजी ॥ चरपुरसेंकहुंआय ॥ ८८ ॥

॥ सवि० ॥ इंपणिज्ञीप्रगयोतीहांजी ॥ दिगकरतांसज्झाय ॥ वंद्यामेंहरषेंक
रीजी ॥ आणंदअंगनमाय ॥ ८९ ॥ सवी० ॥ धरमलासदिधोतिणेंजी ॥ पु
बीम्हेंसूखशात ॥ वंदिनेइंघरिंगयोजी ॥ नितकरूंएअवदात ॥ ९० ॥ स
वी०॥ मासषमणनेपारणेंजी॥करेच्यारेमुनीराय॥नितवधतेपरिणांमथीजी ॥
मुझतिहांसमकीतथाय ॥ ९१ ॥ सवी० ॥ च्यारमासतेवहिगयाजी ॥ रय
णीइंचितव्युंइंम ॥ कालेमहातपसीजस्येजी ॥ तवकरस्यूंकहोकेम ॥ ९२ ॥
॥ स० ॥ वंदननिमित्तेंचालीउजी ॥ च्यारघमीलेइराति ॥ थोमीसूमीगयोजेत
लेजी ॥ आव्योसूरसीतववात ॥ ९३ ॥ अजुआलूंगगनेंथयुजी ॥ गाज्योगीरी
गंधार ॥ प्रचलीतिहांवसूधराजी ॥ जयजयरवविस्तार ॥ ९४ ॥ सवी० ॥
अधीकहर्षतवमुझथयोजी ॥ आगलिजाउंजांम ॥ पृथविसमकरीनेंतिहांजी
काढ्यांतृणादिकतांम ॥ ९५ ॥ सवी० ॥ गंधोदकवरसेतिहांजी ॥ पुष्प
वृष्टीवलीथाय ॥ थोके २ देवताजि ॥ आविस्तवनाकराय ॥ ९६ ॥ सवी० ॥
मानवसवसलेंपांमीयाजी ॥ षयकरयारागनेंदोस॥कर्मसेन्यजीत्यूंतुम्हेंजी ॥
सवआयरकरयोसोस ॥ ९७ ॥ सवी० ॥ इंमसांसलीमेंचितव्यूंजी ॥ गुरुल
ह्याकेवलज्ञांन ॥ जन्ममरणदुःखकापीयांजी ॥ पाम्याशाश्वतथान ॥ ९८ ॥
॥ सवी० ॥ रयणसिंहासनसूररचेंजी ॥ बेठाशांतस्वरूप ॥ मुर्त्तिवंतगुणगण
तणांजि ॥ मुंच्योसवसयकुप ॥ ९९ ॥ सवी० ॥ मेंकीधोदेखीकरिजी ॥ नि
श्चयनहीसंदेह ॥ रोमांचितथइप्रणमीउजी ॥ हर्षनमाइदेह ॥ ३०० ॥ स० ॥
केवलीइंतीहांदेशनाजी ॥ दिधीकरीवीस्तार ॥ निज २ संदेहपुछताजी ॥ सू
रनरनावळुवार ॥ १ ॥ सवी० ॥ मेंपणिमनमांचितव्यूंजी ॥ पुछुंमुझसंदेह ॥
विसावसूकिहांउपनोजी ॥ बालेजेमुझदेह ॥ २ ॥ सवी० ॥ पुछ्युंइमम्हेंचिं
तवीजी ॥ स्वामीथयोकेइकाल ॥ माहरोमीत्रमुझदेखतांजी ॥ततषिणथयोवी
शराल ॥ ३॥ सवी० ॥ किहांजइनेंतेउपनोजी ॥ हिवणांअनुंसवेंकांय ॥ जि
नमतजाणइंखरोजी ॥ पणिमुझदुःखकिमथाय ॥ ४ ॥ सवी० ॥ केवलीक
हेतुम्हेसांसलोजी ॥ एहनासवविकराल ॥ धर्मकरयाविणप्रांणीयाजी ॥ कि

मलहेसूखअसराल ॥ ५ ॥ सवी० ॥ समरादित्यनाराशमांजी ॥ साखीएदश
मीढाल ॥ पद्मवीजयकहेसांभलोजी ॥ केवलीवचनरशाल ॥ ६ ॥ सवी० ॥
॥ दुहा ॥ रजकएकइंणनयरमां ॥ ऊसदिन्नइंणनांम ॥ स्वानीमधूपेंगावसें ॥
तेहनेंगरसेंतांम ॥७॥ उपनोस्वानपणेंइहां ॥ रज्जुइंबांध्योरद्द ॥ सूण्योतरस्योरा
ससी ॥ निकटेंक्ररतोनद्द ॥ ८ ॥ राससीपाटुंप्रहारथी ॥ सयपांमेंअतिसीत ॥
हवणांअनुंसवेएहवुं ॥ पणितुऊपुरवप्रीति ॥ ९ ॥ पुष्करअरधकुसुमपुरें ॥
सरतषेत्रमांसाव ॥ कुसूमशारतुंतिहांकिणें ॥ सेठसवेसीरदाव ॥ १० ॥ श्री
कांताएस्त्रीहती ॥ नमीउतेंहसनेह ॥ पोतानांजेपुरुषते ॥ तेंमणमुकेतेह ॥
॥ ११ ॥ ढाल ॥ दासअरदाससीपरिकरेजी ॥ एदेशी ॥ तेहचाकरउसदिन्न
घरेंजी ॥ जइनेमुंकावीउंस्वान ॥ आहारनेंपानदिधूंवलीजी ॥ लेइआव्यानि
जथांन ॥ १२ ॥ जुउजुउकर्मविचित्रताजी ॥ एआंकणी ॥ कमिकुलेंव्या
पीतदेहमीजी ॥ वज्ररेचांदांपमथ्यांतास ॥ षिणतनुरुधीरअंगेंझरेजी ॥ गति
अतीमंदछेजास ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ नजरेआवेतेदंतावलीजी ॥ काढतोजी
सवीकराल ॥ देषीसंवेगमुऊउपनोजी ॥ अहो २ सवचक्रवाल ॥ १४ ॥ जु० ॥
स्वानपिणपुंछहलावतोजी ॥ वाहजलसरीयतेनयण ॥ देषीमुऊनेंतेउन्हाइउ
जी ॥ नविकहेवाइंतेवयण ॥ १५ ॥ जुउ ॥ ज्ञानीनेंपुछ्युंतवतेकहेजी ॥ पूर
वसवनोएप्रेम ॥ वातविशेषजाणेंनहीजी ॥ पणिएसामान्यथीइंम ॥ १६ ॥
जुउ० ॥ एहस्वसावसंशारनोजी ॥ आवेजेकीधोअत्यास ॥ कोइककाल
अनासोगथीजी ॥ पोहचेपुरवतणीवास ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ पुछ्युंम्हेंस्वामीकुं
णकर्मथीजी ॥ पामीउएहविवाग ॥ जातिमदथीकेवलीकहेजी ॥ पुछीउंतू
म्हेधरीलाग ॥ १८ ॥ जुउ० ॥ कुंणअसीमांनइंणेंकर्युंजी ॥ बोलीआतवगुणवंत ॥
अनंतरसवेंगणीकातणांजी ॥ वंदरमवानीकसंत ॥ १९ ॥ जुउ० ॥ तरुणज
नवंदस्युंपरिवरीजी ॥ अनुंसवेवशंतनीक्रीड ॥ इंणसमेरजकनीचत्वरीजी ॥
निकलीयईतसपीड ॥ २० ॥ जुउ ॥ जातिकुलबलगरवेंकरीजी ॥ किमजा
इंनिचअमपास ॥ दोषअज्ञानथीचिंतवेजी ॥ किधीकदर्थनातास ॥ २१ ॥

॥ जु०॥ उसदिन्नमुख्यतेहमांअछेजी ॥ जकर्मीबांध्योदढबंध ॥ वंदिषाऐं मोकलावीउंजी ॥ इमकरूयोवङ्कतिऐंधंध ॥ २२ ॥ जु० ॥ मानपरिणामना वसथकीजी ॥ बांधीउंअसुखतिहांआय॥ नयरलोकेंउसदिन्ननेंजी ॥ ढोमा व्योकरीसूपसाय ॥ २३ ॥ जु० ॥ वेश्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोइंणस वएह ॥ सांसलिमेंतिहांचितव्यूंजी ॥ अहोसंसारदूखगेह ॥ २४ ॥ जु० ॥ म्हेंकरजोमीनेंपुछीउंजी ॥ कवएहकर्मनोअंत॥सव्यअसव्यकेकिमप्रसूजी॥ साषिइंमुफ्सगवंत ॥ २५ ॥ जु० ॥ पामीउंबीजकेएनहीजी ॥ तवकहे गुरूगुणवंत ॥ सांसलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअंत॥२६॥ जु० ॥ उसदिन्नघरिएकरासलीजी ॥तेहनीकुषेंएस्थान ॥ उंपजस्येएगर्द्दसपणेजी ॥ सारवहतोअप्रमाण ॥ २७ ॥ जु० ॥ क्लेशषमतोवङ्कतिहांकणेंजी ॥ का लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिन्नचंमालसारयाजी॥ अणहिगाकुषेंरह्योएह ॥ २८॥ ॥ जु० ॥ तेहनपुंसकनीपनोजी ॥ रुपदौर्साग्यदेषाय ॥ सिंहेंमार्‍योवलीते हनीजी ॥ कुषेंचंमालणीथाय ॥ २९ ॥ जु० ॥ नागमसीउंबालकालमांजी ॥ मरीवलीउसदिन्नधांम॥ दत्तिआदासीकुषेंथयोजी॥ जातीअंधनपुंशकताम॥ ॥ ३० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसङ्कपरिसवेजी ॥ इणसमेंनयरनोदाह ॥ तेहमांम रिवलीतेहनीजी॥ कुषेंस्त्रीसवतणोलाह ॥ ३१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेंहण्योहा थीइंजी ॥ तिणेंकरयोतीहांथकीकाल॥ हवेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालंज णीनांमेंनीहाल॥ ३२ ॥ जु० ॥ तासकुषेंथईपुत्रीकाजी ॥ पांमीहवेजोवन वेद ॥ उसरक्तीतनांमेंरजकनेंजी ॥ दरीद्रनेंदिधीमहाषेद ॥ ३३ ॥ गर्सवंतीथ ईअनुक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पंचत्वपामीनीजमातनीजी ॥ कुषेंउ पनोसूतषास ॥ ३४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी॥ गंधारसरितानेंतीर ॥ रमतोगयोतिहांकिणेंजी ॥ जेहमांउंमावङ्कनीर ॥ ३५ ॥ जु० ॥ उसदिन्नस त्रुएकतिणसमेजी ॥ आवीउंनांमचिलात ॥ कोटेशिलाबांधीषेपवीजी ॥नदी अमांकरस्येघात ॥ ३६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीइंणिंबांधीउंजी ॥ कर्मनोए अवसान ॥ सव्यनेंसिद्धीगामीषरोजी॥ पणनलह्योबिजतांन ॥ ३७॥ जु० ॥

बांधतांकर्मदीसेनहीजी ॥ सोगवतांमहाडरक ॥ ढालइग्यारमीइमकहीजी ॥ पद्मकहेधर्म्मथीसूरक ॥ ३८ ॥जु०॥

॥ दुहा ॥ आचारयकहेपुढीउं ॥ म्हेकेवलीनेंतांम ॥ जलमरणेंजास्येकही ॥ कवसमकीतकिणठांम ॥ ३९ ॥ केवलीकहेसूणितिहांथकी ॥ पांमीसु सपरीणांम ॥ सुरवरव्यंतरथायस्ये ॥ आगमकालेंआम ॥ ४० ॥ तिणेंसव मांतिरथपती ॥ आणंदइणअसीधान ॥ पासेंसमकीतपांमीउ ॥ सुरतरूसीद्धी समान ॥४१॥ चउगइभ्रमणसमीकरी ॥ सांसलिसवसंख्यात ॥ इणगंधारहज णवइं ॥ थास्येप्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेजअणगा र ॥ तेहनेंपासेंव्रतलेइ ॥ पालस्येप्रीतिअपार ॥ ४३ ॥ केवलज्ञानलहीकरी ॥ पांमस्येसवनोपार ॥ सांसलीनेंड्सुसमकीउ ॥ रागगयोसंसार ॥ ४४ ॥ एवै राग्येंआदस्युं ॥ पुढिमातपीताय ॥ चारित्रचोखेंचित्तस्युं ॥ इंद्रदत्तगुरुपाय ॥ ॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ वारुनीजवैराग ॥ साचुंकहेगुणशेनसूणी सलातुह्मेमहासाग ॥ ४६ ॥ पणितुह्मेसांभ्युंपुरवें ॥ मोक्षनुंसाधनमुक्ष ॥ मो क्षनुंसाधनकहोमुनें ॥ जेहहोइअवीरूक्ष ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हंसलानी ॥ एदे शी ॥ मोरासाहिबहो ॥ श्रीशीतलनाथके ॥ एदेशी ॥ सूरिसाषेहो ॥ सांस लिनरनाहके ॥ मोक्षथानिकशाश्वतकहुं ॥ जरामरणनेंहो ॥ नहीजनमनेंरोग के ॥ शोकादिकउपद्रवसहु ॥ ४८ ॥ नाणदरिशणहो ॥ ढेजाससरूपके ॥ चौद राज्यशिरजेरह्या ॥ हवेशांसलिहो ॥ कहुंनासउपायके॥ नाणदर्शनचरणजक ह्यां ॥ ४९ ॥ बिहुंसेदेंहो ॥ साधूश्रावकधर्म्मके ॥ बारप्रकारगृहीतणो॥ पांच अणुव्रतहो ॥ त्रणगुंणव्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतइमगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके॥ दोयनुंमुलदर्शनसणो ॥ जेडर्लसहो ॥ प्राणीव सकर्मके ॥ तेहकर्मआठजसुणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणनेंहो ॥ वलीदर्शनावर णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनेंहो॥ अंतरायएआठके ॥ एहनाहे तुकहेकेवली ॥ ५२ ॥ मीढअन्नाणहो ॥ अविरतिनेंप्रमादके ॥ वलिकरवाय जोगजांणीइं ॥ ढिदूविहाहो ॥ उक्कोसजहन्नके ॥ एकपरीणामेंतेआंणीइं ॥

॥५३॥ तिव्रपरिणामेंहो ॥ उत्कृष्टबंधायके ॥ आदित्रणनेंअंतरायनी ॥ त्रिशा सागरहोंकोमाकोमीजांणके ॥ तेत्रीशासागरआयनी ॥ ५४ ॥ सीत्तेरनीहोमो हनीकोमाकोमिके ॥ विशकोमाकोमीशेसनी ॥ मध्यमनाहो ॥ होयबहुपरकार के ॥ थितीपरिणांमविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ २ नीहो ॥ नामगोत्रमुहूर्त्तके वेदनीयनीबारते ॥ शेषनीसीन्महो ॥ मुहूर्त्तजहन्नके ॥ थितिबांधेएकवारतें ॥५६॥ घंसनानेंहो ॥ घोलनापरकारके ॥यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ बहुषयकरे हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोमाकोमीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो विधिगंठिसेदके ॥ रागद्वेषनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक रणके ॥ ठोमवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यतः ॥ जागंठितापढमं ॥ गंठिसमइ उत्तसवेबीय ॥ अनीअदिकरणंपुण ॥ समत्तपुरेरकमेजिवे ॥१॥ समसंवेदहो॥ निरवेदअनुंकंपके ॥ इत्यादिविस्तारबहु ॥ त्रणकरणनोहो ॥ कह्योबहुअधी कारके॥कर्मपयमीथीजाणोसहु ॥ ५९ ॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिक्रोध के ॥ नकरेजांणीवीपाकनें ॥ चक्रीशक्रनांहो ॥ सूखतेउखरूपके ॥ जाणें तुल्यकिंपाकनें ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविइछेअन्यके ॥ अनुंकंपाउ खीनीकरे ॥ द्रव्यसावथीहो ॥ होयसुसपरिणामके ॥ शंकादिकउषणहरे ॥ ६१ ॥ वलीजाणेंहो ॥ सत्यनेंनीश्शंकके ॥ जेजिनवरसाषीगया ॥ थोमा कालमांहो ॥ एहवाजेजीवके ॥ अव्याबाधसूखीथया ॥ ६२ ॥ तेहसमकिती हो ॥ अनुंक्रमेंदेशविरतिके ॥ तवथुलव्रतअंगीकरे ॥ बारव्रतनेंहो ॥ तेहना अतीचारके ॥ वधबंधादीकनविधरे ॥ ६३ ॥ व्रतसंगाहो ॥ कोमयोगमेथायके तेहसवीदेशवीरतीगणो ॥ तेहवातोहो ॥ बहुशास्त्रमभ्गारिके ॥ इहाथाइग्रंथ जघणो ॥ ६४ ॥ हलुउयइहो ॥ अनुंकरमेंजीवके ॥ संख्यसागरषयजबक रे ॥ तबसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥ कोईषपकश्रेणीकरे ॥६५॥ यतः॥ सणियंचसमत्तंमिउलद्धे ॥ पलीअपुहुत्तेणसावउहोज्जा ॥ चरणोवसमष याणं ॥ सागरसंखंतराहुंती ॥ ६६ ॥ पूर्वढाल ॥ पूरीषपकनीहो ॥ थाइजव श्रेणिके ॥ घातिषइकेवललहे ॥ अघातीहो ॥ करीकर्मनोघातके ॥ सादिअ

नंतसूखमांरहे ॥ ६७ ॥ इमसांभलीहोगुणशेनराजानके ॥ शुभपरिणांमऋ नलेंदहें ॥ कर्म्मइंधणांहो॥ बालीसमकीत्तके ॥ देशवीरतीभावेंलहे ॥ ६८ ॥ करजोमीहो ॥ कहेकुंअसूधन्यके॥ जिणेंतूम्हवयणांसांभल्यां॥रागविषनुंहो॥ जेटालणहारके ॥ पापपंकजलसममल्यां ॥ ६९ ॥ ढालबारमीहो ॥ समरा दित्यराशके ॥ साषीएहसोहामणी॥ पद्मवीजयेंहो॥ समकीतदेशविरतिके॥ पामवाजीमहोयसूरमणी ॥ ७० ॥ दुहा ॥ करजोमीनरपतिकहे ॥ विजयशे ननेंवांणि ॥ गृहस्थधर्म्मगुणशेननें ॥ उच्चरावीप्रसूआंणि ॥ ७१ ॥ अणुंव्रत तसउचरावियां ॥ साचांसमकीतमुल ॥ बहुविधीतासबतावीउ ॥ नरपतिनें अनुंकुल ॥ ७२ ॥ प्रणमीगुरूपरिवारस्यूं ॥ गयोतेआपणगेह ॥ भोजनकरी वलीभावस्यूं ॥ पोहतोगुरूपायतेह ॥ ७३ ॥ वलिसेवाकरीआणीउ ॥ उभय कालनितएम ॥ सांभलेगुरुवांणीसदा ॥ मासगयोईमप्रेम ॥ ७४ ॥ समकोध र्म्मसारीपठें ॥ विजयशेनकरेविहार ॥ धर्म्मकरेधरणिपती ॥ पुरेपुण्यप्रका र ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ मुनीमनसरोवरहंशलो ॥ एदेशी ॥ एकदिनेंहवेतेहनरप ती ॥ बेठोजुइंतमासोरे ॥ देषेतिहांसंबनरतणुं ॥ पामेंअतिअविषासोरे ॥ ॥ ७६ ॥ अथीरसंसारईणिपरिं ॥ एआंकणी ॥ च्यारजणेंतेउपामीउं ॥ बंधू जनपरिवाररे॥ करेआक्रंदअतिघणो॥ पणिनवीकरेकोईसाररे ॥ ७७॥अथी॥ संवेगभावीतजीवनें ॥ उपजेसहुइंद्रजालरे ॥ मृतकभिंभिमवाजतूं ॥ जागवे बालगोपालरे ॥ ७८ ॥ अथी० ॥ देषीनेंनरपतिचितवें ॥ धर्मध्यांनजसचि त्तोरे ॥ अम्हपणिइंणपरिंहोयस्यें ॥ एसंशारविचित्तोरे ॥ ७९ ॥ अथि० ॥ मरणधर्मासहुप्राणिआ ॥ हाहाभवगयोआलेंरे ॥ नरपतीसूरपतीसहुजना ॥ नविदिशेकोइकालेंरे ॥ ८० ॥ अथी० ॥ धन्यतेसेठसेनापती ॥ चिंतामणीस मजाणीरे ॥ घरछांमीव्रतआदरे ॥ धन २ तासकमाणीरे ॥ ८१ ॥ अथी० ॥ दिक्षालेईव्रतपालता ॥ शुद्धमांनलिइंआहाररे ॥ दोषबेंतालीशटालता ॥ धनते हनोअवताररे ॥ ८२ ॥ अथी० ॥ संजोजनादिकदोषजे ॥ पांचकह्याजिन राजेंरे ॥ दोसनलगावेतेहमां ॥ जगमांसहुसिरगाजेंरे॥ ८३ ॥ अथी० ॥ पां

चसूमतीसूमतारहे ॥ वलित्रणिगुपतिनेंधारेरे ॥ अणसणपरमुखतपकरे ॥ नितपरमादनेवारेरे ॥ ८४ ॥ अथी० ॥ पंचमहाव्रतभावना ॥ जेभाषीपणविशारे ॥ इर्यासूमतीमुखतेसवे ॥ पालेजेगतरिशरे ॥ ८५ ॥ अथी० ॥ मासादिकपमीमावहे ॥ अएहाएनेंवलीलोचरे ॥ लाभअलाभेंजेसमरहे ॥ तेहमांहरषनशोचरे ॥ ८६ ॥ अथी० ॥ निप्रतिकर्मशरीरजे ॥ समत्रणमणीसत्रुमीत्ररे ॥ धारेअभीग्रहनवनवा ॥ द्रव्यादिकजेविचित्ररे ॥ ८७ ॥ अथी० ॥ अढारसहससीलांगना ॥ धोरीसमरसकीधरे ॥ उपमानहीजसजगतमां ॥ इमनितकर्मनेंपीलेरे ॥ ८८ ॥ अथी० ॥ गामनगरपूरपाटणें ॥ नवकल्पीकरेविहाररे ॥ पृथिवीनेंजेपावनकरे ॥ टालेविषयविकाररे ॥ ८९ ॥ अथी० ॥ मीथ्यातकचरामाषूचीआ ॥ तेहनेंदेईउपदेशरे ॥ रविपरेंकादवशोषवी ॥ आपेगुंणसूवीशेशरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ संलेषणातपआदरी ॥ अणसणकरेमुनीरायरे ॥ पादपोपगमनादिकें ॥ छंडेजेनीजकायरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ धन २ तेजगनरवरा ॥ धन २ तेहनिमायरे ॥ धन २ वंशदिपावीउ ॥ जेएहवारिषीरायरे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ इंपिणइंणिविधिइंकरी ॥ देहतणोकरुत्यागरे ॥ मुफगुरुकल्पपादपसमो ॥ विजयशेनमहासागरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥ सयललोकमांसूरजसमो ॥ शास्वतसूखनोदातारे ॥ लखोभवेंपणिदोहिलो ॥ उतारेभवपाररे ॥ ९४ ॥ अ० निरुपमचिंतामणीसमो ॥ धर्मनोशारथीजेहरे ॥ आदरुंसंजमशुभपरि ॥ छंमीराज्यनेंगेहरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ सूबुद्धीप्रमुखमंत्रीस्वरा ॥ तेमावीइंमभाषेरे ॥ निजअभीप्रायजेउपनो ॥ तेसघलोकहीदाषेरे ॥ ९६ ॥ अ० ॥ तेपणिरायसंगेकरी ॥ जाणेंजीनवचसाररे ॥ हर्षधरीनेंबोलीआ ॥ धनतूमचोअवताररे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ अहो २ तुह्मविचारनें ॥ मोटापुरीससरीसोरे ॥ पवनाहतजलचंदलो ॥ जिवितचपलनरीसोरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥ तिणेंकरीकृत्यतेएहछे ॥ सूखदायकएहजांणोरे ॥ एहमांनप्रतिबंधकिजीइं ॥ जेहकरेतेअजाणेरे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ बलतिआगथीनीकले ॥ तेहनेंकहोकुंणवारेरे ॥ कोपीकदापीवारेजिके ॥ तेसत्रुपणकंधारेरे ॥ १०० ॥ अ० ॥ तिणेंअमेबङराजीय

या ॥ अममांबुधीघणेरीरे ॥ पणिअम्हेमरणवारीसकुं ॥ एहवीनहीकोसलेरी
रे ॥ ५ ० १॥ अ० ॥ हरषलह्योसूणिनरपति ॥ साषीतेरमीढालरे ॥ पद्मविजय
कहेशांसलो ॥ आगुंलवातरशालरे ॥ २ ॥ अ० ॥ दुहा ॥ रायकहेमंत्रीप्र
तें ॥ मुझनेंकुणकहेंआम ॥ हितूउंतूमटालीनही ॥ माहरीराषीमाम ॥ ३ ॥ इ
मअतिशयआदरकरी ॥ देवरावेमहादाण ॥ सक्तिकरेजिनसूवनमां ॥ जिन
पडीमाजिनजांण ॥ ४ ॥ अठाइमहोछवआदरें ॥ स्नेहिनेंसंतोष ॥ पुत्रचंद्र
सेनथापीउ ॥ प्रजानेंकरवापोष ॥ ५ ॥ विजयसेनजिहांविचरता ॥ कालि
जवुंतहकीक ॥ प्रवर्ज्यासावेंपडिवजी ॥ ठायोधरमेंठीक ॥ ६ ॥ जोइएकां
तवरजायगा ॥ पडीमातेहपवन्न ॥ सर्वराईसुसमाधिथी ॥ धरमीएहजधन्न ॥
॥ ७ ॥ ढाल ॥ आसनराजोगी ॥ एदेशी ॥ हवेअगनीशर्मातेतपसी ॥ तपकर
तांपम्योतेलपसीरे ॥ क्रोधानलबलीउ ॥ बहुलखपुरवतपपरजलीउ ॥ पणि
सघलोधूलिमांमलीउरे ॥ ८ ॥ क्रो० ॥ सुरमणीदलीद्रघरेनवीठाजे ॥ मातंगघ
रिगजकिमराजेरे ॥ क्रो० ॥ मरूधरणीकल्पवृक्षनहोय ॥ किमरांकघरिराज्य
तेजोयरे ॥ क्रो० ॥ ९ ॥ अंधघरेकीमपद्मणीनारी ॥ किहांथीलीछघरि
चित्रसारीरे ॥ क्रो० ॥ अगनीकुंडेंकीहांकमलनोवासो ॥ नागचित्तमांउपस
मषासोरे ॥ १० ॥ क्रो० ॥ अज्ञानीघरितपजेएहवो ॥ किमठाजेचिंतामणी
जेहवोरे ॥ क्रो० ॥ तपनुंअजीरणक्रोधतेसाष्यो ॥ ज्ञाननुंअहंकारतेदाष्यो
रे ॥ ११ ॥ क्रो० ॥ किरीयाअजीरणपारकीनिंदा ॥ आहारनुंवमनकरं
दारे ॥ क्रो० ॥ जोमुक्तपफलहोयतोसार ॥ याज्योलव २ मारणहाररे ॥
॥ १२ ॥ क्रो० ॥ करीयनियाणंनेतपफलहारयो ॥ नरस्रोकुलपतिनोवास्यो
रे ॥ क्रो० ॥ वेच्योहाथीनेंकीडीमांगी ॥ उलटीदूखशुलीजागीरे ॥ १ ३॥ क्रो० ॥
अणपडीकमतोतेहनीयाण ॥ जैनवाशनाविणअन्नाणरे ॥ क्रो० ॥ कालक
रीविद्युतकुमार ॥ आयुदोढपल्योपमधारिरे ॥ १४ ॥ क्रो० ॥ दियोतिणेंउप
योगस्यूंदिधूं ॥ स्यूंहोमहवनवलीकीधूंरे ॥ क्रो० ॥ देवतणीरीधीजिणथीपां
म्यो ॥ मुझपुन्यपुरवनोजाग्योरे ॥ १५ ॥ क्रो० ॥ विलंगज्ञानेंपुरवसवदि

ठे ॥ तवगुणशेनलागोअनिठेरे ॥ क्रो० ॥ गुंणशेननरपतीउपरिकोप्यो ॥ क्रोधनेंअज्ञानेंलोप्योरे ॥ १६ ॥ क्रो० ॥ पमीमारझोमुनीवरपरेंराय ॥ आविदेषीनेंक्रोधसरायरे ॥ क्रो० ॥ नरकअगनिसमीबलतिधार ॥ धूलीवृष्टीकरेतिवाररे ॥ १७ ॥ क्रो० ॥ तेवेलूथीदाफतोअंग ॥ करीसमतास्यूंअतीरंगरे ॥ समतारससरीउ ॥ चित्तइंगुरूसत्वेसंपत्तो ॥ जिनप्रणीतधरममांरत्तोरे ॥ १८ ॥ ॥ समता० ॥ शरीरमानसडुखकजिहांलहीइं ॥ संसारेसूलसदूःखकहीइंरे ॥ स० ॥ डुक्करधर्मतणीपमीवत्ती ॥ जेहथीसुखलहीइंफत्तीरे ॥ १९ ॥ ॥ स० ॥ सवशायरसमतांसवलखें ॥ दूरलसधर्मरयणजेरखेंरे ॥ स० ॥ जासप्रसावेंपालतांराज्य ॥ नविलहिइंदूखकसमाजरे ॥ २० ॥ स० ॥ सवअनादिमांधर्ममेंलहीउ ॥ अनाचर्णदोषेंकरीरहिउरे ॥ स० ॥ एहजसफलथयुंसज्जगमां ॥ विजयशेनआचार्यनीवगमांरे ॥ २१ ॥ स० ॥ पणिमुफहृदयमाहिंघणंफसाले ॥ दूःखदिधूंपूरवकालेरे ॥ स० ॥ अगनीशर्मानेंवलीअंतें ॥ करीतपमांकदर्थनासंतेरे ॥ २२ ॥ स० ॥ आदस्योमैत्रीसावम्हेतेहस्यूं ॥ सज्जिवथीविसेषेंएहस्यूंरे ॥ स० ॥ सूलपरिणांमवधारोकरतां ॥ तिणेंपापिइंरजस्यूंसरतांरे ॥ २३ ॥ स० ॥ आउपुरेंकीधोविनीपात ॥ पणिनथयोधर्मव्याघातरे ॥ स० ॥ चंद्राननविमांनमांजाय ॥ सौधर्मेंसागरएकआयरे ॥ २४ ॥ स० ॥ उतपतीदेवतणीइंहांकहिइं ॥ जिमसूत्रसिद्धांतेलहिइंरे ॥ स० ॥ तेविधीसंषेपेसुणोसयणां ॥ जिनवरसाषितजेवयणांरे ॥ २५ ॥ स० ॥ चौदमीढालेंचतूरपुरूषें ॥ सज्योदृढपरिणामजहरषेंरे ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेगुणशेनराजा ॥ जाणोसमरादित्यजीउताजारे ॥ २६ ॥ स० ॥

॥ डुहा ॥ संषेपेंकरीसूरतणी ॥ वातकहुंविस्तार ॥ श्रुतसायरथीसमफज्यो ॥ अधीकोजेअधीकार ॥ २७ ॥ ढाल ॥ पुण्यप्रशंसीइं ॥ एदेशीः ॥ इंद्रधनुंषजीमविजलीरे ॥ जिमगगनेंघनवात ॥ तिमक्षणमांहिसूरतणोरे ॥ सय्यामांउतपातोरे ॥ पुण्यप्रसंसीइं ॥ २८ ॥ सय्याइंतेहउपजेरे ॥ मुंकिइहसवदेह ॥ दिव्यतेअंतरमुहूर्त्तमांरे ॥ सूरसवसकतिएहरे ॥ २९ ॥ पु० ॥ गीतगाइंदेवांगनारे ॥

कुसूमवुठीकरेतेह ॥ विणानादविनोदथीरे ॥ नाटिककरतिजेहरे ॥३०॥पु०॥
सीहनादसूरवरकरेरे॥हरषेंदेखीरेतास ॥ सूरसवडखसपामीआरे॥ जांणीहो
यउल्लासरे ॥ ३१ ॥ पु० ॥ अनुंसवतोपंचविषयनेंरे ॥ हरष्योउठेरेदेव॥ देव
दूष्यजेवस्त्रछेरे ॥ तेमुंकेततषेवरे॥ ३२ ॥ पु० ॥ परिकरप्रेमपमाफतोरे ॥ दि
व्यरूपधरजेह ॥ पुरोसारदससिपरेंरे॥ सहुजय २ तेकरेहरे॥ ३३॥ पु०॥
देवदेवांगनासहुनमेरे॥ जय २ सब्दकरंत ॥ थुंणतांसूरसूरीदेखीनेंरे ॥ इम
चित्तमांहिंधरंतरे॥ ३४ ॥ पु० ॥ स्यूंहोम्यूंस्यूंदिघलुंरे॥ पाम्योएफलजास॥
दिइउपयोगअवधीतणोरे ॥ परसवजांणीतषाशरे॥ ३५ ॥ पु० ॥ पुछेसामा
नीकसूरप्रतेंरे ॥ कहोमुफकरणीजेह॥ जिनप्रतिमादाढातणीरे॥ पुजाकरोक
हेतेहरे ॥ ३६ ॥ पु० ॥ वांचिपुस्तकरतनारे॥ लेईधरमव्यवसाय ॥ सूरवर
वंदेपरिवर्योरे ॥ सिघ्धायतनेंजायरे ॥ ३७॥ पु० ॥ पुजाकरेजीनराजनीरे॥
फूलपगरवरधूप ॥ काव्यशक्रस्तवथीस्तविरे॥ सक्तिदेखावेअनूपरे ॥ ३८॥
॥ पु० ॥ दाढतणीपुजाकरेरे॥ टालेआशातनात्यांहि ॥ सूर्यासूरवरनीपरि
रे॥ रायपसेणीमांहिरे ॥ ३९॥ पु० ॥ विजयदेवअधीकारछेरे ॥ जिवासिग
मेंप्रसीध्ध॥ जंबुद्विपपन्नत्तीईरे ॥ बहुसूरेपुजाकिधरे ॥ ४० ॥ पु० ॥ नंदिस
रमेरूतणीरे॥ प्रतिमानमीआरेहोय ॥ इहांनमीतेहअशाश्वतिरे॥ चारणमुनी
वरदोयरे ॥ ४१ ॥ पु० ॥ सगवतीविशमाशतकमांरे॥ साष्योएअधीकार॥
तिमदशमेदाढातणीरे॥ आशातनपणिवारीरे ॥ ४२ ॥ पू० ॥ इमबहुसूरअ
धीकारछेरे॥ तिममानवनारेसार॥ तिणेंजिनपूजमानेंनहीरे॥ अहेलेतसअव
तारेरे ॥ ४३ ॥ पु० ॥ हवेजेजागिमनोहरूरे॥ देखावेसूरतास ॥ देवांगनांहा
वसावनेरे॥ करतिकरेविलाशरे ॥ ४४ ॥ पु० ॥ पंचविषयसूखसोगवेरे ॥
तेवरदिव्यविमान ॥ वलितिरथजात्राकरेरे ॥ वंदेप्रसूविहरमानरे ॥४५॥पु०॥
समकीतदृष्टीसूरतणीरे॥ साषीकरणीरेएह ॥ चंद्राननविमानमांरे ॥ सूखसो
गवेसूरतेहरे ॥ ४६ ॥ पु० ॥ सूरसूंदरीसाथेंसलारे ॥ पूरणसागरएक ॥ संपूर
णसूखसोगवेरे ॥ धारेअतिहिंविवेकरे॥४७॥ पु० ॥ इणीपरेप्रथमजसवकह्यो

रे ॥ सूरस्तवसहीतरञाल ॥ श्रीसमरादित्यराञनीरे ॥ पनरमीएढालरे ॥४८॥
॥ पु० ॥ श्रीविजयसिंहसूरिंदनारे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ कपूरविजयतस
पाटवीरे ॥ षिमाविजयतसषासरे ॥ ४ए ॥ पु० ॥ ताससीशजिनविजयजी
रे ॥ उत्तमविजयतससीश ॥ लीवमीनगरप्रारंनीउरे ॥ राशएविसवाविसरे ॥
॥ ५० ॥ पु० ॥ संवतजाणिअढारसेंरे ॥ वलीउंगणच्यालीश ॥ मांम्योआशो
वदिनिजदिनेंरे ॥ पद्मविजयसुजगीसरे ॥ ५१ ॥ पु० ॥ कातिशुदिआठिमदि
नेंरे ॥ संपूरणथयोषंम ॥ संघअखंमपणेंसूण्योरे ॥ पांमीपुण्यप्रचंमरे ॥ ५२ ॥ पु० ॥
॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमितप्रवरश्रीमउत्तमविजयशिष्यपं० पद्मविजयविर
चित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेगुणसेनाग्निसर्मालीधानयोप्रथमस्तवः
समाप्तः ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ सोलसमाजिनसमरिइं ॥ शांतिनाथसुखकार ॥ परस्तवजिणेंपारेव
मो ॥ उगास्योउपकार ॥ १ ॥ गुणसेनअगनीसर्मागया ॥ सिहाएंदहवेशार ॥ पि
तापुत्रप्रेमेंकरी ॥ वर्णवस्यूंविस्तार ॥ २ ॥ सांत्तलज्योश्रोतासवे ॥ आलसअं
गउनार ॥ तेरकाठीआमाहिते ॥ प्रथमआलसपरकार ॥ ३ ॥ विकथावर्जोति
मवली ॥ नकरोविकथाजेण ॥ वितथातेविकथावदे ॥ स्वपरनसांत्तलेतेण ॥ ४ ॥
तिमनिद्रानकरोतुम्हे ॥ निद्राथीश्रुतनाश ॥ सूतानुंश्रुतपणिसूइं ॥ श्रीसिद्धां
तेत्तास ॥ ५ ॥ तिणेंनिद्राविकथातजो ॥ आलसनकरोअंग ॥ सांत्तलताजेस
मझस्ये ॥ तेलहेज्ञानतरंग ॥ ६ ॥ ढाल ॥ ललनांनीदेशी ॥ जंबुधीपसोहाम
णो ॥ तेहमाषेतरसात ॥ ललनां ॥ त्तरतनेंहिमवंतजांणीइं ॥ वलिहरिवर्षवि
ख्यात ॥ ल० ७ ॥ जं० ॥ महाविदेहरम्यगतथा ॥ हेरुंऐरण्यवतधारि ॥ ल०
ऐरवतषेतरसातमुं ॥ मेरुविदेहमझार ॥ ल० ॥ ८ ॥ जं० ॥ महाविदेहदोय
त्तेदथी ॥ पुरवपठिमजांण ॥ ल० ॥ पठिममहाविदेहमां ॥ जयपुरनगरवखा
णि ॥ ल० ॥ ए ॥ जं० ॥ सूरपुरीसमनगरीतिहां ॥ आरामनेंउद्यांन ॥ ल० ॥
गुणजेहनानगणीसकुं ॥ सूतलतिलकसमांन ॥ ल० ॥ १० ॥ जं० ॥ रूपाली
रमणीजीहां ॥ महिलागुंणअसमांन ॥ ल० ॥ परद्रव्यलेवानरजीहां ॥ संको

चेनीजपाणि ॥ ल० ॥ ११ ॥ जं० ॥ परछिद्रजोवानेआंधला ॥ परस्त्रीउपरि
क्लीव ॥ ल० ॥ परअपवादनेंबोलवा ॥ जाणेमुंकअतीव ॥ ल० ॥ १२ ॥
जं० ॥ परउपगारपरायणां ॥ एहवाजनसमवाय ॥ ल० ॥ पुरुषदत्ततिहां
राजीउ ॥ प्रजालोकसूखदाय ॥ल०॥१३॥ जं० ॥ राणीश्रीकंतातेहनें ॥ सोग
वेलोगरसाल ॥ ल० ॥ इणेंअवशरतेदेवता ॥ चविउआउनेंकाल॥ ल० ॥१४॥
जं० ॥ श्रीकंताउरेंअवतरयो ॥दिठुंसूपनतेराति ॥ ल० ॥ सीहकिसोरसोहा
मणो ॥ वदनेंउदरआयात ॥ ल० ॥ १५ जं० ॥ निर्धूमअगनीजालासमो ॥
केशरानोआटोप ॥ ल० ॥ फटीकहंससमउजलो ॥ पिंगनेत्रविणकोप ॥ल०
॥ १६ ॥ जं० ॥ मध्यलागजसपातलो ॥ पिहुलवक्षस्थलजाश ॥ ल० ॥ दि
र्घकुंमलीतपुंछडुं ॥ कटितटकठिनविशाल ॥ ल० ॥१७॥ जं० ॥ इमहरिसू
पनेंदेखीनें॥जागीकहेसरतार ॥ल० ॥ पुत्रपराकमीहोयस्ये ॥ संपदहोस्येअ
पार ॥ ल० ॥ १८ ॥ जं० ॥ सांसलीहर्षतेपामती॥ सूखमांकाढेकाल॥ल०॥
गर्सप्रसावेंदोहला ॥ उपजेपुण्यविशाल ॥ ल० १९ ॥ जं० ॥ - सप ।
ऊसत्वनें ॥ मुनीनेंउपष्टंसदान ॥ ल० ॥ दिनअनाथकृपणप्रतिं ॥ संपदादेउं
अमांन ॥ ल० ॥ २० ॥ जं० ॥ जिनवरसघलेदेहरे ॥ पुजाकरुंबऊसक्ति
॥ ल० ॥॥ वातसूणावीकंतनें ॥ तेपूरेनिजसक्ति ॥ ल० ॥ २१ ॥ जं० ॥ ते
देखीपरजासबे ॥ हरषघणोपामंत ॥ ल० ॥ धरमकारजकरतांथकां ॥ नव
महीनावोलंत ॥ ल० ॥ २२ ॥ जं० ॥ शुसलगनेंसूतजनमीउ ॥ करपदको
मलकाय ॥ ल० ॥ सयलप्रजामनसूखथयो ॥ मातनेंहरषनमाय ॥ ल० ॥
॥ २३ ॥ जं० ॥ शुसंकरादासीहवे ॥ नृपनेंवधाईखाय ॥ ल० ॥ पुत्रजनम
थीहरषीउ ॥ हवेदिइंदानतेराय ॥ ल० ॥ २४ ॥ जं० ॥ वंधनमोचनादिकतिहां ॥
उछववलीनरिंद ॥ ल० ॥ नगरमार्गसणगारीआं ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ल० ॥
॥ २५ ॥ जं० ॥ सणगारीहाटसेरीउ ॥ मंगलतूरवाजंत ॥ल० ॥कुंकुमजलपं
थसीचिआ ॥ कुसूमसर्वत्रधरंत ॥ ल० ॥ २६ ॥ जं० ॥ इमसमहोछवकर
तांथकां ॥ माबापथयोतवनांम ॥ ल० ॥ सिहकुमारसोहामणुं ॥ थापेतसअ

सीराम ॥ ल० ॥ २७ ॥ जं० ॥ पुण्येंप्रणयीलोकने ॥नयणमनेंआणंद ॥ल०
देतोजोवनपामीउ ॥ सकलकलागुणरंद ॥ ल० ॥ २८ ॥ जं० ॥ एसमरादि
त्यराशमां ॥ विजेखंमेंढाल ॥ ल० ॥ पहेलीपदमेंकहीसली ॥ सूणतांमंगलमा
ल ॥ ल० ॥२९ ॥ जं० ॥ दुहा ॥ आव्योवसंततेअन्यदा ॥ रतिदेखावीनारि॥
मदनसिलिमुखमुंकतो ॥ विधेलोकतिवार ॥ १ ॥ ३० ॥ कोइलकोलाहलक
रे ॥ जय २ सब्दनेंकाज ॥ विरहअनलधुमजवमो ॥भमरआमानुंभाज ॥
॥ ३१ ॥ मित्रेपरिवर्योमोदस्यूं ॥ क्रिमाकरणसंकेत ॥ क्रिमासूंदरकाननें ॥
आव्योअचरीजदेत ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ कोईलोपरवतधूंधलोरेलो ॥ एदेशी ॥ इं
णअवसरदिठीतीहांरेलो ॥ कंन्याकुसूमावलीनामरे ॥ रंगीली ॥ वनदेवीसी
वीराजतीरेलो ॥ कांमक्रिमानोधामरे ॥ छबीली ॥ ३३ ॥ पुन्यतणांफलपेष
ज्योरेलो ॥ एआंकणी ॥ कुसूमगर्भितवर्णीसलीरेलो ॥ कोमलकरकजपानरे ॥
॥ रं० ॥ अधरप्रवालारंगज्यूंरेलो ॥ चंपकसमतनुंवानरे ॥ छ० ॥ ३४ ॥ पु०
लक्ष्मीकंतनरपतीतणीरेलो ॥ पुत्रीपावनअंगरे ॥ रं० ॥ सखिजनस्युंतेपरिव
रीरेलो ॥ क्रिमावसंतनीचंगरे ॥ छ० ॥ ३५ ॥ पू० ॥ माउलपुत्रीतेहछेरेलो ॥ते
हसूंउपनोरागरे॥रं०॥सवअनंतअभ्यासथीरेलो॥पंचबाणथयोलागरे॥छ०॥
॥ ३६ ॥ पु० ॥ तेणिइंदिठोतेहनेंरेलो ॥ सामनचिंतेइंमरे ॥ रं० ॥मकरध्वजइं
हाआवीउरेलो ॥ क्रिमाकरणकेकांमरे ॥ छ० ॥ ३७ ॥ पु० ॥ चिंतवीपगउ
सारतीरेलो ॥ चेटिप्रियंकरातामरे॥रं॥उसरोनहीनृपपुत्रथीरेलो ॥ एसिहकुमर
छनामरे ॥ छ० ॥ ३८ ॥ पु० ॥ तुम्हफईकुखेंउपनोरेलो॥ आव्याप्रथमथीआ
परे ॥ रं० ॥ उसरतांमापणनहीरेलो ॥ करस्येएहवीछापरे ॥ छ॥ ३९ ॥ पू०॥
तिणेंएहनेंतूझेकरोरेलो ॥ कंन्याउचितउपचाररे ॥ रं० ॥ साकहेतुंकहेतिमक
हरेलो ॥ तवतेकहेसूविचाररे ॥ छ० ॥ ४० ॥ पु० ॥ आशनदेईआदरकरोरे
लो ॥ फूलआसरणतंबोलरे ॥ रं० ॥ कुमरीकहेनकरीसकूंरेलो ॥ रंगलागोमुझ
चोलरे॥छ० ४१॥ पु० ॥ तेहवेकुमरतेआविउरेलो ॥आप्युंआशनसाररे ॥ रं॥
रतिवीरहीतपंचबाणनेंरेलो ॥ स्वागतछेरेकुमाररे ॥ छ ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमपु

ठप्रियंकरारेलो ॥ तवतेबोलेकुमाररे ॥ रं० रतिविरहीतदिनएतलारेलो ॥ पणि नहिसंप्रतिवाररे ॥ ठ० ॥ ४३ ॥ पु० ॥ इमकहिवेगेतेआसनेरेलो ॥ फूलआ सरणवलिपानरे ॥ रं ॥ दियूतेलिधूंतिणेरेलो ॥ मनमांघरीबहुमानरे ॥ ठ० ॥ ॥ ४४ ॥ पू० ॥ इणअवसरआव्योतिहांरेलो ॥ कंन्यानोरखवालरे ॥ रं० ॥ करतांदिगविनोदनेरेलो ॥ मनचिंतेतिणेकालरे ॥ ठ ॥ ४५ ॥ पू० ॥ रतिनेंकं दर्पमल्योषरोरेलो ॥ जोसहेस्येकिरताररे ॥ रं० ॥ आवितिहांआदरकरेरेलो ॥ कुमरनेंअतिसत्काररे ॥ठ० ॥४६॥ पू०॥ वच्छजननीतूझइमकहेरेलो॥ खेदथ स्येतुझदेहरे ॥ रं० ॥ बहुवेलाथइआवीइरेलो ॥ मुक्तावलीकहेएहरे ॥ठ० ॥ ॥ ४७ ॥ पु० ॥ उठिइंमसाषीहवेरेलो ॥ मातनीआणप्रमाणरे ॥ रं० ॥ चिंतव तिकुमरप्रतिरेलो ॥ मुकेतेहउझाणरे ॥ ठ० ॥ ४८ ॥ पु० ॥ दिर्घनीशासाना षतीरेलो ॥ पहोतीनीजआवासरे ॥ रं ॥ जइपल्यंकेंवेगीतीहांरेलो ॥ संतापेगु णतासरे ॥ ठ० ॥ ४९ ॥ पु ॥ सषीउनेंविसर्जतीरेलो ॥ मदनसेदाणीतेहरे ॥ ॥ रं० ॥ चित्रकरमनकरेहवेरेलो ॥ सूकसारीकास्यूंननेहरे ॥ठ०॥५०॥पु०॥ अंगरागनकरेकिमेरेलो ॥ आहारनोनहीअसीलाषरे ॥ रं० ॥ सवनसयणको इनवीगमेरेलो ॥ नविकलहंसस्यूंसाखरे ॥ ठ० ॥ ५१ ॥ पु० ॥ वाव्यमांमज्ज ननविकरेरेलो ॥ नविसारेकांयविणरे ॥ रं० ॥ कंदूकक्रिडापरिहरिरेलो ॥ सू खणनधरेषीणरे ॥ ठ० ॥ ५२ ॥ पु० ॥ जुथभ्रष्टजिमहरणलीरेलो ॥ खणमां नयणमीलायरे ॥ रं० ॥ खणनीशासानांषतीरेलो ॥ खणमाचेष्टाजायरे ॥ठ०॥ ॥५३॥पु०॥ इणअवसरधावीपूत्रीकारेलो ॥ निजजननीलहीआणिरे ॥ रं० ॥ मदनलेखाआवितिहांरेलो ॥ तालवंतलेइपाणिरे ॥ ठ० ॥ ५४ ॥ पु० ॥ बिमां कपूरस्यूंपाननांरेलो ॥ परिश्रमक्रिडानोजाणिरे ॥ रं ॥ नेउरपाइरणझणेरेलो ॥ हरषतेधरतीअमानरे ॥ ठ० ॥ ५५ ॥ पु० ॥ चिंतातुरदिगीतिणेरेलो ॥ सखा गतसुन्यसावरे ॥ रं० ॥ विगरबोलतीदेषिनेंरेलो ॥ पुछेतवसदसावरे ॥ ठ० ॥ ॥ ५६ ॥ पु० ॥ किमउदवेगकरीरहीरेलो ॥ स्यूंनवीनीतपरिवाररे ॥ रं० ॥ केदेवगुरुनवीपूजीआरेलो ॥ केगुरूजनअपकाररे ॥ ठ० ॥ ५७ ॥ पु० ॥

केअरथीनसंतोषीआरेलो ॥ केसखिजनोनरागरे ॥ रं० ॥ केसमीहीतनवीनी पनूरेलो ॥ कहोतूम्हेंकहेवालागरे ॥ ७० ॥ ५८ ॥ पु० ॥ अलकसमारीहाथ स्यूंरेलो ॥ बोलीकुसूमावलीवांणरे ॥ रं०॥ कुसूमवीणतांउपनोरेलो ॥ षेदघणो दूखषांणिरे ॥ ७० ॥ ५९ ॥ पु०॥ तिणेंआलसअरतीघणीरेलो ॥ अन्यनकार णकोयरे ॥ रं० ॥ मदनलेषातवबोलतीरेलो ॥ सांसलजोसङ्कोयरे ॥ ७० ॥ ॥ ६० ॥ पु० ॥ विजेखंभेइमकहीरेलो ॥ विजीढालरसालरे ॥ रं० ॥ पद्मकहे श्रोतासूणोरेलो ॥ सूणतांमंगलमालरे ॥ ७० ॥ ६१ ॥ दूहा ॥ मदनलेखाकहे माननी ॥ ल्योकरमुक्तंबोल ॥ विश्रामणकरूंतूझवपु ॥ तवबोलेतेबोल ॥ ॥ ६२ ॥ इणअवसरमुझअवरस्युं ॥ कांमनहीसुणिकांय ॥ कदलीघरजईइं करो ॥ शय्यातिहांसुखथाय ॥ ६३ ॥ कुसूमावलीघरिकेलीनें ॥ सूतिकुमरसं सारि ॥ कपुरविमुंकरदिउं ॥ मदनलेषासूकुमारि ॥ ६४ ॥ कथाकहेकौतूकक री ॥ विजणेंविजतीवाय ॥ शुन्यङ्कारोसांसली ॥ चिंतवेंतेचितलाय ॥६५॥ अछेविकारचितएहनें ॥ तेणेपुछुंवात॥इमचिंतिपूछ्यूंइणि॥ सूणिबहिनीसूख सात ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ वाम्हीफूलीअतीसलीमनस्समरारे ॥ एदेशी ॥ मदनलेखा कहेइणिपरिं ॥ सूणवेहनीरे ॥ वशंतक्रीमागयांआज ॥ तूम्हेसुणोवहिनीरे ॥ अचरिजकांईदिठुंतिहां ॥ सू० ॥ तवबोलीधरीलाज ॥ तूम्हे ॥ ६७ ॥ क्रिमा सूंदरउद्यानमां ॥ सू० ॥ रतिविरहीतपंचबाण ॥ तू० ॥ रोहिणीविरहितचंद्र मा ॥ सू० ॥ मानूंदिठोतिणेंगांण ॥ तू० ॥ ६८ ॥ सचिविरहितजिमहरीहो ई ॥ सू० ॥ मदिराविनुंकामपाल ॥ तू० ॥ सोवनवरणशरिरछे ॥ सू० ॥ पाय अंगुलीसुकमाल ॥ तू० ॥ ६९ ॥ गुढशीरापिम्हीहति ॥ सू० ॥ मणहरमोरसी जंघ ॥ तू ॥ गुढजानुंसूंदरअती ॥ सू० ॥ पणिपरनारीउल्लंघ ॥ तू ॥ ७० ॥ संगतउरूजुगसोभता ॥ सू० ॥ विपुलकटितटभाग ॥ तु० ॥ मध्यभागअति पातलो ॥ सू० ॥ हृदयविशालविभाग ॥ तू० ॥ ७१ ॥ वर्तूललांबिबाहमी ॥ ॥ सू० ॥ पुंहचातेअतिपुष्ट ॥ तु० ॥ सुलरेषाइंशोभता ॥ सू० ॥ जानुप्रापक रलष्ट ॥ तु० ॥७२॥ कांयकरातानखभला ॥ सू० ॥ अधरप्रबालिरंग ॥ तू०॥

समश्रेणीदंततेउज्जला ॥ सू० ॥ नासावंसउत्तंग ॥ तू० ॥ ७३ ॥ दिर्घविशा
लमांहिरक्तता ॥ सू० ॥ अष्टमीचंदज्युंसाल ॥ तू० ॥ श्रवणसूसंगतजेहना ॥
॥सू०॥ पहेरीमुक्ताफलमाल ॥ तू० ॥७४॥ कसिणकुटिलकुंतलसला ॥सू०॥
चंदनचर्च्योअंग ॥ तु० ॥ निरमलवस्त्रसूक्ष्मघणां ॥ सु० ॥ चुम्पारयणउत्तमां
ग ॥ तू० ॥ ७५ ॥ स्यूंकहिइंघणंतेहनुं ॥ सु० ॥ जाणीइंरूपनुंरूप ॥ तू० ॥
लावण्यनुंलावण्यमानुं ॥ सू० ॥ तरूणनुंतरूणअनुप ॥ तू० ॥ ७६ ॥ मनो
रथनोमनोरथजाणं ॥ सू० ॥ नृपसूतसिंहकुमार ॥ तू० ॥ मदनलेखासूणि
चिंतवे ॥सू०॥ रागएजुगतेंगार ॥तू०॥ ७७ ॥ अथवाकमलाकरविना ॥सू०॥
लषमीनकरेवास ॥ तू० ॥ कुसूमायुधनेंरतिविना ॥ सू० ॥ नहिकोइंयोग्यते
षास ॥ तु० ॥ ७८ ॥ सुबुद्धिरायस्यूंमंत्रतो ॥ सू० ॥ सांसल्योआजविचार ॥
॥ तु० ॥ कुसूमावलिकहेतेकहो ॥ सु० ॥ मदनलेखाकहेउगार ॥ तु० ॥७९ ॥
देविपेसणनेकुंगई ॥ सू० ॥ तिहांसांसलीएवात ॥ तू० ॥ सुबुधीकहेरायनें ॥
॥ सू० ॥ पुरुषदत्तनृपख्यात ॥ तु० ॥ ८० ॥ काजेसिंहकुमारनें ॥ सू० ॥
कुसूमावलिदिउअम्ह ॥ तू० ॥ बहु २ आग्रहथीकह्युं ॥सू०॥ मुझनेंतेकह्युं
तूम्ह ॥ तू० ॥ ८१ ॥ वलिइंममुझनेंसाषिउं ॥ सू० ॥ एवरवधूसंजोग ॥तू०॥
अन्यअन्यनेंयोग्यछे ॥ सू० ॥ एहप्रसंससेलोग ॥ तू० ॥ ८२ ॥ अलिककोप
करीलाजती ॥ सू० कुसूमावलिकहेतांम ॥तू०॥ हर्षधरीमनमांकहे ॥सू०॥
स्यूंअसंबधकहेआंम ॥ तू० ॥ ८३ ॥ मदनलेखाकहेजुठस्यूं ॥ सू० ॥ हंसी
हंसनेंलाग ॥ तू० ॥ जुत्तवातछेनृपकहे ॥ सू० ॥ सूणिमंत्रिमाहासाग ॥ तू०
॥ ८४ ॥ इणअवसरिआवितिहां ॥सू० ॥ कुसमावलिनइंपास ॥ तू० ॥ पल्ल
वियादाशीसलो ॥ सू० ॥ उद्यानपालितेषास ॥ तु० ॥ ८५ ॥ रायेंकह्युंतुममा
तनें ॥ सू० ॥ मातकहावेतूझ ॥ तू० ॥ सवनउद्यानशोसाकरो ॥ सू० ॥ ए
आंणाछेमुझ ॥ तू० ॥ ८६ ॥ राजकुमरसिंहनामजे ॥ सू० ॥ आवसेरम
वाआज ॥ तू० ॥ कुसूमावलितेहसांसली ॥ सू० ॥ कहेधन्यदिनथयोआज
॥ तू० ॥ ८७ ॥ बिजेखंमेइंमकही ॥ सू० ॥ । ॥ तू० ॥

विजयकहेसांभलो ॥ सू० ॥ आगलप्रीतीविशाल ॥ तू० ॥ ८८ ॥ दुहा ॥सां भलीसाष्युंसत्यते ॥ऊठिसज्युंउद्यान ॥ तेम्हयोकुमरनिमंत्रीनें ॥ माइं मेल्युंतां न ॥ ८९ ॥ भोजनविधीकस्योभलो ॥ भवनउद्यानगयोभाय ॥ द्राक्षामंडप देखीउ ॥ सारिकाइंसुखसूणाय ॥ ९०॥ रक्तअशोकेंरीझीउ ॥ भवनदिर्घिका भालि ॥ नलिनीवनखंडनिपनुं ॥ लवेकोकिलअंबडालि ॥ ९१ ॥ भ्रमरसमें भणकारस्युं ॥ माधविलतामंडाण ॥ नागवल्लिनानिवहने ॥ पुगीआलिंगेपाणि ॥ ॥ ९२ ॥ कुसूमगुच्छपरिमलकरे ॥ मोह्युंदेखीमन्न ॥ महाविलतामाहिंरह्यो ॥ राजेपुरुषरतन ॥ ९३ ॥ ढाल ॥ रायकहेराणीप्रतें ॥ भरिदीर्घनीशासा ॥ एदे शी ॥ कुसूमावलिनेंमदनलेखा ॥ कहेइंणीपरेंवात ॥ पूर्वसंबंधथयोजीके ॥ हवेपरगटथात ॥ ९४ ॥ सांभलोबहिनीमाहरी ॥ एकवातसनुंरी ॥ एआंक णी ॥ फुलतंबोलतेआपिइं ॥ पुछोवातसरीर ॥ आपकलादेखाविइं ॥ रागकान नविर ॥ ९५ ॥ सां० ॥ कुसूमावलीकहेजिमगमे ॥ तिमतुम्हेकरोआपें ॥ म यणलेखाचित्रपटिका ॥ तवलावीआपे ॥ ९६ ॥ सां० ॥ सामानसर्वदेइंकहे एकहंसीआलेखो ॥ हंशीविरहिणीहंशनें ॥ जोवाउछुकपेषो ॥ ९७ ॥सा०॥ कुसूमावलीइंचितरी ॥ तेहंशलीतेहवी ॥ मदनलेखाइंदुपदि ॥ लिखीउपरिंएह वी ॥ ९८ ॥ सा० ॥ हंसलीनीअवस्थातणो ॥ तेहमांभावसमाइ ॥ मदनलेखा हवेलेईने ॥ गईकुंअरपायें ॥ ९९ ॥ सां० ॥ कुसूमावलीनीप्रीयसखि ॥ जाणीआदरकीध ॥ प्रणमीजेलावीहती ॥ तेकूमरनेंदिध ॥ १००॥ साबेंइंणि परेंकुमरनें ॥ तुम्हेचित्तनारागी ॥ राजकुमरीइंजेमोकल्यूं ॥ निजचित्तसोभा गी ॥ १ ॥ सा० ॥ प्रियंगुमंजरीएवली ॥ वलीनागरवेली ॥ कक्कोलफलतंबो लए ॥ मोकलिआंकेलि ॥ २ ॥ सा० ॥ इष्टनेंदिजेंएसहु ॥ तिणेंमोकल्यातु ह्य ॥ हंसीसूखलहोतुम्हथी ॥ एहत्ताष्युगुह्य ॥ ३ ॥सा० ॥ कांनेप्रीयंगुमं जरी ॥ मुखेंलीधतंबोल ॥ राजहंसीजोईहरषीउ ॥ वांच्योदुपदीबोल॥४॥सा० मदनविकारथीबोलतो ॥ वांणीमधूरखलाती ॥ चित्रकौसलघणंरूअडुं ॥ वा तजाणीइंगती ॥ ५ ॥ सा० ॥ पणिदुपदिनुंकामस्यूं ॥ पुनरुक्तजणावे ॥ मद

नलेखाकहेम्हेंलखी ॥ देखीउपदिसावें ॥ ६ ॥ सां० ॥ कहेकुंअरहूमूंकस्युं॥ सखिसावजणाव्यो ॥ नागरवेलतकातरे ॥ हंसरूपसोहाव्यो ॥ ७ ॥ सां० ॥ हंसलीसरीषोहंसते ॥ वलिश्लोकतेलखीउ ॥ आप्योतेहनेंहाथमां॥ वलिइंणि परिंसषीउ ॥ ८ ॥ सां० ॥ कहेज्योकुसूमावलीसणी ॥ हूमूंकिघूंविनाण॥ फिरी २ एहवुंकहावज्यो ॥ निजसखिस्यूंजाण ॥ ए ॥ सां० ॥ मुक्तावलीवली दानमां ॥ आप्युंकुमरेंतास ॥ एसंतोषषुसीतणें ॥ लक्षणसूविलास ॥ १० ॥ ॥ सां० ॥ मदनलेखाहवेनिकली ॥ करीनेंपरिणांम ॥ कुसूमावलीपासेंगई ॥ कहिवाततेतांम ॥ ११ ॥ सां० ॥ सांसलीरोमांचित्तथई ॥ हवनित २ इंम ॥ मदनवसेंनव २ करे ॥ बहुचेष्टाप्रेम ॥ १२ ॥ सां० ॥ एसविवातचरित्रमां॥ छेबहुविस्तार ॥ थोडादिनगयाजेतले ॥ तवथायप्रकार ॥ १३ ॥ सां० ॥ प्रीयं करादासीहवे ॥ कुसूमावलीपासें ॥ तुम्हतातेंसीहकुमरनें॥ तूह्मआप्यांइमसा से ॥ १४ ॥सां०॥ बहुप्रमोदलह्मांअनुंक्रमे ॥ परणाव्यारायें॥ तेहविस्तारकह्मो नही ॥ बहुविस्तारथायें ॥ १५ ॥ सां० ॥ तेहचरीत्रथीजाणज्यो ॥ हवेफेरा फरतां ॥ दानआप्युंजेकुमरनें ॥ सहुनजरेंकरतां ॥ १६ ॥ सां० ॥ पहेलेफें रेवधूपिता ॥ सोवनलाखसार ॥ विगरघम्युंदिघूंवलि ॥ विजेघम्युंसार॥१७॥ ॥ सां० ॥ कुंडलकंदोरोवली ॥ बाजुबंधनेंहार ॥ सार २ सूषणजीके ॥ देवे मनोहार ॥ १८ ॥ सां० ॥ त्रीजेथालिवाटीका ॥ साजनबहुसांति ॥ चोथेंम हर्घ्यचिवरदिइं ॥ मनमाघणीषांति ॥ १ए ॥ सां० ॥ पुरुषदत्तपणिराजीइं॥ निजसंपदसारू ॥ बहुमुलांवह्ननेंदिआ ॥ सूषणघणंचारु ॥ २० ॥ सां० ॥ बहुउछवमोछवकरी ॥ इंमपरण्यांवेहु ॥ चरित्रकारजेवर्णवे ॥ तेकहिइंकेहु॥ ॥ २१ ॥ सां० ॥ इंमविजेषंभेकहि ॥ चोथीवरढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्य थी ॥ होयमंगलमाल॥ २२ ॥ सां० ॥ दुहा ॥ पंचविषयसुखपुन्यथी ॥ सो गवेस्त्रीसरतार ॥ वधतेरागविशेषथी ॥ दंपतीवलीदातार ॥ २३ ॥ लापअनेक वरसलगें ॥ क्रिमाकरतांकाल ॥ सुखमांनवीजाणेंसही ॥ तेहगयोतिणताल ॥ ॥ २४ ॥ अस्वखेलाववाअन्यदा॥सीहकुमरगयासार ॥ नागरे...

परिवस्योनीजपरिवार ॥ २५ ॥ ढाल ॥ मालिकेरेबागमां ॥ दोयनारिंगपके रेलो ॥ अहोदोय० ॥ एदेशी ॥ इणअवशरिंदिगातिहां ॥ एकवरअणगाररे लो ॥ अहोएक ॥ धरमघोषनांमेंसखा ॥ बहुमुनीपरिवाररेलो ॥ अहोब हु० ॥ २६ ॥ प्रासूकजायगेंउतरचा ॥ रूपगुणअसमानरेलो ॥ अहोरूप० ॥ योवनवयमांवरतता ॥ शत्रुमित्रसमानरेलो ॥ अहोशत्रु० ॥ २७ ॥ खंतीम द्दवअज्ञवमुत्ती ॥ तवसंजमठाणेरेलो ॥ अहोतव० ॥ सत्यसौचअकिंचन वली ॥ ब्रह्मचर्यनिधानेंरेलो ॥ अहोब्रह्म० ॥ २८ ॥ द्वादशांगीधरवाचना ॥ सूत्रअर्थनीदेतारेलो ॥ अहोसूत्र० ॥ निर्जराअर्थिउद्यमी ॥ निजशिष्यनेंक हेतारेलो ॥ अहोनीज० ॥२९॥ आचारयपदनाधणी॥ देषीनेंविचारेरेलो ॥ अ होदेषी० ॥ सकलसंगत्यागीमुनी ॥ एसवजलतारेरेलो ॥ अहोए० ॥ ३० ॥ धन्यएएहनीमावडी ॥ तज्योसारोसंशाररेलो ॥ अहोत० ॥ बहुमांनेंकरीचिं तवे ॥ करेपरउपगाररेलो ॥ अहो० ॥ ३१ ॥ एहनेंसंगेंजईहवे ॥ पूछुंएहवा तेरेलो ॥ अहोपू० ॥ मनोसवललितसमयअछे॥ किमजोगआयातरेलो ॥ अ होकिम० ॥ ३२ ॥ दूरथीउतरेअश्वथी ॥ जईमुनीवरपासेंरेलो ॥ अहोजई०॥ वंदेमुनीवरविनयस्यूं ॥ धरीहर्षउल्लासेंरेलो ॥ अहोधरी० ॥ ३३ ॥ असीनें द्योधर्मलाभथी ॥ वंद्याशेषमुणिंदरेलो ॥ अहोवं० ॥ बेठेगुरुचरणेंजई ॥ लहे परमआणंदरेलो ॥अहोल०॥३४॥ पुछेधरमघोषमुनी॥ गुरूजीमुझसासोरेलो॥ ॥ अहोगु० ॥ संपदाकुलघरस्वामीजी ॥ निर्वेदअस्यासोरेलो ॥ अहो० ३५॥ एहअकालेंआदरयुं ॥ संजमस्यूंविचारीरेलो ॥ अहोसं० ॥ तवगुरूबोलेशां सलो ॥ श्रावकइणवारीरेलो ॥ अहोश्रा० ॥ ३६ ॥ कालसंजमनोएहछे ॥ न थीतासअकालरेलो ॥अहोन० ॥ मृत्युपरासवेंसर्वदा ॥ जुउतेहसंसालीरेलो॥ अहोजु० ॥ ३७ ॥ सूरअसूरासहुनेंहरे ॥ वज्रमनोरथसेलरेलो ॥ अहोव०॥ करेविजोगवाल्हातणो ॥ इमकरेजगकेलीरेलो ॥ अहोइ० ॥ ३८ ॥ वलिश्रा वकतूंसांसले ॥ रूमोजांणीधर्मरेलो ॥ अहोरू० ॥ चरमवइंतेआदरे ॥ लहेवा शुभशर्मरेलो ॥ अहोल० ॥ ३९ ॥ रुमुंतेआगेंथीकीजीइं ॥ तेहमांसीहांणीरे

लो ॥ अहोते० ॥ कुमरकहेषरूंएकह्युं ॥ एहवातविन्नाणरेलो ॥ अहोए० ॥
॥ ४० ॥ तोपिणवगरनीमित्तए ॥ नचारीत्रलेवायरेलो ॥ अहोन० ॥ गुरूकहे
एहसंशारते ॥ निर्वेदनोवायरेलो ॥ आहोनी० ॥ ४१ ॥ स्यूंशंसारमासार
छेइं ॥ तेचित्तविचारोरेलो ॥ आहो० ॥ वलिअविशेषेंशांसलो ॥ माहरोअधि
काररेलो ॥ अहोमा० ॥४२॥ अवधीज्ञानीइंसाषीउ ॥ निजचरीत्ररशालरेलो ॥
अहोनी० ॥ तेमुझहेतूवैराग्यनुं ॥ सांसलीसूपालरेलो ॥ अहोसां० ॥ ४३ ॥
कुमरकहेप्रसूदाषीइं ॥ अवधीमुनीचरीतरेलो ॥अहोअ० ॥ गुरूकहेसांसलि
नरपति ॥ कह्रुंतेहपवीत्तरेलो ॥ अहोक०॥ ४४ ॥ बिजेखंमेपांचमी ॥कहि
उत्तमढालरेलो ॥ अहोक० ॥ पद्मविजयकहेसांसलो॥ घणंवातरशालरेलो॥
अहो०॥४५॥दुहा॥इणहिजविजयमाराजपुर॥ह्रुंतेहनोरहेनार॥सवस्वरूपमें
लावीउं ॥ नलह्रुंरतिनीरधार ॥४६॥विरक्तरह्रुंवैरागीउ ॥ आव्यातवअणगार॥
साधूबह्रुशिरोमणी ॥ विचरताकरेविहार ॥ ४७ ॥ अमरगुप्तआचार्यनें ॥ उ
पनुंअवधीज्ञान ॥ थोमादिनतेहनेंथया ॥ धरताधरमनुंध्यांन ॥ ४८ ॥ वात
लोकमांविस्तरी ॥ अहोतपस्वीएह ॥ आअवकरत्याअलगाइंणें ॥ ग्यानतणो
तेगेह ॥४९॥धरमदेशनालधीआ ॥ जांणेंसूपतिजांम ॥ नगरलोकस्यूंनरपती
आवेवंदनआंम ॥५०॥ढाल॥गेबसागररीपालचसीदोयनागरी ॥ म्हारालाल
॥ एदेशी ॥ अरिमर्द्दननरपतिनेंधर्मलाभदिउ ॥ म्हारालाल ॥ नरपतिनगरलो
कसह्रुचित्तआणंदिउ ॥ मा० ॥ गुरूवचसुणवानोहर्षघणोमनमांधरे ॥ मा०
पुछेसूरकविहार मुंनीनेंशुभपरें ॥ मा० ॥ ५१ ॥ फरिपुछेनृपजाणनाणतुम
अतिघणं ॥ मा० ॥ त्रणकालमांहकउंहिनाणतेतुमतणं ॥ मा० ॥ करिउ
पगारकहोगुरूसमकीतकबलह्यो ॥ मा० ॥ शाश्वतसूखतरूबिजपरिणांमते
हनाकह्यो ॥ मा० ॥ ५२ ॥ देशविरतिपाम्याइंणेंसवकेपरलवें ॥ मा० ॥ सा
धूपणंपणिकबलह्यां॥किमंलह्यांसवनवें ॥मा० ॥ चंपावासपुरीएहविजयमां
मुनीकहे ॥ मा० ॥ सुधणंनामगाथापतिअतितकालेरहे ॥ मा० ॥ ५३ ॥ ध
णसिरीनामेंघरणीतेहनीह्रुंसूता ॥ मा० ॥ तेहनयरनीवासीनंदसयवाह्रुंता ॥

॥ मा० ॥ तेहनोसूतरूद्रदेवआपीमुफतेहनें ॥ मा० ॥ जौवनवयअनुरूपवि
षयसूखगेहनें ॥ मा० ॥ ५४ ॥ इंणिअवसरतिहांविहारेंअनुंक्रमेंआवियां ॥
॥ मा० ॥ तपसंजमथीआतमसलिपरिसाविआं ॥ मा० ॥ रूपथकीमानुंशा
सनदेवतादेखीइं ॥ मा० ॥ श्रतरतनेंकरीशोसीतगुरुणीपेषीइं ॥ मा० ॥ ५५ ॥
बालचंद्रानामेंचंद्रातपशीतलघणं ॥ मा० ॥ दिगंशमसूखपुंजमानुंतेहनुंतणं
॥ मा० ॥ सासरेथीपीहरजातांमुफइंमथयुं ॥ मा० ॥ तेदेखीमुफमोदथीतनु
पुलकितसयुं ॥ मा० ॥ ५६ ॥ लोयणथयांविकश्वरपापनाशीगयां ॥ मा० ॥
उलस्युंअंगधरमचित्तउल्लस्युंधन्यथयां ॥ मा० ॥ करकजजोफीविनयथकी
पाइंपफी ॥ मा० ॥ दिधोतेणीइंधर्मलाभमानुंशफलीघफी ॥ मा० ॥ ५७ ॥ स
क्तिप्रीतिथीतेहनोआलयपुछिउ ॥ मा० ॥ तेसाञ्चणीइंवताव्योतिहांचित्तमुंछि
उ ॥ मा० ॥ उचितविधेंञएहनीसेवानीतकरूं ॥ मा० ॥ जाणंजिमतिमञ्जस
वसायरनिस्तरूं ॥ मा० ॥ ५८ ॥ तेभगवतिइंधर्मकह्योजीनभाषीउ ॥ मा० ॥
शिवसूखफलवृक्षचिंतामणीपरेंदाषीउ ॥ मा० ॥ कर्मनोक्षयउपसमथयोस
मकीतपामीउ ॥ मा० ॥ भाव्योजिनधरमस्रवचारकचित्तवामीउ ॥ मा० ॥
॥ ५९ ॥ हवेमुफपतिकर्मदोषथीद्वेषकरेघणो ॥ मा० ॥ कहेतूंधर्मएठगफीवी
षयविघ्नकारणो ॥ मा० ॥ मेंकह्युंविषयसूखेंसर्युंदारूणफलकह्यां ॥ मा० ॥
तेकहेदृष्टसुंकीअदृष्टकूंणेंलह्यां ॥ मा० ॥ ६० ॥ मेंकह्युंपसूसाधारणविषय
मांसूंलह्युं ॥ मा० ॥ प्रत्यक्षसूखफलधर्मअदृष्टतेकिमकह्युं ॥ मा० ॥ इंमक
ह्याथीअधीकद्वेषमुफस्यूंकरे ॥ मा० ॥ लोगतज्योमुफसाथिविवाहविजोमनधरे ॥
॥ मा० ॥ ६१ ॥ नागदेवधूआनागसिरीकंन्यासली ॥ मा० ॥ पणितसतातेंन
दिधीमुफपीयासयकली ॥ मा० ॥ रूद्रदेवमनचिंतवेंजिवतांएहनें ॥ मा० ॥
नविदिइंबालीकाकोईकरूस्युंतेहनें ॥ मा० ॥ ६२ ॥ मायाचरीत्रकरीमारूंए
हनेंहवे ॥ मा० ॥ इंमचिंतिघटमांहिआशीविषसंक्रमे ॥ मा० ॥ घरएक
खुणेंठेमीसपेंरयणीसमे ॥ मा० ॥ एनवघटमांथीकुसूममाललावोतुम्हे ॥
॥ मा० ॥ ६३ ॥ ञंअणजाणतीतेहलेवागईजेतले ॥ मा० ॥ हाथघाल्योतिहां

नागमस्योमुक्तेतले ॥ मा० ॥ संभ्रमथीतेनांषीदीठआवीनेंइमकहे ॥ मा० ॥
करम्योनागतेसांभलीरूद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६४ ॥ नियमीथीआकुलव्याकु
लथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुक्तनेंविषनावेगअतिदूखमांधरे ॥ मा० ॥ प
रवशथईनेंझंतोतिहांधरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवाच्यअवस्थापामीचेतना ।
वली ॥मा०॥६५॥ समकितनापरसावथीकालकरीतिहां ॥मा०॥ सोहमेंलीलाव
तंसविमानअछेजीहां ॥ मा० ॥पल्योपमस्थीतिदेवपणेंऊपनो ॥ मा० ॥ अ
प्सरापरिवृत्तदिव्यभोगमुक्तनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागद
त्तधूआ ॥ मा० ॥ भोगवीविषयनेंकालकरीनरगेंङ्गआ ॥ मा० ॥ रतनप्रभा
इंककमषमानरगावासमां ॥ मा० ॥ पल्योपमनेंआउषेडरकआवासमां ॥मा०॥
॥ ६७ ॥ देवलोकमांथीचविऊंथयोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमांसूंस
माररणसूंदरू ॥ मा० ॥ सूसमारतिहांपरवतमांहिक्रीमाकरूं ॥ मा० ॥ न
रगमाथीरूद्रदेवआव्योअनंतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमांथयोसूमोसो
हामणो ॥ मा० ॥बालअवस्थागयेंथयोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमां
विचरंतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ वऊकरणीस्यूंआविउतेसुकजिहांरमे ॥
॥ मा० ॥ ६९ ॥ मुक्तनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआविउ ॥ मा० ॥ पुरवभवअल्या
सथीवेरस्युंभावीउ ॥ मा० ॥ चिंतवेएकरीएहवुंसुखकिमभोगवे ॥ मा० ॥
वंचावुंएसुखथकीतोडःखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ षोलेउपायघणापणितेहनें
नवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेन
विद्याधरनीसगनीहरी ॥ मा० ॥ चंद्रलेखाइंणिनामेतेहनोभयधरी ॥ मा० ॥
॥७१ ॥ गिरीनिकुंजमारहिसऊइंमशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआव
स्येतेजिमनविलहे ॥ मा० ॥तिमकरज्येमुक्तनेंनविदाषजेतूंपरो ॥ मा० ॥ कहे
जेआविनेंमुक्तेहगइंपरो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ ऊंपणिम्तुकउपगारकरिसइंणअव
सरे ॥मा०॥ तेंसलूंकांमकरयुंमुक्तजाणीसइंणीपरें ॥मा०॥ छठिढालएविजाख
म्मांहिकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसांभलोआगलिगहगही ॥मा०॥७३॥
॥ दुहा ॥ इंमकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुंजमझारि ॥ उतरिनइंअधअवनी ।

इ ॥ रह्योतेसूखश्राधार ॥ ७४ ॥ नारंगपादपैंनीम्मां ॥ सूकरहेछेसूसमाधी॥
विद्याधरहवेआविउ ॥ मृगांकसेनअसमाधी ॥ ७५ ॥ जोयुंचिऊंदिशजेतले
॥ नविदिठुंतसनांम ॥ गयोइंणिअवसरिंगयवरू ॥ आव्योहथणीसूंश्राम ॥
॥ ७६ ॥ मुऊदेषीचिंत्युंमनें ॥ अवसरछेएआज ॥ समीहितमाहरुंसाधवा ॥
करूंमायाइंकाज ॥ ७७ ॥ सुमीस्यूंसमऊणसवे ॥ करीआव्योमुऊकान ॥
सुमीनेंकहेसांसलें ॥ ज्ञानीइंसाष्युंज्ञान ॥ ७८ ॥ ढाल ॥ मोराआतमरामकूण
दिनसेंमुंजजास्यूं ॥ एदेशी ॥ सुसमारएपर्वतमांछइ ॥ सर्वकामीतइंणनांमें
जंपापातकरेतिहांजईनें ॥ जेवांछेतेपांमे ॥ मोरीशांसलिवात ॥ अवशरएह
छेरूमो ॥ ७९ ॥ एआंकणी ॥ तवपुछेसूमीसूणोस्वामी ॥ तेहवतावोगांम ॥
शुककहेशीतलएतरूवरथी ॥ जईइंपासेंवाम ॥ ८० ॥ मो० ॥ तिणेंकारणसू
णिआपणथईइं ॥ विद्याधरमनधारी ॥ तिरयंचनासवथीहवेसरिउं ॥ चालोतूमें
शुसनारी ॥ ८१ ॥ मो० ॥ जइनेंऊंपापाततेंकरीइं ॥ सूमीइंवातसकारी ॥ इंमकरीऊं
पापाततेकीधो ॥ गजवरेंपणिचितधारी ॥ ८२ ॥ मो० ॥ जईनेंकलुंलीलारतिख
गनें ॥ आविगयेतुऊवयरी ॥ तवलीलारतीनीकल्योतीहांथी ॥ चंद्रलेखाछेई
खयरी ॥ ८३ ॥ मो० ॥ आकाशेंजातोतेदिठो ॥ मनमांधार्युंसाचुं ॥ जुउसूमो
सूमीलह्यांनरसव ॥ एतिरथनहीकाचु ॥ ८४ ॥ मो० ॥ एतिरयंचनाविद्याधरथया
॥ जोतांवारनलागी ॥ तेकारणएतिरथसाथे ॥ म्हारीपणिलयलागी ॥ ८५ ॥
मो० ॥ देवतणीप्रणिधीकरीमनमां ॥ अमेंपणिइंहांपमीइं ॥ एतिरजंचनोसव
छांमीनें ॥ देवतणीगतिचढिइं ॥ ८६ ॥ मो० ॥ इंमचितीनेंतिहांअम्हेपमीआ
॥ शुकयुगतिहाथीचाल्यो ॥ कपटेंकरीनेंअमेछेतरीआ ॥ पणिनविनयणेंसा
ल्यो ॥ ८७ ॥ मो० ॥ चुरणथयांअमेंअंगउपागें ॥ पाम्याबऊतिहांक्लेश ॥
पणिअकामनीजराइंषपीआ ॥ कर्मघणांसूविशेस ॥ ८८ ॥ मो० ॥ कुसूम
शेखरनामेवंतरपूरे ॥ पल्योपमउणंदेशें ॥ एहवोवंतरसूरहाथीथयो ॥ अध्य
वशायविशेशें ॥ ८९ ॥ मो० ॥ उदारसोगसोगवुंतिहांऊंपणि ॥ सूमोपणिति
हांमरीनें ॥ लोहितमुखनांमेंरत्नप्रसायें ॥ उपनोनीयमीकरिनें ॥ ९० ॥ मो० ॥

पल्योपमदेरोंउंणोथीती ॥ हवेऊंव्यंतरदेव ॥ एहवीदेहें अन्यविजयमां ॥ च
क्रवालपुरेहेव ॥ ए१॥ मो०॥ अप्रतिहतचक्रसार्थवाहनें ॥ सूमंगलानामेंनार
तेहनीकुंषेंपुत्रऊंऊउ ॥ विनईगुणसंभार ॥ ए२ ॥ मो० ॥ चक्रदेवमुक्यअसी
धाठविउं ॥ पाम्योबालकसाव ॥ उदवर्त्योनारकयुकएहवे ॥ आयुद्कईतिहां
ताव ॥ ए३ ॥ मो० ॥ तेहनयरमांएकपुरोहीत ॥ सोमसर्मातसनारी ॥ नंदि
वर्द्धनामेंतेहनीकुषें॥उपनोसूतअवतारी ॥ए४ ॥मो०॥ कालक्रमेंजज्ञदेवठव्युं
असीधा ॥ कुमरसावतेपाम्यो ॥ म्हारेतेहनेंप्रीतीबनीतव ॥ ऊउअतिविश्रामो
॥ ए५ ॥ मो० ॥ पणिघणीप्रीतीम्हारेसदसावें ॥ एहतोकपटेंराखे ॥ पुरवना
अत्यासकरमना ॥ दोषएनजरेंदाषें ॥ ए६ ॥ मो० ॥ सरलघणोऊंपणिएवां
को ॥ म्हारीसंपदादेखी ॥ मत्सरधरेवलीवंचेठलथी ॥ ठिद्रतणोवलिपेखी ॥
॥ ए७ ॥ मो० ॥ यतः ॥ खलःसत्क्रीयमाणोपि ॥ ददातिकलहंसतां ॥ डग्धे
धौतोपीकियाति ॥ वायसःकलहंसतां ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ नजम्युंठिद्रवि
चारेतिवारे ॥ ईमएठलीनवीसकीई ॥ तिणेंईहांएहउपायतेकिजे ॥ जिमईणि
ईहांनवीटकिई ॥ ए८ ॥ मो० ॥ चंदनसारथ्थवाहनाघरथी ॥ लावुंद्रव्यऊंमुं
उी ॥ मुंकवाअपुंएहनाघरमां ॥ राषस्येएपणिऊंसी ॥ एए ॥ मो० ॥ सूप
तिनेंसंभलाविसजईनें ॥ राजादंमतेदेस्ये ॥ मारस्येकूटस्येनेंवलीएहनुं ॥ घरप
णिलूंटिलेस्ये ॥ २०० ॥ मो० ॥ जिमचिंतव्युंतिमकामजकिधूं ॥ लाविद्रव्य
मुक्सासें ॥ मित्रसूणोएद्रव्यमुकराषो ॥ गोपवज्योमुक्यआसें ॥२०१॥ मो०॥
कुवेलाईलाव्योतिणेंशंक्यो ॥ द्रव्यनराषुंजांम ॥ तोपणिदाक्षिण्यताघणीआं
णी ॥ द्रव्यगोपव्युंगांम ॥ २ ॥ मो० ॥ सज्जनतेहजसज्जनहोवे ॥ खलतेडर्ज
नथाय ॥ काकतेकालासघलेदेषो ॥ शुकनीलाशुखदाय ॥ ३ ॥ २ मो० ॥
विजेखंमेंसातमीढालें ॥ पद्मविजयएहदाष्यो ॥ कस्तुरीनेंहींगपटंतर ॥ सवि
जनेंचितमांराष्यो ॥ ४ ॥ मो० ॥ डुहा ॥ नयरमांजनरवनिकल्यो ॥ सेठचंद
नसत्थवाह ॥ घरमुंस्युंतेहनुंघणुं ॥ हरीउंद्रव्यअथाह ॥ ५ ॥ सांसलीमुक्चिं
तवांकीउं ॥ गयोजज्ञदेवगेह ॥ पुछ्युमेंपरपंचिनें ॥ एकिमईणि ॥

जङ्गदेवबोल्योजटो ॥ स्योमुझमांसंदेह ॥ तातसयेंघरिताहरे ॥ आणिमुक्यूंए ह ॥ ७ ॥ परनोद्रव्यआपुंनही ॥ शंकागईतवसाल ॥ नृपनेंवातसूणावतो ॥ चंदनचतुरवाचाल ॥ ८ ॥ मुझघरकोईमुंसीगयो ॥ सणेंतदासूपाल ॥ स्यूस्यूं गयुतेसासीइं ॥ कहेसेठततकाल ॥ ९ ॥ द्रव्यलिखाव्योदफतरें ॥ हवेकुकम करेहाल ॥ मंमेरोवजमावीइं ॥ सघलेंकरोसंसाल ॥ १० ॥ ढाल ॥ देशीहामा नी ॥ मंमेरोफेरवेतांमरे ॥ सांसलज्योलोका ॥ मिलीयोकेंथोका ॥ दंमरोकेरो का ॥ देठेनृपअन्याईनेंरे ॥ ११ ॥ चंदनसत्ववाहेगेहथी ॥ गयोद्रव्यघणेरो ॥ कोईलश्योतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआविकहोमुझप्रतिंरे ॥ १२ ॥ आव्योहोयव्यापारमां ॥ जोद्रव्यनोदेश ॥ अथवातेअशेस ॥ कहोतेहनरेश ॥ क्षेशलहोरेरषेबापमारे ॥ १३ ॥ चंमशासनएरायछे ॥ जोनहीकोइसाषे ॥ दंमतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ धनलेईसरीरनेंदंमस्येरे ॥ १४ ॥ दंमेरो फेरीरह्या ॥ पछेंदिनगयापंच ॥ मुकीखलखंच ॥ जइकहेपरपंच ॥ जङ्गदे वनरपतिसणीरे ॥ १५ ॥ रेनरपतितुम्हसाषवुं ॥ तेजुगतूंनांहि ॥ मित्रनुंछिद्र आंहि ॥ रायदरबारमांहिं ॥ किमनवीकर्जुतुम्हहितसणीरे ॥ १६ ॥ आलो कनेंपरलोकनो ॥ विरूधआचार ॥ सेवेनिरधार ॥ डखनोदातार ॥ निजआ तमनोपणिजिकोरे ॥ १७ ॥ तेहमीत्रनेंस्युंकरू ॥ किमरायउवेषुं ॥ अन्या यर्जुदेषुं ॥ नजरेंकरीपेषुं ॥ तिणेंतुमनेंएजणाविईरे ॥ १८ ॥ रायकहेकहो वातरे ॥ जेतूम्हमनसाई ॥ षरीवातजेंकाई ॥ मझतछपणेंआशान्याईनेंअन्याइ नसाषज्योरे ॥ १९ ॥ जङ्गदेवकहेशांसलो ॥ मेंसूणीउंकानें ॥ तूमनेंकर्जुसा नें ॥ चक्रदेवजोमानें ॥ ठानेंस्यूंएहनुंघरजोईइरे ॥ २० ॥ पासेंनापरिजनपास रे ॥ मेंसांसल्यूंइम ॥ चक्रदेवेप्रेम ॥ चंदनघरनेंम ॥ षेमेरेगोपव्यूंनिजघरेरे ॥ ॥ २१ ॥ हवेमनमानेंतिमकरो ॥ तूमेमोहटाराय ॥ माफिपणथाय ॥ माहरू स्यूंजाय ॥ सायछेमाहरोएमोटिकोरे ॥ २२ ॥ नृपकहेनविसंसवायरे ॥ एह नीइमवात ॥ उत्तमकुलजात ॥ विरूधअवदात ॥ यातनएहथीएहवुंरे ॥ २३ ॥ जङ्गदेवकहेसांसलो ॥ तुहेकह्युंतेसाचुं ॥ पणिस्युंर्जराचुं ॥ लोसेंहोयेकाचुं ॥

जाचुंहोइरेमनजेहनुंरे ॥ २४ ॥ एहमांकुलनोस्योवांकरे ॥ सूरसीहोयफुल ॥ कीटकप्रतीकूल ॥ तेमेंलेधूलि ॥ ठगणमांहिरेवीठीजपजेरे ॥ २५ ॥ एहनुं घरिजोवरावीइ ॥ कोईकरीपरकार ॥ सुणीवातविचार ॥ वातजुगतीधार ॥ चंमत्रासनहवेराजीजेरे ॥ २६ ॥ कारणिआतेमीकहे ॥ हवेइणीपरिराजा ॥ महाजनसङसाजा ॥ जेहोयअतिभ्राजा ॥ काजारेन्यायकरेजिकेरे ॥ २७॥ चंदनसत्ठवाहगेहनो ॥ संभारीलीजें ॥ सङमिलीअगमीजइ ॥ चक्रदेवघरिकीजें ॥ नाठिजेलखमीतेहनीषोजनारे ॥ २८ ॥ कारणिआतवचितवें ॥ स्योरायनोबोल ॥ नकरेंकांयतोल ॥ एराजेंअमोल ॥ चोलमजिठरंगधर्मनोरे ॥ २९॥ अथवाआंपणेंकांयरे ॥ आणानाकरता ॥ इमचितमांधरता ॥ कांयआसुरुरता ॥ करतारेसेलासङनेंतिहांगयारे ॥ ३० ॥ पोहोरदिवशरस्रोपाठिलो ॥ तवसङइआव्या ॥ मुरूमनसोहाव्या ॥ बेगांसङसाया ॥ मायारेमुरूजपरिघणीरे ॥ ३१ ॥ विजेखंमएहरे ॥ कहेआठमीढाल ॥ गुरुउत्तमबाल ॥ घणंवातरसाल ॥ मालामंगलनीपामोसङजनारे ॥ ३२ ॥ दुहा ॥ महाजनकारणिआमिली ॥ मुरूनेंपुछेइम ॥ सारथवाहसूतसांसलो ॥ पुछुंनियमेंप्रेम ॥ ३३॥ कोइव्यवहारकरतांथकां ॥ किमहिकलाव्योकोय ॥ तोअमनेंसापोतुम्हे ॥ हमणां वातजेहोय ॥ ३४ ॥ सङनेंकह्युंनिशंकथी ॥ नविकांईजाणुंनेंम ॥ तवकारणीआतेहनें ॥ जलपेसांसलोजेम ॥ ३५॥ कोपनकरज्योकोमनें ॥ आणानरपतिइम ॥ तुमघरजोवुंततपरें ॥ कहोतिणेंकरीइकेम ॥ ३६॥ सङबोल्योहमणांनहीं ॥ कोपनोअवसरकाय ॥ प्रजापरिक्षापरगमो ॥ नरपतिहोवेंन्याय ॥ ३७॥ ढाल ॥ लालननीदेशी ॥ नगरनावडुपुरुषलेइसाथें ॥ रायपुरुषेंजोयुंनिजहाथें ॥ लालन जोयुंनिजहाथें ॥ द्रव्यदिठुंतिहांबङपरकार ॥ मुंक्युंप्रयत्नकरीनेंअपार ॥ ॥ लाल० क० ॥ ३८ ॥ सांमचंदननामांकितसार ॥ हिरण्यकेरांमुलउदार ला०॥ मू०॥ बाहिरलावीसङनेंदेखाड्यूं ॥ चंदनसंभारीपुरठाव्युं ॥ ला०री० ॥ ॥ ३९ ॥ जोईनेंदुखीआनीपरेंबोल्यो ॥ संसवेंठेएहवुंचित्तमोल्यो ॥ला०ए०॥ पणिसंसयमुरूचितमांआवे ॥ तवकारणीआकहेइणदावें ॥ ला० १०॥

पत्रवांचोजेंलिख्योछेआप ॥ तेहमांछेकेनहीअआलाप ॥ ला० न० ॥दिठुंरेलि खीउंपत्रमांजेह ॥ सज्जइंथरहरयादेखीनेंतेह ॥ ला०दे० ॥ ४१ ॥ कारणि आकहेसांसलिसाश॥एकद्धितुमघरिकिहाथीआई ॥ ला०कि० ॥ मेंमनचित व्यूंमीत्रनुंनाम ॥ किमसाधुंसज्जमांइणगाम ॥ ला०स ॥ ४२ ॥ चोरकदाचित एहनेंलाषे ॥ तोमुमसज्जनताकिमदाषे ॥ ला०ता० ॥ परप्राणकिमहणनेंनीज उगारी ॥ झंबोल्योतिहांइमविचारी ॥ ला०इ० ॥ ४३ ॥ एसविसाजनमा हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमछेपरनां ॥ ला० के० ॥ मेंकह्युंखबरिनथीमुझ कांय ॥ फेरफारथयोहोस्येतेभाय ॥ ला०हो० ॥ ४४ ॥ कारणीआकहेसीसं ख्याछे ॥हिरण्यनीपणिकहोजेहलीख्याछे ॥ला०जे० ॥ मेंकह्युंनवीमुझसांस रेतेह ॥ पोतानीमेलेंजुउतेएह ॥ ला०जु० ॥ ४५ ॥ कारणीइंवंचाव्योपत्त ॥ दिनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला० द० ॥ पत्रनेंवस्तुबेसमोवमेंमिलीआं ॥ नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला० आ० ॥ ४६ ॥ विस्मयपाम्याएकिम होय ॥ चक्रदेवनेंकिमइमजोय ॥ ला०कि० ॥ पथ्वीमसुरयजोकदिउगे ॥ प रद्रव्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला०क० ॥ ४७ ॥ फरिपुछेकहोपरगटवात ॥ स्योएवाततणोअवदात ॥ ला०त० ॥ फिर २ पुछुंएरायनीआंणि ॥ मेंकस्यूंते हजउतरदाण ॥ ला०उ० ॥ ४८ ॥ धिगहोदैवनेंइमविचारी ॥ फरिपुछेकांइ कहोनिरधारी ॥ ला०क० ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांईसास्यूं ॥ कोप्योकोटवालइं मविमास्यूं ॥ ला०इ० ॥ ४९ ॥ लेईचालोहवेंत्रूपनेंपासें ॥ इमकरीचाल्याारा यसकाशें ॥ ला०रा० ॥ वातसूणावीरायनेंतेह ॥ रायकह्युंमुझसांसलिएह ॥ ला०सां० ॥ ५० ॥ उत्तमलोकनीवाततेजाणो ॥ एहवुंकांमनथाइंतूमठाणो ॥ ॥ला० ॥ था० ॥ एहवुंअसाधूअसंत्तवकिमछे ॥ कहोपरमारथनिपनोजिम छे ॥ ला० ॥ नी० ॥ ५१॥ आषिमांआंसूनेंकांयनबोल्यो ॥ पुरवपरिचिंतवी नवीमोल्यो ॥ ला० ॥ चि० ॥ मुझउपरिउंकान्टपआवी ॥ पणमुझतातनो आदरलावी ॥ ला० ॥आ० ॥ ५२ ॥ मुझनवीकांईहिणेंसाष्युं ॥ कदर्थनात करीबज्जराष्युं ॥ ला० ॥ क० ॥ देशनिकालकरस्योमुझराइं ॥ नयरथीकाढ्यो

मुफतिणगाय ॥ ला० ॥ मु० ॥ ५३ ॥ नगरदेवतावननेंपासें ॥ मुक्योमुफनें रायनेंदासें ॥ ला० ॥ रा० ॥ रायपुरूषगयानिज २ गांम ॥ तवमुफचिताउ पनीत्राम ॥ ला० ॥ उ० ॥ ५४ एवमापरासवसाजनमुफनें ॥ जिववुंनघटे जिवमातूफनें ॥ ला० ॥ जि० ॥ वमनोवछतेंदेउलपासें ॥ मरवाचाल्योगलेदे इफांसो ॥ ला० ॥ ग० ॥ ५५ ॥ इंणत्रवसरजुइंवनदेवी ॥ त्रवधीज्ञानेंकरी वाततेएहवी ॥ ला० ॥ वा०॥ उपनीमुफउपरित्रनुंकंपा ॥ चिंतवेचित्तमांयेइ त्रजंपा ॥ ला० थ० ॥ ५६ ॥ एहत्रघटतूंमोहटुंथावे ॥ रायनीमातनेंदिल मांत्रावे ॥ ला० ॥ दि० ॥ रायनेंवातजथारथसाषी ॥ जेहत्रनीनीतिसघलिदा षी ॥ ला० ॥ स० ॥ ५७ ॥ नगरनेंबाहिरत्रमुंकउद्यान ॥ चक्रदेवमरवानइं ध्यांन ॥ ला० ॥ म० ॥ दिइंगलेफासोतेजइंनेंनिवारो ॥ देईसनमांननेंनयरेपे सारो ॥ ला० ॥ न० ॥ ५८ ॥ क्रोधनेंहदोयरसत्रनुंसवतो ॥ रायकहेउःख थीटलवलतो ॥ ला० ॥ दू० ॥ रेजज्ञदेवयहोउराचार ॥ त्राणादेशगयोनयरनें बार ॥ ला० न० ॥ ५९ ॥ ठोठेसायेंपोहतोराय ॥ डरथीदेखीत्राव्योपलाय॥ ॥ ला० ॥ त्रा० ॥ गलफांसोदेखीकरेसोर ॥ मासाहसकरीतूंइणठोर ॥ ला०॥ ॥ तूं०॥६०॥ त्राविदूरकरयोमुफपाश॥ हाथपकमीवेशास्योपाश ॥ला०॥नूप तीवहुत्रादरकरेतास ॥ देखीपामेंचित्तउल्लास ॥ ला० ॥ चि० ॥ ६१ ॥ नव मीढालएविजेखंम ॥ जसकिरतीसज्ञननीत्रखंम ॥ला० ॥ ज० ॥ पद्मविज यकहेचढतोरंग ॥ सज्ञनहोयजीमकनकतरंग ॥ ला० ॥ क० ॥ ६२ ॥ ॥ उहा ॥ पुछ्युंमेंतुफपरपरें ॥ तुफनेंएसविवात ॥ नूपतीकहेनवीसाषीउं ॥ तेंएहनोत्रवदात ॥ ६३ ॥ सार्थवाहसुतसत्यतूं ॥ जाण्युंसघलूंकाज ॥ देविइं मातनादिलमां ॥ त्रवित्राण्युंत्राज ॥ ६४ ॥ जज्ञदेवजुठोकह्यो॥ साचोतूं तूफशाषि ॥ म्हेंचित्युंमातुंथयुं ॥ नूपनीसांसलीताषि ॥ ६५ ॥ क्षितिपतिक हेतूंम्हषांमीइं ॥ षमवुंकरीमनषांति ॥ परमारथनपीछाणीउं ॥ धमवम्योकों धेंध्वांत ॥ ६६ ॥ करीकदर्थनात्राकरी ॥ नांष्योकष्टत्रयाण ॥ म्हेंशांसली चित्युंमनें ॥ त्रहोत्रनरथत्रचान ॥ ६७ ॥ व्यसनजज्ञदेवत्राविउ ॥ एहथ

योअनरङ ॥ कहेनृपनेंकाढोषरी ॥ जज्ञदेवनीजहरङ ॥ ६८ ॥ प्रजातणातू म्हेपालफूं ॥ किमतुमदोसकहाय ॥ मूलशुद्धीकाढिअमे ॥ एसज्जनदुःखदाय॥ ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसालो ॥ एदेशि ॥ चक्रदेवकहेसूणोरा य ॥ एहथीअकार्यनथाय ॥ जज्ञदेवमित्रअम्हसाय ॥ तिणेंबुरीनकराय ॥ ॥ ७० ॥ सजनइंमजांणीइंसलीरीती ॥ धूरङेहलगेंधरेप्रीती ॥ स० ॥ एआं कणी ॥ नहोयेहोयतोथोफोकाल ॥ घणोरहेतोनीष्फलसाल ॥ इमसज्जनक्रो धसंसाल ॥ दूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमसाष्युंमाय ॥ भगवतितेअलिकनथाय ॥ कहिवाततेसघलीराय ॥ जज्ञदेवजेपुर्वेकहाय ॥ ॥७२ ॥ स० ॥ मेंचितव्यूंएहसीवात॥ किमजज्ञदेवमुझभ्रात ॥ करेएहवुंकां मविख्यात ॥ नविसंसवएहवोथात ॥७३॥स० ॥ एहवेरायपूरूषेंआंण्यो ॥ ज ज्ञदेवबांधीनेंतांण्यो ॥ राइंक्रुकमकरयोतिणेंठाणो ॥ जिसङेदनकुरोसवजाण्यो ॥७४॥स०॥ वलिआंष्योदोयउपाफो॥एहनाघरनोल्योफाफो ॥ जष्टिमुष्टिंप्रहा रेतताफो ॥ एहनेंदेशथीवलीनीरधाफो ॥७५॥स०॥ तवङ्क्रनृपपाइंपफीउ॥रायनी उलगमांअफीउ॥ एदोषतेमुझआफमीउ॥ इमङ्क्रनृपस्यूंघणंसीमीउ॥७६॥स० जज्ञदेवनेंमुंकोस्वामी ॥ बिजिवस्तुनोङ्कनहिकांमी ॥ जज्ञदेवेंजोआपदापामी तोमुझमांआवस्येखांमी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहदु ष्टङेसातेधात ॥ एतोकरेविश्वावासनोघात ॥ एहनेंराष्येस्युंथात ॥ ७८ ॥ स० कांयमांगतूंबिजुंआपुं ॥ शिरदारकरीतुझथापूं ॥ पणजज्ञदेवनेंनापुं ॥ बि जांताहरांदुःखकापुं ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेंकह्युंजोमुझबहुमांन ॥ द्योएहनेजी वीतदांन ॥ नृपकहेस्यूंकरुइंणठांण ॥ एहनुंखमीउंसङ्कतोफान ॥ ८० ॥ ॥ स० ॥ मेंकह्युंकीधोशुपशाय ॥ पफीउनरपतिनेंपाय॥ जज्ञदेवमुकाव्योसा य ॥ नरपतीआदरबहुदाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बहुऋद्धिमुझवोलाव्यो ॥ सज्ज नचित्तमाघणंसाव्यो ॥ राहनोजलराहेआव्यो ॥ इंमलोकवचनेंसोहाव्यो ॥ ॥८२स०॥जज्ञदेवजघन्यताजुउ॥ एजिवतोजांणिइंमुउ॥ चक्रदेवकिणिपरि ङुउ॥ गंसीरज्यूंउंफोकूउ ॥ ८३ ॥ स० ॥ सबेउ ॥ बहिरेगीतनङ्कसूण्यो ॥

समरचंपेनऊंदिठो ॥ सोलकलासंपूर्ण ॥ चंदश्रंधलेनदिठो ॥ करहिऐंपांगुले ॥ कठिनकोबाणनताण्यो ॥ जुवतीकंठविलग्ग ॥ मुग्धरससेदनजांण्यो ॥ कुणही पुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधारयो ॥ कविगयकहेरेठकुरे ॥ तोगुणवंतां हिगुणगरयो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुफनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंइंमषेद ॥ कर्मपरिणतीनावऊसेद ॥ संशारश्रशारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त नोपारनलहिशं॥जोमीत्ततेप्रोहीकहीइं॥कुणदेषीचित्तगहगहिइं॥ एहनेत्यागेंसूखमांरहिइं ॥ ८५ ॥ स० ॥ उक्तः ॥ वरंनराज्यंनकुराजराज्यं ॥ वरंनमीत्रं नकुमीत्रमीत्रं ॥ वरंनदानंऊदारदारा ॥ वरंनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ इंणिश्रवशरमुनीवरश्राया ॥ श्रग्नीसूतीगणधरराया ॥ संजमजोगेंश्रतिहिंसोहाया ॥ उद्यानमांहितेगाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंवाहिरगयापकादिठा ॥ मुफमनमांलागामीठा ॥ म्हारादूरगयासबरिठा ॥ प्रणम्याधरीरागउकीगा ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलाभदिधोगुरूराय ॥ वेठोगुरूकेरेपाय ॥ पुछ्यो मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कह्योरवंतिप्रमुखमुनीधर्म ॥ शांसलीउपनोघणंशर्म ॥ दिथा मुफविवरतेकर्म ॥ तजिउमीथ्यामतसर्म ॥ ८ए ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणांम ॥ वधतेसंवेगउद्दांम ॥ वैराग्यतणोथयोधाम ॥ करेश्रातममांश्रारामा ॥ ए० ॥ स० ॥ बिजेखंडेदशमीढाल ॥ साषीश्रतिहिसुरशाल ॥ कहेउत्तमविजयनोबाल ॥ सूणतांहोयमंगलमाल ॥ ए१ ॥ स० ॥ ॥ दुहा ॥ पुन्यउदयमुफपाधरो ॥ कर्मतेगल्यांकठोर ॥ विर्यउल्लासघणोवध्यो ॥ चंदज्यूंदेखीचकोर ॥ ए२ ॥ बंधस्थितित्रुटीबऊ ॥ व्रतपरिणामविशेष ॥ भगवंतनेसाष्यूंतदा ॥ श्रनुंग्रहकिधश्रशेस ॥ ए३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥ करोश्राणाकहुंतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसांसली ॥ एहवुंबोल्याएह ॥ ए४ ॥ साधूपणंतुम्हेंसंग्रहो ॥ जोग्यजिवतूंजांणि ॥ पुरवपुरसेंपमीवज्युं ॥ संजमसुखनीखांणि ॥ ए५ ॥ गुरूवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रचोषेचित्त ॥ श्रादरिउंश्रतिश्रादरे ॥ पाल्युंतेहपवीत्त ॥ ए६ ॥ श्राराध्युंश्रायुलगें ॥ कालमासेंकरीकाल ॥ देहतजीदेवलोकमां ॥ वाध्योपुन्यविशाल ॥ ए७ ॥ नवसागरनिर्जरथयो ॥

पंचमकल्पतेपाम ॥ बिजोबीजीनरगमां ॥ जइदेवगयोजांम ॥ ए८ ॥ तामन
रगपालेतिहां ॥ दिधूंमहातसदूरक ॥ चक्रदेवलहेचतूरनर ॥ सुरसवमांमहासु
रक ॥ एए ॥ ढाल ॥ जीहोजाएयूत्र्प्रवडीप्रजुंजीनें ॥ एदेशी ॥ जिहोएहजम
हाविदेहमां ॥ लालाविजयगंधीलावईसार ॥ जिहोरयणपूरेंएकसेठीउ ॥ ला
लानामतेहनुंरयणसार ॥ ३०० ॥ नविकजन ॥ मकरोमायालिगार ॥ जिहो
जासवीपाकत्र्प्रपार ॥ नवि० ॥ एत्र्प्रांकणी ॥ जिहोश्रीमतितेहनीनारया ॥ ला
लाउदरेउपनोऊनतास ॥ जिहोदेवलोकमांथीचवी ॥ लालामानवनवलह्योषास ॥
॥ १ ॥ नवि० ॥ जिहोजइदेवहवेनरगथी ॥ लालाथयोत्र्प्राहेमीरेस्थांन ॥ जि
होपापकरीतीहांहीजगयो ॥ लालात्रणसागरत्र्प्रायुमान ॥ २ ॥ नवि० ॥ जी
होतिहांथीनिकलीनेंवली ॥ लालासमीउतिरीगतीमांहि ॥ जिहोत्र्प्रनुंक्रमेंरतन
पुरेंहवे ॥ लालाकऊजिहांउपजेत्यांहि ॥ ३ ॥ स० ॥ जिहोतातनीघरदाशी
जीका ॥ लालानर्मदातसत्र्प्रसीधांन ॥ जिहोतेहनापुत्रपणेंथयो ॥ लालाकर्म
नीगतीत्र्प्रसमांन ॥ ४ ॥ स० ॥ जिहोजनमलह्योत्र्प्रमेत्र्प्रवतरें ॥ लालानामठव्यां
त्र्प्रमतात ॥ जिहोचंडसारमाहरूंवली ॥ लालात्र्प्रणहगएहनुंविख्यात ॥ ५ ॥ स० ॥
जिहोजोवनपांम्यात्र्प्रनुंक्रमे ॥ लालापरणाव्योवलीताय ॥ जिहोविषयत्र्प्राश
क्तत्र्प्रम्हेरऊ ॥ लालाकालगयोनजणाय ॥ ६ ॥ स० ॥ जिहोपूरवनवत्र्प्रन्या
सथी ॥ लालामुऊउपरिपरिणांम ॥ जिहोवंचनानोनगयोकिमे ॥ लालाएहनो
नीघमीकाम ॥ ७ ॥ स० ॥ जिहोइणित्र्प्रवसरितीहांत्र्प्रावीत्र्प्रा ॥ लालाविज
यवर्द्धनसूरीराय ॥ जिहोमासकल्पविहारीगुरू ॥ लालाप्रणम्यामेंतसपाय ॥
॥ ८ ॥ स० ॥ जिहोश्रावकधर्मत्र्प्रंगीकरयो ॥ लालाएकदिनऊंगयोगाम ॥ जिहो
त्र्प्रमचोरायगयोवली ॥ लालामुलकगिरीनेंकांम ॥ ए ॥ स० ॥ जिहोइणत्र्प्र
वसरतिहांत्र्प्रावीउ ॥ लालासबरसेनापतीनाम ॥ जिहोविंध्यकेतुत्र्प्रावीकरी
॥ लालाहतविहतकरयुंगांम ॥ १० ॥ स० ॥ जिहोकेईकलोकनेंलेईगयो ॥
लालात्र्प्रमेसांनव्युंतेणिवार ॥ जिहोत्र्प्राविजोयुंनयरमां ॥ लालादिठुंमसाणत्र्प्रा
गार ॥ ११ ॥ स० ॥ जीहोघरमाणसरवोलावीत्र्प्रां ॥ लालानजमीमाहरीरना

री ॥ जिहोचंद्रकांतामुझ्अपहरी ॥ लालाउपनुंदुःखअपार ॥ १२ ॥ स० ॥
जिहोचिंताथईमुझचित्तमां ॥ लालाअहोनवीदिगवियोग ॥ जिहोकिमजिवी
तधरतिहस्ये ॥ लालातपस्विनीअबलालोग ॥ १३ ॥ स० ॥ जिहोदेवशर्मा
विप्रइंणिसमें ॥ लालागरढेसाध्युंइंम ॥ जिहोकल्पनामकरिएवातमां ॥ लाला
सांत्तलिकडुंतुझप्रेम ॥ १४ ॥ स० ॥ जिहोपुर्वेश्रीयलनगरनें ॥ लालाइंणीप
रेसबरेरेकीध ॥ जिहोशीलअखंमीत्तआपीउं ॥ लालापुनरपीलोकप्रशीद्ध ॥
॥ १५ ॥ स० ॥ जिहोद्रव्यलेई२आपीआ ॥ लालासहुमाणसतिणेंतांम ॥ जि
होसांसलीकेईकदिनरह्यो ॥ लालापोहतासबरनिजगाम ॥ १६ ॥ स० ॥ जि
होअणहगसाथेंलेइनें ॥ लालाद्रव्यलीउसारसार ॥ जिहोस्निग्धस्निग्धसातुंघ
णुं ॥ लालापंथेकरवाआहार ॥ १७ ॥ स० ॥ जीहोचंद्रकांतामुकावबा ॥
लालाचाल्योधरीअतिराग ॥ जिहोइंणअवशरिमुझनारिते ॥ लालानासणनो
धरेलाग ॥ १८ ॥ स० ॥ जिहोमनींचतेमुझशीलनी ॥ लालाकरस्येखंमणाए
ह ॥ जिहोमुझविजोगकायरघणी ॥ लालादुःखतणीमानुंरेह ॥ १९ ॥ स० ॥
जिहोसाथतेशबरपल्लितणो ॥ लालाशून्यगामनेंआशन्न ॥ जिहोपासेंजिरण
॥ लालाउतरीउचासन्न ॥ २० ॥ स० ॥ जिहोपाछलीरातिपरोमीइं ॥
लालाफंकोदिधप्रयांण ॥ जिहोकामव्यग्रसहुचालवा ॥ लालाउम्यासबलां
गांण ॥२१॥ स० ॥ जिहोजिवितआशानवीधरी ॥ लालापमीतेजीरणकूप ॥
जिहोजलमेंपमीतिणेंउगरी ॥ लालादिगेतिहांप्रतिकूप ॥ २२ ॥ स० ॥ जिहो
वेलितेप्रतिकूपमां ॥ लालाकष्टेंधरतिप्रांण ॥ जिहोइंणअवशरेंआव्याहम्हें ॥
लालाचालतातिणहिजगाण ॥ २३ ॥ स० ॥ जिहोअणहगपूर्वअभ्यासथी ॥
लालाद्रव्यदेषीपरिणांम ॥ जिहोमुझउपरिकरेवंचवा ॥ लालाकरेविकल्पबहु
ताम ॥ २४ ॥ स० ॥ जिहोसातूंद्रव्यपरस्परें ॥ लालाउलटपालटलेय ॥ जि
होतेदिनसातूंमुझकरें ॥ लालाद्रव्यएहनेंकरदेय ॥ २५ ॥ स० ॥ जिहोतेथा
निकआव्याजिस्ये ॥ लालाअर्कअस्तंगतथाय ॥ जिहोसांझपमीतवचिंतवें ॥
लालाअणहगधरीमनमाय ॥ २६ ॥ स० ॥ जिहोद्रव्यलेमाहाराहाथमां ॥

लालावलीएठेएकांत ॥ जिहोपातालपरिउंमोवली ॥ लालाकूपकएनीभांत ॥
॥ २७ ॥ स० ॥ जिहोढांकेशवीअपराधनें ॥ लालाएहवोठेअंधकार ॥ जि
होनाषुंकुआमांएहने ॥ लालावळूंपागेंश्णवार ॥ २८ ॥ स० ॥ जिहोश्मचि
तीअएहगकहे ॥ लालातरस्योवुंतिणेंसालि ॥ जिहोकूपमांजलठेकेनही ॥ ला
लातवम्हेजोयुनिहालि ॥ २९ ॥ स० ॥ जिहोनांष्योहमसेलीमुंनें ॥ लालाप
मीउंउदकमफारि ॥ जिहोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी ॥
॥ ३० ॥ स० जिहोसयकायरस्त्रीसावथी ॥ लालायश्सयभ्रांततेजोर ॥ जिहो
नमोअरीहंताणंकहे ॥ लालासब्दउलष्योतिणेंगेर ॥ ३१ ॥ स० ॥ जिहोहर
ष्योऊंहृदयेंघणं ॥ लालामुखथीम्हेंकहिवांणि ॥ जिहोजिनशासनमांरक्तनें ॥
लालाअसय१श्णगाण ॥ ३२ ॥ स० ॥ जिहोसब्दथिउलष्योमुफनें ॥ ला
लारोवालागीतांम ॥ जिहोतवआसासनामेंकरी ॥ लालास्येउखधरेहवेआंम
॥ ३३ ॥ स० ॥ जिहोबिजेखंमेंश्णीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिहोप
मविजयकहेधर्मथी ॥ लालाउखयाश्विशराल ॥ ३४ ॥ स० ॥ ऊहा ॥ पुछ्युंमेंप्रे
मेकरी ॥ किमतुंकुपमफारि ॥ तिमहिजपुछ्यूंतेणीश् ॥ वातअन्योन्यविचार
॥ ३५ ॥ नारिकहेनरतूंकस्युं ॥ अणहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकह्युंएहवुंमतक
हो ॥ एउपगारीआज ॥ ३६ ॥ तुफसंजोगकरस्योतिणें ॥ किमकहोषोटूंकांम ॥
अलपनिद्राश्श्णिपरिं ॥ रातिगईआराम ॥ ३७ ॥ एहवेसूरजउगीउ ॥ षावा
आप्युंखांति ॥ नारिपणिमुफनेहथी ॥ सषिउंनहिकोईसांति ॥ ३८ ॥ तवम्हें
पणिआग्रहेंतदा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिणेंपिणवावरिउतदा ॥ धरतांधर्म
वीचार ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ देशीविंछीआनी ॥ एकदिनएकपरदेशीउ ॥ एदेशी ॥
हवेम्हेंमनमाहिंचितव्युं ॥ अहोकिमथास्येउद्वाररे ॥ सवशायरनीपरिंकूपथी
॥ नविसूफेकोईविचाररे ॥ ४० ॥ सविपुण्यतणांफलपेषज्यो ॥ एआंकणी ॥
श्माचिंतवतांकेईदिनगया ॥ पाथेयथयुंहवेषीणरे ॥ तवतुटिआशाजिविवात
णी ॥ आहारविनांहोयदिणरे ॥ ४१ ॥ सवी० ॥ यतः ॥ खस्यफस्यंचकाव्ये
न ॥ काव्यंगीतेनहियते ॥ गीतंस्त्रीविलाशेन ॥ स्त्रिविलासोबुसूक्ष्या ॥ १ ॥

॥ ढालपूर्वली ॥ तवमनमांचिन्ताउपनी ॥ अहोजीनमतपांमीशुद्धरे॥ नविन्नी नवरदिक्षाआदरी ॥ इंमहीजमरस्यूंअविशुद्धरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ दाहिणमुझ लोयणफूरकिउं ॥ वामानुंफुरक्युंवामरे ॥ मुझव्यतिकरसाघ्योनारीइं ॥ मेंप णिसाघ्योतसतामरे ॥ ४३ ॥ स० ॥ मेंचितव्युंइणिपरेंचित्तमां ॥ तवशकुन थयाइणिरीतीरे ॥ तिणेंजांणफसूंदरीसांभलो॥ नविआपदनीचिरथीतीरे ॥४४॥ स० ॥ तिणेंचिंताकरज्योमततूम्हें ॥ तवतहतकस्युंमुझवयणरे ॥ अहोरात्रव स्यांअम्हेतिहांकणें ॥ तवआव्योकोइकसयणरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ आव्योस बरराजधानीथकी ॥ नंदिवर्द्धनसद्भवाहरे ॥ वाणीतेरयणपुरीतणो ॥ जाइनि जपुरसाथअथाहरे ॥ ४६ ॥ स० ॥ तेहनातीहांपुरूषतेआविआ ॥ जललेवा मुंक्यादोररे ॥ तवदोरझालीम्हेंजणावीउं ॥ किधोवलीकांयकसोररे ॥ ४७ ॥ स० ॥ तेपणिजईकहेशारथपती ॥ तेपणिआवीततकालरे ॥ मंचिकामुंकीअ म्हकाढीआं ॥ उलषीपुछेतिणेंतालरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ कह्योमुलवृत्तांतमेंमाह रो ॥ धूरथीसविकरीविस्ताररे ॥ सांभलीविस्मयवरूपांमीउ ॥ अह्लेचाल्यांता सआधाररे ॥ ४९ ॥ स० ॥ गयांपांचप्रयाणांजेतले ॥ साथआगलिचाल्यो जाइरे ॥ राजमारगथीकांयवेगला ॥ दिठांकंकालतेठायरे ॥ ५० ॥स० ॥ ग्रा मपासेंद्रव्यनीगांठमी ॥ केसरीइंहणीउतासरे॥ एहवोअणहगदिठोतिहां ॥इ व्येंउलष्योताननोदासरे ॥ ५१ ॥ स० ॥ तसदेखीविपाकनेंउपनो ॥ मुझमन मांअतिहिविवेकरे ॥ थयोचारीत्रमोहनीनोतथा ॥ क्षयउपसममुझअतिरेक रे ॥ ५२ ॥ स० ॥ जीवलोकमांजेउल्लसकह्यो ॥ उपनोमुझचारीत्रसाररे वधतेपरीणांमेंआवीउ ॥ षेमेंनीजनगरेंतावरे ॥ ५३ ॥ स० ॥ [ईनसूरिआविआ ॥ दिक्षातसपासेंलीधरे ॥ विधीपुर्वकपाल्युंशुद्धमनें युपुरणअनुंक्रमेंकिधरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ महाशुक्रकल्पमांउपनो पमसोलनेंआयरे ॥ महाधिकवैमानीकथयो ॥ गयोकाल[-]॥९ ॥ ५५ ॥ स० ॥ ईमविजेखमेवारमी ॥ ढालसाषीअतिहेंरशालरे वीजयपुण्येंकरी ॥ होइघरि२मंगलमालरे ॥ ५६ ॥ स०

हवेशणिश्रवशरिं ॥ कूमरणेंकरीकाल ॥ त्रिजीनरगेतूरतते ॥ उपनोउखकश्रस
राल ॥ ५७ ॥ श्राउषुंसातश्रयरतणं ॥ दशवेदनदिइंजोर ॥ षफूगश्रन्योन्य
नेंषेत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकठोर ॥ ५८ ॥ जंबुद्वीपजंबुतरू ॥ शोतीतसारहवा
स ॥ रथविरपुरश्रतिराजतूं ॥ ॥ सूरपुरीपरेंसुखवास ॥ ५९ ॥ नंदिवर्द्धननाम
थी ॥ गाथापतिनेंगेंह ॥ सूरसुंदरीसोहामणी ॥ दिपेश्रद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुत्र
पणेंऊंप्रगटिउ ॥ श्रणहगनोश्रवतार ॥ नरगमांहिंथीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
कार ॥ ६१ ॥ विंध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वतणोसंहार ॥ करतोसिंहपराक्रमी ॥
उपनोतिरीश्रवतार ॥ ६२ ॥ वालूप्रसाइंगयोवली ॥ सागरश्रायुसात ॥ तिहां
थीवकूसवतिरीतणां ॥ सहिउउखसंघात ॥ ६३ ॥ तेहजनयरमांतिणेंसमें ॥
सोमनांमसछवाह ॥ नंदिमतिनारीनवल ॥उपनोकुषिउरछाह ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
देशीरसीश्रानी ॥ धरमजिनेंसरगाउंरगस्यूं ॥ एदेशी ॥ श्रनुंक्रमेंजनमथया
श्रम्हविकूतणा॥ थाप्यानामउदार ॥ कुंश्ररजी ॥ माहरुंश्रनंगदेवसोहामणं ॥
धनदेवएहनुंरेशार ॥ ६५ ॥ कुं० ॥ पापस्थानकश्राठमूंतुम्हेपरीहरो ॥ एश्रां
कणी ॥ बालयकीश्रमप्रीतीथईघणी ॥ पणिमाहरेसंदसाव ॥ कू० ॥ एहतो
कपटथकीचालेघणो ॥ कुमरसावलसातावि ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवशे
नगुरूपासेंपांमीउ ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ वलियौवनपाम्योऊंजाग
तो ॥ करूंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ बापदादानुंधनघरमांघ
णं ॥ पणिश्रसीमांनश्रत्यंत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषश्रर्जितनहींकांमनुं ॥ श्ररजुं
निजकरतंत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० द्रव्यकमावणरयणद्वीपेंगया॥श्ररज्यांरय
णश्रनेक ॥ कू० ॥ श्रनुंक्रमेनीजदेशेंजावासणी ॥ विकूजणेंचितव्युंछेक ॥
॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवकृतकर्मेंकरीचितवें ॥ धनदेवपंथेरेइंम ॥ कु०
ठगीइंकोईउपाइंएहनें॥तोद्रव्यश्रावेएनेम॥कु०॥७०॥पा०॥केईकविकलपमि
थ्याकलपीश्रा॥पणिकोईनाघ्योरेदाया॥कु०॥मारयाविणनवीएहठगीसकुं॥इम
सिद्धांतकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चिंतवेसोजनमांविषश्रापीइं ॥ श्रा
व्याशक्तीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौटेधनदेवगयोकपटेकरी ॥ श्रवशरेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ सोजनकरयुंतेथारतिएंसमें ॥ एकलाकुमारेफेर ॥
॥ कु० ॥ बिजोलाकुसूकलेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥
पंथेचित्तविकल्पकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू ॥ विषलाकुंलीधोपोते
तदा ॥ मुक्कआप्योजेहषास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यतः ॥ लंघनैःपच्यते
रोगाः ॥ फलंकालेनपच्यते ॥ कुमित्रैःपच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥
॥ ढाल ॥ लाकुषाधोनेफेरतेपरणम्युं ॥ उपनोमुक्कमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युंवा
तवनीकिमनीपनुं ॥ नथिजाण्यंतसभेद ॥ ७५ ॥ कू ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
चित्रताकारणें॥विषपणिउपन्नअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलह्योमुक्कचिंताउपनी ॥ मि
त्रनोकिणेंकरयोअंत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषबरपमीएहवातनी॥
आव्योनीजपूरताम ॥ कू० ॥ संसलाव्युंतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक
तरदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेपरक्ष्युंतेपुण्यमांवावर्युं ॥ मुक्कतेदिनथी
वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसंगनकिधोतेपछी ॥ नितनवलोकरूंत्याग ॥ कू० ॥
॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवग्रोनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेरेपास ॥ कू० ॥
आदरीविधीपुर्वकपालीसली ॥ अणसणकिधुंरेषास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
प्राणतकल्पेंउपनोइंद्रतिहां ॥ उगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेंधनदेव
मरीकरी ॥ उपनोनारकठाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पंकप्रभाईसागर
नवतणुं ॥ आउषूअतिदुखदाय ॥ कू० ॥ एणेंअवसरेंजंबूद्वीपमां ॥ ऐ
रवतषेत्रसूठाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिशोभतो ॥
॥ सेठहरीनंदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमां ॥ उपनोसूतगु
णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहिथीनीकली ॥ तेथ
योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिंस्याकरीकेईजीवसंतापीआ ॥ थयोदावानलदा
ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपंकप्रभाइफरीगयो ॥ दशसागरकांयउण
॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसववह्रसम्यो ॥ दुखनलहेकर्मेंकूण ॥ कू॥ ०
॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमांहिवसो ॥ ईद्रनागवणसेठ ॥ कू० ॥ सायों
नंदिमतितसकूषिमां॥पुत्रपणेंहूउनेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा०

हवेंशणिअवतारिं ॥ कूमरणेंकरीकाल ॥ त्रिजीनरगेतूरतते ॥ उपनोदुखअस
राल ॥ ५७ ॥ आउषुंसातअयरतणूं ॥ दुखवेदनदिइंजोर ॥ षगुगअन्योन्य
नेंषेत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकठोर ॥ ५८ ॥ जंबुद्वीपजंबुतरू ॥ ओसीतसारहवा
स ॥ रथविरपुरअतिराजतूं ॥ ॥ सूरपुरीपरेंसुखवास ॥ ५९ ॥ नंदिवर्द्धननाम
थी ॥ गाथापतिनेंगेंह ॥ सूरसूंदरीसोहामणी ॥ दिपेअद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुत्र
पणेंहुंप्रगटिउ ॥ अणहगनोअवतार ॥ नरगमांहिंथीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
कार ॥ ६१ ॥ विंध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वतणोसंहार ॥ करतोसिंहपराक्रमी ॥
उपनोतिरीअवतार ॥ ६२ ॥ वालूप्रसाइंगयोवली ॥ सागरआयुसात ॥ तिहां
थीबहुसवतिरीतणां ॥ सहिउदुखसंघात ॥ ६३ ॥ तेहजनयरमांतिणेंसमें ॥
सोमनांमसत्थवाह ॥ नंदिमतिनारीनवल ॥उपनोकुषिउछाह ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
देशीरसीआनी ॥ धरमजिनेंसरगाउंरगस्यूं ॥ एदेशी ॥ अनुंक्रमेंजनमथया
अम्हबिहुतणा॥ थाप्यानामउदार ॥ कुंअरजी ॥ माहरुंअनंगदेवसोहामणूं ॥
धनदेवएहनुंरेसार ॥ ६५ ॥ कुं० ॥ पापस्थानकआठमूंतुम्हेपरीहरो ॥ एआं
कणी ॥ बालथकीअमप्रीतीथईघणी ॥ पणिमाहरेसदसाव ॥ कू० ॥ एहतो
कपटथकीचालेघणो ॥ कुमरसावलसुंआताव ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवगो
नगुरूपासेंपांमीउ ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ वलियौवनपाम्योहुंजाग
तो ॥ करहूंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ बापदादानुंधनघरमांघ
णूं ॥ पणिअसीमांनअत्यंत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषअर्जितनहीकांमनुं ॥ अरजुं
निजकरतंत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० द्रव्यकमावणरयणद्वीपेंगया॥अरज्यांरय
णअनेक ॥ कू० ॥ अनुंक्रमेनीजदेशेंजावासणी ॥ बिहुजणेंचितव्युंछेक ॥
॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवकृतकर्मेंकरीचितवें ॥ धनदेवपंथेरेइम ॥ कु०
ठगीइंकोईउपाइंएहनें॥तोद्रव्यआवेएनेम॥कु०॥७०॥पा०॥केईकविकलपमि
थ्याकलपीआ॥पणिकोईनाव्योरेदाय॥कु०॥मारवाविणनवीएहठगीसकुं॥इम
सिद्धांतकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चिंतवेंसोजनमांविषआपीइं ॥ आ
व्यागामकीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौटेधनदेवगयोकपटेंकरी ॥ अवसरेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ सोजनकरयुंतेयारतिणेंसमें ॥ एकलामुमांरेफेर ॥ ॥ कु० ॥ बिजोलामुसूढलेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥ पंथेचित्तविकल्पकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू० ॥ विषलामुलीधोपोते तदा ॥ मुक्तप्राप्योजेहपास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यतः ॥ लंघनैःपच्यतें रोगाः ॥ फलंकालेनपच्यते ॥ कुमित्रैःपच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥ ॥ ढाल ॥ लाडुषाधोनेफेरतेपरणम्युं ॥ उपनोमुक्तमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युंचा तवनीकिमनीपनुं ॥ नविजाणुंतसभेद ॥ ७५ ॥ कू० ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि चित्रताकारणें॥विषपणिउपन्नअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलह्योमुक्तचिंताउपनी ॥ मि त्रनोकिणेंकरयोअंत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषबरपमीएहवातनी॥ आव्योनीजपूरताम ॥ कू० ॥ संभलाव्युंतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक तसदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेषरह्युंतेपुण्यमांवावर्युं ॥ मुक्तेदिनथी वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसंगनकिधोतेपछी ॥ नितनवलोकह्युंत्याग ॥ कू० ॥ ॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवन्नोनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेरेपास ॥ कू० ॥ आदरीविधीपुर्वकपालीभली ॥ अणसणकिधूंरेपास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥ प्राणतकल्पेंउपनोजइतिहां ॥ उगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेंधनदेव मरीकरी ॥ उपनोनारकठाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पंकप्रभाइसागर नवतणुं ॥ आउपूअतिदुखदाय ॥ कू० ॥ एणेंअवसरेंजंबूद्वीपमां ॥ ऐ रवतषेत्रसूठाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिओसतो ॥ ॥ सेठहरीनंदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमां ॥ उपनोसूतगु णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहियीनीकली ॥ तेथ योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिंस्याकरीकेईजीवसंतापीआ ॥ थयोदावानलदा ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपंकप्रभाइंफरीगयो ॥ दशसागरकांयउंण ॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीभवबहुभम्यो ॥ दुखनलहेकर्मकूंण ॥ कू० ॥ ॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमांहिवसे ॥ इंद्रनागवणसेठ ॥ कू० ॥ सायां नंदिमतितसकूषिमां॥पुत्रपणेंजउठनेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा० समरइजनम्याबिहुं

नीजनीजघरे ॥ थाप्यांनामविशेष ॥ कू० ॥ विरदेववरथाप्युंमाहरूं ॥ द्रोण
कईतरनुंदेष ॥ कू० ॥ ८६॥पा० ॥ पाम्याकुमरपणंहवेअनुंक्रमें ॥बिजेषंभे
रेढाल ॥कू०॥ तेरमीपञ्जविजयेंसोहामणी॥सुणतांमंगलमाला॥कू०॥८७॥पा०॥
॥दुहा॥सूंप्याअमनेंसीषवा॥ परगटपंभीतपास॥प्रितिथईपूरवपरि॥अम्हेंबिऊंक
स्योअत्यास ॥ ८८ ॥ मानसंगगुरूमुझमल्या॥ तेहनीपासेंतांम॥जिनवरजी
ईजेकह्यो ॥ धर्मलह्योगुंणधांम ॥ ८९ ॥ द्रव्यथकीद्रोणकथयो ॥ मुझवंचवा
नीमित्त ॥ धर्मरागऊंधारीनें ॥ तिहांथीअधिकीप्रीति ॥ ९० ॥ थिरतरप्रीतीघ
णीथई ॥ दिधोएहनेंद्रव्य ॥ निंघव्यापारकरस्योनही ॥ साष्युंईणिपरेंसव्य ॥
॥ ९१ ॥ सईआरेसूंप्युंसवे ॥ करेव्यापारकलंठ ॥ अरज्योद्रव्यउतावलो ॥
गरथघणोकरेगंठि ॥ ९२ ॥ ढाल ॥ जीरेमारेजाग्योकूअरजांम ॥ एदेशी ॥
जिरेमारेपाम्योद्रव्यविशेष॥नवांचितेचितईणिपरें॥जिरेजी ॥ जिरेमारेपुरवकृत
जेकर्म ॥ तासअत्यासमनेंधरे॥जी ॥ ९३ ॥ जीरे ॥ सागलेस्येविरदेव॥ वेंह
चिएद्रव्यनेंमाहरोजीरेजी॥ जिरे ॥ मेंमुखथीनकहाया॥ नविआपुंसागताहरो
जिरेजी ॥ ९४ ॥ जीरे ॥ वंचुकोयेउपाय ॥ जिमनवीजाणेंएमनेंजीरेजी ॥
जीरे ॥ माहराव्यापारनीवात ॥ म्हेंनवीसाषीकोईकनेंजीरेजी ॥ ९५ ॥ जीरे ॥
उलवुंसघलोलास ॥ अथवाकोईमांनेंनहीजीरेजी ॥ जीरे ॥ तेकारणकरूंघा
त ॥ बिजोउपायईहांनहीजीरेजी ॥ ९६ ॥ जीरे ॥ पछेंकहिसऊंजेह ॥ तेश
वीवातवरेपछेजीरेजी ॥ जीरे॥ईमधारीनेंउपाय॥ करवामांम्योमनवछेजीरेजी
॥ ९७ ॥ जीरे ॥ मोहटोएकप्राशाद ॥ उपरिसागकरेईस्योजीरेजी ॥ जीरे ॥
रमणीकअतिसूविशाल ॥ देषवानेंजोवाजीस्योजिरेजी ॥ ९८ ॥ जीरे ॥ कि
लकअनीयमीत ॥ निर्जुयकसविखलललेंजिरेजी ॥ जीरे ॥ जोवातेंमुंघेर ॥
चढस्येजोवाहलफलेजिरेजी ॥ ९९ ॥ जीरे ॥ पछस्येएप्राशाद ॥ तवएजम
नृपघरिंजस्येजीरेजी ॥ जीरे ॥ मुझनहीकांयअपवाद ॥ कारयपणिसघलूं
थस्येजिरेजी ॥ ४०० ॥ जीरे ॥ तेम्योमुझनेंघेर ॥ जमीआबिऊंसाथेंवली
जिरेजी ॥ जीरे ॥ तेमीमयोप्राशाद ॥ आरोह्याअम्हेंबिऊंमलि ॥ जिरेजी ॥

॥४०१॥ जीरे ॥ देषाडवालपडप ॥ करतांमतीतेहनीचलीजिरेजी ॥ जीरे ॥ चढीउंआगेंआप ॥ अजिअनकंचढिउवलीजिरेजी ॥ २ ॥ जीरे ॥ निर्जुथक आरोह ॥ किधोतवशंणपरेंथयुंजिरेजी ॥ जीरे ॥ हाहारवथयोतांम ॥ सघलूं तेहपमीगयुंजिरेजी ॥ ३ ॥ जीरे ॥ उसरीउकंतढ ॥ जोउंतोद्रोणकमरीगयो जिरेजी ॥ जीरे ॥ उपनोमुकनिरवेद ॥ धिगूमुकसवअहीलेंगयोजिरेजी ॥ ॥४॥ जीरे ॥ धिगूसंशारअशार ॥ मरवुंसकनेंशंणपरेजीरेजी ॥ जीरे ॥ मृतका रयकरयांतास ॥ पणिचित्तमुकनरमेघरेजीरेजी ॥ ५ ॥ जीरे ॥ मानसंगगुरु पास ॥ अमणपणंमेंआदरयुंजीरेजी ॥ जीरे ॥ पालीचारीत्रसुरु ॥ अणसण वलीअंगीकरयुंजीरेजी ॥ ६ ॥ जीरे ॥ हेठिमउवरीमना/प ॥ ग्रैवेयकत्रीजेग योजिरेजी ॥ जीरे ॥ पणविसशागरआय ॥ कांयकउंणमाहरोथयोजिरेजी ॥ ७ ॥ जीरे ॥ द्रोणकहवेकरीकाल ॥ रौद्रध्यांनेंमरीउपनोजिरेजी ॥ जीरे ॥ बारसागरनेंआय ॥ धूमप्रसाइंनीपनोजीरेजी ॥ ८ ॥ जीरे ॥ एहजजंबुद्विप ॥ एहजविजयेंपुरसलूंजिरेजी ॥ जीरे ॥ सूंदरचंपावास ॥ सुरपुरसमवित्तअ टकलूंजिरेजी ॥ए॥ जिरे ॥ माणिसद्रतिहांसेठ ॥ हारिणीसार्यागुणवतीजिरेजी ॥ जीरे ॥ सूरसवथीचवितास ॥ कूखेंउपनोगुसमतिजिरेजी ॥ १० ॥ जीरे ॥ उचितसमंश्थयोजन्म ॥ नामपुरणसद्रथापीउंजिरेजी ॥ जीरे ॥ घोषउचरता आदि ॥ अमरएहवुंउल्लापीउंजिरेजी ॥ ११ ॥ जिरे ॥ अमरगुमथयुंनाम ॥ विजूंअतिसोहामणंजिरेजी ॥ जीरे ॥ श्रावकघरपरस्ताव ॥ बालथीजैनधर मीघणंजिरेजी ॥ १२ ॥ जीरे ॥ विजेपंमेढाल ॥ चौदमीतापीसोहामणीजि रेजी ॥ जीरे ॥ पद्मविजयकहेएम ॥ सांभलोवातद्रोणकतणीजिरेजी ॥ १३ ॥ ॥ दुहा ॥ नारकसवथीनीकली ॥ ढेहलेआयरमत्स ॥ पापकरीपोहुंतिहां ॥ बिजिवारविसत्स ॥ १४ ॥ पांचमीनरगेंपापथी ॥ अयरवारनुंआय ॥ तिहांथी नीकलीतीरीतणा ॥ सवबहुलगेंसमाय ॥ १५ ॥ एहजनयरमांइंणेंसमें ॥ नं दावर्त्तइंणिनाम ॥ सेठघणंसोहामणो ॥ रीद्धीतणोविसरांम ॥ १६ ॥ श्रीनंदा सोहामणी ॥ नारीरूपनीधांन ॥ कुषितेहनीकुंअरी ॥ उ [illegible] ॥

॥ १७ ॥ जनमथयोतसजेतले॥ नंदाथाप्युंनाम॥ आवियौवनअनुक्रमें॥आ पीमुफनेंआम॥ १८ ॥ पांणिग्रहणेंपरणीआ॥ शामातपरिस्नेह ॥ मुफनेंत पनोमुलथी॥ आणंरागअठेह॥ १९ ॥ ढाल॥ नीद्रडीवेरणङ्दरही ॥ एदे शी॥ पंचविषयसूखलोगवुं॥ तेहसाथेंहोगयोकेईकालके ॥ पुरवकर्मदोषें करी॥ नारीगुथेंहोमनआलजंजालके॥ २०॥ कर्मतणीगतिसांसलो॥ एआं कणी॥ घरसारसूप्युंसवीएहनें॥ पणिनगयोहोमायापरीणामके॥ कपटेंवा तसवेकरे॥ ऊंजाएह्होएसत्यनुंधामके॥ २१ ॥ क० ॥ परिजनसयणआवी कहे॥ तुफनारीहोकपटीसीरदारके॥ पणङ्कांयमांनुंनही॥ सरलसावेंहोव लीरागनेंधारिके॥ २२ ॥ क० ॥ एकदिनमायाईंकस्युं॥ गयांकुंमलहोजुग जेघरसारके ॥ पोतेंतलवीईंमकस्युं ॥ आकुलव्याकुलहोवलीयाईअसारकें ॥ २३ ॥ क०॥ खेदमकरतूंसूंदरी॥ गयोअंगनोहोमलताहरोआजके॥ कुंम लजुगलकरूंनवां॥ पढेंआवस्येहोद्रव्यस्येमुफकाजके॥ २४ ॥ क० ॥ इ मकहिनवीनकरावीयां॥ वेलाएकदिनहोअत्यंगनजाणके॥ नामांकितनि जमुद्रिका॥ आपीनारीनेंहोराखवानिजपाणिके॥ २५ ॥ क० ॥ निजआ लरणकरंमीइ ॥ मुंकितिणेंहोमुद्रावङ्मोलके ॥ न्हाणसोयणकरीईणसमें॥ अंगरागनेंहोवलीलीधतंबोलके॥ २६॥ क०॥ संकारहितकरंमीत॥ ऊघाडी होमुंद्रामेंलीधके॥ कुंमलयुगलदीठुंतिहां॥ गयुंपुर्वेहोजससारनकीधके ॥२७॥ ॥क० ॥ चिंतामुफनेंतपनी॥जम्ध्यांकुंमलहोदिठोंठेनारिके॥ आविनंदाईणस में॥ दिठीमुंद्राहोमुफहाथेंउदारके॥ २८ ॥ क० ॥ विलषीथईनीजचित्तथी॥ म्हेंजांण्योहोएहनोतवसावके॥ निकल्योऊंघरमांहिथी॥ चित्तचिंतव्युंहोह मणांएहदावके॥ २९ ॥ क० ॥ नारिविचारेचित्तमां॥मुफलघुताहोथईईण ठांमके॥ कूंमलजुगलदिठांशणें॥ हवेकरवुंहोएहकिणीपरेंकांमके॥ ३०॥ ॥क०॥ एपिणनारीनेंगयो ॥ हवेसयणमांहोज्यांनवीकरेंवातको॥लघुतासय णमांनविहोई॥ आगलथीहोमारूंकरीघातके॥३१॥क०॥ कांमणयोगकरुं जिणे॥ मेरवहेलोहोवहेलूथायकांमके ॥ द्रव्यसंजोगबङ्करयो॥ तिणएक

लीहोकूडकपटनीधांमके ॥ २२ ॥ क० ॥ एकांतप्रदेशेंदाटवा ॥ जाइंजेतले होतेतलेतिहांनागके ॥ करम्योकर्मवशेंकरी ॥ जिहांजाइंहोतिहांकर्मनोलाग के ॥ २३ ॥ क० ॥ वरसलगेंअन्नवीमल्या ॥ जिनऋषभजिहोकरयांकर्म नजायके ॥ गोपेंषीलागेकीआ ॥ जिनविरनेंहोअतिहेंडुखदायके ॥ २४ ॥ ॥ क० ॥ षटमहीनालगेंनवीमल्यो ॥ आहारढंढणाहोकिधोअंतरायके ॥ पं चभर्त्तारीद्रुपदी ॥ शीतानेंहोकलंकतेआयके ॥ २५ ॥ क० ॥ कलावतिकर कापीआ ॥ षंधकनीहोउतारीषालके ॥ तिमएहनेंनागेंडसी ॥ बीबानीहोपडे सांतिनेंष्यालके ॥ २६ ॥ क० ॥ यतः॥ कृतकर्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीश तैरपी ॥ अवश्यमेवभोक्तव्यं ॥ कृतकर्मशुभाशुभं ॥ १ ॥पुर्वढाल॥ रुद्रदेवपुरो हितेंकह्युं ॥ तूमनारीनेंहोकरम्योदेसापके॥ डंपणिगयोउतावलो॥ इमजाणे होकिमआव्यूंपापके ॥ २७ ॥ क० ॥ थईअचेतदिगीतदा ॥ स्यांमसंमलहो थयांतासससरिरको॥आंसुपातकरतोथको ॥ नखमाइंहोमेंतेहनीपीरके ॥ २८॥ ॥ क० ॥ धिगूसंशारअसारनें ॥ जिमसूपनुंहोमायाइंद्रजालके ॥ गद २ वां णीइम्हेंकह्युं ॥ तुम्हनेंकिमहोथयुंइमअकालके ॥ २९ ॥ क० ॥ सितुमनेंपि माअछे ॥ इमपुछ्यूंहोपणिनदिइंबोलके॥ तवमुमषेदघणोथयो॥गइजिवीतहो आशादरबोलके ॥ ४० ॥ क० ॥ गारुमीतेम्यातिणसमे ॥ करीषेदनेंहोकहे इणीपरेंतेहके ॥ कालेंडसीएनारिनें ॥ नहीचारोहोनरमात्रनोएहके ॥ ४१ ॥ ॥ क० ॥ इमकहीगारुमीघरिगया ॥ नविमंत्रनीहोकांयचालिशक्तिते॥ का लकरीपरभवगई ॥ सजविलषेहोकेरेआक्रंदभक्तिके ॥ ४२ ॥ क० ॥ मृतका रजकरीतेहनां ॥ तेहनीमित्तेंहोवधतेपरिणामके ॥ क्लेशकारणसंगछांमीउ ॥ संशारतेहोजाणीदुःखधामके ॥ ४३ ॥ क० ॥ लिधीदिक्षाम्हेंगुरुकनें ॥ छठि नरगेंहोपोहोतितेहनारिके ॥ एकविससागरआउषे ॥ एहमाहरुहोचरीत्रअव धारिके ॥ ४४ ॥ क० ॥ रायनयरजनशांभली ॥ गुरुभाषोहोहवेआगलिवा तके ॥ निपजस्येस्यूंएहनें ॥ तुमचोपणिहोभाषोअवदातके ॥ ४५ ॥ क० ॥ अमरगुप्तगुरुबोलिआ ॥ एहनेतोहोछेअनंतसंशारके॥ मुग ॥

ऊनोइंणसवहोपामीससवपारके ॥ ४६ ॥ क० ॥ एसवमुनीनाशांसली ॥
तेऊपासेंहोमेंलीधीदीषके ॥ बऊजनेंनगरमांश्रादरी ॥ मुक्तसाथेंहोधरीगुरू
नीशीषके ॥ ४७ ॥ क० ॥ एमुक्तहेतुविशेषछे ॥ वैराग्यनुंहोसूणिसीहकु
मारके ॥ बिजेखंमेपनरमी ॥ ढालसाषीहोपदमेंमनोहारके ॥ ४८ ॥ क० ॥
॥ ऊहा ॥ सीहकुमारतेसांसली ॥ कहेरुमुंकस्युंकांम ॥ हवेसाषेगुरूहित
करी ॥ गुरूतूम्हेगुणगणधांम ॥ ४ए ॥ कतिगतिरूपगुरूकह्यो ॥ एसं
शारश्रपार ॥ सूखऊखमननेंशरीरनां ॥ स्यांस्यांहोयसंसार ॥ ५० ॥
सवश्रटवीसमतांथकां ॥ धर्मकीउश्राधार ॥ गुरूकहेसूणसंसारए ॥ चि
ऊगतीरूपविचार ॥ ५१ ॥ नरकतिरिसूरनरगती ॥ संशारेनहीसूख ॥ जरा
मरणनेंजनमथी ॥ ऊखीश्रानेंनितऊख ॥ ५२ ॥ रागद्वेषरोगेंकरी ॥ वेदनवी
षयविषाद ॥ सुखतोनहीतससूपनमां ॥ पामेंऊखप्रमाद ॥ ५३ ॥ तेउपरिदृ
ष्टांततूं ॥ सांसलचतूरसूजांण ॥ मधूबिंदूमानवतणो ॥ विरेंकिधवषांण ॥
॥ ५४ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ एकविशानी ॥ त्रुटकनी ॥ एकनरकोईरेदारिद्र्ऊ
खसंतापीउ॥ मुंकीदेशनेंरेपरदेशेंगयोपापीउ ॥ गामश्रागररेपाटणबऊसमतां
हवे ॥ सूलोपंथथीरेएकश्रटवीमांएहवे ॥ ५५ ॥ त्रुटक ॥ शालतालतमालनि
बह ॥ कुटजन्यग्रोधखेरए ॥ सल्लकीश्रर्जुनबकुलश्रंकोल ॥ श्रंबजंबुकेरए ॥
वंजूलतिलककलंबरायण ॥ तिणीसधवनेंपलासए ॥ जिहांसीहचित्ताकालदं
ता ॥ जिववासीश्रासए ॥ ५६ ॥ वाघजंबुकेरे रोक्तसरसबऊसयकरे ॥ व
नसिसारेजुधकरेतेपरपरे ॥ जलचरजिवरेपाणीउगलेवेगस्यूं ॥ तेहनरनेंरेचिं
तानमायउदवेगस्यूं ॥ ५७ ॥ त्रु० ॥ त्रूख्योतरष्योखमेंवेदन ॥ स्वापदनासूणे
शादए ॥ उत्रस्तलोचनस्वेदगलतो ॥ करेबऊविषवादए ॥ दिर्घपंथेंथाकपां
म्यो ॥ विषममार्गखलायए ॥ इंणिसमेंगजवरएकदिठो ॥ पुंठेंश्रावेधायए ॥
॥ ५८ ॥ महाऊरदंतरे ॥ पंथीलोकनेंमारतो ॥ गाजतोवलिरेसूंमथकीफूं
कारतो ॥ सूंमादंमरेउंचोकरीनेंचालतो ॥ चालतोनगेरेदिसेमेघज्यूंम्हालतो ॥
॥ ५ए ॥ त्रु० ॥ तिमजएकराक्तसीदेषे ॥ महाऊष्टकरालए ॥ महाकायविक

रालवयणे ॥ निसितकरकरवालए ॥ सिमअट्टहासमुंके॥ वरणअतीतसस्या मए ॥ देखीबीहनोमरणसयथी॥ जुइंदशदिशठामए ॥६०॥ पुरवदिशरेदेखे वक्षएकतामरे ॥ उदयाचलरेशीखरपरेंअसिरामरे ॥ सिद्धगांधर्वरेमारगरोक्या तासरे ॥ मनचिंतेरेकिमहिकजाउंएपासरे ॥ ६१ ॥ त्रु० ॥ उगरूंतोएहसय थी ॥ चढुंवक्षउपरिंजई ॥ इमचिंतविनेंशीघ्रचाल्यो ॥ पदलेदायेंकूशसूई ॥ पोहतोवक्षनेंपासतवते॥देखीमनमांचिंतवे॥ गगनगोचरथीनलंघाइं॥किमक रूएहनेंहवे ॥ ६२ ॥ आरोहीरेनशकेहवइंतकोइपरें ॥ गजदेषीरेतेहनुंतनव ऋथरहरे ॥ ईमकरतारेदिठोजीरणएककरे ॥ कुपकतिहांरेउक्षोतेंअतिठेकरे ॥ ॥६३॥त्रु०॥ जीववानीक्षणेकआशा॥धरीमरणनोसयमनें॥निरालंबनआलमुं क्यो ॥ नविआधारकोतिहांकनें॥सीतिउग्योसरनोथंसो॥वलगोतेहनेउल्लसी॥ पक्षणासीयातेंहेठिफणिधर ॥ च्यारकोप्याधसमर्सा॥ ६४ ॥ च्यारकांठेरेते हरहेकोपाकुला ॥ फणाटोपेंरेकरक्षवानेंयथाव्याकूला ॥ एकअजगररेदिग्ग जसमदिशेखरो॥ आंषरातीरेकृष्णकायमुखमोकरो ॥ ६५ ॥ त्रु० ॥ चिंते मनमांएहथंसो॥ तिहांलगेंजीवितवऊं॥ उचेमुखेंजवजोईउंतव ॥ दिठूंतेसूए ज्योकऊं॥ एकधवलनेंएककृष्णएवे ॥ उंदरामोहटाहवे ॥ दाढतिषीमूलछेदे॥ हस्तीपणिजूउतेहवे ॥ ६६ ॥ नवीपोहचेरेतेनरनेंहवेहाथीउ ॥ थंथोलेरेको पेंवक्षउन्माथीउ ॥ तिणेंहाल्योरेमधपुक्षोएकउपरिं ॥ मधूसमरीरेउक्षीतेचिऊंदि शिसंचरे ॥ ६७ ॥ त्रू० ॥ समरिसमुहेंताशगात्रें ॥ दिइंचटकाअतिघणा ॥ मधूजालपक्षीउकुपमांतिणें ॥ गणगणाटनीनहीमणा ॥ एकबिंदूमधूनोति हांपक्षीउ ॥ सीसउपरितासए ॥ आलोटतोतेकिमकेंआव्यो ॥ तासमुखआवा सए ॥ ६८ ॥ क्षणेछ्लेरेवलीएकबिंदूआवतो ॥ पणिनगणेरेजेदुःखएवक्षांपाव तो ॥ करिमुंसारेअजगरनेंवलीसापरे ॥ कुउसमरीरेएवमांनगणेसंतापरे ॥ ॥ ६९ ॥ त्रु० ॥ मधूबिंदूरसआस्वादगिरधर ॥ हरषपामेंबऊतदा ॥ सूणेउप संहारएहनो ॥ मोहघुमजाइंकदा ॥ पुरुषतेएजिवजाणो ॥ च्यारगतीअटवि कही ॥ वनवारणतेकीनासजाणो ॥ जराराषसणीलही ॥७०॥ वक्षवृक्षतेरेमो

कुग्ग्रपुरवजांणीइं ॥ मृत्युगजवररेसयजेहथानीकनांणीइं ॥ विषयातूररेनर आरोहीनवीञक्या ॥ पापथानिकरेपरिग्रहमांहिंजेठक्या ॥ ७१ ॥ त्रु० ॥ सर्प्पच्यारकषायसमज्जो ॥ कुउंनरसवजांणीइं ॥ जेमनुंजनेंएनागकरम्या ॥ घोरडुखविषषांणइं ॥ कार्याकार्यनलहेतेनर ॥ जीवीतसरथंसोगणो ॥ दोयप षजेबङ्गलग्रर्जून ॥ तेहउंदरसमसणो ॥ ७२ ॥ करमेंसमरीउंरेव्याधीविविधब झसत्तरें ॥ खणमातररेसूखनवीलहेकोईवत्तरे ॥ घोरग्रजगररेनरगतेग्रतिडु खदायरे ॥ विषेंमोहीतरेनरकेंगयांडुःखथायरे ॥ ७३ ॥ त्रु० ॥ मधूबिंडुसम एसोगजांणो ॥ तूउनेंदारुणकहे ॥ एहव्यसनमांकहोकोणप्रांणी ॥ सोगववा नेंउमहे ॥ तिणेंकारणेंकरोधर्ममांनव ॥ सवतेकूशबिंडुसमो ॥ चंचलविजली संमसमागम ॥ सज्जननाजाणोतुमो ॥ ७४ ॥ संध्यारागरेसरीखुंजोवनजांणी इं ॥ करोग्रादररेधर्मञादासूखखाणीइं ॥ बिजेखंभेरेसोलमीढालसोहामणी ॥ मानवसवरेजांणज्योजिमचिंतामणी ॥ ७५ ॥ त्रु० ॥ चिंतामणीसमधर्मकी जें ॥ एहउपनयसांसली ॥ कहेपद्मएदृष्टांतसाष्यो ॥ बिजोपाठांतरवली ॥ ग्रंथांतरथीतेहजांणो ॥ इहांचरित्रप्रकारए ॥ सिहपुछेहवेगुरुनें ॥ धर्मवा तउदारए ॥ ७६ ॥ डुहा ॥ सीहकुमरकहेसांसलो ॥ कतिविधधर्मकहाय ॥ धरमीकहेदञविधधरम ॥ मुनीनोएनीरमाय ॥ ७७ ॥ यतः ॥ खंतिमद्दव ग्रज्जव ॥ मुत्तितवञंजमेयबोधव्वे ॥ सच्चंसोयंग्राकिंचणंच ॥ बंसंचजइध म्मो ॥ १ ॥ डुहा ॥ सम्यग्वस्तुस्वसावनो ॥ ग्रंतरकरीग्रालोच ॥ क्रोधतणोग्रणुद यकरे ॥ करेउदइंसंकोच ॥ ७८ ॥ मद्दवपणइंममाननो ॥ ग्रनुंदयवीफल ग्रपार ॥ ग्रज्जवमायाग्रणउदय ॥ उदयेविफलग्रवीकार ॥ ७९ ॥ मुत्तिते लोसतणो मुणो ॥ ग्रनुंदयउदयग्रसाव ॥ उदयलह्याथीकरेग्रफल ॥ प्रसूनेंव चनप्रसाव ॥ ८० ॥ तपतेडुविधपरेंतपे ॥ बाह्यग्रत्यंतरबाह्य ॥ षटविधनें ग्रंतरंगषट ॥ जेहमांकोइंनसाह्य ॥ ८१ ॥ यतः ॥ ग्रणसणमुणोयरीया ॥ वित्तिसंखेवणउंरसच्चाउ ॥ कायकिलेसोसंलिणयाय ॥ बज्झोतवोहोई ॥ १ ॥ पायछित्तंविणउ ॥ वेयावच्चंतहेवसज्झाउ ॥ झाणंउस्सग्गोविय ॥ ग्रत्यंतरउ

तवोहोई ॥ २ ॥ दुहा ॥ सत्तरभेदसंजम सूणो ॥ सत्यतेनी रवयभास ॥ सौच
ते नीरलेपीसदा ॥ आठमोपुरेआश ॥ ८२ ॥ आकिंचनतेइणीपरें ॥ धरमोप
गरणधार ॥ परिग्रहनेंराषेपरो ॥ बंभतेषटनेंवार ॥८३॥ ढाल ॥ देशीबंधवला
नी ॥ एजतीधर्मनेंसांभलीरे ॥ बोलेसिंहकूमार ॥ शोलनधर्मएसाधुनोरे ॥ सा
घ्योतुह्मेअणगार ॥८४॥साध्योतूम्हेतेम्हेंनवीथाय॥ ऊंतोसमर्थनहिमुनीराय॥
मुझनेयोग्यहोइजेकांय ॥ तेभाषोमुझकरीसूपशाय ॥ ८५ ॥ जिमोहनजी
जीरे ॥ एआंकणी॥धर्मघोषमुनीबोलीआरे ॥ श्रावकथाउमहाभाग ॥ सीहक
हेतेकेहवोरे ॥ श्रावकधर्मनोलाग ॥ ८६ ॥ श्रावकधर्मकह्योमुनीराय ॥ द्रव्य
भावथीअंगीकराय॥ मानेंकृत्यकृत्यआतमराय ॥ मुनीवरसेवकरेसूखदाय ॥
॥ ८७ ॥ जीमो० वंदनाविनयथकीकरीरे ॥ पोहतानयरीमांहिं ॥ कुसूमा
वलीनेजईकहेरे ॥ तेपणिधरेउग्गाह ॥ ८८॥ तेपणिधरीउग्गांहनेंपामें ॥ कर्म
क्षयोपसमेंमिथ्यातवामें ॥ समकितअणुंव्रतलहेगुणधांम ॥ नित२गुरुसेवा
सूखकांम ॥ ८९ ॥ जीमो० ॥ मासकल्पईमवहीगयोरे ॥ गुरुजीइकिधवि
हार ॥ जैनधर्मेंदृढतेथयोरे ॥ तत्वातत्वविचार ॥ ९० ॥ तत्वातत्वविचारतेथा
य ॥एकदिनपुरूषदत्ततेराय॥ अमीततेजगुरूजिनेंपाय ॥धर्म्मदेशनासुणि
सुखदाय ॥ ९१ ॥ जीमो० ॥ सिंहकूमरराज्येंठविरे ॥ आपथयोमुनीभूप ॥
राणीश्रीकांतासहवलीरे ॥ लहेशिवमार्गअनुप ॥ ९२ ॥ लहीशिवमार्गअनुं
पतेपाले॥ सिंहरायनिजकूलअजुआले ॥ करमअन्यायअरीनेंटाल॥ त्रणवर्ग
पालेनीजकालें ॥ ९३ ॥ जीमो० ॥ सहुलोकनेंआणंदकरेरे ॥ सामंतमंमल
आणि ॥ शिरवहेचंपकमालज्युंरे ॥ करेउपगारसूजाण ॥ ९४ ॥ करेउपगार
सूजाणवैरागी ॥ राजऋषीकहेवाइत्यागी ॥ काढेंकालएरीतिसोभागी ॥ चा
रित्रधर्म्मतणोवड़रागी ॥ ९५ ॥ जीमो० ॥ अगनी शरमातापसोरे ॥ विद्युत
कुमरजेदेव ॥ तिहांथीचविनेंबहुभम्योरे ॥ तिरीगतिनीकरेसेव ॥ ९६ ॥ ति
रीगतिनीकरीसेवनेंआव्यो ॥ अनंतरभवेबालतपसीसोहाव्यो ॥ तिहांथीमरी
कर्मवासनाभाव्यो ॥ कुसूमावलीनेंकुषिंठाव्यो ॥ ९७ ॥ जीमो० ॥ दिठोसू

पनमांतेणीइंरे ॥ उदरमांपेश्रतोनाग ॥ बाहिरनिकलीरायनेंरें ॥ करम्यातेल
हीलाग ॥ ए८ ॥ करम्योतिणेंतेपमीउंस्रूप ॥ सिंहासनथीएहसरूप ॥ देखी
सूपनुंएहवीरूप ॥ जागीश्रमंगलजांणीश्रनुप ॥ एए ॥ जीमो ॥ नविसंसला
व्यूंरायेनेंरे ॥ गर्भतेवधतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥ नविबङमानेरा
य॥५०० ॥ स्नेहधरेबङराजातास ॥ परिजनकहेराणीनेंउल्लास ॥ इमनघटेतू
मकरवुंखास ॥ तवरांणीतेहनेंकहेसास ॥ ५०१॥ जीमो० ॥ स्यूंकहुंतवपरी
जनकहेरे ॥ सूपनेंश्रादरदिजें ॥ तवजाएय्यूंईमरांणीइंरे ॥ गर्भनोदोषकही
जें ॥ २ ॥ गर्भनादोषवीनानवीहोय ॥ श्रन्यथारायस्यूंरीशनकोय ॥ दोहद
उपनोएकदीनजोय ॥ हवेसांसलोतेसाधुश्रोय ॥ ३ ॥ जीमो० ॥ रायनां
श्रांतरमांस्पुंरे ॥ रांणीविचारेतांम ॥ गर्भएपापकारीघणोरे ॥ एहनुं
नहीमुझकांम ॥ ४ ॥ कांमनहीमुझचिंतेनारी ॥ सत्तांस्नेहतेचीत्तविचारी ॥
नारीस्वसावकायरनिरधार ॥ पाडूंगर्भङंएइंणीवार ॥ ५ ॥ जी० ॥ तासउपा
यबङकरयारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइप्रकारेपम्योनहीरे ॥ वैरसावना
मर्म ॥ ६ ॥ पामवाकारणउसमपिधां ॥ तिणेंदूरबलतसश्रंगजकीधां ॥ दोहला
नांपणिकार्यनसीधां ॥ कर्मकस्यांतेगाढेंलीधां ॥ ७ ॥ जीमो० ॥ मुबलीदे
षीपुछतोरे ॥ रायरांणीनेंइंम ॥ स्युंतुझनेनवीसंपजेरे ॥ श्रयतणोमुझप्रेम ॥८॥
श्रथवाकोईश्राणारवंमी ॥ दीसेंतूंजिमदेवेदंमी ॥ पाणीरहीतजीममाछलीषंमी ॥
श्रथवाकुमुदिनीउदकेंछंमी ॥ ए ॥ जिमो० ॥ रायरागेंरांणीकहेरे ॥ मुझमन
मांइमश्रावे ॥ मरणलङंइंणश्रवश्ररिरे ॥ तोमुझनेंसूखथावे ॥ १० ॥ स्यूंनीमि
त्तपुछेतसतांम ॥ देविकहेमुझदेवछेवांम ॥ इंमकहीश्रांसूंरेमैंतिणठांम ॥ राजा
पुछेनवीपुछणकांम ॥ ११ ॥ जिमो० ॥ वातकथाबीजीकरीरे ॥ श्राक्षेप्युंमन
तास ॥ तेमीपरिजननेंकहेरे ॥ वातसूणेउल्लास ॥ १२ ॥ वातकहेहवेराजासा
री ॥ ढालसत्तरमीएमनोहारी ॥ विजेखमेंमनमांधारी ॥ पद्मविजयकहेसूणो
सूखकारी ॥ १३ ॥ जीमो० ॥ दुहा ॥ देवीकीमएदूबली ॥ उवेखीकीमएह ॥
वङलपद्मनाचंदवद ॥ सरिषीदीसेकेह ॥ १४ ॥ सारसूतसवीवीश्वमां ॥ रांणी

रयणसरूप ॥ प्राणधरंतेननिपजे ॥ एहवुंस्यूंछेअनुंप ॥ १५ ॥ मदनलेषातव
माननी ॥ बोलीएहवाबोल ॥ राजनकहोछेतेषरुं ॥ तोपिणस्त्रीस्येतोल ॥ १६ ॥
अविवेकीपणछेअंगमां ॥ पणिसांसलिएकरूप ॥ कहिसकिइंएहवीकथा ॥ रा
जननहीसरूप ॥ १७ ॥ अन्यउपायनहीएहमां ॥ तिणेंकछुंसांसलितुफ ॥
संसलाव्युंइमकहीसवे ॥ गर्भ्भदोहदनुगुफ ॥ १८ ॥ ढाल ॥ सुणिबहेनीरेपी
उडोपरदेशी ॥ एदेशी ॥ रूपतिचिंतेरागविलूधो ॥ जुउरांणीस्यूंकहेछेरे ॥ पु
त्रजनमपणिनविबहुमानें ॥ रागएइमवहेछेरे ॥ १९ ॥ रूप० ॥ जोदो
हदनवीपुरुएहनो ॥ थाइंगर्भ्भविनाशरे ॥ विसरज्योराणीनोपरिकर ॥ चिंतउ
पायहवइंताशरे ॥ २० ॥ रूप० ॥ मतिशागरमहामंत्रीतेम्यो ॥ संसलाव्यो
वृत्तांतरे ॥ करीयविचाररूपनें साषे ॥ सांसलोकहुंअवदातरे ॥ २१ ॥ रूप ॥
बुलूक्तितरहीउदरेंबांधो ॥ अंत्रकर्त्तूमकरीवेसोरे ॥ कोइप्रकारेंलक्षणकरीसूं
दर ॥ पणिकोईनेंमतकहेस्योरे ॥ २२ ॥ रूप० ॥ रांणीदेषतांकापीदेस्यूं ॥ प
छेमनमान्युंकरेस्यूंरे ॥ वातसूणीनरपतिबहुहरष्यो ॥ इमप्रतिज्ञातरेस्यूंरे ॥
॥ २३ ॥ रूप० ॥ रांणीनेंकहेतूम्हसूखकरस्यूं ॥ राणीगरस्तअनुसावेंरे ॥ अं
गीकारकरिअणघटती ॥ करेउपायशुलदावेंरे ॥ २४ ॥ रूप० ॥ दोहदसंपु
रणथयोएहनो ॥ तवविषादबहुपामीरे ॥ मंत्रीइंरायदेषाड्योअनुंक्रमें ॥ हवे
नहीहर्षनीषामीरे ॥ २५ ॥ रूप० ॥ मंत्रीकहेजबजनमतेथाइ ॥ तवमतकहे
ज्योरायरे ॥ मुफकहेज्योहुयोग्यकरीशतें ॥ सांसलीअंगीकरायरे ॥ २६ ॥
॥ रूप० ॥ अनुंक्रमेंजनमथयोतेसूतनो ॥ मतिशागरनेंदिधोरे ॥ मतिशागर
कहेगरस्तथकीपणि ॥ रायनेंदूखबहुकीधोरे ॥ २७ ॥ रूप० ॥ तिणेंएगर्भनां
हीप्रयोजन ॥ रांणिचित्तपणिवशीउरे ॥ रायनेंमतएवातप्रकासो ॥ इमकही
लेईनीकसीउरे ॥ २८ ॥ रूप० ॥ रायनेंकहेमृतबालकआव्यो ॥ इमकहि
दाशीमाथेरे ॥ देईअशोकवाग्मीमांजातां ॥ दिठीपृथवीनाथेरे ॥ २९ ॥ रूप० ॥
कहेदाशीनेंस्यूंएमाथे ॥ संभ्रमथीकहेदाशीरे ॥ कांयनथीइमकहेतांरोयो ॥
राइंजोयुंचकासीरे ॥ ३० ॥ रूप० ॥ बालकदेषीछबकोदिधो ॥ फटसुंकीइ

मनकीजेरे ॥ तूंहृदयस्त्रीकायरसावें ॥ सघलीवातकहीजेरे ॥२१॥सूप०॥
लिधोरायेंबालककंफपी ॥ चिंतवेंआपुंनएहनेंरे ॥ एहनेंहाथेंपुरणथायें ॥ आपुं
पालेतेहनेंरे ॥ २२ ॥ सूप० ॥ अन्यथाविनेंपालवाआप्यो ॥ कहेएहनेंकां
यथास्येरे ॥ तोमुझहाथेंविनासलहेस्यो ॥ लोकमांसलपणजास्येरे ॥ २३ ॥
सूप० ॥ बहुनिभंगाकरीरांणीनें ॥ तिमजमंत्रीनेंजांणोरे ॥ देवीमंत्रीअनुरो
धेछांनो ॥ पुत्रउछवकरेराणोरे ॥ २४ ॥ सूप० ॥ आणंदनांमठव्यूंतेबालक ॥ मो
हटोजबतेथायरे ॥ कलाकलापग्रह्योतिणेंबहुलो ॥ मनमांहर्षनमायरे ॥ २५ ॥
सूप० ॥ पुरवकर्मदोषेंनृपउपरि ॥ चित्तविषमबहुराषेरे ॥ नरपतिइंजुवराजक
स्योवली ॥ राजकूंडीनीशाषेंरे ॥ २६ ॥ सूप० ॥ इंणअवसरएकअटवीवा
सी ॥ दुर्मतीनामसामंतोरे ॥ दुर्गबलेंनविगणेलेषामां ॥ जांणेंसिंहसूकंतोरे ॥
॥ २७ ॥ सूप० ॥ सैन्यमुंक्योतेरायनेउपरि ॥ तेपणितेहथीहार्यारे ॥ कोप
करीहवेंसीहनरेश्वर ॥ बहुबलथीपरीवार्यारे ॥ २८ ॥ सूप० ॥ करियप्रयां
णनेंचाल्योसनमुख ॥ जबथयांत्रण्यप्रयाणोरे ॥ इंणिअवसरिसिंधूनदीकां
ठें ॥ वहेतेप्रयांणतेंठाणोरे ॥ २९ ॥ सूप० ॥ समरादित्यनारासमांसाषी ॥ बिजे
खंडेंढालरे ॥ एहअधीकउल्लासेंअढारमी ॥ पद्मविजयसूरशालरे ॥ ४० ॥
॥ सूप० ॥ दुहा ॥ नदिकांठेंतिहांनीरषीउ ॥ अचरीजएकउदार ॥ गजशिरबे
ठगेलस्यूं ॥ मनुषवंदमनोहार ॥ ४१ ॥ अहोकष्टअहोकष्टए ॥ बोलेइंमबहु
लोय ॥ राजापोहोतोरिझस्यूं ॥ जईनइंतिहांइंमजोय ॥ ४२ ॥ जीरणनाग
दिठोयदा ॥ कृष्णदेहमहाकाय ॥ मंडुकग्रासतेमोटिको ॥ लीधोवदनलपाय
॥ ४३ ॥ पोहलेवदनेंपेषीइं ॥ दुखथीध्रूजेदेह ॥ मोहटेकूररेमुखमां ॥ नाग
ग्रस्योनसंदेह ॥ ४४ ॥ अजगरदिग्गजकरसमो ॥ नयनरक्तनहीसोम ॥ ग्र
स्योकूररवलीअजगरें ॥ राजिथयोरोमरोम ॥ ४५ ॥ अजगरजिम २ आहार
तो ॥ तिम२ नागनेंतेह ॥ मंडुकरोतोअहीमुखें ॥ जातोदेषेजेह ॥ ४६ ॥ अ
चरीजदेषीएहवुं ॥ सयपांम्योसूपाल ॥ देषिएदृष्टांतनें ॥ चिंतेचित्तविचाल
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ वाहलोम्हारोवायछेवांसलीरे ॥ एदेशी ॥ नरपतिमनमांहिं

चिंतवेरे ॥ एसंसारअशार ॥ मत्सगलागलथईरह्यूरे ॥ कोहनोकुंणआधार ॥
॥ ४८ ॥ वाल्होमारोसावेछेसावनारे ॥ एआंकणी ॥ मूढईयामांआणंदलहेरे॥
सत्पुरूस्यांनिरवेद ॥ देखीनेंपामेईमचिंतवीरे ॥ रायथयोबहुखेद ॥ ४ए ॥
॥ वा० ॥ रायविचारेंकरवुंकिस्यूरे ॥ अजगरेंबहुपस्योएह ॥ कूररेंभूजंगम
बहुगल्योरे ॥ नागेंमंमुकदेह ॥ ५० ॥ वा० ॥ कंठगतप्राणथयासहुरे ॥ प
णिनमुकेकोय ॥ अधीकअधीकगलवाकरेरे ॥ एहविषमगतीजोय ॥ ५१ ॥
॥ वा०॥एकविनाशीनेंछेमवुंरे ॥ पणिनवीजीवेंकोय ॥ नविउपायएवातमांरे॥
साविसावतेहोय ॥ ५२ ॥ वा० ॥ हवेंजोवुंतेजुगतूंनहीरे ॥ गजवरप्रेरयोतां
म ॥ कटकसंयुतआवासीउरे ॥ करेउचिंतनीजकाम ॥ ५३ ॥ वा० ॥ राति
गईअरधीजस्येरे ॥ तवजाग्योनरराय ॥ दिठोवृत्तांततेसांसस्योरे ॥ अजगर
मुखचित्तलाय ॥ ५४ ॥ वा० विरसविपाकछेजेहनारे ॥ फलकिंपाकसमा
न ॥ विषयआपातमात्रमीठमारे ॥ मुरखकरेबहुमान ॥ ५५ ॥ वा० ॥ वर
जेपंमीत्तएहनेरे ॥ वलिएविषयनेंकाज ॥ लोककरेबहुपापनेंरे ॥ करतावहो
तअकाज ॥ ५६ ॥ वा० शाश्वतधर्मछांमीकरीरे ॥ थईसूखरछकजीव ॥ जि
वितअरथीखायफेरनेंरे ॥ तिमकरेपापसदेव ॥ ५७ ॥ वा० ॥ डुखतेपापनुं
फलअछेरे ॥ डुखीआमकरोपाप॥ सुखीआपणिकरोधर्मनेंरे॥ धर्मनुंफललही
आप ॥ ५८ ॥ वा० ॥ मंमुकसमतुछलोकछेरे ॥ सर्पसरीखाजेह ॥ तेहयकी
जाइंतेहनेंरे ॥ तेहनेंकूररसमतेह ॥ ५ए ॥ वा० ॥ कूररनेंपणअजगरसमारे॥
अजगरसमपणिआप॥ नहिनिजवशजिणकारणेंरे ॥ जमदेवेंसंताप ॥ ६० ॥
॥ वा० ॥ एहअनर्थसरयालोकमारे ॥ जेकरविषयप्रशंग ॥ तमाहमोहविला
सछेरे ॥ तिणेंस्योकरीइंरंग ॥ ६१ ॥ वा० डुखकअनेकतरुविजछेरे ॥ राज्यअ
नर्थनीखांणि ॥ पातालपरेंपुराइंनहीरे ॥ एहवीजीनवरवाणि ॥ ६२ ॥ वा०॥
विवरसूलसजिरणघरपरेरे ॥ खलसंगतीपरेंजास ॥ विरसावसाणतेपेखीइंरे ॥
राज्यथीनरकमांवास ॥ ६३ ॥ वा० ॥ वेश्याहृदयपरेंवालहोरे ॥ द्रव्यअने
कप्रकार ॥ सूजगबहुवलमीकपरेरे ॥ डुखदायकडुखकार ॥ ६४ ॥ वा० ॥

जिवलोकपरिजांणीईरे ॥ कामनपुराथाय ॥ सर्पकरंमकनीपरेरे ॥ जतनेंपा
ल्यूंजाय ॥ ६५ ॥ वा० ॥ अतीलाषाबहुजनकरेरे ॥ वेश्याजौवनरीती ॥ न
वीवीसवासकोइनोहोईरे ॥ होयघणीजोप्रीती ॥ ६६ ॥ वा० ॥ परभवनुंतो
साधननहीरे ॥ तिणेंतजीराज्यप्रशंग ॥ धीरपुरुषेंसेवीतआदरुंरे ॥ दिक्षामनध
रीरंग ॥ ६७ ॥ वा० ॥ ईहभवपरभवसुखकरूरे ॥ श्रमणपणुंजगसार ॥ कि
मकरूंप्रस्तुतकांमनेंरे ॥ लघुताहोयईणिवार ॥ ६८ ॥ वा० ॥ अथवाएहलघु
ताकिसीरे ॥ एकजनमनोस्योसार ॥ भव २ नांदूःखउपसमेरे ॥ लेउंसंजम
सार ॥ ६९ ॥ वा० ॥ ईमकरतांरजनीगईरे ॥ बिजेखंडेढाल ॥ उगणीसमी
पदमेंकहीरे ॥ थयोउद्योतवीशाल ॥ ७० ॥ वा० ॥ दुहा ॥ वेगेआसनबांधी
नई ॥ करीद्रव्यआवश्यककाज ॥ मंत्रीमंडलसहुप्रणमीउ ॥ जबउदयोदिन
राज ॥ ७१ ॥ विजयाप्रतिहारीवरा ॥ प्रणमीनरपतीपाय ॥ वेगेई
णीपरेंविनवे ॥ मानेंज्योमहाराय ॥ ७२ ॥ सूणिचंडसासणघणुं ॥ करयुंप्र
यांणमुककाज ॥ सीहरायईमसंकीउ ॥ आव्योदूरमतीआज ॥ ७३ ॥ आ
णातूमचीअतिक्रमी ॥ तसथयोपश्चाताप ॥ कंधेतेपरसुकरी ॥ परवस्योकेई
नरआप ॥ ७४॥ दरिशणईछेदूरमती ॥ उभोआंगणआय ॥ करोहुकमएहनें
कीस्यो ॥ ईमसूणीहवेमहाराय ॥ ७५ ॥ मतिसागरजेमंत्रवी ॥ सनमुखजो
युंतास ॥ अंगीतआकारउलषी ॥ मंत्रिकहेविमासि ॥ ७६ ॥ सरणांगतवत्स
लभवे ॥ भूपतिहोयईमसाल ॥ दोषनएहमांदेखीई ॥ तेमोइहांइणताल ॥ ७७॥
आणाकरीतवआवीउ ॥ अवनीपतिनेंईम ॥ कहेकूहामनेंकोटिए ॥ तूम्हमन
होयकरोतेम ॥ ७८ ॥ कहिनेंचरणकमलनम्यो ॥ दानअभयतवदिध ॥ करी
आदरसतकारीउ ॥ करवुंतेसवीकीध ॥७९॥ ढाल ॥ घरिआवोजीआंबोमोह
रीउ ॥ एदेशी ॥ निजनयरेंवलीआविउ ॥ सीहनरपतिजयपुरमांहि ॥ निज
आशयमंत्रीमंडलप्रतें॥ भाष्योअतिअंगउछाह ॥८०॥ गतिकर्मतणीविचित्रछे
॥ एआंकणी ॥ कहेमंत्रिमंडलसूणिसाहिबा ॥ तूम्हकृत्यतेएहजसार ॥ तूम्ह
वंसथयाजेराजवी ॥ तेइमहिजपाम्यापार ॥ ८१ ॥ गति० ॥ सहुजिवनेंएक

खुंघटे।तोतूम्हचीकेहीवात॥जिनवयणसांवितमतितूम्हतणी ॥ तूमचोउत्तम
अवदात ॥ ८२ ॥ गति० ॥ सफलोमानवभवतुम्हतणो ॥ वनदवसरीषाएसो
ग ॥ जिम २ इंधणषेपीइं ॥ तिम २ वधतोजाइरोग ॥ ८३ ॥ गति ॥ किंपा
कनाफलसमजेहना ॥ यंथेंसांप्याउइंविपाक ॥ वलिमृत्युंअकालेंआविअडे॥
जेहनोसूरअसूरमांलाग ॥ ८४ ॥ गति० ॥ इमसांभलीहर्षवध्योघणो ॥ नृपें
दिधोअतिबहुमान ॥ कुंअरअभीषेकनेंकारणें ॥ राइंजोसीतम्याजांण॥८५॥
॥ गति० ॥ कहेकहोअभीषेकदिवशहवइं ॥ तवलगनजोईकहेइम ॥ आज
थीपांचमेदिहाभलो ॥ किजेंअभीषेकतेंप्रेम ॥ ८६ ॥ गति० ॥ मंगलमेल्यांत
सकारणें ॥ मउजुगलप्रमुखबहुभेद ॥ नरपतिमनमांइमचिंतवे ॥ आंणीचित्त
मांनीखेद ॥ ८७ ॥ गति० ॥ राज्यनोअभिषेककरीसलो ॥ राज्यथापीआंणं
दकुमार ॥ पछेजाइस्यूंदीक्षाकारणें ॥ जिहांधर्मघोषअणगार ॥ ८८ ॥ गति० ॥
इमचिंतवीलगनलगेंरहें ॥ इणअवसरितेहकूमार ॥ नृपनोअभीप्रायअजांण
तो ॥ पुरवकृतकर्मविकार ॥८९॥ गति०॥ दुर्मतीस्यूंइमउरावीउं ॥आपणेंहण
वोएराय॥वलीशांभलीअभीषेकवारता॥तवचिंतवाइणिपरेथाय ॥९०॥ गति०॥
मीथ्यासीनिवेसोंचिंतवे ॥ दुष्टचित्तेंविपरीतवात ॥ जुउएअभीषेकनामिसथ
की॥ करस्येमुझनेंइमघात ॥ ९१ ॥ गति० ॥ इमउलीउर्जुजाउंकिमें ॥ अथ
वाहोएसाचिवात ॥ पणिएहनुंआप्युंलेवुंनही ॥ एहमांस्योजसअभयात ॥
॥९२॥गति०॥जोरायनेंमारीलीजीइं॥बलथीतोजसबहुथाय॥इणिअवसरिराय
बोलाविउ ॥ तूम्हेआवोतूम्हकहुंराय ॥९३॥ गति०॥ पणिइंउनहीतआववुं ॥
तवआयेलेइप्रतिहार ॥ नृपचाल्योकूमरभवनजिहां ॥ उंसोजइसहसाकार ॥
॥ ९४ ॥ गति० ॥ तवआणंदमनमांचिंतवे ॥ आउेसुंदरप्रस्ताव ॥ इरषाइंकरी
नेंबोलिउ ॥ मारि २ तणोआराव ॥ ९५ ॥ गति० ॥ लेईतरवारनइमारीउ ॥
जेपासेंहतोप्रतिहार ॥ पछेंआल्योनरपतिउपरिं ॥ किधोवलीगाढप्रहार ॥९६॥
॥ गति० ॥ तिहांकोलाहलबहुउछल्यो ॥ नृपसैन्येकरयोसंक्षोभ ॥ आणंदकू
मरनेंवीटीउ ॥ मांड्योसंग्रामअथोभ ॥ ९७ ॥ गति० ॥ निजदेहद्रोहसपर्यंक

री ॥ साषेनिजसैन्यनेंइम ॥ मुक्यापदनथयुंदेखज्यो ॥ हवेएहनेंमारोकेम ॥
॥ ए८ ॥ गति० ॥ करोराज्यासीषेकतेएहनें ॥ एजांणज्योतूमचोराय ॥ इंणें
अवचोरेंकूमरेंकुकमकरयो ॥ दूरमतिनेंतिहांबोलाय ॥ एए ॥ गति ॥ बांधो
नीवमबंधनेंकरी ॥ तवआव्योरायनेंपास ॥ कूलपुत्रपामीनेंबांधीउ ॥ नृपए
कांकीकस्योपास ॥६००॥ गति० ॥ विसवासीपुरूषनेंसूंपीउ ॥ पुरलोकनी
भंगीताम ॥ ठविसर्वव्यवस्थाराज्यनी ॥ पोतेथयोरायनेंगांम ॥ ६०१ ॥ ग
ति० ॥ इंमसमरादित्यनारासमां ॥ पदमेंवरविश्रामीढाल ॥ कहिबिजेखंमेए
सांसली ॥ मकरोकोईकर्म्मजंजाल ॥ २ ॥ गति० ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ सामंतमंमलवशकरी ॥ रायनेंचारकमांहिं ॥ नाष्यातेचारकहवे ॥
वर्णवस्यूंदूःखज्यांहिं ॥ ३ ॥ असुचिमथतांआकरी ॥ दाषेजिमदूरगंध ॥
सिरीसर्पफूटिसीतीमां ॥ देखामेबहुधंध ॥ ४ ॥ मांषीमछामछरघणा ॥ सिए
लीएनालणकार ॥ रजउकेरीमुसाकरे ॥ अधीकोजिहांअंधकार ॥ ५ ॥ सीर
परकांचलीसरपनी ॥ लटकेलंबायमान ॥ लूतातंतूजालाघणी ॥ सिमंतनरय
समान ॥ ६ ॥ विषमकालनुंवासघर ॥ सयलदूःखनोसरवाय ॥ अधरमनी
लीलाअवनि ॥ कुलघरदुःखकहाय ॥ ७ ॥ ढाल० ॥ जीवजिवनप्रभूकिहां
गयारे ॥ एदेशी ॥ करमतणींगतिसांसलोरे ॥ करज्योविचारीकर्मरे ॥ एकप
षेंवयरेंलहेरे ॥ दुःखतोअन्यनोसमेरे ॥ ८ ॥ कर्म० ॥ रांणीइंणिपरेंसांसलीरे ॥
चारकमुंक्यारायरे ॥ आक्रंदसैरवमुंकतीरे ॥ म्लांनथईजसकायरे ॥ ए ॥
कर्म० ॥ मोहटामुक्ताफलसारीखारे ॥ आसूंझरेतिणीवाररे ॥ हारउपमपांमें
तदारे ॥ रोकेचोकीदाररे ॥१०॥ कर्म०॥ मणीवलयेंकरीरणझणेंरे ॥ एहवेक
रेंकरीजेहरे ॥ दुखःआवेशबलेंकरीरे ॥ ठेलीकाढ्यातेहरे ॥ ११ ॥ कर्म० ॥
कुटेहृदयत्रोमेकेशनेंरे ॥ मुखमासासनमायरे ॥ नयनकेशेंकरीढांकीआरे ॥
रषेपतीअवस्थादेषायरे ॥ १२ ॥ कर्म० ॥ कुसूमावलीपरमुखसझरे ॥ पोह
तूंअंतेउरतहरे ॥ लोहनिगमेंपूरयोनरपतिरे ॥ दिठोचारकजहरे ॥ १३ ॥ क
र्म० ॥ अनुचितसेव्युंबहुश्रमेरे ॥ मानुंदेषावतिइंमरे ॥ हारपमणमानुंदूखथी

रे ॥ अधीककूटेधरीप्रेमरे ॥ १४ ॥ कर्म० ॥ नरपतीदेषीएहवुंरे ॥ रुकपु रुषनीपासरे ॥ कहेवरावेएस्यूंकरोरे ॥ निःफलएहप्रयासरे ॥ १५ ॥ कर्म०॥ जेहथीअधर्मपरंपरारे ॥ तेकिमकरीइंशोकरे ॥ लषमीचंचलज्युंविजलीरे ॥ मानेथीरमुंढलोकरे ॥ १६ ॥ कर्म० ॥ सूपनसमासंगमकह्यारे ॥ नवीसमजे एहजिवरे ॥ देहमारागविलासनारे ॥ एहवाएमसदेवरे ॥ १७॥ कर्म० ॥ अ विवेकीजनआचरेरे ॥ तिमकरीइंनविलापरे ॥ सूखदुखसहुइंअनुंसवेरे॥ के वलकिथांआपेरे ॥ १८ ॥ कर्म० ॥ जिवलोकमांसारजेरे ॥ श्रीजीनवयण रसालरे ॥ सवआयरतरीइंजिणेंरे ॥ पांमीइंसूखविशालरे ॥ १९ ॥ कर्म० ॥ तेपांम्यागेसाम्यथीरे ॥ आदरोतेहजसाररे ॥ एहटालीवीजोनहीरे ॥ दुःखदो भावणहाररे ॥ २० ॥ कर्म० ॥ सूपतिइंइंमजेकह्युंरे ॥ सांसल्यूंसहुइंतेहरे ॥ एहएमजइंममानतारे ॥ नहिअन्यथाकांइंएहरे ॥ २१ ॥ कर्म० ॥ सूपति नीआंणालहीरे ॥ ॥ आणंदनीवलीइंमरे ॥ बलातकारेंआणालहीरे॥ धारीधर्म स्यूंप्रेमरे ॥ २२ ॥ कर्म० ॥ गंधर्वदत्ताविद्याधरीरे ॥ आर्यांश्रमणीशुद्धरे ॥ पासेंप्रवर्ज्याआदरेरे ॥ तत्वजाणप्रतिबुद्धरे ॥ २३ ॥ कर्म० ॥ धन्य एराणीएहनीरे ॥ धन्यएरायसूजाणरे ॥ जाण्यूंपणिएहनुंषरूंरे ॥ एहनुंजत त्वविन्नाणरे ॥ २४ ॥ कर्म० ॥ बिजेखंडेनीरमलीरे ॥ एकविसमीएढालरे ॥ समरादित्यचरीत्रनीरे ॥ पद्मकेहेसूरशालरे ॥ २५ ॥ कर्म० ॥ दुहा ॥ इंण अवशरिआणंदप्रती ॥ कदर्थनाकरेनीत्य ॥ उपशमन्रृपप्रतिआदरे ॥ क्रो धनकरेकूमीत्त ॥ २६ ॥ मनचित्तेनहीमाहरुं ॥ आयुअधीकएवार ॥ अण सणहुंहवेआदरूं ॥ पामुंजिमसवपार ॥ २७ ॥ इंमकरीअणसणआदर्युं ॥ आणंदअवनीपाल ॥ सांसलीअणसणसीहनुं ॥ कोप्योकपूतकराल ॥ २८ ॥ ढाल ॥ हारेम्हारेजोवनीयानोलटकोदिहाडाच्यांरजो ॥ एदेशी ॥ हारेम्हारे ॥ देवसरमनांमेंकोइपुरुषमहंतजो ॥ तेहनेरेइमवातसीखावेजइकहोरेलो ॥ हा रे० ॥ भोजनकरिकेनहीतरमारीसहाथिजो ॥ इंमसांसलीनेंगयोन्रृपपासेंदू खग्रह्योरेलो ॥ २९ ॥ हारे०॥ जइनेंदि... रायवे ... नोलेरेइंमवां

णीसूजांणसोहामणीरेलो ॥ हारे० ॥ देववसेंप्रांणीनेंसूखदुखथायजो ॥
एहदैवसङ्कअवगुणग्राहीशिरोमणीरेलो ॥ ३० ॥ हारे ॥ विनयथकीपणिन
वीआराधवायोग्यजो ॥ इछितअवशरपणनवीउलषेएकदारेलो ॥ हारे ॥ के
वलजननेंअनरथकेरोगणजो ॥ मत्तहस्तीपरेंस्वेछाचारीएसदारेलो ॥ ३१ ॥
हारे० ॥ गंगाप्रवाहपरेंऋजुवक्रसदायजो ॥ अंधकारपरेंकरेनिपातसङ्कतणोरे
लो ॥ हारे० ॥विषग्रंथीपरेंसरवस्वादप्रतीकुलजो ॥ अनुंकूलएतोजाणोअस
मीहीततणोरेलो ॥ ३२ ॥हारे०॥ यद्यपीइमछेतोपणपुरूषाकारजो ॥ नविछो
डीजेंसतपुरुषेंकूणमातथीरेलो ॥ हारे ॥ पुर्वउपार्जितकर्मपरिणामतेंदैवजो
तेपुरुषाकारेंजीताइंजातिथीरेलो ॥ ३३ ॥ हारे ॥ तेकारणअवलंबोपूरुषाका
रजो ॥ आहारग्रहणकरीइंजिमधरीइंदेहनेंरेलो ॥ हारे ॥ जिवताप्राणीआपद
आंणीअंतजो ॥ पांमेरेंसंपदजाइंआपदतेहनेंरेलो ॥ ३४ ॥ हारे० ॥ रा
जाबोलेसाजांवयणरसालजो ॥ देवशर्मासुसकर्मासांसलिमाहरीरेलो ॥ हां ॥
वातसुजातनमुंक्योपुरुषाकारजो॥देशकालसंसालीवातमेंआचरीरेलो॥ ३५॥
॥ हां ॥ लीधीदीक्षातावथीशिक्षाधारिजो ॥ संपदअसिलाषानहीसाषासीक
होरेलो ॥ हां ॥ उचितकालसंसालीमेंअणसणकीधजो॥ आहारग्रहणनविक
रीइंकोईपरेंलहोरेलो ॥ ३६ ॥ हां ॥ तवतेबोल्योचित्तनविमोल्योतुमजो ॥ आ
हारलेवामांपणितुमसुततेकोपस्येंरेलो ॥ हां ॥ राजाकहेंएलहेंअकारणकोप
जो ॥ एहकोपीसुसलोपीस्युंआरोपस्येंरेलो॥ ३७ ॥ हां ॥ सच्चपइन्नाकीन्ना
तेनविजायजो ॥ तवतेकहेंतुमेसुतवृत्तांतजांणोसवेरेलो ॥ हां ॥ तुह्मसरीरनें
पीरकरेंरषेंएहजो ॥ हवणांवयणकटुकटुकमुखथीतचवेरेलो ॥ ३८ ॥ हां ॥
चिंतवेकेतवेंइणअवसरनृपपुत्रजो॥ किमनविआव्योताव्योमनमांसूपतीरेलो
॥ हां॥ अमरषसरीउंदरीउंक्रोधकषायजो ॥ खड्गलेइआव्योताव्योनिजरहू
पथीरेलो ॥ ३९ ॥ हां० ॥ आहारग्रहणकरनहीतरछेउंसीसजो॥ इणेकरवाल
करालउपमजमजीहनीरेलो ॥ हां ॥ रायकहेंकुंणबीहकलहेंछेएहजो ॥ का
यामायाप्राङ्गणीकोइकदीहनीरेलो ॥ हां ॥ ४० ॥ मरणशरणतोअवस्यकरे

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशास्वतनांणेंतेषेदनेरेलो ॥ हां ॥ गर्भसमयथीस
मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवंतोकिमकहीइंएपणवेदनेरेलो ॥ ४१ ॥ हां ॥ परलो
कनोवल्लोकतणेंएसाथजो ॥ चालंतांवरम्हालंतांकोईआगलेरेलो ॥ हां ॥ पो
हतोवहेलोकहोतोस्योंसयतल्लजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतथईसागरगलैरेलो ॥
॥ ४२॥ हां० ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआशासीइंमजा
णीइंरेलो ॥ हां॥ जन्ममरणमांनहीकोशरणविचारजो॥ व्रतआदरताधरताचि
त्तजिनवाणीइंरेलो॥ ४३ ॥ हां॥ जरामरणनेंरोगशमणजिनवयणजो॥ एह
रसायणअमयसुसायणसारछेरेलो ॥ हां ॥ पीधुंकीधुंकामतिणेंनहीसीतिजो॥
जन्ममरणनीजाणंतिणेमुक्तपारछेरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोध्योआतमपापगें
लसविथोयजो ॥ स्वजनकुटंबनिगमतेंसागीलोहनीरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल
विकरालकरेंस्युंतासजो ॥ जेहमनुष्येंपयमीजीतिमोहनीरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥
एहकलेवरघरमांपणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेंतेहनेंसरीरसंलेषीजेरेलो ॥
॥ हां ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुंरेवरमरणतेउत्सवदे
षीजेंरेलो॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयथयंजिणेंसाथेंशुद्धजो ॥ मरणसमाधिनि
रवाधेंमागेंमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेंहोयअपवर्गजो ॥ तेहवुंमर
णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इंणिपरेंनरप्रतिश्रुसमतिबोलेंवो
लजो ॥ बीजेंषमेंढालएबावीशमीकहीरेलो ॥ हां ॥ धीरजरायनुंवीरजअति
शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेंइंमराषोदृढतासहीरेलो ॥ ४८ ॥ दूहा ॥ कालो
सर्पकृतांतछे॥रोगव्यसनविषराशि॥ दीर्घदाढितेंदेषीइं॥ पुंगिनमुंकेंपास ॥४९॥
जालमस्युंजुद्धनविहोइं ॥ नासीसकाइंनांहि ॥ सुरअसुरानहीआशिरो ॥ जरा
रोगनहीजांहि ॥५०॥ ढाल ॥ करकंमूनेंकरुंवंदनाकुंवारीलाल ॥ एदेशी ॥
रोगशोगमानवघणा ॥ कुंवारीलाल ॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥कुं॥ तेहनोस्यो
आसरोकरुं ॥ कुं ॥ तिणेंएधर्मसंयोगरे ॥कुं॥५१॥ जिनवयणेंइंमदृढरहो ॥कुं॥
एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीइं ॥कुं॥ तेजमरायप्रमादरे ॥कुं॥ कायर
सेवितमतदिउ ॥कुं॥ मुक्तअपयशनोवादरे ॥कुं॥५२॥ जि ॥ मृत्युदाढेजेआवी

थिवेंदननहीरोस ॥ नहीपरचक्रनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमओलामलीजी ॥
॥ ६ ॥ नारिनोसरलसुभाव ॥ थिरस्नेहीगतपाव ॥ आ ॥ राजधानीपंचबाण
नीजी ॥ ७ ॥ लोकबोलेंसत्यवाच ॥ नहीकोईहोइंजिमकाच ॥ आ ॥ राजा
अजितसेनतिहांकिणेंजी ॥ ८ ॥ संग्रामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद ॥ आ ॥
नूपघणापाएनमेंजी ॥ ९ ॥ तेहनेंब्राह्मणएक ॥ तेपरधानविवेक ॥ आ ॥
इंद्रशर्मानामेंथयोजी ॥ १० ॥ शुभंकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमझारि ॥ आ ॥
आणंदनारकीउपनोजी ॥ ११ ॥ रूयकरीसागरआय ॥ वलीसंसारसमाय ॥
॥ आ ॥ इंणांच्यारसागरपडीजी ॥ १२ ॥ पुत्रीपणेंतेआय ॥ जालिनीनामते
गाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतदाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोप्रधान ॥ बुद्धिसागर
अभिधान ॥ आ ॥ तेहनोंब्रह्मदत्तसुतभलोजी ॥ १४ ॥ तेहनेंदीधीतेह ॥ सु
खभोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोवहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ इंणिंअवसरेंसि
हदेव ॥ जालिनीकूषेहेव ॥ आ ॥ उपनोकर्मशाकतिघणीजी ॥ १६ ॥ देखें
सुपनेंताम ॥ कनककलसअभिराम ॥ आ ॥ पूरणमुखमांपेंसतोजी ॥ १७ ॥
मातनेंनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ भागोतेपणिकिमहीकेंजी ॥
॥ १८ ॥ जागीसुपनुंदेष ॥ नविकह्योपतिनेंरेष ॥ आ ॥ शुभअशुभसंकीर्ण
थीजी ॥ १९ ॥ गर्भतेवधतोजाय ॥ देहमनपीडाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपाडुं
एगर्भनेंजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ गर्भ
कुशलषेमेंरह्योजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तेंवात ॥ परीजननेंसमजात ॥ आ ॥
जालवज्योतुमेगर्भनेंजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥
॥ आ ॥ सावचेतरहेंज्योसहूजी ॥ २३ ॥ जबएजनमतेथाय ॥ कहेंज्योमु
झनेंआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥
जिनपूजुंसुविलास ॥ आ ॥ तपसीनीभगतिकरुंजी ॥ २५ ॥ प्राणीनेंदेउंदान ॥
धर्मसांभलीइंकान ॥ आ ॥ तेभरतारेंपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्भप्रभावेंइम ॥ उ
त्तमवस्तुनोंप्रेम ॥ आ ॥ जन्मसमयजण्योपुत्रनेंजी ॥ २७ ॥ चिंतवेंतेहनी
माय ॥ मिलीउएसमुदाय ॥ आ ॥ किममारीसकीइंइहांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसअभिप्राय ॥ बंधूजीवासखीथाय ॥ आ ॥ साथेंइमतसवयणमांजी ॥ ॥ २ए ॥ एहगर्भछेंपाप ॥ दिइंतुमनेंसंताप ॥ आ ॥ एहगर्भनेंपरठवोजी ॥ ॥ ३० ॥ अंतरसरीउकरवाय ॥ बोलीसुसंकरामाय ॥ आ ॥ लाजतीकहेंजा णोतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीधोबालकतेह ॥ कह्यूंब्रह्मदत्तनेंएह ॥ आ ॥ गंनोपा लेंतेहनेंजी ॥ ३२ ॥ लोकमांकाढीवात ॥ बालकमृतआयात ॥ आ ॥ इमक रतांकेइदिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थापेंतेहनुंनाम ॥ सिखिकुमारअभिराम ॥ आ॥ वधतोकलाग्रहतोथकोजी ॥३४॥ समरादित्यनोरास ॥ त्रीजेंखंमेउल्लास॥आ॥ ॥ ढालप्रथमपदमेंकहीजी ॥३५ ॥ दुहा ॥ जाण्योविचारनिजजननीनो॥ वा स्योअतिवैराग ॥ जननीइपणिजाणिउ ॥ एहसंबंधअसाग ॥ ३६ ॥ क्रोधथ कीतकलकली ॥ साथेंपतिनेंसाथ॥ जोतुमएहस्युंकाजछें॥ तोहवेंमुक्मतराष ॥३७॥ सयलकामतज्यांसामटां ॥ पाणीनकरेपान॥सिखिकुमरएहवउंसुंणी॥ उदवेगकरेंअमान॥३८॥ घरथीनीकलीउघणुं॥ चिंतेंचातूरचित्त॥मातापणमा हुंकरे॥ अघआव्यूंअपवित्त ॥३ए॥ इणिंव्यतिकरथीदुखीउ॥तातअतिपेदात॥ जुगतुंनविरहेंवुंजरा ॥ इमचिंतीअवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउपूछ्याविना ॥ अ शोकवनउद्यान॥पोहतोतवतिहांपेषीया ॥ मुनीवरजीमहिराण ॥४१॥ ढाल॥ मोहनगाराहोराजिरूमाम्हारासांभलिसूगुणासुमा ॥ एदेशी॥वहुशिप्येंकरीपरि वस्याजी ॥ गुणमणिरयणभंमार ॥एकअसंजमटालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा रकें ॥४२॥ मुनिवरवारुहोराजिवंदो॥ तुमेसव२पापनिकंदो ॥एआंकणी॥ त्रि णिदंमथीविरमीयाजी ॥ नकरेंच्यारकषाय ॥ पांचइंद्रीनिग्रहकरेंजी ॥ पाले जेषटकायके ॥४३॥ मु ॥ मुंकाणासयसातथीजी ॥ टाल्याअमदमदठाण॥नव ब्रह्मचर्यगुभिधरेजी ॥ टालेंपापनियाणकें ॥ ४४ ॥मु ॥ दशविधसंयमपाल ताजी ॥ अंगअग्यारनाजाण ॥ बारेंभेदेतपकरेंजी ॥ इमगुणरयणनीषाणिकें ॥४५॥ मु ॥ विजयसिहनामेंगणीजी॥देखीलह्योआणंद॥चितवेंधनएमुनीवरु जी ॥ सेवेंधर्मअमंदकें ॥ ४६॥ मु ॥ अथिरसंसारसनेहछेंजी ॥ किमकीधोए ॥ पूछुंकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोवैराग्यकें ॥४७ ॥ जईप्रणम्या

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीश्दीठधर्मलाह ॥ बेगेमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
धरेंचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेकिमतूमेपामीयाजी ॥ इणिपरेंसवऊद्वेग ॥ सर्वा
गेंसुंदरतुमेजी ॥ लावण्यअतिहिविवेगकें ॥४ए॥ मु ॥ तनुसुंदरतासूचवेंजी ॥
विसवतणोप्रागसार ॥ विसवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटंबविस्तारकें ॥
॥५०॥ मु ॥ सजनवर्गगंभीकरीजी ॥ थयानिर्ममनिसंग ॥ कहोकारणगुरुते
हनुंजी ॥ सुंणवानोमुऊरंगकें ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुसाषेएशरीरमांजी ॥ स्युंदी
ठुंतेंसार ॥ हाडचांमशोणितसस्युंजी ॥ असुचितणोसंडारकें ॥ ५२ ॥ मु ॥
अर्थअनर्थनुंमूलछेजी ॥ तेहमांस्योप्रतिबंध ॥ स्योप्रतिबंधसुपनसमोजी ॥
सयणतणोसंबंधकें ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिंरह्योटलवलेंजी ॥ रोगलह्योज
बआप ॥ कोहचीनलीइरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसंतापकें ॥ ५४ ॥मु॥ मरीजाय
वलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणआंसुऊरेंजी ॥ सयणकुटंब
नोग्रामकें ॥ ५५ ॥ मु ॥ बांधेंकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेंतसफलएक ॥ कुंण
स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंधरीयविवेककें ॥ ५६ ॥ मु ॥ वैरीथायेंमा
वडीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिममुंऊा
यकें ॥५७॥मु॥ इहांदृष्टांततेंमहरोजी ॥ सांसलथईसावधान ॥ इणहिजविज
यमांनीपनोजी ॥ लछिनिलयपूरजांणिकें ॥ ५८ ॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां
जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ ऊंतसपुत्रवखाणकें ॥
॥ ५ए ॥ मु० ॥ कुमरअवस्थाईवर्त्ततीं॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लक्ष्मीप
वेंतउपरेजी ॥ क्रीडाकरवामन्नकें ॥ ६० ॥ मु ॥ तिहांदीठोइकथानकेंजी ॥
नालीएरीसुविशाल॥स्निग्धपत्रसंचयमल्योजी ॥ दिइंकौतुकतेंसालिकें॥६१॥
॥ मु ॥ एकपादतेंनीकलीजी ॥ पेंठोप्रथवीमांहि॥ कौतुकथीजोतोथकोजी॥
चिंतेंतेमनमांहिकें ॥ ६२ ॥ मु ॥ एवडोवृक्षएवडेंथकेंजी ॥ उतरीउएपाद ॥
धरतीमांपेंठोवलीजी॥ कारणकोईअविवादकें ॥६३ ॥ मु॥ त्रीजेंखंडेंइणीपरें
जी॥वेगेंकरेंविचार॥बीजीढालपदमकहेंजी॥पुंण्येंजयजयकारकें ॥ ६४॥मु॥
॥ ऊहा ॥ इणेंअवसरमुऊउपनो ॥ मनमांअतिप्रमोद ॥ वायरासुरत्तिवाईया ॥

आवेंअतिआमोद ॥६५॥ सहजवैरविसारीनें ॥ सावजप्रमुखसनेह ॥ षटऋ तुकुसुमफूल्यांषरां ॥ भमरगुंजंतसमेह ॥६६॥ लषमीपरवतलहकीउ ॥ देतो अतिआणंद ॥ तापविनाहूरजतपे ॥ पाम्योपरमाणंद॥६७॥ ऊंचितुंअहोएह स्युं ॥ सुवनअछेरासूत ॥ इणेंअवसरतिहांआवीउ ॥देवसमुहेदित ॥ ६८ ॥ रविमंमलपरेंराजतुं ॥ जय २ रवथीजोर ॥ कुसुमवृष्टिबहुकीजतें ॥ रयणमं मिततिणेंगोर ॥६९॥ पछिमदिशथोपरवस्युं ॥ देवसमूहेंदीठ ॥ धर्मचक्रधर्म घोरिनुं ॥ आव्युंअतिउकीठ ॥७०॥ स्वेतांबरबहुसाधुजी ॥ पाउधारयापरि वार ॥ आव्याहवेंइणेंअवसरें ॥ प्रभुजीपरमकृपाल ॥७१॥ ढाल॥ करेलणांघ मबेरे ॥ एदेशी ॥ चक्रचलेआकाशमां ॥ छत्रचलेंआकाश ॥ देवडुंदुभीवली वाजती ॥ गाजीरह्योआकाश ॥७२॥ भविकजनहरषोरे॥ जगतमांजोतांदेव नहीएहसरिषोरे ॥एआंकणी॥ गगनेंचामरचालतां ॥ सिंहासनपायपीठ॥ क नककमलउपरिठवे ॥ पादकमलमेंदीठ ॥७३॥ भ० ॥ अजितदेवतिर्थंकरु ॥ सुरनरबहुगुणगाया॥धूपघटीमहकेंवली ॥ पाउधारयातिणेंगाय ॥७४॥ भ० ॥ भवसायरतरीयाजिकें ॥ परियातारयाजेण ॥ भरियांकारिजआपणां ॥ दीठ जबनयणेण ॥७५॥ भ० ॥ हरषथयोमुझनेंघणो ॥ नाठेरोगमिथ्यात ॥ स मकितअमृतपामीयो ॥ हरष्योसातेंधात ॥७६॥ भ० ॥ चिंतुंचित्तमांएहवुं ॥ धन्यथयोहुंआज ॥ जगचिंतामणिसारिषा॥ दीठाश्रीजिनराय ॥७७॥ भ० ॥ रजतकनकरयणांतणा॥ देवरचेंप्राकार ॥ कनकरयणमणिमयतणां ॥ कोसी सांसुप्रकार ॥७८॥ भ० ॥ केतुपताकासोहती ॥ तोरणविचित्रप्रकार ॥ वृक्ष अशोकवारसगुणो ॥ द्वादशछत्रउदार ॥ ७९॥ भ० ॥ दिव्यवैडूर्यसिंहासणें ॥ चामरचोवीसजोमि ॥ धर्मध्वजमंमितवली ॥ सहसजोयणनहीजोमि ॥८०॥ ॥ भ० ॥ समवसरणबेंठाप्रभू ॥ अजितदेवभगवान ॥ धर्मकथाप्रारंभता ॥ भवजलनावसमान ॥ ८१ ॥भ०॥ बेंपासेंदोयदेवता॥ वेणंवजावेंसार ॥ प्रभु वाणीनेंपूरता॥ दिव्यध्वनीपरकार ॥ ८२ ॥ भ० ॥ बीजांपणिवाजांसवे ॥ देशनारागप्रमाण॥ उतरेंइमअतिशयप्रभु ॥ स्यांस्यांकरुंवषाण ॥८३॥भ०॥

देशनामांहवेंलाषीउ ॥ एहअथिरसंसार ॥ मुफनेंपणितेपरिणम्यो ॥ उपनोह
र्षअपार ॥ ८४ ॥स०॥ पूछ्यूंमेंप्रणमीकरी ॥ लाषोकरुणावंत ॥ एकअचरि
जमुफमोटकुं ॥ किमहोस्येंलगवंत ॥ ८५ ॥ स० ॥ पादनालीएरीकेरमो ॥
किमउत्तरीयोएह ॥ एहनेहेठलद्रव्यछे ॥ केंनहीमुफसंदेह ॥ ८६ ॥ स० ॥
छेतोस्येंपरिमाणछें ॥ कोएंघाट्युंएह ॥ तेहनोकिस्योविपाकछें ॥ परलवेंलोग
वेंजेह ॥ ८७ ॥ स० ॥ परमेश्वरलाषेंहवें ॥ उतरीउएहपाय ॥ लोलदोषथी
जाणज्यो ॥ द्रव्यअछेंइणगाय ॥ ८८ ॥ स०॥ सोनइयासातलाषछें ॥ तुम्हेनें
पादनोजीव ॥ विऊंजणेंमलीदाटीउं ॥ तासविपाकअतीव ॥ ८९ ॥ स० ॥ध
रमसाधकविपाकछें ॥ इंमबोल्याजबस्वामि ॥ तबमेंफरीनेंपूछिउं ॥ विनयेंक
रीपरिणाम ॥ ९० ॥ स०॥ किमकहेंनेंनालीएरीइं ॥ दाट्युंधनएइंम ॥ विपाक
मांअंतरपड्यो ॥ एहथईगयुंकेम ॥९१॥ स० ॥ प्रलुजीकहेंविस्तारथी ॥एह
विपाकनिवात॥ देखीतुंहोयथोमलुं॥पणिवऊउदयेंआयात ॥९२॥स०॥समरा
दित्यनारासमां॥त्रीजेंखंडेंएह॥ढालत्रीजीपदमेंकही॥मधुरसितार्थीजेह ॥९३॥
॥स०॥दूहा॥ एहविजयमांअमरपुरा॥ अमरदेवअलिधान॥गाथापतिलगुणल
री ॥ सुंदरीस्त्रीसुलवान ॥९४॥ दोयपुत्रतुमेंदीपता ॥ आदिगुणचंदएक ॥ बा
लचंदबीजोवलि ॥ कहीनजाइंटेक ॥९५॥ यौवनपाम्याजेतलें ॥ लरीक्रियां
णांलाय ॥ इंणहिजदेशेंआवीया ॥ वेगेकरीव्यवसाय ॥९६॥ आव्योलासम
नईछीउ ॥ इंणेंअवसरइकराय॥विजयवर्मनामेंवमो॥ आवेंरणकरणाय॥९७॥
तेनगरिनोअधिपति ॥ सुरतेजनिजसाथ ॥ सार २ निजसाथिल्यें ॥ इंणप
रवतकरीआथ ॥९८॥ चढीउनरपतिचूंपस्युं॥ परबलनोलयपामि॥ तुमेपणि
बिऊंपोतातणो ॥ द्रोमल्यालेइदाम ॥९९॥ इंणेंथानकआवीकरी॥ बिऊंजणेंकरी
विचार॥द्रव्यसूमिमांदाटीउं॥सुपरिंकीधिसार॥१००॥सर्वगाथा॥१०५॥ढाल॥
अरणिकमुनिवरचाल्यागोचरी॥एदेशी॥कोइकदिनहवेगुंणचंदाचिंतवें॥लोलदो
सथीइंमजी ॥ लागएलेसेंरेलाईमाहरो ॥ मरणलहेंकरुंतेमजी ॥६॥ गतिपरिमां
णेंरेमतिइंमउपजें ॥एअांकणी॥ केंरप्रयोगेरेमारुंयोभ्रातनें ॥ स्वारथियासवि

लोकजी ॥ लोभदोषथीरेनगण्योसाईनें ॥ करवोमोहतेफोकजी ॥ ७॥ ग० ॥
शुद्धध्यानसावेरेतुमेतिहांथीमरी ॥ व्यंतरमांथयादेवजी ॥ नागतेकरम्योरेगुणचं
दनेतिहां ॥ मरणलह्योततषेवजी ॥ ८ ॥ ग० ॥ द्रव्यनलोभव्युंरेकर्मबंधाइउं॥
रतनप्रत्साइंजायजी ॥ तुमेपणिदेशेउंफेपल्यनुं ॥ चवीयालोगवीआयजी ॥
॥ ए ॥ ग० ॥ इंणहिजविजयेरेढंकणपुरवरें ॥ हरिनंदीसद्धवाहोजी ॥ वसुम
तीसायांकूषेंउपनो ॥ मातनेंहर्षअथाहोजी ॥१०॥ ग० ॥ देवदत्ततुफनामते
थापीउं ॥ हवेंनारकगुणचंदोजी ॥ कालथीउपनोनिहाणनेंढूकम्यो ॥ ना
गकषायनोवंदोजी ॥११॥ ग० ॥ द्रव्यपरिग्रहकरीबेंगेतिहां ॥ तवतिहांउल्ल
वथाइजी ॥ लषमीपर्वतवासिदेवीनो ॥ तुंपणितेणेंसमेंजायजी ॥१२॥ ग० ॥
देवतापूजीरेदीनअनाथनें ॥ दीधुंकरुणाइंदानजी ॥ करीरसोईनीसामग्रीसवे॥
करीलोजनवलीपानोजी ॥१३॥ ग० ॥ पूरवलवनास्नेहथीजोयवा ॥ रमणी
कपर्वततेहोजी ॥ समतो रेअाव्योतिहांकिणें ॥दीगेनागेतेहोजी॥१४॥ग०॥
लोसेंजाण्युंरेद्रव्यएलेईजस्यें ॥ करम्योचरणनेंदेशजी ॥ विषअतिउग्रेरेपमि
उधरणीइं ॥ नहीकोईसंज्ञाविशेशोजी ॥१५॥ग०॥ ताहरेलोकेरेमास्योनागने॥
उपनोइंणहिजगमोजी ॥ सीहपणेंतेरेपूर्वअन्यासथी ॥ द्रव्यपरिग्रहतामोजी ॥
॥ १६ ॥ ग० ॥ तुंपिणकालकरीएहविजयमां ॥ कयंगलापुरीसारोजी ॥ सि
वदेवनामेरेकुलपुत्रकवसें ॥ यशोधरातसनारिजी ॥ १७ ॥ ग० ॥ तेहनीकू
षेरेइंद्रदेवथयो ॥ पाम्योयोवनवेदोजी ॥ कालगयोकेइहवेंतुफसूपति ॥ वीर
देवनामेंनरेशोजी ॥१८॥ग०॥ लब्धिनिलयनोरेस्वामीजाणीइं॥ मानसंगनामेरा
योजी ॥ मोकलीउतुफतेनरपतिकन्हें ॥ केईपुरिससमुदायोजी ॥ १ए ॥ग०॥
अनुक्रमेंआव्योरेइंणहीजथानकें ॥ नीवपादपनेंहेठिजी ॥ जवतुंबेंगेरेतवद
रीमुखरह्यो ॥ सिहतेसावजजेठजीरे ॥ २० ॥ ग० ॥ लोसथीसंज्ञारेधरीनें
मारीउ ॥ एहअनादीअन्यासोजीरे ॥ तुम्हेपणिमार्योरेसिहनेंदायमरी॥ उप
नाएहजवासोजीरे ॥ २१ ॥ ग० ॥ श्रीपुलकपाटणमांहिवसें
मालोजीरे ॥ माईजरकाजसनारीचंमालिनी ॥ कु . ष

॥ ग० ॥ अनुंक्रमेंजनम्यारेनामतेथापीआं ॥ कालसेनताहरूंथायजीरे ॥ चंमसेननालीएरीजीवनुं ॥ अनुंक्रमेंजौवनपायजीरे ॥ २३ ॥ ग० ॥ एकदिनलगीरेपरवतेंतेगया ॥ आहेमानेंकांमजीरे ॥ कोलतेमारयोरेआव्याशंणदेशें ॥ ज्वलनेंपचाव्योतामोजीरे ॥ २४ ॥ ग० ॥ सरूणकरवारेबेठातेबिक्ष ॥ तवएकलेईकटारोजीरे ॥ अनरथदंमेरेधरतीषोदतो ॥ चंमसेनतेतिवारोजीरे ॥२५॥ ॥ ग० ॥ द्रव्यकलशनीकनारितेदेखतो ॥ गोपनलागोतेहजीरे ॥ तेंपणिदिठोरेपणितूंमारीउ ॥ द्रव्यलोसएअठेहोजीरे ॥ २६ ॥ गति० ॥ कालंकरीनेंरेत्रिजीनरगमां ॥ पांचसागरनेंआयजीरे ॥ तुंतिहांउपनोरेएहतोइंहारस्रो ॥ मुंकेनद्रव्यनोठायजीरे ॥ २७ ॥ ग० ॥ इंमतिहांरहेतांरेकेईवरसगयां ॥ पणिद्रव्यनोनहिंसोगजीरे ॥ वयरीचंमालेंरेआवीमारीउ ॥ सर्वअथीरसंजोगजीरे ॥ ॥ २८ ॥ ग० ॥ अष्टादशसागरनेंआउषे ॥ ठठीनरगेजायजीरे ॥ तुंहवेनिकलीरेश्रीमतीगांममां ॥ पुन्येंनरसवपायजीरे ॥ २९ ॥ ग० ॥ श्रीसमरादित्यरासमांएकही ॥ त्रिजेंखंमेंढालजीरे ॥ पद्मविजयकहेचोथीसांसलो ॥ आगलवातरशालजी ॥ ३० ॥ ग० ॥ दुहा ॥ सालिसद्रतीहांसेठीउ ॥ नंदणीनामेंनारि ॥ सूततेहनोसोहामणो ॥ जनमतेथयोतिवार ॥ ३१ ॥ बालसुंदरनामेंवली ॥ जौवनपांम्योजाम ॥ सीलदेवसोहामणा ॥ मिलीआमुनीवरताम ॥ ॥ ३२ ॥ सांसलीतेहनीदेशना ॥ तथासव्यपणंतास ॥ पक्कथयुंतिणेंपामीउ ॥ सरधाधर्मसुवाश ॥ ३३ ॥ श्रावकिव्रतपणसेविआं ॥ अणसणविधीआराधि ॥ उपनोलांतकअमरते ॥ अलगीगईउपाधि ॥ ३४ ॥ तेरसागरउंणांतके ॥ पुरणआयुपालि ॥ उपजेतेकडंआगलें ॥ सांसलज्योसंसालि ॥ ३५ ॥ ढाल ॥ देशीसाहेलानी ॥ साहेलांहें ॥ इंणहिजविजयमझार ॥ हथीणाउरनयरेंवसेहोलाल ॥ सा० ॥ सूहस्तिइंणनाम ॥ नयरसेठसज्जनवसेंहोलाल ॥ ३६ ॥ ॥ सा० ॥ कांतिमतीतसनारि ॥ तेहनीकूषिउपनोहोलाल ॥ सा० ॥ ठठीनरगथीआय ॥ बिजोसाईहवेनीपनोहोलाल ॥ ३७ ॥सा०॥ तुझपीतानेंगेह ॥ सोमिलादासीसोहामणीहोलाल ॥ सा०॥ तेहनीकूषिपुत्र॥ जनम्यातवड्ंसिजघ

णीहोलाल ॥३८॥ सा० ॥ ताहरूसमुद्रदत्तनाम ॥ दाग्रनुंमंगलथापीउंहोलाल ॥ सा०॥ अनुक्रमेंथयाकूमार ॥ अंगेजौवनव्यापीउंहोलाल ॥ ३९ ॥ सा० ॥ इणिअवसरिअणगार ॥अनंगदेवसूरीमल्याहोलाल ॥सा०॥ तेहनीपासेंधर्म्मी॥ पाम्योदूखसवनांगल्यांहोलाल ॥ ४० ॥ सा० ॥ पाम्योदेशविरती ॥ श्राव कशुधथयोघणोहोलाल ॥ सा० ॥ लछीनिलयपुरगाम ॥ घरतिहांछेश्रावकत णोहोलाल ॥ ४१ ॥ सा० ॥ नामेंअचलसछवाह॥ जिनमतीनामतेहनीधूआ होलाल ॥ सा० ॥ परण्योतूंतेनारि ॥ मंगलउछवबहुअाहोलाल ॥ ४२ ॥ ॥ सा० ॥ एकदिनमंगलसाथ ॥ जिनमतीतेम्रवानेंगयाहोलाल ॥ सा० ॥ आ व्याइणहीजगांम ॥ प्रयाणांकेईकथयांहोलाल ॥ ४३ ॥ सा० ॥ किधोतिहां विश्रांम ॥ पत्रलताबहुविमलीहोलाल ॥ सा० ॥ दिठेतवतिहांपोआम ॥ दे षीलषमीअटकलीहोलाल ॥ ४४ ॥ सा० ॥ मंगलनेंबोलावि ॥ साष्युंकौतक थीतूमेंहोलाल ॥ सा० ॥ कांयकह्युंअईणिगांमि ॥ होस्येनिश्चयकह्रुंअमेहो लाल ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मंगलबोल्योतांम॥ जोउंइणथानकजईहोलाल ॥सा० ॥ तेंकह्युंमकरिएकाम ॥ वातकौतिकथीएसईहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ पिणि नहिमुझमनलोल ॥ तवमंगलकहेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ कौतुकअधिकतेथा य ॥ तिणेंजोउंवचतांहरेहोलाल ॥ ४७ ॥ सा० ॥ अणगमतूंतूंझतोहि ॥ ति हणकाष्टथीषोदिउंहोलाल ॥ सा० ॥ तुरतदिठेकुंभकंठ ॥ मंगलेंनिश्चयवेदि उंहोलाल ॥ ४८ ॥ सा० ॥ महानीधानएएथि ॥ लेईसकुंएहनेंलगीहोलाल ॥ ॥ सा० ॥ इणिअवसरेंतेंदिठ ॥ दृष्टिकलसकंठेलगीहोलाल ॥ ४९ ॥ सा० ॥ मंगलनेंकह्युंइंम ॥ चालिनगरमांजाईइंहोलाल ॥सा०॥ द्रव्यनीनकरतूंकेमि॥ अरथथीअनरथपाईइंहोलाल ॥ ५० ॥ सा० ॥ पूरीषाप्तिणगमि ॥ हरषि तपरेंथईचालीउंहोलाल ॥ सा० ॥ तेंकह्युंकोईनेंएवात ॥ कहेस्योनहीजेत्ताली उंहोलाल ॥५१॥सा०॥ अधिकरणथाइंएह ॥ कर्मबंधाइंतेहनुंहोलाल ॥सा०॥ मंगलचिंतवेतांम॥चित्तचल्युंजुउएहनुंहोलाल॥५२॥सा०॥मुझविणलेस्येएह॥ नहितोइंमकिमसाषिइंहोलाल ॥ सा० ॥ चिंतविबोल्योइंम ॥ कोयनेंनहीअ

मेंढाषीईंहोलाल ॥ ५३ ॥ सा० ॥ ईमकहीचिंतवेमुंफ ॥ किमठगसेएहजाण
तांहोलाल ॥ सा० ॥ जाण्योयहनफेकेम ॥ तासउपायमनआंणतांहोलाल ॥
॥ ५४ ॥ सा० ॥ नलिईंजबएदाम ॥ पहेलांथीहणुंएहनेंहोलाल ॥ सा० ॥
पोहतानयरसमीप ॥ आरामेंतेंकस्यूंतेहनेंहोलाल ॥ ५५ ॥ सा० ॥ सांसलमं
गलवात ॥ जाउंसासरेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ लावोखबरतसगेह ॥ पढेंजई
ईंवचताहरेहोलाल ॥ ५६ ॥ सा० ॥ चाल्योमंगलतांम ॥ अवलूंचित्तमांधार
तोहोलाल ॥सा० ॥ सज्जनमननहींकांय ॥ खलमनवेरवधारतोहोलाल ॥५७
॥ सा० ॥ परिग्रहपापनुंमुल ॥ पांचमुंथानीकपापनुंहोलाल ॥ सा० ॥ डुरग
तिमांलेइजाय ॥ पणखोवरावेआपनुंहोलाल ॥ ५८ ॥ सा० ॥ त्यागकरेतस
जेह ॥ धन२तेहनीमातनेंहोलाल ॥ सा० ॥ पुढेविजयसिहतांम ॥ आगलिह
वईंजगतातनेंहोलाल ॥ ५९ ॥ सा० ॥ पांचमीत्रीजेखंम ॥ ढालरसालइहां
कहीहोलाल ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसूपसाय ॥ पद्मविजयईंणिपरिंलहीहोलाल
॥ ६० ॥ डुहा ॥ चाल्योमंगलचिंतवे ॥ अहोएकपटअत्यास ॥ यहस्येसूखें
रहीनगरमां ॥ वेचिमुफविसवास ॥ ६१ ॥ तिणेंकारणकरुंतेहवुं ॥ रहेननय
रमांगारि ॥ पाढांवलतांकूंपडे ॥ मारिसरणहमफारि ॥ ६२ ॥ कालक्षेपकरी
केतलो ॥ पेसीनयरप्राकार ॥ मायाचरित्रेंमुंफीउ ॥ आव्योहर्षउतारि ॥ ६३॥
निसासोधूरिंनांषीनें ॥ बोल्योएहवाबोल ॥ आचरीउअवलूंअति ॥ नारिजात
नीटोल ॥६४ ॥ वासेंकोईनरस्यूंवसी ॥ तिणेंसऊडखीउंतेह ॥ वलीआपणणुं
आववुं ॥ सांसलीउंससनेह ॥ ६५ ॥ लाज्यांतिणेंलज्जालूआं ॥ अधीक२आ
लोच ॥ तिणेंनघटेजावुंतिहां ॥ करोइहांथीसंकोच ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ आघा
आमपधारोपुज्यअमघरिवोहरणवेला ॥ एदेशी ॥ ईमसांसलीतूंमनषेदाणो ॥
चित्तमांचिंतवेएहवुं ॥ श्रावककुलमांउपनीश्रावीका ॥ कामकरेजउकेहवुं
॥६७॥ जिनमतसुद्धजजांणीहोलाल ॥ नकरेकांमएएहवुं ॥ एआंकणी ॥ जि
नमतसारजाण्युंजुवतीई ॥ इहपरलोकविरुध ॥ किमआचरणकरेविपरीतह ॥
जसवरसमकीतशुद्ध ॥ ६८ ॥ जिन० ॥ अथवाडःकरमोहीजिवनें ॥ कांय

नहीइमजाणां ॥ तिणेंहवेघरवासेमुक्यपोहतूं ॥ हवेप्रवज्याटाणं ॥ ६९ ॥
॥ जीन० ॥ स्नेहबंधनाएहजछेमा ॥ तिणेंघरिपणिनवीजईइं ॥ अनंगदेवगुरु
पासेंजईनें ॥ श्रमणधरमआदरीइं ॥ ७० ॥ जीन० ॥ मंगलघरिजाउसूरवेंइ
हांथी ॥ केमत्रास्यानेंदेउंएहनें ॥ इंमविचारीमंगलनेंकहे॥ कुंनहीडखदेउंकेहनें
॥ ७१ ॥ जीन० ॥ तवमंगलहवेचित्तविचारे ॥ मुफस्यूंएकरेमाया ॥ पणि
मायाइंकुंनवंचाउं ॥ ईमचिंतीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन० ॥ तुंमनेंनवीमुकुंअ
धविचमां ॥ जिहांलगेंघेरनजाउं ॥ तवतेंकहूंजोतुफआग्रहछे ॥ तोचालोघरे
आउं ॥ ७३ ॥ जीन० ॥ तिहांजईपुछीसकोईसाधूनें ॥ अनंगदेवगुरुकेरी ॥
वातचिंतिचाल्याइंमविकुंजण ॥ मंगलजुइंहवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन० ॥ केइक
दिनइंमवहीगयावाटे ॥ आव्याअटवीमांहि ॥ सून्यथानकदेषीमध्यान्हें ॥
चिंतेचित्तउछाहि ॥ ७५ ॥ जीन० ॥ महासाहसधरीकूडरूदयथी ॥ लोलदो
षचित्तधारी ॥ मंगललेईछुरीपुठेथी ॥ क्रूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन० ॥
मंगलनांमेंपणिअपमंगल ॥ सावयकीएदीसे ॥ जिममंगलग्रहतिमवलीसन्ना॥
शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन० ॥ टाढादिधाकणनीटढि ॥ आंषिआ
विवलीसाषे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्यूंकिजेंगुणपाषें ॥ ७८ ॥ जीन ॥
इणअवसरतिहांविहारकरंता ॥ अनंगदेवगुरूआव्या ॥ दिठोअयगांमीमुनी
राजें ॥ समतासंगसोहाव्या ॥ ७९ ॥ जीन० ॥ मंगलछुरीकामुंकीनाठो ॥ तेंम
नमांहिविचास्युं॥चोरमाहरेस्युंपुठेंआव्या ॥ इमकरीपुठेंधास्युं ॥८०॥जीन०॥
तवनासंतोमंगलदिठो ॥ चोरनदिठोकोई ॥ मनचिंतेंतूंस्यूंएअचरिज ॥ छुरीदी
ठीतवजोई ॥ ८१ ॥ जीन० ॥ रुधीरेंखरमीलिधीकरमां ॥ देषीचिंतेंएम ॥ चो
रनथीकोइएमहारणमां ॥ नासेमंगलकेम ॥ ८२ ॥ जीन० ॥ छुरीपणिउलषी
पोताकेरी ॥ तवतेंनीश्चेंजाण्युं ॥ कांममंगलीइंकीधूंतोपणि ॥ कारणनवीअ
पीछाण्युं ॥ ८३ ॥ जीन० ॥ तिणेंबोलावुंमंगलीआनें ॥ कहेस्येवातजेहोई ॥
इंमकरीमंगलनेंबोलाव्यो ॥ क्रोमेतवअतीजोई ॥ ८४ ॥ जी० ॥ तवसघलोवि
कल्पतेशमीउ ॥ कामतेकिधुंइणें ॥ जिनमतिनीपणिवातकहीतें ॥ नवीदीठी

म्हेंनयणें ॥ ८५ ॥ जीन० ॥ जिणेंजिनवयणांसूधांजाण्यां ॥ मोहटाकुल
मांआई ॥ उभयलोकनुंविरूधकरेते ॥ किमसंभवीइंसाई ॥८६॥ जीन० ॥ इ
मकरतांमुनीवरपणिपासें ॥ आविउलाध्योंतुरू ॥ तेंवंद्याधर्म्मलाभदिउतिणें ॥
पुछ्युंताहरूंगुरू ॥ ८७ ॥ जीन० ॥ इंणिथानीकतूंआअवस्थाइं ॥ किहांथी
आव्योकेहनें ॥ तवतेंमुलथीसघलोभाष्यो ॥ आसातनाकरीतेहनें ॥ ८८ ॥
जीन० ॥ अनंगदेवपणिगुरुजीआव्या ॥ आसातनाकरीसूधी ॥ अशरणस
रणगुरूतेसाचा ॥ आपेधर्मनीबुधी ॥ ८९ ॥ जीन० ॥ गुरुसाथेंहवेतिहांथी
चाल्यो ॥ थांणेसरपुरठाणे॥मासकलपगुरुरह्यातिहांतारे ॥ प्रहारपणिरुहाणे
॥ ९० ॥ जी० ॥ जिनमतिनीपणिवातलहीतें ॥ तवचिंत्यूंतेंचित्तें ॥ अहोप्र
कारमंगलनोंदेखो ॥ अहो २ मोहविचित्तें ॥ ९१ ॥ जीन० ॥ जोपणिसील
अखंमीतनारी ॥ तोपणिहवेंइंणिनारीउं ॥ उभयलोकसाधनहवेकरस्यूं ॥ मं
गलेंरुमुंकरीउं ॥ ९२ ॥ जीनी० ॥ जिनमतीपणिजिनसारलह्युंछें ॥ परिणामें
मुरूसरषी ॥ माहरोव्यतीकरसांभलीएपणि ॥ दिक्षालेस्येहरषी ॥ ९३ ॥ जी
न० ॥ इंमकरीमेंतेहनेंतारी ॥ भवसायरथीनारी ॥ बहुदुखकभरीउएसंसारह ॥
दिक्षासीवसूखकारी ॥ ९४ ॥ जीन० ॥ विणदिक्षाइंजोघरिजाउं ॥ विघनच
रणमांआवे ॥ इंमचिंतीअनंगदेवपासें ॥ दिक्षालीधीभावें ॥ ९५ ॥ जीन० ॥
त्रिजेखंमेछठीढालें ॥ कहेआचारजशिखिनें ॥ तिर्थंकरकहेआचारजनें ॥ सूं
णिहवेजेथयुंरूषीने ॥ ९६ ॥ जीन० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ जिनमतिइंहवेजांम ॥ वातसूणीकोईवयण
थी ॥ तरुणीचिंतेताम ॥ ९७ ॥ अहो२कहुंएहनें ॥ किधूंमोहटुंकांम ॥
जौवनेंकांमनेंजितीइं ॥ मामनराषेकाम ॥ ९८ ॥ खेदगमिखमीउंघ
रूं ॥ मुंक्योमाहरोमोह ॥ मंगलीउंमाठोमल्यो ॥ दिधोस्वामीद्रोह ॥ ९९ ॥
संवेगेंचिंतेईस्युं ॥ आर्यपुत्रेंइंणवार ॥ कारयकीधूंकामनुं ॥ सयलसंसा
रअशार ॥ २०० ॥ क्लेशायासबहुकस्यो ॥ दुखहिमानवदेह ॥ संयोगहो
यविजोगस्युं ॥ सहितिणेंस्योसनेह ॥ १ ॥ विषयविपाकवारुनही ॥ तिणें

करूंआतमहित ॥ उभयलोकआराधीइं ॥ चतूराचिंतेचित्त ॥ २ ॥ ढाल ॥ दे
शीहमीरीयानी ॥ संभवजीनवरविनती ॥ एदेशी ॥ माततातनेंपुछिनें॥ आज्ञा
पामीतासससनेही ॥ आवीखोलती २ ॥ सूंदरीताहरीपास ॥स०॥ ३ ॥ जिनव
चनेंमनदृढकरो ॥ एआंकणी ॥ मोक्षमारगमांचालतो ॥ देखीलाषेंइंम॥स०॥
आर्यपुत्ररुमुंकरयुं ॥ मुक्तनेंतारीनेम ॥ स० ॥ ४ ॥ जी० ॥ छेदिमोहनीवेल
ली ॥ उत्तमपुरूषनोपंथ ॥ स० ॥ आदरीउआदरकरी ॥ लावथीथयानीग्रंथ
॥ स० ॥ ५ ॥ जी० ॥ लवसायरथीआतमा ॥ उतारयोतेंपारि ॥ स० ॥ इंम
प्रसंशाकरीघणी ॥ आतमकीधोउधार ॥ स० ॥ ६ ॥ जी० ॥ दिक्षाइंणीपरें
आदरी ॥ अनंगदेवगुरूपास ॥ स० ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ चारीत्रनेंअ
ल्यास ॥स०॥ ७॥ जी०॥ चारीत्रपालीतूंहवे ॥ कालक्रमेंकरीकाल ॥स०॥ प
चविसआगरआउषेसूरऊउसूखरसाल ॥ स० ॥ ८ ॥ जी० ॥ ग्रैवेयकेंतेउप
नो ॥ हवेमंगलगयोतव ॥ स० ॥ तिहांजईतेहनेंजालवे ॥ ढांकेजीलालेईह
ठ ॥ स० ॥ ए ॥ जी० ॥ तेधननेंममतेंकरी ॥ नविमुंकेतेहगाए ॥ स० ॥
मांसआहारक्लेसेंकरी ॥ पाम्योतिहांयमगेए ॥ स० ॥ १० ॥ जी० ॥ मरीछ
ठीनरगेंगयो ॥ बाविससागरआय ॥ स० ॥ महादुखसहीतिहांथीवली ॥
आउपुरूजवथाय ॥ स० ॥ ११ ॥ जी० ॥ एहजविजयमांउपनो ॥ रथव
र्द्धनपुरगाम ॥ स० ॥ वेश्रिकचंद्रालनेंघरे ॥ छगलपणेंथयोताम ॥ स० ॥१२॥
॥ जी० ॥ एकदिनरथवर्द्धनथकी ॥ बऊछगलस्युंतेह ॥ स० ॥ लेईजातांज
यथलपुरें ॥ द्रव्यथानिकआव्योएह ॥ स० ॥ १३ ॥ जी० ॥ पुरवअल्यासें
करी ॥ जातिसमरणपामी ॥ स० ॥ वेश्रिगषेंचेंपणिनवी ॥ मुंकेतेहजठामि॥
० ॥ १४ ॥ जी० ॥ हांकेपणिपाछोवले ॥ फिरीफरीआवेगाय ॥ स० ॥
चंद्रालेंक्रोधेंहरयो ॥ पुरणकीधूंआय ॥ स० ॥ १५ ॥ जी० ॥ उंदरपणेंतेउ
पनो ॥ उघसंज्ञाइंएण ॥ स० ॥ तेहद्रव्यपरीग्रहकरयो ॥ पाल्यूंकर्मवसेण ॥
॥ स० ॥ १६ ॥ जी० ॥ एकजुवटिउएकदिनें ॥ सोमचंद्रजसनाम ॥ स०॥
लमतो २ आवीउ ॥ सालीपादपनेंगाम ॥ स० ॥ १७ ॥ जी० ॥ वेगपासेंनी

धाननें ॥ लोहअन्नांणएनेंदोस ॥ स० ॥ मुंसोसमेंअमरषसरयो ॥ उपनोतेहनें
रोस ॥ स० ॥ १८ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥ एहनीनारिनेंकुषि॥स०॥
डरगिलानामढेतेहनुं ॥ कुषिमांरहेबऊसूष ॥ स० ॥ १९ ॥ जी० ॥ काननां
कगयांजेहनां ॥ तेणीइंजनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुंक्रमेंनामतेथापीउं ॥ रुद्र
चंद्रतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजौवनअनुंक्रमें ॥ बऊजिवनेड
खदाय ॥ स० ॥ विषवछनीपरेंवाधीउ ॥ सेवेअकार्यसदाय ॥ स० ॥ २१ ॥
जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ षात्रमुखेंग्रहेवाय ॥ स० ॥ समरसासूररायनो
तदा ॥ मारवाऊकमतेथाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥ सूलिइंदिधोतिहांकिणें॥
कोटवालेंकरीसोर ॥ स० ॥ मरिनीजीनरगेंगयो ॥ वेंशामाडखघोर ॥ स० ॥
॥ २३ ॥ जी० ॥ त्रणसागरकांयहीणमां ॥ आयुपालीकरीकाल ॥ स० ॥ इ
णविजइंहवेउपनो ॥ लछीनिलइंसूरसाल ॥ स० ॥२४ ॥ जी० ॥ इंणिपरिंत्रि
जारवंभ्रमां ॥ सांसलोसातमीढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसाषीइसी॥ लोसथीब
ऊजंजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ डुहा ॥ लछीनीलयमांहेंवसे ॥ अशो
कदत्तअसीधांन ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सूहंकराशुसवांन ॥ २६ ॥
तेहनीकूषेतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसथापीउं ॥ असीधा
सिरियाताय ॥ २७ ॥ जौवनपामीजेतले ॥ दिधीसागरदेव ॥ समुंद्रद
त्तसूतसूगुणनें ॥ विवाहवर्त्योंहेव ॥ २८ ॥ सोगसलीपरिंसोगवी ॥ सत्तीं
स्युंसलीसांति ॥ ग्रेवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुअंति ॥ २९ ॥ पुत्रपणेंते
उपनो ॥ सागरदत्तश्रीकार ॥ नामठव्युंनिरतूंतदा ॥ यौवनपाम्योज्यार ॥३०॥
धर्माचारयधारीआ ॥ देवशरम्मदयाल ॥ श्रावकव्रतपालेसषर ॥ प्रांणीनोप्र
तिपाल ॥ ३१ ॥ इसरखंधश्रावकअवल ॥ तेहनीपुत्रीतांम ॥ नंदिनीनांमेंप
रणीउ ॥ कमनीयसोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ सूणमेरीसजनीरजनीनजा
इरे ॥ एदेशी ॥ सोगसोगवतांसूतएकआयोरे ॥ सूतनोमोहठवकरवातायोरे॥
सगांसबंधीलेईपरीवाररे ॥ उजाणीकरवांसूखकाररे ॥ ३३ ॥ सांसलयोसऊ
क्ररमनीवातोरे ॥ कर्मथीबलीउकोईनथातोरे॥ तेहनीधाननीपासेंआव्योरे ॥ पु

अफोलीकाकरवासाव्योरे ॥ ३४ ॥ षोदेखामितेकारणजांणीरे ॥ द्रव्यकलस नोकंठपीगणीरे ॥ पाडिषाफलीपरिपुरीरे ॥ बिजीषोदीषाम्सिनुरीरे ॥ ३५॥ सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतेंचितवीउंइणिपेररे ॥ पुत्रुंमातनेंकेनवी पुत्रुरे ॥ जोनवीपुत्रुंतोमानस्येउत्रुरे ॥ ३६ ॥ इंमजाणिनेंकहीसवीवातरे ॥ क रवुंएहनुंकस्यूंकहोमातरे ॥ तवतेबोलीमुफदेखाफोरे ॥ मुफदेष्याविण्णंतुझेम तकाढोरे ॥ ३७ ॥ जोईनेजुगताजुगतुंकहेस्यूंरे ॥ तेंपणिदाप्योजईनीजकर स्यूंरे ॥ अन्नाणदोषेतेणेंइमधास्युंरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेंमाहूरे ॥ ३८ ॥ इमविचारीकह्युंसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंनेनहीजुत्तरे ॥ काढतांजांणेंजोनर रायरे ॥ तोउलटुंघरमांथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युंआपणजाईरे ॥ उता वलमतकरोतूम्हेसाईरे ॥ तवतूंबोल्योइमप्रमांणरे ॥ इंमकरीपोहतातेनीजठां णेरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपडीसूखमांरे ॥ तूफमाताइंकाढ्याङःखमांरे ॥ लोसदोसपुर्वसवअल्यासरे ॥ तूफमारणनोंचित्ततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहडखेंनी त २ रहेवलतीरे ॥ मनमांइमउपायचितवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणंजि हारेरे ॥ सोजनमांविषदेस्यूंतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुशरीररे ॥ शिघ्रहोइविषनीतिहांपिररे ॥ दिधूंविषपोतानीमायरे ॥ जेहनुंशरणतेमारवा धायरे ॥ ४३ ॥ विषप्रयोगेतूंलेवाणोरे ॥ नंदिणीनारीजाणेंतिणेंठाणोरे ॥ को लाहलकस्योतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुइकपटइंसावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजो वासङकोयरे ॥ सिद्धपुत्रएकतेहमांहोयरे ॥ श्रावकश्रद्धावंतप्रमाणरे ॥ मंत्र येंत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिद्धपुत्रतेकहीइंतेहरे॥ मनमांचितवेएहवुंजेह रे ॥ जिवाडुंमंत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूंइमसक्तीरे ॥ ४६ ॥ मंत्रनी शक्तिजीव्योजेहरे ॥ चिताउपनीतूफनेंएहरे॥ मनुजजिवीतमांबङअपायरे॥ घरिवासेंरह्याहवेस्यूंथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनइंमबनीजायरे॥ व्रतपच खांणविनासवजायरे ॥ तेकारणहवेलेउंदिक्षारे ॥ पालुंपामीगुरूनीशीक्षारे॥ ॥ ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीधीरे ॥ उचितविधिदिक्षाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा रतेचारीत्रपालीरे॥ उपनोग्रैवेयकेंङःखगालीरे ॥ ४९ ॥ त्रीशशागरनेंआउषे

जाणोरे ॥ ग्रैवेयकसूरथयोसपराणोरे ॥ तुझमाताइंकस्योकांमसूंमोरे ॥ पिठ बांध्योधनउपरिरूमोरे ॥ ५० ॥ पुत्रनावधनोजेपरिणामरे॥द्रव्यलोसपणिअ तिउद्दामरे॥द्रव्यनसोगव्युंबाध्युंपापरे ॥ धूमप्रसाइंपहोतीआपरे॥ ५१ ॥ पन्न रसागरतेहनुंआयरे ॥ तिहांथीमरीतिर्यंचमांजायरे ॥ तिरयंचमांहिनानासव करियारे ॥ तिहांबहुसोगव्यांदुःखनादरीयारे ॥ ५२ ॥ पूरवसवअभ्यासनो दोशरे ॥ नालीएरीएहलोसविशेशरे ॥ तूंचवीसागरदत्तसेठघेररे॥ सिरिमतीकू षिपुत्रइंणिपेररे ॥ ५३ ॥ इंणसवमांतूम्हबिहुंइंणीरीतरे ॥ तिर्थंकरकहेमुझ जेअतीतरे ॥ वातसूणीमुझथयोवैरागरे॥ शिखिकूमरसूणितूंमहासागरे॥५४॥ नरपतिइंसूणीआणादीधीरे ॥ काढिलषमीतेहवहेंचीदिधीरे ॥ दिनअनाथनेंक रीउपगाररे ॥ विजयधर्मगणधरअणगाररे ॥ ५५ ॥ तेहुनीपासेंदिक्षालीधीरे॥ माहरीवातहतितेकीधीरे ॥ विचरंतोआव्योहुंआंहिरे ॥ तिणेंजगमांकोयको यनुंनांहीरे ॥ ५६ ॥ शिखिकूमरकहेसयवनशाचुरे ॥ जिणेतुम्हेंजाण्युंसघ लुंकाचुंरे ॥ पणिदिक्षालेवीप्रसूदोहेलीरे ॥ वातोकरवीसहुनेंसोहिलीरे ॥ ५७॥ त्रिजेखंमेंआठमीढालरे ॥ मुनिगुणगातांमंगलमालरे ॥ श्रीगुरूउत्तमविजयनो शीसरे ॥ पद्मविजयकहेविशवाविसरे ॥ ५८ ॥ दुहा ॥ सिखिकुमारकहेसू णो ॥ साषोधर्मनासेद ॥ दानादिकजेदाषीआ ॥ सेदनाबहुप्रसेद ॥ ५९ ॥ च्यारसेदसांसलचतूर ॥ दानशीलतपदाषि ॥ सावनाचोथीसाविइं ॥ सर्वज्ञके रीशाष ॥ ६० ॥ त्रणिसेददानजतणा ॥ पहेलूंज्ञानप्रधांन ॥ असयधर्मउपग्र हअधीक ॥ नांणसूणोहवइंदांन ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ कर्मनलूटेरेप्राणीया ॥ एदे शी ॥ ज्ञाननुंदानदेतांथकां ॥ जाणेबंधनेंमोष ॥ सिवसूखसंपदबिजठे ॥ उप जेअतिअसंतोष ॥ ६२ ॥ धर्मएसेवोरेसवीजनां ॥ एआंकणी ॥ जेदानेंलहे पुण्यनें ॥ जाणेंपापअशेस ॥ जांणीपुंण्यनेंआदरे॥पापनेंटालेविसेस॥ ६३॥ ॥ धर्म ॥ यतः ॥ शूत्वाजाणईकल्लाणं ॥ सोच्चाजाणईपावगं ॥ उसयंपीजाण ईसोच्चा ॥ जंठेयंतंसमायरे ॥ १ ॥ पुर्वढाल ॥ पुण्यकरंतोरेप्राणीउ ॥ पामे नरसूरसूख ॥ पापथीदूरेंयातांथकां ॥ तिरीनारकटलेदूख ॥ ६४ ॥ धर्म० ॥

जिनवरसाषीतनाणनुं ॥ दिधूंदांनविशाल ॥ इहपरलोकनांसूखघणां ॥ दिधां तिणेसूरशाल ॥ ६५ ॥ धर्म० ॥ रागद्वेषमोहटालीनें ॥ पामेंकेवलनांण ॥ अ नुंक्रमेंसिद्धीवरेतिको ॥ जेदिइंनाणनुंदांण ॥ ६६ ॥ धर्म० ॥ दाणनाणइंणिप रेंकह्यु ॥ संषेपेंकरीइम ॥ दाताग्राहकएदोयनें ॥ एकांतेहितप्रेम॥६७॥धर्म०॥ प्रथवीपांणीअगनीवली ॥ वायुवनसपतिकाय ॥ बितिचउपंचेंदिजीवनें ॥ ह णतांहितनवीथाय ॥ ६८ ॥ धर्म० ॥ मनतनुंवचनेंएजीवनें ॥ हणवोनांही लगार ॥ दानअसयएहजांणीइं ॥ सेव्युंमुनीजनेंसार ॥ ६९ ॥ धर्म० ॥ अ तिदुखीयापणिजिववूं ॥ ईछेसर्वसदाय ॥ तिणेंकारणमुनीराजीया ॥ राखेछेष टकाय ॥ ७० ॥ धर्म० ॥ यतः ॥ सवेवीजीवाईछंती ॥ जिवीउंनमरिज्जीउं ॥ तमापाणवहंघोरं ॥ निर्ग्गंथावज्जयंतिणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ नरपतिपणि मरवापम्यो ॥ आपेजिववाराज्य ॥ राज्यथकीपणिजिववुं ॥ अधीकुंकहे जीनराज ॥ ७१ ॥ धर्म० ॥ जेसहुजिवनेंइष्टछे ॥ देवुंतेहजसार ॥ इंद्रकिट कदोयजीववुं ॥ सरिषुंइछेउदार ॥ ७२ ॥ धर्म० ॥ आयुदिरघपांमीइं ॥ रूप सूरूपनीरोग ॥ परभवपणितेप्रसंसीइं ॥ असयदानीजेलोग ॥ ७३ ॥ धर्म ॥ यतः ॥ आयुर्दिर्घतरंवपुर्वरतरंगोत्रंगरीयस्तरं ॥ वित्तंसूरितरंवलंबहुतरंस्वामि त्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यंविगतांतरांत्रिजगतीश्लाघ्यत्वमल्पेतरं ॥ संसारांवुनि धिकरोतीसूतरंचेतःकृपार्द्रांतरं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ असयदांनइंणिपरिकह्युं ॥ सांभलश्रावकतूंवाणि ॥ धर्मउपग्रहदानजे ॥ साषुंतेहविन्नांण ॥ ७४ ॥ध०॥ अशनपांनषादिमवली ॥ स्वादिमनेंवस्त्रपात्र ॥ उषधभेषजजोग्यते ॥ दिजें मुनीवरपात्र ॥ ७५ ॥ धर्म० ॥ सज्झायध्यानमांमह्लजे ॥ जेवहेसंजमसार ॥ कर्मेंहलकातेमुनीतरे ॥ उतारेपरपार ॥ ७६ ॥ धर्म० ॥ कर्मेंगुरुपोतेबुम्तो ॥ किमतारेपरतेह ॥ तिणेंचउकारणशुद्धजे ॥ दिजीइंधरीशासनेह ॥७७॥धर्म०॥ दायकग्राहकशुद्धजे ॥ कालसावेंकरीशुद्ध ॥ दायकशुद्धसाषुंहवे ॥ सांभली थाउविबुध ॥ ७८ ॥ धर्म० ॥ दाताज्ञानीहोइंभलो ॥ नहिअभिमदअहंकार ॥ सरधाआदरअतिघणो ॥ रोमांचित्तनेंउदार ॥ ७९ ॥ धर्म० ॥ न्याइंआव्यो

जेद्रव्यते ॥ प्रासूकनेंशुद्धमांन ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥ करतोनिर्जराध्यां
न ॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नधरेकांयआसंस ॥ गुणषेत्रें
विजनीपरे ॥ बहुफलपांमेंअसंस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ नरसूरशिवसूखसंपदा॥
आपेएहजदांन ॥ जेहवेआरधाविनादिइ ॥ जसकिरतिमनआंनि ॥ ८२ ॥
धर्म० ॥ असिमांनेंअथवादिइ ॥ एहदिइंछेजोईय ॥ ऊंकिमडगोछुंएहथी ॥
नविआपुंकहोकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरधाजलविनुंबिजते ॥ नफलेतासल
गार ॥ दानबहुपणिदूखिउं ॥ कलूषीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ प्राण
नोवधकरीजेदीइं ॥ धर्मनीसरधामनराषि ॥ चंदनबालीअंगारनो ॥ करेव्या
पारनिजसाषि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवीरुधवलीजे
ह ॥ पोतेग्राहकबिहुंजणा ॥ पामेसंसारेंतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥ ग्राहकशुद्धह
वेसाषीइं ॥ धारेमहाव्रतसार ॥ गुरुनीसुश्रुषाजेकरे ॥ जोगसमाधीमांसार ॥
॥ ८७ ॥ धर्म०॥खंत्तिमद्दवअज्जव॥ लोहनोकिधोरेत्याग॥ त्रणगुपतिगुपतो
रहे ॥ सज्झायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पंचेंद्रीयनोनीग्रहकरे ॥ पाले
साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परलावेंसूत्रलग्ग ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
इहसवनेंवलीपरसवें ॥ होइंअप्रतीबंध ॥ मेरूपरिंजेचलेनही ॥ उपसर्गवायुनें
धंध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेंदिजेंजेदांन ॥ ग्राहकशुद्ध
तेजांणीइं ॥ सेदएबिजोअमान ॥ ९१ ॥ध०॥नवमीत्रिजाएखंधनी॥ढालकहि
सूपवित्र ॥ उत्तमंपद्मविजयेंसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म ॥
॥ उहा सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिइंकुपात्रेंदांन ॥ अशुसफलपांमेअधीक ॥
सर्पनेंजीमविषपांन ॥ ९३ ॥ रुधीरषरड्युंरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइंविणनिर ॥ ति
मकुपात्रेंआपतां ॥ सांजेंकिमतसत्तीर ॥ ९४ ॥ थोडुंपणिसूपात्रथी ॥ पामेसू
खसरपूर ॥ तरणांगौअहारेंतूरत ॥ उधज्युंदिइंअवीदूरि ॥ ९५ ॥ पात्रविशे
षेंआपीउं ॥ एकजदांनअमांन ॥ एकजजलगाविउरग ॥ जथापीइंफलजा
न ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ आदरजिवषीमागुणआदरि ॥ एदेशी ॥ कालशुद्धहवेदां
नकहिजें ॥ तपसीनेंदिइंकालेंजी ॥ देहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसब

अआलेजी ॥ ९७ ॥ सेवोरेसवीआंधर्मएवारु ॥ एआंकणी ॥ जिमकालेजो करसणकीजें ॥ तोवऊफलतसथाइजी ॥ इमकालेंजोदांनदिइंतो ॥ फलवऊ लीइअमायोजी ॥ ९८ ॥ सेवो० ॥ तपपारणनेंउत्तरवारण ॥ वलिकीधो होयलोचजी ॥ थाकाविहारथकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोआलोचजी ॥ ॥ ९९ ॥ सेवो० ॥ ज्ञानाभ्यासकरेबालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ हारघृतादिकबऊआपीजें ॥ तोहोइंतसमूखकारीजी ॥२००॥ सेवो० ॥ का लविनाजोविजवाविजें ॥ तोहोइंविजनीहाणिजी ॥ दायकग्राहकनेंइमजा णो ॥ कालतेशुधगुणषाणीजी ॥ २०१ ॥ सेवो० ॥ सावशुधतेदांनकहिज इ ॥ श्रद्धापूर्वकआपेजी ॥ रोमांचित्तथईमानेकृतज्ञता ॥ तेसावशुधपणंथा पेजी ॥ २ ॥ सेवो० ॥ आर्त्तवशेंनवीदांनदेईजें. ॥ कलूषितचित्तनवीकीजें जी ॥ आसंसानवीकांईकरीइं ॥ सावशुधएलीजेंजी ॥ ३ ॥ सेवो० ॥ यतः अनादरोविलंबश्च ॥ वैमुख्यमप्रियंवचः॥पश्चात्तापश्चपंचामी॥ सद्दानंदूषय त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलंबश्चौ ॥ दार्यंचप्रियवाक्यता ॥ सन्मुखत्वंचपं चामी ॥ सद्दानंसूषयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ मोक्षनेंअरथेंदानजेदिजें ॥ तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकंपाजेदानजसाष्युं ॥ तेहनोनिषेधचित्तमा णोजी ॥ ४ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यहांणहोइंदांनदेयंता ॥ इममनमांमतआंणोजी॥ कूपआरामगवादिकदेषो ॥ देतांसंपदगणोजी ॥ ५ ॥ सेवो० ॥ परकृइसम कृपणनीलषमी ॥ नगरवाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिषी ॥ नृपनीनदीअनुंहारीजी ॥ ६ ॥ सेवो० ॥ दानसोगनेंनाशएत्रणगती ॥ द्रव्य तणीजगसापिजी ॥ नविदिधीनवीसोगवीजिणें ॥ तसत्रीजीगतिदाषीजी ॥ ॥ ७ ॥ सेवो० ॥ यतः ॥ मोक्कढ्ढंजंदाणं ॥ पइएसोविहीमुणेयव्वो ॥ अणकंपादाणंपुण ॥ जिणेहिनकहिविपमीसिद्धं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दानधरमसंषेपें साष्यो ॥ शीलसूणोसवीप्राणीजी ॥प्राणीवधादीकपंचमहाव्रत ॥ पालवाबऊ हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो० ॥ क्रोधादिकनोनीग्रहकरवो ॥ अऊवमद्दवपं तिजी ॥ श्रद्धासंवेगसंतोषफरसनं ॥निरीहचित्तवलीमैत्तीजी ॥ ९ ॥ सेवो० ॥

एहसीलमइधर्मश्राराधी॥मानवसदगतिपामेजी ॥ बारणांउरगतिनांतेदेवे ॥ र मेतेश्रातमरामेंजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ वलीश्रविशेषजेब्रह्मचर्यपाले ॥ तेपण शीलकहीजेंजी ॥ तेपणिश्रात्तवपरत्तवकेरां ॥ सूषशास्वतवलीलीजेंजी ॥ ॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यतः ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादिविपदस्तेषांव्रजंतिक्षयं ॥ कल्याणनिसमुल्लसंतिविबुधाःसान्निध्यमध्यासते ॥ कीर्तिस्फूर्त्तिमिपर्त्तिया स्युपचयंधर्मप्रणश्यत्यघं ॥ स्वार्निर्वाणसूखानिसंनिदधतेयेशीलमाबिभ्रते ॥ ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसंषेपकह्युंहवेसाष्युं ॥ तपनामेंहवेत्रीजोजी ॥ तेहदू सेंदबाह्यप्रथमतिहां ॥ श्रत्यंतरतपबिजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥ बाह्यतणां षटभेदप्रकास्या ॥ श्रणसणपेहेलोभेदोजी ॥ श्रणोदरीव्रतीशंषेपण ॥ रसत्या गेनवीषेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशानेसंलीनताए ॥ षटविधबाह्यक हायजी ॥ श्रत्यंतरप्रायछीत्तनेंविनयो ॥ वेंयावच्चसफायजी ॥ १४॥ से०॥ ध्याननेंउत्सर्गएषटलहीइं॥श्रत्यंतरनिरमायजी ॥ विसेंषेंबहुविधतपएहनां॥ सेदपंचासकहायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ वलिश्रविशेषेंतपबहुसेदें ॥ साष्या श्रागममाहिजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनांमें ॥ परतरंतपउग्राहिजी ॥ १६ ॥ से वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजांणों ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥ लघुसिंहनें वर्द्धसिंहनिक्रीमित ॥ जवमध्यवज्रमध्यसारजी ॥ १७ ॥ सेवो० ॥ प्रतिमा सद्रमाहासद्रकहिइं ॥ सर्वतोसद्रमनश्राणिजी ॥ पंचकल्याणकतपवलीथानि क ॥ सिद्धचक्रगुणषाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ सतसत्तमीश्राश्रठश्रठमी श्रा ॥ नवनवमीश्राहोयजी ॥ दशमीएकारसीवलीबारसी ॥ सिक्षुप्रतीमाजो यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इंद्रियजयनेसंशारतारण ॥ कषायजयतपनाम जी ॥ जोगजयनेंवलीकरमसूमण ॥ पंचमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो० दर्शनज्ञानचरणश्राराधन ॥ दशपच्चखाणनीउलीजी ॥ समवसरणनेंनंदिश्व रतप ॥ करीइंशाकतीनेंतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥ श्रद्धयनीधीपुंडरीकरो हिणीतप ॥ श्रंबिकातपसूविचारोजी॥ सर्वसूखसंपत्तीश्रसीधा ॥परमसूषण तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ श्रुतदेवतातपसर्वांगसूंदर ॥ श्रदुखदेषीश्री

कारजी ॥ सोभाग्यकल्पवरूएनामें ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥
सेवो० ॥ चंद्रायणतपआठिमचौदसि॥आंबिलवर्द्धमांनमोहटोजी॥ अशोकवृ
क्षनेंमुकुटसतमी ॥ माणीक्यप्रस्तानहीषोटोजी ॥२४॥ सेवो० ॥ अखंडदश
मीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ दवदंतीतपदीक्षानोतप ॥ नि
र्वाणतपवलीचंगजी ॥ २५ ॥ सेवो० ॥ गौतमपडघोनेंस्वर्गदंडो ॥ पद्मोतर
तपज्ञानजी ॥ जिनपुजानेंहारजतपवली ॥ उणोदरीअसीधानजी ॥ २६ ॥
॥ सेवो० ॥ धर्मचक्रवालतपवलीसाष्यो॥ क्रमचक्रवालहोयजी ॥ बत्रिशवी
जयनोतपघणंसुंदर ॥ मेरुमंदरजोयजी ॥ २७॥ सेवो० ॥ सूरायणनेंवली
पडवातप॥घनतपकमलउदारजी ॥ अष्टापदपावडीआंनांमे॥ वर्गतपस्यावि
चारजी ॥ २८ ॥ सेवो० ॥ गुंणरत्नसंवछरजांणो ॥ सप्तोत्तरअवधारजी ॥
असीमहतपनोपारनलहीई ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥ २९ ॥ सेवो० ॥ द्रव्य
क्षेत्रनेंकालभावथी ॥ भाष्याग्रंथमझारिजी ॥ तपावलीथीविधीसङ्गजाणो॥
इहांथाइविस्तारजी ॥ ३० ॥ सेवो० ॥ इमतपधर्मसंषेपेंभाष्यो ॥ आराधीभ
वीप्राणीजी ॥ इहभवपरभवसूखलहीनें॥ परणेसिववधूराणीजी॥३१॥सेवो०
त्रिजेखंडेढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेइमजी ॥ सांभलीनेंश्रोताजनधरमें॥
करज्योअवीहडप्रेमजी॥ ३२ ॥ सेवो० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दूहा ॥ भावधरमचोथोभलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥नाणचारित्रनीभावना॥
मतभावनविनुंमाच ॥ ३३ ॥ वैराग्यभावनातिमवली ॥ तिर्थभक्तिनतकाल ॥
साधुजननीशेवना ॥ कंदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥
निंदागरहानाद ॥ मोक्षनासूखमांमाचनो ॥ आयतनेंआल्हाद ॥ ३५ ॥ एह
धर्मअरिहंतनों ॥ भाष्योचोथोभाव ॥ भवभयभावठभंजणो॥ वलीउएहवना
व ॥ ३६ ॥ च्यारप्रकारेंसूणिचतूर ॥ सेवीधर्मसुबुध ॥ जिवअनंताजिहांग
या ॥ साश्वतशुखसूविशुद्ध ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीझारीहे ॥ एदेशी ॥ इ
णिपरेंसांभलीहे ॥ साहिबाजीमारा ॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकूमरनेंतांम ॥ बो
धययोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेइंणिपरिंहे ॥ सा०॥ भाष्युंसत्य ॥ एहमांनहीसं

देह ॥ कूंणकहेसेदममेनोजी ॥ ३८ ॥ पणिएकसांभलोहे ॥ सा० ॥ धर्मक्षेत्र ॥ नवीकरीसकीइंकोय ॥ दानविनाघरमांरहीजी ॥ तिणकारणहे ॥ सा० ॥ चारीत्रधर्म्म ॥ जोग्यहोइंतेकोण ॥ साभोलगवनमुकसहीजी ॥३९॥ गुरुजीबोलेहे ॥ सा० ॥ सांभलिजोग्य ॥ उपनोआरयदेश ॥ कुलनेंजातिविशेषितजी ॥ हलूकरमीहे ॥ सा० ॥ निरमलबुधि ॥ जाणेंसंसारस्वरुप ॥ वरणवुंएहवोपेषीउजी ॥ ४० ॥ जनमतेमरणनीमित्त ॥ सा० ॥ चपलतेद्रव्य ॥ संजोगअंतेविजोग ॥ मानवभवदूर्लभघणोजी ॥ विषयतेडरकनुंहेतू ॥सा०॥ मरवुंसहूनेंनीत्य ॥ दारुणतासविपाक ॥ कोईआधारनतेहतणोजि ॥ ४१ ॥ इंमजाणीनेंविरक्त ॥सा०॥ थोमोकरवाय॥थोमीकरतोहास॥जाणकस्थागुणनोवलीजी ॥ नहिकौतकीनेंविनीत ॥सा०॥ बहुजनमान्य ॥ दोषकारीनवीहोय ॥ सरधाकरेकह्युंकेवलीजी ॥ ४२ ॥ वलीथीरसरधावंत ॥ सा० ॥ एहवोजोग्य ॥ जेउपसंपन्नहोय ॥ तवकूंअरइंणिपरेंसणेंजी ॥ रुमोभाष्योहे ॥ सा०॥ साधूनेंयोग्य ॥ पणिउपसंपन्नआज ॥ आव्योचरणेंतुम्हतणेंजी ॥ ४३ ॥ विजयसिहगुरुहे ॥ सा० ॥ करेविचार ॥ एहमहाभाग्यवंत॥ प्रश्नकरेजुउकेहवांजी ॥ ठेअतीशांतिस्वरुप ॥ सा० ॥ लखिइंतेण ॥ महाकुलेंउपनोएह॥ वचनबोलेतेजेहवांजी ॥ ४४ ॥ एहनेंकहिइंहें ॥ सा० ॥ एहवांवयण ॥ जिणेंउपसंग्रहथाय ॥ इंमचितीहवेगुरुकहेजी ॥ सूणितूंश्रावकहे ॥ सा० ॥ तुंगुणवंत ॥ एसंसारअशार ॥ तेहमांकुंणइंणिपरिलहेजी ॥ ४५ ॥ डःकरजाणोहे ॥ सा० ॥ लेवुंजेह ॥ श्रमणपणंजगिसार ॥ शत्रुमीत्रसमजाणवाजी ॥ नवीहणवोकोईजीव ॥ सा० ॥ कहेवुंशाच ॥ दंतशोधनमात्रकांय ॥ पचखवुंअदत्तआणवाजी ॥ ४६॥ त्रिविधेंपचखवुंहे ॥सा०॥ अब्रह्मचर्य॥ उपगरणवस्त्रनेंपात्र ॥ उपरिपणमुरछानहीजी ॥ रात्रीभोजननोत्याग ॥ सा० ॥ लेवोआहार ॥ बेंतालीशदोषशुद्ध ॥ आगममांभाष्योसहिजी ॥ ४७ ॥ संजोजनादिकहे ॥ सा०॥ टालवापंच॥मितकालेंलेवोआहार ॥ सुमती गुपतीवरपालवीजी ॥ ईर्यामुखपंचविस ॥ सा० ॥ भाववीहोय ॥ बाह्यअभ्यंतरभेद॥ तप

करवोक्रोधजालवीजी ॥ ४८ ॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥
विचीत्रअसीमहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसाषीआजी ॥ सूंइसुवुंहे ॥ सा० ॥ केश
नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करतांशमरसचापीआजी ॥ ४९ ॥ निःप्र
तिकर्माहे ॥ सा० ॥ जाससरीर ॥ वहेवीगुरुनीआंणि ॥ सर्वकालप्रसूआणि
थीजी ॥ परिसहजितवावाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकवज्रसे
द ॥ जयकरवोगुणषाणिथीजी ॥ ५० ॥ लाधेंअलाधेंहे ॥ सा० ॥ समचित
राषि ॥ अढारसिलांगसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपफेजी ॥ तिणेंतरवोएसमुद्र ॥
॥ सा० ॥ चरमकहेवाय ॥ वांहिकरिनेंतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवमेंजी ॥ ५१ ॥
सपवोकोलीउहे ॥ सा० ॥ स्वादरहीत ॥ वेलूतणोजेअशार ॥ खड्गधारापरें
चालवुंजी ॥ पीवीअगनिनीझाल ॥ सा० ॥ गंगप्रवाह ॥ चालवुंशाहमेपुर ॥
निजआतमसूखेंमालवुंजी ॥ ५२ ॥ कोथलोपवननोहे ॥ सा० ॥ तरवोहा
थि ॥ चतूरंगवलसंघाति ॥ जितवुंएकलेप्राणीइंजी ॥ साधवोराधावेध ॥ सा० ॥
जयनीपताक ॥ ग्रहेवीअप्रहीपुर्व ॥ डःकरमुनीपणंजांणीइंजी ॥ ५३ ॥
इमसांसलीहे ॥ सा० ॥ हरण्योकूमार ॥ करजोमीकहेइंम ॥ गुरुतलूंसाधूप
णंकह्युंजी ॥ डःकरकह्युंतिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुझ ॥ जाण्युंसंसारनुं
गुझ ॥ जाणंहवेएहकवलझंजी ॥ ५४ ॥ गुरुतवसाषेहे ॥ सा० ॥ साचुंएहा
जाणेसंसारस्वरूप ॥ पणिवज्रसवसावनाथकीजी ॥ मुझावेवज्रजीव ॥ सा० ॥
थाइमुंढ ॥ तिणेंनविचारेस्वरुप ॥ नगणेंअनागतवुधीथकीजी ॥ ५५ ॥ कुल
नवीदेषेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरपनगणेगुरुभतिजी ॥
नकरेअपजसविहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेंपरलोक ॥ क्लेशनुंसा
जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम
रकहेप्रत्तूसाच ॥ पणिएउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेतेह ॥ सा० ॥ कार
णसेवाजेकरेप्रगटेतास ॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥ ५७ ॥ तेतूम्हपासेंहो ॥ सा० ॥
तूह्मपसाय ॥ पामुंसवजलपार ॥ जिमशायरनिरजामकेंजी ॥ अल्पपुन्यहो
इंजास ॥ सा० ॥ कूशलनवुद्धी ॥ गुणवंतागुरुलास ॥ नहोइनवीपामीशकेजी ॥

॥ ५८ ॥ तिणेंमुझउपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतववाणी ॥ अम
स्थीतिएआगमतणीजी ॥ संसलावीसवीमग्ग ॥ सा० ॥ केताकदिन्न ॥ सिख
वीइंआवश्यक ॥ पढीदीषीजेंशीष्यसणीजी ॥ ५९ ॥ बोलेकूमरजीहे ॥
॥ सा० ॥ कस्योउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुझ ॥ पालवीआगमस्थीतीसलीजी
तिणेंइमजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इंमकह्युंजांम ॥ बहुपरीजनस्युंताहिं ॥ कुमर
पिताआव्योसांसलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीइंबेठेहे ॥ सा० ॥ तेब्रह्मदत्त ॥ उत
रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलासगुरुइंदिउजी ॥ त्रिजेखंमेढाल ॥ सा० ॥ यइअगीआ
र ॥ पद्मविजयकहेइंम ॥ बेठेचित्तसूणवाकिउजी ॥ ६१ ॥ डुहा ॥ कुमरता
तनेंइमकहे ॥ कांमकरोमुझएक ॥ तातकहेजेकहोतूम्हे ॥ करीइंतूह्मसूविवे
क ॥ ६२ ॥ एशंसारस्वरुपइंम ॥ मानवसवमुसकह्म ॥ संगअनीत्यचपलासि
री ॥ एहमांनहीअवह्म ॥ ६३ ॥ जौवनजाइंजोपसूं ॥ अनंगकेरअकल्यांण ॥
मृत्युतोमुंकेनही ॥ जाणोछोतूम्हेजांण ॥ ६४ ॥ द्योआणालेउंदिषमी ॥ सफल
करुंशंसार ॥ सूलस्मेहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेप्रकार ॥ ६५ ॥ बालकतूंबोले
किस्युं ॥ कालनदिक्षाकोय ॥ कुंअरकहेनवीकालछे ॥ जमनोइंणिपरिंजोय ॥
॥ ६६ ॥ बोल्योएकबंसदत्तना ॥ परिवारमांपुरुष ॥ पिंगकनामेंपापपुन्य ॥ न
विछेजुउनिरष ॥ ६७ ॥ बहुचर्चातेबोलीउ ॥ पणिगुरुबेठांप्राय ॥ नवीबोलवुं
एज्ञानथी ॥ कुमरनबोल्याकाय ॥ ६८ ॥ समझाव्योशूलजुक्तिथी ॥ तेकहे
तांविस्तार ॥ ग्रंथवधेतिणेंनवीग्रह्मो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ समझ्योश्रा
वकव्रतग्रहे ॥ साथेंब्रह्मदत्तगुरु ॥ दिक्षानीअनुमतिदीइं ॥ बंसदत्तप्रतीबुझ
॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनीशाथेंरे
आव्यानयरमांरे ॥ घोषणापुरवकदान ॥ देतोकरतोजीनवरचैत्यमांरे ॥ अग
ईमहोछवज्ञान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेंरेजाण्युंएहणेषरुंरे ॥ एआंकणी ॥ शु
सतिथीकरणेंरेमुहूर्त्तजोगेंसलेंरे ॥ शिबिकारुढतिवार ॥ महाहर्षेंकरीबहुपरि
वारस्यूंरे ॥ देतोदांनअवार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मंगलतूरवजावतेनिकल्योरे ॥ बि
रुदावलीरेबोलाय ॥ लोकप्रशंसादेषीबहुकरेरे ॥ पोहतागुरुनेंरेपाय ॥ ७३ ॥

धन ॥ सीबिकाथीउत्तरीगुरुवंदियारे ॥ गुरुइंदिक्षारेदिध ॥ साधूवेषलीधोहर
षेंकरीरे ॥ आतमकारजकिध ॥ ७४ ॥ धन ॥ केईकदिनरहीमासकलपथइं
रे ॥ गुरुआथेंकरेविहार ॥ लाषअनेकवरसइंमवहिगयारे ॥ पालतानिरतीचा
र ॥ ७५ ॥ धन० ॥ इंणअवसरिजेजालिणीमावमीरे ॥ थयोतसपश्चारेताप ॥
कामहीएंकरस्युंजिणेंमारयोनहीरे ॥ गयोमुफदेईसंताप ॥ ७६ ॥ धन० ॥ ते
णिकारणकांयमोकलुंसेटणंरे ॥ संदेसोमीठीवात ॥ जोकांईकरतांफिरीआवे
इंहांरे ॥ पछेंकरस्युंसुखेंघात ॥७७॥ धन० ॥ जिमचित्यूंतिमकिधुंतिणीइंरे ॥
मोकल्युंकंबलरत्न ॥ संदेशोबहुसीषवीमोकल्योरे ॥ सोमदेवकरीघणंजत्न ॥
॥ ७८ ॥ धन० ॥ देशावीख्यातप्रवृत्तिआचार्यनीरे ॥ पुछीपोहतोतेगाम ॥ सि
खिकूमारसाधूनेंसणावतारे ॥ देखिवंद्यातेगाम ॥ ७९ ॥ धन ॥ धर्मलाभदेईपू
छेउलषीरे ॥ किहांथीआववुंतूह्म ॥ तिणेंपणिव्यतीकरसघलोसासीउरे ॥ जा
लिणीमोकल्याअह्म ॥ ८० ॥ धन० ॥ पश्चातापेंदाधीदेहमीरे ॥ तूम्हप्रवृत्ति
निमीत्त ॥ रिषीकहेपश्चातापस्योएहुनोरे ॥ तवतेबोल्योसूचित्त॥८१॥धन०॥
तूम्हेदीक्षालीधीतेकारणेंरे ॥ सूणिचीतेंमुनीराय ॥ स्नेहकायरपरमार्थदेखेन
हीरे ॥ जुउइंमकिमकरेमाय ॥ ८२ ॥ धन० ॥ प्रत्युपकारनकरीसकीइंकिमें
रे ॥ मातपितानोरेकोय ॥ इंमचिंतिकहेसोमदेवनेंसूणोरे॥ मुफसवनिरवेदहो
य ॥ ८३ ॥ धन० ॥ तिणेंदिक्षालीधीइंमजांणजोरे ॥ पणिनहीमायनिरवेद॥
तवतेकहेषरुंपणितूममातनेंरे ॥ उपजेछेअतिषेद ॥८४॥धा॥कहेवराग्युंछेइंणिप
रेंसांभलोरे ॥ तूछक्ष्दयहोयनारि ॥चपलस्वभावनेंअविवेकजैघणोरे ॥ कामक
रुअवीचार ॥ ८५ ॥ धन० ॥ होयकदाग्रहस्त्रीमांअतिघणोरे ॥ पछेंहोइंपश्चा
ताप ॥ पुरुषतोमहागंभीरहोइंघणोरे ॥ कोयनेंनकरेसंताप ॥ ८६ ॥ धन० ॥
माहरोसावजाएथ्याविणस्यूंकरयूंरे ॥ आदस्योपरलोकमग्ग ॥ पणएकवारवंदा
ववाआवजोरे ॥ नहीतरकिमहोयसग्ग ॥ ८७ ॥ धन ॥ कंबलरत्नलेज्योमुफ
हितकरीरे ॥ बोल्याशिखीअणगार ॥ उत्तरम्हेतूफसयलोसाषीउरे ॥ अनेगुरु
आधीनविहार ॥ ८८ ॥ धन० ॥ ऊम्हारेआर्धा श्रीगुरु

आंण ॥ मुनिनेंकंबलरत्नघटेनहीरे ॥ वलीगुरुकहेतेप्रमांण ॥ ८९ ॥ धन० ॥ तवकोईमुनिंईगुरुदेखावीआरे ॥ जईकह्योसकलवृत्तांत ॥ कुमरतणाबहुमान थीवोहरीउरे ॥ कंबलरत्नतेषांति ॥ ९० ॥ धन० ॥ वर्त्तमानयोगेंवलीआव स्येरे ॥ मांम्युंसणवाजेसूत्त॥ तेसंपुरणथास्येजबसहिरे ॥ तबएआवस्येपुत्त॥ ॥ ९१ ॥ धन॥ एसांभलीनेंघणंराजीथयोरे ॥ त्रिजेखंमेएढाल॥ समरादित्य नारासमांबारमीरे ॥ कहिपदमेंसूरशाल ॥ ९२ ॥ धन ॥दुहासोरठी ॥ सोमदे वगुरुपास॥ कालकेतोईकरहीकरी ॥ आव्योनीजआवाश ॥ तपसंजममुनीव रतपे॥ ९३ ॥दुहा॥ अन्यदिनेंगुरुआवीआ॥ नयरकोसआशन्न॥ कोईकनर नामुखथकी ॥ सांभलेगुरुचासन्न॥९४॥परलोकेंपोहतोपिता॥ सिखिकूमरनो साच ॥ मुनीसाथेंकेईमोकले ॥ सिखिकूमारशुसवाच ॥ ९५ ॥ पोहताकोस नयरपडे॥ उतरीआउद्यान॥वातलोकमांविस्तरी॥ सांभलज्योशावधांन ॥९६॥ सिखिकुमरसाधूजीके ॥ आव्याअहोअणगार ॥ रायनगरजनपरिवर्‍या ॥ वंद्यावारोवार ॥ ९७ ॥ ढाल ॥ हवेनहीआवुंमहीवेचवारेलो ॥ एदेशी ॥ वंद नाकरीगुरुरायनेंरेलो ॥ बेठासूणवाधर्म ॥ मारावाल्हाजीहो ॥ गुरुपणिआषे पणीकथारेलो ॥ कहेतांदिईशिवशर्म ॥ ९८ ॥ म्हा० ॥ एहवागुरुरेफिरीन हिमीलेरेलो ॥ एआंकणी ॥ आवरज्यासवीलोकनेंरेलो ॥ गयासहुनिज२गेह ॥म्हा० ॥ हवेबिजेदिनमुनीवरुरेलो ॥ सिखीकूमरसशनेह ॥ ९९ ॥ म्हा०॥ एह०॥गयानीजमातपासेंहवेरेलो ॥ विधवारुपतेतास॥ म्हा०॥ब्रह्मदत्तजेहम रीगयारेलो ॥ अतिदुखलदुखवास ॥१००॥ म्हा० ॥ एह० ॥ तिणेंनिज मातनउलषीरेलो ॥ तिणेंउलष्योमुनीराय ॥ म्हा० ॥ मायास्वसावेंरोतीथकी रेलो ॥ अश्रुपातबहुथाय ॥ १०१ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ आसासनामुनीवर करेरेलो ॥ देशनादेवेतांम ॥ म्हा० ॥ मातजीखेदनकीजीईरेलो ॥ एसंसारदु खधांम ॥ २ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ द्रव्येंसयणेंपराक्रमेंरेलो ॥ बलचतूरंगेजो य ॥ म्हा० ॥ देवअसूरपमुहामिलेरेलो ॥ मरणनजीतेकोय ॥ म्हा० ॥ ॥ ३ ॥ एह० ॥ मरणहरीजगमांसमेरेलो ॥ आपदाशतनखजाल ॥ म्हा० ॥

व्याधीज्वरदढदांतठेरेलो ॥ बज्जजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम जाणीनेंआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यठांमीव्रतसारनेंरेलो पणिनविआदरेक्लिव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातूम्हनवीघटेरेलो ॥ मोहरूपविषपांन ॥ मा० ॥ धरमअमृतवरपीजीइरेलो ॥ जगतमांसारनीधां न ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि ॥ ॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुक्नेंगमेरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७ ॥ ॥ एह० ॥ म्हारीअवस्यादेषिनेंरेलो ॥ व्रतआपोमुक्जोग ॥ मा० ॥ तवअ णगारआलोचीनेंरेलो ॥ काढवासवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविर तिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतहमांहि ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥ संसलावेउगाह ॥ मा० ॥ ए ॥ एह ॥ दिधांअणुव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइंक स्याअंगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमाम्वारेलो ॥ कूमकपटसंभार ॥मा० ॥१०॥ एह० ॥ यतः ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोलता ॥ अशौचं निर्दयत्वंच ॥ स्त्रीणांदोषाःस्वभावजाः ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोशकूरे लो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इमचिंतीअंगीकरयारेलो ॥ देखीइंस्त्रीआ वास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजवउठिआरेलो ॥ तवविनवेमुनी माय ॥ मा० ॥ आजभोजनतूम्हेंइहांकरोरेलो ॥ तववोल्यारीषीराय ॥ मा० ॥ ॥१२॥एह०॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो॥साध्योठेअणाचार॥मा०॥मधूकरव त्तिठांमीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजा लिणीबोलीतिहांरेलो ॥ तूम्हेजाणोवळएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजथानिकग यारेलो ॥ इमप्रतीदिनशसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचिंतचिंतवेजा लिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजम्यामुक्नेंरेलो ॥ क रिइंहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥ सक्इंकरयाउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइनलिकल्यारेलो ॥ करताध्यांनअ भ्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचिंतवेरेलो ॥ मारुंनद्दिजो कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो॥पक्कसंधीथयोकाल ॥मा० ॥१७॥

॥ एह० ॥ बिजोउपायईहांनहीरेलो ॥ कालिकरुकंशार ॥ मा० ॥ तालपुट विषजुतलाडुजरेलो ॥ आपुकालिसवारि ॥ मा० ॥ १८ ॥ एह० ॥ मुनीवर संजमम्हालतारेलो ॥ नलहेदूरजनवात ॥ मा० ॥ परमांतेपेसेनहीरेलो ॥ धरमेंरंगाणीधात ॥ मा० ॥ १९ ॥ एह० ॥ त्रीजेरवंमेतेरमीरेलो ॥ पद्मविजय कहिढाल ॥ मा० ॥ मुनीगुणगातांमोदस्यूंरेलो ॥ पामेंमंगलमाल ॥ मा० ॥ ॥ २० ॥ एह ॥ डुहा ॥ ईमकरतांजोनवीलीई ॥ आयहथीदिउंआहार ॥ हाथेंआपुंहर्षजिम ॥ तेमोदिकतइयार ॥ २१ ॥ मारुंइणिपरिमोदस्यूं ॥ करस्युं तेसघलुंकांम ॥ सोजनलेईसलीतांतिस्यूं ॥ जालिनीचालीजांम ॥ २२ ॥ तां मप्रसातथयोतिहां ॥ पोहतीउपवनपास ॥ दिठिमुनीइंद्दष्टिथी ॥ सणेंतेएहवी सास ॥ २३ ॥ माताकिमआव्यांतूम्हे ॥ एकाकिएवार ॥ अणघटतोकांईआ हारनें ॥ लेईआव्यांगेल्हार ॥ २४ ॥ जटिणीबोलीजालिनी ॥ सांसलोसाचि वात ॥ पोतेपुण्यउपायवा ॥ सोजनलावीसांति ॥ २५ ॥ ढाल ॥ चित्रोमारा जारे ॥ एदेशी ॥ सांसलोतूमेमातरे ॥ अणाचारएरव्यातरे ॥ निपजातएआ हारअह्मारेकारणेंरे ॥ २६ ॥ साहमोसलीआयोरे ॥ तिणेंअम्हनसोहायोरे ॥ संसलायोसघलोविधीमुनीरायनोरे ॥ २७ ॥ तवबोलीतेहरे ॥ देषामेसनेहरे ॥ वछएहपरिमुकआतानवीहोईरे ॥ २८ ॥ जेसोनलीउंआहाररे ॥ म्हारोधीगअवताररे ॥ तूम्हविहारतेअमपुरेनिष्फलमनकवेरे ॥ २९ ॥ तिणेंअवश्यएकरवुरे ॥ बिजुंवयणनधरवुंरे ॥ मरवुंअन्यथामुकताहरानेहथीरे ॥ ३० ॥ पगेंपमीइमसाषीरे ॥ सजमुनीवरसाषीरे ॥ मांषीजिमपधउपरतिमउठेनविकिमेरे ॥ ३१ ॥ मुनीसरलस्वसावेंरे ॥ चित्तेइमतावरे ॥ जुउसदसावमातानोकेहवोरे ॥ ३२ ॥ धर्मसरधाकेहविरे ॥ पुत्रस्नेहीनएहवीरे ॥ रषेजेहवीएथायजल विणपोयणीरे ॥ ३३ ॥ बोलेमुनीरायरे ॥ सांसलोतुस्हेमायरे ॥ नविथायए आहारदोषीलोअमथकीरे ॥ ३४ ॥ गुरुलाघवदोसरे ॥ चितवीगतरोसरे ॥ शुसपोसकारणकहेमातनेइणीपरिरे ॥ ३५ ॥ तुमआग्रहेंएहरे ॥ लेस्यूंगतनेहरे ॥ मुनीमाटेंरेहआरंसनकिजीईरे ॥ ३६ ॥ जालिनीतवजंपेरे ॥ कुंणतू

म्हनेंलूंपेरे ॥ हमणांतोसंपेंआहारकरोसङ्करे ॥ ३७ ॥ बोलेमुनीतुम्हेआपोरे सङ्कऋषीनेंथापोरे ॥ करिजापोनेङ्कपिणलेस्यूंआहारनेंरे ॥ ३८ ॥ जालीनी कहेवारुरे ॥ मातवाछल्यवारुरे ॥ कस्युंकामदिदारुरापीमुफजीवतीरे ॥ ३९॥ मुफहाथेंकिजेरे ॥ पारणंमानीजेंरे ॥ सवनुंफललीजेंमानीमुफकह्युंरे ॥४०॥ सिखिकूमरनेंवयणेंरे ॥ वेगसङ्कमुनीजयणेंरे ॥ तायणेंसोजनकंशारतेपीर स्योरे ॥ ४१ ॥ सङ्कईकिधोआहाररे ॥ हवेशीखीअणगाररे ॥ ताजनेकंशार सेसतेपीरस्योरे ॥ ४२ ॥ तालपुटविषघाल्योरे ॥ तेलाडुंआल्योरे ॥ सोजन मांचाल्योतेपणिअनुंक्रमेंरे ॥ ४३ ॥ विषवेगेंघारयोरे ॥ सिखीकुमरेंविचा स्योरे ॥ किमएमुफधास्योचित्तमांशेणपेरेंरे ॥ ४४ ॥ मुनीवरसङ्कजोयारे ॥ सावधांनपलोयारे ॥ अंगीतआकारगोपायाएहवेरे ॥ ४५ ॥ थईवेलाजामरे गईवाचातामरे ॥ मनचिंतेआमहवेनवीजीववुंरे ॥ ४६ ॥ पम्याधरणीपीठरे मुनीईतवदीठरे ॥ देषीतवरीठआकुलव्याकूलथयारे ॥४७॥ जालिणीपणिइम रे ॥ मुंनीचिंतेकेंमरे ॥ जननीथईप्रेममुंकीकरेएहवुंरे ॥ ४८ ॥ जांणीफेरवि शेसरे ॥ चणशाणउद्देशरे ॥ करेलेशनखेदतेसिषिमुनीकोयस्यूंरे ॥ ४९ ॥ म नचिंतेएहरे ॥ थईवातएकेहरे ॥ संशारसनेहधिगहोईमकहेरे ॥ ५० ॥ चिं त्युंहतुंईमरे ॥ मातनेंजईनेंमरे ॥ धरीप्रेमनेंधर्मपमाफस्यूंसलीपरेंरे ॥ ५१ ॥ क्लेशथीमुकावुंरे ॥ सलीधर्मेमांगवुंरे ॥ ईममनलावुंपणिहवेस्यूंकरुंरे ॥५२॥ अपजसबङ्कथास्येरे ॥ शंकासङ्कलासेरे ॥ पणिइमनविमासेमाताएकिमकरेरे ॥ ५३ ॥ वातपूर्वलीजाणेंरे ॥ लोककहेअन्नाणेंरे ॥ धिगमुफस्यणटांणेजननी डुखदिउरे ॥ ५४ ॥ संशारएरीतीरे ॥ नविकरीईअनीतीरे ॥ पणिअप्रितेंअप जसविस्तरेरे ॥ ५५ ॥ केईककरेदोसरे ॥ पणिजसनेपोशरे ॥ एहमांनहीं रोसकरयांसङ्कसोगवेरे ॥ ५६ ॥ करयांकर्मतेआव्यांरे ॥ एकारणलाव्यांरे ॥ मुफडुखकथीधाव्यांमाताकिणेंपरेरे ॥ ५७ ॥ अथवास्योशोकरे ॥ शिवबिज तरोकरे ॥ धरमजेउकनोतेहपमाफीउरे ॥ ५८ ॥ तिणेंचिंतानकिजेरे ॥ नव पदशमरीजेरे॥ लिजेंईमलाहोनरसवकेरमोरे॥ ५९॥ शुभसावनायुक्तरे ॥ नव

कारसंजुत्तरे ॥ निजआतमगुत्तकरीकरीकालनेंरे ॥ ६० ॥ ब्रह्मलोकमांजा
योरे ॥ नवशागरआयोरे ॥ देवपायोलछीसमागमविमानमांरें ॥ ६१॥ जाली
णिपणमुश्रो अनुंकरमेंछईरे ॥ अंधारीकुईसमसर्करानरगमांरे ॥ ६२ ॥ त्रणि
सागरआयोरे ॥ एतोमहाडख्कपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिंश्रानुंफलएहवुंरे ॥ ६३॥
त्रिजोसवईमरे ॥ सूरत्तवस्यूंप्रेमरे ॥ नरसवसूखषेमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६४ ॥
खंमत्रीजेसाषीरे ॥ ढालचौदमीदाषीरे ॥ इहांसाखीतेसमरादित्यचरीत्रछेरे ॥
॥ ६५ ॥ माहसूदिदिनत्रीजेंरे ॥ संपूरणकिजेंरे ॥ गामलिबमीमांहिंवदिजेंहे
जस्यूंरे ॥ ६६ ॥ गुरुषीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीशाय
योउत्तमवीजयमनोहरूरे ॥ ६७ ॥ सिद्धांतअल्यासीरे ॥ तसअंतेवासिरे ॥
वचनविलाशीपद्मविजयकहेरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीत्तप्रवर
श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यपं० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी
त्यचरीत्रेप्राकृतवंधेसिखिकुमारजालीएयोसंगतयोतृतियोनरसवः समाप्तः
सर्वगाथातृतियखंमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ श्रीसीमंधरसाहिबा ॥ विचरंतावीतराग ॥ समवसरणमांसोत्तता ॥
सवलूंजससोत्ताग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुंप्रेमेंपाय ॥ समरादि
त्यनारासमां ॥ चोथोखंमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दंपतीथा
इंदोय ॥ सझानसूणज्योतेसवे ॥ हवेतेंकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेमुणस्ये
सरवर ॥ समरादित्यनोस्वाद ॥ जासप्रमादेंजायस्यें ॥ लहेस्येनतेआल्हाद ॥४॥
वरजोविकथावेगस्यूं ॥ सझनेंटलेसंताप ॥ विकथाथीवारुवमो ॥ उंघ्योनसूणें
आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातणेंत्तवेंजी ॥ एदेशी ॥ जुंबुद्वीपनात्तरत
मांजी ॥ सूशर्मनेंयरउदार ॥ नित्यउत्सवआणंदमांजी ॥ देवलोकअनुंहार ॥
॥ ६ ॥ सवीकजनसूणीइंचरीत्ररशाल ॥ पापनियाणटालि ॥ स० ॥ जेहथी
होयजंजाल ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनेंयरमांजी ॥ गुणिज
नगुणगवराय ॥ रुपवेसरतीआगलिजी ॥ नारीतणोसमुदाय ॥ ७ ॥ स० ॥
परउपगारपरायणोजी ॥ महाजननिवशेअपार ॥ अरीगजस्युंकेशरीसमो

जी ॥ सूधएंसूसरतार ॥ ८ ॥ स० ॥ नगरशेठतेनयरमांजी ॥ राज्यमानगु
एवंत ॥ दिनश्रनाथजनवछ्लूजी ॥ वेसमएनामकहंत ॥ ए ॥ स० ॥ पणिवें
श्रमएविस्तवेंकरीजी॥हलकोऊतनिदांन॥ श्रणवरगनीतशाचवेजी॥ सारथवाह
सूजांण ॥ १० ॥ स० ॥ कुलरुपविस्तवेंसारीषीजी ॥ सिरियानामेंनारि ॥ पं
चविषयसूखसोगवेजी ॥ स्नेहेंस्त्रीसरतार ॥ ११ ॥ स० ॥ लषमीनुंलेषुंनही
जी ॥ पणिसंताननकोय ॥ श्रायउपायघणाकरेजी ॥ पणिनवीकारयहोय ॥
॥ १२ ॥ स० ॥ इंणश्रवसरतेनयरमांजी ॥ जक्ष्नामेंधनदेव ॥ सानिधकर
तोलोकनीजी ॥ इंणिपणिकीधीसेव ॥ १३॥स० ॥ पुजाकरीइंमसाषीउजी ॥
जोमुझतुझश्रनुसाव ॥ पुत्रहोस्यैंतोनयरस्यूंजी॥पुजाकरुंशूसलाव ॥ १४ ॥
॥ स० नामतूम्हारुंथापस्यूंजी ॥ सूतनुंऊनिरधार ॥ मध्यमवंशेतेवर्त्ततांजी ॥
दंपतिइंणिसमेसार ॥ १५ ॥ स० ॥ ब्रह्मलोकथीदेवताजी॥ चविलीधोश्रवता
र ॥ जिवसिखिकूमारनोजी ॥ सिरियाकूषिमझारि ॥ १६ ॥ स० ॥ सूपनें
गजवरपेषतीजी ॥ उज्वलउचिरेंकाय ॥ मदझरतोमोहेघणंजी ॥ मधूकरनें
समुदाय ॥ १७ ॥ स० ॥ सूंडादंडचपलघणोजी ॥ रक्ततालूचउदंत ॥ कनक
शांकलेंसोहतीजी ॥ घंटाजुगलमहंत ॥ १८ ॥ स० ॥ लोचनजेहनांघुमतां
जी ॥ रक्तचमरेंसोहेवयण ॥ कुंसस्थलेंश्रंकूसरहीजी ॥ प्रातसमेनेंरयणि ॥
॥ १ए ॥ स० ॥ वदनेंउदरमांपेसतोजी ॥ देखीजागीजाम ॥ संसलावेंसरतार
नेंजी ॥ सूणीहरष्योतेतांम ॥ २० ॥ स० ॥ सयणसयलगणनायकोजी ॥ पु
त्रतेहोस्येरतन्न ॥ हरषेंसूणीश्रादरघणेंजी ॥ करतीगर्त्तजतन्न ॥ २१ ॥ स०॥
शुसमुहूरतेंश्रनुंक्रमेंहवेंजी ॥ जनम्योतेहकूमार ॥ दाशीइंदिधवधामणीजी॥
सारथवाहनेंसार ॥ २२ ॥ स० ॥ संतोषीदाशीप्रतेंजी ॥ देवरावेमहादाण ॥
जनममहोछवतेकूमारनोजी ॥ करतोसेठसूजाण ॥ २३ ॥ स० ॥ एकमासइं
मवहीगयोजी ॥ हवेसऊनयरसंघाथ ॥ वऊश्राडंवरस्यूंगयोजी ॥ बालकदे
ईनिजहाथ ॥ २४ ॥ स० ॥ धनदेवजक्ष्नेंदेहरेजी ॥ उछवकरीयश्रपार ॥
पायनमामीथापीउंजी ॥ नामतेधनकुमार ॥ २५ ॥स०॥ कुमरसावश्रनुंक्रमें

लह्योजी ॥ चोथेषंमेरेइंम ॥ प्रथमढालपदमेंकहीजी ॥ सांसलज्योधरीप्रेम ॥ ॥ २६ ॥ स० ॥ दुहा ॥ नारकीमांथीनीकली ॥ जालिणीनोहवेजीव ॥ संसर तांसंशारमां ॥ अनुंसवेंदूखअतिव ॥ २७ ॥ अनंतरसवेंअज्ञानथी ॥ आदरी कष्टअत्यंत ॥ वसेतेनयरेंवांणीउ ॥ पुर्णसदपूंन्यवंत ॥ २८ ॥ गोमतीनामेंगे हनी ॥ तसकुखेंअवतार ॥ पुत्रीपणेंतेप्रगटिउ ॥ जनमीतेहजीवार ॥ २९ ॥ धणसीरीनामतेदीधलूं ॥ जौवनपामीजाम ॥ दिठीधनकुमरेंतदा ॥ रतिरूपें असीरांम ॥ ३० ॥ पुर्वमैत्रीनागुणपणें ॥ असिलाषाइंम ॥ दृष्टीवीकारेंदेष तो ॥ पुरणआणीप्रेम ॥ ३१ ॥ पुरवनामत्सरपणें ॥ धणसिरिजुइंतेधन्न ॥ सो मदेवपुरोहीतसूतें ॥ तेहकुमरनुंतन्न ॥ ३२ ॥ लावलण्योतिणेंसलीपरें ॥ वैश्र मणेंजाणीवत्त ॥ पुरणसदनेप्राथिउ ॥ धणसीरीधणनीमित्त ॥ ३३ ॥ जाण्युंप रस्परविङ्जणें ॥ वरत्योतिहांविवाह ॥ हरष्योधननिजहैयडले ॥ वाध्योध णसिरीबाह ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ मुनीवरआर्यसूहस्ती ॥ एदेशी ॥ इणिअवसर एकदासरे ॥ घरदाशीजण्यो ॥ नंदनांमेंसोहामणोए ॥ ३५ ॥ अगनीशर्मास्त वतेहरे ॥ मित्रतापसहतो ॥ गुरुवैयावचकारणोए ॥ ३६ ॥ धणसिरीस्यूंलग वाम्हिरे ॥ थईतेनंदनें ॥ स्त्रीसंगेसूखअनुंसवेए ॥ ३७ ॥ सोगविटंबणाप्रायरे ॥ सोगवतांथकां ॥ शरदसमयएकदिनहवेए ॥ ३८ ॥ रमवानेंउद्यानरे ॥ धन्न कूमरगया ॥ साथेंबङ्कपरीवारस्यूंए ॥ ३९ ॥ समृद्धदत्तइणनांमरे ॥ सारथवा हसूत ॥ दिठोदांनदेतांथकांए ॥ ४० ॥ निजकरअरजितऋद्धिरे ॥ जेपरदेश थी ॥ लावीनेंसफलीकरेए ॥ ४१ ॥ चिंतेधणधन्नएहरे ॥ परउपगारीउ ॥ इं णीपरेंलषमीवावरेए ॥ ४२ ॥ आमणदूमणोइमरे ॥ नंददेषीकहे ॥ स्येदूला णास्वामिजीए ॥ ४३ ॥ लाष्योनीजअसीप्रायरे ॥ नंदकहेतदा ॥ सिउणीमठें तूम्हघरेए ॥ ४४ ॥ तूम्हघरिद्रव्यअनंतरे ॥ दानआपोतूम्हे ॥ एहथकीसूवी सेषथीए ॥ ४५ ॥ धनकहेएंसीवातरे ॥ पुर्वपुरुषरल्या ॥ तेंदेतांकिमसोलीइं ए ॥ ४६ ॥ करीकमाईहाथरे ॥ जेदिइंदाननें ॥ तसकिरतीवाधेघणीए ॥ ४७ ॥ तिणेंविनवोतूम्हेतायरे ॥ परदेशेंजवा ॥ करूंकमाईहाथस्यूंए ॥ ४८ ॥ काल

उचीत्तकरेजेहरे ॥ जिववुंतेहवुं ॥ सफलूंसाष्युंसास्त्रमांए ॥ ४९ ॥ त्रणवर्ग नुंमुलरे ॥ अर्थउपार्जस्यूं ॥ तातनेंकहोकिरपाकरोए ॥ ५० ॥ नंदेंविनव्योसे ठरे ॥ सेठकहेतूम्हो ॥ साषोवठनेंइणिपरेंए ॥ ५१ ॥ सेठसऊथीअर्थरे ॥ ब ऊताहरेघरे ॥ मनइछितयोवावरोए ॥ ५२ ॥ नंदकहेसूणोतातरे ॥ एहकह्युंष रू ॥ पणिएहनीइंमरूचिनहीए ॥ ५३ ॥ सेठकहेजिमसूखकरे ॥ उपजेतिमक रो ॥ नंदेंकह्युंसवीधनप्रतेंए ॥ ५४ ॥ आणपामीतायरे ॥ हरष्योधनहवे ॥ करेसामग्रीतेहनीए ॥ ५५ ॥ किरियाणांबऊलीधरे ॥ उदघोषणाहवे ॥ नगर मांहितेकरावतोए ॥ ५६ ॥ सारथवाहसूतधन्नरे ॥ तामलिप्तिजस्यें ॥ जावुं होइंतोसाथठेए ॥ ५७ ॥ जेहनेंजोईइंतासरे ॥ देस्येरिक्तस्यूं ॥ वस्त्रअन्नउपध सऊइंए ॥ ५८ ॥ सांसलीसूंस्यो लोकरे ॥ तामलिप्तीजवा ॥ धनसिरीचितहरषी घणूंए ॥ ५९ ॥ जास्येधनपरदेशरे ॥ तवरुमुंथस्ये ॥ स्वेछाइंअमेवीचरस्यूंए ॥ ॥ ६० ॥ गमनदिवसआसन्नरे ॥ आव्योतवसूएयुं ॥ नंदपणसाथेंजायस्येंए ॥ ॥ ६१ ॥ सूणोस्वामीपरदेशरे ॥ तूम्हेंतोजायस्यो ॥ मायाकरीधनवतीकहेए ॥ ॥ ६२ ॥ सिगतीथास्येमुझरे ॥ ऊंहवेस्यूंकरूं ॥ तवधनकूमरतेबोलीआए ॥ ६३ ॥ सासूसुसराशेवरे ॥ तूम्हेकरज्योइहां ॥ ऊंपणिवेहेलोआवस्यूए ॥ ६४ ॥ मा याजलसरीनयणरे ॥ बोलीधनसीरी ॥ गुरुजनमुझहृदयेंवसेए ॥ ६५ ॥ प णिमुझमुंकीजाउरे ॥ जोतुम्हेस्वामीजी ॥ तोऊंप्राणअवश्यतजुंए ॥ ६६ ॥ न हिमुझजीवनकांमरे ॥ तुम्हविजोगथी ॥ इंमकहीउच्चस्वरेंरूइंए ॥ ६७ ॥ आ वीजननीतांमरे ॥ धनकूमारनी ॥ आदरथीउसाथयाए ॥ ६८ ॥ धनसिरीग इनीजगमरे ॥ शिषामणदिइं ॥ सावबऊनोजाणीउए ॥ ६९ ॥ देशांतरहोय दिर्घरे ॥ संगमदोहिला ॥ सूलसविजोगतेनीपजेए ॥ ७० ॥ क्लेशघणोहोइंपु त्तरे ॥ अर्थउपार्जतां ॥ मुलविषादनुंएहछेए ॥ ७१ ॥ सकलगुणेसंपूर्णरे ॥ तूंछे यद्यपी ॥ तोपिणतूझनेंसाषीइंए ॥ ७२ ॥ पिमातेकरज्योनित्यरे ॥ खबरकहा वज्यो ॥ वाटजोउंछुंताहरीए ॥ ७३ ॥ मातप्रमाणनुझआंणिरे ॥ धनकूमरक हे ॥ आशीसदेज्योरूअडीए ॥ ७४ ॥ धनसिरीपीहरपाशरे ॥ मागीआगना

धनसाथेंमोकलाववाए ॥ ७५ ॥ धनसिरीहरषीतामरे ॥ सामग्रीकरी ॥ साथ
रीधेंसरपुरीउए ॥७६॥ बीजीचोथेथंम्मेरे ॥ ढालपदमेंकही॥ उत्तमविजयकृपा
यकीए ॥ ७७ ॥ दुहा ॥ साथसूंफ्योहवेसामटो ॥ पहोतोनीत्यप्रयाण ॥ ताम
लिप्तिनगरेंतूरत ॥ मासदोयपरिमांण ॥ ७८ ॥ नरपतीमलीउनेहस्युं ॥ राइंक
स्योसतकार ॥ वेचीसरवेवस्तुते ॥ पाम्योनईलीतपार ॥ ७७ ॥ चितेतवतेचि
त्तमां ॥ लह्योनइछितलाह ॥ जाउंघरिकिमजाणीनें ॥ अर्णवचढुंअथाह ॥
॥ ८०॥ लषमीथीसहुलोकमां ॥ आदरलहेअपार ॥ तेवीणजीवनतूछे ॥ चि
त्तइंमकरेविचार ॥ ८१ ॥ नंदनेंधनश्रीनारिस्यूं ॥ इंणपरिंकरीआलाप ॥ ना
हवावेलाजांणीनें ॥ उठेजबहवेआप ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ पुन्यप्रगटथयो ॥ एदे
शी ॥ इंणअवसरएकआवीउरे ॥ सूरीजन ॥ स्यकायरयसकाय ॥ पुण्यप्र
गटथयो ॥ दोयहाथनोपहिरिउरे ॥ सू० ॥ जिरणचिवरपाय ॥ ८३ ॥ पु० ॥
हाथघस्येंथयाउजलारे ॥ सू० ॥ मस्तकेंकमलाणीमाल ॥ पु० ॥ नषथीसरी
रविलूरीउरे ॥ सू० ॥ अधरतंबोलेंलाल ॥ ८४ ॥ पु० ॥ जुंवटिइंघणेंप्रेरीउरे॥
॥ सू० आव्योजुवटिउएक ॥ पु० ॥ जारणेंआव्योताहरेरे ॥ सू० ॥ राषितूध
रीयविवेक ॥ ८५ ॥ पु० ॥ एहजुआरीडखदिइरे ॥ सू० ॥ धनकहेसांस्तल
वात ॥ पु० ॥ तूकउपद्रवस्येकारणेंरे ॥ सू० ॥ कहेताहरोअवदात ॥ ८६ ॥
॥ पु० ॥ तेकहेनवीबोलीसकूंरे ॥ सू०॥ माहरूनीचचरीत ॥ पु०॥ धनकहेषे
दनकीजीइरे ॥सू०॥ नवीहोइंसमदशानीत्य ॥८७॥ पु० ॥ सहुकहोतूलवात
मीरे ॥ सू० ॥ तवजलसरीयांनयण ॥ पु० ॥ गद२वयणेंबोलीउरे ॥ सू० ॥
सांस्तलिरेतूंसयण ॥ ८८ ॥ पु० ॥ वांणीउनीजकुलफंसणोरे ॥ सू० ॥ सेवुंलो
कविरूध ॥ पु० ॥ पंम्तिजनबहुनिंदिउरे ॥ सू० ॥ नीत्यरहुंचित्तथीकुध ॥
॥ ८७ ॥ पु० ॥ महेसरदत्तमाहरूरे ॥ सू० ॥ नामकुसुमपुरवास ॥ पु० ॥
दोशनीधानजेजुवटुंरे ॥ शू० ॥ वर्जितपुण्यविलास ॥ ७० ॥ पु० ॥ तिणेंए
अवस्थापामीउरे ॥ सू० ॥ धनचिंतेअहोएह ॥ पु० ॥ आवेलापणिजाणतो
रे ॥ शू० ॥ निजअपराधअछेह ॥ ७१ ॥ पु० ॥ मोहटोपुरुषकोईएहछेरे ॥

॥ सू० ॥ चिंतवीबोलेंतांम ॥ पु० ॥ कहोस्यूंकरीइंतुह्मनेंरे ॥ सू० ॥ तवनवी
बोलेजाम ॥ ९२ ॥ पु० ॥ चिंतवेधनकांईहारीउंरे ॥ सू० ॥ मांगीसकेनही
तेण ॥ पु० ॥ इंमजांणीकहेनंदनेंरे ॥ सू० ॥ पुछेजईएहकोण ॥ ९३॥ पु०॥
बाहिरजुवटिआएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नंदेनीकलोपु
छीउंरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ ९४ ॥ पु० ॥ सोलसोनइआहारिउंरे॥
॥ सू० ॥ वचनेंअह्मस्यूंएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिछिद्रपामिनेंरे ॥ सू० ॥ आ
विपेठोईहांजेह ॥ ९५ ॥ पु० ॥ नंदेंकह्युंधनकुमरनेंरे ॥ सू० ॥ तवबोल्याते
कूमार ॥पु०॥ सोलसूवन्नआपोएहनेंरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥९६॥
॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसज्झरे ॥ सू० ॥ कुंअरसाषेतास ॥ पु० ॥ मुंकोविषाद
उठोतूम्हेरे ॥ सू० ॥ उद्यमकरोसूवीलास ॥ ९७ ॥ पु० ॥ षेदकरेनारीबज्झरे॥
सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधांन ॥ पु० ॥ उठोस्नानकरोतूह्मेरे ॥ सू० ॥ तवला
ज्योअसमांन ॥ ९८ ॥ पु० ॥ नाह्मोधनसाथेंहवेरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि
उताउ ॥ पु० सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ साषेवचनविलास ॥ ९९ ॥
॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिउाज्ञनसिरदार ॥ पु० ॥ द्रव्य
साधारणजांणिइरे ॥ सू० ॥ एहअर्थीरनिरधार ॥ १०० ॥ पु० ॥ एहमांथी
कांईलीजीइरे॥ सू० ॥ करोव्यवउायउपाय ॥ पु० ॥ बुधनिदितकिमकिजी
इरे ॥ सू० ॥ जेहथीथायअपाय ॥ १ ॥ पु० ॥ इहसवपरसवदूखदिइरे ॥
॥ सू० ॥ तुह्मपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपणछंडांमीइरे ॥ सू० ॥ सुणी
चिंतेहवेतेह ॥ २ ॥ पु० ॥ ऊअधन्यएपीलासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार
॥ पु० ॥ बोल्योकरीपरणामनेंरे ॥ सू०॥ धन्यमाहरोअवतार ॥ ३॥पु०॥ तुमद
रिउाणदिठुंजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतूमचीसीष ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगमोरे॥
॥ सू० ॥ कुंणमागेंनरसीष ॥ ४ ॥ पु० ॥ करूंहवेमुझकुलसारिषुंरे ॥ सू० ॥
मुंक्योअलछेंआज ॥ पु० ॥ तुमप्रसावेंसफलकरूंरे ॥ सू० ॥ तूम्हउपदेउाम
हाराज ॥ ५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेंमिलस्यूंअवउारेरे ॥ सू० ॥ सज्जनइंमजणाय ॥
॥ पु० ॥ ढालत्रीजीचोथाखंडनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥६ ॥ पु०॥

॥ दुहा ॥ महेश्वरदत्तचिंतेमनें ॥ लषमीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिनवीको करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसंपजे ॥ तरीइंसायरतेण ॥ अ घवाजमजोरोअ्रती ॥ षेरुकरेषणेण ॥ ८ ॥ धर्मकरुंतिणेंधसमसी ॥ उत्तय लोकसुखथाय ॥ सारथवाहसूतहरषस्ये ॥ सांसलीएसूखदाय ॥ ९ ॥ इंम चिंतीनेंआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीशरनामेंजिके ॥ तिणीपासेंव्रत सार ॥१०॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नंदनेंधनसिरीआगलेंरे ॥ साषेनीज असीप्रायरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नविकरीइंअंतरायरे॥ ॥११॥ सा० ॥ कर्मकरयांछुटेनहीरे ॥ तुमगनइछितकीजीइंरे ॥ अम्हेतूम्ह आणाकाररे ॥सा०॥ तवसवीसांभयल्यांहवेरे ॥ परतिरगांमीशाररे ॥ सा० ॥ ॥१२॥ क० ॥जिहाजगवेषीनेंसस्युंरे ॥ तवनंदनेंकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी इंआपणएहनेंरे ॥ जईइंबिजेठाररे ॥ सा० १३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीवा तमीरे ॥ बोल्योसज्जननंदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुंमतलाषजेरे ॥ एहतोसूरत रूकंदरे ॥ सा ॥ १४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणोरे ॥ तूम्हउपरिबहुरागरे॥ सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोंहिटोवमत्तागरे ॥ सा० ॥ १५ ॥ क० ॥ सूपनेंपणिमतचिंतवोरे ॥ एहनीविरूईवातरे ॥ सा० ॥ तवचिंतेतेसूंषणीरे ॥ एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्यूंरे ॥ एह नेंहुंनिजहाथरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीव्राजीकारे ॥ मेलकरयोतेसाथिरे ॥ ॥ सा० ॥ १७ ॥क०॥ दुःखपामीकालांतरेंरे ॥ मरणलहेएउपायरे ॥ सा० ॥ कामणयोगसिखितीहांरे ॥ हिणाअध्यवशायरे ॥ सा० ॥ १८ ॥ क० ॥ जि हाजतयारकरयुंहवइंरे ॥ सांभलयांतेअपाररे ॥ सा० ॥ रूमेलगनेंकरीनीक ल्यारे ॥ आव्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १९ ॥ क० ॥ शायरनीपुजाकरी रे ॥ दिधांदानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ बेठाधरीयविवेकरे॥ ॥ सा० ॥ २० ॥ क० ॥ नांगरहवइंउपमावीआंरें ॥ पुरयोसढपवणेणरे ॥ ॥ सा० ॥ चाल्युंवाहणवेगस्यूंरे ॥ वरणव्युंजाइंकेण ॥ सा० ॥ २१ ॥ क०॥ नक्रचक्रकछलघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीठरे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांवहुजा

तिनारे ॥ सऊइंनयणेंदिठरे ॥ सा० ॥ २२ ॥ क० ॥ कामणकिधुंइणिसमेरे
सापिणिपापणीनारिरे ॥ सा० ॥ थोमादिनमाहियमोरे ॥ रोगतणेंतेवीकाररे ॥
॥ सा० ॥ २३ ॥ क० ॥ कांयउपायकरयोनहीरे ॥ व्याध्योत्र्प्रतीघणव्याधी
रे ॥ सा० ॥ हाथसूकाजीमदोरमीरे ॥ जलोदरवधीउंत्र्प्रगाधरे ॥ सा० ॥ २४ ॥
॥ क० ॥ वदनसूजीथयुंतूंबमूरे ॥ जंघाउगलीजायरे ॥ सा० ॥ करपदफाटा
तेहनारे ॥ सोजनरुचीनवीथायरे ॥ सा० ॥ २५ ॥ क० ॥ तरषानीपीमाघणी
रे ॥ पेटमांनटकेनीररे ॥ सा० ॥ खेदकरीधनचिंतवेरे ॥ एहत्र्प्रकालेंपीररे ॥
॥ सा० ॥ २६ ॥ क० ॥ त्र्प्रथवापापविलाशनोरे ॥ कालतणोनहींनीमरे ॥
॥ सा० ॥ स्यूंकरीइंहणत्र्प्रवशरेरे ॥ कोईमिलेनहकीमरे ॥ सा० ॥ २७ ॥ क०
परिजनदूहवाइंघणोरे ॥ धनसिरीकरेउदवेगरे ॥ सा० ॥ मुखकमलायुंनंदनुंरे
करूंमपात्र्प्रतिवेगरे ॥ सा० ॥ २८ ॥ क० ॥ इमकरतांसऊडखधरेरे ॥ वली
कायरनुंएकामरे ॥ सा० ॥ षेदनकरवोत्र्प्रापदारे ॥ तिणेवलीचिंतेत्र्प्रामरे ॥
॥ सा० ॥ २९ ॥ क० ॥ एहउचीत्तठेमाहरेरे ॥ त्र्प्राव्युंएपरकूलरे ॥ सा० ॥
द्रव्यधणोकरूनंदनेंरे ॥ एहिवणांत्र्प्रनुंकुलरे ॥ सा० ॥ ३० ॥ क० ॥ विधी
विलासविचित्रठेरे ॥ निपजस्येकिस्यूंकालीरे ॥ सा० ॥ नंदतेमुझसाईसमो
रे ॥ सूपुंसऊइंसंसालिरे ॥ सा० ॥ ३१ ॥ क० ॥ धनसिरीसुपुंएहनेंरे ॥ पो
चामस्येंमुझगेहरे ॥ सा० ॥ चिंतवीनंदबोलावीउरे ॥ धणसिरीपणिससनेहरे ॥
॥ सा० ॥ ३२ ॥ क० ॥ नंदसूणोमुझवातमीरे ॥ म्हारीत्र्प्रवस्थाएहरे ॥ सा० ॥ ई
ठितकूलपणिढूकमुंरे ॥ जिवितविजलीरेहरे ॥ सा० ॥ ३३ ॥ क० ॥ त्र्प्रह्मस
रिषाजेरोगीत्र्प्रारे ॥ तेहनेंतोसूविसेसरे ॥ सा० ॥ द्रव्यनायकतुम्हेत्र्प्राजथीरे ॥ जो
ग्यनहीकोईसेशरे ॥ सा० ॥ ३४ ॥ क० ॥ एहत्र्प्रायरपारिउतरीरे ॥ कर
ज्योरोगउपायरे ॥ सा० ॥ जोजास्येतोरुत्र्प्रमुंरे ॥ जोकदीरोगनजायरे ॥
॥ सा० ॥ ३५ ॥ क० ॥ तोमुझसाईनास्नेहथीरे ॥ पोहचावज्योसऊठामिरे ॥
॥ सा० ॥ धनसिरिएपतीवठलारे ॥ तातनेंसूंपज्योतामरे ॥ सा० ॥ ३६ ॥ क० ॥
सूंदरीसूणोएनंदनेंरे ॥ टालीपापविकाररे ॥ सा० ॥ मुझपरिंजाणज्येएहनुंरे ॥

वयणनलोपज्येसाररे ॥ सा ॥ ३७ ॥ क० तेहसूणीबङ्कउखधरेरे ॥ रोयोमुं
कीपोकरे ॥ सा० ॥ ३८ ॥ धणसिरीपणिकपटेंरुइरे ॥ धनकहेनकरोशोक
रे ॥ सा० ॥ ३९ ॥ क० ॥ नहीअवशरएविषादनोरे ॥ अवसरउचितविचार
रे ॥ सा० ॥ क्वीवपर्णकीमआदरोरे ॥ आदरोपुरुषाकाररे ॥ सा० ॥ ४० ॥
॥ क० ॥ राजधानीरमणीरीदेंरे ॥ करतोजेनीतशोकरे ॥ सा० ॥ तेहतजोतू
म्हेंसूंदरीरे ॥ हवेविलवोमतफोकरे ॥ सा० ॥ ४१ ॥ क० ॥ पुरुषनारीतेहज
षरीरे ॥ जांणेंकालअकालरे ॥ सा० ॥ उद्यमेंआपदलंघीइरे ॥ पांमीइंऋद्धीवी
शालरे ॥ सा० ॥ ४२ ॥ क० ॥ धनशीक्षाअंगीकरीरे ॥ मांग्युंनंदएहरे ॥
॥ सा० ॥ महाकष्टाहधीपेंगयारे ॥ कुसलेषेंमेंतेहरे ॥ सा० ॥ ४३ ॥ क० ॥
चोथीचोथारवंमर्मारे ॥ साषीउत्तमढालरे ॥ सा० ॥ समरादीत्यनारासमारे ॥
पद्मकहेसूरशालरे ॥ सा० ॥ ४४ ॥ क० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नंदलेइहवेसेटर्णा ॥ आव्योनरपतीपाय ॥ राइंबङ्कआदरदिउ ॥ आ
प्योरहेवाठाय ॥ ४५ ॥ सांभ्रउतारव्यांसलीपरें ॥ वैद्यबोलाव्याकार ॥ औषधसे
षजआदरे ॥ किधाकोमीप्रकार ॥ ४६ ॥ व्याधीगयोनहीवेगलो ॥ तवचिंते
तिहानंद ॥ निजदेशेंपोहतावीना ॥ किमजाइंउरककंद ॥ ४७ ॥ कालक्षेपक
रवोनही ॥ इमचिंतवतोएह ॥ सांभ्रवेचीप्रतीसांभले ॥ जानपात्रसजेजेह ॥ ४८ ॥
सूपतीनेंमीलीउत्तलो ॥ तेपणिकरेसतकार ॥ निजदेशेंजावासणी ॥ तूरततेथ
यातयार ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ नदिजमुंनाकेतीरउमेदोयपंषीआरे ॥ उमे० ॥ एदे
शी ॥ वेगवाहणमांहिकेजलकौतूकजुइरेके ॥ जल० ॥ धननेंजीवतोदेषीके
धनसीरीमनरूइरेके ॥ धन० ॥ मरणलह्योनहीएहकेचित्तइमचिंतवेरेके ॥ चि
त० ॥ पोहताजवनिजदेशकेतवपछेकिमङवेरेके ॥ त० ॥ ५० ॥ जीवतोसा
लसमानकेएमुझनीतदहइरेके ॥ एमु० ॥ नाषुंसायरमांहिकेतोमनसूखलहेरे
के ॥ तो० ॥ उठेशोचनीमित्तकेरयणीइएजदारेके ॥ रय० ॥ अंधकारमांए
हकेनाषुंहुंतदारेके ॥ नांषुं० ॥ ५१ ॥ वाहणचपलस्वसावकेकिहांइंवहीजस्ये
रेके ॥ किहां० ॥ एपिणमाहरेनंदकेथीरसावेय्यस्येरेके ॥ थिर० ॥ चितवीए

हुउपायकेतिमनीपजावीउंरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहररहीसेषकेतबएहसा
धीउंरेके ॥ तब० ॥ ५२ ॥ कालयोमोरहीतामकेबुंबारवकरयोरेके ॥ बुंबा०॥
नंदउठीकहेइमकेस्वामीनीथरहरयोरेके ॥ स्वा० ॥ त्रापतीऊदयसडुखककेत्र
तीशयरोवतीरेके ॥ त्र० ॥ हात्रार्यपुत्रसणंतीकेधरणीइंसोवतीरेके ॥ धर०॥
॥ ५३ ॥ नंदशंकालहीजामकेधनशय्याजुइरेके ॥ धन० ॥ तवनवीदीठातेह
केपुठतोबहुरुइरेके ॥ पुठ०॥ कहेधणसीरीपरमादेकेंपमीत्राशायेररेकें ॥प०॥
पमवामामयुंनंदेकेंऊदयथीकायरेरेके ॥ ऊद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
धरीराष्योबहुपरेरेके ॥ रा० ॥ वाहणरषाव्युंतिणसमेपोलितेबहुकरीरेके ॥ पो
लि० ॥ प्रातसमेउपमावीत्रांनांगरडुखकधरीरेके ॥ नांग० ॥ सज्जननंदग्रमांन
केंकोईनुंनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ डुर्जनधनसीरीजोमिकेजगमांनवी
जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तथीहर्षउमाहकेवाहिरइमरमेरेके ॥ वा० ॥ हवेधन
कूमरतेजेहकेपमीत्राजेतलेरेके ॥ पमी० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहिल्यांहिकेंकांठेनीकल्योरेके ॥ कांठे० ॥
लवणनीरसेवनथीकेपेटमांपलसल्योरेके ॥ पेट० ॥ कांमणनीकल्यांतामके
पुण्यउदयथयोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुझकेइणिपरिमनसयोरेके ॥
॥ इणी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपनेंपासकेवेठोचिंतवेरेके ॥ वेठो० ॥ त्रहोएहमा
याबहुलकेस्यूंकरयुंकेतवेरेके ॥ स्यूंक० ॥ त्रहोनीरदयपणंनारिकेवयरके
हेवुंवहेरेके ॥ वय० ॥ त्रहोमुखिमीठीएहकेकुलपंपणजहेरेके ॥कुल०॥५८॥
॥ यतः ॥ त्रनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोभता ॥ त्रशौचंनिर्दयत्वंच ॥
स्त्रीणांदोषाःस्वभावजाः ॥१॥ जलमज्मेमछिपयं ॥ त्रागासेपपीत्राणपयपंती॥
महिलाहियायाणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासंती ॥ २॥ यतःसवैय ॥ कवहुं
विनीतामृडुवाचवदे ॥ कवहुंतिनसंकटुवाचकहे ॥ कवहुंमनरंगविरंगधरे ॥
कवहुजवीरागीनहुइरहे ॥ कवहुंइकबोलसहेनसलो ॥ कवहुंकटुबोलत्रनेक
सहे ॥ मुनीधन्नकहेजगदिशविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहे॥१॥ कवहुं
जपुसीविपुसीमनमें॥बहुभांतीकपटकरेतरुनी॥ कवहुजदयारउदारचितें॥ क

बङ्कलङ्कचित्तहोइंलरनी ॥ कबङ्कसबजानअजानहोवे ॥ कबङ्कदृगनीरझरेझ
रनी ॥ मुनीधन्नकहेजगदीशवीना ॥ कहोकोनलहेत्रीयकीकरनी ॥ २ ॥ ढा
लपूर्वनी ॥ कीधोएव्यवशायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो० ॥ अथवावि
वेकरहीतकेकारणस्यूंहस्येरेके ॥ कार० ॥ दोसनीवासनीमीत्तकेएसाहसत
णंरेके ॥ एसा०॥ कपटनीउतपतीएहकेषेत्रमृषासणंरेके ॥ षेत्र० ॥ ५९ ॥
उन्मारगनुंद्वारकेआपदगेहछेरेके ॥ आप० ॥ नरकसोपाननेस्वर्गनीअर्गलाए
हछेरेके ॥अर्ग०॥अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके॥कर०॥ हमणांउद्य
मसाह्यकेकरेमाहरूंसहीरेके ॥माह०॥६० ॥ वस्तुअतीतनीचिंतकेमुझनेनवी
घटेरेके ॥ मुझ० ॥ उछ्योइंमअवधारिकेचाल्योशायरतटेरेके ॥ चाल्यो ॥
इणिअवशरिशावछिकेनयरीनोधणीरेके ॥ नय० ॥सिंहलद्वीपेंजायकेदीकरी
तेहतणीरेके ॥ दिक० ॥ ६१ ॥ वाहणलागुंतासकेदाशीतेहनीरेके ॥ दासी ॥
मरणलहीतेचेटीकेकांतिघणदेहनीरेके ॥ कां० ॥ कांठेंकाढीकल्लोलेकेंदीठीति
णसमेरेके ॥ दीठी० ॥ रयणावलीतसछेहमेकेदिठंमनगमेरेके ॥दीठं०॥६२॥
तिलोकशारानामकेहारतणंसलूंरेके ॥ हार० ॥ लेवीघटेनहीमुझकेइंममन
अटकलूंरेके ॥ इंम० ॥ पणिइंणिव्यवशायकेकरीनेंआपस्यूंरेके ॥करी० ॥
वारंवारउद्देशोकेशूलपरिवथापस्यूंरेके ॥ शूल०॥ ६३॥ लीधीरयणावलीतेहके
चाल्योतवमल्योरेके ॥ चा० ॥ महेसरदत्तकपालिकेकूमरनेंअटकल्योरेके ॥
कूम० ॥ सायरकांठेमंत्रकेशाधनतेकरेरेके ॥ साध० ॥ रेसछवाहसूततूझ
केआववुंइणिपरेरेके ॥ आ० ॥ ६४ ॥ एहअवस्थातूझकेदेषीदुःखदिइंरेके॥
॥ दे० ॥ घरछिद्रनवीकछुइंमकेकुमरचिंतेहेइंरेके ॥ कु० ॥ कहेमुझलागुंजी
हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय० ॥ तिणेंइंअवस्थाइंमकेवलीतनुंरोगीउरे
के ॥ वली० ॥ ६५ ॥ कहेकापालीकतामकेएविधीवक्रछेरेके ॥ ए० ॥ चंच
ललषमीअनीत्यकेशंसारचक्रछेरेके ॥ सं० ॥ कलपवृक्षसमतूझकेआपदएह
वीरेके ॥ आ० ॥ तोपामरजनअन्यकेवाततेकेहवीरेके ॥ वा० ॥ ६६ ॥
पणिसूणिवातएमुझकेहृदयकठीनकरोरेके॥ हृ० ॥ इंणसमेसयणकेदूष्टनो

आवेपटंतरोरेके ॥ आ० ॥ साग्यतणीईमषवरकेनिःसंशयपभरेके ॥ निःसं ॥ अगरसुगंधनीषबरकेअनलेजवचढेरेके ॥ अन० ॥ ६७ ॥ ईमएहआपद जाणोकेबहुउपगारणीरेके ॥ बहु० ॥ पणिहवेथोमोकालकेतूझसहचारणीरे के ॥ तूझ० ॥ लक्षणताहरादेषिकेजाणिईंणिपरेरेके ॥ जाणी० ॥ साधारण तुझउखककेमुझसंपदपरेरेके ॥ मुझ०॥६८॥ तजीउंधणकणसंगकेस्युंतुझउ पगरुंरेके ॥ स्युं० ॥ पठितसीद्धदेउंमंत्रकेतूझनेंहीतकरुंरेके ॥ तूझ० ॥ तक्ष कजातीनासर्पकेतसपणिविषहरेरेके ॥ तस०॥ एपिणहोयकेमंत्रबहुनेंसुषक रेरेके ॥ बहु० ॥ ६९ ॥ चिंतेधनकुमारकेमुनीउपगारीओरेके ॥ मुनी० ॥ करीमुझनेंशूलदृष्टिकेमुझनेंतारीउरेके ॥ मुझ० ॥ कहोकेमलेउंमंत्रकेविण कांयउपगरेरेके ॥ वि० ॥ धनकहेमंत्रनादेवकेगृहीनेंउखककरेरेके ॥ गृ० ॥ ॥ ७० ॥ तवकापालीकबोलेकेनहीमंत्रआकरोरेके ॥ नही० ॥ धनकहेनही मुझकामकेमुझकिरपाकरोरेके ॥ मुझ० ॥ पांचमीचोथेखंभेकेढालएमनध रोरेके ॥ढाल०॥ पद्मकहेउपगारकेईणिपरेंसहुकरोरेके ॥ ईणि०॥७१ ॥दुहा॥ महेसरदत्तमनथकी ॥ चिंतेईमविचार ॥ ईणेमुझनेंनवीउलष्यो ॥ नलिईंतिणें निरधार ॥ ७२॥ ईमकहीप्रगटकह्युंईणें॥ सूणिसहुवाहसूजांण ॥ जुवटीउंमु झजाणजे ॥ पुरवएपहीचाण ॥ ७३ ॥ अवरविकल्पनआदरो ॥ मंत्रएल्यो महाराज ॥ नहितरपीमामुझघणी ॥ उपजस्येसूणिआज ॥ ७४ ॥ सघलुंते संसारीनें ॥ चितमांकरेविचार ॥ एहनेंपीमाउपजे ॥ तिणेंएलेउंतयार ॥ ७५॥ कुमरकहेकिरपाकरो ॥ तवदिधोतिणेंमंत ॥ लिधोतवलाजेंकरी ॥ गयातपव नएगंत ॥ ७६ ॥ खाधांफणसादिकखरां ॥ एकदिनरह्याउछाह ॥ प्रणमीवहु लेप्रेमस्यूं ॥ चाल्योनिजघरिचाह ॥ ७७ ॥ रतनावलीरापेगुपत ॥ जाईआ गलजांम ॥ सावत्रीनेंपरिसरें ॥ मारगपोहोतोताम ॥ ७८ ॥ ढाल ॥ लाछलदे मोरेप्राणीआ ॥ एदेशी ॥ विचारधवलतीहांराजीउ ॥ फाम्योतासखंमाररे॥ चो रेंचोरीकरतांथकां ॥ पकमलोकतिवाररे ॥ जोगीजंगमजाररे ॥ कमीकापमी नीरधाररे ॥ ल्यावेमंत्रीनेंद्वाररे ॥ ७९ ॥ कर्मनछूटेरेआतमा ॥ मंत्रितेहनीपरी

ष्याकरी ॥ मुंकीदीइंततकालरे ॥ धनतेसांसलीवातनें ॥ वलीउतिणहीजतालरे॥
चोकीपुरसइंनीहालरे ॥ जातांपकम्योसंसालरे ॥ उपनीमनमांतेफालरे ॥८०॥
॥ कर्म० ॥ कहेसद्दकिहांथीआव्यातूम्हे ॥ तवबोल्योतेहइंमरे ॥ सूसमनयर
थीआवीउ ॥ कहेकिहांजावानोप्रेमरे ॥ आगेंगयाऊंताजेमरे ॥ पाछाजास्यूं
घरितेमरे ॥ मुफपकमोतुम्हेकेमरे ॥ ८१ ॥ कर्म० ॥ रायविचारधवलघरे ॥
चोरीचोरेंतेंकीधरे ॥ तिणेंअमजोवानेंमुंकीआ॥ बिजांकामनिषेधरे ॥ अमनें
आणाएदिधरे ॥ तुम्हेतोपुण्यथीइद्धरे॥ पणिपकम्याइंणिविधरे॥८२॥कर्म०॥
मंत्रीपासेंचालोतूम्हे ॥ कोपनकरस्योनिजचित्तरे ॥ धनकहेदोषनम्हेंकरयो॥
ऊंस्येआवुंकहोमीत्तरे ॥ तवतेकहेकऊंहितरे ॥ अम्हेआणाकारीनितरे ॥ अव
इयजवानीछेरितीरे॥८३॥कर्म०॥ विणइछापणिचालीउ॥ दिठोमंत्रीइंतेहरे॥ पुछे
कीहांथीआव्यातूम्हे॥ पुरवनीपरेंएहरे॥ वातकहीसवीजेहरे ॥ मंत्रीकहेतूफदे
हरे॥संबलपासेंछेकेहरे ॥८४॥क०॥तवतेहलोसअज्ञानथी॥बोल्याविगरवीचार
रे॥मुफपासेंतोकांईनथी॥ मंत्रिसाषेतिवाररे॥कहेजेहोयजेनिरधाररे॥ धनकहे
नहीफेरफाररे ॥ जुठनोइहांनहीचाररे ॥ ८५॥क० ॥ मंत्रिसरकहेजाउसूखें॥
तवजातांघरबारिरे ॥ घोटकशालानेंघोमले ॥ ताएयुंवस्त्रजेशाररे॥ फाटुंतेहजी
वाररे ॥ मालापमीअतिवाररे ॥ समरीषीअणिधारिरे ॥ ८६ ॥ क० ॥ दीठोमं
त्रीइंतेतले ॥ लिधोरयणावलीहाररे ॥ उलषीमनमारेंचिंतवे ॥ राजधूआथयोमा
ररे ॥ पुछेहारअधीकाररे ॥ तवलज्जामनधारिरे ॥ बोलेधन्नकूमाररे॥८७॥क०॥
महाकमाहधीपेंगयो ॥ जिहाजेंबइंशीनेंजछरे ॥ लीधीरयणावलीमुलथी ॥ पा
छांवलतांमुफतछरे ॥ जिहाजसागुंगयोअछरे ॥ एकरयणावलीहछरे ॥ निक
ल्योआव्योऊंइछरे ॥ ८८ ॥ क० ॥ तुम्हेक्यारेलीधीमूलथी ॥ तवबोल्योधन
वाणिरे ॥ एकवरसमुफनेंथयुं ॥ मंत्रीचिंतेमूजाणरे ॥ लिधीआपणेंगुणषांणि
रे ॥ मासत्रणिथयाताणरे ॥ दिधीकूमरीनेंपाणिरे ॥ ८९ ॥ क० ॥ बेमासग
यांथयातेहनें ॥ एतोबोलेंछेइंमरे ॥ वातकहोएहकिममले ॥ बोलेजुठुंएनेमरे ॥
कुमरोमारीएणेएमरे॥कह्युंनृपनेंथयुंजेमरे॥नृपक्रोधेंथयोसैमरे ॥ ९० ॥क०॥

रयणावलीजोईसूपती॥तेम्ह्योसंभारीजांमरे॥तिणेंकह्युंएहतेआपणी॥चिंतेसूपउ
द्दामरे॥मारीकुमरीनेंगमरे॥नहीतोएकीमआमरे॥क्रोधघणोथयोतामरे॥
पणिन्याईअतीरामरे॥ ए१॥ क०॥ वारें २ पुगावीउं॥ पणिनवीकहेफेर
फाररे॥तेहनोतेहउत्तरदिशं॥चढिउक्रोधअपाररे॥ हुकमकरयोवधत्याररे॥
झिझिमवाजेअसाररे॥ चोपमीकामिसहाररे॥ ए२॥ कर्म०॥ लोकजणावण
कारणें॥ साथेंराषीतेमालरे॥ वधथानिकलेईजायतां॥ हाटिसेरीसूवीशालरे॥
मालतेमांसनीहालरे॥ लावकपंषीतिणतालरे॥हारलेईचाल्योततकालरे॥ए३॥
॥कर्म०॥निजमालामांमालाधरी॥ हवेधनकुमरमशाणरे॥ लाव्यातिहांवध
कारणे॥बोलाव्योतिहांपाणरे॥चंमालपासेसमसाणरे॥राजपुरुषेंजमराणरे॥ सूं
पीवलीआतेंगाणरे॥ए४॥ कर्म०॥ थोमीसूमोतेलेईगयो॥ जोयुंनासनीहालरे॥
एहवुंरुपनेंआकृती॥ दिशेपुंण्यवीशालरे॥ करेनअकारजबालरे॥ किमभा
रूंअकालरे॥ इंणिपरेंचिंतेचंमालरे॥ ए५॥ कर्म०॥ अथवाआणाकारीअ
ले॥ इमविचारेस्यूंथायरे॥कहेसाईबेसितूंसमीपरे॥ हवेतूंकआवीउंआयरे॥
सांसलिवाततूंसायरे॥ मुझश्रावकमीत्रथायरे॥ तासंसंगतीसूखदायरे॥
॥ए६॥ क०॥ क्रूरदृष्टीनहीमाहरी॥ पणिचाकरथयारायरे॥ तिणेंअम्हेवि
नव्योरायनें॥ मारीइंजेहनेंजायरे॥शुभपरिणामीजोथायरे॥ तोसदगतीमाहि
जायरे॥ तिणेंमारस्यूंपमषायरे॥ ए७॥ क०॥ एकमुहूर्त्तपमखीकरी॥ प
छेंकरस्यूंतूम्हआणरे॥ राइपशायअम्हनेंकरयो॥ तिणेंतुंबोलिसूजाणरे॥ क
हेतेकरीइंविन्नाणरे॥ धनचिंतेअहोपाणरे॥ किणीपरेंबोलेछेवाणिरे॥ ए८॥
क०॥चोथेषंमेढाळीकही॥ इंणिपरेंउत्तमढालरे॥ पद्मविजयेंसोहामणी॥ उत्त
मविजयनोबालरे॥ उत्तमजननोएढालरे॥ सांसलोवातरशालरे॥ सूणतांमं
गलमालरे॥ एए॥ क०॥ ॥ ७॥ ॥ ७॥
॥ दुहा॥ चिंतेधनइंमचित्तमां॥ परउपगारीपाण॥ अनुंकंपाजुउआकरी॥
संगतीफलअसमाण॥ २०॥ सज्जनसंगतिसेवीइं॥ कूमतीमोहकरेदूर॥ नि
तीवीवेकनवनवहोइं॥ पुण्यतणोहोयपुर॥ १॥ श्रावकनीशंगेसरवर॥

किमएकर्मचंमाल ॥ जातिचंमालएजाणीइं ॥ केहवुंदरीसअकाल ॥ २ ॥ निशासोह्वेनांषीने ॥ बोलेइंणीपरेंबोल ॥ रायत्रासनकरितूंसुखें ॥ करवुंनही कांईतोल ॥ ३ ॥ धीरजदेखीधनतणुं ॥ परषीपुरुषप्रसाव ॥ निरअपरा धीनरअछे ॥ पणिमारणप्रस्ताव ॥४॥ चतुरचंमालगदगदचवे ॥ आंसूभेंसरीआं षि ॥ इष्टदेवआंसारीइं ॥ षेदतेडारिंनाषि ॥ ५ ॥ धरजेध्यांनतुंधरमनुं ॥ सनमु खकरजेसग्ग ॥ धनचिंतेधिगमाहरो ॥ जनमगयोइणिजग्ग ॥६॥ जमजीहा सरिषीजुउ ॥ काढीइंणिकरवाल ॥ वाहीनिजकरइसीवली ॥ वचनकहेविक राल ॥ ७ ॥ ढाल ॥ नणदलबिंदलीघें ॥ एदेशी ॥ सूणज्योसङ्गलोकावांणी ॥ रायकुमरीवंचीइंणिप्रांणीहो ॥ सूणज्योसङ्गलोका ॥ तिलोकसारारयणमाला अपहरीइंणिथईउजमालाहो ॥ ८ ॥ सूणज्योसङ्गलोका ॥ तिणेएहतेमास्योजा इ ॥ इमजेकरस्येतसथायहो ॥ सू० ॥ वाहिइंमकहीकरवाल ॥ करुणाशून्य सावविशालहो ॥ ए ॥ सू० ॥ नवीलागोतेहप्रहार ॥ पम्योप्रथवीउपरित्यार हो ॥ सू० ॥ करवालत्रुटिततकाल ॥ धनकूमरकहेसूरसालहो ॥ १० ॥ सू० करिआणितुंसूपतीकेरी ॥ तूंचाकरस्यूंकङ्कफेरीहो ॥ सु० ॥ नकरीसकुंतूंमप रघाय ॥ चंमालकहेसूणिसायहो ॥ ११ ॥ सू० ॥ कांयककरुंतूमउपगार ॥ तूंमुखथीसाषिप्रकारहो ॥ सू० ॥ इंणअवशररायनोपुत्र ॥ सूमंगलराषेघरसू त्रहो ॥ १२ ॥ सू० ॥ गयोतेहउद्यानमकारि ॥ अहिमसीउकेरअपारहो ॥ सू० व्याप्यूंतेसघलेअंग ॥ थयोकाष्टपरेंतसरंगहो ॥ १३ ॥ सू० ॥ आण्योतेनरप तीपासें ॥ गारुमीबोलाव्याउल्लासेंहो ॥ सू० ॥ आव्यातेदेषीतास ॥ गारुमीथ यासर्वनिरासहो ॥ १४ ॥ सू० ॥ मंत्रउषधकीधांतेणें ॥ पणिगुणनथयोकां यइंणेंहो ॥ सू० ॥ राजालहीषेदवीचारे ॥ अचिंत्यशाकतीनीरधारेंहो ॥ १५ ॥ सू० ॥ सिद्धगारुममंत्रकोहोय ॥ आवीजीवाभेकोयहो ॥ सू० ॥ इंणिपरेंदंमी मवजमावे ॥ कोईआवीकुमरजीवावेहो ॥ १६ ॥ सू० ॥ तेजेमांगेतेदिजें ॥ त्रिकचोकचाचरेवदीजेंहो ॥ सू० ॥ एकदंमीमफिरतोआयो ॥ जिहांधनव धकेरोगयोहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ सूणयोसब्दतेधनकुमारे ॥ कोईराजकुमरउ

गोरेहो ॥ सू० ॥ तेहनेंमांगेतेआपे ॥ वलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८ ॥
॥ सू० ॥ कहेधनचंमालनेंइम ॥ तुफआग्रहछेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुफ
किजेंकांम ॥ रायसूतसूमंगलनामहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ करम्योजेएहनेंसाप॥
जईजीवाफुंकुंआपहो ॥ सू० ॥ पछेमारज्योइमसुंणीहरष्यो ॥ चंमालचित्तेंम
नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसूतजीवाफे ॥ तसनृपतीकीमदूःखप
मामेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपक्षपाती ॥ दाक्षीण्यसायरनहीघातीहो ॥सू॥
॥ २१ ॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमइणिपरेंमरणलहेहहो ॥ सु० ॥ ते
पफहवादकनेंतेम्यो ॥ कह्योसर्ववृत्तांतरहीनेफोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए
हसाचुंकेम ॥ तवधनबोल्याधरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ छेमंत्रतोजालीमजोर ॥ पछे
साग्यफलेंइणेंगोरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमांनवीआपणंचाले ॥ पणिजोउंए
मंत्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ इमसांभलीसहूइविचारे ॥ अहोगीरुउनिरहंकारेहो॥
॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्चयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेंलेईआवेहो ॥ सू० ॥
सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेषीइंणीपरेंसावेंहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ परद्रव्यलीइं
कीमएह ॥ आकृतीसौसाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ करस्यूंपछेंवातविचार ॥ वि
षमागतीविषनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवंतोनरपतीबोले ॥ सद्मस्तकतूम
चेंषोलेंहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुंकोविषवाद ॥ जुउमंत्रशकतीअवीवादहो ॥
॥२७॥सू०॥ संसारेमंत्रसूजाण ॥ चिंतामणीमंत्रसमाणहो ॥सू०॥ निद्रामांथी
जीमजागे ॥ तिमबेठोथयोनृपसागेहो ॥२८॥सू० ॥ जसवादथयोगामि २ ॥
नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खंमचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्म
विजयसूरशालहो ॥ २९ ॥सू० ॥ डुहा ॥ राइंकंदोरोदिउ ॥ अंतेउरेंआसरण
॥ वरसेंतिहांवारुपरें ॥ कोईकूंमलदीइंकर्ण ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे
एस्यूंइंणिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीइंस्योउपकार ॥ ३१ ॥ कहे
चंमालतेकिजीइं ॥ धनबोलेईमधन्न ॥ चिंतेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ
गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरे ॥ एहनेपुठूंआम ॥ पुछिसअथवाळूंप
छे ॥ करीएहनुंकांम ॥ ३३ ॥ पुछेकहेपफीहारनें ॥ कहोखपताहरेकांय ॥

पमीहोरेजईपुठीजं ॥ रेतूक्तूठेराय ॥ ३४ ॥ जिवाम्योनृपसूतजिणे ॥ तुठो
अथवातेह ॥ खंगीलतूंखांतिकरी ॥ मागिवुठाठेमेह ॥ ३५ ॥ ढाल ॥ वारी
मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खं.गेलचिंतेखांतिस्यूंहोराजि ॥ महापुरुषकोइएह॥
वारीमोरासाहिबा ॥ कामथयुंनररायनुंहोराजि॥ दिसेठेनिःसंदेह॥२६॥ वा ०
पुठेकीमएजीविञ्चाहोराजि ॥ तवबोलेप्रतिहार ॥वा ० ॥ एहमांस्योशंदेहठेहो
राजि ॥ कांयकमांगउदार ॥ ३७ ॥ वा ० ॥ बोल्योखंगीलहरषतोहोराज ॥
जोमुक्तूठेराय ॥ वा ० ॥ तोएपापञ्चाजीवीकाहोराज ॥ उत्तयलोकदूखदा
य ॥ ३८ ॥ वा ० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोल्योतवप्रतिहार ॥ वा ० ॥
स्युंमांग्युंएतेइहांहोराज ॥ मागितूंद्रव्यविचार ॥ वा ० ॥ ३९ ॥ खंगिलकहे
एउपरेंहोराज ॥ नहीकोईजगमांसार ॥ वा ० ॥ सांसलीजईकह्युंरायनेहोराज
राइकिधविचार ॥ वा ० ॥ ४० ॥ अहोविवेकञ्चलोसताहोराज ॥ धनकहे
जातीचंमाल ॥ वा ० ॥ कर्मचंमालनएहठेहोराज ॥ कहेतेकरोसूपाल ॥४१॥
॥ वा ० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाथ ॥ वा ० ॥ लाषसोव
नञापोतुम्हेंहोराज ॥ तूम्हेञमचाथयानाथ ॥ ४२ ॥ वा ० ॥ सहसचंमा
लकुटंबजिकेहोराज ॥ विंझवासीवलीजेह ॥ वा ० ॥ पाटणपठोमबाहिरेंहो
राज ॥ अग्रगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा ० ॥ सङ्घतेनीपजावोउंहोराज ॥ राय
नेंवचनेंथाय॥वा ०॥कांममनेंदेवताकरेहोराज॥सेठतेधनखरचाय॥४४॥वा ०॥
खंगीलहरष्योचित्तथीहोराज॥उगरयाधनकुमार॥वा ०॥तेहवोधनेंहरष्योनही
होराज॥ सज्जनएहञाचार॥ ४५॥वा ० ॥रायकहेधननेंहवेहोराज॥देषीतूम्ह
चरीत्त॥वा ०॥जाण्योजनमसलेकुलेंहोराज॥ पणिसाषोसुपवीत्त॥४६॥वा ०॥
किहांनावासीनांमस्यूंहोराज॥साषोउलषुंञाज॥वा ०॥ तबधनचित्तमांचितवे
होराज ॥ आणीञतीघणीलाज ॥ ४७ ॥ वा ० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
ज ॥ लीधीतेसांसरीतांम ॥ वा ० ॥ निश्वासोनांषीघणोहोराज ॥ चिंतेउत्तम
कूलञाम ॥ ४८ ॥ वा ० ॥ धनकहेस्यूंपुठोतूम्हेहोराज ॥ माहराकुलनीवात
॥ वा ० ॥ महाञकार्यम्हेंकस्युंहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥वा ०॥४९॥ अ

थवाकुलनोदोषस्योहोराज ॥ कमलेंतेलषमीनीवाश ॥ वा०॥ तिहांपणिकोमो
उपजेहोराज ॥ पालकहरीकुलषास ॥ ५० ॥ वा० ॥ जातीमात्रेंकुंवाणीउंहो
राज ॥ पणिवाणिकनआचार ॥ वा० ॥ सूसमनयरवासीवलीहोराज ॥ नाम
तेधनकुमार ॥ ५१ ॥ वा० ॥ रायचिंतेधनकुंथयोहोराज ॥ एहवारतननोना
श ॥ वा० ॥ नकरस्योम्हेंतिणेंकारणेंहोराज ॥ हवेकहेसूपतितास ॥ ५२ ॥
॥ वा० ॥ किस्यूंप्रकारयआचर्युंहोराज ॥ तेपरमारथताषि ॥ वा० ॥ किम
रयणावलीपामीआहोराज ॥ ईंणअवशरिसकुसाषि ॥ ५३ ॥ वा० ॥ उद्या
नपालीकानामथीहोराज ॥ मनोरमाअस्तीराम ॥वा०॥ अरजकहेतूमचीधूआ
होराज ॥ आवीवीनयवतीनांम ॥ ५४ ॥ वा० ॥ वातसूणीहरष्योघणहोरा
ज ॥ सेनालेईचतूरंग ॥ वा० ॥ पेशारामोहछवकरेहोराज ॥ वाध्योअतीउछ
रंग ॥ ५५ ॥ वा० ॥ घरिलावीनेंपुछीउंहोराज ॥ रयणावलीअवदात ॥
साकहेजीहाजमांचालतांहोराज ॥ प्रचंडवायरावात ॥ ५६ ॥ वा० ॥
दासीकरेम्हेंआपीउंहोराज ॥ रयणावलीतवहार ॥ वा० ॥ तिणीईवां
ध्योछेडलेहोराज ॥ सायरमध्यमझारि ॥ ५७ ॥ वा० ॥ फुटुंजिहाजती
णेंसमेहोराज ॥ गुझहृदयजिमनारि ॥ वा० ॥ दैवयोगेंएकपाटिउंहोराज ॥
पाम्युंजीवदातार ॥ ५८ ॥ वा० ॥ अनुंक्रमेंआवीकुंईहांहोराज ॥ तवचिंतें
सूपाल ॥ वा० ॥ उछवउपरेंआवीउहोराज ॥ उछवएसूरसाल ॥ ५९ ॥ वा०॥
पुत्रपुत्रीजीव्यांजुउंहोराज ॥ कूंअरगयोअपराध॥ वा०॥ पुण्यवसेंआवीमि
लेहोराज ॥ पामेसूखअगाध ॥ ६० ॥ वा० ॥ चोथेखंडेएकहीहोराज ॥ अ
चरीजआठमीढाल ॥ वा० ॥ श्रीगुरुउत्तमनोकहेहोराज ॥ पद्मतेवातरशाल
॥ ६१ ॥ वा० ॥ दुहा० ॥ रायकहेधणकूमरनें ॥ परिकहोएखांति ॥ लिधी
किहांरयणावली ॥ साषोतेसलीसांति ॥ ६२ ॥ सायरतिरेंम्हेंसही ॥ धनकहे
म्हेंलीध ॥ नृपकहेशवदिठुंकनें ॥ कुंअरेंहातवकीध ॥६३॥ तेहजकारणआ
तमा ॥ कछुंअकार्यंकरनार ॥ पारकोद्रव्यमेंअपहरयो ॥ शोचकरुंसंसार ॥
॥६४॥ नपलेएहगृहस्थनें ॥ मनथीमुंकोषेद ॥ हवेस्यूंकरीईंतूम्हने ॥ साषोते

हनोसेद ॥ ६५ ॥ मनवंछीतदिधुंमनें ॥ करयुंचंम्पालनुंकाम ॥ नृपकहेथोमाए
हनें ॥ दिधाछेत्रमेंदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥ एहनोबऊउपगार ॥
मांगितूंकांयकमुझकनें ॥ तवबोल्योंतेकुमार ॥ ६७ ॥ तुमदरीशणपाम्योती
के ॥ अधीकुंकांयनअन्य ॥ राजातवनीजआसरण ॥ आपतबऊअगन्य ॥
॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीऊइं ॥ तेहपुरुषसंघात ॥ नयरसूसमसणीनरपती ॥
पेसवीआपख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हेपिलांपीतांबरपहेरोजीमुखनेमरक
लमें ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोताजी॥कर्मविटंबण॥ गिरीथलपाटणस
महोताजी ॥ कर्म० ॥ तिहांचंम्पसेननररायजी ॥ क० ॥ तेहनासंम्पारमांथी
चोरीथायजी ॥ क० ॥ ७० ॥ षोलेकोंटवालतेचोरजी ॥ क० ॥ त्रिकचोक
एकांतवलीगोरजी ॥ क० ॥ कम्पीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क० ॥ परि
ष्याकरीदीइंस्याबासीजी ॥ क० ॥ ७१ ॥ रायपुरुषेंपकम्याएहजी ॥ क०॥
कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क० ॥ चोरीथइरायसंम्पारजी ॥ क० ॥ तिणेंप
कम्याछइंनीरधारजी ॥ क० ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क० ॥
कहोतिहांजइइंदाषोमागजी ॥ क० ॥ पंचातियाइंतिहांलावेजी ॥ क० ॥ चो
वटिआपुछेसावेंजी ॥ क० ॥७३॥ किहांथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क० ॥ आ
व्यासावछीथीआंईजी ॥ क० ॥ पंचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क० ॥ कहेसू
समनयरभ्रमठावोजी ॥ ७४ ॥ क० ॥ पंचोलीकहेस्यूंकांमजी ॥ क० तव
तेनरबोल्याआमजी ॥ क० ॥ एकुमरनेंमुकवाकाजजी ॥ क० ॥ अमनरप
तीमोकल्यासाजजी ॥ क० ॥ ७५ ॥ कारणिआपुछेतासजी ॥ क० ॥ द्रव्य
कांयअछेतूम्हपासजी ॥ क० ॥ तवतेकहेछेअम्हपासेंजी ॥ क० ॥ कारणी
आकहेसूवीलासेंजी ॥ क० ॥ ७६ ॥ अह्मदेषाम्पेहोयजेहजी ॥ क० ॥ त
वदेषाम्पेहोयतेहजी ॥ क० ॥ अह्मराजाइंतूसीनेंदीधांजी ॥ क० ॥ तवकार
णीइंकरलीधांजी॥क० ७७॥ संम्पारीइंउलष्यांतेहजी॥क०॥ अम्हरायआसू
षणएहजी ॥ क० ॥ गयांकालबऊथयाएहनेंजी ॥ क० ॥ कोसनाथईतव
सऊकेहनेंजी ॥ क० ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरि २ पुछेजी ॥ क० ॥ षरीवा

तकहोएस्यूंछेजी ॥ क० ॥ तेकहेषोटुंनवीकहीइंजी ॥ क० ॥ एहमांस्योज
सअम्हेलहीइंजी ॥ क० ॥ ७ए ॥ तवकारणिआनीजरायजी ॥ क० ॥ संत
लावेनृपदूखथायजी ॥ क० ॥ जुउसावक्षीनररायजी ॥ क० ॥ एचो
रनाथांगुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घाट्यासकुवंदीषानेंजी ॥ क० ॥ सघलूंज
मस्येएब्यानेजी ॥ क० ॥ तिहांदूखपामेंरहेतेहजी ॥ क० ॥ इंणिसमेएकसू
णोथईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीव्राजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप
कफेनृपआणाकारीजी ॥ क० ॥ चोस्युंतेद्रव्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति
समइंलाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिंगधारीमंत्रीसरदेषीजी ॥ क० ॥ म
नचिंतेसर्वउवेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिंगधारीजी ॥ क० ॥ स्यूंनकरेअ
कार्यअवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणआणाजी ॥ क० ॥ करता
रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क० ॥ मिसगेरूविंसूतिलगाईजी ॥ क० ॥ कणयरमाला
पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ त्रुटूंसूपमुंछनेंगामजी ॥ क० ॥ रासभवेसाड्यो
वामजी ॥ क० ॥ झिमिमवाजेअतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांभलीआवेस
रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिशनयरनेंबाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही
कोईएहनीवाहरेंजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईआमुं
अवलूंपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुंजोईजी ॥ क० ॥ कहेमु
नीवचअलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणांपणिजेहनुंद्रव्यजी ॥ क० ॥ तेहनुं
छंआपुंसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ स्तुंप्रथवीमांस्येलेषेजी ॥ क० ॥ नृपनरस
नमुखतेहदेषेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युंएहजी ॥ क० ॥ विजेपुरुषेंनही
रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ आरामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ प्रमुखेंदाट्युंथईधी
रजी ॥ क० ॥ तेलेईसकुसकुनुंआपोजी ॥ क० ॥ पछेमारवामुकनेंथापोजी ॥
॥ क० ॥ ८ए ॥ कहीतेहमंत्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मंत्रिपणतिहांआयातजी
॥ क० ॥ जेजेकह्युंतेतेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥
॥ ए० ॥ सकुहरव्याद्रव्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोरंपणेअसीरामीजी ॥ क० ॥
ढालनवमीपदमेंसाषीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयछेसाषीजी ॥ क० ॥ ए१ ॥

॥ दुहा ॥ दीठोसरवेद्रव्यते ॥ विणआसर्णनरदेव ॥ चिंतामंत्रीचित्तथई ॥ कुण विपरीतएहेव ॥ ए२ ॥ कीमआसरणबिजाकनें ॥ सबलोएसंदेह ॥ परिव्राजकनेंपायपडी ॥ तूरतजपुछेतेह ॥ ए३ ॥ वेसस्यसावविरूधकिम ॥ विस्मयकारीवात ॥ परिव्राजकबोल्योपछें ॥ वेगेंनीजअवदात ॥ए४॥ विषयीनेंकहोस्युंविरूध ॥ मंत्रीबोलेताम ॥ नहोईज्ञानीजेनरा ॥ करेतेएहवांकाम ॥ ए५॥ पणितूम्मसरिषापुरुषनें ॥ नघटेएहनीदान ॥ अवीतथमुझनेंआषीई ॥ महेरकरीमहेरवांन ॥ ए६ ॥ सावधांनथईनेंसुणो ॥ परीव्राजककहेप्रेम ॥ आप्योअवधिज्ञानीई ॥ मुलथकीतेनेम ॥ ए७ ॥ ढाल ॥ लालरंगावोवरनांमोलीआं॥ एदेशी ॥ इणईसरतेंपुंमरदेशमां ॥ पुंमरवरधनपुरनयरीनामरे ॥ सोमदेवनांमेंब्राह्मणवसे ॥ अग्नीवेशायणगोत्रअसीरामरे ॥ ए८ ॥ कस्याकर्मनछुटेप्राणीआ ॥ एआंकणी ॥ तसपुत्रनारायणनामछुं ॥ हिंसाईसरगतेंसाधुंरे ॥ एकचोरनेंमारवालेईजतां ॥ मारोचोरएछुंमुखिदाधुंरे ॥ एए ॥ क० ॥ एकसाधूईतेवचसांसल्यूं ॥ ताजुंउपनुंअवधीज्ञानरे ॥ तेढुकमेंथीसूणीबोलीआ ॥ अहोकष्टजेजीवनेंअज्ञानरे ॥२००॥ क० ॥ सूंणीचिंतामुझनेंउपनी ॥ अहोसांतस्वरूपीएहरे ॥ मुझउदेशीईमसाषीउ ॥ जईपुछूंकारणतेहरे ॥ १ ॥ क०॥ म्हेंपायपमीनेंपुछीउं ॥ सगवन्नकहोस्यूंअन्नाणरे ॥ तवमुनीकहेआलजेदेयवुं ॥ वलीविरुद्धउपदेशदाणरे ॥ २ ॥ क० ॥ म्हेंपुछयुंआलकिस्यूंकहो॥ वलीवीरुधस्योउपदेशरे ॥ मुनीकहेएकर्मवीपाकथी ॥ लह्योनरआपदसुवीशेषरे ॥ ३ ॥ क० ॥ एनिरअपराधीपुरुषनें ॥ तुम्हेंचोरकहीनेंदाष्युंरे ॥ एअछतुंआलपीमाकरे ॥ एहवुंबोलवुंनवीसाष्युंरे ॥ ४ ॥ क० ॥ अछतुंआलतोनवीदीजाइ ॥ पणिचोरनेंचोरनकहीईरे ॥ वलिजीवघातेस्वर्गबोलतां ॥ विरुधउपदेशपणिलहिईरे ॥ ५ ॥ क० ॥ सघलेदर्शनमांसाषीउ ॥ जिवघातनकीजेंप्राणीरे ॥ सुखसोभाग्यवलीआरोगता ॥ जनमांतरेहोईसुखषांणीरे ॥६॥ ॥ क० ॥ यतः ॥ सवेविजीवाइछंती ॥ जिवीउंनमरीज्जिउं ॥ तम्मापाणवहंघोरं ॥ निग्गंथावज्जयंतिणं ॥ १ ॥ आयुर्दीर्घतरंवपुर्वरतरंगोत्रंगरीयस्तरं ॥ वि

त्तंसूरितरंबलंबज्ञतरंस्वामीत्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यंविगतांतरंत्रिजगतीश्लाघ्य
त्वमस्येतरं ॥ संसारांबुनिधिकरोतिसुतरंचेतःकृपार्द्रांतरं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥
जनमांतरेआलजेदिधलूं ॥ तेहनुंफलछेहजीओसरे ॥ तेसोगववुंथोमाकालमां॥
आवस्येजदइंसुविशेसरे ॥ ७ ॥ क० ॥ तवपुछ्युंम्हेंप्रसूकेहवुं ॥ जनमांतरे
दीधूंआलरे ॥ केहवुंतसफलमेंसोगव्यूं ॥ मुनीवरबोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥
॥ क० ॥ इंणसरतेंउत्तरापंथमां ॥ पाटणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा
रुवतिहां ॥ रहुआसारयाअसीरामरे ॥ ए ॥ क० ॥ पांचमेंसवेंतेहनोसुतह
तो ॥ चंद्रदेवताहरुंअसीधानरे ॥ शास्त्रसांसल्यांवेदपढावीउ ॥ तुफनेंउपनो
अतीमानरे ॥ १० ॥ क० ॥ विरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी
आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंबेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥
इमकरतांएकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीधूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअछे ॥
तेहनासीलआचारतेजुआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकबज्ञलहोयनारीनें ॥ व
लीदूर्जयमोहवषाण्योरे ॥ जौवनतेविकारनुंघरअछे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन
पिछाण्योरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलाषयोग्यविषयकह्या ॥ नवीचार्योअना
गतकालरे ॥ सीहलनांमेंमालीसमागमें ॥ रमतांबज्ञकाढतीकालरे ॥ १४ ॥ क० ॥
विरमतीनोपुज्यएकजांणीइं ॥ पालेनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो
गातमा ॥ निःसंगपणंवलीधारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ थाएशरगयोएकदिनहवे॥
लोकवादथयोइमचावोरे ॥ जोगातमारय़ूंविरमतिवशी ॥ तेसांसल्योएहआ
रावोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्चयकरीराषीउं ॥ एकदिनराजकुलेंथइवा
तरे ॥ सज्ञलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकह्युंएषरुंअवदातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए
हवातज्ञजाणंतुंषरी ॥ एहमांनहीकांयसंदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकह्युं॥
तवरायकहेसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकस्योइंणि ॥ तव
उत्तरतेंइंमदिधोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीखोलतां ॥ पापंमपणोतिणेंलीधोरे ॥ १ए ॥
॥ क० ॥ एहमांकांयधरमनजाणज्यो ॥ इंमसूणीकेईपाम्याअधर्मेरे ॥ सज्ञ
परीव्राजकेंपणिसांसली ॥ काढ्योटोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ बज्ञपा

म्योविटंबणालोकमां ॥ तुझकर्मनिविमबंधाणंरे ॥ इंमजांणीआलनदिजीइं ॥ जेहथीलहेनरकनुंठाणंरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएचोथारवंमनी ॥ सांषीइंम ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुंणतांहोशे॥ श्रोतांघरिमंगलमालरे॥२२॥क०॥ ॥ दुहा ॥ आउषयेहवेजपनो ॥ आरंभकरीअनेक ॥ मायाबहूलकरमवशें ॥ धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोल्लागसन्नीवेशेकह्यो ॥ एलगनोअवतार ॥ कालगयोतसकेतलो ॥ आव्यांकर्मअपार ॥ २४ ॥ जिससमीवेदनजमी ॥ आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ जपनोकर्मअनंत ॥ २५ ॥ इंण हीजगामनीअटवीइं ॥ फिरतांतूंफलखाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥ खेंखेंक रेनखवाय ॥ २६ ॥ अनुंक्रमेंमरणतेआवीउ ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥ साकेतपु रस्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥ पुत्रपणें प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्लभनीरमाय ॥ २८ ॥ ढालरागमारु णी ॥ श्रीसीमंधरसाहिबआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥ एकदिनमदिरापीधीकर्म दोषेंकरीरे॥ मदिरामत्तथयोतेह॥ आईरे॥ आईरे॥ नृपमाईआक्रोसतोरे॥ २९॥ वातसूणीनृपपुत्रेंतसवास्योघणुंरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस॥करतोरे२॥धरतोनृप नेंक्रोधमांरे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसछेदावीनृपवरेरे ॥ मदजतस्योतवतूझ॥ वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउरे ॥३१॥ अणसणकीधुंमासएकनुंतेंत दारे ॥ जपनोमाहणअत्र ॥ तिहांथीरे २॥ किहांथीकर्मछूटेकरयांरे ॥ ३२ ॥ वचनमुंनीनांसांभलीसंवेगजपनोरे॥ वलीपुछ्युंम्हेंतास॥शेषरे २ ॥ कहोविशे षस्यूंआवस्येरे॥३३॥ ज्ञानीगुरुतवबोल्याकुरुणाआणिनेंरे॥ महाविटंबणाथाय ॥लोकरे॥लोकरे॥थोकथोकतुझदेषस्येरे॥३४॥ मुनीवयणेंजुबिहनोदीक्षाआदरी रे॥ गुरुमरणांतमुझ ॥ आपीरे २॥ थापीबेवीयासलीरे ॥३५॥ गगनगामीनीता लुग्घाटणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासलिवात ॥ धर्मेरे २ ॥ करमहोयतोफोरवे रे ॥ ३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ मीठुं रे २ ॥ जुठुंकदियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ क रज्येतुंएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणजाणीतोहांरे ॥ ३८ ॥ उंचीबांहिंन

यणग्रनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसग्राठवार ॥ जपजेरे २॥खपजेपातीक
आपणरे ॥३९॥ हवेएकदिनडुंजुतुंबोल्योपापथीरे॥ इहपरलोकविरुध॥कि
धूरे २॥ सोधूंग्रवलूंमाहरेरे ॥४०॥ कालिसंध्याइंवसतीपासग्रारामर्मारे॥बकु
लवृक्षनेंहेठ ॥ बेठोरे २ ॥ हेठोतीहांजुतुंलव्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युंबोल्या
जुठुंतेकहोरे ॥ तवबोल्योतीहांग्राय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीटोलेमलीरे ॥
॥ ४२ ॥ जलग्रवगाहनकरीनेंत्रुटेकेशथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ ग्रावीरे २॥
मनसावीमुक्यनेंकहेरे ॥ ४३ ॥ हेसुगवनजोवनवयतूमचीदेषीइंरे ॥ सारविष
यसंचार ॥ लोकेरे २ ॥ थोकेंसडुसेव्याषरारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकि
मळांम्यांतुम्हेरे ॥ डुक्करव्रतकरोकेम ॥ स्वामीरे २ ॥ कामीवयणकह्यांघणां
रे ॥ ४५ ॥ हासीगर्सितवयणसूणीनेंम्हेंतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहि
रे २ ॥ मोहिडुंइंमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ दिरघनीश्वासोनाषीम्हेंसाषीउरे ॥ तेह
कालनेंजोग्य ॥ साधुरे २ ॥ दाषुंग्रलीकजाणीकरीरे ॥ ४७॥ मनमाहरु
महीलावीरहेसंतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइंम ॥ साषीरे२ ॥ गुरुहाषीविधीनवी
करीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिडुंचोरीकरवानीसर्योरे॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्यारेंरे
२॥त्यारेंडुंपकडाईउरे ॥ ४९ ॥ सागरसेठनाघरथीएद्रव्यलिधलोरे ॥ जाण्यो
नरसंचार ॥सणतोरे२॥गणतोपणिनिःफलथईरे ॥ ५० ॥तवनासंतापकम्योतू
म्हदर्शनरेरे॥ वातकहीरह्योमौन ॥ तेहनेंरे२॥नेहग्राणीमंत्रीसणेरे॥ ५१॥चो
थेषंडेढालग्रग्यारमीएकहीरे॥सूणतांमंगलमाल॥ थायरे२॥इंणिपरेंगायपदम
मुनीरे ॥५२॥ डुहा॥ सूणोएकदिननोसंहर्यो ॥ ग्रलंकारनरराय ॥ दिशनही
कहोकिणदिशा॥ ग्रमनेंग्रचरीजथाय॥५३॥परिव्राजककहेग्रापीजे॥सावत्थी
सीरदार॥ मंत्रिकहेस्यानिमीत्तथी॥तवकहेतासवीचार॥ ५४ ॥सावत्थीनगरी
वसे॥जीवथीग्रधिकोजाणी॥मित्रगंधर्वदत्तनांमथी॥माहरोतेमनग्राणि॥५५॥
इंद्रदत्तसेठनीधूग्रा॥ कंन्यानामकहंत॥ वासवदत्तावेगस्यूं॥ तातग्रन्यनेंदित
॥५६॥ पगरणमांम्युंपरणवा॥ तवमाहरोतीहांमीत्त॥ कन्याविणकरीइंकिस्यूं॥
चिंतवतोइंमचित्त॥५७॥ मरवुंग्रंतेएवीना ॥ ग्रपहरुंचिंतीइंम ॥ ग्रपहरीपर

म्योविटंबणालोकमां ॥ तुफकर्मनिविमबंधाणंरे ॥ इंमजांणीआलनदिजोइ ॥ जेहथीलहेनरकनुंगांणंरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएचोथारवंमनी ॥ साषीइंम ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुंणतांहोइ॥ श्रोतांघरिमंगलमालरे॥२२॥क०॥ ॥ दुहा ॥ आउषयेहवेउपनो ॥ आरंसकरीअनेक ॥ मायाबजलकरमवर्श्रो ॥ धरमआराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोल्लागसन्नीवेशेकह्यो ॥ एलगनोअबतार ॥ कालगयोतसकेतलो ॥ आव्यांकर्मअपार ॥ २४ ॥ जिससमीवेदनजमी ॥ आयुनोथयोअंत ॥ मरीसीआलतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मअनंत ॥ २५ ॥ इंण हीजगामनीअटवीइं ॥ फिरतांतूंफलखाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥ खेंखेंक रेनरववाय ॥ २६ ॥ अनुंक्रमेंमरणतेआवीउ ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥ साकेतपु रस्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥ पुत्रपणें प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्लसनीरमाय ॥ २८ ॥ ढालरागमारु णी ॥ श्रीसीमंधरसाहिबआगेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥ एकदिनमदिरापीधीकर्म दोषेंकरीरे॥मदिरामत्तथयोतेह॥आईरे॥आईरे॥नृपमाईआक्रोसतोरे॥२७॥ वातसूणीनृपपुत्रेंतसवास्योघणंरे ॥ तेहनेपणिआक्रोस॥करतोरे२॥धरतोनृप नेंक्रोधमांरे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसछेदावीनृपवरेंरे ॥ मदउतस्योतवतूफ॥ वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजअवदातेंलाजीउरे ॥३१॥ अणसणकीधुंमासएकनुंतेंत दारे ॥ उपनोमाहणअत्र ॥ तिहांथीरे २॥ किहांथीकर्मछूटेकरयांरे ॥ ३२ ॥ वचनमुंनीनांसांसलीसंवेगउपनोरे॥ वलीपुछ्युंम्हेंतास॥शेषरे २ ॥ कहोविशे षस्यूआवस्येरे॥३३॥ज्ञानीगुरुतवबोल्याकुरुणाआणिनेरे॥महाविटंबणाथाय ॥लोकरे॥लोकरे॥थोकथोकतुफदेषस्येरे॥३४॥मुनीवयणेंजबिहनोदीक्षाआदरी रे॥ गुरुमरणांतिमुफ ॥ आपीरे २॥ थापीबेवीयासलीरे ॥३५॥ गगनगामीनीता लुग्घामणीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासलिवात ॥ धर्मेरे २ ॥ करमहोयतोफोरवे रे ॥ ३६ ॥ विषयअसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ मीतुं रे २ ॥ जुठुंकदियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ कं रज्येतुंएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणजाणीतीहांरे ॥ ३८ ॥ उंचीबांहिंन

यणअनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसअाठवार ॥ जपजेरे २॥खपजेपातीक आपणरे ॥३ए॥ हवेएकदिनकुजुतुंबोल्योपापथीरे॥ इहपरलोकविरुध॥ कि धूरे २॥ सीधूंअवलूंमाहरेरे ॥४०॥ कालिसंध्याइंवसतीपासआराममांरे॥ बकु लदृक्षनेंहेठ ॥ वेठोरे २ ॥ हेठोतीहांजुतुंलव्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युंबोल्या जुतुंतेकहोरे ॥ तवबोल्योतीहांआय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीठोलेमलीरे ॥ ॥ ४२ ॥ जलअवगाहनकरीनेंतुठेकेशथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ आवीरे २॥ मनसावीमुक्तनेंकहेरे ॥ ४३ ॥ हेसगवनजोवनवयतूमचीदेषीइंरे ॥ सारविष यसंसार ॥ लोकेरे २ ॥ थोकेंसकुसेव्याषरारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकि मगमक्यांतुम्हेरे ॥ दुक्करव्रतकरोकेम ॥ स्वामीरे २ ॥ कामीवयणकह्यांघणां रे ॥ ४५ ॥ हासीगर्भितवयणसूणीनेंम्हेंतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहि रे २ ॥ मोहिकुइंमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ दिरघनीश्वासोनाषीम्हेंसाषीउरे ॥ तेह कालनेंजोग्य ॥ साधुरे २ ॥ दाधुंअलीकजाणीकरीरे ॥ ४७॥ मनमाहरु महीलावीरहेसंतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइंम ॥ साषीरे २ ॥ गुरुदाषीविधीनवी करीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिकुंचोरीकरवानीसरयोरे ॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्यांरेरे २॥त्यारेंकुंपकड्याईउरे ॥ ४ए ॥ सागरसेठनाघरथीएद्रव्यलिधलोरे ॥ जाण्यो नरसंचार ॥ सणतोरे २॥गणतोपणिनिःफलथइरे ॥ ५० ॥तवनासंतांपकम्योतू म्हदूर्इरनरेंरे॥ वातकहीरहोमौन ॥ तेहनेरे २॥नेहआणीमंत्रीसणेरे॥ ५१॥ चो थेषंडेढालअग्यारमीएकहीरे॥ सूणतांमंगलमाल॥ थायरे २॥इंणिपरेंगायपदम मुनीरे ॥५२॥ दुहा॥ सूणोएकदिननोसंहरयो ॥ अलंकारनरराय ॥ दिशेनही कहोकिणदिशा॥ अमनेंअचरीजथाय॥५३॥परिव्राजककहेआपीउ॥सावत्थी सीरदार॥ मंत्रिकहेस्यानिमीत्तथी॥ तवकहेतासवीचार॥ ५४ ॥सावत्थीनगरी वसे ॥जीवथीअधिकोजाणी॥मित्रगंधर्वदत्तनांमथी॥माहरोतेमनआणि॥५५॥ इंद्रदत्तसेठनीधूआ॥ कंन्यानामकहंत॥ वासवदत्तावेगस्यूं॥ तातअन्यनेंदित ॥५६॥ पगरणमांम्युंपरणवा॥ तवमाहरोतीहांमीत्त॥ कन्याविणकरीइंकिस्यूं॥ चितवतोइंमचित्त ॥५७॥ मरवुंअंतेएवीना॥ अपहरुंचितीइंम ॥ अपहरीपर

एयोआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ ५८ ॥ रुसीकन्याअपहरी ॥ करेएहवुंक
होकेम ॥ इंमचिंतीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥ ५९ ॥ जिवोकनामेंमी
त्रजे ॥ तेहनेंसाथेंताम ॥ आव्योमुक्तपासेंअधीक ॥ डाधरतोआम ॥ ६० ॥
॥ ढाल ॥ धणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युंतेमीत्रनेंरे ॥ आव्यातूम्हेस्येंहेत ॥
मननामान्या ॥ वातसवेधुरथीकहीरे ॥ सांभलीतेसंकेत ॥ ६१ ॥ मन० ॥आ
वो २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥मन०॥ एआंकणी॥
तेहनाडःखनेंकापवारे ॥ दियोनृपअलंकार ॥ म० ॥ जिविकनेंतिहांमोक
ल्योरे ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलंकारनेंरे ॥ भूपतीप
रशन्नथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे ॥ हेतधरीनरराय ॥ म० ॥६३॥
उछवमोछवलावीआरे ॥ गंधर्वदत्तपुरमांहि ॥ म० ॥ मातपीतावलीसयणनेंरे॥
मिलियाधरीउछाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारे ॥ भागोडखविछोह
॥ म० ॥ मंत्रिकहेरुमुंकर्युरे ॥ एतूम्हगुणसंदोह ॥ म० ॥ ६५ ॥ मंत्रिकहे
मीत्रवछूरे ॥ तूम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म० ॥ चिंतेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥ तेअपरा
धीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुंक्यासहुधनप्रमुखनेंरे ॥ परीव्राजकनेंइंम ॥
॥ म० ॥ कहेमंत्रीतूम्हेपालवुंरे ॥ आपविवेकसमनेंम॥ म० ॥ ६७॥ परिव्रा
जकनेंविसर्जिउरे ॥हवेधनकुमरेंतांम ॥ म०॥ विसर्ज्यासावछीइरे ॥ आपचा
ल्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ वयरागनयरआव्यायदारे ॥ कापमीमोलीया
ताम॥ म० ॥ तेहमांपोतेचालीआरे ॥ सायरतिरनेंगांम ॥ म० ॥ ६९ ॥ जुथ
घणंगजराजनुंरे ॥ उठ्युंतेमारणधाय ॥ म० ॥ कापमीसहुदिशोदिशगयारे॥
धनपुंठेंगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ पकम्योधनपाम्योधरारे ॥ मार्योनहीदै
वयोग ॥ म० ॥ उछाल्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म० ॥ ७१ ॥
दंतुसलेभम्पुंहवेरे ॥ इणिअवसरिवमएक ॥ म० ॥ तसशाषापम्तांथकारे ॥
आलंब्योधरीटेक ॥ म० ॥ ७२ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ अन्यमतंग
जआय॥ म०॥ पीमाकरीतिणेंरोवतीरे ॥ सांभलिगयोतिहांधाय ॥म०॥ ७३॥
वमशिषरेंचढ्योधनहवइरे ॥ देषेतिहांएकतीम ॥ म० ॥ लावकमुंकीरयणाव

लीरे ॥ देषीगईतसपीन ॥ म० ॥ ७४ ॥ उलषीनेंलीधीतिणेंरे ॥ मनचिंतेइंमंध न्न ॥ म० ॥ आपुंजईनृपनेंमुदारे ॥ सावल्लीगुणसमन्न ॥ म० ॥ ७५ ॥ पछेजा स्यूंनिजथानिकेंरे ॥ उतरयोतिहांथीतेंह ॥ म० ॥ चाल्योसावल्लीलणीरे ॥ इं णिंअवसरजुउएह ॥ म० ॥ ७६ ॥ चाकरनरगयाजेहतारें ॥ तिणेंकह्योअव दात ॥ म० ॥ रायकोप्योतेउपरिंरे ॥ अधविचमेहलीआयात ॥ म० ॥७७॥ तेहनोदंमतूह्मएकरयोरे ॥ धनकुमरलेईसाथ ॥ म० ॥ पेसज्योमाहरानयरमां रे ॥ सांसलीतेगयोशाथ ॥ म० ॥ ७८ ॥ षोलेंधन्नकुमारनेंरे ॥ प्रियमेलकइं णिनांम ॥ म० ॥ सारथवाहसूतनीरषीउरे ॥ मिलीआसकुतिणेंठांम ॥ म० ॥ ॥ ७९ ॥ वातकहीसाथेंथयारे ॥ मिलीआहवेसूपाल ॥ म० ॥ राजाहरष्योहि यमलेरे ॥ कह्योवृत्तांतरसाल ॥ म० ॥ ८० ॥ देषामीरयणावलीरे ॥ विस्मी तमननरराय ॥ म० ॥ कर्मपरीणामविचित्रतारे ॥ चिंतवीकरेसूपसाय ॥ म० ॥ ८१ ॥ एआपीम्हेंतुह्मनेंरे ॥ मकरीसप्रार्थनासंग ॥ म० ॥ अथवाराज्यए ताहरुंरे ॥ तूह्मगुणनिरमलगंग ॥ म० ॥ ८२ ॥ साथकरीहवेमोटिकोरे ॥ आ प्यांरयणमणीसार ॥ म० ॥ आसूषणवलीबहूदीआंरे ॥ वाणीगवेसउदार ॥ ८३ ॥ म० ॥ सूसमनयरेंमोकल्यारे ॥ मिलीआमायनेंताय ॥ म० ॥ साह मोपुरजननिकल्योरे ॥ मातपीतापम्योपाय ॥ म० ॥ ८४ ॥ पेशारामहोछव करयोरे ॥ दिधांवलीमहादांन ॥ म० ॥ सर्वचैत्येंपूजाकरीरे ॥ आव्यानीजघ रठांन ॥ म० ॥ ८५ ॥ चोथेखंमेवारमीरे ॥ समरादित्यनेरास ॥ म० ॥ सूंदर पद्मविजयकहीरे ॥ सूणतांसुखसूविलास ॥ म० ॥ ८६ ॥ दुहा ॥ ए कांतेंइणअवसरें ॥ पुछेमातपीताय ॥ कहोतुम्हतरुणीकिहांगई ॥ तवसापेसू णोताय ॥ ८७ ॥ सर्ववातसूंपीजदा ॥ मातपिताकहेताम ॥ अनुंचितएतुमस्यूं अछे ॥ इणस्यूंनहीअम्हकांम ॥ ८८ ॥ कलपवृक्षकौअचिकिहां ॥ तिणेंमुं कोसंताप ॥ कहेधनकुमरएकेहवो ॥ इणअवसरआलाप ॥ ८९ ॥ मातपि तामहीमाकरे ॥ धनदेवजकूनीधन्न ॥ मानंतानीजआतमा ॥ स्नेहीमिलीसज न्न ॥ ९० ॥ नयरबाहीरतेयक्षनी ॥ पुजाकरीप्रमांण ॥ मित्रस्यूंगयाप्रमोद

स्यूं ॥ नामसिद्धउद्यान ॥ ए १॥ढाल॥ हरणीजवचरेलालनां ॥ एदेशी ॥ तिहां
अशोकतरुतले ॥लालनां॥ ललाहो॥ बहुमुनीनेंपरिवार॥ एगुरुवांरुरेलालनां॥
अठारसहससीलांगना ॥ ला० ॥ ल० ॥ धोरीतेअणगार॥ एगुरु० ॥ ए२ ॥
कोशलदेशनोनरपती ॥ ला० ॥ ल० ॥ विनयंधरनरराय ॥ एगु० ॥ तेहना
सूतजशोधरगुणी ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरममचित्तसदाय ॥ एगु० ॥ ए३ ॥ पं
चसूमतेंसूमतारहे ॥ ला० ॥ ल० ॥ गुप्तइंद्रीनिग्रंथ ॥ एगु० ॥ गुप्तब्र
ह्मचारीअकिंचनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधंताशिवपंथ ॥ एगु० ॥ ए४ ॥ श्रम
णसीहदेषीकरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ हैयडेहरषनमाय ॥ एगु० ॥ धरमेंमनतस
उल्लस्यूं ॥ ला० ॥ ल० ॥ चिंतवेइमनिरमाय ॥ एगु० ॥ ए५ ॥ अहो २ रुप
अहोचरी ॥ ला० ल० ॥ अहोलावण्यविलास ॥ एगु० ॥ अहोसौम्यताअ
होउपमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोजौवनसूप्रकाश ॥ एगु० ॥ ए६ ॥ अनंग
विजयअहोएहनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोअहोनिरहंकार ॥ एगु० ॥ अहोदे
षवाजोग्यएहछे ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोसेववाजोग्यसार ॥ एगु० ॥ए७॥ पा
सेंजईकरीवंदना ॥ ला० ॥ ल० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु० ॥ धर्मलाभमु
नीवरदिउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ बेठागुरुनेंपाय ॥ एगु० ॥ ए८ ॥ करकज
जोडीपुछतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमउपनोनिरवेद ॥ एगु० ॥ रुपमनोभवसा
रीषुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु० ॥ एए ॥ किमदिक्षाप्र
सूआदरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ एगु० ॥ एसंशारअशारमां
॥ ला० ॥ ल० ॥ निरवेदस्योपुछाय ॥ एगु० ॥ ४०० ॥ धनकहेगुरुजी
साचलुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ एहतोसहुनेंसमान ॥ एगु० ॥ पुछुंविसेषकारणतिणें
॥ ला० ॥ ल० ॥ भाषोभगवान ॥ एगु० ॥ १ ॥ मुनीकहेमाहरुंचरीत्रजे ॥
॥ ला० ॥ ल० ॥ तेनीरवेदनुंहेत ॥ एगु० ॥ धनकहेप्रभूअनुग्रहकरो ॥ ला०॥
॥ ल० ॥ कहेवेएसंकेत ॥ एगु० ॥ २ ॥ तवजशोधरमुनीचिंतवे ॥ ला० ॥
॥ल०॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु० ॥ पामेवैराग्यकदापीजो ॥ ला० ॥ ल०॥
लाभुंनोजअधीकार ॥ एगु० ॥३॥ सूरिकहेतूंसांभले ॥ ला० ॥ ल० ॥ एक

मनांसावधांन ॥ एगु० ॥ इहांहीजविशालापुरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमरदत्त
राजान ॥४॥ एगु० ॥ सूरेंद्रदत्तनांमेंकुंहतो ॥ला०॥ल०॥ मातजशोथराजाणि
॥ एगु० ॥ नयणावलीमुक्तसारया ॥ ला० ॥ ल०॥ नवमेसवेंसुप्रमाण॥एगु०॥
॥ ५ ॥ तातेंचारीत्रआदरयुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ राज्यसारमुक्थापि ॥ एगु० ॥
कुंपणिसमकीतपांमीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ अंतरआतमव्यापि ॥ एगु० ॥ ६ ॥
नयणावलीस्यूंमोहीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पालूंराज्यमहंत ॥ एगु० ॥ पलितक
लेंदूतआवीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ धर्मरायनोतंत ॥ एगु० ॥ ७ ॥ नयणावलीनी
दासीइं ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारसीआइणनांम ॥ एगु० ॥ दाषव्योदेषीचिंतवें ॥
॥ ला० ॥ ल० ॥ पुद्गलनोपरीणांम ॥ एगु० ॥ ८ ॥ अहो २ चपलतालोक
नी ॥ ला० ॥ ल० ॥ मनुंष्यपणुंएअसार ॥ ए० ॥ अहो २ मोहपरासवें ॥
॥ ला० ॥ ल० ॥ सारनकांयसंसार ॥ एगु० ॥ ९॥ आउनीरउलेचता ॥ला०॥
॥ ल० ॥ रातिदिवसघडिमाल ॥ एगु० ॥ चंद्रमासूरजवलदिआ ॥ ला० ॥ ल०
फेरवेअरहटकाल ॥ १० ॥ एगु० ॥ तिणेंहवइंपरमादेंशयुं ॥ ला० ॥ ल० ॥
लेउंचारीत्रउदार ॥ एगु० ॥ नयणांवलीनिजनारीनें ॥ ला० ॥ ल० ॥ संभला
व्योएविचार ॥ एगु० ॥ ११॥ नयणांवलीकहेसांभलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ जेतू
म्हनेंमनसाय ॥ एगु० ॥ पणतुमसाथेंआदरुं ॥ ला० ॥ ल०॥ श्रमणपणुंसू
खदाय ॥ एगु० ॥१२॥ मेंचिंत्युंजुउकेतलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुक्तउपरिअनु
राग ॥ एगु० ॥ अहोविवेकएहनोजुउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ चित्तअनूजाइअ
थाग ॥ एगु० ॥ १३ ॥ संविभागीसूखदुखमां ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोएकप
लीएह ॥ एगु० ॥ अहोछेदेमुक्चालती ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुक्तउपरिघणनेह ॥
॥ एगु० ॥ १४ ॥ चोथेखंडेतेरमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ साषीपदमेंढाल ॥ एगु०
गुरुकहेआगलिसांभलो ॥ ला०॥ ल० ॥ माहरीवातरशाल ॥ एगु० ॥ १५ ॥
॥ दुहा ॥ अर्कअनुंक्रमेंआथम्यो ॥ म्हेंचिंत्युंमनमांहि ॥ एवमीआपदएहनी ॥
अमसमस्योउग्रह ॥ १६ ॥ सोममंडलहवेसंचरयो ॥ दिपकभुवनउद्योत ॥
वासभुवनवेगेंसज्यूं ॥ जिहांमणीरयणनीज्योति ॥ १७ ॥ कस्तुरीकर्दमकरी॥

सितिलगाईसार ॥ प्रवरतलाईपाथरी ॥ सय्याकरयोसिणगार ॥ १८ ॥ कुसु
मदामवरलटकती ॥ धूमघटाथईधूप ॥ मयणपूजीनेंमाननी ॥ चित्तथीकरी
अतीचुंप ॥ १९ ॥ वासभुवनमांवेगथी ॥ आव्योअवनीपाल ॥ पल्यंकेबेठो
प्रगट ॥ काढ्योकांयककाल ॥ २० ॥ राणीनोपरीवारजे ॥ निकलीगयोनीजथान ॥ राणीसूतीरंगस्यूं ॥ नरपतीमनशुभध्यांन ॥२१ ॥ मनमांइणीपरेंमा
नतो ॥ सर्वअंगनवुंसेल ॥ पणिराणीपरीणामथी ॥ छंनाइकीमछयल ॥ २२ ॥
॥ ढाल ॥ एहनीगतीएहजजाणें ॥ रषेकोईसंदेहआणेरे ॥ एदेशी ॥ तुम्हेजो
ज्योनारीचरीत्ररे ॥ जेहनांछेचरीत्रविचीत्ररे ॥ एआंकणी ॥ सूतोनरपतीजा
णीनें ॥ उठीनयणावलीरांणीरे ॥ मुंकीढोलीउत्तरीहेठी ॥ भूपतीचमक्योजा
णीरे ॥ २३ ॥ तुमे० ॥ संकासहीतद्वारउघाडी ॥ निकलीरमझमकरतीरे ॥
म्हेंचित्युंमुक्तीरहनीकायर ॥ रषेजइनेंमरतीरे ॥ २४ ॥ तुमे० ॥ नीकल
वानीआवेलानही ॥ लेइकरकरवालरे ॥ इमचिंतीनीकलीउपुंठें ॥ गइजीहांप्रा
शादपालरे ॥२५॥ तुमे० ॥ तेकुब्जकउठाड्योकरथी ॥ तवम्हेंचित्युंइमरे ॥ ए
हनेंसंलावीनेंमरस्यें ॥ नहीतोउठावेकेमरे ॥ २६ ॥ तुमे० ॥ घुमतेनयनेकु
बजउठ्यो ॥ पुछेकिमइणिवेलारे ॥ आवीआजतदामेंचित्यूं ॥ आजकह्युंकिम
हेलारे ॥ २७ ॥ तुमे० ॥ अथवाआजउचीतनहीवेला ॥ तिणेंकारणइमबोले
रे ॥ पणिसांसलूंएहनोहवेउत्तर ॥ स्योमनमांथीखोलेरे ॥ २८ ॥ तुमे० ॥
राणीकहेनृपधातवीषमछे ॥ मोमासूतारायरे ॥ तिणेंएतलीवेलाथईमुझनें ॥
जाणज्योएअंतरायरे ॥ २६ ॥ तुमे० ॥ एतलेकुबजेंदेवीस्यूंरे ॥ आलिंगना
दिकदिधांरे ॥ चुंबननेंविषयसीतकारादिक ॥ सङ्गपारं२कीधांरे ॥ २९ ॥ तुमे० ॥
कोधानलसंधूकणमाहरुं ॥ विषयसेवनइणेंमाम्युंरे ॥ अविवेकपवनथकी
मुझलागो ॥ खड्गतेम्यांनथीकाढ्युंरे ॥ ३१ ॥ तूमे० ॥ वलिमुझचिंताइम
थई ॥ जिणेंजित्यावङ्काराजानरे ॥ तोकुसीलणीदेवीकुबजए ॥ छेसारमेयसमा
नरे ॥ ३२ ॥ तूमे० ॥ अहोअहोनारीचरीत्रनें ॥ जुउमुझकिणीपरेंसाषेरे ॥
आचरणाकेहवीछेएहनी ॥ एवमुंकपटतेदाषेरे ॥ ३३ ॥ तूमे० ॥ यतः ॥ अ

न्यंमनुष्यंहृदयेनीधाय ॥ अन्यंनरंदृष्टीसिराह्वयंती ॥ अन्यस्यदत्वावचनाव
कास ॥ मन्येनसार्द्धरमयंतीरामा ॥ १ ॥ जलमछेमछीपयं ॥ आगासेपंषीआ
णपयपंती ॥ महिलाहियाणमग्गो ॥ तिन्निवीवीरलापयंपंती ॥ २ ॥ दुहो ॥
स्त्रीभाहिंसवीवंकमी ॥ केणपतीजेतास ॥ माथेघमोचढायकरी ॥ पछेदिइंगल
पास ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बालकालथीसोगवीनें ॥ सूतपणिएहनोकालिरे ॥ रा
ज्यबेशारवोमाहरे ॥ तिणेंहलकाईसूपालरे ॥ ३४ ॥ तूमे० ॥ अविवेकबहुल
नारीहोइं ॥ एहमांअचरीजकांयनांहीरे ॥ आदरवुंचारीत्रनें ॥ अंतरायथाइं
तेमांहीरे ॥ ३५ ॥ तूमे०॥ भाइंजोतांसरीतापरे ॥ कांयनीचगामीहोइंनारीरे ॥
एहनुंवचनमानेंजेकोई ॥ तेहनामुरखउपरिध्वारीरे ॥ ३६ ॥ तूमे० ॥ यतः ॥
॥ सवइउ ॥ कामीनीकीवातमानेंताकेमोरेधूरज्यूं ॥ कपटनीपटबोलेहियाकी
नबातषोले ॥ मनथेंउठायकरकहेसबकुरज्यूं ॥ जैसोहीपतंगरंगतेसोहीत्रिया
कोसंगविछुरतबारनांहीजैसोनदीपुरज्यूं ॥ कहेकवीमुनीचंदसुणोहोसजन्न
जन्न॥कामिनीकीवातमांनेंताकेमोरेधूरज्यूं॥१॥ पूर्वढाल॥ अविवेकबहुलना
रीतणंएछे ॥ वलीकुमरतणीहलकाइरे ॥ विघनवलीचारीत्रमांहोस्ये ॥ नरप
तीइंमचित्तमांलाईरे ॥ ३७ ॥ तू० ॥ मारवुंनघटेमुझनेंएइंम ॥ वाल्योनीज
परीणामरे ॥ म्यानकरीकरवालनेंआव्यो॥ नीजसज्झाइंतवठांमरे॥ ३८॥ तू०
उतरयुंचित्तराणीथकी ॥ वलीवाध्योधर्मव्यापाररे ॥ शज्झाइंबेठोचितवें ॥ अ
होनारीशिरेंधिकाररे ॥ ३९ ॥ तू० ॥ लूमिवीनाविषवेलमी ॥ अगनीविहुणी
चूमेलरे ॥ सोजनविनविसूचिका ॥ अहोएतोनवोकोइखेलरे ॥ ४०॥ तू ॥ स
चेतनामुरछाकही॥ वलिविणउपसर्गेमारीरे ॥ रासमीवीणएपासलो॥ विणहेतू
मरणइवारीरे ॥ ४१ ॥ तू० ॥ वेमीविनागुप्तीकहीछे॥ एनारीसंसाररे ॥ अ
थवाचिंतासीकरुं॥ एछेसंसारअसाररे॥ ४२ ॥ तू० ॥ जाणिअसारएकार
णे॥ छांडूंडुंएपरीवाररे ॥ इंमकांयशुलपरीणांमथी ॥ रहुकरतोइंमविचाररे
॥ ४३ ॥ तू० ॥ आवीराणीइंणसमे ॥ कुंसूतोएहवुंजांणीरे ॥ राणीपणिसू
तिषरी ॥ मनमांकांयभ्रांतिनआणीरे ॥ ४४॥ तू०॥ आलिंगनमुझनेंकरयुं॥

ईपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोईविघननीवारणे ॥ ७२ ॥ तवम्हेंकहुं
हे मात ॥ किहांथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरवुंछेजीहां ॥ हालाहलवी
षषाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥ ७३ ॥ पापनही
जगअन्य ॥ हिंसाउपरितापयुंहोजिणेंसहुईजीवबुंईछता ॥ तिणेंजेवेदवचन्न॥
तेपणिषोटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनप्रीछता ॥ ७४ ॥ यतः ॥ नधम्मकज्जा
परमच्छिकज्जं ॥ नपाणहिंसापरमंअकज्जं ॥ नपेमरागापरमछीबंधो ॥ नबोही
लासापरमछिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउषूंपामेहो
जेअसयदानदातासदा ॥ सोलागीसीरदार ॥ परत्तवपणिजोजावेहोपणदुःख
नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यतः ॥ दीहाउउंसूरुवो ॥ निरोगोहोइअसयदाणेण ॥
जम्मंतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाहणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत
पालवुश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेंहोवलीपापकरीदेहस्यूंकरुं ॥ तिणेंमुको
विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेहिंसामांचित्तनहीधरूं ॥ ७६ ॥ चोथेखं
डढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीईममतीषसी ॥ धनधनएनरराय ॥
जिवहिंशानवीकीधीहोईमपद्मविजयमुनिईईसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायक
हेसुणिमाहरुं ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमांनवुं ॥ नहितीहां
शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८॥ इमकहीनेंमुझपाईपमी ॥ तवम्हेंचित्यूंईम ॥ ईतछेवाघ
नेश्तनई ॥ कष्टथयुंकरुंकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअंबावयण ॥ अन्यदिशां
वयसंग ॥ गुरुविपाकव्रतसंगछे ॥ सूणिउंछेगुरुसंग ॥ ८० ॥ ईमचिंतवतो
अंबनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएधात ॥
॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईई ॥ तेकीमकरीईमात ॥ अथवाहुमुझआत्मनो
घणंतोकरस्यूंघात ॥ ८२ ॥ पछेंमुझमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
कहीखम्गतेकाढीउं ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानमंडपमांथ
यो ॥ कोलाहलतिणेकाल ॥ ॥ हाहाकारसहुईकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तूंगीआगिरीशिषरसोहे ॥ एदेशी ॥ उठीअंबाकहेमकरो ॥ सा
हसएवमुंईमरे ॥ करझालीकहेअहोतूझनें ॥ मातउपरिप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

लावीलाववलीउ ॥ एअांकणी ॥ तुऊमुइम्हइंजीववुंकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एहतूऊनेजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ वोल्योकुर्क
टइंणिअवसरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साषी
उंविष्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एहएहनोकल्पसाण्यो ॥ जोएअवसरजा
सरे ॥ शब्दसूणीइंतेहनोअथ ॥ करीइंवधवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते
हकारणएहकुर्कट ॥ मारितूंसुसकाजरे ॥ तवकहुंमेंमातसूणज्यो ॥ नकरूं
एहअकाजरे ॥ ८९ ॥ अ० ॥ जिवहिंसाकरूंनांहि ॥ तूम्हआणाजोहो
यरे ॥ तोमरुंएहनीश्वय ॥ अवरनहएकोयरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ मातक
हेतूंकहेजोइंम ॥ तोसुणिमाहरीवाणिरे ॥ पिठमयकुर्कटबनावी ॥ मारितूंनि
जपाणिरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ एतलूंमुऊवचनमांने ॥ इमकहीतरवाररो ॥ फूटीलेइंनें
पमीपाए ॥ मुऊवीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ इंमसूणीमुऊमातनेंहें ॥ नाण
नेत्रविलीनरे ॥ मातनुम्हेंवचनमान्यूं ॥ मतीथईमुऊदिनरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥
ज्ञानवऊपणिआलअरथें ॥ कांयनावेकाजरे ॥ दूरदेषेनयनपिणनिज ॥ रुप
देषेंनभाजरे ॥ ९४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेंऊकमकिधो ॥ कूकमनोतामरे ॥
तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणठामरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी
समीपें ॥ लेइंमुऊनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुऊनेंमायरे ॥
॥ ९६ ॥ अ० ॥ म्यानथीएरवमगकाढो ॥ तवकरयुंम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल
देवीनेंहवें ॥ धरीमुऊस्यूंप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सूपनमाउंपूत्रेंदिठुं ॥ तसनी
वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥
इमकहीमुऊसानकीधी ॥ एहकुर्कटमारिरें ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुजा
कीधीतीवाररे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ सिऊकर्मासूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेषरे ॥ रा
धितूंएमासलेई ॥ हरषीइंजेहदेषीरे ॥ १०० ॥ अहो ॥ म्हेंकह्युंरेमातएस्यूं ॥
मासषाधेयायरे ॥ दाणध्यानतपनियममंत्रह ॥ उपधवीलइंजायरे ॥ १ ॥
अ० ॥ फेरषाधूंरुअफूंजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांसलवलवनरकघाले ॥
दुःखदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वैद्यउपधेमासआपे ॥ तेपणिएहनी

म्हेंपणिनवीदाष्योविकाररे ॥ पूर्वपरिंवरत्योतदा ॥ इमकरतांथयोसवाररे ॥
॥४५॥ तू०॥ रयणीअनर्थनीषांणीगई ॥ करेकरणीनिजपरसांतिरे ॥ बेठाआ
स्थानीकामंरूपें ॥ मिलीराजकचेरीविख्यातरे ॥ ४६॥ तू०॥ चोथेखंमेचौदमी
॥कहीपद्मविजयइंमढालरे॥ श्रोताजनसूणज्योसवे॥वलीआगलवातरशालरे॥
४७॥तू०॥दुहा ॥ मंत्रीमंगलसेतुंमल्यूं ॥ वारुकरेवीचार॥ विमलमतीमुखनेंव
ली॥पत्तणेंनिजपरकार॥४८॥ पत्तणेंमंत्रीइंणिपरे॥ अवसरनहीमहाराय ॥ गु
णधरकूमरअगुणनही ॥ राज्यत्तारनेंगाय ॥ ४९ ॥ परजानेंजेपालवी ॥ तेपि
णधर्मकहंत ॥ कहेनरपतीअह्मकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवंत ॥ ५० ॥दूत
धरमनोदेषीनें ॥ रहेवुंनहीघरगांहि ॥ मंत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥ आदरीइंउ
छांहि ॥ ५१ ॥ अनुक्रमेंदिवसगयोवही ॥ रातिपमीतवराय ॥ वाससूवनमां
मनविगर ॥ सूतोचित्तसूखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमतांकवणगुंण ॥ जासनम
न्नइंमन्न॥ प्रितीविहुणोप्रेमरस ॥ जाणेंअलूणंधन्न ॥ ५३॥ नयणेंआवीनीद
मी ॥ जामिनीपाछिलेजाम ॥ आव्युंसूपनुंएहवो॥साधुतेअसीराम ॥५४॥ढाल॥
देशीसहिआणीनी ॥ देषेसूपनुंइम ॥ उज्वलधरनेंमाथेहोवलीबेठोसिहांसनउप
रें ॥ आवीयशोधरामाय ॥ प्रतिकुलसाषीपाम्योहोगयोसातमीभूमीनेंपरीस
रें ॥ ५५ ॥ आविपुछेमाय ॥ आलोटतीआलोटतीहोवलिकुंडठीमेरुचम्यो ॥
इंणसमेजाग्योजांम॥नवम्हेंमनमांचिंत्युंहोएसूपनोविषमआवीअम्यो ॥५६॥
पणिपरीणामेंसार ॥ स्यूंनिपजस्येएहथीहोतेहनीषबरपमेनही ॥ पणसाधन
परलोक ॥ करवामाम्युंरुमुंहोवलीजेथानारयाउसही ॥५७॥ धरमध्यानथीइं
म॥रातगइहवेबेठोहोआस्थानेंजईनेंमुदा॥जोमीकचेरीतांम॥आवियशोदामाता
होविनंयउठयोऊंतदा ॥ ५८ ॥मुरूपुछेसूषसात॥ म्हेंकिधोपरणामहोपीठीका
इंबेशारीआं ॥ एहथयुंसलूंकांम ॥ कहेस्यूंनीजअस्तिप्रायहोमाताजिणेंइ
हांआवीआं॥५९॥नकरुंसंजमवात॥ स्नेहेमुरूनेंमाताहोसंजमलेवानवीदीशं॥
सूपनजणावेवात ॥ अंबाथीअंतरायहोआशंकामाहरेहिइं ॥ ६० ॥ वचन
नमातठेलाय ॥ डःप्रतिकारतेसाघ्याहोमातपीताठाणांगमां॥ विरम्यूंचित्तवली

मुक्त ॥ तिणेंरहेवायनइंहांहोवसतीचयनीआगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकह्यंएहवी वात ॥ जिणेंमुक्तआणाआपेहोसूपनकह्यंतेरीतस्यूं ॥ बोल्योइंमवीचारी ॥ मातासूपनुंलाधुंहोसांसलज्योपरतितस्यूं ॥ ६२ ॥ कुमरनेंथापीराज्य ॥ मस्तकमुखमुंमावीहोसयलसंगत्यागिथयो ॥ श्रमणयइशुलसंग ॥ घरउपर जवबेगेहोतिहांथीवलीपमीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाछीलेपोहर ॥ देवीनेंजंजाग्योहोतेसांसलीनेखलसली ॥ थुथुकारकरंत ॥ मासापगस्यूंचांपेहोपृथवी मंमलवलीवली ॥ ६४ ॥ अपमंगलथाउदूरि ॥ चिरंजीवोतूह्मेपुत्ताहोनिरविघनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ साषेमोसीमुक्तनेंहोपुत्रवचनमुक्तपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनशास्त्रनीजांण ॥कहेइंमआपोसूतनेंहोराज्यतुह्मेघरमांरहो ॥ ल्योतुम्हेसाधूवेष ॥ श्वरकालनीदिक्षाहो ॥ घरमांवेगतूम्हेग्रहो ॥ ॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युंवचनप्रमांण ॥ तववलीबोलीपमीआहोतासउपायहवेसांसलो ॥ जलथलखहचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेडरिटलो ॥ ॥ ६७॥ शांतिकरमकरोइंम ॥ वेदमांसाषीविधिथीहोम्हेंकह्युंढांकीकाननें ॥ मातासीकहोवात ॥ शांतीकरमहिंसाइंहोकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ धरमअहिंसामुल ॥ साष्योछेसहुसास्त्रेंहोतेहनेंबाधाकोमकरो ॥ मनथीहणीइंजीव ॥ तोपणिलवमांसमीइंहोसवशायरथाइंउत्तरो ॥ ६९॥ जेकरेपरनेउरक ॥ पांमे पोतेतेहवुंहोअफलकर्मजाइंनही ॥ शांतिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचिंतेहो इहपरसवसूखीउसही ॥ ७० ॥ यतः ॥ तेणेजहासंघीमुहेगहीए ॥ सकम्मुणाकिच्चइपावकारी ॥ एवंपयापेच्चइहंचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुखअत्थी ॥ १ ॥ कृतकर्म्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीसतैरपी ॥ अवस्यमेवसोक्तव्यं ॥ कृतकर्मशुसाशुसं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरआतमजीव ॥ जेसरीखाकरी जाणेंहोतेणेमोक्षमारगनेंसाधीइं ॥ माताबोलीताम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहो होइंवेदतेइंमआराधीइं ॥ ७१ ॥ यतः ॥ जस्सनलिप्पइबुद्धी ॥ हंतुणइंमंजगं निरवंसेसं ॥ पावेणसोनलिप्पइ ॥ पंकयइसोसोवसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अथवाजोहोइंपाप ॥ तोपणिकीजेंतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

म्हेंपणिनवीदाख्योविकाररे ॥ पूर्वपरिवरत्योतदा ॥ इमकरतांथयोसवाररे ॥
॥४५॥ तू०॥ रयणीअनर्थनीषांणीगई ॥ करेकरणीनिजपरसांतिरे ॥ बेगआ
स्थानीकामंडपें ॥ मिलीराजकचेरीविख्यातरे ॥ ४६॥ तू०॥ चोथेखंडेचौदमी
॥ कहीपद्मविजयइमढालरे ॥ श्रोताजनसूणज्योसवे॥वलीआगलवातरसालरे॥
४७॥तू०॥दूहा ॥ मंत्रीमंडलतेडुंमल्यूं ॥ वारुकरेवीचार॥ विमलमतीमुखनेंव
ली॥पत्तणंनिजपरकार॥४८॥ पत्तणेंमंत्रीइणिपरे ॥ अवसरनहीमहाराय ॥ गु
णधरकूमरप्रगुणनही ॥ राज्यसारनेंगाय ॥ ४९ ॥ परजानेंजेपालवी ॥ तेपि
णधर्मकहंत ॥ कहेनरपतीअह्मकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवंत ॥ ५० ॥दूत
धरमनोदेषीनें ॥ रहेवुंनहीघरमांहि ॥ मंत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥ आदरीइंउ
छांहि ॥ ५१ ॥ अनुंक्रमेंदिवसगयोवही ॥ रातिपमीतवराय ॥ वासभूवनमां
मनविगर ॥ सूतोचित्तसूखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमतांकवणगुंण ॥ जासनम
न्नइंमन्न॥ प्रितीविहूणोप्रेमरस ॥ जाणेंअलूणंधन्न ॥ ५३॥ नयणेंआवीनीद
मी ॥ जामिनीपाछिलेजाम ॥ आव्युंसूपनुंएहवो॥साधुतेअभीराम ॥५४॥ढाल॥
देशीसहिआणीनी ॥ देषेसूपनुंइम ॥ उज्वलघरनेंमाथेहोवलीबेठोसिहांसनउप
रें ॥ आवीयओधरामाय ॥ प्रतिकुलसाषीपाम्योहोगयोसातमीभूमीनेंपरीस
रें ॥ ५५ ॥ आविपुछेमाय ॥ आलोटतीआलोटतीहोवलिऊंउंछेमेरुचमयो ॥
इणसमेजाग्योजाम॥नवम्हेंमनमांचिंत्युंहोएसूपनोविषमआवीअम्यो॥५६॥
पणिपरीणामेंसार ॥ स्यूंनिपजस्येएहथीहोतेहनीषबरपमेनही ॥ पणसाधन
परलोक ॥ करवामाम्युंरुमुंहोवलीजेथानारथाउसही ॥५७॥ धरमध्यानथीइं
म॥रातगइहवेबेठोहोआस्थानेंजइनेंमुदा॥जोमीकचेरीतांम॥आवियओदामाता
होविनइंउछ्योऊंतदा ॥ ५८ ॥मुझपुछेसूषसात॥म्हेंकिधोपरणामहोपीछीका
इंवेआरीआं ॥ एहथयुंसलूंकांम ॥ कहेस्यूंनीजअभिप्रायहोमाताजिणेंइ
हांआवीआं॥५९॥नकऊंसंजमवात॥ स्नेहेमुझनेंमाताहोसंजमलेवानवीदोआं॥
सूपनजणावेवात ॥ अंबाथीअंतरायहोआगंकामाहरेहिइं ॥ ६० ॥ वचन
नमातडेलाय ॥ दुःप्रतिकारतेसाध्याहोमातपीताछणांगमां॥ विरम्यूंचित्तवली

मुक्त ॥ तिणेंरहेवायनइंहांहोवलतीचयनीआगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकह्यंएहवी
वात ॥ जिणेंमुक्तआणाआपेहोसूपनकह्यंतेरीतस्यूं ॥ वोल्योइंमवीचारी ॥
मातासूपनुंलाधुंहोसांभलज्योपरतितस्यूं ॥ ६२ ॥ कुमरनेंथापीराज्य ॥ म
स्तकमुखमुंमावीहोसयलसंगत्यागिथयो ॥ श्रमणथइमुलसंग ॥ घरउपर
जवबेगेहोतिहांथीवलीपमीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाछीलेपोहर ॥ देषीनेंजं जा
ग्योहोतेसांभलीनेखलभली ॥ थुथुकारकरंत ॥ मातापगरयूंचांपेहोपृथवी
मंमलवलीवली ॥ ६४ ॥ अपमंगलथाउदूरि ॥ चिरंजीवोतूंल्लेपुत्ताहोनिरवि
घनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ साषेमोसीमुक्तनेंहोपुत्रवचनमु
कपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनशास्त्रनीजांण ॥केहइंमआपोसूतनेंहोराज्यतुलेघर
मांरहो ॥ ल्योतुम्हेसाधूवेष ॥ इत्वरकालनीदिक्षाहो ॥ घरमांबेगतूम्हेंरहो ॥
॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युंवचनप्रमांण ॥ तववलीवोलीपमीआहोतासउपायहवेसांभ
लो ॥ जलथलखहचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेडारिटलो ॥
॥ ६७॥ शांतिकरमकरोइंम ॥ वेदमांसाषीविधिथीहोम्हेंकह्युंढांकीकाननें ॥
मातासीकहोवात ॥ शांतीकरमहिंसाइंहोकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ धरमअ
हिंसामुल ॥ साष्योछेसह्सास्त्रेंहोतेहनेंवाधाकीमकरो ॥ मनथीहणीइंजीव ॥
तोपणिलवमांसमीइंहोलवशायरथाइंडुस्तरो ॥ ६९॥ जेकेरेपरनेंदुरक ॥ पांमे
पोतेनेहवुंहोअफलकर्मजाइंनही ॥ शांतिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचितेहो
इहपरलवसूरवीउसही ॥ ७० ॥ यतः ॥ तेणेजहासंधीमुहेगहीए ॥ संकम्मु
णाकिच्चइपावकारी ॥ एवंपयापेच्चइहंचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुरवअछी
॥ १ ॥ कृतकर्म्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीसतैरपी ॥ अवस्यमेवभोक्तव्यं ॥
कृतकर्मशुभाशुभं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरआतमजीव ॥ जेसरीखाकरी
जाणेंहोतेणेमोक्षमारगनेंसाधीइं ॥ मातावोलीताम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहो
होइंवेदतेइंमआराधीइं ॥ ७१ ॥ यतः ॥ जस्सनलिप्पइंबुद्धी ॥ हंतुणइंमंजगं
निरवंसेसं ॥ पावेणसोनलिप्पइ ॥ पंकयरसोसोवसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
अथवाजोहोइंपाप ॥ तोपणिकीजेतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

ईपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोइविघननीवारणे ॥ ७२ ॥ तवम्हेंकर्युं हे मात ॥ किहांथीपरीणामरुम्होहो ॥ अकारजकरवुंछेजीहां ॥ हालाहलवी षषाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥ ७३ ॥ पापनही जगअन्य ॥ हिंसाउपरिंसाष्युंहोजिणेंसऊइजीववुंईछता ॥ तिणेंजेवेदवचन्न ॥ तेपणिषोटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनप्रीछता ॥ ७४ ॥ यतः ॥ नधम्मकज्जा परमछिकज्जं ॥ नपाणहिंसापरमंअकज्जं ॥ नपेमरागापरमछीबंधो ॥ नबोही लासापरमछिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउषूंपामेहो जेअभयदानदातासदा ॥ सोभागीसीरदार ॥ परभवपणिजोजावेहोपणडुःख नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यतः ॥ दीहाउडसूरुवो ॥ निरोगोहोइअभयदाणेण ॥ जम्मंतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाऊणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत पालवुश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेंहोवलीपापकरीदेहस्यूंकरुं ॥ तिणेंमुको विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेंहिंसामांचित्तनहीधरूं ॥ ७६ ॥ चोथेखं डढाल ॥ पनरमीएलाषीहोपणिमोसीनीईममतीषसी ॥ धनधनएनरराय ॥ जिवहिंआनवीकीधीहोइमपद्मविजयमुनिईईसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायक हेसुणिमाहरुं ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमांनवुं ॥ नहितीहां शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८॥ इमकहीनेंमुझपाइपडी ॥ तवम्हेंचित्यूंइम ॥ ईतछेवाघ नेंश्तनई ॥ कष्टथयुंकरुंकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअंबावयण ॥ अन्यदिशां वयसंग ॥ गुरुविपाकव्रतसंगथे ॥ सूणिउंछेगुरुसंग ॥ ८० ॥ इमचिंतवतो अंबनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएधात ॥ ॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईई ॥ तेकीमकरीइमात ॥ अथवाऊमुझआतमनो घणंतोकरस्यूंघात ॥ ८२ ॥ पछेमुझमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम कहीखमगतेकाढीउं ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानमंडपमांथ यो ॥ कोलाहलतिणेकाल ॥ ॥ हाहाकारसऊइकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥ ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तुंगीआगिरीशिषरसोहे ॥ एदेशी ॥ उठीअंबाकहेमकरो ॥ सा हसएवमुंइमरे ॥ करझालीकहेअहोतूझनें ॥ मातउपरिंप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

सावीसावबलीउ ॥ एआंकणी ॥ तुझमुइम्हइंजीववुंकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
रे ॥ प्रकारांतरेमातमारी ॥ एहतूझनेजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ बोल्योकुर्क्क
टशणिअवसरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साषी
उविष्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एहएहनोकल्पसाध्यो ॥ जोएअवसरजा
सरे ॥ शब्दसूणीइंतेहनोअर्थ ॥ करीइंवधवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते
हकारणएहकुर्कट ॥ मारितूंसुतकाजरे ॥ तवकह्युमेंमातसूणज्यो ॥ नकरूं
एहअकाजरे ॥ ८९ ॥ अ० ॥ जिवहिंसाकरूंनाहिं ॥ तूम्हआणाजोहो
यरे ॥ तोमरुंएहनीश्चय ॥ अवरनहणुंकोयरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ मातक
हेतूंकहेजोइंम ॥ तोसुणिमाहरीवाणिरे ॥ पिठमयकुर्क्कटबनावी ॥ मारितूंनि
जपाणिरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ एतलूंमुझवचनमांने ॥ इमकहीतरवाररे ॥ कूटीलेईनें
पमीपाए ॥ मुझवीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ इंमसूणीमुझमातनेहें ॥ नाए
नेत्रविलीनरे ॥ मातनुंम्हेंवचनमान्यूं ॥ मतीथईमुझदिनरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥
ज्ञानवडपणिआत्मअरथें ॥ कांयनावेकाजरे ॥ दूरदेषेनयनपिणनिज ॥ रुप
देषेंनआजरे ॥ ९४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेंऊकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणगामरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी
समीपें ॥ लेईमुझनेंजायरे ॥ कूकमोआगलितेथापी ॥ कहेमुझनेमायरे ॥
॥ ९६ ॥ अ० ॥ म्यानथीएखम्गकाढो ॥ तवकरयुंम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल
देवीनेंहवें ॥ धरीमुझस्यूंप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सूपनमातुंपूत्रेंदिठुं ॥ तसनी
वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥
इमकहीमुझसानकीधी ॥ एहकुर्कटमारिरें ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुजा
कीधीतीवाररे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ सिद्धकर्मांसूपकारनें ॥ कहेंदेवनीसेषरे ॥ रा
धितूंएमासलेई ॥ हरषीइंजेहदेषीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ म्हेंकह्युरेमातएस्यूं ॥
मासषाधेंथायरे ॥ दाणंध्यानतपनियममंत्रह ॥ उषधवीलइंजायरे ॥ १ ॥
अ० ॥ फेरषाधूंरुअमुंजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांससवसवनरकघाले ॥
डःखदोसाग्यअपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वैद्यउषधेंमासआपे ॥ तेपणिएहनी

ट्हाररे ॥ बिसळदूरगंधइंद्रीमलथी ॥ उपनुंएअशाररे ॥ ३ ॥ अ० ॥ मां
सवजेंसांसलोगुण ॥ चोरशकुनपीशाचरे ॥ सूतमहनेंअगनीएसवी ॥ तृण
समाहोयसाचरे ॥ ४ ॥ अ० ॥ सूखेंजीवेसदगतीहोय ॥ एजिनशासननि
तीरे ॥ सूणोपरदरसनेंसाष्युं ॥ तेहसघलीरीतीरे ॥ ५ ॥ अ० ॥ विषपरेजे
माशवर्जें ॥ स्वर्गलोकेंजायरे ॥ मुनीविशिष्टकहेइंणिपरिं ॥ महासारतगायरे ॥
॥ ६ ॥ अ० ॥ यतः ॥ जावज्जीवंचयोमांसं ॥ विषवत्परिवर्जयेत् ॥ विशी
ष्टोसगवान्याह ॥ स्वर्गलोकस्यसंस्थिति ॥ १ ॥ यावंतिपशुरोमाणि ॥ पशुगा
त्रेषुसारतः ॥ तावद्वर्षसहस्राणि ॥ पच्यंतेनरकेनराः ॥ २ ॥ आकाशगामिनो
विप्राः ॥ पतंतीमांससक्षणात्॥ विप्राणांपतितंदृष्ट्वा ॥ त्याज्यंमांशंविवेकिसीः॥
॥ ३ ॥ शुक्रशोणितसंसूतं ॥ मासंयोस्वादतेनरः ॥ तेजनःकुरुतेशौचं ॥ हसं
तितेनदेवता ॥४ ॥ किंजापहोमनीयमैः ॥ तिर्थस्नानैश्वसारतः ॥ यदिस्वादती
मांसानी ॥ सर्वमेतत्निरर्थकं ॥ ५ ॥ तिलसर्षपमात्रंतू ॥ योमांसंसक्तेनर ॥
सयातीनरकंघोरं ॥ यावच्चंद्रदिवाकरौ ॥ ६ ॥ इत्यादिमहासारते ॥ पूर्वढाल ॥
अंबाबोलीपुत्रनकरो ॥ एहमांकांयविचाररे ॥ वचनमाहरुंसर्वमांन्यूं ॥ करो
एहनोआहाररे ॥ ७ ॥ अ० ॥ सत्यमांसनएहकल्पित ॥ तेहमांस्योदोषरे ॥
इमकहेमेंवचनमांन्यूं ॥ किधोपापनोपोषरे ॥ ८ ॥ अ० ॥ जेहसाष्यूंतेहकी
धूं ॥ अशुसकर्मबंधायरे ॥ सानुबंधीबंधतिणेंसमें ॥ पछ्योततषिणरायरे॥ए॥
॥ अ० ॥ बिजेदिनहवेकुंअरथाप्यो ॥ राजअसीषेककिधरे ॥ प्रवर्ज्याहवें
ग्रहणहेतं ॥ उद्यमसबलोलीधरे ॥१०॥ अ० ॥ खंमचोथेसोलमीए ॥ पद्मवि
जइंढालरे ॥ साषीसमरादित्यकेरा ॥ रासमांसूरसालरे ॥ ११ ॥ अ० ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नृपनेंकहेनयणावली ॥ आर्यपुत्रसूणोएक ॥ पुत्रराज्यसूखपेखी
नें ॥ करस्यूंकालिविवेक ॥१२॥ मेंचिंत्यूंमनमांहिएम ॥ वातएकेमविरुध ॥
रातिनेंहसणांकेरमी ॥ अहो २ चरीत्रअशुध ॥ १३ ॥ अथवाइमपणिदेषीइं
जिवतोमुंकेजाणिमुआसाथेंकोईकमरइं ॥ नारिचरीत्रपीछाण ॥ १४॥ निच
गतिनारीहोइं ॥ विषहरगतीपरेंवंक ॥ मुंढनजाणेमाहिलो ॥ सेदनेंसजेनिःशं

क ॥ १५ ॥ एहविचारइणिअवसरे ॥ करवोनघटेकोय ॥ इंमचिंतवतोबोली
उ ॥ इंमहीजकरवुंहोय ॥ १६ ॥ ढाल ॥ रागखंसाती ॥ हवइंश्रीपालकुमार ॥
एदेशी ॥ चिंतेराणीइंम ॥ एहसूपतिदिकालीइंजी ॥ ऊंनवीजाउंसाथि ॥ तोलो
केनिंदिजीइंजी ॥ १७ ॥ मरणलहेंजोराय ॥ तोपछेंमुझचिंतानहीजी ॥ नम
रुंजोरायनेंपीठ ॥ तोपिणमिसकाढुंअहिंजी ॥ १८ ॥ पालवुंबालनुंराज्य ॥ व
लीमंत्रीमुखनाकहेजी ॥ एहवांजेहनीमित्त ॥ तेहकलंकसवेदहइंजी ॥ १९ ॥
मारणकरुंअउपाय ॥ विषभोजनमांआपीइंजी ॥ वेगेभोजनकांम ॥ तवस
वीआहारतेथापीइंजी ॥ २० ॥ नासामुखनेंढाकि ॥ आहारकरावबाआवीआंजी ॥
चतूरपुरुषसूजांण ॥ राणिपणितेमावीआंजी ॥ २१ ॥ भोजनअंतेजांम ॥
उठेरायचलूकरीजी ॥ वंचीसहूनीदृष्टि ॥ तंबोलमांतवविषधरीजी ॥ २२ ॥
भषीउतेतंबोल ॥ वासभूवनमांहिगयोजी ॥ आववामांम्युंघेन ॥ विषविकार
सवलोथयोजी ॥ २३ ॥ जमथईजीभअत्यंत ॥ लोचनमीचाणातदाजी ॥ न
खथयासामलवान ॥ मुखकमलाणंमुझजदाजी ॥ २४ ॥ दुखअनुंभवतोता
म ॥ पमीउंसिंहासनथकीजी ॥ खेदलहेपमीहार ॥ जोवेंमुझसाहमुंचकीजी
॥ २५ ॥ हाहास्यूंथयुंएह ॥ इंमकहीढुकमोआवीउजी ॥ स्यूंथयुंरेमहाराय ॥
तवमुझउत्तरनावीउजी ॥ २६ ॥ जांण्योएकेरवीकार ॥ बुंबारवतिणेंकस्योजी
धाउरेलोकोधाउ ॥ रायसिंहासनथीपम्योजी ॥ २७ ॥ तेमोवैद्यसूजाण ॥ वि
षविकारउतारवाजी ॥ चिंतेराणीताम ॥ रायनेपुरोमारवाजी ॥ २८ ॥ जोआ
वेंइहावैद्य ॥ तोजीवामेंत्पभणीजी ॥ इंमचिंतवतीतेह ॥ हाहाकारमुखेंभ
णीजी ॥ २९ ॥ ताणीघुंघटपुर ॥ मुझउपरिआवीपमीजी ॥ करतीबहुआक्रं
द ॥ आसूंधारानवीअमीजी ॥ ३० ॥ गलूंदाब्युंतिणिवार ॥ मर्मपीमाइंमरीग
योजी ॥ आव्युंआरतध्यांन ॥ भवभयलोअहिलेंथयोजी ॥ ३१ ॥ सिंलिंद
नांमेंपाढ ॥ दक्षीणदिशिमोरमीतणीजी ॥ कुंषिउपनोमोर ॥ एकदिनमोरमी
नेंहणीजी ॥ ३२ ॥ लेईल्याधजुवान ॥ दियोगामतलारनेजी ॥ नवोआवीमु
झपांख ॥ वेदनासहूतेकारणेंजी ॥ ३३ ॥ खमतोसूखअपार ॥ किमाखाउं

नितप्रतेंजी ॥ तिणेंपापेंमुझदेह ॥ पामीवीस्तारकालजजतेजी ॥ ३४ ॥ पिठ तणोथयोसार ॥ नाटिकमुझनेंसीषव्यूंजी ॥ रुमोजांणीतेह ॥ रायसणीजई दाषव्यूंजी ॥ ३५ ॥ गुंणधरजेमुझपुत्र ॥ सेटिजाणीनेंराषीउंजी ॥ पुरवसवनी माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीउंजी ॥ ३६ ॥ तेमुझमरणनेंदिन्न ॥ आर्त्तध्यांन वशातेमरीजी ॥ करहाभदेशेंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३७ ॥ कु तरीगरसेंआय ॥ उपनीतकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजबतास ॥ मोटोथयोने तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकल्योगुणधरनृपसणीजी ॥ साथेंआव्यादोय ॥ आस्थानससासूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरीविशालाईंते ह ॥ रायनेंप्रीतीघणीथइजी ॥ प्रसंस्याअह्लदोय ॥ राष्याथीशातासइजी ॥ ॥ ४० ॥ चोथेखंमेंढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेएह ॥ स वीजनमनसूखकांमणीजी ॥ ४१ ॥ उहा ॥ अकालमृत्युंनामेंअठे ॥ स्वाना धीपसीरदार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीउ ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ निलकंठनर रायनो ॥ पालकपंषीजाती ॥ मुझनेंआप्योमोदस्यूं ॥ साष्युंवलीरंगेंसांति ॥ ॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारधी ॥ अतीवल्लभमुझएह ॥ स्वाननेंजतनेंसाच वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवल्यो ॥ केतोहिकगयोका ल ॥ पालंताअम्हप्रेमस्युं ॥ वातसूणोवीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ झूंम षमानी ॥ एकदिनप्राशादउपरें ॥ इंद्रनिलजिहांगोष ॥ जुउगतीकर्मनी ॥ न यणावलीचित्रशालिमां ॥ करतिकूबजस्यूंजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोषथीमो रेमाननी ॥ देषीउपनुंज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्यूंआरतध्यां न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकल्यो ॥ चंचुनखेंकरेचोट ॥ जु० ॥ लोहलागीलेईकूबजनी ॥ मुझउपरिकरेदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥ राणीप्रहारेंवि कुलथयो ॥ पमीउमार्गसोपान ॥ जु० ॥ कुवदुंखेलेराजीउ ॥ लुठंतोगयोतिणें थान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुंचरआवीआ ॥ महो २ कहेतावाणि ॥ जु० ॥ तेहकोलाहलसांसली ॥ आव्योजननीस्वान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पकड्यो मुझनेंकूतरे ॥ देषीतेहसूपाल ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्वान

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीलोहीवम्यो ॥ मुंक्योमुरुनेंताम ॥ जु० ॥
धरणीपिढपम्याविहुं ॥ शोकलह्योसूस्वामि ॥ ५२ ॥ जु० ॥ मरणसमयत्र
म्हविहुंतणो ॥ जाणिबोलेराय ॥ जु० ॥ आर्यिकानेंजिमताततनो ॥ शोकहो
येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णागुरुचंदनवली ॥ काष्टलविगनांत्र्या
णि ॥ जु० ॥ दहनदिउदीउदांननें ॥ सर्गपमाम्फवाजाणि ॥ ५४ ॥
जु० ॥ सांसलीमोरतेंचितवइं ॥ अहोइंणितातनेंकाज ॥ जु० ॥ दा
नादिकदीधांघणां ॥ पणिमुफवेलाएआज ॥ ५५॥ जु० ॥ कीमाषाउंसूषें
मरुं ॥ वलीस्वानेंमुफखध ॥ जु० ॥ कर्मगुरुताइंकरी ॥ तिरजंचनीगतील
घ ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयाइंणिअवशरें ॥ हवेउतपतीनोगाम ॥ जु० ॥सूवे
लगनपढीमदिशें ॥ दुःप्रवेशवननाम ॥५७॥ जु० ॥ कंटकवृक्षवङलजीहां ॥
तिहांएककपईजीव ॥ जु० ॥ तेहनीकुषेंउपनो ॥ डखलहेतोसदैव ॥ ५८ ॥
जु० ॥ माकांणीबापकुंटलो ॥ डखसहेतांमुफजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसवधि
नाजनमीउ ॥ करमनेंशरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूषथकीनासीगयुं ॥ ज
ननीथणमांदूध ॥ जु० ॥ हुंसूषेंषाउंगोषरुं ॥ अनुंक्रमेंथयोवध ॥ ६० ॥
॥ जु० ॥ इंणिअवशरमायकुनरो ॥ मुउआरतध्यांन ॥ जु० ॥ तिणहीजवन
मांउपनो ॥ नागतेवीषनुंथान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विद्रुममणीपरिलोयणां ॥ अं
धकारनोराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशंतोकालपास ॥ ६२ ॥
॥ जु० ॥ दर्डरनुंसक्रणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकम्योपुढथी
नागनें ॥ तसपणिकोपअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ म्सीउमुफवदनेंतदा ॥ माहो
मांहिधरीषार ॥ जु० ॥ षाईइंविहुंपरस्परे ॥ इंणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥
॥ जु० ॥ आविरीढमुफनेंग्रह्यो ॥ षावामांम्योताम ॥ जु० ॥ त्रटत्रटत्रोमेशि
रातिहां ॥ चटचटफामेचांम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटशोणीतपीवतो ॥ कम्
२ मरफेहाम ॥ जु० ॥ तिमषातां २ थकां ॥ पोहतीतासरुहाम्नि ॥६६॥ जु० ॥
तेसब्दथीमानुंवीहतो ॥ नागोकलेवरफाम ॥ जु० ॥ जीवपंषीउमीगयो ॥ ते
हथानिकनेंगांम्नि ॥ ६७ ॥ जु० ॥ तेहकिसालानयरीइं ॥ डष्टोदकानदीनाम ॥

नितप्रतेंजी ॥ तिणेंपापेंमुञ्जदेह ॥ पामीवीस्तारकालजजतेजी ॥ ३४ ॥ पिठ
तणोथयोलार ॥ नाटिकमुञ्जनेंसीषव्यूंजी ॥ रुमोजांणीतेह ॥ रायसणीजई
दाषव्यूंजी ॥ ३५ ॥ गुंणधरजेमुञ्जपुत्र ॥ सेटिजाणीनेंराषीउजी ॥ पुरवसवनी
माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीउजी ॥ ३६ ॥ तेमुञ्जमरणनेंदिन्न ॥ आर्त्तध्यांन
वशतेमरीजी ॥ करहाञ्जदेशेंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३७ ॥ कु
तरीगरसेंआय ॥ उपनीतकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजबतास ॥ मोटोथयोते
तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकल्योगुणधरनृपसणीजी ॥
सार्थेंआव्यादोय ॥ आस्थानससासूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरीविशालाइंते
ह ॥ रायनेंप्रीतीघणीथइजी ॥ प्रसंस्याअल्लदोय ॥ राण्याथीशातासइजी ॥
॥ ४० ॥ चोथेखंञ्जढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेएह ॥ स
वीजनमनसूखकांमणीजी ॥ ४१ ॥ डुहा ॥ अकालमृत्युंनामेंअछे ॥ स्वाना
धीपसीरदार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीउ ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ निलकंठनर
रायनो ॥ पालकपंषीजाती ॥ मुञ्जनेंआप्योमोदस्यूं ॥ साष्युंवलीइंणिसांति ॥
॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारधी ॥ अतीवल्लसमुञ्जएह ॥ स्वाननेंजतनेंसाच
वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवल्यो ॥ केतोहिकगयोका
ल ॥ पालंताअम्हप्रेमस्युं ॥ वातसूणोवीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ झूंम
षञ्जानी ॥ एकदिनप्राशादउपरें ॥ इंद्रनिलजिहांगोष ॥ जुउगतीकर्मनी ॥ न
यणावलीचित्रशालिमां ॥ करतिकूबजस्यूंजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोषथीमो
रेमाननी ॥ देषीउपनुंज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्यूंआरतध्यां
न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकल्यो ॥ चंचुनखेंकरेचोट ॥ जु० ॥
लोहलाठीलेईकूबजनी ॥ मुञ्जउपरिकेरदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥ राणीप्रहारेंवि
ह्वलथयो ॥ पामीउमार्गसोपान ॥ जु० ॥ ञ्जुवटुंखेलेराजीउ ॥ लुठंतोगयोतिणें
थान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुंचरआवीआ ॥ यहो २ कहेतावाणि ॥
जु० ॥ तेहकोलाहलसांसली ॥ आव्योजननीस्वान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पकम्यो
मुञ्जनेंकूतरे ॥ देषीतेहसूपाल ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्वान

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीजोहीवम्यो॥ मुंक्योमुफनेंताम॥ जु०॥ धरणीपिठपम्याबिङ्क ॥ शोकलम्रोसूस्वामि ॥ ५२ ॥ जु० ॥ मरणसमयत्र्प्र म्हबिङ्कनणो ॥ जाणिबोलेराय ॥ जु० ॥ आर्यिकानेंजिमतातनो ॥ शोकहो येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णागुरुचंदनवली ॥ काष्टलविगनांत्र्प्रा णि ॥ जु० ॥ दहनदिउदीउदांननें ॥ सर्गपमाफवाजाणि ॥ ५४ ॥ जु० ॥ सांसलीमोरतेंचितवई ॥ अहोइणितातनेंकाज ॥ जु० ॥ दा नादिकदीधांघणां ॥ पणिमुफवेलाएआज ॥ ५५॥ जु० ॥ कीधाषाउसूषें मरु ॥ वलीस्वानेंमुफखध ॥ जु० ॥ कर्मगुरुताइंकरी ॥ तिरजंचनीगतील ध ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयाइंणिअवशरें ॥ हवेउतपतीनोगाम ॥ जु०॥सूवे लगनपढीमदिरों ॥ दूःप्रवेशवननाम ॥५७॥ जु० ॥ कंटकवरुवङ्कलजीहां॥ तिहांएककपईजीवं॥ जु० ॥ तेहनीकुषेंउपनो ॥ डखलहेतोसदैव ॥ ५८ ॥ जु० ॥ माकांणीबापकुंटलो ॥ डखसहेतांमुफजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसवबि नाजनमीउ ॥ करमनेंशरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूषथकीनासीगयुं ॥ ज ननीयणमांदूध ॥ जु० ॥ ङ्कसूषेंपाउगोषरुं ॥ अनुंक्रमेंथयोवध ॥ ६० ॥ ॥ जु० ॥ इंणिअवशरमायकुतरो ॥ मुउआरतध्यांन ॥ जु० ॥ तिणहीजवन मांउपनो ॥ नागतेवीषनुंथान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विद्रुममणीपरिलोयणां ॥ अं धकारनीराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशंतोकालपास ॥ ६२ ॥ ॥ जु० ॥ दर्दुरनुंसरुणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकम्यापुढथी नागनें ॥ तसपणिकोपअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ मसीउमुफवदनेंतदा ॥ माहो मांहिधरीषार ॥ जु० ॥ षाईइंविङ्कपरस्परे ॥ इंणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥ ॥ जु० ॥ आविरीढमुफनेंग्रस्यो ॥ षावामांम्योताम ॥ जु० ॥ त्रटत्रटत्रोमेशि रातिहां ॥ चटचटफामेचांम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटशोणीतपीवतो ॥ कम २ मरमेहाम ॥ जु० ॥ तिमषातां २ थकां ॥ पोहतीतासरुहाम्हि ॥६६॥ जु०॥ तेसब्दथीमानुंवीहतो ॥ नागोकलेवरफाम ॥ जु० ॥ जीवपंषीउमीगयो ॥ ते हथानिकनेंगांम्हि ॥ ६७ ॥ जु०॥ तेहविशालानयरीइं ॥ उष्टोदकानदीनाम ॥

॥ जु० ॥ मोटाद्रहमांमाछली ॥ कुरखेंउपनोतांम ॥ ६८ ॥ जु० ॥ रोहीतमछ
नीजातिमां ॥ हवेजेकालोसाप ॥ जु० ॥ एहनदिमांउपनो ॥ सुसमारनिज
पाप ॥ ६९ ॥ जु० ॥ चोथेखंमेंअढारमी ॥ ढालकहीमनोहार ॥ जु० ॥ पद्म
विजयकहेसांभलो ॥ सूणतांजय २ कार ॥ ७० ॥ जु० ॥ ॥ ६ ॥
॥ दुहा ॥ मछअनेंसूसमारते ॥ अनुंक्रमेंमिलिआदोय ॥ पकड्योमुछनेपुंछ
थी ॥ सुसमारेधरीसोय ॥ ७१ ॥ इंणिअवसरिआवीतीहां ॥ स्नानकरणसंके
त ॥ चेडीनामचिलाईका ॥ देषीफंपादेत ॥ ७२ ॥ मुछनेमुंकीतिणसमें ॥ प
कड्योदासीपाय ॥ नदीमांहेंनासीगयो ॥ झंतोकरतोहाय ॥ ७३ ॥ बुंबारवक
रेबापडी ॥ पकडीराषीपाणि ॥ माछीआव्यामोकला ॥ जबरउतरयाजाण ॥
॥ ७४ ॥ मुकावीतमानिनी ॥ मार्योतेसूसमार ॥ कालकेतोईकअतीक्रमें ॥
आगलिसूणोअधीकार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ म्हारीसहीरेसमांणी ॥ एदेशी ॥ इं
कदिनमांछीइंनांषीजाल॥पकड्योमुछततकालरे ॥ जुउकर्मकमाणी॥ महाम
छजाणीनेंसेटफंकिधूं ॥ तेतोगुणधरराजाइंलिधूंरे ॥ ७६ ॥ जु० ॥ नयणांव
लीनेंपासेंलायो ॥ सूपतीमनहरषतेपायोरे ॥ जु० ॥ कहेनिजमातनेंपुछनोदे
श॥ रंधावोतातउद्देसरे॥७७॥जु०॥ वलीअज्ञापणिमनमांधारो ॥ ब्राह्मणनेंए
अवधारोरे ॥ जु० ॥ आपणमाटेंउपद्योसाग ॥ पकतलीनेंरंधावज्योलागरे ॥
॥ ७८ ॥ जु० ॥ एसांभल्यूंवलीनयणेंदीठुं ॥ उपनुंजातीसमरणमीठुंरे ॥जु०॥
इमसांभलीपुंछखंडतेमाहरो ॥ आप्योब्राह्मणनेंकरीप्यारोरे ॥ ७९ ॥ जु० ॥
सेषसरीरतेछोलीकरीनें ॥ माहिंत्रिगडुंहीगभरीनेंरे ॥ जु० ॥ सीच्योहलधरनें
वलीनीर ॥ उपजावीअतीमुछपीररे ॥ ८० ॥ जु० ॥ मांषणभरीताव़डीमांत
लीउ ॥ सवीजाणंज्ञानेंखलभलीउरे ॥ जु० ॥ पणिधर्मध्यांनतोआव्यूंनांही॥
महातिव्रवेदनामाहीरे ॥ ८१ ॥ जु० ॥ इंमदृढकर्मनीगडबंधाणो ॥ नारकस
मवेदनठाणोरे ॥ जु०॥ तोहीसरीरथीजीवनजाय ॥ इणिसमेंसूसमारजेमायरे॥
॥ ८२ ॥ जु० ॥ चंडालपाडेतेबकरीजाई ॥ विशालानयरीमांआईरे ॥ जु० ॥
तेहनीकुषेअजजाऊउ ॥ पाम्योयौवनआगलिजुउरे ॥ ८३ ॥ जु० ॥ मैथुनअ

रथेंमातसोगवतां ॥ दिगोजुयपतीजोगवतांरे ॥ जु० ॥ क्रोधइंमर्मदेशेमुक्कमा
रयो ॥ निजवीरजमांअवतारयोरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ यतः ॥ कम्ममलविनमी
एणं ॥ तद्धमरंतेणमंदसगोणं ॥ अप्पाअप्पणवीय ॥ जणीउजणणीएगत्तं
मी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दुकमोपसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
॥ जु० ॥ आहेमेथीवलीउराय ॥ तिहांषेत्रमांबकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
गर्सथीहलके२चाले ॥ रायखालीआव्यातेसालेरे ॥ जु० ॥ वाणनाष्युंबकरीनें
वागुं ॥ हरष्योनृपलक्नेलागुंरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्सजाणीनेंपेटविदार्युं ॥
तिहाम्हेंतोजीवीतधार्युंरे ॥ जु० ॥ सुप्योअजापालनेंतिहांराई ॥ तेपणिवी
जीनुंघणपाईरे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीषतणी
बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपाप्तासोजनकाजे ॥ मराव्यागुणधरराजेरे ॥ ८७ ॥
जु० ॥ब्राह्मणअरथेमांसरंधाव्यो ॥ मुक्कनेंवारणेंबंधाव्योरे ॥ जु० ॥ मेषपवीत्र
मुखेकहेवाय ॥ काकशुनकबोट्यूंनखवायरे ॥ ८७ ॥ जु० ॥ तिणेंमुक्कनेंसु
घामीजिमीआ ॥ विप्रेंआचमनतेकरीआरे ॥ जु० ॥ अंतेउरलेइराजाआव्यो॥
देषीमुक्कमनमांसाव्योरे ॥ ७० ॥ जु० ॥ जातीसमरणउपनुंज्ञान ॥ थयुंसर्व
वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मणबेगहारोहार ॥ प्रणम्याम्हेंचित्तउदाररे ॥
॥ ७१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएतातनीपांति ॥ एआर्यकानीवलीषांतिरे ॥ जु०॥
एकुलदेवीनीपंकतीजांणी ॥ तवम्हेंचिंत्युंमनआणिरे ॥ ७२ ॥ जु० ॥ एमु
क्कपुत्रकरेमुक्कअर्थे ॥ पणिसवीजाइंव्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेंबेगेसकुपरी
वार ॥ नवीदिगीनयणावलीनारिरे ॥ ७३ ॥ जु० ॥ इंणिसमेदाशीपरस्पर
साषे ॥ कहोमांसदुर्गंधतादाषइरे ॥ जु० ॥ महिषतोताजाहणीआसूपें ॥ तव
एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ७४ ॥ जु० ॥ प्रेममंजुषासूणितूंवात ॥ मांसनोनवीगं
धआयातरे ॥ जु० ॥ नयणावलीइमजजेषाधो ॥ अजिरणेंथयोकोढतेबाधोरे
॥ जु० ॥ ७५ ॥ ताससरीरनीदूर्गंधलावे ॥ वायरोजेफरसीनेंआवेरे ॥ जु०॥
एककहेसूणिसूंदरीबीजुं ॥ ताहरीवातसांसलीषीजुंरे ॥ जु० ॥ ७६ ॥ रायनें
झेरदेइनेंमार्यो ॥ तेपापव्याजेवधार्योरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ ष

टकर्णमंत्रलेदातरे ॥ ए७ ॥ जु० ॥ उठोअन्यठेकाणेंजईई ॥ ढबकोकोईनोन
वीलहीईरे ॥ जु० ॥ तेंउठिचालीअन्यगांम ॥ तवम्हेंजोयुंगांमगांमरे ॥ जु०॥
॥ ए८ ॥ एकणपासेंबेठीदीठी ॥ नयणांवलीदुखकउकीठीरे॥ जु०॥ मच्छीका
सहसगमेदूखदेती ॥ कर्मउदयथतांवारकेतीरे॥ एए ॥ जु०॥चोथेखंमेढालए
साषी ॥ सलीउगणीसमीचित्तराषीरे ॥ जु० ॥ पद्मविजयकहेकर्मकमाई ॥
कोईनकरज्योसाईरे ॥ १००॥ जु० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥दुहा॥ मेषपणेंचिंत्यूंमनें ॥केहवाकर्मवीपाक॥उदईआव्याएहनें ॥राणीरुईवरा
क ॥ १ ॥ नयणवयणथणजेहनां॥ जितेंजुवतीजगत्त ॥ कमलचंदनेंकुंस
नी॥ उपमअधीकीवत्त ॥ २ ॥ तपसीपणिमुनीवरतणां ॥ चित्ततणीए
चोर ॥ हवेकामीजनहैयम्लूं ॥ कठिणनसिजेंकोर ॥ ३ ॥ ईमचिंतवुंईणे
अवसरें ॥ रायकहेसूपकार ॥ महिषनुंनरुचेमांसए ॥ आणोअन्यउदार ॥
॥ ४ ॥ आणारायनीआकरी ॥ सूपकारसंभाल ॥ कालक्षेपनासयथ
की ॥ तेमुझनेंततकाल ॥ ५ ॥ एकपासूबेथूंईणें ॥ समर्थुंसूपतीकाम ॥ नि
पजावीनररायनें ॥ मोकलीउंघरीमांम ॥६॥ तातनेंपुन्यसणीतीहां॥ विप्रनेंदि
ईविशेष ॥ कांयकनयणावलीकनें ॥ षाईआपजेशेष ॥ ७ ॥ ढाल ॥ राग
मारु ॥ सागरीआतूंममगर्वकरे॥ एदेशी ॥ ईणिअवसरेंमुझमातजेबकरी ॥
मारीगुणधरराय ॥ तेहकलिंगदेशेंथयोपाडो ॥ अनुंक्रमेंमोहटोथायरे ॥ ८ ॥
सूणोसवीकोमतकर्मकरो ॥ इमकिमसवजलधीतरोरे ॥ एआंकणी ॥ सार
वहीआव्योतिणेंनयरी॥नदीउतरेजेते ॥ सूपतूरंगआव्योजलपीवा ॥ मारयो
तसतेतेरे ॥ ए ॥ सू॥ रायनेंषबरकरीतेपुरषें ॥ रायकहेलावो ॥ तवलाव्या
तेपुरुषमहीषनें ॥ कोपथयोचावोरे ॥ १० ॥ सू॥ रायकहेसूपकारनेंईणिप
रिं ॥ एहदूष्टपाडो ॥ एहनेंजीवतांसमथुंकरज्यो ॥ दूखदेवणगाडोरे ॥११॥
सू०॥ तिणेंपणिसयलदीशालोहकीला ॥ ठोकीबांध्योतास ॥ एककडाहज
लेंसरीमुंकी ॥ कर्मतणोनहीनास ॥१२॥ सू॥ तिगमुंहींगलवणमांहिंमुंकी॥
चोकफेरकरीआग ॥ खईरकाष्टहोमेंहवईअगनी ॥ बलतीनहीकोयमाग ॥

॥१३॥ सू० ॥ कंठहोठतालूअतीसूकें ॥ तरषापणितेहवी ॥ उष्णकारजल पीतांवेदन ॥ पामेंनरकजेहवीरे ॥ १४ ॥ सू ॥ देहमांहितवआगितेउठी ॥ मांसनीकल्युंबीअपास ॥ रायकहेंहवेमहिषनुंलमथुं ॥ लावोहमारीपासरे ॥ ॥ १५ ॥ सू ॥ जिणें२दिशतेमाशजपाकूं ॥ छेदीतेतेअंश ॥ सूपकारमोकले नरपतीनें ॥ तोहिजायनहीहंशरे ॥ १६ ॥ सू ॥ घीरेमीवलीलूणवाटीनें ॥ घा ल्यूंदूखदेवा ॥ पीरसनारोरायनोआव्यो ॥ बिजुंमांसलेवारे ॥ १७ ॥ सू ॥ सूपकारेंतससाहमुंनीरष्यूं ॥ तवतेणेंफरषाधो ॥ रोमकंप्यांगलीउतसगाढो ॥ हाम्फबंधबांधोरे ॥ १८ ॥ सू ॥ समकालेंम्हेंसेसमेकिधो ॥ कालमरीनेदोय ॥ विशालापुरीइंचंमालपाम्फ ॥ कुकमीउदरेंजोयरे ॥ १९ ॥ सू० ॥ मार्जारइंअम मातापकमी ॥ उकरम्फेलेइजाय ॥ खातांअंमयुगलतिहांपमीउ ॥ गयोमार्जा रतेठायरे ॥ २० ॥ सू ॥ अलउपरितिहांसूपमुंढांक्यूं ॥ चंमालिणीआवी ॥ तेहनीबाफथकीअमेजीव्यां ॥ एपणिजुउलावीरे ॥ २१ ॥ सू ॥ इंमांफो मीअम्हेनिकल्यावाहिर ॥ चंमालसूतपाले ॥ पिठलारचंमचंमीकासदस ॥ झउतरुणकालेरे ॥ २२ ॥ सू ॥ अरधीचणोठीसरिषीचुला ॥ दिठांकोटवालें ॥ रायखेलणजोग्यजांणीमहियां ॥ नृपनेंदेषालेरे ॥ २३ ॥ सू ॥ राजाहरष लहीनेसूंप्यां ॥ कोटवालनेंसाषे ॥ जिहां२जाउतिहां२एहने ॥ लावजेमुझ साथेंरे ॥ २४ ॥ सू० ॥ तहतकरेकालदंमकोटवालह ॥ हवइएकदिनराजा ॥ अंतेउरस्यूंरमवाचाल्यो ॥ किमावसंतताजारे ॥ २५ ॥ सू ॥ कुसूमाकरउ द्यानेंपोहतो ॥ तवकोटवालअमलेय ॥ राजाकेलिघरेकरेक्रीमा ॥ राणिस्युं बझसेयरे ॥ २६ ॥ सू ॥ अलनेंकोटवाललेईआव्यो ॥ अशोकवृक्षपंती ॥ तिहांससीप्रसआचारजदिठा ॥ मुनीवरबझउपांतिरे ॥ २७ ॥ सू ॥ विसमी ढालेएचोथेखंमे ॥ समरादित्यरासें ॥ पद्मविजयकहेमुनीवरमिलीया ॥ स घलूंसूखथास्येरे ॥ २८ ॥ सू ॥ दुहा ॥ अलीकवंदनाइणिकरी ॥ धर्मलाभ दिइसाध ॥ तपसिरीदेषीतेहनी ॥ सूणितसवयणसमाधि ॥ २९ ॥ उपसम कांयकआंणीनें ॥ पुछेधर्मप्रपंच ॥ साधुकहेसाधारणो ॥

न्न ॥ ३० ॥ प्रीछेतत्वनप्राणीश्रा ॥ मुढगणेमनलेय ॥ तेहधर्मसूणतांथकां ॥
उपजेनहीकोइषेय ॥ ३१ ॥ ढाल ॥ वातमकाढोहोव्रततणी ॥ एदेशी ॥ त्रि
विधेंहिशावर्जवी ॥ अलिकनत्नाषवीवाणीरे ॥ विगरदिधुंकल्पेंनही ॥ एक
तृणसलीश्रप्रमाणरे ॥ ३२ ॥ सांत्तलोश्रीगुरूदेशना ॥ त्नावधरीत्नवीजीवरे ॥
त्रिविधेंश्रब्रह्मवर्जवुं ॥ श्रब्रह्मेंहोयकलीवरे ॥ ३३॥सा॥ नवविधपरीग्रहवर्ज
वो ॥ रात्रीत्नोजनटालीरे ॥ दोषबेंतालीसवर्जवा ॥ श्राहारतणासंत्तालिरे ॥
॥ ३४ ॥ सां ॥ दंमवासीकबोल्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधर्म्मरे ॥ पणिकहोसा
गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्मरे ॥ ३५ ॥ सा ॥ श्रावकनांव्रतबारजे ॥ सं
त्तलावेमुनीरायरे ॥ सांत्तलीकहेमुनीवरषरुं ॥ पणिएम्हेंनकरायरे ॥ ३६ ॥
सा ॥ वेदमांपसूवधत्नाषीउ ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेंश्राचर्स्यो ॥
छांमीनसकूंतेहरे ॥ ३७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजोमिरे ॥
डुखपांम्यातिमपामस्यो ॥ लहेस्योश्रनर्थनीकोमिरे ॥ ३८ ॥ सा ॥ कोट
वालकहेकिमप्रत्नू पाम्याश्रनर्थसंत्नाररे ॥ तवमुनीवरधुरथीकहे ॥ श्रमचूं
चरीत्रउदाररे ॥ ३९ ॥ सा ॥ जिमपीठकुर्कटनेंहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योश्र
त्यंतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुइंतिहां ॥ संत्तलाव्योविरतंतरे ॥ ४० ॥ सां ॥ यतः ॥
सिहीसाणसप्पप्रसवा ॥ मिणोहरएश्रईश्रमेशाय ॥ महीसयकुंकमपरकी ॥
जायासंशारजलहिमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुझ्योदंमवासिकतिहां ॥ सांत्तली
श्रीगुरुवाणिरे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसस्युं ॥ हिंसाश्रनर्थनीखाणिरे ॥ ४१ ॥
सा ॥ व्रतश्रापोश्रावकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेश्योरे ॥ पंचनमस्कारश्रापी
उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ ४२ ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा
व्यांव्रतबाररे ॥ हवेनिजचरीत्रतेसांत्तली ॥ कुर्कटहर्षश्रपाररे ॥ ४३ ॥ सा ॥
जातीसमरणपामीश्रा ॥ उपनोबहुसंतोषरे ॥ सूणनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्याबो
धिनोपोषरे ॥ ४४ ॥ सा ॥ सानुंबंधीकर्मनीठव्यां ॥ हरषनमायोश्रंगेरे ॥ ति
णेंकूकमुकुबोलीश्रा ॥ राचतानाचतारंगेरे ॥ ४५ ॥ सा० ॥ इणिश्रवसरनर
पतीतिहां ॥ राणीजयावलीसंगरे ॥ त्नोगत्नोगवतांसांत्तल्यो ॥ कुर्कटशब्द

सूचंगरे ॥ ४६ ॥ सा ॥ धनुषेंतिरचढावीउ ॥ राणिनेंकहेइमरे ॥ देषितुंच्य
द्वेधीपणं ॥ कुर्कटमारूंएप्रेमरे ॥ ४७ ॥ सा ॥ षेंचीवाणनेंमुंकीउं ॥ मा
स्याभ्रमनेंतेणरे ॥ राणीजयावलीसोगची ॥ ततषिणजेसूंपेणरे ॥ ४८ ॥ सा०॥
तसकुषेंग्रमेउपना ॥ बोधीतणेंपरस्तावेरे ॥ गर्भप्रस्तावेंदोहलो ॥ उपनोतेसूणो
सावेरे ॥ ४९ ॥ सा० ॥ असयदांनदेउंजीवनें ॥ एहवाऊग्रापरीणांमरे ॥ अ
सयदांनदीधूंघणुं ॥ जनमथयोत्रमतामरे ॥ ५० ॥ सा० ॥ दोहदपरिमाणेंठ
वे ॥ नामहमारोतातरे ॥ ऊसुतअसयरुचीठव्यो ॥ विजीअसयमतीजातरे॥
॥ ५१ ॥ सा० ॥ हवेनरपतीमनचिंतवे ॥ पुत्रठवुंजुवराजरे ॥ पुत्रीनोवलीवी
वाहकरूं ॥ एंदोयउत्त्वकाजरे ॥ ५२ ॥ सा० ॥ इंणिअवसरेंनृपनीकल्यो
आहेमेंपुरबाहररे ॥ पोहतोवीशालाउद्यानमां ॥ साथेंनीजपरीवाररे ॥ ५३ ॥
॥ सा० ॥ वायुकुसूमसूरत्तीतीहां ॥ जांणीजोयुंउद्यानरे ॥ तिलकवृक्षनेंढुक
डा ॥ दिठामुनीगतध्यानरे॥५४॥सा०॥सूदत्तनांमेंमुनीवरु॥ देषीकोप्योसूपरे॥
पारधीमांअसूकनथया ॥ पमीउंचिताकूपरे ॥ ५५ ॥ सा० ॥ करीउपद्रवए
हनेंहवे ॥ मानुंसूकुननिदानरे ॥ कूंकूंकारकरीमुंकीआ ॥ मुनीउपरिमाहास्वान
रे ॥ ५६ ॥ सा० ॥ वेगेंजातिमजमसमा ॥ आव्यामुनीवरपासरे ॥ जाजुल्य
मानअगनीपरे ॥ मुनीवरदेहप्रकासरे ॥ ५७ ॥ सा० ॥ तपतेजतेनसक्यास
ही ॥ उषधीगंधजीमनागरे ॥ निरविषतिमनिःप्रसायया ॥ तेहशुंनकरेराग
रे ॥ ५८ ॥ सा० ॥ तपपरस्तावेंप्रदक्षिणा ॥ देईस्वाननोवृंदरे ॥ मस्तकधरतीइं
षोसीनें ॥ प्रणमेंतेहमुणिंदरे ॥ ५९ ॥ सा० ॥ श्रीसमरादीत्यरासमां ॥ चोथेंषं
डेढालरे ॥ एकवीसमीपदमेंकही ॥ सूणतांमंगलमालरे ॥ ६० ॥ सा०॥ दुहा॥
देषीअचरीजदूरथी ॥ उपनुंचित्तमांइम ॥ स्वानपुरुषएसमकणा ॥ नहीनर
स्वानऊंनेम ॥ ६१ ॥ तपचरणेंमुनीततपरा ॥ अकूशलचिंत्यूंआज ॥ इंणिस
मेंपुरीथीआवीउ ॥ केईजनवंदनकाज ॥ ६२ ॥ जिनधरमेंतावीतजिके ॥
अरहदत्तइंणनाम ॥ सेठपुत्रसोहामणो ॥ आव्योवंदनकाम ॥ ६३ ॥ मेदनी
पतीनोमीत्रते ॥ दिठोनृपअवदात ॥ मुनीउपसर्गतेमोटिको ॥ परलोकनोकरे

पात ॥ ६४ ॥ प्रणमीसूपसणीकहे ॥ कस्युंएहस्यूंकांम ॥ कहेनरपतीनरकु
तस्या ॥ सरीषुंकिधूंस्यांम ॥ ६५ ॥ अरहदत्तकहेंइणिपरें ॥ पुरुषसिंहपरधां
न ॥ अश्वथीहेंगाउतरो ॥ वंदोएसगवांन ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ हाररोहीरोम्हारो
साहिबो ॥ एदेशी ॥ देशकलिंगनोअधीपती ॥ साहिबाम्हारा ॥ अमरदत्तरा
जानहो ॥ पुत्रसूदत्तनांमेंतेहना ॥ सा० ॥ नरपतीनिरमलवानहो ॥ ६७ ॥
संवेगसीनोम्हारो ॥ समतास्यूंलीनोम्हारो ॥ मुनिमांनगीनोम्हारोसाहिबो ॥
साहिबाम्हारा ॥ वंदोमुनीवरपायहो ॥ एआंकणी ॥ प्रथमजोवनमांहिवरत
त॥सा०॥ एकदिनआव्योतलारहो ॥ चोरसाथेंएकल्यावीउ ॥ सा० ॥ विनवे
नृपनेंतिवारहो ॥६८॥ सं० स० मु०॥ परघरपेंसीनेंइणें ॥ सा० ॥ लीधोद्रव्य
अपारहो ॥ मार्योमहर्द्धिकनेंवली ॥ सा० ॥ ग्रहीउनिसरतीवारहो ॥ ६९ ॥
॥ सं० स० मु० ॥ हवेजीमकहोतिमकीजीइं ॥ सा०॥ सांसलीतेनरराजहो॥
धरमशास्त्रसणनारनें ॥ सा० ॥ तेमीसूणावेप्रकारहो ॥ ७०॥ सं० स०मु०॥
स्योदंमएहनेंदिजीइं ॥ सा० ॥ तवनरबोल्योतेहहो ॥ घातकस्योचोरीकरी ॥
॥ सा० ॥ किधूंकर्मअठेहहो ॥ ७१ ॥ सं० स० मु० ॥ त्रिकचोकचाचरेंफे
रवो ॥ सा० ॥ सज्जननेंसंसलाविहो ॥ नेत्रउपाडोएहनां ॥ सा० ॥ कानने
नाककपाविहो ॥ ७२ ॥ सं० स० मु० ॥ हाथनेंपगवलीछेदीइं ॥ सा० ॥ इं
णिपरेंजीवनोनाशहो ॥ करवोइंमरीषीवयणछे ॥ सा० ॥ सांसलीवयणविन्या
सहो ॥ ७३ ॥ सं० स० मु० ॥ चिंतवेअहो २ नृपकुलें ॥ सा० ॥ करवांए
हवांपापहो ॥ तिणेएराज्यसूखेंसर्युं ॥ सा० ॥ जेहथीबहुसंतापहो ॥ ७४ ॥
॥ सं० स० मु० ॥ आणंदनांमसाणेजनें ॥ सा० ॥ सूंपीराज्यनोसारहो ॥ सू
धर्मगुरुपासेंथया ॥ सा० ॥ गेहतजीअणगारहो ॥ ७५ ॥ सं० स० मु० ॥
मुनीवंदनकरीनीसरो ॥ सा० ॥ सांसलिश्रावकवाणिहो ॥ मुनीवंद्याजबतिणें
समें ॥ सा० ॥ थयुंमुनीपुरणझाणहो ॥ ७६ ॥ सं० स० मु० ॥ धर्मलाभदे
ईसाषीउं ॥ सा० ॥ बेसतूंनीरवद्यगणहो ॥ पश्चात्तापनृपउपनो ॥ सा० ॥
जाणीअकज्जअप्पाणहो ॥ ७७ ॥ सं० स० मु० ॥ रायबेसीमनचिंतवें ॥

सा० ॥ मेंकस्योमुनीवरघातहो ॥ प्रायछीतमुफनेंनही ॥ सा० ॥ विणनीजम स्तकपातहो ॥ ७८ ॥ सं० स० मु० आत्मअकार्यकलंकथी ॥ सा० ॥ दूषी त्तएकमुफत्तहो ॥ धारीनसकुंतिणेंहवे ॥ सा० ॥ निपजावुंएहजुत्तहो ॥ ७९ ॥ सं० स० मु० ॥ इणिसमेमुनीनेंउपनुं ॥ सा० ॥ मणपज्ञववरनांणहो ॥ जा णीआशयसूपनो ॥ सा० ॥ मुनीवरकहेइमवांणिहो ॥ ८० ॥ सं०स०मु० ॥ एतुफप्रायछितनही ॥ सा० ॥ जेतेंकल्पनाकीधहो ॥ आत्मघातपणिवारीउं ॥ सा० ॥ तेपणिसमयप्रसिधहो ॥ ८१ ॥ सं० स० मु० ॥ यतः ॥ सावीयजी णवयणाणं ॥ ममत्तरहियाणतछिक्कविशेसो ॥ अप्पाणंमीपरंमीय ॥ तोवज्जे पीडमुसउवी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कलंकदूरखीतनिजआतमा ॥ सा० ॥ जेचि त्तचिंतवेतासहो ॥ जैनक्रियाजलेंधोयतां ॥सा०॥ निरमलथाइंषासहो ॥८२॥ सं० स० मु० ॥ सवअनुबंधवधेघणो ॥ सा० ॥ करतांआतमघातहो ॥ सव कोंमिपाम्योनही ॥ सा० ॥ जिनवरवयणवीख्यातहो ॥ ८३ ॥ सं०स०मु० ॥ तिणेंजिनआणिअंगीकरो ॥ सा० ॥ सांभलीचिंतवेरायहो ॥ अहोमनवातजा णेमुनी ॥ सा० ॥ मुफमनअचरीजथायहो ॥ ८४ ॥ सं० स० मु० ॥ प्रायछी तमुफपापनुं ॥ सा० ॥ निश्चयलहेस्यूंएपासहो ॥ आणंदजलभरीनयणमां ॥ सा० ॥ चरणेंपमेंनृपतासहो ॥ ८५ ॥ सं० स० मु० ॥ प्रायछितप्रसूताषीइं ॥ सा० ॥ मुफकहेसूणिमहारायहो ॥ एकमीथ्यातअज्ञानजे ॥ सा० ॥ तासअ भावजोथायहो ॥ ८६ ॥ सं० स० मु० ॥ चिंतववुंविपरीतजे ॥ सा० ॥ ते मिथ्यापरीणामहो ॥ तेंपणिविपरीतचिंतव्युं ॥ सा० ॥ मुनीअपशकुननोठाम हो ॥ ८७ ॥ सं० स० मु० ॥ करीअकदर्थनावारीइं ॥ सा० एअपशकुननिं दानहो ॥ तूफमनइंणिपरेंउपजे ॥ सा० ॥ नवीकरेएकदीस्नानहो ॥ ८८ ॥ ॥ सं० स० मु० ॥ तुंमसुंमसुंमीतवली ॥ सा० ॥ तिषथीजीवेजेहहो ॥ वली पाषंडवीरुधए ॥ सा० ॥ पावंननकरेतेहहो ॥ ८९ ॥ सं० स० मु० ॥ मध्य स्थभावकरीसूणो ॥ सा० ॥ उत्तरएहरसालहो ॥ चोथेखंमेंदवविसमी ॥ सा० ॥ पद्मविजयकहीढालहो ॥ ९० ॥ सं० स० मु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥दुहा॥ पलकएकहोयपवीत्रता ॥ मनमांहोयत्र्प्रसीमान ॥ करेप्रारथनाकाम
नी॥शुचिरूंएहवीसानं ॥ ९१ ॥ जीवविराधनाजलतणा ॥ नहीकोइधर्मत्र्प्र
नान ॥ सदगतीजोस्नानेंहोइ ॥ मछदेमकवडमान ॥ ९२ ॥ जन्नादिकाइंजोष
यी ॥ विप्रेंपणिवमरीती ॥ त्र्प्रस्नानव्रतसदूंत्र्प्रादरयूं ॥ नविजाणेंएनीती ॥
॥ ९३॥ढाल॥ चोपईनीदेशी॥ सूणितूंफस्नाननीवातजकडुं ॥ पांचशौचपुराण
मांलडुं ॥ सत्यसौचतपशौचजवली ॥त्रिजुंइंद्रीयनिग्रहमलि ॥ ९४ ॥ चोथुं
सर्वजीवनीदया ॥ जलनुंशौचपांचमुंकहीगया ॥ वलीत्र्प्रारंसेवरतेजेह ॥ मै
थुनसेवेरहेतोगेह ॥ ९५ ॥ शोचपणंतेब्राह्मणतणी ॥ नकर्मुंजुधीष्टरमेंपाप
गणी ॥ ल्योमाटीनात्तारहजार ॥ शतकूंसावलिलीजेंवारि ॥ ९६ ॥ तिरथत्र्प्र
तगमेकरेसनान ॥ पणिजोदूष्टाचारनीदान ॥ तेहपवीत्रब्राह्मणनहीकदा ॥
पापप्रमादेंवरतेसदा ॥ ९७ ॥ जिममदिरानुंसाजनहोय ॥ सहसवारजोधो
वेतोय ॥ पवित्रनथाइंतिणिपरिंजांणि ॥ दूष्टत्र्प्रंतरगतचीत्तनुन्हाण ॥ ९८ ॥
त्र्प्रात्मनदीसंजमजलसरी ॥ सत्यप्रवाहशीलतटकरी ॥ दयानदीपांमवकरो
स्नान ॥ जलथीशुद्धनत्र्प्रात्मनीदान ॥ ९९ ॥ इत्यादिकशीवशास्त्रेंघणा ॥
साध्यासेदतेस्नानजतणा ॥ सर्वसास्त्रमांप्रांणीदया ॥ न्हातांनरहेतेहनीमया
॥ ७०० ॥ वलीदातणनोकह्योविचार ॥ श्राद्धतयाउपवासमकारि ॥ दंत
काष्टसंजोगनीवारि ॥ संजोगेंसातकूलसंहार ॥ १ ॥ महाभारतमांवातएक
ही ॥ वलीमार्कंडपुराणेंवही ॥ संक्रांतीदिनपर्वप्रतीपदा ॥ नोमीबारसिव
लीवरजीसदा ॥ २ ॥ तेकारणदातणनोदोस ॥ मकरोकरीइंमनसंतोस ॥ वली
त्र्प्रषंमव्रतनीयमनाधार ॥ विषयकषायजीत्यात्र्प्रणगार ॥ ३ ॥ सज्झायध्यांन
मांरातानीत्य ॥ एहवामुनीवरनीत्यपवीत्त ॥ वलिसिरतूंमसुंमनजेकरयुं ॥ प्र
थमव्रतराषणनेंधरयुं ॥ ४ ॥ पाषंमपणिएमंगलकरे ॥ जोचित्तमांमुनी
मंगलधरे ॥ सङनेंशास्त्रेंसीक्षाकही ॥ मंगलजोपालेव्रतवही ॥ ५ ॥ त्र्प्रन्यलि
गथीभ्रष्टजेथया ॥ जैनलिंगेजेमोक्षेंगया ॥ जैनलिंगथीभ्रष्टजोथाय ॥ तोत
सवज्रलेपकहेवाय ॥ ६॥ स्वेतांबरकेहवास्येवेष ॥ किमत्र्प्रवतारकरेस्यूंवीसे

ष ॥ कहोमहादेवमनेंएतुम्हें ॥ जिमनिःसंदेहजाणंअम्हे ॥ ७ ॥ दंमकंबल
महेशुद्धआहार।अजारोमप्रमार्जनधार।तूंबिफलसाजनहोयकरे॥ सिद्धालोज
नकोपनधरे ॥८॥ स्वेतवस्त्रराषेंकरेदया ॥ मुक्तिजैनधरममांश्रया ॥ पापनीकं
दननेंअवतार ॥ जुग २ किधाम्हेंअणगार ॥ ९ ॥ एहप्रसासपुराणेंकथा ॥सां
सलीबोलोममुखथीत्था॥सूरनेंपणिएअमणनुंरुप॥ मंगलरुपकह्यांसूंणिसूप ॥
॥१०॥ यतः ॥ प्रसासपूराणें॥अन्यलिंगपरीभ्रष्टो॥जैनलिंगेनसिध्यति॥जैनलिं
गपरीभ्रष्टो ॥ वज्रलेपोसवीष्यती ॥१ ॥ कीदृशाःस्वेतांवराः॥ तेकीदृशाःकिमा
काराः॥ कर्म्मकूर्वंतीकीदृशं ॥ अवतारःकथंतेषां ॥ महादेवनीगद्यतां ॥ २ ॥
दंमकंबलसंयुक्तं ॥ अजारोमप्रमार्जनं ॥ गृह्णंतीशुद्धमाहारं ॥ शास्त्रंदष्ट्वा
चरंतीच ॥ ३ ॥ तुंबिफलकरासीद्धा ॥ सोजनंस्वेतवाससाः ॥ नकुर्वंतीकदा
कोपं॥ दयाकुर्वंतीजंतूषु ॥ ४ ॥ मुक्तिजैनधर्माय ॥ पापनीष्कंदनायच ॥
अवतारःकृतमेषां ॥ मयादेवीयुगेयुगे ॥ ५ ॥ पूर्वढाल ॥ महासारतमांसा
ष्युंइम ॥ जसकुलजतीनथाइंप्रेम ॥ अवगतीआतसपुरवजथाय ॥ तेनरमो
क्षेकीमनजाय ॥ ११ ॥ शिवशासनमांजैनप्रमांण ॥ केतासाषूंतासवषांण॥
सांसलीनृपनुंगयुंमीथ्यात।कहेतुम्हज्ञानअहोसाक्षात ॥१२॥ इमकरंतोमुनी
चरणेंनमें ॥ गुरुजीकोपनकरस्योतूम्हें ॥ म्हेंअज्ञानपणेंकर्युंकर्म ॥ तेषम
ज्योप्रसूतूमचोधर्म ॥ १३ ॥ मुनीकहेमुनीसमतापरधान ॥ उठिमकरिसंभ्रम
कोइठाण ॥ सर्वजीवनुंखमीइंअमे ॥ तिणेंअमकोपनचित्तमांगमे ॥ १४ ॥
आक्रोशतर्जनाघातनाकरे ॥ धर्मभ्रंशवलीऋदइंधरे॥ अग्रिम२वीरहतेसाव॥
लासतेहोइंशुरुस्वसाव ॥ १५ ॥ वलीमुनीसावेंकर्मवीवाग ॥ सूपतीहरष्यो
धर्मतेराग ॥ एऋनाज्ञानथीगंनुंनही ॥ पुत्रूतातनेंआर्यिकाकही ॥ १६ ॥
इंमचितीनेंपुछ्यूंजदा॥ मुनीवरेंसाष्युंसघलूंतदा ॥ पीवकूर्कटवधमांनीकरी ॥
जयावलीसूतनेंदीकरी ॥ १७ ॥ तिहांलगेंसांसलीरायविचार ॥ चिंतवेअहो
संसारअपार ॥ अहोसवनाटिककिणिपरेंलहे ॥ ज्ञानीगुरुविणंकहोकुणकहे॥
॥ १८ ॥ इंमचोथेखंमेंएकही ॥ ढालत्रेवीसमीपदमेंसही ॥ समरादित्यनरप

तीनोरास ॥ सांभलोआगलवातविलास ॥ १९ ॥ दूहा ॥ अहोसंसारअसार
ता ॥ अबलाअथीरसनेह ॥ अहोगुरुतामोहरायनी ॥ अकळविवागअछेह ॥
॥ २० ॥ कुर्कटपाठनोवधकर्यो ॥ देवतादिधूंदाण ॥ तेहविपाकईमतातनें ॥
परणम्योकाढेंप्राण ॥ २१ ॥ मेंतोजीवमार्याघणा ॥ आलेंधरीअन्नाण ॥
नरकविनामुक्तनेंनही ॥ होस्येहीणंगाण ॥ २२ ॥ पुत्रअथवामुनीप्रति ॥
मुनीलहीमननीवात ॥ कहेन्रृपनेंचिंताकीसी ॥ वलीसांभलिअवदात ॥ २३ ॥
जैनधरमजोपमीवजे ॥ पापनोपश्चाताप ॥ त्रिविधेंआरंभनेंतजी ॥ आदरे
चारीत्रआप ॥ २४ ॥ ढाल ॥ देशीफतमलनी ॥ नरपती ॥ चारीत्रलेईआप ॥
जीवसवेमैत्रीकरे ॥ न० ॥ राषीमध्यस्थभाव ॥ वैराग्यभावनाआदरे ॥ २५ ॥
न० ॥ पालीनीरतीचार ॥ पुरवदुःकृतषेपवे ॥ न ॥ कारणविणनवकर्म ॥
अशुभनबांधेंतेहवे ॥ २६ ॥ न ॥ षयकरीकर्मनीजाल ॥ पुण्यपरंपरासा
धतो ॥ न ॥ आराधकथईतेह ॥ शुभगुणठाणेंवाधतो ॥ २७ ॥ न ॥ श्रेणी
रूपकचढीजीव ॥ घातीकरमनोषयकरी ॥ न ॥ पामीकेवलज्ञान ॥ शाश्व
तशिवलछीवरी ॥ २८ ॥ न ॥ जिहांनहीरोगनेंशोग ॥ जनमजरामरवुंनही ॥
न ॥ अव्याबाधअरुप ॥ अशरीरीपदवीलही ॥ २९ ॥ न ॥ बोल्योतेभूपा
ल ॥ तातआयिकाइणिपरिं ॥ न ॥ पाम्याकर्मविपाक ॥ एहवेअलपदुःकृत
करें ॥ ३० ॥ गणपतीम्हेकर्याकर्मअघोर ॥ सीगतीहोस्येमाहरी ॥ ग ॥
भोगव्याविणकिमजाय ॥ एहमांकुंणतूक्तवाहरी ॥ ३१ ॥ ग ॥ सदगतीपा
मुंकेम ॥ तवगुरुकहेसूणिभूपती ॥ न ॥ एकचरणपरिणाम ॥ काढेकर्मनीसं
तती ॥ ३२ ॥ न० ॥ पातीकविषपरीणाम ॥ अमृतसमचारीत्रकह्युं ॥ न० ॥
कर्मगिरीपवीरुप ॥ चिंतामणीदूर्विधलह्युं ॥ ३३ ॥ न० ॥ शिवसूखफलसूर
रूष ॥ चरणपरीणामकह्योसही ॥ न० ॥ विषलवषाईकोय॥नासउपायकरेन
ही ॥ ३४ ॥ न० ॥ पामेंआपदतेह ॥ कृत्याकृत्यमुंझीरहे ॥ न० ॥ नरसूख
सघलांगमी ॥ जिवितषयततषिणलहे ॥ ३५॥ न० ॥ तिमएजिवप्रमाद ॥ व
सथीपापकरमकरी ॥ न० ॥ नवीकरेतसप्रतिकार ॥ जनममरणकरेभवफरी

॥ ३६ ॥ न० ॥ जोकरेतासंउपाय ॥ अनंतसमसकतिकरी ॥ न० ॥ कालकू
टविषहोय ॥ तोपणितसलीईसंहरी ॥३७॥न०॥विखलवनोस्योतारा॥तिमस्तव
तावअनादीमां ॥न०॥ सेवीपापअघोर॥प्रतिपक्षसेंवेआल्हादमां ॥३८॥न०॥
बहुसवसंचितपाप ॥ क्षयकरचारीत्रआदरी ॥ न० ॥ एकसवनोस्योतार ॥
गुरुवचसूणीहरषेंकरी ॥ ३९ ॥ न० ॥ पुछेचरणपरीणाम ॥ स्यूंकहीईतवगु
रुकहे ॥ न० ॥ सम्यगज्ञानथीतीव्र ॥ रुचिथीपापतीवृतिलहे ॥ ४० ॥ न०॥
तूम्हदरीसणेंथयोधन्य ॥ आजमहानिधीम्हेंलह्यो ॥ न० ॥ आणिकहूंतूम्ह
एह ॥ जोतूम्हेश्रमणयोग्यकह्यो ॥ ४१ ॥ न० ॥ भृत्यनेंकहेनरनाथ ॥ जई
कहोमंत्रीप्रमुखसणो ॥ न० ॥ असयरुचीठवोराज्य ॥ आणिकरोएश्रमतणो
॥ ४२ ॥ न० ॥ मतकरज्योमुझखेद ॥ जैननीदीक्षाऊंवरूं ॥ न० ॥
अंगीकरीतेभृत्य ॥ जईसंसलाव्यूंतिणेंपरूं ॥ ४३ ॥ न० ॥ सांसलीऊंपणितेह ॥ असयमतीसाथेंग्रही ॥ न० ॥ अंतेउरसवीषाद ॥ पोहतानृपपासेंवही ॥
॥ ४४ ॥ न० ॥ दिठेमुनीनेंपास ॥ संवेगरससावितमती ॥ न० ॥ बेठेधरती
हेठि ॥ छत्रचामरछंम्याजती ॥ ४५ ॥ न० ॥ होयनहोयएराज ॥ जय २
शब्दथीप्रणमती ॥ न० ॥ सीहपंजरगतरीती ॥ किमवेठाकरेविनती ॥ ४६ ॥
॥ न० ॥ गतदाढाजिमसर्प्प ॥ राज्यभ्रष्टनरनीपरें ॥ न० ॥ बेठासोकमझारि॥
तवसूपतिईमउचरे ॥ ४७ ॥ न० ॥ मुनीसाप्योसंबंध ॥ वातकहीतेसांसली ॥
॥ न० ॥ इहापोथयोताम ॥ अमचीमतीबहुखलसली ॥ ४८ ॥ न० ॥ जाती
समरणज्ञान ॥ उपनुंअमबिहुनेंतदा ॥ न० ॥ मुर्छागतथयांदोय ॥ अमेधरती
ढलीआंयदा ॥ ४९ ॥ न० ॥ अंतेउरपरीवारातेहदेपीनेंरुदनकरे ॥ न० ॥ ए
वलीविजुंदूरक ॥ माननीनयणआंसूझरे ॥५० ॥ न० ॥ मुर्छालहीअम्हमाय॥
अनुंक्रमेंचेतनपामीआं ॥ न० ॥ मातआस्वासनाकीध ॥ रायनेंचरणेंनांमी
आं ॥ ५१ ॥ न० ॥ कहेसंसारअसार ॥ देषीअममनउत्तगुं ॥ न० ॥ श्रमण
पणंतूमसाषि ॥ लिजीईईमअम्हेंउलगुं ॥ ५२ ॥न० ॥ रायकहेजिमसूरूक ॥
एहमांप्रतीबंधमतकरो ॥न०॥ साणेजनेंदिउराज्य ॥ विजयधरमअसीधाधरो

॥ ५३ ॥ न० ॥ जिनवरचैत्यमझारि ॥ अठाईमहोछवकरी ॥ न० ॥ लेईअ
मनेंसाथ॥वलिपरधानअंतेउरी ॥ ५४ ॥ न० ॥ लिइंदिक्षागुरुपास ॥ चोथेखं
भेंमनधरी ॥न०॥ चोविसमीवरढाल ॥ पद्मविजयकहीसूखकरी ॥५५॥ दुहा॥
म्हेंकह्युंगुरुनेंपायनमी ॥ नयणावलीनेंनाथ ॥ संसलावोसूळदेशना ॥ पारल
हेसवपाथ ॥५६ ॥ जोग्यनहीजीनधर्मनें ॥ किधूंघणंअकाज ॥ त्रिजीनरगें
ततषिणें ॥ जास्येकहेगुरुराज ॥ ५७ ॥ रूषीअनुसयतवबहुकरे ॥ कहेगुरु
मतकरोईम ॥ चारीत्रतूम्हेचोषुंकरो ॥ मान्युंगुरुवचप्रेम ॥ ५८॥ अनुंक्रमेंच
रणआराधीनें ॥ कालकरीततकाल ॥ उपनादेवलोकआठमे ॥ सूखसोगवेंवि
शाल ॥५९ ॥ ढाल ॥ देशीएकवीशानी ॥त्रूटकनी ॥कोसलदेशेंरे ॥ साकेतन
यरीइंनरपती ॥ विनयंधररेतेहनीराणीलछीमती ॥ तेहनोसुतरेनामजसोधरहुं
यो ॥ पाम्लीपुरेरेजीवअसयमतीआवीयो ॥ ६० ॥ त्रूटक ॥ आविउईशान
सेननृपनी ॥ राणीवीजयानामए ॥ विनयमतीतसनांमथाप्युं ॥ कलासीष्यां
तामए ॥ स्वयंवरातेंआवीवरवा॥बहुआंम्बरथकी ॥ नयरबाहीरआवासआ
प्या ॥ म्हेंपणिसांसलीतेबकी ॥ ६१ ॥ मनहरष्योरेतातेंलगनजोवामीउं ॥अ
नुंक्रमेरेवरघोम्मुळचामीउ ॥ वाजंतेरेबहुविधतूरमंगलतणां ॥ नाचंतेरेपात्रप
गेंपगेंअतीघणां ॥ ६२ ॥ त्रु० ॥ अतिघणांमंगलबिरुदबोले ॥ साटचारणलो
कए ॥ मातापमुखसवीनारीगावे ॥ धवलमंगलथोकए ॥ आम्बरबहुकरी
चाल्यो ॥ राजवंदेपरिवर्यो ॥ धवलगजशीरउपरिहुं ॥ मस्तकवलीछत्रजध
र्यो ॥ ६३ ॥ नरनारिइंरेप्रशंशादतलरक्षांदेषीइं ॥ अनुंक्रमेंरेराजमार्गमांविशे
षीइं ॥ इंणिअवसरिरेदाहीणलोचनफूरकीउं ॥ हरषेंकरीरेचित्तमांम्हेंआलोकी
उं॥६४ ॥ त्रु० ॥ आलोचिउंकांयहरषथास्ये ॥ एहथीपणिअसीनवो ॥ इंणि
अवशरिदिठफिरता ॥ गोचरीइंसाहवो ॥ कल्यांणसेठनेंसवनआंगण ॥ पूर्व
अल्यासेंकरी॥ उपनुंमुनीराजदेषी ॥ जातीसमरणचितधरी ॥६५॥ मुरछावशें
रेपम्तांगजसीरथीकल्यो ॥ नामेरामसहुरेपुरुषेंपासेंबेठांकल्यो ॥ तूरादिकरें
बंदकरयांतिणेंअवसरें॥ षेदलहीनृपरेआवीचिंतेइंणिपरें ॥६६॥ त्रु० ॥ इंणिपं

रिपुगफलादीमदथी ॥ होस्येतिणेंसीचावीउं ॥ चंदनपाणीप्रमुखथीतव ॥ तासचे
तनआवीउं ॥ तातपुछेपुत्रस्यूंए ॥ कह्युंम्हेंतवइंमए ॥ संसारविलसीततातंए छे
तातकहेतेकेमए ॥ ६७ ॥ एहवचननोरेअवसरनहीतवम्हेंकह्युं ॥ वातमो
हटीरेसंखेपेंकिमजाइकह्युं ॥ सह्रतेमोरेबेसोएकांतेंसत्ताकरी ॥ सह्रतेम्यारेबे
गसूणवाचित्तधरी ॥ ६८ ॥ त्रु० ॥ चित्तधरीपुछेवातस्यूं छे ॥ तिणसमेम्हेंसाषी
उं ॥ संसारनिर्गुणमोहमुज्झीत ॥ प्राणिइंमजीनदाषीउं ॥ चित्तचिंतवेआलोच
अवला ॥ प्रवर्त्तेंअहीतेसदा ॥ अनागतनवीकालपेषे ॥ वर्त्तमांनजुइंतदा ॥
॥ ६९ ॥ साधारणरेजनमजरारोगसोगमा ॥ एकमरणनेरेवलीवाहलानावीजोग
मा ॥ प्रमादनीरेचेष्टाथीमीवह्रदूखदीइं ॥ सूरअसूरनेरेनरतिरीनेंजांणोहिइं ॥
॥ ७० ॥ त्रु० ॥ पीछमयकुर्कटहएयोतिणें ॥ जुउपरीणम्योकेतलो ॥ इंमक
हीसूरेंद्रदत्तनासवथी ॥ साप्योसोगव्योजेतलो ॥ ७१ ॥ सह्रसांभलीरेकहे
अकारयकर्मना ॥ लहेसंवेगरे सूणीअविपाकविहामणा ॥ माततातनेरेपरी
जनसह्रवेरागीआ ॥ देषीसाधुरेसांभलीचीतलयलागीआ ॥ सवथीमुज्झरेचि
त्तविरक्तथयुंघणूं ॥ आपोआणारेसफलकरुंनरभवपणूं ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥ मो
हवशातवतातबोले ॥ पुत्रतुज्झकुणनाकहे ॥ ताहरोभवसफलछेतिणें ॥ एहक
न्याकिमजरहे ॥ परणीनेंएप्रजापालो ॥ पुण्यबांधोइंणिपरिं ॥ म्हेंकह्युंधुरथी
ताततूम्हनें ॥ पाणीग्रहणतेकूंणकरे ॥ ७३ ॥ तातसासेरेपरणवामांस्योदोषछे ॥
म्हेंसाप्युंरेपाणीग्रहणसूषसोषछे ॥ जषधवीजुंरेव्याधीमोहनुंगेहछे ॥ शुद्धध्यान
नोरेवयरीनविधृतीरेहछे ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ विक्षेपनोएमीत्रसाप्यो ॥ शांतिनो
प्रतीपक्षए ॥ मदभवनउखउदयकारण ॥ पापआवासलक्षए ॥ नरभवसाध
ननेंहोयसमरथ ॥ तोहिपणिसीदायए ॥ सिंहपंजरमांपड्योतीम ॥ मोक्षकिमें
नसधायए ॥ ७५ ॥ रयणकंचनरेथालमांहिविष्टाभरी ॥ कुणनांषेरेतिमएन
रभवलहीकरी ॥ कुणसेवेरेविषयवचनजीननांलही ॥ तिणेंदिजेरेआणातात
जीमुज्झवही ॥ ७६ ॥ त्रु० ॥ नयनमांतवनीरआंणी ॥ कहेतातअम्हतेहए ॥
पीमेअतीसयतेहकारण ॥ रहोअमचेगेहए ॥ म्हेंकह्युंस्नेहनकीजीइंएह ॥

निमीत्तमुख्यसंसारए ॥ दिपपरेंरूणउपजेवीणसें ॥ तासरूइंसवपारए ॥७७॥
बोलेसूपतीरेंईसानसेननृपनीधुआ ॥ षेदकरस्येरेंतवम्हेंकह्युंआणीमया ॥ क
हेवरावोरेतेहनेंएहविचारए ॥ जोबुफेरेंसांसलीमुफअधीकारए ॥ ७८ ॥ चु०
अधीकारसांसलीकहेराजा ॥ एहवातकहीषरी॥पचवीसमीएढालसाषी ॥ खं
मचोथेसूखकरी ॥ विबुधउत्तमवीजयकेरो ॥ सीसपद्मवीजयकहे ॥ रासस
मरादित्यकेरे ॥ सूणतजयलछीलहे ॥ ७ए ॥ दूहा ॥ पुरोहीतनेंनरपतीकहे
ग्रंषवर्द्धनसूणिवात ॥ जिमनिपनीतिमजईतूम्हें ॥ संसलावोसूखसात ॥८०॥
कुमरीपासेंजइकरी ॥ आव्योनूपतीपाय ॥ कहेसीघ्राएकुमरना ॥ मनोरथ
सूणोमहाराय ॥ ८१ ॥ जईसाष्युंम्हेंजतनथी ॥ कांयककहेनृपकांम ॥ आ
सनथीतेउतरी ॥ अंजलीकरीकहेआम ॥ ८२ ॥ अवनीपतीआणाकरुं ॥ में
साष्युंतवईम ॥ इहांकूमरनेंआवतां ॥ राजमारगमांप्रेम ॥ ८३ ॥ साधूदर्शन
चीसषर ॥ जातीसमरणजाम ॥ उपनाथीनवलवअवल ॥ ततषीणसा
ष्याताम ॥ ८४ ॥ संसलाव्यासरवेअम्हे ॥ जसोधरामुखजाम ॥ नय
णावलीसूतनीवधू ॥ इणअवसरथयुंआम ॥ ८५ ॥ ढाल ॥ सांसरीआगु
णगावामुफनेंहीरनोरे ॥ एदेशी ॥ इमसांसलतांमुर्छापामीनृपधूआरे ॥ कां
यऊत्त २ आकूलसवीपरिवाररे ॥ चंदनसीचेचेतनपामीतवपछेरे ॥ कां
यपुछयोरे म्हेंतसएअधीकाररे॥ ८६॥ सांसलज्योअहोकर्मवीपाकविचित्र
तारे ॥ कांयसाष्युंइंणिपरेंराजकुमरीइंतांमरे ॥ मेसाष्युंकिमतेहविचित्रता
तवकहेरे ॥ तेहजशोधरामाहरुंजाणजेनामरे ॥ ८७ ॥ सा० ॥ सवमांसमतां
कर्मनाटिकस्युंनवीहोयेरे ॥ तवम्हेंसाष्युंसांसलोकुमरीवातरे ॥ एहचरीत्रें
राजकुमरमनउत्तगुरे ॥ कांयदिक्षाईछेजिनवरसाषीष्यातरे ॥ ८८ ॥ सा० ॥
रायकहेवरावेंकहोहवेअम्हेंकरीइंकिस्यूंरे ॥ तवसाबोलीकहोजईनेंमहारा
यरे ॥ एहसंशारसरुपदेषीकहोकूंणनेंरे ॥ नविवैराग्यकरेजिणेंशिवसुखथा
यरे ॥ ८ए ॥ तिणेसंशारतणाप्रतीबंधथकीसस्युरे ॥ किजेंजेमनउपजेकु
मरनेंसावरे ॥ मुफनेंआणाद्योजिमऊंदिक्षापछुरे ॥ सूणीराजासंवेगलह्योसव

नावरे ॥ ए० ॥ सां० ॥ कहेकुमरनेंपुत्रमात्रनहीमाहरोरे ॥ धर्मपमाड्यो
तिणेंगुरुमाहरोहोयरे ॥ तिणेंसंसारमांरहेवुंसरीउंमाहरेरे ॥ दिक्षालेस्यूंअम्हे
पणिदंपतीदोयरे ॥ ए१ ॥ सा० ॥ म्हेंसाष्युंतवतातजीतुम्हइंमजघटेरे ॥
नविकीजेंकांयएहवातेंप्रतिबंधरे ॥ नवनिहांदेवराव्युंमहादानवलीकरेरे ॥ स
घलेंदेहरेजिनपुजासंबंधरे ॥ए२॥सा०॥ क्षुलकभ्रातामुक्जसवर्द्धननामथीरे॥
तेहनेंथाप्योराज्यनोसारविशेषरे ॥मायपीतापरधानलोकवलीकेईस्युंरे ॥ विन
यवतीस्युंलिधोसाधूवेषरे ॥ ए३॥सा०॥ इंद्रसूतीआचारयपासेंपुन्यथीरे॥ लि
धोसंजमसहुइंशुभपरिणामरे ॥ एनिर्वेदकारणमुक्चरीत्रकह्युंसवेरे ॥ सांभल
रेतुंधन्नकूमरअसीरामरे ॥ ए४ ॥ सां० ॥ धनकहेरुकुंनिर्वेदकारणदाषीउंरे ॥
साषामुक्नेंकरवानेजेजोग्यरे॥ गुरुकहेचरणसामग्रीजगमांदोहिलीरे ॥ पांमी
नेंकुणहारेमुरखलोगरे ॥ ए५ ॥ सां० ॥ विस्तारेंसूणीउल्लसवातचरीत्रनीरे ॥
हरष्यो२धन्नकूमरकहेप्रेमरे॥लेउंचारीत्रगुरूजीतूम्हआणायकीरे ॥ मायता
यनेंसमजावुंजइंमरे ॥ए६ ॥ सा०॥ गुरुकहेजीमसूखउपजेतिमकीजेंतुम्हे
रे॥ आव्योमातपीतानेंपासेंधन्नरे ॥ परमसंवेगेंवातकहीमुनीवरतणीरे ॥ प्रति
बुज्यामायतायकरेव्रतमन्नरे ॥ए७॥ सा०॥ योग्यपुत्रछेगेहसारसूपुंहवइंरे ॥
इमकरीधनकुमरनेंसाषेनेहरे ॥ मणीमोतीमुखसारद्रव्यतूम्हेंआदरोरे ॥ अ
म्हेप्रवज्यालेस्यूंशिवसूखगेहरे ॥ ए८ ॥ सा० ॥ धनकहेसारपणंस्यूंदिउं
द्रव्यमांरे ॥ जनमजरानेंमरणनराषेकोयरे ॥ अरथीमनोरथपुरापणिनक
रीसकूंरे ॥ अथवापुन्यगइंपणिसंचीतजायरे ॥ एए ॥ सा० ॥ परलोकेंप
णिनहोइंसखाइकोइनेंरे ॥ तातकहेतेंएतोसाष्युंसाचरे ॥ धनकहेआणाआ
पोसाथेंव्रतघहुंरे ॥ तातकहेएसाचुंपणिसूणिवाचरे॥ ८००॥ सा० ॥ जौवनें
इंद्रीयदमवाकंदरपउर्दमोरे ॥ धनकहेअवीवेकतेजौवनजाणिरे ॥ नहीतरु
णनइंघरढोजीवअनादीनोरे ॥ गरढापणिबहुविषयपीपासवषाणिरे ॥ १ ॥
सा० ॥ यतः ॥ गलीतंअंगंपलीतंमुडं ॥ दशनविहीनंजातंतुडं ॥ वृद्धोयाती
गृहित्वादंडं ॥ तदपीनमुंचत्याशापिंडं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ निंदानगणेंनविचा

रेपरमार्थनेंरे ॥ द्रव्यसंजोगेकेवाकरेवलीग्रामरे ॥ पारदमर्दनसेवीअंगकठीन करेरे ॥ हिमेटेकथकीवलीराषीमामरे ॥ २ ॥ सा० ॥ वद्धसावथीबीहतो जनमकालांतरेंरे ॥ दाषेपणिनवीदेषेआयुषीणरे ॥ केईपरलोकनाअरथीजो वनवयछतेरे ॥ विजचपलपरेंजीवीतजांणेंहीणरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ धरीवि वेकअगारविषयछांमीकरीरे ॥ हरिणपरेंवलीमरणथीबीहतातेंहरे ॥ चारीत्र धर्मसेवेंजेपरलोकसाधवारे ॥ जौवनदधतणुंनहीहेतूएहरे ॥ ४ ॥ सा० ॥ इंद्रीयदमीआंआतमदमीउमुलथीरे ॥ तेहथीसूरनरसूखवलीमोक्षनांसूरक रे ॥ इमजांणीकूंणइंद्रीयनदमेंमुरखोरे ॥ अशुलसंकल्पमुलतेअनंगछेदू रकरे ॥ ५ ॥ सा० ॥ जिनवयणेंसावीत्तसंकल्पकरेनहीरे ॥ समताधरतोरहे नित्तगुरुनेंपायरे ॥ निरवेदीसावनथीकंदरपस्युंकरेरे ॥ सारकिस्युंएपुदगल नोसमुदायरे ॥ ६ ॥ सा० ॥ शब्दादीकशुसथईनेंअशुसहोयेंवलीरे ॥ अशुस होइंतेपरीणमेंशुसपरीणामरे ॥ एजमआतमचेतननेंसंबंधकीस्योरे ॥ द्रव्यां तरसंजोगेसूखनोनछामरे ॥ ७ ॥ सा० ॥ अन्यसंजोगेआत्मिकसूखनहोइं कदारे ॥ तिणेंमुक्तनगमेविषयप्रमादनोसंगरे ॥ तातप्रसावेंविघनजस्येसवी माहरांरे ॥ मान्युंतातेंकूमरवचनमनरंगरे ॥ ८ ॥ सा० ॥ करीअठाईमहो छवदिईदाननेंरे ॥ मातपीतानेंबीजोपरीजनसंगरे ॥ तेहजशोधरगुरुनेंपासें आदरेरे ॥ धनकुमारअधीकमनदीक्षारंगरे ॥ ९ ॥ सा० ॥ चोथेषंमेढालक हीछवीसमीरे ॥ श्रीगुरुउत्तमविजयपसाइंएहरे ॥ पद्मविजयेंश्रीसमरादी त्यनारासमांरे ॥ सूणतांमंगलमालाश्रोतागेहरे ॥ १० ॥ सा० ॥ दुहा ॥ धनकुम रेंदीक्षाधरी ॥ किधोक्रियाकलाप ॥ सूत्रअभ्यासकरीसवे ॥ जपतोंमो नथीजाप ॥ ११ ॥ एकविहारअंगीकरे ॥ सावनासावेसर्व ॥ गामेएकनि शागमें ॥ नगरेंपंचनीगर्व ॥ १२ ॥ कोसंबीपुरेअनुंक्रमें ॥ आव्यातेऋषिराय नंदनेंहवेधनसीरीतणो ॥ कहुंसंबंधकथाय ॥ १३ ॥ सघलेंषोल्यासमुद्रमां जम्यानहितेजाम ॥ उलंघ्याअर्णवहवें ॥ तरूणीवंयणेंताम ॥ १४ ॥ कंचन नेंवलीकामीनी ॥ देषीचुक्योनंद ॥ कोसंबीआवीकरी ॥ मनसूखधरीस्वछंम

द ॥ १५ ॥ समुद्रदत्ततेसेठीउ ॥ नामठवेनीजनंद ॥ गोचरीफिरतानगरमां ॥
मातंगजेममुणंद ॥ १६ ॥ ढाल ॥ कंततमाकूपरीहरो ॥ एदेशी ॥ फिरता
आव्यागोचरी ॥ नंदतणेंघरिवार ॥ मेरेलाल ॥ धनसीरीइंतवउलष्या ॥ उप
नोतससोकअपार ॥ मुनीराज ॥ १७ ॥ नारीकुकर्म्मज्योज्योतुम्हे ॥ उधें
सीख्योलीबमो ॥ नवीमीठेथायलगार ॥ मे० ॥ किमनवीएहमुउहजी ॥ क
हेमुफअवतारधीकार ॥ मे ॥ १८ ॥ ना० ॥ किममुफनजरेंएचम्क्यो ॥ हवेकरीइं
एहउपाय ॥ मे० ॥ जिमजीवेंनहीमुलगो ॥ इंणेअवसरितेऋषिराय ॥ मे ॥
॥ १९ ॥ ना० ॥ जाचनासमयअतीक्रम्यो ॥ जाणिनेंवलीआतेह ॥ मे० ॥ द्वेषलही
धनसिरीघणुं ॥ उलषीमुफचितेएह ॥ मे० ॥ २० ॥ ना० ॥ शीघ्रगयोकीमएकहो ॥
बोलावीदासीताम ॥ मे० ॥ जईजुउकिहांजइएरहे ॥ होयतिममुफनेंकहेठाम ॥
मे० ॥ २१ ॥ ना० ॥ दासीआणिअंगीकरी ॥ चालीमुनीवरनेंमाग ॥ मे० ॥ मुनी
वरआहारमल्योनही ॥ पणिअवसरनोनहीलाग ॥ मे० ॥ २२ ॥ ना० ॥
पुरदेवीउद्यानमां ॥ पोहतातवचोथोजाम ॥ मे० ॥ लागोतिणेंविचरयानही ॥
काउसग्गरह्यातिणेंठाम ॥ मे० ॥ २३ ॥ ना० ॥ जईधणसीरीनेंतकह्युं ॥
धणसिरीकहेनंदनेंइम ॥ मे० ॥ म्हेंपुरदेविनेंमानिउं ॥ तूमरोगहतोतवप्रेम ॥
मे० ॥ २४ ॥ ना० ॥ करिउपवासवदिआठमें ॥ तूम्हआयतनेकरहुंवास ॥
मे० ॥ आठमगईपरमादथी ॥ सूपनेंतवप्रेरीषास ॥ मे० ॥ २५ ॥
ना० ॥ विहाणेंतुम्हेजातारह्या ॥ तिणेंसाषीनसकीवात ॥ मे० ॥
किधोछेउपवासम्हें ॥ तिणेंजाउंतिहांसाक्षात ॥ मे० ॥ २६ ॥ ना० ॥ पु
जापोआणीदिउ ॥ नंदेपणिआणीदीध ॥ मे० ॥ तवचाकरदूगसाथिले ॥
दासीपणसाथेंलिध ॥ मे० ॥ २७ ॥ ना० ॥ तिहांजईदीठामुनीवरू ॥ इंण
अवसरआव्योएक ॥ मे ॥ काष्टतणीसरीगाफली ॥ कठिआरोघरतविवेक ॥
मे ॥ २८ ॥ ना० ॥ लागोअकृतिहांकिणें ॥ आथमवालागोसूर ॥ मे० ॥ कठी
आरोमनचिंतवें ॥ मुफनेंथयुंअतीहिअसूर ॥ मे ॥ २९ ॥ ना० ॥ काष्टपहेनही
कोइहां ॥ तिहांमुंकीदषस्ततेलीध ॥ मे० ॥ निजघरिपोहतोवेगस्यूं ॥ धनसि

रीचिंतेसलूंकिध ॥ मे ॥ ३० ॥ ना० ॥ एहजकाष्टेंबालस्यूं ॥ चिंतवीगईचंमी
कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरतणी ॥ सोजनआपेमनसाय ॥ मे० ॥३१॥
ना०॥ सूतासकुइंअनुंक्रमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥ मुनीपासेंतेका
ष्टनो ॥ षम्केंतिहांअतीसंसार ॥ मे ॥ ३२ ॥ ना० ॥ ध्यानमांमुनीवरनवी
लहे ॥ अज्ञानेंप्रजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनुं ॥ चिंतेंमुनिवरमा
हांसाग ॥मे०॥३३॥ना०॥अनुकंपाइंमुनीवरू॥वलताकाउसग्गअफग्ग ॥मे०॥
अहोएजीवनेंद्धयथो ॥ कारणदूरगतीनेंमग्ग ॥ मे० ॥ ३४ ॥ ना० ॥ धन
जेनरमुगतेंगया ॥ नहोइंकर्मबंधनुंहेत ॥ मे० ॥ मुरूउहेत्रीनरगमां ॥ एपो
होचस्येंडुखसंकेत ॥ मे० ॥ ३५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ इंम
साषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नवीसोचुंमुरूजीवनें ॥ शोचुंएजीवअनाथ ॥
मे० ॥ ३६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीउदूखसायरएह ॥
मे०॥ मोहिक्लिष्टप्राणीतणी ॥ अथवानहीदूखएरेह ॥ मे०॥३७॥ना०॥ धिग्
संसारअशारनें ॥ इमसावतोशुसपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिइंमारयोरूषी ॥
एहनेंकिहांसदगतीठांम ॥ मे० ॥ ३८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
पनारूषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेंदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतेअसमां
न ॥ मे० ॥ ३९ ॥ ना० ॥ चोथेखंमेएकही ॥ वरसत्तावीसमीढाल ॥ मे० ॥
पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमंगलमाल ॥ मे० ॥ ४० ॥ ना० ॥
॥ डुहा ॥ चंमीकादेहरेचपलथी ॥ दासीइंपेसतांदिठ ॥ धनसीरिनेंपुठेधसी ॥
स्वामीनीकह्योविसीठ॥ ४१ ॥ किहांजईआव्यांतिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
राति ॥ परदषणापुठेंकरो ॥ सगवतीनेंसविसाति ॥ ४२ ॥ इंणिअवसरअवलो
कीउ ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएइंमसोचीकरी ॥ सूतीशंकसहोत ॥ ४३ ॥
विहाणेंदेवीपुजीहवे॥ चालीकरीअतीचुप॥ पंचत्वलह्योपंथेरीषी॥ आलोक्यो
तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युंजाणी
इंआपणें ॥ सीक्ष्योकिणीपरेंसाध ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचिंतवें ॥ मोकलीका
लेंमुरू॥जोवावलीमध्यजामिनी॥ गईतेहनुंएगुरू ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआलो

कीउं ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुफएहअनर्थमां ॥ कारणकरीवीकराल ॥
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गामलानोधणीआवीउंरे ॥ व्य
तिकरदीठोतेह ॥ फरीयादीगयोरायनेंरे ॥ अहोमुफपापअछेह ॥ ४८ ॥ रीषी
किणेंमारीउंरे ॥ मुफकाष्टथीवलीउंजेह ॥ माहराधीगजन्मनेंरें ॥ एआंकणी॥
मुफगाढीगतीहोयस्येंरे ॥ सूणिकोप्योराजान ॥ हुकमकरयोकोटवालनेंरे ॥
ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीषी० ॥ चंम्नीकादेहरेचालीउंरे ॥ कोपधरी
कोटवाल ॥ पुछेपुजारीप्रतेंरे ॥ रातिरह्यूंकुणकालि ॥ ५० ॥ रीषी० ॥ चोर
लांठकोइनवीरह्योरे ॥ पुजारीकहेइम ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीधरी
नेम ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ कहेतलारस्येंहेतूइरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहे
नवीलह्रंरे ॥ तवचिंतेतेतलार ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअछेरे ॥
वसवाकेरोदिन्नातेहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीयईषणषण ॥ ५३॥ रीषी०॥
मंगलवारहतोवलीरे ॥ पाछिलेपोहरेंदृष्टि ॥ जोगनीपातमह्योषरोरे ॥ स्त्रीविण
नहीकोईदुष्ट ॥ ५४ ॥ रीषी० ॥ जाउंएहनेंघरिहवेंरे ॥ पामस्यूंसघलीवात ॥
इमचिंतीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेंचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ पुछेशार्थपनीगेह
नीरे ॥ घरमांछेकेनांहि ॥ ह्रोसनालहीकहेकामस्यूंरे ॥ कहेकोटवालउछाह॥
॥ ५६ ॥ रीषी०॥ ईर्ष्याधरीक्रोधेंकरीरे ॥ परअसीप्रायनोजांण ॥ कहेरेपाप
णीविसरयोरे ॥ मुनिवृत्तांतअजाण ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ नीजकरमेंशंकीध
णीरे ॥ चेटिबोलीतांम ॥ मुफसेठाणीइमोकलीरे ॥ जोवामुनीवरगाम ॥ ५८ ॥
रीषी० ॥ हुंविजुंजाणुंनहीरे ॥ सूणीउपनोसंदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेंमुंरे ॥
कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीषी ॥ फरितेपुछेसूंदरीरे ॥ मधरोसयमनमा
हिं ॥ मोकल्यांतूम्हस्येंकारणेंरे ॥ तेसाचोतूम्हेआंहि ॥ ६० ॥ रीषी ॥ साकहे
तीह्रालेअवारे ॥ कालेत्रिजेजाम ॥ आव्याविणलिधेवल्यारे॥ तवमुफमोकली
आम ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ जोईआवीनेंम्हेंकह्यूंरे ॥ रिषीरहेवानुंगाम ॥
कारयतोजाणुंनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ तिहांजईनें
स्युंकिधलूंरे ॥ तवबोलीसानारि ॥ चंम्नीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

गार ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ कोटवालतवचिंतवेरे ॥ पुजानेंमीसएह ॥ परीजन वंचामारीउरे ॥ मुनीवरनहीसंदेह ॥ ६४ ॥ रिषीइंणेंमारीउरे ॥ एत्र्प्रांक णी ॥ बोलावीघरमांजईरे ॥ तवषोसाणीतेह ॥ सावलषीनेंसांषीउंरे ॥ वात सूणोमुक्तएह ॥ ६५ ॥ रीषी० ॥ रीषीघातकनेंखोलवारे ॥ मुक्तनेंमोकल्यो राय ॥ पगलूंतुम्हघरित्र्प्रावीउंरे ॥ तिणेंचालोनृपपाय ॥ ६६ ॥ रीषी० ॥ सांसलीनेंधरणीढलीरे ॥ तवचिंतेकोटवाल ॥ निश्चयकर्म्मइंणेकर्युंरे ॥ न हितोसयकिमसाल ॥ ६७ ॥ रीषी० ॥ नागोनंदबाहीरथकीरे ॥ वातसूणीनें तेकान ॥ धनसीरिलाव्यानृपकन्हेंरे ॥ जोईचिंतेंराजान ॥ ६८ ॥ रीषी० ॥ इणत्र्प्राकारेंएहवुंरे ॥ कर्मकरेकिमसाय ॥ स्येकारणतूंतिहांगईरे ॥ पुछेइंणि परेंराय ॥ ६९ ॥ रीषी० ॥ त्र्प्रोसलहीबोलीनहीरे ॥ तवत्र्प्रांकानृपथाय ॥ फरिपुछेकेहनीधुत्र्प्रारे ॥ किहांथीत्र्प्रावीरहाय ॥ ७० ॥ रिषी० ॥ पुरणस द्रनीढ्धुत्र्प्रारे ॥ सूसम्मनयरथीत्र्प्राय ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ तवतत्र्प्राशो धीकराय ॥ ७१ ॥ रिषी० ॥ नजण्योसर्त्ततेहनोरे ॥ तवकीधोविश्राम ॥ सूपपासेंनबोलीसकेरे ॥ एहवोधरीमनसाम ॥ ७२ ॥ रीषी० ॥ पुर्णसद्रपा सेंमोकल्योरे ॥ लेषवाहकततकाल ॥ एहनेंपुछावेतदारे ॥ एहजवातसूपाल ॥ ॥ ७३ ॥ रीषी० ॥ लेखवाहकलेखलावीउरे ॥ वांचेनरपतीइंम ॥ धणसीरी नामेंत्र्प्रमधूत्र्प्रारे ॥ त्र्प्रमकूलखंपणनेंम ॥ ७४ ॥ रीषी० ॥ रायविचारेइंणि इरे ॥ निश्चयकीधूंकांम ॥ पापिणिनीत्र्प्रहोमुरखंतारे ॥ त्र्प्रहोकुरह्रदयावाम ॥ ॥ ७५ ॥ रीषी० ॥ नारीत्र्प्रवध्यकहीतिणेंरे ॥ दिधोदेशनिकाल ॥ जातांसां कसमयतदारे ॥ सूषतरसत्र्प्रसराल ॥ ७६ ॥ रीषी० ॥ देवलमांसूतीजईरे ॥ एहवेकरम्योनाग ॥ महाक्लेशेंमरीउपनीरे ॥ वालूप्रसादूखसाग ॥ ७७ ॥ रीषी० ॥ उग्रपापतूरतजफलेरे ॥ एहमांनहीसंदेह ॥ सातसागरनारकपणें रे ॥ दुखसोगवेनीजदेह ॥ ७८ ॥ रीषी० ॥ इंणिपरिंचोथोसवकस्रोरे ॥ दंपतीनोत्र्प्रधीकार ॥ हवेजयविजयभ्रातातणोरे ॥ साधुंसषरवीचार ॥ ॥ ७९ ॥ श्रोताजनसांसलोरे ॥ त्र्प्रासाढवदिएकादशीरे ॥ च्यालिसेमंमाण ॥

पूरोवीसलनगरमांरे ॥ चोथोखंमप्रमाण ॥ ८० ॥ श्रोता ॥ श्रगविसढालेक
रीरे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ साद्रवावदितेरसदिनेरे ॥ संपुरणसूवीलास ॥८१॥
॥ श्रो० ॥ विजयदेवसूरीपटधरूरे ॥ श्रीविजयसिंहसूरीस ॥ सत्यविजयशो
हामणारे ॥ सोसागीतससीस ॥ ८२ ॥ श्रो० ॥ तासकपुरविजयकवीरे ॥ षि
माविजयवरतास ॥ जिनविजयसीसतेहनारे ॥ जेहनेंशास्त्रअन्यास ॥८३॥
श्रो० ॥ गीतारथगीरुआघणारे ॥ सद्रकसमतावंत ॥ उत्तमविजयसोहामणा
रे ॥ तेहनाशीष्यमहंत ॥ ८४ ॥ श्रो० ॥ तसपदपद्मभमरसमोरे ॥ पद्मविज
यइणनांम ॥ गायाइंमहरषेंकरीरे ॥ गुणीजननागुणग्राम ॥ ८५ ॥ श्रो० ॥
पुन्यउपार्जनजेकरीरे ॥ तेहथीसवीजनलोक ॥ सकलदूखनोक्षयकरीरे ॥
पामोशिवफलरोक ॥ ८८६ ॥ श्रो० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीत्तप्रवरश्रीम
दूत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मवीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राक
तप्रबंधेंधनकूमारधनश्रीदंपत्योःसंगतयोचतूर्थोंनरस्तवःसमाप्तः ॥ सर्वगाथा
चतूर्थखंमे ॥ ८८६ ॥ उक्तगाथा ॥काव्य ॥ सवईउयइ ॥२८॥ ॥४॥
॥ डुहा ॥ प्रगटप्रतापीपासजी ॥ प्रणमुंप्रेमेंपाय ॥ समरीसाचीसारदा ॥ क
रेजेहकवीराय ॥ १ ॥ पंचमखंमप्रारंसीइं ॥ सूणोसंघसमुदाय ॥ सूण
तांसमतारसवधइं ॥ पातिकदूरिंपलाय ॥ २ ॥ जंबुद्वीपनुंसरतजे ॥
नयरकाकंदीनाम ॥ समुद्रदेशपरेंशोसती ॥ तंतूस्युंखांतीकाताम ॥ ३ ॥
पतीव्रताजनमनपरें ॥ परपुरसेंप्रकार ॥ उलंघाइंनहीअधीक ॥ उज्व
लघनआगार ॥ ४ ॥ द्वारतोरणअतीदिपतां ॥ सीहबालस्यूंसाच ॥ गि
रीवरकेरीज्युंगुफा ॥ तरतोदिसेताच ॥ ५ ॥ ढाल ॥ लाछलदेसातमल्हार ॥
एदेशी ॥ सूरतेजनृपनांम ॥ सूरतेजरीपुगांम ॥ आजहोराणीरेलीलावती
जाणीतेहनीरे ॥ ६ ॥ पुरणकरीसूरआय ॥ धनसूरउपनोआय ॥ आ० ॥
तेहनीरेकूखेंतवचंद्रसूपनेंलह्योरे ॥ ७ ॥ संसलावेसरतार ॥ तवतेकरेउच्चार ॥
आ० ॥ सामंतमंमलमांशसीसमसूतहोयस्येरे ॥ ८ ॥ प्रसवसमयथयोजा
म ॥ सूलजोगेंसाताम ॥ आ० ॥ प्रसव्योरेतिणेंपुत्ररतनसमपरगमोरे ॥ ए ॥

निवृत्तीनामेंनारि ॥ षाइंवधामणीसार ॥ आ० ॥ संतोषेतसदानदेईनईसूपती
रे ॥ १० ॥ इमकरतांथयोमास ॥ जयकुमारतेतास ॥आ०॥ थापेरेअसीधान
अनुंक्रमेंवाधतोरे ॥११॥ करतोकलाअभ्यास ॥ पुरवधरमनीवास ॥आ०॥
चारीत्रेंघणोरागथयोतसजन्मथीरे ॥१२॥ एकदिनरमवाउद्यान ॥ चंद्रोदयअ
सिधान ॥ आ० ॥ दिठारेतिहांसनतकूमारसूरीसरुरे ॥१३॥ तेजेंसूर्यसमान॥
उतरयाप्रासूकथान ॥ आ० ॥ उदधीपरेंगंसीरशीतलजीमचंद्रमारे ॥ १४ ॥ र
तनपरेंबहुमुल ॥ सज्जननेंअनुकुल ॥ आ० ॥ सरगपरेंरमणीकवाच्यनही
सीवपरेंरे ॥ १५ ॥ नयरीस्वेतंबिकाराय ॥ जसवर्मसूतमुनीराय ॥ आ० ॥
स्वपरसमयग्रह्योसारबहुमुनीपरिवर्योरे ॥ १६ ॥ देषीलह्योसंवेग ॥ मनचि
तेअतीवेग ॥ आ० ॥ एहसंसारअसारएहवापणिढांमतारे ॥ १७ ॥ कु
णएकिमकर्योत्याग ॥ पुछुंजईमाहासाग ॥आ०॥जईवंद्यासहुमुनीनेवलीसूरी
सनेंरे ॥ १८ ॥ बेठेगुरूनेंपाय ॥ करकजजोडीठाय ॥ आ० ॥ गुरुजीएसं
सारवैराग्यहेतूखरोरे ॥ १९ ॥ तोपणिबाह्यनिमित्त ॥ विणनविउलसेचित्त ॥
आ०॥ तेकारणविशेषहेतुतुमचुंकहोरे॥२०॥ चिंतेसूरीवरईम॥ वयणविन्यास
अहोकेंम ॥ आ०॥ एहनोरेएविवेकदेषीमनरंजीउरे ॥ २१ ॥ हेतूविशेषअव
धार ॥ तेपिणछेसंसार ॥ आ० ॥ सूरीकहेजोसूणवाईछातोसूणोरे ॥ २२ ॥
अल्पनिदानविवाग ॥ मोहटासूणीमहासाग ॥ आ० ॥ चित्रांगदविद्याधर
पासेंव्रतलीउरे ॥ २३ ॥ इणहीजसारहवास ॥ स्वेतांबीकापुरीषास ॥ आ० ॥
जसवर्मान्रृपतेहनोपुत्रहुंजाणजेरे ॥ २४ ॥ ज्योतीसीकहेतवईम ॥ जनम
मात्रथीनेम ॥ आ० ॥ विद्याधरनरपतीथास्येएबालकोरे ॥ २५ ॥ हुंबहुव
ल्लसतात ॥ एकदिनतस्करघात ॥ आ० ॥ करवारेलेईजातादिठमेंतदारे ॥
॥ २६ ॥ चोरघणाकहेईम ॥ अमतूमसरणंनेम ॥ आ० ॥ राषोरेतूम्हेतवम्हें
तसमुंकावीआरे ॥ २७ ॥ रमवागयोहुंबार ॥ सघलोएअधीकार ॥
आ० ॥ निपनोरेतिहांबाहरीपंचमखंडमारे ॥ २८ ॥ पहेलीढालरसाल ॥
सूणतांमंगलमाल ॥ आ० ॥ समरादित्यनारासमांपद्मविजयेंकहीरे ॥ २९॥

डुहा ॥ रुगलोकनयरतणा ॥ कहेनृपनेंकोटवाल ॥ नृपकहेकुमरजाएनेही ॥ तिमकरज्योततकाल ॥ ३० ॥ तस्करग्रहीतूम्हेपुरतणा ॥ नरनेंकरीवीन्नाण ॥ मारज्योसूणितिणेंमारीञ्रा ॥ जवमुक्नेथयुंजांण ॥ ३१ ॥ रीसाणोमहारायथी ॥ चाल्योचतूरसूजाण ॥ तामलिप्तीञ्राव्योतूरत ॥ मनमांञ्राणीमाण ॥ ३२ ॥ यतः ॥ त्रयःस्थानंनमुचंति ॥ काकाःकापुरषाःमृगाः ॥ अपमानेत्रयोयांति ॥ सिंहाःसत्पुरुषाःगजाः ॥ १ ॥ ॥ डुहा ॥ ईशानचंदञ्रवनीपती ॥ साहमोजईसनमांन ॥ देईकहेसूंदरकस्युं ॥ ञ्राव्याञ्रापणगाण ॥ ३३ ॥ जाणोएनिजराज्यछे ॥ नयरमांकस्योनिवेस ॥ ञ्रापेमुक्ञ्रावासतीम ॥ रहेवातेहनरेश ॥ ३४ ॥ जिवनत्योतूम्हजेगमे ॥ इमकहेवरावेराय ॥ मेतोतेनवीमानीउं ॥ तसहीतजिणेंपरेंताय ॥ ३५ ॥ढाल॥ रागधमाल ॥ पासजीहो ॥ अहोमेरेललनां ॥ एदेशी ॥ वसंतसमयएकदिन हवेञ्राव्यो ॥ रहेतांतिहांसूखमांहि ॥ ललनां ॥ अवीवेकीजनञ्राणंदकारी ॥ दिन२अधिकउछाह ॥ ३६ ॥ मनमोहनमेरेदिलवश्योहो ॥ अहोमेरेललनां ॥ दिलवश्योमनवश्योमुक् ॥मन०॥एञ्रांकणी ॥मलयवायुतिहांवायामनोहरा॥ फूल्यांवनउद्यान ॥ ललनां ॥ लोकथोकतिहांजोवाचाल्या ॥ कोकिलरवसूणेंकांन ॥ ३७ ॥ मन० ॥ मित्रेंपरिवृत्तकुंपणिचाल्यो ॥ करीतनुंशोभावीशेश ॥ल०॥ अनंगनंदनउद्यानमांजातां ॥ ञ्राव्योराजपंथनेंदेश ॥ ३८ ॥ मन०॥ नामविलासवतीनृपपुत्री ॥ गोषथीदिठेमूक् ॥ल०॥ कोईलवांतरनेंअभ्यासें॥ रागथीअतिशेंअलूक् ॥ ३९॥मन० ॥ बकुलमालागुंथीनीजहाथें ॥ नाषीमुक्शिरतेह ॥ल०॥ दिठीमुक्वसूसूतीमित्रें ॥ थापीकंठदेशेंमेंएह ॥४०॥ मन०॥ उरधजोयुंतवतिहांदिठुं ॥ वदनकमलअदसूत ॥ल०॥ हर्षलह्योकुंतेपणिकुंई ॥ तोषवीषादसंयुत ॥४१॥ मन० ॥ कुंतनुंथीतिहांञ्रागलिचाल्यो ॥ चित्तमुंकीतसपास ॥ ल० ॥ तेहनुंध्यांनकरतघरिञ्रायो ॥ पणिनहीकिमविलाश ॥ ॥४२॥ मन० ॥ शीसडुख्यानामिसथीवीसरज्यो ॥ मित्रादिकपरीवार ॥ल०॥ अननुंसूतडखनेंअनुंसवतो ॥ रूणनिद्राकरीतिणवार ॥ ४३ ॥ मन० ॥ रा

नीदानहो ॥ ७२ ॥ सू० ॥ तोनीरुद्यमकिमथईरह्या ॥ सा० ॥ तवम्हेंसाष्युं
तासहो ॥ सु० ॥ नहीनिरुद्यमपणिचिंतवुं ॥ सा० ॥ एहउपायतेषासहो ॥
॥ ७३ ॥ सू ॥ साकहेसमरुपकुलकनी ॥ सा० ॥ हरतांकांयनदोषहो ॥
सु० ॥ आठप्रकारविवाहना ॥ सा० ॥ शास्त्रमांसाष्याजोषहो ॥ ७४ ॥
सु० ॥ ब्राह्म१प्राजापत्य२आर्षठई३ ॥ सा० ॥ ऋत्विज४धर्मएच्यारहो ॥
सु० ॥ गंधर्व५असूर६राक्षस७वली ॥ सा० ॥ पैसाच८अधर्मच्यारहो ॥
॥ ७५ ॥ सु० ॥ कंन्यासूषीतकरिदीई ॥ सा० ॥ तेविवाहकह्योब्राह्महो ॥
सु० ॥ निजविभवोचितधनदिई ॥ सा० ॥ तेप्राजापत्यनामहो ॥७६॥ सु० ॥
गायदांनपूर्वकदिई ॥ सा० ॥ तेतोआर्षकहायहो ॥ सु० ॥ सर्वजातीधन
दक्षिणा ॥ सा० ॥ तेतोवेदसुगायहो ॥ ७७ ॥ सु० ॥ वरकन्याराजीपणें ॥
सा० ॥ नहिकोईअवरनुंकामहो ॥सु०॥ तेगंधर्वकह्योवली ॥सा०॥ परठन्नपर
णेजामहो ॥ ७८ ॥ सु० ॥ जेपणबंधईपरणिई ॥ सा० ॥ तेतोआसूरजाणिहो
॥ सू० ॥ बलात्कारथीपरणवुं ॥ सा० ॥ तेराक्षसपहिचाणहो ॥ ७९ ॥ सु० ॥
सुतीरमतीहोयजे ॥ सा० ॥ अणजाणेंलेईजायहो ॥ सु० ॥ तेपैशाचिक
जाणिई ॥ सा० ॥ हरणमांदोषनकोयहो ॥ ८० ॥ सु० ॥ म्हेंकह्युंवातषरी
कही ॥ सा० पणिरागीनररायहो ॥ सु० ॥ अप्रतीहतगतीकुमरनें ॥ सा० ॥
वलीजीवनसुपसायहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ परणावेराजाकदी ॥ सा० ॥ तव
नहीबीजोउपायहो ॥ सु० ॥ दर्शनवेळनेंजीमहोई ॥सा०॥ चिंतवोतेहसुगाय
हो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ अनंगसूंदरीतवसणें ॥ सा० ॥ लावोतूम्हेकूमारहो ॥
सु० ॥ ऊंपणिसूवनउद्यानमां ॥ सा० ॥ लावुंराजकुमारिहो ॥ ८३ ॥ सु० ॥
म्हेंएवातअंगीकरी ॥ सा० ॥ चालोकारणतेहहो ॥ सु० ॥ वचनसुणीवसु
सूतीनां ॥ सा० ॥ परमआणंदलह्योदेहहो ॥ ८४ ॥ सु० ॥ मोहअज्ञानें
मांनतो ॥ सा० ॥ सवीदुखनोलह्योपारहो ॥ सु० ॥ वसुसूतीनेंकह्युंतूम्हत
णें ॥ सा० ॥ वचननकरूंनाकारहो ॥ ८५ ॥ सु० ॥ सवनउद्यानेंअम्हे
गया ॥ सा० ॥ जिहांषटरीतुनीसोहहो ॥सु०॥ जातीअनेकनाफूलिआ ॥सा०॥

दरूदेषीहोयमोहहो ॥ ८६ ॥ सु० ॥ अनंगसुंदरीआवीकहे ॥ सा० ॥ एह चंदनलतागेहहो ॥ सु० ॥ तिहांआवीनेंबेसीइं ॥ सा०॥ तवअम्हेगयातिहांने हहो ॥ ८७ ॥ सु० ॥ दिठीविलासवतीतिहां ॥ सा० ॥ सखीइंपरीवलजेह हो ॥ सु० ॥ कूर्मोंन्नतपदजेहना ॥ सा० ॥ निरमलनखससनेहहो ॥ ८८ ॥ सु० ॥ उरुजुगरंसाउपमा ॥ सा० ॥ सिहलंकीगुणखानहो ॥ सु० ॥ कटी मेखलाखलकीरही ॥ सा० ॥ सवननितंबपंचबाणहो ॥ ८९ ॥ सु० ॥ लावण्यजलनीकुपीका ॥ सा० ॥ नासीमंमलगंसीरहो ॥ सु० ॥ कमलनाल सीबांहिमी ॥ सा० ॥ नाशिकाचंचज्युंकीरहो ॥ ९० ॥ सु० ॥ चंदलावयणीविराजती ॥ सा० ॥ चंपकवरणीधारिहो ॥ सु० ॥ कोटउरेंघणंसोहतो ॥ सा० ॥ मुक्ताफलनोहारहो ॥९१॥ सु० ॥ आंषमीपंकजपांखमी ॥सा०॥ अरधससीसमसालहो ॥ सु० ॥ कामधनुषसमुहावनी ॥ सा० ॥ अधरप्रवालांलालहो ॥ सु० ॥ ९२ ॥ जिनध्यानानलेंदाझतो ॥ सा० ॥ मदनधुममानुंकेसहो ॥ सु० ॥ अथवाशेषवेंणेंवस्यो ॥ सा० ॥ दंतदाढिमकलीवेसहो ॥ ॥ ९३ ॥ सु० ॥ रुपदेषीरीझ्योघणं ॥ सा० ॥ चित्तमांसनतकूमारहो ॥ ॥ सु० ॥ नेत्रकटाक्षेंनिरषीउं ॥ सा० ॥ विस्मयपांमीनारिहो ॥ ९४ ॥ सू० ॥ त्रीजीपांचमाखंमनमां ॥ सा० ॥ पद्मवीजयकहीढालहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनारासमां ॥ सा० ॥ आगलिवातरसालहो ॥९५॥सु०॥ दुहा ॥ आदरदेईउलीयई ॥ विलासवतीतिणीवार ॥ सनमानोबेसारतो ॥ कामनीनेंते कुमार ॥ ९६ ॥ अनंगसुंदरीकहेअमप्रतें ॥ आसनबेसोएथि ॥ बेठातवअम्हेंबिढुंजणा ॥ तंबोलआप्योतेथि ॥ ९७ ॥ मित्रसूतीइंएनामथी ॥ कंन्यारक्षाकार ॥ आवीप्रणम्योआदरें ॥ किधोम्हेंशतकार ॥ ९८ ॥ विलासवती तुम्हनेंवदे ॥ नरपतीएहवीवात ॥ विणातूम्हनेंविसरी ॥ कालेंकोपकरात ॥ ॥ ९९ ॥ आजवजावबीअबलथी ॥ संसारोकरीसान ॥ आणातवअंगीकरी ॥ निकलीअवसरजान ॥ १०० ॥ त्रीठीआंषिताकती ॥ सवनगईसयलीत ॥ मारबाणविधीमनें ॥ कंपेजेमचकीत ॥ १ ॥ वसूलूतिकहेवाल

हा ॥ जईइंआपणीजाग ॥ स्येकारणबेसीरह्या ॥ विलासवतिविणवाग ॥ २ ॥
उठ्याबेऊंश्हांथकी ॥ आव्याद्वारउद्यान ॥ अनंगवतीनृपराणीइं ॥ दिठो
मुझदिलआणि ॥३॥ ढाल ॥ माहरूंमनमोह्युंरेमाधवदेषवारे ॥ एदेशी ॥ मुझनें
देषीरेरागतेउपनोरे ॥ कामनराषेरेमाम ॥ कार्यअकार्यहिताहीतनविगणेरे ॥
विह्वलथईतेहवाम ॥ ४ ॥ विषयपिपासारेविषमीजगतमांरे ॥ एआंकणी ॥
निजथानिकअह्लेपोहताप्रेमस्यूंरे ॥ चिंतवतातेहथान ॥ रागहोइंजेउपरिजेह
नोरे ॥ तेहनेंतसबहुमान ॥ ५ ॥ वी० ॥ कूसूममालतंबोलविलेपणरे ॥ मुंके
विलासवईसखिसाथ ॥ पुर्वछतांपणितेअंगीकरयारे ॥ रागधरीनीजहाथ ॥६॥
॥ वी० ॥ अनंगसूंदरीनेंआप्योकंठथीरे ॥ हारतेसूवनमांसार ॥ निजघरजाणी
नीत २ आवज्योरे ॥ खेदमकरज्योलगार ॥७॥ वी० ॥ इंमसाषीनेंवीसरजी
तेप्रतेंरे ॥ इंमकरतांकोईकाल ॥एकदिनघरथीनीकलतांमनेंरे ॥ दासीकहेउज
माल ॥ ८ ॥ वी० ॥ अनंगवतीनृपराणीइंमोकलीरे ॥ तुम्हनेंतेमवाकाज ॥आ
पश्ठाइंकुमरपधारीइंरे ॥ पाउधारोतूम्हेराज ॥ ए ॥ वी० ॥ अंबाकहेतेक
रवुंमाहरेरे ॥ कूमरकरेरेविचार ॥ राईसंघलेप्रवेशआणाकरीरे ॥ चिंतवीचा
ल्योतिवार ॥ १० ॥ वी० ॥ वामनयनफूरक्युंतवमाहरुंरे ॥ नगण्युंतेमनमां
हिं ॥ जईदिठीशोकातूरविह्वलारे ॥ प्रणमीधरीयउछाह ॥ ११ ॥ वी० ॥ रा
णिकहेशरणागततामाहरईरे ॥ कंदरपनोसयजोर ॥ मंदिरउद्यानथीजाताथका
रें ॥ दिठातूम्हतिणठोर ॥ १२ ॥ वी० ॥ तेदिनथीपंचबाणपणमाहरेरे ॥ थयो
दशाकोमीनेबाण ॥ तूम्हगुणथीमुझहृदयतेबांधीउंरे ॥ सत्यसहीतअप्रमाण ॥
॥ १३ ॥ वी० ॥ तुह्मसंयोगेंमुझतनुंठारीइंरे ॥ शक्तीवंतजेहोय ॥ तेपरप्रार्थ
नाभंगकरेनहीरे ॥ दिनउध्धारकरेसोय ॥ १४ ॥ वी० ॥ आपदआवतीनगणें
चित्तमांरे ॥ पुरेपरअभीलाष ॥ उलटीप्रार्थनाऊंतूझनेंकरुंरें ॥ तिणेंएअनंग
थीराषि ॥ १५ ॥ वी० ॥ वयणसुणीवज्रघातपरेंथयोरे ॥ बोल्योतामकुमार॥
मातस्युंबोल्यारेईमनवीबोलीइंरे ॥ एतोमहाअनाचार॥ १६ ॥ वी० ॥ ईहप
रलोकेंदूखदायकघणरे ॥ कूलआचारनएह ॥ संकलपजोनीमदनएसाषीउ

रे ॥ तिणेंसंकल्पतजेह ॥ १७ ॥ वी० ॥ तूम्हतनुसोगनोखपनहीमाहरेरे ॥ शक्तीवंतानरतेह ॥ जेनीजधरमनछंडेसत्वथीरे ॥ नविखंडेशीलरेह ॥ १८ ॥ ॥ वी० ॥ नवीउलंघेनीजश्राचारनेंरे ॥ नकरेंनिंदितकाम ॥ निजकरणीमांमु झाइंनहीरे ॥ तेहनेंकिस्युंकरेकाम ॥ १९ ॥ वी० ॥ यतः ॥ तेपंमीश्राजेवि रयाविरोहे ॥ तेसाछूणोजेसमयंचरंती ॥ तेसत्तीणोजेनचलंतीधम्मे ॥ तेबं धवाजेवसणेहवंती ॥ १ ॥ ॥ पूर्वढाल ॥ पहेरोवीवेकसन्नाहतूम्हेप्रेम स्यूंरे ॥ जेहथीअनंगसयजाय ॥ जोतुम्हवल्लसछूंमातजीरे ॥ तोकिमइंमक हाय ॥ २० ॥ वी० ॥ क्षणसूखअरथेंवछूदूखनरगमारे ॥ सोगववांबछूकाल ॥ अवीवेकीजनअसीलाषाकरेरे ॥ छंमोएहजंजाल ॥ २१ ॥ वी० ॥ यतः ॥ खिणमीत्तसूखाबछूकालदूखा ॥ पगामदूरकाअनीकामसूखा ॥ संशारमुक स्सविपरकसूत्रा ॥ खाणिअणछाणउकामसोगा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ लाजकरा तवअणंगवतीकहेरे ॥ सलूं २ कह्युंरेकूमार ॥ म्हेंतेमाम्योपरीक्षाकारणेंरे ॥ पणिधनतूम्हअवतार ॥ २२ ॥ वी० ॥ जाउसूखेंनीजथानिकइंमसूणीरे ॥ चाल्योकरीपरीणाम ॥ घरिआव्योकांयवेलाअतीक्रमीरे ॥ निपनुंतिणेंस मेश्राम ॥ २३ ॥ वी० ॥ विनयंधरकोटवालतेआवीउरे ॥ जसनरपतीघणुं हेत ॥ तेंकहेकुमरएकांतआणाकरोरे ॥ कहेवीवातसंकेत ॥ २४ ॥ वी० ॥ तवसमूमीत्रगयानीजथानिकेरे ॥ हवेकहेस्येकोटवाल ॥ पद्मविजयकहोपं चमखंमनारे ॥ चोथीढालरशाल ॥ २५ ॥ वी० ॥ दुहा ॥ तुम्हराज्येंशक्तीम ती ॥ सन्नीवेसछेसार ॥ विरसेनकूलपुत्रवर्गो ॥ दयावंतदातार ॥ २६ ॥ शर णागतराषणसषर ॥ असीमानीआधार ॥ सूरगंसीरसोहामणो ॥ सफलजन मसंशार ॥ २७ ॥ जाणिगरसजायातणो ॥ लेइनारीनेंल्हार ॥ सूसटपरीव्रत्त सामटो ॥ चाल्योचतूरविचार ॥ २८ ॥ जातांनयरजयस्थलें ॥ जिहांस्वसुर जनवास ॥ बाहिरस्वेतांबीवनें ॥ वेगेंकिधोवास ॥ २९ ॥ ढाल ॥ दवतणीरी धीलोगविआव्यो ॥ एदेशी ॥ इंणअवशरिएकचोरतेआव्यो ॥ मुहमेंसासन माइं ॥ सयकायरनयणांनहीमाइं ॥ कंठप्राणतसआयके ॥ ३० ॥ साईंसूणो

होऊंरेअनाथी ॥ नहींइंहांमाहरोसाथीके ॥ सा३ ॥ एअांकणी ॥ शरणतुम्हा रेआव्योइणिपरें ॥ तवबोलेतेहवाणी ॥ सयमकरेमुफवेगतारो ॥ केशनवोफ्रा णिके ॥ ३१ ॥ सा० ॥ घरिणीकहेअन्याईहोस्ये ॥ तिणेंमकरोएकाम ॥ कु लपुत्रकहेजोनाईहोवे ॥ तोआवेस्येकामके ॥ ३२ ॥ सा० ॥ जेहवोहोयतेह वोम्हेंराष्यो॥कहेबेशितूइहांसारो॥तेकहेसयकायरजिमहरणो॥ अंगधुजेअथी राईके ॥ ३३ ॥ सा० ॥ नारीहृदयसयथीयरहरतूं ॥ तिमसायलथरहरती ॥ सज्जननेंपरनिंदावाणी ॥ तिमनवीगतीविस्तरतीके ॥ ३४ ॥ सा० ॥ जाचकव चनपरेंपगखलता ॥ जमपरेंएनरनाह ॥ तेहनाचाकरपुठेंआवे ॥ तेहनीसीती अथाहके ॥ ३५ ॥ सा० ॥ षेदमकरिकूलपुत्रेंसाष्युं ॥ बेसास्योएकांते ॥ रायपुरसआविइंमसाषे ॥ आपोचोरएकांतेंके ॥ ३६ ॥ सा० ॥ जाइंपाताले केंजलधीउलंघे ॥ शक्रनेंशरणेंजाई ॥ तोपणिनवीछोफीजेंएहनें ॥ चोरीकरी २ जाइंके ॥ ३७ ॥ सा० ॥ कुलपुत्रकहेचोरराषवोनघटे ॥ शरणांगतनअ पाय ॥ जिमकहोतिमकरीइंतवबोल्या ॥ आपोअमएसायके ॥ ३८ ॥ सा० ॥ रायकोपानलमांहिपतंगसम ॥ मतथाउतूम्हकहीइं ॥ कहेकुलपुत्रएके मअपाई ॥ शरणागतजेलहीइंके ॥ ३९ ॥ सा० ॥ नृपनरकहेकिमराषस्यो एहनें ॥ बलथीलहेस्यूंएह ॥ कुलपुत्रकहेमुफप्रांणधरंतइं ॥ नवीषंमाइंरेहके ॥ ४० ॥ सा० ॥ इमकहीखमगलीधुंनीजकरमां ॥ सनद्धहोयपरीवार ॥ रा जपुरुषपोहतानृपपासें ॥ साष्योसर्वविचारके ॥ ४१ ॥ सा० ॥ मुफआणा लोपकनुंसरणं ॥ जेहकरेतसमारो ॥ इमकहीनृपेंबहूसैन्यमोकलीउं ॥ कर तावहूहोकाराके ॥ ४२ ॥ सा० ॥ लागुंजुधपरस्परेबेहूनें ॥ इंणअवसरतिहां आयो ॥ राजकुमरजत्रोवर्मरमीनें ॥ बहूअशवारेंछायोके ॥ ४३ ॥ सा० ॥ पुछेतवसरवेसंसलाव्यूं ॥ बोल्योसूतनरराय ॥ मुफमाख्यावीणएसरणागत ॥ वछलनवीअमरायके ॥ ४४ ॥ सा० ॥ जुधसम्यूंसूपतिइंजाण्यूं ॥ राइंमांनी वात ॥ चोरबोलावीसहूनिजथानिक ॥ षेमेंकुसलेंआयातके ॥ ४५ ॥ सा० ॥ अनुंक्रमेंजयथलनगरेंपोहता ॥ प्रशम्योपुत्रहूंताम ॥ इमतूफतायमुफमाय

तायनें ॥ मुझउपगारीश्रामके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेंसूणीउ ॥ स
घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतांदीनकाढे ॥ मानेबहूउपगारके ॥ ४७॥
॥ सा० ॥ कारणएहकह्यानुंसूंणीइं ॥ इशानचंदजेराय ॥ रहवासीरमीअनंग
वतीघरें ॥ हरषधरीजवआयके ॥४८ ॥सा० ॥ पंचमखंडेपद्मवीजयेंकही ॥
पंचमीरुडीढाल ॥ समरादित्यनारासमांसूणीइं ॥ सूणतांमंगलमालके ॥ ४९॥
सा०॥इति॥ अनंगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूंनांष
तो ॥ नरपतीपुछेवयण ॥ ५० ॥ एस्यूंतवकहेअंगना ॥ शीलराख्यानोंस्वाद॥
रायकहेकीमउच्चरो ॥ अंगेधरीआल्हाद ॥ ५१ ॥ पुर्वेंकरतांप्रार्थना ॥ वास
रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारएसूंखीइं ॥ आजएकीधअनीति ॥ ५२ ॥ राजा
तवरीसेंचढ्यो ॥ कहेमुझनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारनें ॥ नवीजाणेकोई
नांम ॥५३॥मेंपणितेंतिहांमानीउं ॥ मनमांचित्युंआम ॥ जोम्ह्योमुझअकार्य
मां ॥मुझनरगेंनहीगंम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इंमचितंचितनमा
य ॥ किमहीकदीर्घायुथकी ॥ नमरेतोहोइंन्याय ॥५५॥ ढाल ॥ सारदबुधदा
इक ॥ एदेशी ॥ नरपतीनीआणातोपणिकिमलंघाय ॥ पगलुंसरेजेहवेतें
हवेछेकतेथाय ॥ करेवीलंबतेएहवइंतवएकनिमीत्तीउबोले ॥ ढीलनकरोह
मणांनहीएछेकनेंतोले ॥ ५६ ॥ त्रुटक ॥ सोमानामएछेकतेसाषीआगे
ग्यफलनेआपे ॥ पुर्वऋषीइंणिपरेंसाष्युंछेतिणेंदूखदोहगकापे ॥ वलीनिमी
त्तंतरथीजाण्युंनिर्दोषवस्तुमांआणि ॥ राजाइंकीधीछेतोपणितूंमनमांअप्र
माण ॥ ५७ ॥ यतः ॥ पमीसेहमजत्तंवा ॥ हाणिवुढीखयंअसिद्धिच ॥ आ
रोग्गमछलासं ॥ श्रीयंमिपयाहिणंदिशासू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूंझ
चित्तमांछेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूंवहीलोनहींतोविपरिततेह ॥ तव
म्हेंमनचित्यूंसिद्धादेशएनांम ॥एहनावहूप्रत्ययदिठाछेकेईकांम ॥ ५८ ॥
॥ त्रु० ॥ इंमचितिगयोजननीपासेंपुछेजननीमुझ ॥ देखुंछुंउदवेगसरीषुं
म्लानवदनतेतूझ ॥ मातायीनवीछानुंकरीइंइमविचारीसाष्युं ॥ माताकहे
एंकूमरनेंतातेंताहरूंकूलसवीराष्युं ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्यइंमसूणी

ढंरहांआव्यो ॥ माहरोवत्तांतएतूम्हनेंसर्वसूणाव्यो ॥ आचारजसाषे सांभलीएम्हेंविचारयुं ॥ स्त्रीचरीत्रअहोजुउविषनेंवलीअवधारयुं ॥ ६० ॥ ॥ त्रु० ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीदयजुउराषे ॥ मोहमेमीठी दीलमांजुठीप्रेमविजज्युंदाषे ॥ सरीतापरेंउभयकूलहरणीगरहीतहिंशाजे हवी ॥ संगीनीदिक्षापरेंनलहेंधर्मवाततेकेहवी ॥ ६१ ॥ एचितानुंस्यूंका मकहोढंइंमाहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥ अथवाजौवनव यमाहरीदेषीमानेखरीवातसंसलावुंजइंराजानेंकांनें ॥ ६२ ॥ त्रु० ॥ अथवाराणीमारीजाइंतिणेंएपणिकिमकरीइं ॥ एकतोमनवंछीतनसनकरयुं वलिसंकटमांधरीइं ॥ राजानेंजोखरुंनसाषुंतोकुलकलंकतेआवे ॥ तोपणि एहवुंकामतेंनकरुंजिणेंपरपिमाथावे ॥ ६३ ॥ कहेवीनयंधरसूणोमुझ नेंस्यूंफरमावो ॥ कुमरकहेतूम्हेंतोरायढंकमबजावो ॥ मुझजीवेस्यूंछे एहवुंसाषेजाम ॥ श्रीहरनामेब्राह्मणमारगेंढीक्योताम ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ वली ब्राह्मणबहुमोहटेशब्दें ॥ वातोकरताचाले ॥ स्यूंकहीइंघणंदोशनएहनें ॥ स मकरीइंजेआले ॥ सूणीविनयंधरबोल्योइंणिपरें ॥ तूममांनहीकोइदोश ॥ सि क्षादेशठीकएशब्दें ॥ काढ्योसघलोसोस ॥ ६५ ॥ केहेस्यूंबहुसाषुंकहो जेहवुंहोयतेह ॥ विनवीसूपतीनेंदेवरावुंदंमदेह ॥ कह्युंम्हेंस्यूंसाषुंअ बाकहेतेप्रमांण ॥ तवकहेंविनयंधरमुझनेंथयुंविन्नाण ॥ ६६ ॥ त्रु० ॥ मुझनेंथयुंविन्नाणएवचनें ॥ एहजदूष्ठठेराणी ॥ जइंराजानेंकरुंविनती ॥ क रेसहुसमझाणी ॥ इंमकहीउभ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंबेसारयो ॥ म्हेंकह्युंअ बाउपरिएवमुं ॥ नकरोकोपवकारयो ॥ ६७ ॥ एहचंचलजीवितकाजेकीम डुखदीजें ॥ कहेवीनयंधरसूणिएवमीवातकीमपीजें ॥ मुंकोमुझजाउं तवम्हेंइमसाषीजें ॥ एहवातेंआग्रहअंशमात्रनवीकीजें ॥ ६८ ॥ त्रु० ॥ इंमकरतांजोबलथीकरस्यो ॥ तोढंतजस्युंप्राण ॥ इंमसांभलीनेंरोवालागो ॥ विनयंधरअसमान ॥ अहोअवीचारयुंकारजनृपनुं ॥ एहवापुरुषमांशंका ॥ म्हेंकह्युंतातनेंइंमनकहिइं ॥ कर्मपरणतीमुझवंका ॥ ६९ ॥ तवविनयंधरकें

हेऊपापीसीरदार ॥ ऊस्यूंकरुंसाषोम्हेंकह्युंतूंआणाकार ॥ करिनृपनी आणातवबोल्योतेतलार ॥ जिमतिमस्यूंबोल्योकिमतूमकर्मविकार ॥ ॥ ७० ॥ त्रु० ॥ धन्यतूम्हेंकत्यपुन्यगुणाकर ॥ सूरतरुसरीषोदाता ॥ जोन वीविनवुंराजानें ॥ अनुकंपाईराता ॥ उगारवीराणीनेंजांणो ॥ तोंचितवोउपा य ॥ तूम्हनेंउगारीआणंउ ॥ कोंपनकरेवलीराय ॥ ७१ ॥ म्हेंकह्युंविचारी जोनकरेंनृपआणि ॥ तोवसुसूतीस्यूंजाउंदेशांतरगाए ॥ तेमान्यूंतलारे बोलेतवकोटवाल ॥ आजसुवरणसूमीजाइंक्याजततकाल ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥ संध्यासमयेंविऊनीकलीआ ॥ साथेंवलीकोटवाल ॥ प्रवहणस्वामीसमुद्रदत्त नें ॥ सुंप्यायईउजमाल ॥ घणीतलामणदेईमुफप्रणमी ॥ कहेमुफकोपनकर ज्यो ॥ नेत्रेंनीरफरतांवलतां ॥ कहेतनुंजतनतेकरज्यो ॥ ७३ ॥ चाल्युंहवे प्रवहणउपयोगीकर्णधार ॥ वसूसूतीपुछेमीत्रएकिस्योवीचार ॥ तवस ऊसंत्तलावेअनंगवतीअधीकार ॥ नृपनेंनवीसाष्युंअनंगवतीउपगार ॥ ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ सुवर्णसूमीपोहताअनुक्रमें ॥ दोयमाशनेंकाल ॥ उतरीश्री पुरनगरेंपहोता ॥ पंचमेरवंम्हेढाल ॥ पद्मविजइंढगीसाषी ॥ समरादित्यनेंराश ॥ गुणवंतागुणगातांहोवे ॥ घरि२लिलवीलास ॥ ७५ ॥ ॥श्री ॥श्री दुहा ॥ स्वेतांबीकावासीमिल्यो ॥ सम्रधदत्तसूतसार ॥ वाणिऊअरथेंआ वीउ ॥ मनोरथदत्तमनोहार ॥ ७६ ॥ माहरोबालथीमीत्रते ॥ संभ्रमपाम्यो सोय ॥ निश्चयउलषीप्रणमीउ ॥ हर्षवीषादमनहोय ॥ ७७ ॥ नृपनेंकुसलपु छ्युंमनें ॥ निजघरलाव्योनेह ॥ सोजनउत्तरईमंसणें ॥ कारणआगमकेह ॥ ॥ ७८ ॥ रायनिर्वेदनवीरह्यो ॥ आव्योआणेंगाम ॥ माउलथायेमाहरो ॥ सीहलद्वीपनोस्वामि ॥ ७९ ॥ तिहांजावुंमुफततषिणें ॥ जोज्योजातूंजिहा ज ॥ मनोरथदत्तेंमानीउं ॥ जिमसाषोमहाराज ॥ ८० ॥ मित्रवीजोगना मान्यथी ॥ काढ्योवऊतिणेंकाल ॥ उतावललहीएकदीन ॥ मुफनेंकहेमया ल ॥ ८१ ॥ जावुंतुमारेजोपरस्यूं ॥ तोप्रवहणजाईनित ॥ तुम्हविजोगनें कातर ॥ एतलादिवसअतीत ॥ ८२ ॥ आजजमाहरेजायवुं ॥ म्हेंसाष्युं

इमजाम ॥ पटएकलावीआपीउं ॥ उतपतीसाषेआम ॥ ८३ ॥ ढाल ॥ सो
लीमारेहंआरेविषयनराचिइं ॥ एदेशी ॥ कौतूकसहीतएपटस्वामीसूणो ॥ उढी
जेजवएह ॥ कोइनदेषेरेआपणनेंतदा ॥ तवम्हेंपुछ्युंसनेह ॥ ८४ ॥ पुण्यप्रमा
णेरेसवीसुखसंपजे ॥ एआंकणी ॥ म्हेंतवउढ्योरेतीमहीजनीपनुं ॥ उतपती
पुछीम्हेंताम ॥ तवतेसाषेरेइहांआव्यापछी ॥ सिद्धसेनएकनांम ॥ ८५ ॥
पुन्य० ॥ आणंदपुरनोवासीतेहछे ॥ बहुवीद्याजससिद्ध ॥ तेसोद्धपुत्रस्यूंप्री
तियईघणी ॥ इकदिनम्हेंतसकीध ॥ ८६ ॥ पुन्य ॥ चमतकारकोईविद्यामां
अछे ॥ केनहीकौतूकमुझ ॥ तवतिणेंसाष्यूंरेदेषाडुंतनें ॥ विद्याशाधनगुझ ॥
॥ ८७ ॥ पुन्य ॥ सरसवप्रमुखनीसामग्रीकरो ॥ जावुंछेशमसांन ॥ तैया
रीकरीअमेबिहुंचालीआ ॥ आथमीउतवसान ॥ ८८ ॥ पुन्य ॥ अंधकार
मांरेघूकगुहमकरे ॥ जइतिणेंमंमलकीध ॥ अगनीकुंमकरीमुझअप्रमत्तक
र्यो ॥ मुझकररवमगतेदीध ॥ ८९ ॥ पुन्य० ॥ थोमीवेलारेमंत्रजापकस्यो ॥
तवजक्षकन्यारेएक ॥ चंद्रमुखीमृगनयणीराजती ॥ कलशस्तनीवरटेक ॥
॥ ९० ॥ पुन्य० ॥ सुरतरुकूसूमेरेवेणासोसती ॥ गगनथीउतरेतेह ॥ मेंमन
चिंत्यूंरेमंत्रसकतीगुरू ॥ सिद्धनेंप्रणमीरेएह ॥ ९१ ॥ पुण्य० ॥ मुझसमर
णनुरेकारणसाषीइं ॥ सिद्धसेनकहेताम ॥ मित्रनेंदिव्यदर्शननाराागथी ॥
एहअमारेरेकाम ॥ ९२ ॥ पुण्य० ॥ तवतेदेवीरेमुझनेंजोईकरी ॥ कहेंतूठी
तुझआज ॥ मागितूंकायकतवम्हेंसाषीउं ॥ तुम्हदरशनइंसर्युंकाज ॥
॥ ९३ ॥ पुण्य० ॥ षालीनजाइंरेदेवदर्शनकदा ॥ जक्षकंन्याकहीइंम ॥
नयनमोहनपटरयणतेअपीउं ॥ प्रणमीलीधोरेप्रेम ॥ ९४ ॥ पुण्य० ॥
यतः ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघंनीसीगर्जितं ॥ अमोघाउत्तमावाणी
अमोघंदेवदर्शनं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ गइनिजथानिकतेजक्षकन्यका ॥ विहा
णेअम्हेपुरमांहि ॥ आव्याइंणिपरेंउतपतीएकही ॥ लिधोतेहउछाहि ॥ ९५ ॥
पुण्य० ॥ मनोरथदत्तस्यूंरेसायरतटगया ॥ देवविमानपरेंदिठ ॥ ध्वजमाला
सोसीतवरजीहाजते ॥ अतीसयतेहविशिठ ॥ ९६ ॥ पुन्य० ॥ इश्वरदत्त

तसअधीपतीउठीउ ॥ आप्युंआशनसार ॥ करीप्रणामनेंवेगतेसऊ ॥
सूंप्याअमनेंसंसार ॥ ए७ ॥ पुण्य० ॥ मनोरथदत्तकहेमुझबांधवा ॥
स्वामीएवलीमीत्त ॥ जिवीतमाहरूंरेएहनेंजाणज्यो ॥ जालवज्योवऊरी
ति ॥ ए८ ॥ पु० ॥ पोतपतीकहेझांफूंरयूंकहो ॥ मुझपणिएहवारेएह ॥
वेगझयाझेरेमनमोदेंकरी ॥ दरीयानेंवलीदेह ॥ एए ॥ पु० ॥ पवनेपुरयोरे
सढउंचोकरी ॥ मनोरथदत्तपरिणाम ॥ करीउत्तोरखोवाहणचलाविआं ॥ नि
रजामकेंसऊताम ॥२००॥ पु० ॥ तेरसमेदिनसायरमांजतां ॥ चढिउमेघअ
काल ॥ वीजझबुकेरेगरजारवकरे ॥ अंधकारअसराल ॥ १ ॥ पु० ॥ साय
रकंपेरेकल्लोलउछले ॥ वायुविषमारेवाय ॥ मदमत्तगजपरेंवसनहीजीहाज
ते ॥ निरजामकतेषेदाय ॥ २ ॥ पु० ॥ तिणेसमेंढ्यारेमेंधीरजधरी ॥ सढ
नावोरसंसालि ॥ सढसंकेल्योरेनांगरमुंकीआं ॥ पणिसागरविकराल ॥ ३ ॥
पु० ॥ सारगुरूतिणेंकर्मविपाकथी ॥ सागुजिहाजतिवार ॥ सघलाअवगा
रेथयाविजोगीआ ॥ पाम्याडरकअपार ॥ ४ ॥ पु० ॥ फलकलह्युंम्हेरेआयु
संबंधथी ॥ दिवसथयातिहांत्रणि ॥ तटदेषीनेरेनिकलीउहवें ॥ जाणंपु
न्यअगन्य ॥ ५ ॥ पु० ॥ पंचमखंमेरेसातमीढालए ॥ पुरणऊईसूप्रमाण ॥
पद्मविजयकहेसवशायरतरो ॥ जिमहोयकोमिकल्याण ॥ ६ ॥ पु० ॥
दूहा ॥ जंबुवृक्षतलेजइ ॥ चिंतवेइंणिपरेंचित्त ॥ वसुसूतीरखोवेगलो ॥ मा
हरोवल्लभमित्त ॥७॥ पमीउएहवेपयोनीधी ॥ कहोजीव्योऊंकेम ॥ मित्रविना
हवेमाहरे ॥ नवीजिववुंएनेम ॥ ८ ॥ अथवामुझपरेंएहपणि ॥ जिवंतो
होयजोय ॥ तोमिलवुंथायतेहस्यूं ॥ हवेंजोसावीहोय ॥ ए ॥ जवजोधुं
तबजाणिउं ॥ पलट्योनहीतेपट्ट ॥ विस्मयपाम्योवेगस्यूं ॥ प्रेमथकीपरग
ट्ट ॥ १० ॥ उत्तरसनमुखआवीउ ॥ सूपनीवेदनीसालि ॥ गिरिनदीनेंकाठि
गयो ॥ फनसफलादीसंसालि ॥ ११ ॥ आहारकरीअवनीतलें ॥ समोराज
कूमार ॥ वेगेतवजोमेंविऊ ॥ सारसदिठांसार ॥ १२ ॥ ढाल० ॥ घनदिन
वेलाघनघमीतेह ॥ एदेशी ॥ दिठारेसारसञारसिदोय ॥ कीमारेकरतांलट

पटीअतीघणीरे ॥ चिंतूरेमनमांएरेस्वाधीन ॥ जायारेनवीरहेवेगलीनीजत
णीरे ॥ १३॥ सूखमरेकाढेकालनिचिंत ॥ इमविचारतांसहसकिरणगयोरे ॥
संध्यानीकरणीकरीतेकूमार ॥ देवगुरुप्रणभीवामपासेंथयोरे ॥ १४ ॥ व
ळुदिनखेदथीआवीरेनींद ॥ रातगईनेंजाग्योळुतदारे ॥ प्रणमीरेदेवगुरुनापा
य ॥ चाल्योवनवननीजोताजोउंयदारे ॥ १५ ॥ गिरिनदिकांठेजाउंरेंजाम ॥
दिठीरेपदपंतीसोहामणीरे ॥ चक्रांकूशरेषाशोतीततेह ॥ लघुनेंसूकमालथी
जाणीस्त्रीतणीरे ॥ १६ ॥ चाल्योरेपगलेपगलेतेह ॥ दिठीरेदूरथीतापसनीकनी
रे ॥ वांकलांपहिस्यांवस्त्रनेंठामि ॥ सोवनवरणीदेहतेंअतीबनीरे ॥ १७ ॥ अ
लतेरेरंजीतचरणसरोज ॥ रसनारेजोग्यनीतंबसोहामणारे ॥ सजनचितपरें
नासीगंसीर ॥ सूकतपरीणामपरेंउन्नतकूचघणारे ॥ १८ ॥ तपथीविनि
र्जितमोहअंधार ॥ हृदयमांपेंजाणवेंणमिसेंथयोरे ॥ रक्तअशोकपरेंकरजास ॥
नयनतेहरणीनेत्रसागसयोरे ॥ १९ ॥ गलस्थलचंद्रमंमलपरेंजास ॥ अ
धरतेपामलकूसूमशोणीतपरेंरे ॥ ठावमीवामकरेंरहीजास ॥ फूलरेवेणतीते
हृदक्षीणकरेरे ॥ २० ॥ देषीनेंचितव्यूंम्हेंइंणिसारांतें ॥ वनदूखसहेपणिंला
वण्यकेहवुंरे ॥ आघोजईजालांतरेंजोयुंजांम ॥ देषुंरेरुपवीलासवतीजेह
वुंरे ॥ २१ ॥ वनवासेंरहेतीएतलोफेर ॥ सूमरणपवनेंकांमसंधूकीउंरे ॥ फू
लनीठावमीलेईजबजाय ॥ तबळुंविकारगोपवीढूकीउंरे ॥ २२ ॥ प्रणमी
म्हेंसाथ्युंतपनीथाउंवद्धि ॥ तामलीप्तीनगरीथीआवोउंरे ॥ स्वेतांबीनगरीवासी
ळुंजाणि ॥ सीहलद्वीपसणीळुंधावीउंरे ॥ २३ ॥ क्याजसागुंथयोएकाकीइं
म ॥ कहोकूणथानिकएकिहांरहोतुम्हेरे ॥ संभ्रांतथईकरीत्रीठीरेदृष्टि ॥ व
चननोउत्तरनवीदीधोकीमेंरे ॥ २४ ॥ चालीरेनीजआश्रमसणीतेह ॥ मन
मांम्हेंचित्युंनारीनेंएकलीरे ॥ वलिअतापसणीएहस्यूंस्यूंकाम ॥ वलीरेपुठी
सकोईनरनेंअटकलीरे ॥ २५ ॥ वलीउंरेपाठेआव्योतेठाम ॥ वलीरेविचा
र्युंजोउंएजाइंकीहांरे ॥ जोतांरेदिठीमंथरचालि ॥ चालतीपाठलजोतीतेतिहां
रे ॥ २६ ॥ नवीरेदिठेकोईप्राणीताम ॥ मुंकीरेठावमीवेंणिसमारतीरे ॥ पहे

रखुंपणवांकलूंपहेरखुंरेफेर ॥ वाळंकरीउंचीअंगनेंमरमतीरे ॥ २७ ॥ आवे बगासांकामवीकार ॥म्हेंमनचिंत्युंएस्यूंइंमकरेरे ॥ अथवारेविरूधविचारस्यो मुझ ॥ इमकरीचाल्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणवृत्तीकरीदिवसग माय ॥ सूतोरेरयणीइंसूपनुंतवलह्युंरे ॥ दिव्यस्त्रीइंएककुसूमनीमाल ॥ आवी नेंइणिपरेंमुझनेंतिणेंकह्युंरे ॥ २९ ॥ पुर्वेनीपजावीएछेरेमाल ॥ आपीरेम्हें तूझनेंतिणेंलिजीइंरे ॥ म्हेंपणिलेईथापीकंठदेश ॥ पाछिलेपहोरेंदेषीजागीजी इंरे ॥ ३० ॥ मनमांहरषीचिंतवुंइंम ॥ कन्यानोलाभसूपनएसूचवेरे ॥ अट वीमांकेमहोस्येमुझलाभ ॥ चिंतव्युंरेदक्षिणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन सुकनअनुंसारेरेइंम ॥ चिंतवुंअन्यपरीचयमुझनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती नुंरेकाम ॥ पुर्वेनिपनीमालादेवेंकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥ विधीरेविचित्रप्रकारेघटेआदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोइंतोहोय ॥ नहितोकि ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यतः ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥ सूघटितघटितानीजर्जरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानैवचिं तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणिव्रतणीसाथेरेंसोग ॥ नघटेपणएहनुंदर्श नपामीउंरे ॥ इंणिकरयुंमाहरेकरवुंछेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावधुकामीउ रे ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटल्यारेविजोग ॥ पंचमखंमेंसासलज्योगुणीरे ॥ समरादित्यनारासमांएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयस्तणीरे ॥ ३५ ॥ ॥श्री॥ ॥दुहा॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेषीरान ॥ कामज्वरथीकाननें ॥ जोवालागोजान ॥३६॥ रमणीजोतांकूमरनें ॥ छेरोगयोबहुकाल ॥ आंवात लेआवीकरी ॥ वेगेंछेंनृपबाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूण्यो ॥ इंणिअवसरि आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनें ॥ द्रष्टिजोयुंदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवयेंआवीम हा ॥ तापसणीएकताम ॥ भूतितिलकसालेंकर्युं ॥ कर्ममलकरवाम ॥ ३९॥ पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमांजोय ॥ जटाकलापबांध्योजकम ॥ वक्क लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकृशतनुंथयो ॥ अछोचर्मअवशेश ॥ देषी गोपव्योमदननें ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोडी ॥ देशीआ

देसरनीवीनतीनी ॥ मुक्तनेंदेषीतासरे ॥ आंसूआवीआं ॥ बेठिचीरंजीवकही
ए ॥ ४२ ॥ एस्यूंउलषेमुक्तरे ॥ इंममेंचितव्युं ॥ अथवाज्ञानीहोयव्रतीए ॥
॥ ४३ ॥ स्यूंनवीजाणेंएहरे ॥ इंणअवसरकहे ॥ बेसोकूमरएसूतलेंए ॥ ४४ ॥
पुंजीधरतीतेहरे ॥ बेठीतापसी ॥ कहेकुंककुंतेसांसलोए ॥ ४५ ॥ इंणिसरतेवै
ताढ्यरे ॥ पर्वतमध्यछे ॥ उंचोपचविसजोअणांए ॥ ४६ ॥ जोजनपहोलोपं
चासरे ॥ तेहरजततणो ॥ पूर्वापरआयरअक्योए ॥ ४७ ॥ विद्याधरनीश्रेणी
रे ॥ दक्षीणउत्तरे ॥ धरतीथीदसजोअणांए ॥ ४८ ॥ दक्षीणनगरपंचासरे ॥
साठिउत्तरदिशे ॥ गंधसमृधपुरतेहमांए ॥ ४९ ॥ सहेसबलतिहांरायरे ॥ सू
प्रसासारया ॥ मंदनमंजरीकुंसूताए ॥ ५० ॥ जौवनपांमीजामरे ॥ परणावी
मनें ॥ पवनगतीराजाप्रतिए ॥ ५१ ॥ रमतांतेहस्यूंरंगेरे ॥ कालगयोबहु ॥
गगनमारगएकदिनहवेए ॥ ५२ ॥ क्रिडाकरवाकाजरे ॥ नंदनवनगयां ॥ बे
ठाकनकशिलातलेए ॥ ५३ ॥ सहसापक्षीउहेठिरे ॥ मरणलह्योतदा ॥ आयु
अथीरथीमुक्तपतीए ॥५४॥ मुक्तनेंउपनोशोकरे ॥ समतीसूइंपक्षी॥मुर्छाथीचेत
नलहीए ॥ ५५ ॥ उडवाजाउंजांमरे ॥ उडाइंनही ॥ विद्यापणिचालीनहीए॥
॥ ५६ ॥ दाधाउपरिलूणरे ॥ एस्यूंवलीथयुं ॥ इंणिअवसरितिहांआवीउए ॥
॥५७॥ देवानंदइंणिनामरे ॥ मित्रमुक्ततातनो॥ तापसव्रतअंगीकर्युए॥५८॥
कह्योमाहरोवृत्तांतरे ॥ सरतामरीगयो ॥ गगनगामीनीतिमगईए ॥ ५९ ॥ ज
लआसूंसरीनयणरे ॥ मुक्तनेंइंमकहे ॥ वठसंसारएएहवोए ॥ ६० ॥ क्षणसं
गुरसंजोगरे ॥ इंद्रियचपलछे ॥ जिवलोकअसाश्वतोए ॥ ६१ ॥ इंमजांणीक
रेधर्मरे ॥ उत्तमप्राणीआ ॥ त्रणिलोकबांधवसमोए ॥६२॥ दिक्षाआपोमुक्तरो॥
म्हेंइंणिपरेंकह्युं ॥ तापसबोल्यातेहवेए ॥ ६३ ॥ विद्याकिमगईतुक्तरे ॥ मेंक
ह्युंनवीलहुं ॥ तवज्ञानेंकरीबोलीआए ॥ ६४ ॥ शोकेंकरीसीहकूटरे ॥ उलं
घ्योतूम्हे ॥ कुसूमदामशीषरेंपक्षीए ॥ ६५ ॥ विद्यागईतूक्तइंमरे ॥ आशातन
थकी ॥ तवम्हेंसाष्युंसांसलोए ॥ ६६ ॥ उपगारीइहलोकरे ॥ विद्याइंसर्युं ॥
व्रतआपीअनुग्रहकरोए ॥ ६७ ॥ तवपुछीमुक्ततातरे ॥ आचारसंसलावी ॥

लावीरहांमुक्रव्रतदीउंए ॥ ६८ ॥ इकदिनपुजणदेवरे ॥ सायरउपकंठे ॥ गई
तवदिठुंपाटिउंए ॥ ६९ ॥ कन्यावलगीएकरे ॥ जलकल्लोलमां ॥ चंद्रलेखाप
रेंनिरमलीए ॥ ७० ॥ आचारजकहेतामरे ॥ हरषितथयो ॥ मनोरथतरुफू
लउगीआंए ॥ ७१ ॥ तापसणीकहेतामरे ॥ जोयुंम्हेंजई ॥ जाणितवएजीव
तीए ॥ ७२ ॥ कमंमलजलछांटेरे ॥ नेत्रउघाडीआं ॥ लावण्यथीकूलवतील
हीए ॥ ७३ ॥ धीरीयातुंवछरे ॥ अम्हेतापसअछुं ॥ ईमकहीफलआणीदिआं
ए ॥ ७४ ॥ षवराव्युंम्हेप्राणेंरे ॥ लईआश्रमगई ॥ देषाडीकुलपतीलणीए ॥
॥ ७५ ॥ कुलपतीनेंपरणामरे ॥ करीनेंतेरही ॥ तवआशीशदिइंकुलपतीए ॥
॥ ७६ ॥ पंचमेरवंमेढालरे ॥ नवमीएकही ॥ पद्मविजयएहरासमांए ॥ ७७ ॥
॥ दुहा ॥ किहांथीआव्यांतेकहो ॥ म्हेंपुछ्युंइमजांम ॥ तामलिप्तीथीतेकहे ॥
म्हेंपुछ्युंफिरीतांम ॥ ७८ ॥ किहांजाईनेंकुलकिस्यूं ॥ तवनवीबोलीतेह ॥
नांषीदिर्घनीशासनें ॥ तवम्हेंचिंत्यूंएह ॥ ७९ ॥ उत्तमकुलमांउपनी ॥ आ
षइंनहीतिणेंआप ॥ पुछिसकूलपतीनेंपछें ॥ पामीसतिहांजवाप ॥ ८० ॥ कु
लपतीआवश्यककरी ॥ संध्यासमयसमाधी ॥ पासेंकूलपतीपुछिउं ॥ बेशीनें
निराबाध ॥ ८१ ॥ कन्याएंकुंणकिमलही ॥ एहअवस्थाआज ॥ आगलिके
हवुंएहनें ॥ कहोनीपजस्येकाज ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ सांभलिरेतूंसजनीम्हारी
रजनीक्रिहांरमीइंजी ॥ एदेशी ॥ मुझनेंकहेकूलपतीसांभलितूं ॥ तपप
रभावेंजाणंजी ॥ तामलिप्तीनरपतीनीपुत्री ॥ रुपतणंजेगणुं ॥ ८३ ॥ नृप
सुतसूणीइंजी ॥ एआंकणी ॥ सरतास्नेहेंएमअवस्था ॥ पामीछेनिरधारजी ॥
म्हेंपुछ्युंकिमकन्यानहीए ॥ कूलपतीकहेतीवार ॥ ८४ ॥ नृप० ॥ द्रव्यथीक
न्यालावेंपरणी ॥ म्हेंपुछ्युंकिमंइमजी ॥ तवसघलूंधुरथीसंभलाव्युं ॥ पतीजा
वानीसीम ॥ ८५ ॥ नृप० ॥ एकदिनसूणीउंलोकवयणथी ॥ कूमरनेंमार्योरा
इंजी ॥ इणिइंचिंत्युंमोहेंकरीने ॥ सिगतीहवेमुझथाय ॥ ८६ ॥ नृप० ॥ तेहजं
समसानेंजईजोई ॥ करवोप्राणवीजोगजी ॥ प्राणअधीकमुझवल्लभकेरी ॥
वात करेइमलोग ॥ ८७ ॥ नृप० ॥ अरधीरातितेएकाकीणी ॥ घरमांथीतेचा

लिजी ॥ तस्करलूंटीअचलसार्थपनें ॥ वेचाथीतिणेंआली ॥ ८८ ॥ नृप० ॥
झ्याजवेंआरीबवरकूलें ॥ जातांसागुंझ्याजजी ॥ एकंपाटिउंएहनाकरमां॥
आव्युंजिवीतकाज ॥ ८९॥नृ० ॥ त्रणेदिवसेएतटपांमी ॥ हवेआगलसूणो
वातजी ॥ सरतालहेस्येसोगसोगवस्ये ॥ थास्येजगतवीख्यात ॥ ९० ॥नृ०॥
परसवआधीमानवनोत्सव ॥ सफलोकरस्येएहजी ॥ इंमसांसलीनेंझंपणफेहर
षी ॥ रातिगईजबतेह ॥ ९१ ॥ नृ० ॥ सूरजउदइंम्हेंकह्युंकूमरी ॥ एसंसार
अनीत्यजी ॥ जौवनचंचलअथीरएलषमी ॥ धैर्यधरेसुवीदित्त ॥ ९२ ॥ नृ०
साकहेस्वामीनीसाचुंसाषो ॥ व्रतआपोउपगारीजी ॥ म्हेंकह्युंजौवनवयछेपहे
ली ॥ मदननसकीइंवारी ॥ ९३ ॥ नृ० ॥ ज्ञानसूरयकूलपतीनेपुछ्यो ॥ तूझ
वृत्तांतमनआणीजी ॥ अतीतअनागतसघलूंसाष्युं ॥ तूझपतीमिलनप्रमाणी
॥ ९४ ॥ नृप० ॥ सत्तीतूझजीवेछेकूशले ॥ सांसलीविस्मयधारीजी ॥ अण
कुंतापणिकटकयुगलदिंशंकलपनाइंउतारी ॥९५॥नृ०॥हारलतादेवाजबकोटें॥
हाथनांष्योतवनांहिजी ॥ चित्तठामिआव्युंतवविलषी ॥ थईअतीसंभ्रममां
ही ॥ ९६ ॥ नृ० ॥ म्हेंसाष्युंसंभ्रममतकरतूं ॥ ताहरूंचित्तउदारजी ॥ व्रत
नोअवआरहिमणांतुझनही ॥ सांसल्योएहविचार ॥ ९७॥ नृ० ॥ तापस
कंन्यावेषेंविचरे ॥ इंमकरतांगयोकालजी ॥ एकदिनकूलपतीसीद्धपर्वतें ॥ ग
यादर्शनकिरपाल ॥९८॥ नृ० ॥ एतोफूलविणवाचाली ॥ मोमीतीहांथीआवी
जी ॥ पाछलजोतीपरस्वेदेंकरी ॥ देहमींसीनीलावी ॥९९॥ नृ० ॥ म्हेंपुछ्युतुं
किमखेदाणी ॥ तवतेबोलिइंमजी ॥ म्हारांबांधवसांसल्यामुझनें ॥ तेहनोमु
झघणोप्रेम ॥२००॥ नृ० ॥ म्हेंसाष्युंकुलपतीआवणदइं ॥ तुझबांधवमेलव
स्येजी ॥ इंमसूंणीमौनकरीतेदिनथी ॥ निजआतमनहीवस्ये १ ॥ नृ० ॥ अ
तिथीनवीबहुमानेदेवनुं ॥ पुजनपणिनवीकरतीजी ॥ फूलविणवापणिनबीजा
इं ॥ नविअङ्गतासननमती ॥ २ ॥ नृ० ॥ विद्याधरनांजुगलआलेषे ॥ सारस
जुगलतेजोवेजी ॥ स्त्रिसरतारपुराणीवातो॥सूणवातत्परहोवे ॥३॥नृ०॥ म्हेंमन
चित्युंजौवनआव्युं ॥ जौवनेंमदबहुवाधेजी ॥ मदथीमदनविलासमदनथी॥

केमविकारनबाधइं ॥ ४ ॥ नृ० ॥ यतः ॥ नविअञ्जिणवियहोही ॥ पाएणंती
ऊअणंमीसोजीवो ॥ जोजोव्वणमणुपत्तो ॥ विआररहीउंसयाहोई ॥ १ ॥
॥ पूर्वढाल ॥ दशमीढालएपंचमखंमे ॥ मदनपराजयकरस्येजी ॥ प
नविजयकहेतेसवीप्राणी ॥ सवशायरलघुकरस्ये ॥ ५ ॥ नृप० ॥ इहा ॥
वलगीनागरवेलमी ॥ वृक्षअसोकअवधारि ॥ हंसलीकीमाहंसस्यूं ॥ जो
मेदीठजीवार ॥ ६ ॥ नाषीनीसासोनिकली ॥ तपोवनबाहिरतेह ॥ देषीजा
तीदृष्टिथी ॥ सलक्योमुझसनेह ॥ ७ ॥ आजनदेषुंएहनो ॥ अवलतनुंआ
कार ॥ जोउंकीहांएजायछे ॥ चालिउंइंमविचार ॥ ८ ॥ ठटकीलईनेठावमी ॥
गईजीहांकूसूमनीजागि ॥ चपलताराषीचूंपस्यूं ॥ लषतीचिडदिशलागि ॥
॥ ९ ॥ अशोकवृक्षतलेअवनीइं ॥ जईउसीरहीजाम ॥ कदलिवनअंतर
करी ॥ रहिउंपुंठेराम ॥ १० ॥ ढाल० ॥ उठिकलालणिसरघणोहे ॥ दारू
मारोमुलबतावी ॥ एदेशी ॥ मोहटेस्वरथीरोवतीहे ॥ बोलेइंणिपरेंवाणि ॥
सांसलज्योवनदेवताहे ॥ एहतेतेहजठाण ॥ ११ ॥ म्हाराकर्मवीपाकनीहे ॥
गतीनवीसाषीजाय ॥ प्राणवल्लसविणमाहरीहे ॥ गतीतेसीपरेंथाय १२ ॥ म्हारा ॥
आरजपुत्रमिल्याइंहांहे ॥ तापसणिमुझजाणि ॥ प्रणम्योनेउलषावीउहे ॥ ना
मअनेंनीजठाणि ॥ १३ ॥ म्हा० ॥ म्हेंउत्तरनवीवालीउहे ॥ नारीमतिथोरेऊंण ॥
मदनसेदाणीवोलीनहीहे ॥ हवेकहोगतिमुझकूंण ॥ १४ ॥ म्हा० ॥ पुठेमेंजोयूंघणुं
हे ॥ पणिनविदीठोकोय ॥ आर्यपुत्रतेकेंनहीहे ॥ देववेषधरहोय ॥ १५ ॥ म्हा० ॥
हवेतोजेहोयतेऊज्योहे ॥ पणिनवीजोगरखमाय ॥ मदनअनलवलतीथकीहे ॥
कोईरीतेंनजीवाय ॥ १६ ॥ म्हा० ॥ अयमत्तालतावेलमीहे ॥ बांधीनेंगलपास ॥
मरवुंमाहरेइंणिपरेंहे ॥ जिवननीनहीआस ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ सारकरेज्योमुझ
पतीहे ॥ तापसणीमुझमात ॥ सरिषीनेंसंसलावज्योहे ॥ एमाहरोअवदात ॥
॥ १८ ॥ म्हा० ॥ लाजथीऊंनवीकहीसकुंहे ॥ इमकहीदीधोपास ॥ देवगुरुप्रण
मीकरीहे ॥ फूलाव्योतेनीरास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥ इंणेंअवसरऊंद्रमतीहे ॥ ज
ईछेघोतसपास ॥ परलोकेपणिजायताहे ॥ नवीपुठेस्यावासि ॥ २० ॥ म्हा०

तवसाचितेधिगूमनेंहें ॥ सांसल्यूंसघलूंएण ॥ मुखनीचुंकरीनेंकहेहे ॥ नवीक
ह्युलज्जाविशेए ॥ २१ ॥ म्हा० ॥ कस्स्योमकोपमोज्परिहे ॥ तवम्हेंसाष्युंता
स ॥ तपसीकोपकरेनहीहे ॥ धिरजधरीसूविलास ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ कुलप
तीवचनअमोघछेहे ॥ तूरतजमिलस्येतेह ॥ चालिआश्रमप्रतिजाईस्हे ॥ गयां
अह्मेइमकरीनेह ॥ २३ ॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवासणीहे ॥ मोकलीआति
णीवार ॥ कथाविनोदकरतांथकांहे ॥ बेठीपासेंनारि ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ तापस
कुमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीठेकोय ॥ कुमरीसकुनेंसलाविनेंहे ॥ चाली
खेलवासोय ॥ २५ ॥ म्हा० ॥ भवितव्यताइंदेषाडीउहे ॥ मुझनेंदर्शन
तुझ ॥ आश्रमपदचालोतूम्हेहे ॥ जिवाडोएहगुझ ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ इम
सांभलीकुंचालीउहे ॥ आगलिगईतिणिवार ॥ आसनमुझनेंआपीउहे ॥ दि
ठीतेणइमेनारि ॥ २७ ॥ म्हा० ॥ विलासवतीमुझदेषीनेंहे ॥ उठीउभीथा
य ॥ सखिउसाथेंमोकलेहे ॥ अर्थ्यतेशौचनेंजाय ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ थयो
मध्याह्नसमयजदाहे ॥ फनसादिकफलआंणि ॥ प्राणवृत्तिकराविनेंहे ॥
आवीतापसणितेठाण ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥ अमघरि
पोहतआय ॥ सिघ्राऊणागतितूम्हकरूंहे ॥ वसतवाकलफलखाय ॥ ३० ॥
म्हा० ॥ पणिएविलासवतीअछेहे ॥ अधिकीजीवितपाहिं ॥ विधिइंपूरवेंदी
धलीहे ॥ फिरीअह्मेदिघउछाहि ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ इमकहीनेंरोवेघणहे ॥
वारिम्हेंतिणीवार ॥ भगवतीइमनकीजीइहे ॥ जाणोस्वरुपसंसार ॥ ३२ ॥
म्हा० ॥ अगनीत्राशेंविपरणाविआंहे ॥ फेराफरीआरेताम ॥ भगवतीनीआ
णालहीहे ॥ गयासूंदरवनठाम ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ सर्वरीतूराढामलीहे ॥ दे
षीआम्याउल्लास ॥ सूतापल्लवसाथरेहे ॥ किधोकामविलास ॥ ३४ ॥ म्हा० ॥
इणिपरिरजनीनीगमीहे ॥ इमअनुक्रमेंकोईकाल ॥ एकदिनशोसावनतणी
हे ॥ देषेस्त्रीअसराल ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ समएपंचमरवंममांहें ॥ साषीअग्या
रमीढाल ॥ पद्मविजयएरासमांहें ॥ सूणतांमंगलमाल ॥ ३६ ॥ म्हा० ॥
सोसावनतणी ॥ जोतीनषसेजांम ॥ कुसुमविणतीकिमहीकें ॥

उत्तरनदिइंग्राम ॥ ३७ ॥ उढुंपटढुंएटले ॥ नविदेषेमुक्तनारि ॥ अचरीजथी
इमउढिउ ॥ तरुणीनदेषेतिवार ॥ ३८ ॥ आर्यपुत्रहाइंमलवे ॥ पमीतेमुर्छा
पामि ॥ मनचित्यूमेंमाहरे ॥ किधूअवजूंकाम ॥ ३९ ॥ पटउठयोप्रगोकरी ॥
सिच्योजलेंशरीर ॥ सज्ञथईकहेशब्दथी ॥ नयणेंझरतीनीर ॥ ४० ॥ नविदि
ठातूम्हनयणथी ॥ तवम्हेंसाष्युंतास ॥ झस्यूंजाणिंएहमां ॥ साषेनारिविसा
स ॥४१॥ किमनविजाणोकहोतुम्हे ॥ सर्वकत्युंतवसाच ॥ कामीनीपणिपरि
क्षाकरे ॥ वस्त्रनीवातअवाच्य ॥ ४२ ॥ कालगमावीकेतलो ॥ इंकदिनम्हेंक
ह्युंइम ॥ सुणिसूंदरीनिजदेशमां ॥ पोहचीइंतिमकरोप्रेम ॥ ४३ ॥ ढाल० ॥
देशीअढीआनी ॥ पुठेलगचतितांम ॥ जईइंनिजपुरगांम ॥ जोत्राणाकराए ॥
महिरनीजरधरोए ॥ ४४ ॥ तेणीइंत्राणादिध ॥ सिन्नपोतध्वजकीध ॥ के
ईकदीनगयाए ॥ केलीकरेसयाए ॥ ४५ ॥ इंणिअवशरतिहांआय ॥ नि
रजामकचितलाय ॥ नावमेबेसीनेंए ॥ षामीमांपेशीनेंए ॥ ४६ ॥ मुफनेंक
हेइंमवात ॥ द्विपकमाहविख्यात ॥ रहेतेवाणिउंए ॥ सार्थपजांणीउंए ॥
॥ ४७ ॥ मलयदेशतणीजाय ॥ तूम्हएध्वजदेषाय ॥ मोकलीआंअम्हेंए ॥
चालोतिहांतूम्हेंए ॥ ४८ ॥ म्हेंकह्यूंम्हारेनारि ॥ कहोतोआविइंव्हारि ॥ ते
कहेचालीइंए ॥ विलंबनलालीइंए ॥ ४९ ॥ पोहतामोहटेजीहाज ॥ सारथ
वाहसमाज ॥ तिणेंआदरकरयोए ॥ शुलस्थानकधरयोए ॥ ५० ॥ एकदिन
पाछलोजाम ॥ रातिशेषरहीताम ॥ लघुशंकाथईए ॥ उठ्योऊतरईए ॥ ५१ ॥
तिणसमेसारथवाह ॥ जाग्योदेषीलाह ॥ चिंतेएरूअमीए ॥ नारीनकुअमी
ए ॥५२॥ रातीसमयछेएहा॥कोईनजाणेरेह॥दरिआमांधरुंए॥नारिअंगीकरुंए
॥५३॥ लघुशंकानेंकांम॥बेठोजवतिणेंठांम॥नांष्योऊंपमयोए ॥ पुन्येफलक
जमयोए॥५४॥ पंचरातीरह्योमांहि ॥ मलयकूलउठांहि ॥ जलनिधीउतरयोए॥
सवनवेअवतरयोए ॥ ५५ ॥ मेंमनचिंत्यूंइम ॥ सार्थवाहेंकरयुंकेम ॥ ना
रीलोसेंकरीए ॥ नहिप्रयोजनवरीए ॥ ५६ ॥ एहविलासवतीनारि ॥ मुफवि
योगचित्तधारि ॥ नहिजीविलधरेए ॥ आपघातकरेए ॥ ५७ ॥ नविजाणे

एसेठ ॥ कीधीकेवलवेठ ॥ नारिविनासहीए ॥ [illegible]चुंकरीनेंकहेहे ॥ नवीक
नीवपादपतिहांदेषि ॥ गयोऊंसर्वतवेषी ॥ मर[illegible]मोजपरिहे ॥ तवम्हेंसाष्युंता
रीए ॥ ५९ ॥ दीठुंदूरथीताम ॥ सरोवरएकअ[illegible] २२ ॥ म्हा० ॥ कुलप
मानुंएरोवतूंए ॥ ६० ॥ भ्रमरगुंजारवेंगाय ॥ मानु[illegible]भ्रमप्रतिजाईईहे ॥ गयां
लमीसधरीए ॥ उंचिबाहकरीए ॥ ६१ ॥ दिगेहंआ[illegible]लणीहे ॥ मोकलीआति
ठेक ॥ कलूणश्वरेंरूइए ॥ आंषिआसूंचुइए ॥ ६२ ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ तापस
न्यहंसीजोईधाय ॥ विभ्रमआणतोए ॥ निजस्त्रीमानेनेंसलाविनेंहे ॥ चाली
सीअन्य ॥ षेदकरेंतेविषिन्न ॥ मरवामनकरेए ॥ शो[illegible]उहे ॥ मुफनेंदर्शन
मुरगपामेतेह ॥ वलिचेतनलहेजेह ॥ ईत्यादिकसऊए ॥ [illegible] ॥ म्हा० ॥ ईम
॥ ६५ ॥ करयोविचारमेंताम ॥ ड्षोउएपणिआम [illegible]आपीउहे ॥ दि
पंत्नीतेंपरिहरीए ॥ ६६ ॥ ईणिपरेंचिंतवुंजाम ॥ फिरतो[illegible] ॥ उगीउसीथा
लिनेमिल्योए ॥ देवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरव[illegible]म्हा० ॥ थयो
नकरेचंग ॥ शोकेंशाकतीनहिए ॥ निऊहरष्यांसहीए ॥ [illegible]करावनेंहे ॥
चिताथाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ विरहदूरेंटलेए ॥ कांत ॥ भ्रमघरि
॥ ६९ ॥ कुलपतिईकह्युंनारि ॥ सुखभोगवीसंसार ॥ परलवसाध[illegible] ॥ ३० ॥
वसफलोथस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रअव[illegible]ईपूरवेंदी
हनेंबोलविए ॥ नविजाईसोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥ कैर[illegible]
फिरेअपार ॥ सायरनेंतटेंए ॥ डुखजिणथीमिटेए ॥ ७२ ॥ पंचमखंमेढाल ॥
बारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ भविजनेंसद्दहीए ॥ ७३ ॥
॥ डुहा ॥ अर्द्धजोजनगयोआगलें ॥ आवतूंफलकतेएक ॥ दिठुंतेमेंदृष्टिथी ॥
तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७४ ॥ तिरेंआव्यूंतेतूरत्त ॥ विलासवतीविलग्ग ॥ नयणें
दिठिनेहस्यूं ॥ उपनोअतीउमंग ॥ ७५ ॥ अबलाईमुफउलष्यो ॥ आसासना
म्हेंआपि ॥ पुछ्युंएस्यूंनिपनुं ॥ पसणेंतेमुफपाप ॥ ७६ ॥ स्वामीपत्नीआसा
यरें ॥ जाण्युंसघलेजांम ॥ सार्थवाहधरीशोकनें ॥ कहेमुफपत्नवाकांम ॥
॥ ७७ ॥ परिजनस्यूंऊंपरिवरी ॥ वास्योसारथवाह ॥ रातगईउग्योरवी ॥ थ

उत्तरनदिइंआम ॥ ३७ ॥ उठुछ्याजसागुंजनसङ्गयां ॥ म्हेतूमपून्यप्रमाण ॥ इमउढिने ॥ तरुणीनदेषेतिवारअनीधीलंघीजाए ॥ ७ए ॥ ढाल ॥ ढोलारहोतोङ्क पामि ॥ मनचिंत्यूंमेंमाहरें ॥ हांमेंमनिइंणिपरेंचिंतव्यूं ॥ अहोमायावीशीरदार ॥ सिंच्योजलेंशरीर ॥ सङ्गथशायहीणाघणा ॥ एसारथवाहअशार ॥ ८० ॥ ठातूम्हनयणथी ॥ तव टंबणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥ स ॥४१॥ किमनवि नही ॥ कांयकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण श्याकरे ॥ वसनीवात कांयपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुछे छुइंम ॥ सुणिसूंदरी मपश्या ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोषनकहि देशीअढीआनी ॥ नवीबोल्योतिवार ॥ सा० ॥ ८२ ॥ जु० ॥ परमादेङ्कपूमी महिरनीजरधरोए कितेतूझपरेमुझ ॥ सा० ॥ उतरयोजलनीथीअनुंक्रमें ॥ फ ईकदीनगयाए ॥ केझ ॥ सा० ॥ ८३ ॥ जु० ॥ कहेनारीङ्कतरसीछुंघणी ॥ त रजामकचितलायात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकडुंइहांथकी ॥ चालोतिहांजईइंसुख हैंइमवात ॥ ढि ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कांयनारिनीतंबनासारथी ॥ बलीसमुद्रमांउप ॥ ४७ ॥ मल० ॥ थोडुंचालीतवथाकती ॥ नविचालीशकुंसूणोवाक ॥ सा० ॥ चालोतिहांतजु० ॥ तवम्हेंकह्युंएवम्रतले ॥ तूंबेसिलेईंआवुंनीर ॥ सा० ॥ नलि कहेचालीउंकरी ॥ तवबोलीथईतेधीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूम्हदर्शन नासूखआगलें ॥ मुझतरसनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकह्युंधीरजधारीइं ॥ जा णजेजललेईनेंआय ॥ सा० ॥ ८७ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउढतूं ॥ जिमअ टविमांविघननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवछाङ्गापाथरी ॥ न्यग्रोधहेठलितेठाय ॥ ॥ सा० ॥ ८८ ॥ जु० ॥ वातमनावीवलथकी ॥ गयोंजललेवातिणीवारि ॥ ॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलप्रतें ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥ ८ए ॥ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटमुंकितूं ॥ पीउपाणीलाव्योतेह ॥ सा० ॥ तोहीउत्तरनवी दिइ ॥ म्हेंकह्युंहासीकरोकेह ॥ सा० ॥ ए० ॥ जु० ॥ तोपणिजबबोलीनही ॥ तवम्हेंइमचिंतनकीध ॥ सा० ॥ इहांतोएरमणीनथी ॥ अन्यथा ॥ दीध ॥ सा० ॥ ए१ ॥ जु० ॥ साथरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवी-

थि ॥ सा० ॥ वलिमावुंलोचनफरकीउं ॥ पमीउंकरमांथीपाथ ॥ सा० ॥ए२॥
॥ जु० ॥ षेदलस्रोशंकाथई ॥ खोलवामांमीतेनारि ॥ सा० ॥ देवीदेवीमुखजं
पतो ॥ किहांगईमुफप्राणश्राधार ॥ सा० ॥ ए३ ॥ जु०॥ वेलूथलेदेषेतिहां॥
अजगरघसणीदूखदाय ॥ सा० ॥ तेअनुंशारेऊंचालीउं ॥ दिठोवनगहनसग
य ॥ सा० ए४ ॥ जु०॥ कृष्णउबीनेत्ररातमां ॥ गलतोवलीतेहजपट्ट ॥सा०॥
महाकायाअजगरतिहां ॥ देषीथईमुफचटपट्ट ॥ सा० ॥ ए५ ॥ जु० ॥ मा
रीवीलासवतीएणें ॥ तिणेंअवसरमुफगईसांन ॥ सा० ॥ रातदिवसत्रीतउष्ण
नें ॥ नलऊंवश्रातीकेरान ॥ सा० ॥ ए६ ॥ जु०॥ सूखदूखउंउवआपदा ॥ व
लीचालतोकेरस्रोगाय ॥ सा० ॥ कांयमरणजीवितपणिनवीलऊं ॥ एअवस्था
कांयनकहाय ॥ सा० ॥ ए७ ॥ जु० ॥ मुरछाईधरणीढल्यो ॥ जाणिईगया
तिहांमुफप्रांण ॥ सा० ॥ वलिश्रायरनीलहेरेंकरी ॥ चेतनालहीरोउंअजाण ॥
सा० ॥ ए८ ॥ जु० ॥ एदेहसूंपूंअजगरप्रतें ॥ थाइंउदरमांदेवीसंग ॥ सा० ॥
जबअजगरपासेंऊंगयो ॥ तिणेंसंकोच्यूंनीजअंग ॥ सा० ॥ एए ॥ जु० ॥
मेंजाण्युंमुत्र्यांपणिदोहिलूं ॥ एनारीनुंमिलवुंथाय ॥ सा० ॥ अजगरनेंक्रोध
पमाफवा ॥ करयोमस्तकउपरिंघाय ॥ सा० ॥१००॥ जु० ॥ सयथीतिणेंप्र
हूपाठोवम्यो ॥ लेईनारीतणेंबऊमांन ॥ सा० ॥ ऋदयेंदेईमनचिंतवे ॥ एपट
फांसेंतजुंप्रांण ॥ सा० ॥ १ ॥ जु० ॥ प्रेमविलूधोएप्रांणीउ ॥ मनचिंतवे
आलपंपाल ॥ सा० ॥ सूषीआनीसनेहीमुनी ॥ जिणेंठोमीसयलजंजाल ॥
सा० ॥ २॥ जु० ॥ पंचमखंमएतेरमी ॥ कहीढालअतीसुरशाल ॥ सा० ॥
कविपद्मकहेश्रोतासूणो ॥ सूणतांहोयमंगलमाल ॥ सा० ॥ ३ ॥ जु० ॥
॥ उहा ॥ सुतिजीहांस्यामाहती ॥ तिहांवमतलेततकाल ॥ शाषास्यूंफांसोद
उ ॥ करवानेमेंकाल ॥ ४ ॥ फूलायोऊंजेतले ॥ रुंधायोतिणेंरान ॥ कंठतिणें
काननसम्युं ॥ सघलीगईतवशान ॥ ५ ॥ पेंसेंगगनपातालमां ॥ नयनते
नीकलीयाह ॥ अननुंसूततेअनुसर्‍यूं ॥ मुंफाणोमनमांहे ॥ ६ ॥ पाणिवल
नेंपांतरे ॥ सूपनपरेंसूखवास ॥ दिठोरिषीएकदृष्टियी ॥ सिंचेजलआसास ॥

॥ ७ ॥ चेतनापांमीचिंतवुं ॥ अहोनमुउअाज ॥ तापसनेंकह्युंएतूम्हे ॥ किधूं
स्यानेंकाज ॥ ८ ॥ ढाल० ॥ सोनानेंकरुंमाहंलवेकलूरेलो ॥ रुपलाइंढाणीहाथ ॥
म्हारावाहलाजीरे ॥ हवेनठेफुंतोरीचाकरीरेलो ॥ एदेशी ॥ तापसकहेसूणिवा
तमीरेलो ॥ दूरथीदीठेतूफ ॥ म्हारावालाजीरे ॥ कूसुमलेवाअंआवीउरेलो॥करु
णाउपनीमुफ ॥ म्हा० ॥ ए ॥ इंममरणनवीकीजीइंरेलो ॥ एआंकणी ॥ कोई
उत्तमजनआचरेरेलो ॥ नंदितमारगएह ॥ म्हारा० ॥ कारणपुठीनीवारीइंरेलो॥
चिंतव्यूंइंमधरीनेह ॥ म्हा० ॥ १० ॥ इंम० ॥ उतावलांआवतांथकांरेलो ॥
तेंतोकीधूंएकांम ॥ म्हा० ॥ मासाहसेइंमबोलतोरेलो ॥ फ्रोमीआव्योआम ॥
म्हा० ॥ ११ ॥ इंम० ॥ ताहरोपासत्रुटिगयोरेलो ॥ तूंपमीउतवहेठि ॥ म्हा०॥
म्हेंसिच्योजलथीतूंनेरेलो ॥ आयुप्रमाणेंहोयनेठ ॥ म्हा० ॥ १२ ॥ इंम ॥
एहवुंतूंकिमआचरेरेलो ॥ तापसपूछेइंम ॥ म्हा० ॥ लाजेंउत्तरनवीम्हेंदि
उरेलो ॥ तापसकहेंधरीप्रेम ॥ म्हा० ॥ १३ ॥ इंम० ॥ तपसीमातपीतासमारे
लो ॥ कहोमुंकीखलषंच ॥ म्हा० ॥ अणजाण्योतेस्यूंकरेरेलो ॥ कारजनो
परपंच ॥ म्हा० ॥ १४ ॥ इंम० ॥ तवम्हेंधूरथीसाषीउरेलो ॥ निपनोजेव
त्तांत ॥ म्हा० ॥ तवउंसारअसारतोरेलो ॥ साषेतेहमहांत ॥ म्हा० ॥ १५ ॥
इंम० ॥ शारदमेघसमआउषुंरेलो ॥ कुसूमिततरुसमऋद्धि ॥ म्हा० ॥ विषय
सूपनसमसाषीआरेलो ॥ संजोगविजोगस्यूंगिद्ध ॥ म्हा० ॥ १६ ॥ इंम ॥
ठांमितूंएव्यवसायनेरेलो ॥ धर्मवीनाकिमसूख ॥ म्हा० ॥ म्हेंकह्युंसाचुंरी
षीकहोरेलो ॥ पणिमुफप्रेयसीदूख ॥ म्हा० ॥ १७ ॥ इंम० ॥ तिणेंनवी
वीरहषमीसकुरेलो ॥ मरणअधीकमुफदुख ॥ म्हा० ॥ तिणेंमुफमुआंजिमए
मिलेरेलो ॥ तिमसाषोकरोसूख ॥ म्हा० ॥ १८ ॥ इंम० ॥ तपसीकहेतूम्हे
सांसलोरेलो ॥ मलयपर्वतएनाम ॥ म्हा० ॥ मनोरथपुरकटुकछेरेलो ॥ म
नाचिंतितकरेंकांम ॥ म्हा० ॥ १९ ॥ इंम० ॥ तेहउपरिचढीचिंतवोरेलो ॥
जेमनमांअसीप्राय ॥ म्हा० ॥ फंपाकरीतेहपामीइंरेलो ॥ सुणिप्रणम्योरि
षीपाय ॥ म्हा० ॥ २० ॥ इंम० ॥ चाल्योकुंतेपर्वतेरेलो ॥ पोहतोत्रिजे

न्न ॥ म्हा० ॥ तिहांचमीम्हेंचिंतव्यूंरेलो ॥ प्रियाउपरिमुझमन्न ॥ म्हा० ॥
॥ २१ ॥ इंम० ॥ झंपाकरयोम्हेंजेतलेरेलो ॥ अहोअहोएहप्रमाद ॥ म्हा० ॥
विद्याधरेंइंमबोलतांरेलो ॥ झम्प्योधरीविषवाद ॥ म्हा० ॥ २२ ॥ इंम० ॥
चंदनलतानागेहमारेलो ॥ लाविआस्वास्योतेण ॥ म्हा० ॥ रेमहापुरूषस्यूं
तूंकरेरेलो ॥ उत्तमआकारेण ॥ म्हा० ॥ २३ ॥ इंम० ॥ कहेतूंकारणस्यूं
अछेरेलो ॥ तवम्हेंकह्योसंबंध ॥ म्हा० ॥ रिषीइंएहबतावीउंरेलो ॥ कामि
तपमणनिबंध ॥ म्हा० ॥ २४ ॥ इंम० ॥ तवकांयकहआनेंकहेरेलो ॥ वि
द्याधरइंमवांणि ॥ म्हा० ॥ स्नेहकायरअहोमानवीरेलो ॥ स्नेहतेदूखनी
खाणि ॥ म्हा० ॥ २५ ॥ इंम० ॥ स्नेहेंविवेकरहेवेगलोरेलो ॥ दूरगतीबां
धवस्नेह ॥ म्हा० ॥ कुशलपक्षशत्रुकह्योरेलो ॥ निर्वृत्तिअर्गलाएह ॥ म्हा०॥
॥ २६ ॥ इंम० ॥ स्नेहेंपरासव्याप्राणिआरेलो ॥ नगणेंआयतीकाल ॥
म्हा० ॥ कालोचितनवीतेजुइरेलो ॥ धर्मनसेवेरसाल ॥ म्हा० ॥ २७ ॥ इंम॥
सिंहपंजरगतनीपरेरेलो ॥ समरथथकोसीदाय ॥ म्हा० ॥ तिणेंतजीइंएस्ने
हनेंरेलो ॥ विवेकदिपकेंजुउसाय ॥ म्हा० ॥ २८ ॥ इंम० ॥ कर्मविचित्र
सविजीवनारेलो ॥ किमगतीहोवइंएक ॥ म्हा० ॥ मनवंछितफलसाधवारे
लो ॥ चउविहधर्म्मविवेक ॥ म्हा० ॥ २९ ॥ इंम० ॥ पंचमखंडमेंचौदमीरे
लो ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ म्हा० ॥ समरादित्यनारासमांरेलो ॥ धर्मथी
मंगलमाल ॥ ॥ म्हा० ॥ ३० ॥ इंम० ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥
॥दुहा॥ सूणोदृष्टांतसोहामणो ॥ एहतणेअधीकार ॥ मलयदेशमांगांमछुं॥ क
णिकारश्रीकार ॥३१॥ सकोलसेठनीसुंदरि ॥ सिंहानामसूजाण ॥ पतिउपरिप्रे
मजघणो ॥ पतिनेंनअंशप्रमाण ॥३२॥ विज्ञनेंवातबणीइसी॥ एकदिनसूणीउं
इंम ॥ कामीतपमणकरीमरे ॥ पामेवंछीतप्रेम ॥ ३३ ॥ पतिचाह्योप्रेमेंकरी ॥
चिंतवेंइणिपेरेंचित्त ॥ सार्याएहसवांतरें ॥ नवीपामुंएप्रीती ॥ ३४ ॥ इंमक
रीझंपातिणेंदीउ ॥ सांसलेंसिंहाकानि॥ इणिधार्युंमनइणिपरें॥मुझपतीएहप्र
माण ॥ ३५ ॥ विरहगथाउसवांतरे ॥ पतीरागेंपमीतह ॥ कूंणएहमांलह

स्येकहो ॥ दंपतीनीःसंदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहअ्र
काज ॥ सूणीजाएयूंमेंसयणए ॥ एहवुंसाषेंआज ॥ ३७॥ ढाल ॥ योगमा
यागरदेरमेजो ॥ एदेशी ॥ अजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसंत्तलावीतसकानि
जो ॥ त्रिजेदिनआजतेहनेंजो ॥ कहेषेचरसूणोसूप्रमांणजो ॥ ३८ ॥ धीर
जथीसवीसंपजेजो ॥ एआंकणी ॥ केतलेवेगलूंतेवन्युंजो ॥ म्हेंकह्युंदत्राजो
जनथायजो॥ तवविद्याधरबोलीउंजो ॥ तूंषेदमकरिमनसायजो ॥ ३९॥धी०॥
जीवेंछेतूजप्रेयसीजो॥तेहनोसांभलअधीकारजो ॥ विद्याधरनोअधीपतीजो ॥
चक्रसेननामेंअवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिणेंअप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥
महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वशेवाबारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसंकेतजो ॥
॥ ४१ ॥ धी० ॥ अम्तालीसजोजनतणीजो ॥ कांयषेत्रशुद्धिकरीसारजो ॥
असयदेईसझजीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज
समजेविद्याधराजो॥ तेहनेंईमझकमंतेकीधजो॥ सातदिवशलगीसांसलोजो॥
सझजीवनीहिंसानिषिद्धजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥
सिद्धिनिलयाअसीधानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरह्योतिणें
थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाफ्योजापनेंजो ॥ पुराथयादिवसतेसा
तजो ॥ सिद्धिसवारेथायस्येजो ॥ तिणेंजाण्युंकुशलनीवातजो ॥४५ ॥ धी०॥
एतलाषेत्रमांमरेनहीजो ॥ एकाममांसझसावधानजो ॥ सांसलीम्हेंपाणचित
व्यूंजो ॥ एवातयुक्तपरधांनजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउढ्योहतोईणिईजो ॥
किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगल्युंहोयजोएणेंजो ॥ तोसंकोंचाईकिम
देहजो ॥ ४७ ॥ धी० ॥ म्हेंकह्युंषेचरनेंतिहांजो ॥ मुफआशासनातूम्हेदिध
जो ॥ थाउमनोरथतूमतणाजो ॥ मुफअकुसलपक्षनिषिद्धजो ॥ ४८॥ धी०॥
षोलीलावुंमाहरीप्रीयाजो ॥ मुफबोलेषेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे
जो ॥ आजतोअमनेंएहकामजो ॥ ४९ ॥ धी० ॥ कालिसझसेलामिलेजो ॥
पामीस्यूंषवरितेतासजो॥ मेलवस्यूंअमेतूम्हनेंजो॥ तूम्हेंरहोश्हांसूखवासजो
॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युंवचनम्हेंतेहनुंजो ॥ अर्द्धपहोररातिरहीसेसजो ॥ गग

नेंउद्योतथयोतदाजो ॥ गायेंमंगलगीतविशेशजो ॥ ५१ ॥ धी० ॥ देवविमा
नपरेंदिपतूंजो ॥ आव्यूंविद्याधरनुंविमानजो ॥ कहेखेचरमुफदेषज्योजो ॥
विद्यासिद्धस्वामिनिसानजो ॥ ५२ ॥ धी० ॥ गयुंविमानतिहांकणेंजो ॥ बड्ड
विद्याधरपरीवारजो ॥ विहाणेमुफनेंतेमीगयोजो ॥ चक्रशेनशमीपउदारजो॥
॥ ५३ ॥ धी० ॥ करीयप्रणामउसारस्याजो ॥ वरआसनदिधूंतांमजो ॥ वात
सूणावीबेशीनेंजो ॥ तबबोल्योषेचरस्वामिजो ॥ ५४ ॥ धी० ॥ मतसंतापक
रोतूम्हेंजो ॥ तूम्हमेलवस्यूंआजनारिजो ॥ इणेंसमेदोयविद्याधराजो ॥ प्रण
मिकहेएकतिवारजो ॥ ५५ ॥ धी० ॥ तुमआणाथीवनांतरेजो ॥ समतांएक
दिठीनारिजो ॥ अजगरलयथीनासतीजो ॥ आर्यपुत्रहाकरतिपोकारजो ॥
॥ ५६ ॥ धी० ॥ वस्त्रलिधुंतिणेंअजगरेंजो ॥ लाव्यामलयशिषरअम्हेनारि
जो ॥ सून्यऋदयक्रणरहीकरीजो ॥ उठिक्रणनयनमांवारिजो ॥५७॥धी० ॥
अम्हेकह्युंसयनकरोतूम्हेजो ॥ तूफकिहांगयोसरतारजो ॥ साकहेपाणिलेवा
गयोजो ॥ तवअम्हेकरीशोधिअपारजो ॥ ५८ ॥ धी० ॥ पणिनवीअमनेंते
मल्योजो ॥ सानवीलीइंअन्ननेंपांनजो ॥ हाहाआर्यपुत्रराषीइंजो ॥ इंमकहे
तीरहेतिणेंथानजो ॥ ५९ ॥ धी० ॥ षेचरपतीमुफनेंकहेजो ॥ तूम्हेजुउतूम
चीकेनांहिजो ॥ साथेंषेचरङ्गतिहांगयोजो ॥ जोईपाम्योअतिउछांहजो ॥
॥ ६० ॥ धी० ॥ देईआसासनातिहांकिणेंजो ॥ लाविदिइंषेचरआहारजो ॥
षेचरपतीनेंआवीकह्युजो ॥ महाराजएमाहरीनारिजो ॥ ६१ ॥ धी० ॥ वात
घणीरुअमीथइजो॥ तूम्हसागांदूखवियोगजो॥ कहोतेवलीतूम्हस्यूंकरूंजो॥
तुम्हेदीसोउत्तमकोइलोगजो ॥ ६२ ॥ धी० ॥ समरादित्यनारासमांजो ॥ क
हीपंचमखंमेरशालजो ॥ पद्मविजयसोहामणीजो ॥ रुमीपनरमीएहढालजो
॥ ६३ ॥ धी० ॥ उहा ॥ देषीलक्रणदेहनां ॥ इंणिपरेंचित्युंआप ॥ विद्याधर
पतीवह्लहो ॥ पामीसप्रबलप्रताप ॥ ६४ ॥ अजितबलाविद्याअछे ॥ तेआपु
ङ्गतूफ ॥ उत्तमपुरुषम्हेउलषी ॥ मोदथयोइंममुफ ॥ ६५ ॥ प्राइंअविघ
नपामस्यो ॥ परगटजासप्रसाव ॥ बालपणेंबतलावीउ ॥ जोसीइंएहजमाव ॥

॥ ६६ ॥ उदयतेहनोत्र्प्रावीउ ॥ इमविचारीत्र्प्राप ॥ विद्यालीधीवेगस्यूं ॥ उत्त
मसूणीत्र्प्रालाप ॥ ६७ ॥ विद्याधरगयावेगस्यूं ॥ त्र्प्रापीसाधनत्र्प्राम ॥ साधन
षेत्रसीरोमणी ॥ किमकरूंविकटएकांम ॥ ६८ ॥ उत्तरसाधकनहीइंहां ॥
संसारस्योवसूसूति ॥ इणित्र्प्रवसरित्र्प्रावीमीले ॥ त्र्प्रापुंतेत्र्प्रदसूत ॥ ६९ ॥ ढा
ल ॥ वावाकिसनपुरीतूमविनामढीत्र्प्रांउजरपडी ॥ एदेशी ॥ विद्यासिद्धिसूच
वेतेह ॥ त्र्प्राव्योवसूसूतीससनेह ॥ मनहरषनमाय ॥ त्र्प्राव्याजीसलेरेतूम्हेत्र्प्र
होजीत्र्प्रहो ॥ तापसनोपहेस्योढेवेस ॥ त्र्प्रालिंगनकस्योहर्षवीशेश ॥ ७० ॥
॥ मन० ॥ म्हेंमनचिंतव्यूंतापसत्र्प्राम ॥ त्र्प्रालिंगनदिइंस्यानेंकांम ॥ मन० ॥
देवीसहीतद्धंप्रणम्योतास ॥ चिरंजीवकहेमुझनेंतास ॥ ७१ ॥ मन०॥ त्र्प्रवि
धवाथाउनारीत्र्प्रासीस ॥ शब्देंउलषीधुण्युंम्हेंशीश ॥ मन० ॥ त्र्प्राणंदत्र्प्रां
सुनयणेनमाय ॥ त्र्प्रासनत्र्प्राप्युंवेगगाय ॥ मन० ॥ ७२ ॥ चरणपषाले
नारीतिवार ॥ वृत्तांतपूछेकरावीत्र्प्राहार ॥ मन० ॥ किहांथीत्र्प्राव्यानेंशायरत
स्याकेम ॥ तेकहेफलकलह्युंथयुंषेम ॥ ७३ ॥ मन० ॥ पांचेदिवसेंपाम्योपा
र ॥ मलयतटेंउतरयोतिणीवार ॥ मन० ॥ त्र्प्राव्योतापसजोवातिर ॥ त्र्प्रास्वा
स्योमुझदेषीपीर ॥ ७४ ॥ मन० ॥ कुलपतीपासेंमुझलेईजाय ॥ म्हेंवंद्यातव
त्र्प्राशीसदाय ॥ मन० ॥ त्र्प्राहारकरावीपुछीवात ॥ म्हेंपणिकह्योसघलोत्र्प्रव
दात ॥ ७५ ॥ मन० ॥ म्हेंकह्युंतापसकीजेस्वामि ॥ मित्रविजोगीनेंएत्र्प्रसीरा
म ॥मन०॥ कुलपतीकहेकर्त्तव्यछेएह ॥ पणिनवीत्रुटेतंतूशनेंह॥७६॥मन०॥
दुःकरकर्मतणारेविवाग ॥ दुःकर[illegible]प्यो विषयनोत्याग॥मन०॥ मुनीनोमारग
दोहीलोजाणी॥ पालवुंदोहिलूंवलीत्र्प्रपीगाणी ॥ ७७॥ मन० ॥ समकितनेंत
जीइंसंशार ॥ पणिएकसांसलीबीजोप्रकार ॥ मन० ॥ ज्ञानेंकरीजाणुंछुंइंम॥
मित्रताहरोमिलस्येसूखषेम ॥ ७८ ॥ मन० ॥ सेवाकरतोरहेत्र्प्रमपासा॥मुनीव
चनेंथईमिलवानीत्र्प्रास ॥ मन० ॥ तिहांरहेतांथयोएतलोकाल ॥ कुलपतीसे
वाकरतोविशाल ॥ ७९ ॥ मन० ॥ त्र्प्राजथीत्रीजेदिवसत्र्प्रतीत ॥ एकतापस
कहेवातप्रतीत ॥ मन० ॥ कुलपतीत्र्प्रागलिहरषधरेह ॥ मुझसांभलतांसर्वंके

हेह ॥ ८० ॥ मन० ॥ ताहरोवृत्तांतम्हेंसूणीउकानि ॥ म्हेंकरयुंमीत्रएमाहरो
ठांन ॥मन०॥ कुलपतीनीत्र्प्राणालहीतांम ॥ कालिंजत्र्प्राव्योतेतिरथठाम॥८१॥
॥ मन० ॥ खेचरकह्योमुफतूफत्र्प्रधीकार॥ षोलतोत्र्प्राव्योईएहिजगार ॥म०॥
तवमेंविद्याप्रापतीवात ॥ संसलावीतसहायतेथात ॥८२॥ मन० ॥ ज्योतिषी
वचनमीथ्यानवीयाय ॥ त्र्प्रहोसाबीसङ्कबणतुंजाय ॥ मन० ॥ करोम
नइछितएतूम्हेकाम ॥ थास्योत्र्प्रवस्यविद्याधरस्वामि ॥ ८३ ॥ मन० ॥ पु
र्वसेवाकरवीषटमास ॥ मांभीमलयसीखंरत्र्प्रत्यास ॥ मन० ॥ मौनपएं
ब्रम्हचारीथाय ॥ परिमितत्र्प्राहारफलादिकराय ॥ ८४ ॥ मन० ॥ करयुंम्हें
विलासवतीथयुंकाम ॥ षटमासदू:करगयामुफत्र्प्राम ॥ मन० ॥ हवेत्र्प्र
होरातीनुंकांमछेजोय ॥ कहेविलासवतीसूणोसोय ॥ ८५ ॥ मन० ॥ तु
म्हमनोरथपुराथाउ ॥ वहेला२थाउषेचरराउ ॥ मन० ॥ कायरहृदयजाणी
म्हेंतेह ॥ मलयगिरीदरीमांठवीएह ॥ ८६ ॥ मन० ॥ मांभीप्रधांनसेवाह
वेतह्र ॥ देवताठवीकरीकूसूमनोजह्र ॥ मन० ॥ दिशापालकरयोवसूसूती ॥
पदमासनबांध्यूंत्र्प्रदसूत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ मुद्रामंम्फलकीधांत्र्प्राप ॥ मंत्रल
ह्ननोमांम्योजाप ॥ मन० ॥ कांईकवेलावीतीजाम ॥ त्र्प्राकासहसवालागो
तांम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजत्र्प्रकालेकेंसायरह्मोल ॥ पृथवीकंपकेदेषी
त्र्प्रथोल ॥ मन० ॥ मदमातोमयगलसकषाय ॥ जलकणीत्र्प्राशीतलछंटाय ॥
॥ ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेंत्र्प्राक्रमेंतेह ॥ क्रोधेंकूम्फलीतसूढिकरेह ॥
मन० ॥ गुलगुलकरतोत्र्प्रंकुसकान ॥ सन्मुखत्र्प्रावतोदेषेतेथान ॥ ९० ॥
॥ मन० ॥ हात्र्प्रार्यपूत्रईमकरतीनारि ॥ नवित्र्प्रषोलाणोधीरजधारी ॥
मन० ॥ एहबिलीतिकागईत्र्प्रसराल ॥ त्र्प्राविपिशाचिणीत्र्प्रतीवीकराल ॥९१॥
॥ मन ॥ वरणेंकालीरातांनयण ॥ त्र्प्रटाटयहास्यकरेनीजवयण ॥ मन० ॥ क
रपदनीगलेमालाधारि ॥ गगनउद्योतकरेतिणीवार ॥ ९२ ॥ मन० ॥ शोणित
षरम्यूंचरमतेजाणि ॥ वस्त्रतेपहेरयुंदू:खनीषांणि ॥ मन० ॥ रुधीरपीतीसा
जनकपाल ॥ विलासवतीवामकरसंसाल ॥ ९२ ॥ मन०॥ रेरेदूष्टविद्याधरसं

ग ॥ दूरविदग्धथयोमनरंग ॥ मन० ॥ किहांजाईसमुखकहेतीइंम ॥ क्रोस
नाकरतीआवीतेंम ॥ ९४ ॥ मन० ॥ तेहथीनवीखोलाणोधीर ॥ हवेंमाकि
णआविकरेपीर ॥ मन० ॥ विणवादलगरजारवथाय ॥ नाचेघमवेतालबहुधा
य ॥ ९५ ॥ मन० ॥ वरसेरूधीरधाराअशराल ॥ नगनउरधकेशअतीवीक
राल ॥ मन० ॥ बोलेंशिवाकरतीफतकार ॥ तोपणिनवीषोल्योकुंलगार ॥
॥ ९६ ॥ मन० ॥ हवेचोथोउपसर्गतेथाय ॥ राषसणीआवीलेईजाय ॥ मन०
कुपमांनांष्योजेमपाताल ॥ चंद्रसूरयनाठासमकाल ॥ ९७ ॥ मन० ॥ दाढा
जेहनीअतीवीकराल ॥ मनुष्यमस्तकनीपहेरीमाल ॥ मन० ॥ नासिलगेंघण
लटकेजास ॥ मनुंजकलेवरकापेविलास ॥ ९८ ॥ मन० ॥ मारि २ कहेमु
खेंआलाप ॥ महाविकरालतणुंनहीमाप ॥ मन० ॥ तोपणिनवीबीहनोकुंल
गार ॥ च्यारघमीरहेरातितिवार ॥ ९९ ॥ मन० ॥ मंत्रथयोसमापतप्राय ॥
सूगंधतववायराहवेवाय ॥ मन० ॥ फूलवृष्टीजय २ रवथाय ॥ किंनरीउति
हांमंगलगाय ॥ १०० ॥ मन० ॥ थयोउद्योतआकासेंजाम ॥ अजीतबलाआ
व्यांहवेंताम ॥ मन० ॥ देवदेवीबहुपरीवर्यांतेह ॥ स्तवनाकरेसूलमाहरीएह
॥ १ ॥ मन० ॥ पंचमखंमेसोलमीढाल ॥ सांभलतांहोयमंगलमाल ॥ मन० ॥
समरादित्यनारासमांसार ॥ पद्मविजयकहेजय २ कार ॥ २ ॥ मन० ॥
॥ दुहा ॥ अहोताहरोउपयोगए ॥ अहोव्यवशायअनंत ॥ अहोपुरूषोत्तम
पणुंअती ॥ सिधथईकुंसंत ॥ ३ ॥ विरमितूंएव्यवशायथी ॥ तवम्हेंचिंत्यूंइं
म ॥ मंत्रअधुरोमाहरे ॥ कहोठलमांपमुंकेम ॥ ४ ॥ मंत्रपुरोकरीप्रणमीउ ॥
इणिअवसरितिहांआय ॥ विद्याधरनावृंदजे ॥ रूपमनोहरराय ॥ ५ ॥ सूणि
देवीकहेएसहु ॥ प्रेमेंतुझप्रणमंत ॥ चंमसीहप्रमुखाचतूर ॥ भत्यसावसावंत ॥
॥ ६ ॥ तूमपशायइमकहीतूरत ॥ अंगीकरेअतीरेक ॥ कहेदेवीतुझकिजीइं ॥
षेचरपतीअभीषेक ॥ ७ ॥ ढाल ॥ सीरोहीरोसालूहोकेउपरिजोधपूरी ॥ एदेशी ॥
म्हेंकह्युंमुझमीत्रनेंहोकेवलिनारीदेषे ॥ तवबोलाव्योतसहोकेनविबोलेरेषे ॥
तसजोयोजईनेहोकेनवीदीठोजाम ॥ बहुविद्याधरस्यूंहोकेगगनगयोताम ॥

॥ ८ ॥ तिहांएकनीकुंजमांहोकेअरहोपरहोसमतो ॥ अमदेषीक्रोधेंहोकेअती
सयधमधमतो ॥ दोयकरमांरूषनीहोकेशाषालेइकहे ॥ मुझमीत्रनीनारीहो
केदूष्टोकेमरहे ॥ ९ ॥ तेसांसलीचितव्यूंहोकेदेवीअपहरी ॥ मुझफोकपरीश्र
महोकेपुछुंवातषरी ॥ रेवसूतनीकहोहोकेदेवीकीहांगई ॥ वसूतिनशांसलेहो
केवचनतेथीरथई ॥ १० ॥ षेचरनीमायाहोकेएमनमांधरी ॥ करयोघामुझउ
परिहोकेतिणेंआकर्षकरी ॥ वंचावीघातनेंहोकेशाषाअपहरी ॥ करपकनी
सापुंहोकेदेवीकिणेंहरी ॥ ११ ॥ फिरी २ जबपुछुंहोकेतवउपयोगकरी ॥ मुझउ
लषीबोल्योहोकेसांसलिवातषरी ॥ तुझविद्यासाधंतांहोकेरातीतेदोयजाम ॥ वि
द्याधरटोलूंहोकेआव्यूंएकतांम ॥ १२ ॥ उपसर्गनीशंकाहोकेम्हेंमनमांआं
णी ॥ थोमीथईवेलाहोकेतवबोलेराणी ॥ हाहाआरजसूतहोकेमुझनेंलेईजा
य ॥ राषि २ वसूतिहोकेमुझआपदथाय ॥ १३ ॥ सुणीमुझआशंकाहोके
संभ्रमथीथई ॥ तवतेहगुफामांहोकेमेंजोयूंजई ॥ नवीदीठीज्यारेंहोकेधायोवि
मानपुंठे ॥ नविजाणुंकीहांगईहोकेतवचिंतूंरुठे ॥ १४ ॥ हरिषेचरेंदेवी
होकेपणिएकिहांजास्ये ॥ मुझक्रोधअगनीमांहोकेएहपतंगथास्ये ॥ किसी
फकरमकरस्योहोकेअजीतबलासीधी ॥ कहेदेवीतीणेंसमेहोकेसीचिंतालीधी ॥
॥ १५ ॥ कहिवातसवेतसहोकेदेवीक्रोधेंचढी ॥ दिशदिशतिणेंमुंकीहोके
षेचरश्रेणीवली ॥ एकषेचरआवीहोकेपवनगतीसाषे ॥ एस्त्रीम्हेंदिठीहोकेअंन
गरतीराषे ॥ १६ ॥ सूणोनगवैताढ्येहोकेतूम्हअणाईगयो ॥ रहनेउरचक्रवाल
होकेनयरतिहांसयो ॥ उदवेगघणोकरेहोकेतिहांनासडूलोका ॥ ठामि २ पु
जाबलीहोकेहोमहवनथोका ॥ १७ ॥ एकषेचरनेंम्हेहोकेपुछ्योअवदात ॥
कहेतेअम्हस्वामीहोकेअनंगरतीख्यात ॥ कंदरपनावसथीहोकेएकदीनअपह
री ॥ विद्यासाधकनीहोकेनारीतेसूचरी ॥ १८ ॥ नविइछेनारीहोकेतवतेहठक
री ॥ लेवापरवर्त्योहोकेसूणीद्वेषधरी ॥ कह्युंछेकोईपासेंहोकेलावोषडगमुद्रा ॥
ईमकरीनेंउठ्योहोकेक्रोधधरीतदा ॥ १९ ॥ कहेपवनगतीतवहोकेप्रसन्नथ
ईसूणो ॥ एवातकहुंछुंहोकेनहीप्रत्यक्षमुणो ॥ सिंहणिनइस्वानजहोकेकेमप

रासवें ॥ तवम्हेंकह्यूंश्रागलिहोकेवातकहोहवइं ॥ २० ॥ ऊंबेठेतिहांरेहो केवातकहेत्र्प्रागें ॥ असमंजसदेषीहोकेशीलतणेरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ हाउपसर्गकरे ॥ भूमीकंपनेंवीजलीहोकेवज्रनीघातधरे ॥ २१ ॥ श्रावीकहे नृपनेंहोकेउत्तमपुरुषथई ॥ किमनिचनुंकारयहोकेकरेंतूंक्रमनिगई ॥ तवश्र लगोउसोहोकेकायाइंकरी ॥ पणिनहीकांयमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥ ॥ २२ ॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांम्यांहोकेशांतीक रमनगरें ॥ तवम्हेंतसपुछ्युंहोकेकहोसाकिहांरहे ॥ नृपभूवनउद्यानेंहोकेत्र्प्रा मतलेतेकहे ॥ २३ ॥ हवेऊंतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरह्यो ॥ तेहनेंऊंदे षीहोकेमनमांगहगह्यो ॥ विद्याधरवंदेहोकेपरवरोतेरही ॥ करदेइंगलोथोहो केभूषतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणत्र्प्राणाहोकेऊंनगयोपासें ॥ तिहांथीतू म्हपासेंहोकेत्र्प्राव्योउल्हासें ॥ हवइंतुम्हमनगमतूंहोकेकामतेकीजीइं ॥ पुछेन भूनतीनेंहोकेतवतेवदिजीइं ॥२५॥ देवताउपदेशेंहोकेलाज्योतेहघणं ॥ तिणे दूतनेंमुंकीहोकेकिजेजाणपणं ॥ ढालपंचमखंमेंहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम रादित्यरासमांहोकेपद्मविजयभणी ॥ २६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ भ्रमदत्तषेचरभणे ॥ एस्युंवोल्याश्राम ॥ रमणीनिजकोइंराषतां ॥ स्योतिहांवचननोसाम ॥ २७ ॥ समरसेनकहेसाचलूं ॥ एहनषमाइंश्राज ॥ वायुवेगमनवांछितं ॥ कहेनसीक्युंकाज ॥ २८ ॥ वायुमीत्रकहेवेगस्यूं ॥ जाणोतूम्हेसूजाण ॥ चंमसिंहहसीउचतूर ॥ एहवातश्रप्रमाण ॥ २९ ॥ सु भटवीररससामटा ॥ समझाव्याहुविसेश ॥ राज्यस्थितीएराषवी ॥ दूतमुं कोतसदेश ॥ ३० ॥ पवनगतीतेहपेषीउ ॥ दूरसीकरीनेंदूत ॥ समझावोस घलीस्थिती ॥ श्राषीनीजश्राकूत ॥३१॥ ढाल ॥ रामचंमालनीदेशी ॥ श्रनंगर तीछेतिहांमाहाराय ॥ उतकहेंजईइमनिरमाय ॥ साजनसांभलो ॥ श्रपज सकेरूकारणजेह ॥ उत्तमपुरुषनश्राचरेतेह ॥ सा० ॥ ३२ ॥ लोकनेंहा सीनुंकारणथाय ॥ श्ररीश्रणमनमांश्राणंदपाय ॥ सा० ॥ धीरजजेहथीना सीजाय ॥ इंमश्रवगुणनोहोयसमुदाय ॥ सा० ॥ ३३ ॥ इहभवपरभवदोय

विरुध ॥ कूणआचरेकहोमहामतीमुद्ध ॥ सा० ॥ परदाराहरवीमहापाप ॥
चित्तविचारोराजनआप ॥ सा० ॥ ३४ ॥ मुंकोएमागेव्यवहार ॥ इमकहे
वरावेसनतकूमार ॥ सा० ॥ आपोमुझजायातूम्हेआप ॥ स्यानेंउपजावोसं
ताप ॥ ३५ ॥ सा० ॥ बोल्योतेहअनंगरतीराय ॥ कहेजेतूंतूझरायनेंजाय ॥
नारीनापीइं ॥ एतोपटराणीकरीघरियापीइं ॥ सूचरमुझमनावेआंण ॥ सद
सदव्यवहारनोएजांण ॥ नारी ॥ ३६ ॥ जिणेअंगीकरीतेहनीनारि ॥ पर
नारीअमनहीअलगार ॥ ना० ॥ पापपुन्यतोतिहांगणाय ॥ घरमुंकीनेंरणमां
जाय ॥ ३७ ॥ नारी ॥ कहेवुंहोयतसकहेजेजाय ॥ आविसऊंरणसनमुख
धाय ॥नारी॥ सांसलीउततेवलीउखिप्प ॥ पोहतोवीलासवतीनेंसमीप ॥३८॥
नारीसांसलो ॥ खेदमकरज्योमनमांरेह ॥ सोधीलाधीठेतूमचीएह ॥ नारी
॥ थोमादिनमांटलस्येविजोग ॥ मतकरज्योमनमांकांयसोग ॥ नारी ॥ ३९॥
बोलीविलासवतीहवेताम ॥ आर्यपूत्रघरणीमुझनाम ॥ सा ॥ तिणेंमुझनेंन
वीखेदतेकांय ॥ पूछज्योआर्यपूत्रनेंसूखसाय ॥ ४० ॥ सा० ॥ वलीआव्यो
दूतबीजेदिन्न ॥ संसलावेसनतकुमारनेंकन्न ॥ सा० ॥ कटुकवयणसूणीजा
ग्योक्रोध ॥ थयाउजमालतेसघलाजोध ॥ सा० ॥ ४१ ॥ अमरषधरतोमुंके
ऊंकार ॥ ब्रह्मदत्तनेंरणरसवऊसार ॥ सा० ॥ समरसेनकरेसूजआस्फाल ॥
रोसेंनयणकर्‍यांविकराल ॥ सा० ॥ ४२ ॥ भ्रकूटीचढावीनांषेंदृष्टी ॥ वायुवे
गखमगेंकरीमुष्टि ॥ सा० ॥ रिपूऋदयेंकरेतिहांथीप्रहार ॥ वायुमीत्रतेहमां
सिरदार ॥ ४३ ॥ सा० मुखअंधारकरेचंमसिह ॥ क्रोधानलजलतोअबिह ॥
सा० ॥ पिंगलगंधारउछालेबाहिं ॥ मतंगधरतीकंपावेत्यांहि ॥ ४४ ॥ सा० ॥
अतीमेघहरष्योमनमांहिं ॥ संगरआव्हानजाणीउछाह ॥सा०॥ गिरिदरीमांपम
ठंदाथाय ॥ देवोसहहसीउतिमसाय ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मरणआव्यूंहवेंढुकडुं
तास ॥ तूम्हेकोप्यासंग्रामनीवास ॥ सा० ॥ तूम्हेरहोऊंजाउंखमगसहाय ॥
आवुंसूचरनुंवीरयदेखाय ॥ ४६ ॥ सा० ॥ सऊकहेतूमचाकरजोजाय ॥ ते
हनुंतेजतेहथीनखमाय ॥ सा० ॥ तोतूमचीसीवातकहाय ॥ इणसमेंअजीत

बलातीहांआय ॥ ४७॥ सा० ॥ माहरेकाजेंरचिउंविमान ॥ मित्रसहीतबे ठेतिणेंथान ॥ सा० ॥ वागांसमरनांमंगलतूर ॥ चाल्याविमानचढ्याबलसू रि ॥ ४८ ॥ सा० ॥ जयजयहोवेतिणीवार ॥ गामनगरपूरजोताउदार ॥सा० ॥ पोहताबैताढ्यपर्वतपास ॥ देवीआदेशेंकर्यांहेठिआवास ॥ ४९ ॥ सा० सर्वविद्यावसकरवाकाज ॥ अठमकरीकेरपुजासमाज ॥सा०॥ संसबोद्याध रआव्यापास ॥ वातपोहतीअम्हसत्रुसकासि ॥ ५० ॥ सा० ॥ डर्मुखनाम सेनापतीजेह ॥ मोकलीउअमसनमुखतेह ॥ सा० ॥ पांचमेंखंडेअढारमी ढाल ॥ साषिएवररागबंगाल ॥ ५१ ॥ सा० ॥ समरादित्यनारासमांसार ॥ पद्मविजयकहीजय २ कार ॥ सा० ॥ कायरतेथरहरकंपाय ॥ सूरवीरस न्नद्धतेथाय ॥ ५२ ॥ सा० ॥ दुहा ॥ सनमुखआव्योबलसबल ॥ सांभली ययोबहुशोर ॥ खड्गमेंलीधुंखातिस्यूंजालिमकरवाजोर ॥ ५३ ॥ दुतआ व्योडरमुखतणो ॥ बोल्योआवीवाणी ॥ अनंगरतीनोआवीउ ॥ सेनानीसप राण ॥ ५४ ॥ सांभल्योएकमनसवे ॥ सूमीचरनाभृत्य ॥ कहेवराव्यूंति णेंकोकिस्यूं ॥ सज्झायाउअसुसरीती ॥ ५५ ॥ अनंगरतीस्यूंआवीआ ॥ जुध करणजयकाज ॥ पणिमुझकरतूम्हेपामिज्यो ॥ षरीउतारूंषांज ॥ ५६ ॥ अनंगरतीनवीआवीउ॥सांभलीसनतकुमार॥मुंक्युंखड्गतेमांनथी॥ षेचरबो ल्याषार ॥ ५७ ॥ चंद्रसिंहउज्योचटक ॥ सेनानीथईसार ॥ आणाआपोअ म्हसणी ॥ बलतीमकरोवार ॥ ५८ ॥ आणाआपीआदरें॥ कुसूममालतसकं ठ ॥ नांषीसेनानीकीउ ॥ आव्योलहीउत्कंठ ॥५९॥ढाल॥ कड़षानीदेशी ॥ सूर रसपुरमुखनूरआणीघणो ॥ चालीआसमरवरकरणदेश ॥ सिद्धगंधर्वसूरअस्स रजोवामिल्या ॥ सूरवरेंगगनसरीउविशेस ॥६०॥सू०॥ षचरेंसंग्रमोजुंविमानें रह्यो ॥ सारतरवारपरहारपड़तां॥माहोमांहिसटलकेबेहुनायकअड़े ॥ करतबे ढुंहतप्रहतरोसेंचढतां ॥ ६१ ॥ सू० ॥ चंद्रसीहोअवीहोकहेएहनें ॥ डर्मुहो संमुहोआंहीआयो ॥ रेडराचारपरहारकरीआगलें ॥ तुझपराक्रमेंमनेंसयन लायो ॥६२॥सू०॥ करेगदाजुधमांमीतदातेकरे॥चंद्रसिहउपरेंघातविरसो ॥ ते

हवंचावीउक्रोधथीचाविउ॥घातषमीहवेजमरायसरीसो॥६३॥सू०॥उत्तमांगें द्विउरंगेपरहारतीम॥ रुधीरवमतोमहादूरवखमतो॥जय २ रवथयोतेहजमघ रिगये॥दलसयलजायदशदिशिसमतो ॥६४॥सू०॥ कुसूमवुठिसईतूठिचंमसी हनें॥ चढिउवेयदहवश्कूमरनीरतो ॥ रथनेउरचक्रवालथालपोहतावही ॥ दो यषचरतसपासधरतो॥६५॥सू०॥ तेहजईनेंकहेंतूहजीकिमरहे॥ जातपोवन जपोदेवझाणं ॥ अहवमुझकोहअनलोहपतंगसम ॥ थाहवेंआहवेकरतनाणं ॥६६॥सू० ॥ सांसलीतिहांबलीदेहलीतेहनी॥ धरणीआस्फालतोवयणजंपे॥ एहसूगोयरोपोयरोस्यूंलहे॥ आणिमुझमाणिइंमकिमपयंपे॥६७॥सू०॥ मुझ करवायानलेंएबलेकिमनही ॥ देषिअंतरहवेंरेषनांही॥ सूमीअतिआवीउनर मुझनावीउ॥ तूम्हेंपणिकेमअन्नाणमांहि ॥ ६८ ॥ सू० ॥ इंमकहीक्रोधल हीसैन्यनीजमांतदा॥ तूरीवजमावतासमरसेरी॥ पढमरणदेषवासक्तिनीजले षवा॥ सझहोयसूसटसझकवचपहेरी ॥६९॥सू०॥केईकरवालमहाकालजम जीहस ॥ सुहभवररुहीरपीवाअतित्ती ॥ करग्रहीमहागयाजाणंअसणील या॥ धणंकुटीलषलपरेंधरेंअमीत्ती॥ ७०॥सू० ॥ केईनीजनारिस्तनफरसन व्यग्रथी॥ विगरसन्नाहउछाहकीनो॥ केईरमणीमृगनयणीआंसूझरे ॥ पणि सूसटविकटतिहांमननदीनो॥ ७१ ॥ सू० ॥ केईरमणीरमणविघनजावाक रे॥ किममरेमनधरेतूरतआयो॥ अपररमणीजलपानकरतांसरे॥ सायणन यणआंसूंझरायो॥ ७२ ॥ सू० ॥ कांईमुगअतूगलहीरागलो॥ दाषवेनारी सरतारआगें॥ इंमतिहांदेषीउवेषीफरीआवोआ॥ सनतकुमारपुरकहतरागें॥ ॥ ७३ ॥ सू० ॥ कटुककर्णेसूणीरक्तवर्णेथयो ॥ सेरीवजमावतोसमरकेरी॥ प्रलयनोजलयजिमशब्दनिमसझकरे॥सजकरेसझएकएकभेरी ॥७४॥ सू०॥ पीवतांआसवाअमलआरोगत॥ शत्रुसंज्ञाकरीफरीजगावे॥ छत्रचामरध्वजा प्रगुणकरीसझसज्या॥ केईचंदनादीअंगेलगावे ॥ ७५ ॥ सू० ॥ शब्दजय २ करेअमरषबझधरे॥ चलतवीमानमनमांनधारी॥पद्मव्यूहेंरच्योसैन्यशुत्तपरेंग च्यो॥ वामपासेंसमरसेनसारी॥ ७६ ॥ सू० ॥ चंमसीहोअवीहोरसोआगले॥

गयोदेवोसहोजीमणेंसायो ॥ पिंगलगंधारविचमारश्चोषेचरो ॥ गगनमांमग नपणेंऊरहायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ शत्रुबलसयलतिहांनिकटदेषीवीकट ॥ वेगें वायुवेगनेंपुछुंइम ॥ नामनेंगामशत्रुतणासाषीइं ॥ तेहकहेंगहगहेसूणोप्रेम ॥ ॥ ७८ ॥ सू० ॥ कंचनदाढएशगमुहआगलें ॥ वामपासेंअशोकोअशो को ॥ कालजीहदषिणेंलष्यणेहीणफो ॥ मध्येविरुपनयणेंविलोको ॥ ७९ ॥ ॥ सू० ॥ पुठेंअनंगरईगयमईदेरवज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमांहिलागा ॥ सू रीरणतूरपुरेंलमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीलसं कुलमहीवऊलरुधीरेंसरी ॥ नायकासायकादोचलावइं ॥ कूंतअसीसक्तिबऊ हेतिनाषेतिते ॥ सिंहसीआलपरेंबीहलावइं ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस सालमाहिंदिउ ॥ कंचनदाढजमदाढसरिसें ॥ सोरमहाघोरथयोअनंगरतीसै न्यमां ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसें ॥ ८२ ॥ सू० ॥ उठिउरुठीउअनंगरईदूरमईं ॥ समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ तासशसनमुखधस्योसमरेऊंनवीरवस्यो ॥ सुल टअतीवीकटलेईसाथिकेई ॥ ८३ ॥ सू० ॥ म्हेंकह्युंखेचरासैन्यबऊक्यलह्युं ॥ वाद तूऊसाथिअवीवादलागो ॥ सूलटमेंकीमहणेंपापपुन्यनवीगणें ॥ केमयुऊस्यूं जाइंडरलागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूऊस्यूंफूऊमुऊएहवो ॥ षेचरांसूचरां वादकेहो ॥ समरमांबोलवुंमकरतूंएहवुं ॥ जयविजयसाषीआकहेस्येएहो ॥ ॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसींहबालएदेषीइं ॥ असनीनोमेहमुऊदेहमाथे ॥ वरसीउकरसीउचमेरयणेंकरी ॥ लगवतीगुणवतीमुऊहाथें ॥ ८६ ॥ सू० ॥ केममायावलेंइमतूंफूऊतो ॥ आविनीजलूजबलसबलकीजें ॥ इमसेंसाषीउं सिद्धसूरसाषीउं ॥ इमकहीमाहोमांघाकरीजें ॥ ८७ ॥ सू० ॥ मारीउसक्तीइंध रणीमुऊपामीउ ॥ लयविदूरसैन्यमुऊदैन्यकीधुं ॥ हर्षलरउछलेसोरबऊतेकरे ॥ जाणेंअमेएहनुंराज्यलीधुं ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उठिम्हेंलेईगदामारीविरमांजदा ॥ तेपम्योरऊवमयोधरणीपीठें ॥ कलकरवकारीउतेहनेंवारीउ ॥ ऊगयोतेहनेंपा सदिठे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उठव्योतेहनेंदेईआसासना ॥ जुऊबाऊंजुऊकरतां नथाकूं ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोंगलहताकूं ॥

॥ ९० ॥ सू० ॥ जीतीउतेहवीद्यावलेषेचरो ॥ जयजयशब्दआकासबोले ॥ सूरअसूरसिद्धविद्याहरासहुमिली ॥ कुसूमवृष्टीकरेबहुअमोले ॥ ९१ ॥ सू०॥ खंडएपंचमेढालउगणीसमी ॥ सरसरससमरनीएहसाषी ॥ समरआदित्यना रासमांएसली ॥ पद्मविजइंधरीचित्तराषी ॥ ९२ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥

॥ दूहा ॥ जयवाजांतिहांवाजीआं ॥ अनंगरतीतवआप ॥ आपतांपणिई ज्युंनही ॥ जाणीराज्यसंताप ॥ ९३ ॥ गयोतपोवनवेगेंलिस्यूं ॥ विद्याधरनेंवं द्र ॥ परीवरीउपरीवारस्यूं ॥ आणिहर्षअमंद ॥ ९४ ॥ पुरप्रवेशकीधापछें ॥ दिठीदूरबलअंग ॥ नारीनयणेंनिरंतर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ ९५ ॥ विद्याधर विस्मयलह्या ॥ [illegible]रुपनीधान ॥ प्रणम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपहेचान॥ ॥ ९६ ॥ मुझनें[illegible]यकटकमिली ॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायनितीथीदिनग मुं ॥ वारुवधतेवाने ॥ ९७ ॥ ढाल ० ॥ वेणमवाज्योरेविठलवारुंतूझनें ॥ एदेशी॥ इमकरतांकोइकशलगयोतव ॥ इकदिनपाछलीरातें ॥ विलासवतीइंसूपनेंसूतां॥ गजदिठोवरगातें ॥ ९८ ॥ सवीतूम्हेंजोज्योरेपुण्यतणांफलमीठां ॥ एआंक णी ॥ ऐरावणस[illegible]षोचउदंतो ॥ घनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवयणें पेठो ॥ जागीतेहवेत[illegible]म ॥ ९९ ॥ सवी० ॥ हरषवसेंमुझनेंसंभलावे ॥ म्हेंपणि साष्युंतास ॥ सयलव[illegible]द्याधरपुजीतथास्ये ॥ सूततूझगुणनीराशि ॥ ६०० ॥ सवी० ॥ सांभलीहर्षलहेविनेदीनथी ॥ त्रिणवर्गसाधंती ॥ अनुंक्रमेंशुभदिने जायोसूतनें ॥ हरषतेहीयमेंधरंती ॥ १ ॥ सवी० ॥ मंजरीकादासीइंसूतनों ॥ ज नमेंरायवधाव्यो ॥ दांनदेईतेहनेंसंतोषी ॥ दालिद्रदूरेंगमाव्यो ॥ २ ॥ सवी० ॥ अजीतबलापरभावेंपांम्यो ॥ राज्यलक्ष्मीसूतएह ॥ मासथयोतवाचंतीअजी तबल ॥ नामठव्यूंगुणगेह ॥ ३ ॥ सवी० ॥ अनुंक्रमेंकुमरभावतेपांम्यो ॥ इंण अवसरम्हेंविचार्युं ॥ बहुदिनमातपीतामिलीयांथया ॥ तिणेंमिलवुंइंमधा र्युं ॥ ४ ॥ स० ॥ मावित्रदुःप्रतीकारजभाष्यां ॥ २ ॥ क्रितहीस्येलेषे ॥ सज्ज नस्यूंभोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेंनदेषे ॥ ५ ॥ सवी० ॥ अजीतबला देवीनेंआसय ॥ भाष्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्यूंविमानतेतेहमां ॥ बेठोलेई

सूतराणी ॥ ६ ॥ सवी० ॥ पोहतोस्वेतंविकाउद्याने ॥ पवनगतीमोकलिउ ॥ वातसूणीजबतेहनामुखथी ॥ नृपसाहमोनिकलीउ ॥ ७ ॥ सवि० ॥ नृप देखीसाहमोजईप्रणम्यो ॥ कुंनिजबहुपरीवारें ॥ माहरीरीधीदेवीनेंमावोत्र ॥ अतीआणंदंदीलधारे ॥ ८ ॥ स० ॥ नयरप्रवेशआडंबरेंकीधो ॥ रहितिहांकेईकदिन्न ॥ तामलिप्तिनयरीईपोहतो ॥ स्वसूरनेंमीलवामन्न ॥ ९ ॥ ॥ स० ॥ विलासवतीजेदिनथीगईछे ॥ तेदीनथीखेदाणो ॥ सिध्धादेशवचनथी सघलो ॥ परमारथजिणेंजाण्यो ॥ १० ॥ स० ॥ अनंगवतीउपरिबहुरीसें ॥ धमधम्योईशानचंद ॥ तेहनेंबहुप्रणिपत्यकरीनें ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ११ ॥ स० ॥ तातपासेंआव्यावलीफिरीनें ॥ केईकदिनतिहांरहीआ ॥ कालक्रमें मुझमाततातनें ॥ धरमसूपतीईग्रहीआ ॥ १२ ॥ स० ॥ मुझलघुसाईजश कीर्त्तिनिलयनें ॥ थापीराज्यनोसार ॥ वेअढगीरीपोहतोरथनेउर ॥ चक्रवाल पुरसार ॥ १३ ॥ स० ॥ सूखमांतिहांकुंराज्यपालतो ॥ ईणअवसरतिहांआव्या ॥ अमणगुंणेंशोसीतचउनाणी ॥ बहुशिष्येंसोहाव्या ॥ १४ ॥ स० ॥ चित्रांगदनामेंआचारय ॥ मुझनेंकहुंपरीवारें ॥ जईआमंबरस्युंम्हेवंद्या ॥ धर्मलाभदिउत्यारें ॥ १५ ॥ स० ॥ मुनीकहेमुझनेंसांभलिभूपती ॥ पुण्यकरयांते पांम्या ॥ इमजाणीनेंपुण्यकरोतुम्हे ॥ सूणीम्हेंपदकजनाम्या ॥ १६ ॥ स० ॥ पुण्यकहोकीमकरीईगुरुजी ॥ ईमम्हेंपुछ्युंजांम ॥ समसंवेगमुलजिनदरशीत ॥ धर्मकहेगुरूताम ॥ १७ ॥ स० ॥ धरमपरिणम्योपाम्योसमकीत ॥ अणुंव्रतलीधांबार ॥ चरणनमीनेंम्हेंफरीपुछ्युं ॥ कहोप्रभूकरोउपगार ॥ १८ ॥ ॥ स० ॥ प्रियाविरहदूखजनीतसंतापह ॥ किमउपनोएस्वामी ॥ पूर्वभवेंसीकरणीकीधी ॥ किमफिरीरीध्धिप्रीयापामी ॥ १९ ॥ स० ॥ वीशमीढालएपंचमे खंडे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ सांभलोगुरुमुखपद्मथीसाषे ॥ पुरवभवसूवीलास ॥ २० ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ भरतखेत्रईणमेंभलुं ॥ नयरकंपिलपुरनाम ॥ चंद्रगुप्तराजाचतूर ॥ वाह्लतेहनेंवांम ॥ २१ ॥ जयासुंदरीजगजाणीई ॥ रामगुप्तअसीराम ॥ नांमें

॥ ए० ॥ सू० ॥ जीतीउंतेहवीद्याबलेंषेचरो ॥ जयजयशब्दआकासबोले ॥ सूरअसूरसिद्धविद्याहरासऊमिली ॥ कुसूमवृष्टीकरेबऊअमोले॥ ए१ ॥ सू०॥ खंमएपंचमेढालउगणीसमी॥ सरसरससमरनीएहसाषी ॥ समरआदित्यनारासमांएसली ॥ पद्मविजइंधरीचित्तराषी ॥ ए२ ॥ सू० ॥ ॥ ५॥ ॥ दूहा ॥ जयवाजांतिहांवाजीआं ॥ अनंगरतीतवआप ॥ आपतांपणिईंद्युंनही ॥ जाणीराज्यसंताप ॥ ए३ ॥ गयोतपोवनभणेंलिस्यूं ॥ विद्याधरनेंवंद ॥ परीवरीउपरीवारस्यूं ॥ आणिहर्षअमंद ॥ ए४ ॥ पुरप्रवेशकीधापछें॥ दिठीदूरबलअंग ॥ नारीनयणेंनिरसर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ ए५ ॥ विद्याधरविस्मयलह्या ॥ जोरुपनीधान ॥ प्रणम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपहेचान॥ ॥ ए६ ॥ मुकनेंतेंयकंटकमिली॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायनितीथीदिनगमुं ॥ वारुवधतेवाने ॥ए७॥ ढाल ०॥ वैणमवाज्योरेविठलवारुंतूकनें ॥ एदेशी॥ इमकरतांकोईकालगयोतव॥ इकदिनपाछलीरातें॥ विलासवतीइंसूपनेंसूतां॥ गजदिठोवरगातें ॥ ए८ ॥ सवीतूम्हेंजोज्योरेपुण्यतणांफलमीठां ॥ एआंकणी ॥ ऐरावणसरिषोचउदंतो ॥ घनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवयणेंपेठो ॥ जागीतेहवेताम ॥ए९ ॥ सवी० ॥ हरषवसेंमुकनेंसंभलावे ॥ म्हेंपणिसाष्युंतास ॥ सयलविद्याधरपुजीतथास्ये ॥ सूततूकगुणनीराशि ॥ ६००॥ सवी० ॥ सांभलीहर्षलहोतेदीनथी ॥ त्रिणवर्गसाधंती ॥ अनुंक्रमेंशुभदिनेजायोसूतनें ॥ हरषतेहीयमेंधरंती ॥ १ ॥सवी०॥ मंजरीकादासीइंसूतनें॥ जनमेंरायवधाव्यो ॥ दांनदेईतेहनेंसंतोषी ॥ दालिद्रदूरेंगमाव्यो ॥ २ ॥ सवी०॥ अजीतबलापरभावेंपांम्यो ॥ राज्यलछमीसूतएह ॥ मासथयोतवाचिंतीअजीतबल ॥ नामठव्यूंगुणगेह ॥ ३ ॥सवी० ॥ अनुंक्रमेंकुमरभावतेपांम्यो ॥ इंणअवसरम्हेंविचारयुं ॥ बऊदिनमातपीतामिलीयांथया ॥ तिणेंमिलवुंइंमधारयुं ॥ ४ ॥ स० ॥ माविनदुःप्रतीकारजभाष्यां ॥ शीकिमहीस्येलेषे ॥ सऊनस्यूंलोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेनदेषे ॥ ५ ॥ सवी० ॥ अजीतबलादेवीनेंआसय ॥ भाष्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्यूंविमानतेतेहमां ॥ बेठोलेई

सूतराणी ॥ ६ ॥ सवी० ॥ पोहतोखेतंबिकाउद्याने ॥ पवनगतीमोकलित ॥
वातसूणीजबतेहनामुखथी ॥ नृपसाहमोनिकलीउ ॥ ७ ॥ सवि० ॥ नृप
देषीसाहमोजईप्रणम्यो ॥ कुंनिजबकुपरीवारें ॥ माहरीरीधीदेषीनेंमावोत्र ॥
अतीआणंददीलधारे ॥ ८ ॥ स० ॥ नयरप्रवेशआडंबरेंकीधो ॥ रहिति
हांकेईकदिन्न ॥ तामलिप्तिनयरीइंपोहतो ॥ खसूरनेंमीलवामन्न ॥ ९ ॥
॥ स० ॥ विलासवतीजेदिनथीगईछे ॥ तेदीनथीखेदाणो ॥ सिद्धादेशवचनथी
सघलो ॥ परमारथजिणेंजाण्यो ॥ १० ॥ स० ॥ अनंगवतीउपरिंबहुरीसें ॥
धमधम्योईशानचंद ॥ तेहनेंबहुप्रणिपत्यकरीनें ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ११
॥ स० ॥ तातपासेंआव्यावलीफिरीनें ॥ केईकदिनतिहांरहीआ ॥ कालक्रमें
मुझमाततातनें ॥ धरमसूपतीइंग्रहीआ ॥ १२ ॥ स० ॥ मुझलघुसाईजश
कीर्त्तिनिलयनें ॥ थापीराज्यनोतार ॥ वेअढगीरीपोहतोरथनेउर ॥ चक्रवाल
पुरसार ॥ १३ ॥ स० ॥ सूखमांतिहांकुंराज्यपालंतो ॥ ईणअवसरतिहांआ
व्या ॥ श्रमणगुणेंशोलीतचउनाणी ॥ बहुशिष्येंसोहाव्या ॥ १४ ॥ स० ॥
चित्रांगदनामेंआचारय ॥ मुझनेंकहुंपरीवारें ॥ जईआडंबरस्युंम्हेवंद्या ॥ ध
र्मलाभदिउत्यारें ॥ १५ ॥ स० ॥ मुनीकहेमुझनेंसांभलिसूपती ॥ पुण्यकरव्यांत
पांम्या ॥ इमजाणीनेंपुण्यकरोतुम्हे ॥ सूणीम्हेंपदकजनाम्या ॥ १६ ॥ स० ॥
पुण्यकहोकीमकरीइंगुरुजी ॥ इमम्हेंपुछ्युंजांम ॥ समसंवेगमुलजिनदरशी
त ॥ धर्मकहेगुरूताम ॥ १७ ॥ स० ॥ धरमपरिणम्योपाम्योसमकीत ॥ अ
णुंव्रतलीधांबार ॥ चरणनमीनेंम्हेंफरीपुछ्युं ॥ कहोप्रसूकरोउपगार ॥ १८ ॥
॥ स० ॥ प्रियाविरहदूखजनीतसंतापह ॥ किमउपनोएस्वामी ॥ पूर्वभवेंसी
करणीकीधी ॥ किमफिरीरीद्धिप्रीयापामी ॥ १९ ॥ स० ॥ वीशमीढालएपंचमे
खंडे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ सांभलोगुरुमुखपद्मथीभाषे ॥ पुरवभवसूवीला
स ॥ २० ॥ सं० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ भरतषेत्रइंणमेंभलुं ॥ नयरकंपिलपुरनाम ॥ चंद्रगुप्तराजाचतूर ॥
वारूतेहनेंवांम ॥ २१ ॥ जयासूंदरीजगजाणीइं ॥ रामगुप्तअभीराम ॥ नामें

सूततूंगुंणनीलो ॥ रुपवंतजोमराम ॥ २२ ॥ उत्तरापंथग्रवनीपती ॥ धुग्राता
सगुणधाम ॥ हारप्रसाजिमहरप्रीया ॥ वारुतेकरीवाम ॥ २३ ॥ ग्राव्योवसंत
तेग्रन्यदा ॥ सवनदिर्घिकासालि ॥ नरनारीनिरतांबिङ्क ॥ क्रिडाकरेतिणेंकाल
॥ २४ ॥ वाविकांठेंरसावनें ॥ कुंकुमरागकृतग्रंग ॥ वेठाजबवेङ्कजणां ॥ स्त्री
सरतारसुसंग ॥ २५ ॥ ढाल ॥ साबरमतीइंग्रावीलांसरपुरजो ॥ एदेशी ॥ इं
णग्रवसरिएकहंसजुगलतिहांग्रावीउरे ॥ तेंकरलीधीहंशलीकौतूककामजो॥
हंशतेलीधोनारीइंकरमांरंगस्यूंरे॥ कुंकुमरंगथीफसल्यांहाथथीतामजो॥२६॥
॥ सांसलज्योतूम्हेग्रल्पनीदानफलेघणंरे ॥ एग्रांकणी ॥ एकएकनेंउलषेन
हीकुंकुमरागथीरे ॥ विरहेंपिमीतमरवानापरिणामजो ॥ करेतेरूंधीसाशनइंपा
णीमांपम्यारे ॥ पणिकोईविचित्रजाणेकर्मपरिणामजो ॥ २७ ॥ सा० ॥ कं
ठगतप्राणथयातवडुखउपनुंघणंरे ॥ वलीतेनीरेंकुंकूमरंगधोवायजो ॥ सा
वीसावथीउंचुंजोइंतवबिङ्करे ॥ तवग्रन्योन्येंरागथकीउलषायजो ॥ २८ ॥
॥ सां० ॥ एहकरमतूम्हेबांध्यूंविरहनुंग्राकरूंजो ॥ एहतेजाणोतूमचोकर्मप
रीणामजो ॥ म्हेंचिंत्युंग्रहोग्रल्पनिदानबङ्कफलेरो॥तिणेंहवेमाहरेंपरव्रज्यास्यूं
कामजो॥२९॥सां०॥म्हेंकह्युंसगवनमुङ्कउपरिंकिरपाकरीजो॥सांसलतानिज
चरीत्रथयोवैरागजो॥सवग्रटवीउतारोदिक्षाग्रापिनेंजो ॥ गुरुकहेजिमसुखउ
पजेतिममहासागजो॥३०॥सां०॥देईराज्यग्रजीतबलकूमरनेंमेंतदाजो॥करी
उदघोषणापूर्वकदिधुंदानजो॥ वसूसूतीराणीपरीजनपरीवारस्युंरे॥लिधीदिक्षा
सूणिजयकुमरनिदानजो॥३१॥सां०॥एहविशेषकारणम्हेम्हारूंसाषीउंजो॥
जयकहेशासनकारणएहवीशेसजो॥ सवग्रटविथीउतरीइंप्रसूकिणीपरेंजो॥
उतरीनेंकहोजावुंकिणेंदेशजो ॥ ३२ ॥ सां० ॥ गुरुकहेग्रटवीद्रव्यसावङ्कसे
दथीजो ॥ द्रव्यग्रटवीनोसांसलितूंदृष्टांतजो ॥ कोईनगरथीनगरांतरजावास
णीजो ॥ कोईसार्थपउदघोषणाइंणिवत्तांतजो ॥ ३३ ॥ सां० ॥ मुङ्कसाथेंजे
ग्रावेतेहनेंपोहचवुंरे ॥ इमसांसलीबङ्कसाथथयोतससाथिजो ॥ मारगनागु
णदोषतेसाथनेंदाषवेरे ॥ सांसलज्योइंणमारगछेदोयपाथजो ॥ ३४ ॥ सां०॥

एकसरलनेंबीजोवक्रतेजाणीइंजो ॥ पणितेवक्रेंवळकालेंपोहचायजो ॥ सूखथीजातांअंतेंरुजुमांअवतेरजो॥ लहीइंइछितपुरसूखनोसमुदायजो॥३५॥
॥ सां० ॥ रीजुमारगवळपासेंपणिअतिसांकमोजो ॥ वळकष्टेंपोहचाइंइछितसहेरजो ॥ अतीवीषमतीहांउतरतांबीहामणोजो ॥ वाटेंवीघनकारीहरीवाघनमहेरजो ॥ ३६ ॥ सां० ॥ मारगमांपणिउतरवातेनवीदीइंजो ॥ तेहनेंआपपराक्रमथीकरीध्वंशजो ॥ जईस्युंपणिपूंठि२ आवस्येजो ॥ पुरमांपोहचीइंतिहांलगेंएहनोअंसजो ॥ ३७ ॥ सां० ॥ उनमारगेंपगमुंकेतोलेमुलथीजो ॥ मारगेंहीमेंतेउपरिनहीजोरजो ॥आगलिजातांरुषमनोहरआवस्येजो ॥ स्निग्धसुगंधीपत्रकुसूमवळमोहोरजो ॥ ३८ ॥ सां० ॥ शीतलछायाशोसेजेहनीरुअडीजों॥ पणितिहांवेगपामेंजीवविणासजो ॥ तोषावानीवाततोजाणोवेगलीजो ॥ तिहांनवीबेसज्योजोधरोजीवनआसिजो ॥ ३९ ॥ सां०॥ वलीबीजांपणिफाटनाम्यांपक्यांआवस्येजो ॥ पांडुपत्रकूसूमफलवर्जिततेहजो॥ नहिमनोहरवीसामोकरवोपणतेजो ॥ मुहूर्तमात्रतोकरज्योउत्तमनरेहजो ॥
॥ ४० ॥ सां० ॥ मारगकांठेंवेगपुरुषघणाहस्येजो ॥ रूपमनोहरनेंवलीमीठांवयणजो ॥ तुम्हनेंतेमस्येआवोइंहापणिमार्गछेजो ॥ तेहनुंवचननसूणवुंनजोवुंनयणजो ॥ ४१ ॥ सा० ॥ क्षणपणसाथथीमंतरहेज्योकोइंवेगलारे ॥ एकाकीनेंसयनीश्चयहोयप्रायजो ॥ दावानलथोमोपणिअप्रमादीथईरे ॥ उलववोअन्यथावळअनरथथायजो ॥ ४२ ॥ सा० ॥ उंचोपर्वतउपयोगेंउलंघवोजो ॥ तेउपयोगवीनाजाइंप्राणतेठामजो ॥ वंशजालअतीगहुरगुपीलउलंघवीजो ॥ उपद्रवहोयतिणेंनवीकरवोविश्रामजो ॥ ४३ ॥ सां०॥ एकषाहिलघुमारगजातांआवस्येजो ॥ नाममनोरथसटवेगोनीतपासजो ॥ तेकहेस्येएषाफलगारेकपुरज्योजो ॥ पणिनवीपुरज्योमनमांआणीतासजो ॥
॥ ४४ ॥ सा० ॥ जोपुरस्योतोमोहटीवधतीतेजस्येरे ॥ तिणेंअवगणनाकरीनेंजावुंसायजो॥ फलकिंपाकनांपंचजातीनांमनोहरूजो॥ नवीजोवांनवीषावांस्वादवणायजो ॥ ४५ ॥ सा० महाविकरालपिशाचतेवावीसवाटिमांजो॥

षण२ उपद्रवकरतांगणवानाहिजो ॥ निरसविरसलातपाणीतेपणिदोहीलूंजो॥ षेदनकरवोवावरतांतेमाहिजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यप्रयाणतेकरवुंमुकत्र्या णावहीजो ॥ वहेवुंनियमारातेंपणिदोयजांमजो ॥ इंमजातांअटवीषेमेंउलंघो इंजो ॥ निवृत्तिपुरपांमीजेंसूखनोधामजो ॥ ४७ ॥ सा० ॥ क्लेशउपद्रवतिण नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहवेउपनयकडंसारजो ॥ सारथवाहतेत्रणिलो कसूरमणीसमोजो ॥ अरीहादेवनोदेवकरेउपगारजो ॥ ४८ ॥ सा० ॥ आक्षे पणी १ विक्षेपणी २ संवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ सेयजो ॥ तेउदघोषणामोक्षनाअरथीजीवनाजो ॥ साथनालोकतेसाथेंथया अमेयजो ॥ ४९ ॥ सा० ॥ अटवीचिहुंगतीभमणकरणनीजाणीइंजो ॥ सा धुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ श्रावकधर्मतेवांकोमोकुंपोहोचवुंजो ॥ पणिअंते मुनीधर्ममांआवेसोयजो ॥ ५० ॥ सा० ॥ इछितपुरतेशीवनगरीसोहामणी जो ॥ जिहांनहीजनममरणनेंरोगनसोगजो ॥ वाघसिंघदोयरागद्वेषबहुउपद्र वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाइंसंजमजोगजो ॥ ५१ ॥ सा० ॥ श्रमणपणंलीधेंपणिके हिमुंकेनहीजो ॥ जिनवरमारगचुकानेंगलीजायजो ॥ नारीपसुपंडगसंजुत वसतीयकाजो ॥ तेहजरुषजाणोजसमनोहरछायजो ॥ ५२ ॥ सा० ॥ निरवद्य वसतीशमितपंडुरदलरूषमांजो॥पासछादीकजेउपदेशविरुधजो॥ दायकतेमा रगतटबेंठाबहुजनाजो॥तेवयरीसमबोलावेथईशुधजो ॥ ५३ ॥ सा० ॥ साथीजन तेंश्रमणशीलंगरथधारकूजो॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो॥ वंशजालमा यालघुषाभीतेलोसनीजो॥ मनोरथसटतेईछारूपअमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥ थोभींपणिपुरीइंतोपारनपामीइंजो ॥ शब्दादिकनाविषयतेफलकिंपाकजो ॥ जेहबावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो ॥ संजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो ॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिइंअरसविरसमुनीआहारजेजो ॥ नीत्यप्रयाणंते जाणोअप्रमादजो ॥ बेपहोररातेंपणिसझायतेनीतकरेजो ॥ इणिपरेंअटवीउ लंघेआल्हादजो ॥ ५६ ॥ सा ॥ पोहचेंअनुंकमेशीवनगरीसूखशाश्वतेंजो ॥ सांसलीशमकीतदेशवीरतीपरीणामजो ॥ जयकूमरेंगुरूपासेंतेअंगीकस्यां

जो ॥ पेठोनयरीमांपोहतोनीजगामजो ॥ ५७ ॥ सा ॥ जुवराज्यें थाप्योनि
जतातेतेहनेंजो ॥ नीत २ सेवेमुनीवरसनतकुमारजो ॥ साषीपञ्चविजयएपं
चमखंडमांजो ॥ ढालइगवीसमीसूणतांजयजयकारयो ॥ ५८ ॥ सा० ॥
॥दूहा॥ मासकलपकरीमुनीवरू ॥ विचरयाश्रीभगवंत॥ आवेंधणसिरीइंहाकि
णे ॥ तेसूणज्योवीरतंत ॥५९ ॥ नारकमांथीनीकली ॥ संसरीबहुसंसार ॥ अ
नंतरभवेअनुंसर्‍यो ॥ अज्ञानकष्टअपार ॥ ६० ॥ मरणलहीजयकूमर
नो ॥ अनुजथयोघणंईठ ॥ विजयनामतसगावीउ ॥ कूमरथयोउकीठ ॥
॥ ६१ ॥ विजयनेंजयवल्लभनही ॥ कालगयोइमकांय ॥ कर्मविचित्रथकी
लह्यो ॥ मरणतेहमहाराय ॥ ६२ ॥ जयकुमारराज्येंठव्या ॥ सहुइंमिली
सामंत ॥ विजयद्वेषलहीविलषिउ ॥ सहुथईनासंत ॥ ६३ ॥ सामंतमं
मलेंसमकिनें ॥ बांध्योमरमीबाहिं ॥ वारवटिउजेबाहिरे ॥ दूखदेवेदिलमांहिं
॥ ६४ ॥ ढाल ॥ थाहरामोहलाउपरिमेहझबुकेंवीजलीहोलाल ॥ झबु० ॥
एदेशी ॥ इणिअवसरिमतीहारीआवीइमवीनवेहोलाल ॥ आव० ॥ द्वार
देशेंतूमजननीआवीछेहवइंहोलाल ॥ आवी० ॥ कांयककार्यउद्देशीदरीशण
असीलषेंहोलाल ॥ दरि० ॥ तवनृपसंभ्रमपामीगयोतससनमुखेंहोलाल ॥
॥ ६५ ॥ गयो० ॥ कहेमातातूम्हेकेमपधारयांइंहालगेंहोलाल ॥ प० ॥ तवरो
तीकहेसूतशोकानलबहुजगेंहोलाल ॥ शो० ॥ सूतनेंजीवीतदानआपोतव
नृपवदेंहोलाल ॥ आ० ॥ कुणथीभयएकूमारनेंतवराणीवदेहोलाल ॥ त० ॥
॥ ६६ ॥ प्रतीपक्षीनेंजतनथीराषवोनृपथितीहोलाल ॥ रा० ॥ अन्यसामंतभे
रयाथीउपद्रवनीततीहोलाल ॥ उ० ॥ मतकरोइमवीचारीराज्यचिंतकनरेंहो
लाल ॥ रा० ॥ किंधुंकामतेमुझपणिगमतूंआदरेंहोलाल ॥ ग० ॥ ६७ ॥ पणि
एहनेंतनुंबाधानथाइंतिमकरोहोलाल ॥ न० ॥ तवनृपकहेजोमातप्रतीपक्षी
एषरोहोलाल ॥प्रति०॥ तोकूणनिजपक्षीकहोमातजीमाहरेहोलालके ॥ मा०॥
किमकरोवातउलांइंहांआवीपादरेंहोलाल ॥ इ० ॥ ६८ ॥ मांहिलावीदईआ
ज्ञानवेगेंइणिपरेंहोलालके ॥ वे० ॥ रेरेलावोकुमारनेंरोक्योजिणघरेंहोलालके॥

रो० ॥ तेहनेंतेमवापुरसगयातवनृपमनेंहोलालके ॥ ग० ॥ चिंतवेराज्यएके
हवुंजेहथीईमबनेंहोलालके ॥ जे० ॥ ६९ ॥ राज्यमहंतनरेंजुउवातएसीकरी
होलालके ॥ बा० ॥ बंधुजननेंराज्यलडीएदूखकरीहोलालके ॥ ल० ॥ परम
प्रमादहेतूफलकर्मुंआंजेहनांहोलालके ॥ क० ॥ विदितसंसारस्वरुपनेंकि
ममानेंमनांहोलालके ॥ कि ॥ ७० ॥ राज्यदेईकुमारनेंमातनेंसूखकरुंहोला
लके ॥ मा० ॥ एहराज्यबहुदोषनीधाननेंपरीहरुंहोलालके ॥ नी० ॥ ईणअ
वसरपूरवकृतकर्मनादोषथीहोलालके ॥ क० ॥ वधपरीणामवध्योनृपउपरि
रोषथीहोलालके ॥ उ० ॥ ७१ ॥ आव्योनूपतीपाससिहांसणेंथापीउहोला
लके ॥ सि० ॥ कनककलससरीनीरसूगंधेव्यापीउहोलालके ॥ सू०॥ एकदि
ईनिजहाथिबिजासामंतनेंहोलालके ॥ बि० ॥ करीअलीषेकनमीपदपुछेमा
तनेंहोलालके ॥ पु० ॥ ७२ ॥ मातगयोशोकानलतवजननीकहेहोलालके ॥
त० ॥ ईधणथीकहोअनलतेकिमहानिलहेहोलालके ॥ की० ॥ नूपतीकहे
कारणकिस्यूंनवीजाणंअम्होहोलालके ॥ न० ॥ मातकहेनरकांतएराज्य
जाणोतूम्होहोलालके ॥ रा० ॥७३ ॥ नगणेंसूकृतकापुरुषउचितजाणेंनहीहो
लालके ॥ उ० ॥ कालअनागतदेषेनवीषयमुझ्योसहीहोलाल ॥ न० ॥ स्वर्ग
तथाअपवर्गस्वाधीनजेसूखअछेहोलालके ॥ स्वा० ॥ तेतेआचरेराज्यांधपुरु
षजीमसवीगछेहोलाल ॥ पु० ॥ ७४ ॥ अचिंतचिंतामणीरत्नसमानएनरत्न
वोहोलाल ॥ स० ॥ हारीनेंएराज्यथकीनरगेंजवोहोलाल ॥ थ० ॥ तूतोराज्य
नेंयोग्यजाणंतूफलरूणेंहोलाल ॥ जा० ॥ राज्यमांपापपुण्यतुमअनुंजतेन
हीगणेंहोलालके ॥ अ० ॥ ७५ ॥ मित्रकुमीत्रमलेतिणेंपापतेआचरेहोलाल
के ॥ पा० ॥ तेहवुंपापनहीजगजेएहनवीकरेहोलालके ॥ जे० ॥ तिणेंआरं
कतीएहनेंतेतूमनीपजेहोलालके ॥ ते० ॥ किमसोकानलबुझेनेंटाढिकसंप
जेहोलालके ॥ टा० ॥ ७६ ॥ नूपतिकहेसूणोमातस्यानेंतूम्हेंदूखधरोहोला
लके ॥ स्या० ॥ कुमरविचक्षणनेंलेउंचरणतेऊंपरोहोलालके ॥च० ॥ योआ
णामुझमातजीआतमहीतकरूंहोलालके ॥आ०॥ मातकहेसूणोपुत्तजीएनही

प्राथरूंहोलाल ॥ ए० ॥ ७७ ॥ पालोप्रजाजुवराज्यठवोकुमरप्रतेंहोलाल ॥ ठ० ॥ नृपकहेएहवातवीरुधतेंसांप्रतीहोलाल ॥ वि० ॥ करीराज्यनोअभी षेकहवेकिमपालटेहोलाल ॥ ह० ॥ चित्तविरक्तसंसारथीतिणेंमुझएघटेहो लाल ॥ति०॥७८॥थोआणामुझश्रमणपणंजिमलीजीइंहोलाल॥प०॥इमकही मातनेंचरणविचेंशिरदिजीइंहोलाल॥ वि०॥मातकहेजीमतूममनमांनेंतोमकरो होलाल ॥मा०॥ पिणमुझनेंतुमेंसाथिलेइनेंसंचरोहोलाल ॥ले०॥७९॥ नृपकहे जीवीतमरणसंजुत्तवषाणीइंहोलाल॥सं०॥सूकृतकरयाविणंदूरकसह्यांइंणेंप्रा णिइंहोलाल ॥स०॥डरलसनरसवधर्मजीणंदनोदोहीलोहोलाल॥ जि०॥ सव २ एसंसारसंजोगतेसोहिलोहोलाल ॥ सं० ॥ ८०॥तिणेंअंबातुम्हेजुक्तविचार्युं चित्तस्यूंहोलाल ॥ वि० ॥ हवेतेविजयकुमारनेंशिषदेनीतिस्यूंहोलालके ॥ शी० ॥ एहप्रजाप्रतीपालणकरज्योहेजस्यूंहोलालके ॥ क० ॥ जिमनसंसा रेतातनेंलहीउदवेजस्यूंहोलाल ॥ ल० ॥ ८१ ॥ पूर्वपुरुषअर्जितजसमलिनन कीजीइंहोलालके ॥ म० ॥ राजरीषीनुंचरीत्रसदाइंधरीजीइंहोलाल ॥ स० ॥ जिमनरसवसफलोहोइंतेमकरीजीइंहोलालके ॥ ते० ॥ हवेसामंतनेंशीषदेंइं मचरीजीइंहोलालके ॥ इं० ॥ ८२ ॥ तुमचोएराजानतातपरेंलेषज्योहोलाल॥ ॥ ता० ॥ कूमरप्रजानेंहीतकरमतउवेषज्योहोलाल ॥ म० ॥ उभयलोकसूख कारकतूमेवरतावज्योहोलाल ॥ तू ॥ इमकरीकुलअनुरुपसदाजसपावज्योहो लाल॥ स० ॥ ८३ ॥ केईकहेतुमविरहेंअम्हेंडखआंणीआहोलाल ॥ अ० ॥ पणितूमइछितविघ्नकेरकुणप्रांणीआहोलाल ॥ क० ॥ वलिपरलोकसाधनस णीनरपतीउठीआहोलालके ॥ न० ॥ तवतसवचनप्रसंसकरेंनृपपूठीआहोला ल ॥क०॥८४॥सनतकुमारआचार्यसमीपेंजायवाहोलाल॥स०॥ जिणेसमेउ ठीयाआतमतत्वनीपायवाहोलाल ॥त०॥ पद्मविजयकहेतिणेंसमेजेवण्युंतेक ऊंहोलालके ॥ जे० ॥ पंचमखंडमांढालवावीसमीइंमलऊंहोलाल॥वा०॥८५॥ ॥ दुहा ॥ प्रवृत्तिमुनीनीपेषवा ॥ मुंक्योमाहणजेह॥सीद्धारथनामेंसरवर ॥ तव तिहांआव्योतेह ॥ ८६ ॥ स्वामीमनोरथसीधला ॥ सनतकुमारसूरीस ॥ आ

व्यातिंडुकवनईहां ॥ उठेसूणीअवनीश ॥ ८७ ॥ सातआठपदसनमुखें ॥
रोमांचितजईराय ॥ वंदिचाल्योवांदवा ॥ साथेंसहुसमवाय ॥ ८८ ॥
सामंतादिकसहुमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतंत ॥ महादानमहामोछवें ॥
दिनादिकनेंदित ॥ ८९ ॥ पुजाविवीधप्रकारनी ॥ विरचावेंविधीसार ॥
देहरेसर्वजीणंदनें ॥ आदरधरीअपार ॥ ९० ॥ सुततिथीकरणदीवसलही ॥
रथबेसीमहाराय ॥ परवरिउपरीवारस्यूं ॥ जुगतीथकीनृपजाय ॥ ९१ ॥ ढा
ल ॥ टुंकअनेंटोंमाविचेरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुंपस्यूंरे ॥ नरपतीचाल्यो
जाय ॥ संजमरंगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतोरे ॥ अरथीइछितदाय ॥ ९२
॥ सं० ॥ लोकअछेरूंदेषतोरे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ सं० ॥ कालनहीदीक्षा
तणोरे ॥ अहोलघुवयसूविचार ॥ ९३ ॥ सं० ॥ आजअनाथथईपुरीरे ॥ उ
स्कधरेंबहुलोक ॥ सं० ॥ अंगुलीईंदेषावतारे ॥ लोकधरेमनशोक ॥ ९४ ॥
सं०॥ तूरसबदथाईघणारे ॥ केईकहर्षधरंत ॥सं०॥धन २ एहनीमावडीरे॥धन
२ तातकहंत ॥ ९५॥ सं० ॥ बंदिबोलेबिरुदावलीरे ॥ ईमओटेमंमाण ॥सं०॥
गुरुचरणेंतेआवीउरे ॥ तिंदूकवनउद्यान ॥ ९६ ॥ सं० ॥ सनतकुमारसूरी
कनेंरे ॥ मातसहीतसूपाल ॥ सं० ॥ मुख्यप्रधांनेंपरवरयोरे ॥ चारित्रलिईतत
काल ॥ ९७ ॥ सं० ॥ रायनयरनाजनसहुरे ॥ वंदिनिजघरिजाय ॥ सं० ॥
मासकलपपुरेथयेरे ॥ गुरुविचरेअन्यठाय ॥ ९८ ॥ सं० ॥ सूत्रसण्याबहु
षांतिस्यूंरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ श्रमणपणंतेपालतारे ॥ निरतूं
नीरतीचार ॥ ९९ ॥ सं० ॥ विजयसूपतीहवेंचितवेंरे ॥ अहोनवीमारयोए
ह ॥ सं० ॥ जातोरह्योएहाथियीरे ॥ हवेकरूंकारणकेंह ॥ ७०० ॥ सं० ॥
निजविश्वासीनरप्रतेंरे ॥ घातकमुंकेराय ॥ सं० ॥ घातकनरचिंताचिंत
वेंरे ॥ न्यायकेएअन्याय ॥ सं० ॥ १ ॥ निष्कारणकिममारीइरे ॥ इमकरी
पाछाजाय ॥ सं० ॥ नृपनेंकहेअमेमारीउरे ॥ तवनृपहरषीतथाय ॥ २ ॥
सं० ॥ हवेजयमुनीईमचिंतवेंरे ॥ जईप्रतिबोधूंसाय ॥ सं० ॥ सावीसा
वसंबंधथीरे ॥ संजमसनमुखथाय ॥३॥ सं० ॥ आणामागीगुरुतणीरे ॥ के

ईकमुनीपरीवार ॥ सं० ॥ स्वजनआलोकनकारणेरे ॥ आव्यापुरनेंबार ॥
॥ ४ ॥ सं० सुणिकोप्योघातकप्रतेरे ॥ तेमाव्यानरतेह ॥ सं० ॥ पुछेकहो
कीममारिउरे ॥ कुणथानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी
रे ॥ बोल्यातेनरतांम ॥ सं० ॥ केशअलंकारविणअम्हेरे ॥ नविउलषीआ
जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपूछिउरे ॥ कोईदेषीअणगार ॥ सं० ॥ जय
मुनीकहोतूमेंकिहांअछेरे॥ तिणेंदेषाड्योगार ॥ सं०॥ नागदेहरेएरह्योरे ॥ क
रतोनीश्चलध्यान ॥ सं० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मारयोअमेतिणेंथान ॥
॥ ८ ॥ सं० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरह्योईम ॥ सं० ॥ नहितो
आवेकिहांयकीरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ए ॥ सं० ॥ पणिहजीकांयगयुंन
थीरे ॥ मारस्यूंहवइंश्णगाम ॥ सं० ॥ मान्युंतेपुरसेंतिहांरे ॥ हवेवंदननेंकांम
॥१०॥ सं० ॥ जईमुनीचरणनेंवंदिआरे ॥ धर्मलाभदिउताम ॥ सं० ॥११॥
करुणाईसंभलावीउरे॥जिनवरभाषीतधर्म ॥ सं० ॥ नविविरम्योसंसारथीरे ॥
मुनीजाण्योतसमर्म ॥ सं०॥ १२॥ पंचमखंमेंएककहीरे ॥ चेवीसमीवरढाल ॥
सं० ॥ पद्मविजयकहेरासमांरे ॥ सूणतांमंगलमाल ॥ १३ ॥ सं० ॥ ॥थ॥
॥ दुहा० ॥ मुनीकहेसूणोमहारायजी ॥ सूखदुखकर्मपसाय ॥ संसारीसह
सत्वनें ॥ निरतोजाणेन्याय ॥ १४ ॥ सूखश्लेप्राणीसयल ॥ सूखनुंमुलसूध
र्म्म॥तेहनुफलतेसूरुपता ॥ प्रियसंजोगपरम्म ॥१५ ॥भोगवीपुलसोभाग्यता॥
निरोगतानिरधार ॥ अवलंबनकरीआकरुं ॥ धर्मतेसयलआधार ॥ १६
सहुस्यूंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेंअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीइं ॥
धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल० ॥ देशीहमचमीनी ॥ सांभलीनृपतीईणि प
तें ॥ मरणनोभयश्णेंलागो ॥ तिणेंईमबोलेंछेपणिसांभलो ॥ हवई [illegible]
लागोरे ॥ १८ ॥ हमचमी ॥ ईमचिंतीकहेस्वामीसाचूं ॥ पणिमुंणज्योमुझ
वात ॥ जेदिनथीतूम्हेदिक्षालीधी ॥ तेदिनथीविख्यातरे ॥१ए॥ ह० ॥ धर्मक
रवामांड्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुडुंकीधुं ॥ व्हीयोमीवेलापछीचाख्यो ॥ गेहुनमी
दीलदीधुंरे ॥ २० ॥ ह० ॥ एहदुराचारीनेंमारुं ॥ आजजहांयेंरातें॥ साईमुनि

न्यानिंदुकवनईहां ॥ उठेसूणीअवनीश ॥ ८७ ॥ सातआठपदसनमुखें ॥ रोमांचितजईराय ॥ वंदिचाल्योवांदवा ॥ साथेंसङ्कसमवाय ॥ ८८ ॥ सामंतादिकसङ्कमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतंत ॥ महादानमहामोछवें ॥ दिनादिकनेंदित ॥ ८ए ॥ पुजाविवीधप्रकारनी ॥ विरचावेंविधीसार ॥ देहरेसर्वजीणंदनें ॥ आदूरधरीअपार ॥ ए० ॥ सुततिथीकरणदीवसलही ॥ रथवेसीमहाराय ॥ परवरिउपरीवारस्यूं ॥ जुगतीयकीनृपजाय ॥ ए१ ॥ ढाल ॥ हुंकअनंदोभाविनरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुंपस्यूंरे ॥ नरपतीचाल्यो जाय ॥ संजमरंगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतोरे ॥ अरथीइछितदाय ॥ ए२ ॥ सं० ॥ लोकअठेरूदेपतोरे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ सं० ॥ कालनहीदीक्षा तणोरे ॥ अहोलघुवयसूविचार ॥ ए३ ॥ सं० ॥ आजअनाथथईपुरीरे ॥ डरकधरेवङ्कलोक ॥ सं० ॥ अंगुलीईदेषावतारे ॥ लोकधरेमनशोक ॥ ए४ ॥ सं० ॥ नूरसवदयाईघणारे ॥ केईकहर्षधरंत ॥ सं० ॥ धन२ एहनीमावडीरे ॥ धन २ नातकहंत ॥ ए५ ॥ सं० ॥ वंदिबोलेविरुदावलीरे ॥ इमनोटेमंडाण ॥ सं० ॥ गुरुचरणेंतेआवीउरे ॥ तिंदूकवनउद्यान ॥ ए६ ॥ सं० ॥ सनतकुमारसूरी कनेंरे ॥ मातसहीतभूपाल ॥ सं० ॥ मुख्यप्रधानेंपरवरयोरे ॥ चारित्रलिइंतत काल ॥ ए७ ॥ सं० ॥ रायनयरनाजनसङ्करे ॥ वंदिनिजघरिजाय ॥ सं० ॥ मासकलपपुरेथयेरे ॥ गुरुविचरेअन्यगाय ॥ ए८ ॥ सं० ॥ सूत्रतणयाबङ्क पाठिस्यूंरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ श्रमणपणंतेपालतारे ॥ निरतूं नीरतीचार ॥ एए ॥ सं० ॥ विजयभूपतीहवेंचिंतवेंरे ॥ अहोनवीमारयोए ह ॥ सं० ॥ जातोरक्षोएहाथिथीरे ॥ हवेकरूंकारणकेंह ॥ ७०० ॥ सं० ॥ निजविश्वासीनरप्रतेंरे ॥ घातकमुंकेराय ॥ सं० ॥ घातकनरचिंताचित वेंरे ॥ न्यायकेंएअन्याय ॥ सं० ॥ १ ॥ निष्कारणकिममारीइंरे ॥ इमकरी पाछाजाय ॥ [illegible] पनेंक[illegible] रे ॥ तवनृपहरषीतथाय ॥ २ ॥ [illegible] धूंसाय ॥ सं० ॥ सावीस सं० ॥ ह[illegible] ॥ आणामागीगुरुतणीरे ॥ के वसंबंध[illegible]

ईकमुनीपरीवार ॥ सं० ॥ स्वजनआलोकनकारणेरे ॥ आव्यापुरनेंबार ॥
॥ ४ ॥ सं० सुणिकोप्योघातकप्रतेरे ॥ तेआव्यानरतेह ॥ सं० ॥ पुछेकहो
कीममारिउरे ॥ कुणथानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी
रे ॥ बोल्यातेनरतांम ॥ सं० ॥ केशअलंकारविणअम्हेरे ॥ नविउलषीआ
जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपूछिउरे ॥ कोईदेषीअणगार ॥ सं० ॥ जय
मुनीकहोतूमेकिहांअछेरे॥ तिणेंदेषाड्योठार ॥ सं० ॥७॥नागदेहरेएरह्योरे ॥क
रतोनीश्चलध्यान ॥ सं० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मारयोअमेतिणेंथान ॥
॥ ८ ॥ सं० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरह्योईम ॥ सं० ॥ नहितो
आवेकिहांथकीरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ९ ॥ सं० ॥ पणिहजीकांयगयुंन
थीरे ॥ मारस्यूंहवइंइणगाम ॥ सं० ॥ मान्युंतेपुरसेंतिहारे ॥ हवेवंदननेंकांम
॥१०॥ सं० ॥ जईमुनीचरणनेंवंदिआरे ॥ धर्मलाभदिउताम ॥ सं० ॥११॥
करुणाइंसंभलावीउरे॥जिनवरभाषीतधर्म ॥ सं० ॥ नविविरम्योसंसारथीरे ॥
मुनीजाण्योतसमर्म ॥ सं०॥ १२॥ पंचमखंडमेंएकहीरे ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥
सं० ॥ पद्मविजयकहेरासमांरे ॥ सूणतांमंगलमाल ॥ १३ ॥ सं० ॥ ॥छ॥
॥ दुहा० ॥ मुनीकहेसूणोमहारायजी ॥ सूखदुखकर्मपसाय ॥ संसारीसङ्क
सत्वनें ॥ निरतोजाणेन्याय ॥ १४ ॥ सूखवंछेप्राणीसयल ॥ सूखनुंमुलसूध
र्म्म॥तेहनुफलतेसूरुपता ॥ प्रियसंजोगपरम्म ॥१५ ॥भोगवीपुलसोभाग्यता॥
निरोगतानिरधार ॥ अवलंबनकरीआकरुं ॥ धर्मतेसयलआधार ॥ १६ ॥
सङ्कस्यूंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेंअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीइं ॥ सयल
धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल० ॥ देशीहमचडीनी ॥ सांभलीनूपतीइंणिपरेंचिं
तें ॥ मरणनोभयइंणेंलागो ॥ तिणेंइंमबोलेछेपणिसांभलो ॥ हवइंकिहांजास्यें
भागोरे ॥ १८ ॥ हमचडी ॥ ईमचिंतीकहेस्वामीसाचूं ॥ पणिसुणज्योमुझ
वात ॥ जेदिनथीतूम्हेदिक्षालीधी ॥ तेदिनथीविख्यातरे ॥१९॥ ह० ॥ धर्मक
रवामांम्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुडुंकीधुं ॥ ल्हीयोमीवेलापछीचाट्यो ॥ गेहसणी
दीलदीधुंरे ॥ २० ॥ ह० ॥ एहडराचारीनेंमारुं ॥ आजजहाथेंरातें॥ साईमुनी

उपरिंइमउपजे ॥ क्लिष्टकरमनीवातेंरे ॥ २१ ॥ ह० ॥ पुरवघातकपुरुषनें तेमथ्या ॥ रयणीइंकस्योविचार॥ चालोआपणमारीइंएहनें ॥ एहडष्टआचाररे॥ ॥ २२ ॥ ह० ॥ चंद्रआथम्योजिणीवेलाइं ॥ तवतेपुरुषनेंलेई॥ जयअणगार समीपेंपोहतो ॥ दिठोचितमुंदेईरे ॥ २३ ॥ ह० ॥ पवनरहितथानीकजिमदि वो ॥ तिममुनीध्याणमांलीनो ॥ तिव्रकरवायउदयथीतिणें ॥ नरगेंजवामनकी नोरे ॥ २४ ॥ ह० ॥ अधीककरवाइंखमगतेंकाढ्युं ॥ सुकृतवासनानाठी ॥ करमपरिणतेआषोगंलीउ ॥ कोपअनलचढीसाठीरे ॥ २५ ॥ ह० ॥ ग्रीवादे शेंएकप्रहारें ॥ मस्तकदूरेंनांष्युं ॥ विजयरायनांएहअकारज ॥ इंमसज्जमु नीईआष्युंरे ॥ २६ ॥ ह० ॥ अहो२कम्र्मतणीगतीजुउ ॥ जिवचरीत्रविचि त्र ॥ इमकहीसज्जमुनीवरखसीआ ॥ जयअणगारपवित्ररे ॥ २७॥ ह० ॥ मैं त्रीसावंसयलजीवउपरि ॥ ध्यानथकीनवीचलीआ ॥ निजतनुउपरिममतन आण्यो ॥ हिलीमिलीसमतामिलीआरे ॥ २८ ॥ ह० ॥ क्षीणप्रायहवेपापकर मछे ॥ लेश्याशुध्धस्वभाव॥ संजमथिरताधीरजधोरी ॥ आसनसीध्दिस्वभावरे॥ ॥ २९॥ह०॥शुभपरीणामेंकायतजीनें॥सूरलोकआनतनामें ॥ नवमेदेवलोकेंते पहोता ॥ सूखसागरनेंधामेंरे ॥ ३० ॥ ह० ॥ सिरिप्रभनामविमानेंआयु ॥ सागरतासअढार ॥ सांभल्योहवेविजयरायनो ॥ जेकइंकूंअधीकाररे॥३१ ॥ ह० ॥ महापुरुषनोघातकरीनें ॥ आत्मकृतारथमानें ॥ निजमंदिरआवीनें नीत२ ॥ वरतेपापसथानेरे॥३२॥ह०॥ साधुविहाणेंविहारकरीनें ॥गयागुरुनें पासें ॥ सज्जवृत्तांतसूणाव्योगुरुनें ॥ तिमसमताअभ्यासेंरे ॥ ३३ ॥ ह० ॥ पश्चात्तापघणोगुरुकीधो ॥ अहोसीससूसीसो ॥ तेदिनथीतेवीजयरायनें ॥ पापउदयसूजगीसोरे ॥ ३४ ॥ ह० ॥ व्याधीवेदनाबज्जअनुंभवतो ॥ हत्याअ नुमोदंतो ॥ आयुषइंतेचोथीनरगें ॥ पंकप्रभाइंपोहतोरे ॥ ३५ ॥ ह० ॥ दस सागरआयुभोगवतो ॥ जयविजयएदोय ॥ भाईनोअधीकारकह्योहवे ॥ दं पतीजिणीपरेहोयरे ॥ ३६ ॥ ह० ॥ ढालचोविसमीइंणिपरेंभाषी ॥ पंचमखं डेपुरी ॥ पंचमखंडसंपुरणहुउ ॥ वातनरहीअधुरीरे ॥ ३७ ॥ ह० ॥ वैशा

षवदिविजेंएपुरो ॥ विसलनगरेंकिथो ॥ श्रीवीजयसिंहसूरीसरकेरो ॥ सत्य
वीजयसूप्रसीधोरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तासकपुरविजयवरकोविद ॥ षिमावि
जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोभागी॥ जिनविजयसुजगीसरे॥ ३९॥ह०॥
उत्तमउत्तमविजयकहाया ॥ तासससिसमतिवंतो ॥ गीतारथसमतानासाग
र ॥ जेमहिमाईमहंतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपासमूपसाइं ॥ समरा
दित्यनोरास ॥ पद्मविजयगणीसाषेसूणतां ॥ घरि २ लिलवीलासरे ॥ ४१ ॥
॥ ह० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षियपंडीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्म
वीजयग० विरचित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेजयविजयसहोदरयोः
संगतयोःपंचमोनरसवःसमाप्तः ॥ सर्वगाथापंचमखंडे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा
थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ श्रीकल्याणप्रभूपासजी ॥ करनासवीकल्याण ॥ पादपद्मतसूप्रण
मीइं ॥ महीभाजसमंमाण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुंसदा ॥ समरादित्यसरूप॥
वर्णवतांमुझवदनमां ॥ आवीवशोअनुरुप ॥ २ ॥ पंचमखंडप्रेमेंकरी ॥ पुर
णकस्योप्रमाण ॥ हवेछठोखंडकहुंसिथी ॥ श्रोतासूणोसूजाण ॥ ३ ॥ जंबुद्वी
पलषजोयणो ॥ तेहमांभारतषेत ॥ माकंदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसंकेत ॥
॥ ४ ॥ अधरमजीहांआवेनही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोषथीनीक
ली ॥ उपद्रवरहीतआवास ॥५॥ प्रियबोलेसज्जप्राणीआ ॥ सरलस्वभावीसार॥
धर्मीनेहीव्रतधणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकह्यो ॥ वैरी
नेंविकराल ॥ सज्जननयननेंससीसमो ॥ करुणावंतकृपाल ॥ ७ ॥ ढाल ॥
लावश्रावकनालाषीइं ॥ एदेशी॥ नगरसेठचुडामणी॥ बंधुदत्ततिहांबहुगुणी॥के
परतणी॥ नारिथिउपरांठेरहइंए ॥ ८ ॥ पणिप्रारथनाइंनही ॥ परधनेंनीरलो
लीसही॥ पणिअही॥ धर्मउपारजणमांनहीए ॥ ९ ॥ असंतूटपरउपगारें ॥
धनआगममांनहीक्यारेंरे॥ तेप्यारें॥ दलिद्रीनहीवीलवथीए ॥ १० ॥ सूरतरुप
रिखंधउपरिं ॥ पादमुंकीफलबहुपरें॥ तिणिपरें॥ अर्थिनिवहफलभोगवेए ॥
॥ ११ ॥ हारप्रभातससामिनी ॥ कुलरुपसमसोहामणी॥ कामिनी॥ सायें

सुखनेंसोगवेए ॥ १२ ॥ आनतकल्पथीअवतरयो ॥ सूरआउषोपुरोकरयोरे॥ उरधरयोरे॥ हारप्रसाइंसुपनलह्योए ॥ १३ ॥ उज्वलकरिवरेंकनकनें ॥ कल सेंजेसीचंतीरे ॥ सोहंतीरे ॥ मुक्ताफलहारेंकरीए ॥ १४ ॥ दिव्यकमलउपरि रहि ॥ चिवरधवलधरंतीरे ॥ पहेरंतीरे ॥ विविधरतनकटिमेखलाए ॥ १५ ॥ उत्तरवस्त्रेंढांकीआ ॥ स्तनजुगकमलकरेंरह्यारे ॥ बहुमहमह्यारे॥ भ्रमरगुंजार वतिहांकरेए ॥ १६ ॥ एहवीलषमीदेवता ॥ उदरपेसतीदीठीरे ॥ मीठीरे ॥ लागीजागीहरषस्यूंए ॥१७॥ संसलाव्युंसरतारनें ॥ तवसरतातसत्तासेरे ॥ था स्येरे ॥ लषमीनीवाससूतताहरेए ॥ १८ ॥ सांसलोधर्मकरेसदा ॥ प्रसवस मयक्रमेंआयोरे ॥ जायोरे ॥ बालकपुरणदिहाम्हलेए ॥ १९ ॥ सेठवधाव्योदा सीइं ॥ दिधुंदांनसंतोसरे ॥ पोसरे ॥ किधोहरषतणोघणोए ॥ २०॥ मासथयो जबतेहनें॥तवनामधरणतसदीधुंरे॥सिधूरे॥पीतामहनुंजेहतूंए ॥२१॥ कुमरसा वपाम्योजदा ॥ कलायहीतिणेंबहुतदारे॥ एसदारे॥अब्धिपदानुंसारीजीपनोए ॥ ॥ २२ ॥ विजयजिवहवेनारकी ॥ नरकमांथीनीकलीउरे ॥ रुलिउरे ॥ बहु संसारमांअनुंक्रमेए ॥२३॥ लगतेसवेंकांयतपकरी॥ इंणपुरेकात्तिकनामेंरे ॥ शुसधामेंरे ॥ जयासार्याकूषेंउपनोए ॥ २४ ॥ पुत्रीपणेंतेअनुंक्रमें ॥लषमीइं णेंअसीधांनेंरे ॥ शुसवांनेंरे ॥ जौवनपामीबालीकाए ॥ २५ ॥ कर्मपरीणांम अचिंतथी ॥ वलिसावीसावनाजोगथी॥ कर्मसोगथी॥महाआडंबरेपरणीयांए ॥ २६ ॥ रागघणोलठीउपरिं ॥ धरणनेंपणिनहिंतासरे ॥ मुरूपासरे ॥ रषेआ वेइंमचिंतवेए ॥ २७ ॥ इंमविषयविटंवणासारीषा ॥ सोगवतांगयोकोईका लरे ॥ सूरसालरे ॥ मदनमोहउवआव्योअन्यदाए ॥ २८ ॥ मलयसूंदरउद्या नमां ॥ क्रिडाकरवाहेतेरे ॥ सूसंकेतेरे ॥ रथबेशीधरणोगयोए ॥ २९ ॥ पोह तोदरवाजेहवे ॥ इंणिअवसरेंदेवनंदीरे ॥ पंचनंदीरे ॥ सेठनोपुत्रसोहामणोए ॥ ३० ॥ क्रीडाकरीउद्यानमां ॥ रथबेसीवल्योपाछोरे ॥ आछोरे ॥ तेदरवाजे आवीउए॥ ३१ ॥ आमोसाहमाबिहुंमिल्या ॥ उठेखंभेडोगालारे॥ मछरालारे॥ ढालप्रथमपदमेंकहिए ॥ ३२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ मारगलघुरथमोटिका ॥ समकालेंनत्रामाय ॥ देवनंदीकहेदावथी ॥ धरणनेंसाहमोधाय ॥ ३३ ॥ उसारोरथईहांयकी ॥ आवेमुफरथआम ॥ कहे धरणसंकडासिमां ॥ नफेरेमुफरथनाम ॥ ३४ ॥ तिणेंउसारोतूमतणो ॥ रथ जिमथाईराह ॥ तवदेवनंदीत्रामीउ ॥ आणीअंगउगाह ॥ ३५ ॥ कहोतूंमथी उणिमकीसी ॥ अममांढईकांईआज ॥ रथतिणेंङंकिमफेरवुं ॥ धरणकहेधरी लाज ॥ ३६ ॥ एतोसमविङनेंअठे ॥ विङथाकावलवंत ॥ राजपंथरोक्योर थें ॥ कोईकोईनेंनकहंत ॥ ३७ ॥ वातनगरमांविस्तरी ॥ कारणिआनेंकानि ॥ पोहतीतवपंचेमली ॥ न्याईकरतान्यान ॥ ३८ ॥ ढाल ॥ अगोरंगवाल्योरेमां णिगरमहाराजा ॥ एदेशी ॥ आगेन्यायकरज्योरेचातूरचोवटीआ ॥ एआं कणी ॥ आलोचकरतारेनयरीमहर्द्धिका ॥ एतोदोयशेठमहंतमहंत ॥ आ ॥ गेरु तेहनारेअतिउगांढल ॥ वारीनसकीईएहनेंतंत ॥ ३९ ॥ आ० ॥ जईनिभंगेरेदोयकु मारनें ॥ ईमसीषामणअतीघणीदेह ॥ आ ॥ च्यारजणमुक्यारेवयथीपरणम्य ॥ धरमारथमांविशारदतेह ॥ ४० ॥ आ० ॥ वचनविन्यासकुसलसमताघणी ॥ धरमीधरमसहाय ॥ आ० ॥ इहपरलोकअपायदेषायवा ॥ निपुणघणाकृत न्याय ॥ ४१ ॥ आ० ॥ बहुमतजननेरेतेच्यारेजण ॥ आव्यातेकुंअरपास ॥ आ० ॥ उसाथईनेरेआदरदेघणो ॥ हवेशिक्षादिईतास ॥ ४२ ॥ आ० ॥ पुरव जकेरारेधनथीमानस्यो ॥ नविअकमायातूमेंकोय ॥ आ० ॥ केणेंकमाईनेरे दानदिधुंघणुं ॥ जिणेंजसजगतमांहोय ॥ ४३ ॥ आ० मातपीतानेरेकेणेंत्रां तोषीआ ॥ केकरयोदिनदुखीनोउधार ॥ आ० ॥ केकांयधर्मनुरेकाजकरावी उं ॥ फोकटस्योरेअहंकार ॥ ४४ ॥ आ० ॥ बुधजनतूमचीरेहासीकरेशदा ॥ उसरोतूमेंइणगाम ॥ आ० ॥ निज २ गमथीरेरथपाछाकरो ॥ तूमचोवकर जाईआंम ॥ ४५ ॥ आ० ॥ हरष्योलापेरेदेवनंदिषरु ॥ लाज्योधरणकुमार ॥ आ० ॥ कहेतूम्हेंअमनेरेशीषदीधीषरी ॥ मुफनेंपमोरेधीक्कार ॥ आ० ॥ ४६ ॥ हासीहुईरेएहचरीत्रथी ॥ काचागरलसमान ॥ आ० ॥ मानुंमाहरोरेआतमईणिप रेतूम्हेतोबुधीनीधांन ॥ ४७ ॥ आ० ॥ रथउशारोरेजईदेशांतरे ॥ पांमीद्रव्य

अपार ॥ वरसेंदिवसेंरेंजेकरस्ये घणो॥ दिनअनाथउधार॥४८॥ आ०॥ पेससे
तेहनोरेरथआगलियकी ॥ तवतेबोल्यामहंत॥ एहहगायहरेस्यानेंतूम्हेंकरो ॥
तवतिहांधरणबोलंत ॥ ४९ ॥ आ० ॥ ज्ञाताअमनेंरेतेविणनवीहोइ ॥ तवबो
ल्यातेहच्यार ॥ एतोजाणेंरेनयरमहर्द्धिका ॥ धरणकहेधरीप्यार ॥५०॥आ०
जणवोतेहनेंरेअमेंजास्यूंघरा ॥ देवनंदीकहेआम ॥ दोषनएहमारेसूषेंइमज
करो ॥ संसलावेतसतांम ॥ ५१ ॥ आ० ॥ सेठनयरनारेमिलीबोलावीआ ॥
तेहनामातनेंतात ॥ वातसूणावीरेतवअंगीकरे ॥ समदिधासूवीख्यात ॥ ५२ ॥
आ० ॥ साहाज्यनकरवुंरेनीजसूतनुंतूम्हें ॥ बोलाव्यातिहांदोय ॥ दिनारपण
लखरेबिहूनेंजुजुआ ॥ आपेमहाजनसोय ॥ ५३ ॥ आ० ॥ पत्रलिखाव्यो
रेबिहूनाहाथनो॥ वरसेंदिवसेंजेकोईआय॥ अधीकपराक्रमरेनिजद्रव्येंकरी॥
फोरवस्येजेहसाय॥५४॥आ०॥तेहनोरथवररेआगलिचालस्ये॥ मुद्रितकिधो
तेहनोपत्त ॥ मुंक्योकागलरेपुरसंभारमां ॥ हवइंचालेतेहजत्त॥ ५५॥ आ०
सांमतलीधारेयोग्यजेहनेंहतां ॥ उत्तरापंथेंचाल्योएक ॥ बिजोपुरवरेदीशस
णीचालीउ ॥ मनमांधरतोतेटेक ॥ ५६ ॥ आ० ॥ चिंतवेलठिरेगयोदेशांतरें॥
मलस्येकहोहवेकेम ॥ मारीनसकीरेहवेकिममारीइं ॥ उपनोषेदतेइंम ॥ ५७॥
आ० ॥ एकप्रयाणेंतेहवेपोहचीआ ॥ तवतसमातनेंतात ॥ पुत्रतनुंनीरेचिंता
करणनें ॥ पुठिमहर्द्धिकनेंसवीवात ॥ ५८ ॥ आ० ॥ बहूरोबिहूंनीरेमोकली
पुंठिथि ॥ साथेंसबलपरीवार ॥ निज २ पतिनेंरेतेआवीमिली ॥ पाम्याहरष
अपार ॥ ५९ ॥ आ० ॥ छठेखंभेरेढालबिजीकही ॥ एतोसलीसमरादित्यनेंरा
स ॥ पद्मकहेरेसूणोआगलें ॥ सूणतांलीलवीलास ॥ ६० ॥ आ० ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नितप्रयाणेंनवनवुं ॥ एकदिनदिठूंइंम ॥ साथवहंतेसामटे ॥ धर
णेधारीप्रेम ॥ ६१ ॥ वनमांएकविद्याधरो ॥ सौम्यरुपसीरदार ॥ उपमें
नेंअवनीपमें ॥ पासगयोधरीप्यार ॥ ६२ ॥ पंषविहूणोपंषिउ ॥ उपमेंपमें
अपार ॥ तिणिपरेंकेमकरोतूमे ॥ पुछेएहप्रकार ॥ ६३ ॥ गमनउछक
गगनेंघणा ॥ पणिनजवाइंप्राय ॥ वातकहोवहेलायई॥ कहेवाजेहवीकांय॥

॥ ६४ ॥ आकृतिदेषीएहनी ॥ वलिवचनविन्यास ॥ चमत्कारलहीचित्तमां॥ सणेंतेएहवीलास ॥ ६५ ॥ ढाल० ॥ वीरवषाणीराणीचेलणांजी ॥ एदेशी ॥ अमरपुरवैताढ्यपरवतेंजी ॥ तिहांऊवीद्याधरपुत्त ॥ हेमकुंफलइंणनामथी जी ॥ नांहिवीद्याधरसूत ॥ ६६ ॥ अमर ॥ एकदिनएकविद्याधरुजी ॥ विद्युनमालीतीहांआय ॥ तातनोमीत्रतिणेंपुछिउंजी ॥ आमणडुमणाकीमथाय ॥ ॥ ६७॥ अम० ॥ तेहषगकहेसुफतातनेंजी ॥ विफथीआवीउंएथ ॥ वाटिमां उजेणीनयरीइंजी ॥ सिरिप्रसेननामनृपतेथ ॥ ६८ ॥ अम० ॥ जयसीरीनामतेहनेंधुआजी ॥ कोकणनृपसूतनाम ॥ नवीअशिसूपालनेंदिधलीजी ॥ जाचतांपणितिणेंताम ॥ ६९ ॥ अम० ॥ वडनृपपुत्रश्रीवीजयनेंजी ॥ आपतोतेहनोतात ॥ क्रोधचढीउशिशुपालनेंजी ॥ आवीउचितवीघात ॥ ७० ॥ अ० ॥ विवाहअवसरेंनीकलीजी ॥ मयणनीपुजनीमीत्त ॥ तेहविचमांथीहरीगयोजी ॥ पामीआसक्ततिहांतीत ॥ ७१ ॥ अम० ॥ श्रीवीजइंकेमीकीधीघणीजी ॥ युद्धलागुंतेअपार ॥ गेफविजयसिरीलेईवल्योजी ॥ पणितसगाढपरहार ॥ ७२ ॥ अ० ॥ वेदनाथीघणंव्याकूलोजी ॥ नारीदेषीकहेइंम ॥ एहजीमस्येंतवजीमस्यूंजी ॥ अन्यथामाहरेनेम ॥ ७३॥ अम० ॥ तेहमहाडखमांहिपमीजी ॥ तासदूखदेषीऊंएम ॥ तातसंशारकहेएहवोजी ॥ डःखदायकनहिरेवम ॥ ७४ ॥ अम० ॥ खेदमकरोएहवातमांजी ॥ सांसल्युंम्हेतवतेह ॥ चिंतव्युंकांलिहिमवंतगयोजी ॥ उषधीनोनगगेह ॥ ७५ ॥ अम० ॥ गंधर्वरतीमुफमीत्रस्यूंजी ॥ तेहगांधर्वकूमार ॥ उषधीवलयउग्युंतीहांजी ॥ एकवरगुफामफारि ॥ ७६ ॥ आ० ॥ तेकहेमुफनेंसांसलोजी ॥ लोकनीसाचलीवात ॥ मंत्रमणीउषधीकेरफोजी ॥ मोटोप्रसावकहेवात ॥ ७७ ॥ अ० ॥ एहउषधीनोमहीमासूणोजी ॥ खग्गप्रहारेंकरीजास ॥ हाफजोकापीआंहोयतोजी ॥ जिवीतनीनहीआस ॥ ७८ ॥ अ० ॥ नीरमांएहपषालीनेंजी ॥ ग्रंठिइंएहजोवारि ॥ वेदनानेंव्रणरुफवेजी ॥ ततषीणदिठप्रतीकार ॥ ७९ ॥ अ० ॥ तेसणीतिहांजईलावीइंजी ॥ टालिइंसिरीवीजयदूक ॥ विद्यासंसारी

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनीलह्योसूरक ॥ ८० ॥ अम० ॥ उषधीलेई
तिहांथीवल्योजी ॥ रषेश्रीविजयदूखथाय ॥ तिणेंकरीवेगथीचालतांजी ॥
आवीउइंएहीजठाय ॥८१ ॥ अह० ॥ विश्रामनिमीत्तइंहांउत्तरयोजी ॥ औ
चकरयुंचरणनुंतांम ॥ रूणेकरहीचालवामनकरयुंजी ॥ विद्यासंतारीतेजांम
॥ ८२ ॥ अम० ॥ असीनवसणयोतिणेंवीसरयुंजी ॥ वलीगमनसंभ्रममुक ॥
पदएकसांत्तरयुंनहीमुनेंजी ॥ तिणेपमुंएकयुंतुक ॥ ८३ ॥ अम ॥ धरणक
हेस्यूंकरस्योहवेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेंकरीनृपसूतविणससेजी ॥
एमुकउखकवळथाय ॥ ८४ ॥ अम० ॥ षेदबहूउपजेचित्तमांजी ॥ नवीथ
योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ इवेकहेधरणकूमार ॥ ८५ ॥
अम० ॥ कल्पसंसलावववानोहोइंजी ॥ तोमुकआगलेंसाषि ॥ तेहपदजोकदी
मुकजमेजी ॥ तोमानुंपांमीआलाष ॥ ८६ ॥ अम० ॥ तेहविद्यासंसलावतो
जी ॥ तुरतपदपुरीउंतेण ॥ हरषीउहेमकुंमलघणंजी ॥ नृपसूतजीवीउजेण ॥
॥ ८७ ॥ अम० ॥ स्यूंतुकउपगरीइंकहोजी ॥ बोलीउधरणकूमार ॥ जाउइ
ठितकरोसीघ्रथीजी ॥ तिणेंथयोमुकउपगार ॥ ८८ ॥ अम० ॥ हेमकूंमलक
हेसांसलोजी ॥ तुम्हेतोमोहटामहासाग ॥ उषधीवलयषंमआपीउजी ॥ कर
ज्योउपगारधरीराग ॥८९॥अम०॥ प्रार्थनासंगकीमकीजीइंजी॥ लीधीउषधी
तिणेंतांम ॥ सायसेलाथयाधरणतेजी ॥ हेमकूंमलगयोठाम ॥ ९० ॥ अ० ॥
खंमठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजइएढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमांजी ॥
सूणतांहोयमंगलमाल ॥९१॥अ०॥ ॥७॥ ॥७॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ केईकवासरव्यतीक्रम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ सायसहूआवासीउ॥
धरणोसाहसधीर ॥९२॥ इंणिअवसरिआमाजतां॥ दिठांसीलतेदीन ॥ वस्त्रटरू
नीठालिनां॥ जलविनुंहोयजिममीन ॥ ९३॥ कृष्णवरणकोदंमकरे ॥ शुनकवृं
दवलीसाथ ॥ रोतानरहेरानमां ॥ हैयुनरहेहाथ ॥ ९४ ॥ पासतेमीनेंपुछिउ ॥
कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९५॥ कालसे
नकलीउअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेंकदा ॥ फोकटनसरे

फाल ॥ ए६ ॥ ढाल ॥ शीताहोपीयाशीतारामप्रसाती ॥ एदेशी ॥ एकदिन होप्रभूएकदिनसूणिउंकांनि ॥ केसरीहोइहांकेसरीआव्योउद्यांनमांजी ॥ एकलोहोतेहएकलोनीकल्योबाहारी ॥ सरधनुंहोलेइसरधनुंपुरयोमानमांजी ॥ ए७ ॥ अंतरेंहोरह्योअंतरेंवमनेंसीह ॥ दिठेहोनवीदीठोतिऐंपासेंगयोजी ॥ सीहेंहोकरयोसीहेंपुंठथीघात ॥ लेईहोलीललेईकटारीसाहमोथयोजी ॥ ए८॥ मारयोहोतेहसीहनेंमारयोताम ॥ मस्तकहोखंमनमस्तकखंमत्र्योमेहरीजी ॥ चिंतवेंहोतवचिंतवेंअमचोस्वामि ॥ निश्वयहोअमेनीश्वयथीजास्यूंमरीजी ॥ ॥ एए ॥ बलस्यूंहोअमेबलस्युंअगनीमांपेसि ॥ नारीहोसूऐंनारीतासगरत्तवतीजी ॥ वारीहोपणिवारीनरहेतेह ॥ बलवाहोहवइबलवानेंआवीछतीजी ॥ ॥ १०० ॥ तातनेंहोतसतातनेंतेमवाअम्ह ॥ मुक्याहोतिऐंमुक्यानारीउगारवाजी ॥ थास्येंहोकिमथास्येंअमपतीसूर ॥ शकतीनहोअमशकतीनतेहउगारवाजी ॥ १ ॥ डखीआहोअम्हेदूषीआनहीउपाय ॥ स्त्रीपरेंहोअम्हेंस्त्रीपरेंकेवलरोईइंजी ॥ बोल्याहोतवबोल्याधरणकूमार ॥ नरनुंहोइंमनरनुंपत्यसवीषोईइंजी ॥ २ ॥ दाषवोहोमुक्दाषवोपल्लीनाथ ॥ जीवेहोकदीजीवेतोजीवामीइंजी ॥ पमीआहोतेहपमीआचरणेंताम ॥ चालोहोप्रभूचालोतूम्हनेंदेषामीइंजी ॥ ३ ॥ जोतूम्हहोप्रभूजोतूम्हअनुंयहबुद्धि ॥ तोतूम्हेहोप्रभूतोतूम्हेचालोउतावलाजी ॥ रखेहोप्रभूरखकेथायवीनाश ॥ उषधीहोग्रहीउषधीनेंधरयांपावलांजी ॥ ४॥ परवस्योहोनीजपुरषेंपरवस्योतेह ॥ वेसरहोवरवेसरअसवारीकरीजी ॥ पोहतोहोतीहांपोहतोदिठेतेह ॥ वमनेहोतलेंवमनेंपासेंचयधरीजी ॥ ॥ ५ ॥ रुधीरेंहोतसरुधीरेंसीचीदेह ॥ स्नेहेंहोवलीस्नेहेंनारीतीहांरुइंजी ॥ सबरेहोकहीसबरेंस्वामीनेंवात ॥ उठवाहोजायउठवातवसूइंसूइंजी ॥ ६ ॥ धरणेंहोतवधरणेंमाग्यूंनीर ॥ आण्यूंहोजलआण्यूंनलिनीपानमांजी ॥ उषधीहोतिहांउषधीनाषीमांहिं ॥ शिरनोहोखंमशिरखंमजोम्योसांनमांजी ॥ ७ ॥ पांणिहोगंट्युंपांणीगंट्युंतत्र ॥ व्रणनवीहोतवव्रणनवोतिहांदिशोजराजी ॥ महीमाहोतसमहीमाअगमअपार ॥ उठिहोतेहउठीनेंबेठोधराजी ॥ ८ ॥ अ

धीकुंहोययुंअथीकूंपूर्वेंथीरूप ॥ घरणीहोवलीघरणीहरषीअतीघणीजी ॥ ला
गोहोहवेंलागोपल्लीपतीपाय ॥ साषेहोतूम्हेसाषेजीवीतदोउमुक्तसणीजी ॥ ९ ॥
नारीहोप्रभूनारीसगलीएह ॥ उगरीहोप्रभूउगरीअमआसाफलीजी ॥ करीइंहोह
वइंकरीइंजेकहोतेह ॥ बोलेहोतवबोलेधरणकरीमतीसलीजी ॥ १० ॥ किजे
होदयाकीजेंदयासवीजीव ॥ बोल्योहोतवबोल्योकालसेनआणीमयाजी ॥ पा
रधीहोकर्मपारधीनकरुंकांम ॥ जिवुंहोजिहांजिवुंतिहांपालुंदयाजी ॥ ११ ॥
धरणहोकहेधरणकरयुंसवीकांम ॥ इंमकहीहोतेहइंमकहीनीजथानिकगया
जी ॥ नवनवांहोतेहनवनवांकरतांप्रयांण ॥ जातांहोहवेजातांकेइंकदिनथ
याजी ॥ १२ ॥ पोहताहोतेहपोहताआयामुहीगाम ॥ सूषमांहोहवेसूषमां
साथतेउतरयोजी ॥ पाषीनोहोकरयोपाषीनोकरयोउपवास ॥ धरणेंहोनिजध
रणेंआतमउधरयोजी ॥ १३ ॥ तिणेंसमेंहोतिहांतिणेंसमेंएकचंडाल ॥ तिषी
होतसतिषीषंधेशूलीधरीजी ॥ गेरुहोतसगेरूइंलीप्योंगात्र ॥ चोरनहोपणिचो
रनचोरप्रमोकरीजी ॥ १४ ॥ विरसुंहोवलीविरसूंझिझिमवाय ॥ जायेंहोलेई
जायेंजुवाननेंमारवाजी ॥ देषीहोतेहदेषीमोहटोसाथ ॥ बोलेहोनहीबोलेमुक्त
डखवारवाजी ॥ १५ ॥ सुणज्योहोसहुसुणज्योमहासरगाम ॥ वासीहोनामे
वासीनामेमोरीउजी ॥ कामेंहोजतांकांमेंकूसरस्थलगाम ॥ तलवरेंहोमुक्तल
वरेंइणीपरेंघोरीउजी ॥ १६ ॥ दोषहोमुक्तदोषनथीइंहांकांय ॥ झेमवोहोमुक्त
झेमवोसरणांगतप्रतेंजी ॥ सुणज्योहोवलीसुणज्योएकमुक्तवात ॥ मरणथीहो
बहुमरणथीडखबहुसांप्रतेंजी ॥ १७ ॥ पुरवजहोमुक्तपुरवजथयानीकलं
क ॥ मेलूंहोकरयुंमेलूंकूलमेंमाहरुंजी ॥ झेमवोहोतिणेंझेमवोदिनदयाल ॥ बी
रूदहोकांयबीरूददयानुंताहरूंजी ॥ १८ ॥ सांसलीहोतवसांसलीधरणकूमा
र ॥ चितवेंहोचितचितवेचोरनएहछेजी ॥ वचनेंहोकरीवचनेंजाणुंइंम ॥ त
लवरहोकहेतलवरनेंकहेजेहछेजी ॥ १९ ॥ खमज्योहोतूम्हेंखमज्योमुक्तर्त्ते
मात्र ॥ सूपनेंहोद्रव्यसूपनेंद्रव्यदेईकरीजी ॥ झेमवुंहोकदीझेमवुंसाग्यजोहोय ॥
तेकहेहोजाउतेकहेजाउसीव्रजचरीजी ॥ २० ॥ मालाहोलीइंमालामुक्ताफल

साथ ॥ सहसहोदश्यसहसदीनारनीतेसलीजी ॥ सेटीहोनृपसेटीनेंकहेवत्तां
त ॥ किधोहोनृपेंकिधोपसायनरअटकलीजी ॥ २१ ॥ आवीहोतिहांआवी
मुंकाव्योचोर ॥ जिवितहोतुम्हेजिवीतदिधूंतुसपरेंजी ॥ साषिहोइंमसाषीतल
वरनेंवाणि ॥ पाणनेंहोतेहपाणनेंआसासनाकरेंजी ॥ २२ ॥ छठेंहोखंमेछठे
चोथीढाल ॥ साषीहोएहसाषीअतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोसवीजाणोदया
सूइंम ॥ वाणीहोएहवाणीपद्मविजयभणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥
॥ दुहा ॥ संबलतसदेईसपर ॥ वोलाव्योतेताम ॥ एहअवस्थाआर्यतूम ॥ मत
होजीणेंमुझकाम ॥ २४ ॥ गयोचंपालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकूमार ॥ उ
त्तरापंथअचलपुरें ॥ सूखभोपहोतासार ॥ २५ ॥ आदरराइंआपीउ ॥ वेचि
सघलीवस्त ॥ अठगुणलाभआसादिउ ॥ सघलूंकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद
यतसपाधरो ॥ चातुरच्यारेमास ॥ करतांकोमिकमाईउ ॥ वाणीज्यतणोवि
लास ॥ २७ ॥ माकंदीपुरमोषनुं ॥ सरीउंतिणेंसंभ ॥ साथकरीतेसामटो ॥ चा
ल्योतेजप्रचंभ ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ अनुचरसाथिअपार ॥ का
दंबरीअटवीकनें ॥ तंबुकरयातयार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ जाउ २ रेरुछमानाथतू
मस्यूंनहीबोलूं ॥ एदेशी ॥ वृषसतमुकेतिणेंवनें ॥ कांयसोरकरेंसीआलरे ॥
कांयवनसेंसामांहोमांहिलभे॥ कांयवानरदेताफाल॥३०॥सांसलोवीतमीआं॥
जोज्यो२रेकर्मनीदान ॥ सां० ॥ रीधीचंचलकुंजरकांन ॥ सां० ॥ जेहवुंक
पटीनुंध्यांन ॥ सां० ॥ नरपतीनुंजेहवुंमांन ॥ सां० ॥ एआंकणी ॥ सीहना
दकेसरीकरे ॥ वलिकिहांयकेगजवरवंदरे ॥ तालतमालचंदनघणा ॥ क्यांहि
वृक्षवलीमाकंद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ अजगरफणीधरमणीधरा ॥ कांयसीमअ
टवीमहाघोररे ॥ त्रणदिनसाथवस्योतिहां ॥ कांयफिरताचिऊंदिशचोर॥३२॥
सां० ॥ जलथानिकआव्युंयदा॥कांयउतरयातेइनेतीररे ॥ नाहीधोईजीमीआ
सङ ॥ कांयलागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सां० ॥ चोकीमुंकीचीऊंदिसें ॥ कां
यसूतासघलालोकरे ॥ चरमजाममयोरातिनो ॥ तवसबरनाआव्याथोक ॥
॥ ३४ ॥ सां० ॥ मारि २ करतायका ॥ कांयवरसेतीरअपाररे ॥ जाग्यां

सङ्जनसाथना ॥ तवजुओजोधऊआर ॥ ३५ ॥ सा० ॥ मास्यासूलटेंसाथनें ॥ कांयनागलीलतेजायरे ॥ वलिसेलामिलीञ्रावीञ्रा ॥ कांयकरतांबङ्जनघाय ॥ ३६ ॥ सा० ॥ सूलटथोमातेसाथमां ॥ कांयसबरसेनानहीपाररे॥ सेलिपाणीनेंलूंटिउ ॥ कांयञ्रासवेबङ्नरनारि ॥३७॥ सा० ॥ बंदिपकम्याकेईनें ॥ वलिद्रव्यलेईगयातेहरे ॥ पल्लिपतीनेंसूपता ॥ सवीसूक्ष्मबादरजेह ॥ ॥ ३८ ॥ सा० ॥ कालसेनपल्लिपती ॥ कांयपुछेबंदिवांनरे ॥ किहांथीसाथएञ्रावीउ ॥ वलिकोहनोसाथनिदांन ॥ ३ए ॥ सा० ॥ इंणञ्रवसरतिहांउलष्यो ॥ भूतसंगमनांमेंतासरे ॥ साथेसङवाहपुत्रनें ॥ तेहञ्राव्योहतोगुणराशि ॥ ४० ॥ सा० ॥ सीहप्रहारनेंटालवा ॥ कांयसंसारीतेवातरे ॥ पुछेकहीदीगेहतो ॥ तेकहेनवीजाणंख्यात ॥ ४१ ॥ सा० ॥ कालसेनकहेसांसलो ॥ मुऊप्रांणदीञ्राङ्तांजेणरे ॥ उत्तरापंथसणीचालतां ॥ पणिनवीजाणंनामेंण ॥ ४२ ॥ सा० ॥ तवतूम्हनेंदिगाहता ॥ एगयावरसनीवातरे ॥ जमपरेंसींहमनेंमल्यो ॥ मुऊकिधोहतोप्राणांत ॥ ४३ ॥ सा० ॥ उत्तरापंथजातांथकां ॥ मुऊकिधोतिणेउपगाररे ॥ किमजिवाम्योमुऊनें ॥ कांयनलह्योंतासप्रकार ॥ ४४ ॥ सा० ॥ संसारीसंगमकहे ॥ एसघलीसाचीवाणिरे ॥ कालसेनतवबोलीउ ॥ कहोतेहगयाकिणगण॥४५॥सा०॥ संगमञ्रांसूरेम्तो॥ कहेदेवनेंपुछेएहरे ॥ पल्लिपतीकहेतेहकीम ॥ तवसंगमबोल्योतेह ॥ ४६ ॥ सा०॥ साथतेङ्नोजाणज्यो ॥ इंहांधाम्पिधाञ्रमजामरे॥ दिगासरधनुंलेईनें॥कांयदोमतांसाहमाताम ॥ ४७ ॥सा० ॥ तेहनीषबरिहवेंनही ॥ तेसांसलीपल्लिनाहरे॥ मुर्गलहीधरणीढल्यो॥कांयधरतोदूखञ्रथाह॥४८ ॥सां०॥ वलकलवायरेंवजतां ॥ कांयचेतनालाधीजामरे ॥ मास्योकेनविमारीउ ॥ कोईपुछेसबरनेंताम॥४ए॥सां०॥ सबरकहेनवीमारीउ॥पणिएकनेंकिधप्रहाररे ॥ तवबंदिजोयातिणें ॥पणिनलह्योतेहमऊारि॥५०॥सां०॥ तेधनसङ्एकत्रकरीनें॥ ञ्रास्वास्योसङ्साथरे ॥ त्रणकारयकरेलोकनां॥ तेसाथनापल्लिनाथ॥ ५१ ॥ सा०॥ दसदिशसबरनेंमोकल्या ॥ कांयषोलवाधरणकूमाररे ॥ ञ्रापगयोतसषोल

वा ॥ कांयधरतोदूखअपार ॥ ५२ ॥ सा० ॥ उठेखमेंपांचमी ॥ रुमीपद्मवि
जयकहीढालरे ॥ समरादित्यनारासमां ॥ कांयसूणतांमंगलमाल ॥ ५३॥सा॥
॥दुहा॥ नविद्याधाकोईथानिकें ॥ आव्योफिरीआवास ॥ सबरआव्यादशोदिशी
थकी॥ सहुंईथईनीरास ॥५४॥ शोकलह्योकालशेनतव ॥ बोलेईमजवाप ॥ डुर
जननेंजोसूखदिइं ॥ सज्जनहोइंसंताप ॥ ५५ ॥ पन्नगनेंपयपानजे ॥ तेविष
वृद्धिनुंहेत ॥ दूखदायकदुंदेषज्यो ॥ तिणीपरेंमुझसंकेत ॥ ५६ ॥ स्यूंबहुबो
लेसहुसूणो ॥ एहप्रतिज्ञाआज ॥ पांचदिवसमांएपुरुष ॥ संपदमेलवुंसाज
॥ ५७ ॥ ईमकरतांजोएनही ॥ मीलेतोकरस्यूंईम ॥ अगनीमांपेसीआपणा ॥
प्राणतजेस्यूंप्रेम ॥५८॥ कुलदेवीकादंबरी ॥ अटवीनीआधार॥ दशनरनीबली
देयस्यूं ॥ लहीइंजोएलिगार॥५९॥ढाल॥ हरीयांमनलागो ॥ एदेशी॥एहवीमा
नीमानता॥ बहुदिनसंबलदिधरे ॥ कूंअरमतीवंतो॥मोकल्यासबरदिशोदिशों॥
षोलवाकेम्रितेकीधरे ॥ ६० ॥ कुं० ॥ षोलकरणनेंनीकल्यो ॥ आमणदूमणो
आपरे ॥ कु० ॥ जिम २ तेहजमेंनही ॥ तिम २ धरेसंतापरे ॥ ६१ ॥ कु०
धरणोपणिहवइंसाथथी ॥ नागोलठीलेयरे ॥ कु० ॥ द्रव्यमांउषधीवलयछे ॥
पासेंपथेंएयरे ॥ ६२ ॥ कु० ॥ दिगमुढचालतांथकां ॥ दिवसरह्योघमीदोय
रे ॥ कु० ॥ सिणिथनिलयगिरीगयो ॥ सयस्थानकबहुहोयरे ॥ ६३ ॥ कु०
हस्तिकलेवरबहुजिहां ॥ सीहकरेसीहनादरे ॥ कु० ॥ दावानललागेघणा ॥
वनसेंसाउनमादरे ॥ ६४ ॥ कु० ॥ अजगरवाघअहिघणा ॥ काल्यायनीह
रेप्राणरे ॥ कु० ॥ थाकीलषमीवाटिमां ॥ वयणप्रस्वेदपीडाणरे ॥ ६५ ॥
कु० ॥ अहो २ माहराकर्मनी ॥ परिणतीविचित्रप्रकाररे ॥ कु० ॥ प्राणप्रि
यादूखईमलहे ॥ चितवेधरणकुमाररे ॥ ६६ ॥ कु० ॥ लखमीपणिचितचि
तवें ॥ डुखपणिएमुझसूखकरे ॥ कु० ॥ जिहांएआपदपामीउ ॥ धरणलसो
महाडुखकरे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ उदकफलादिकनवीमल्यां ॥ जिणेंहोयलषमीनें
त्राणरे ॥ कु० ॥ सूतांपालवसाथरे ॥ अस्तथयोजवसाणरे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
रातिगईबिजेदिनें ॥ दिवसरह्योएकजामरे ॥ कु० ॥ वमगयाहेठलिपमी ॥

मुर्छानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुर्छाणीतसचेतना ॥ तानूजीतसूकायरे ॥
कु० ॥ धरणविचारेएहवुं ॥ जिवलोकदूखदायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥ प्रांणअ्रा
पुछेतेहनें ॥ सज्जकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अंगेतसकरफेरवे ॥ मुंकतो
आंसूधाररे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवइमकहे ॥ लागीतरसअपाररे ॥
कु० ॥ जललावुंधीरीथजे ॥ रहेजेइणहिजगाररे ॥ ७२ ॥ कु० ॥ वृक्षउप
रिचढिजोईउं ॥ पणिनवीजलकहिलक्षरे ॥ कु० ॥ तामउतरीनीजकरतणी ॥
लेइनसातिणेंविक्षरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुबरीवनसपतीरसें ॥ किधुंउदकसमान
रे ॥ कु० ॥ निजसाथलनुंमांसजे ॥ वनदवेंपचव्युंजामरे ॥ ७४ ॥ कु० ॥
नारीमाटेएसवीकरयुं ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥ उषधीइंव्रणरुफव्यो ॥
आव्योनारीनेंगायरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउएलावीउ ॥ बनदवमांएसी
घरे ॥ कु० ॥ शाकमांसएलावीउ ॥ इणिपरेंकुंअरेंकीधरे ॥ ७६ ॥ कु० ॥
आहारकरयोतिणीइंहवइं ॥ कांयककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनाअनुंमां
नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥ ७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥ अर्कअस्तं
गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेगंतिणेंनयरमां ॥ जरूदेउलमांगायरे ॥ ७८ ॥ कु० ॥
पहोररातिगईतवइमकहे ॥ लगिअलगीअवताररे ॥ कु० ॥ आर्यपुत्रतरसी
घणुं ॥ तवबोल्योतेकुमाररे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणुंउदकनदीथकी ॥ तूंरहेजे
सूखसायरे ॥ कु० ॥ घटलेइपाणीलावीउ ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥
सूतांधरणलगीहवें ॥ रातिचरमएकजामरे ॥ कु० ॥ लगीजागीतिणेंसमें ॥ चित
वेमनमांआमरे ॥ ८१ ॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउ ॥ मुझवीधीगअनुंकुलरे ॥
कु० ॥ एहथीअधीकलहेआपदा ॥ तोहोयअतीमंजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥ ग
ढिगाखंडमां ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ कु० ॥ दुरजनसजनपटंतरो ॥ सूणज्यो
सवीसूवीसालरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ दुहा ॥ इणअवशरतिहांआवीउ ॥ चंमरुद्रए
कचोर ॥ रयणसांफलेईरयणीइं ॥ किधुंकर्मकठोर ॥ ८४ ॥ कोटवालकेडेंथयो ॥
नासीनसक्योनेम ॥ देहरामांहिद्रमवकी ॥ पेगेजीवनप्रेम ॥ ८५ ॥ पेगेदेई
बारणां ॥ आरक्षकनरआय ॥ बइगाबोलेबारणें ॥ अप्रमादीहोसाय ॥ ८६ ॥

सांसव्यूंलहिईतेसवे ॥ तस्करपगरवतेम ॥ चिंतवेनारीचित्तमां ॥ कारणएछे
केम ॥ ८७ ॥ पुतुंजोपुगेकदा॥मनहमनोरथमुज ॥ तासनीकटगईतेहवे ॥ पु
छेइणिपरेंगुज ॥ ८८ ॥ ढाल ॥ जीणमारुजीनीकरहलजीनीदेशी ॥ नृपकहे
नीजपुत्रीतणी ॥ फीटपापिणीहतीआरी ॥ मुखमुंकांयदेषाडेहोराजि ॥ एदे
शी ॥ लषमीकहेतूंकुणअछे ॥ बारणेंहालकल्लोलएवमोकेहनोथाईहोराज ॥
तेहकहेकेहस्यूंपछे ॥ पणिमुजआपेपाणीमाहरूंकाजसधाईहोराज ॥ ८९ ॥
साकहेजलदेस्यूंअम्हे ॥ कारणमुजनेंसाषोतवतेचितमांचिंतेहोराजि ॥ कुं
खवरावरछीकरी ॥ माहरेजोग्यएदीसेलाषेतेईणिसातेहोराजि ॥ ९० ॥ चंमरु
द्रकुंचोरछुं ॥ कहुंसंषेपेवातवीस्तारेनकहाइंहोराजि ॥ नृपनोरतनकरंडीउ ॥
चोरीनेंजंलाव्योतलवरजाणजथाईहोराज ॥ ९१ ॥ तेमुजपुंठेआवीआ ॥ तेह
बहुंएकषीणशकतीवलीजावाहोराजि ॥ जिवीतनीआसावली ॥ रयणीएत्रं
धारीआव्योएमुजरावाहोराजि ॥ ९२ ॥ बोलेबाहिरतेनरा ॥ तवलछीमनचिं
तेमुजविधीजोअनुकूलहोराजि ॥ तोईछितमुजनीपजुं ॥ इंमचितीकहेसूणजेतू
जनहीहोइमंगुलहोराजि ॥ ९३ ॥ पांणीनूंस्यूंकांमछे ॥ तुजजीवाडुंमाहरूंव
चनकरेजोप्यारेहोराजि ॥ तेकहेदाषिजतावली ॥ साकहेपुरीमाकंदीकार्ति
कसेठधनधारेहोराजि ॥ ९४ ॥ नांमेंलषमीडुंतसधूआ ॥ पुरवनेंजीमवेरी
धरणेंमुजनेंपरणीहोराजि ॥ मुजअनिष्टसूतोइंहां ॥ मुकितूंएधनचोरयूंजंथा
उंतूजघरणीहोराज ॥ ९५ ॥ एएहनुंकस्युंपांमस्ये ॥ पुछस्येजोकंदीराजाते
हनेउत्तरदेस्यूंहोराज ॥ आमाहरोसत्तारछे ॥ एतोनवीउलषीइंमकरीजसमु
खदेस्यूंहोराजि ॥ ९६ ॥ चोरकहेसाचूंकह्युं ॥ पणिएपुरीनोवासीमुजउ
लषेसहुप्राणिहोराजि ॥ साकहेतासउपायस्यो ॥ तस्करकहेचोरगुटीकामाह
रीपासवषाणीहोराजि ॥ ९७ ॥ दिग्गेप्रत्ययजेहनो ॥ चिंतामणिनेंसरिषी
आजुंउदकसंजोगेंहोराजि ॥ नविदेषेकोईमुजनें ॥ सहसनयनजोइंदोजोवा
आवेंरंगेहोराजि ॥ ९८ ॥ षंधरुद्रसगवाननी ॥ आपीतेछेनरनीवाततनोक
हिइंकेहीहोराजि ॥ अलछिजलतसआपीउं ॥ अंजनकीधुंविछुंइंगांनीराषीदेही

होराजि ॥ ९९ ॥ रतनकरंमकमुंकीउ ॥ धरणनीपासेंतेणेंरहियांतेएकदे
शेंहोराजि ॥ विहाणेंधरणतेउठीउ ॥ कोटवालेतवदिगेरयणकरंमविशेशेंहोरा
जि ॥ २०० ॥ देवकुलमांहिथीकाढिउ ॥ बांधीकीधोआगेंचितेएस्यूंसाइ
होराजि ॥ अथवाविधीप्रतीकुलथी ॥ अमृततेविषहोयगोपयसायरथाइंहोरा
जि ॥ १ ॥ रजुकृष्णसरपहोय ॥ परमाणुंपणिमेरुसूतपणिवयरीथाय
होराज ॥ मुषकविवररसातलं ॥ होयप्रकाशअंधारूसापिणसरिषीमाय
होराजि ॥ २ ॥ खंतीकोहमद्दवमाण ॥ आर्यवमायाथायतोषतेलोभठरायहो
राजि ॥ सत्यतेअलीकसमोवमें ॥ वाघिणसरिषीनारिमाऊंस्यूंकहेवायहो
राजि ॥ ३ ॥ अथवाएहथीनत्रुटीइं ॥ पणिएपिमाकरतांअधीकीमुझनें
सालेहोराजि ॥ नवीदिसेलछीकिहां ॥ सीगतीहोस्येएहनीविरहनलहीकोईका
लेंहोराजि ॥ ४ ॥ अथवारुमुंएथयुं ॥ एपणिआपदलहेतीजोहोतीमुझसंगे
होराजि ॥ अनुंक्रमेंरायकुलेंलावीआ ॥ अवशरेंनृपनेंविनव्योपकम्योमहा
सूजंगहोराजि ॥ ५ ॥ मायाविवाणीगवेसें ॥ चोरथाधननीसाथेंजेहआणिते
करीइंहोराजी ॥ सूंपोएचंमालनें ॥ कहेज्योनृपनीआणिएहनेंजमघरेंधरी
इंहोराजि ॥ ६ ॥ तिमजकरस्युंतेतलवरे ॥ कहेमहत्तरचंमालकेहनोछेआजवा
रोहोराजि ॥ कहेचंमालमोरीआतणो ॥ महत्तरेंतवतेमाव्योआव्योतसकहे
मारोहोराजि ॥ ७ ॥ पहोरदिवसरह्योपाछिलो ॥ जोएहनेंनवीमारोनासी
जाइंकिवारेंहोराजि ॥ नृपनीआणिदूक्करघणी ॥ लेईजाउमसाणेंमोरीइं
मान्यूंत्यारेंहोराजि ॥ ८ ॥ मोरीउलेईचाल्योतिहां ॥ मुझजिवीतनोदातासह
वाहसूतएहहोराजि॥उलष्योतेहनेंसलीपरें ॥ अहोअहोकर्म्मवीचीत्रएहअव
स्थाकेहहोराजि ॥ ९ ॥ तिहांजईबंधनछोमीआं ॥ चरणेंलागीबोल्योमुझनें
उलषोस्वामीहोराजि ॥ धरणकहेनवीसांत्तरें ॥ नवधुरथीसवीसाष्युंतूमपरें
झलखोषामीहोराजि ॥ १० ॥ द्रव्यदेइंनृपनेंबहु ॥ विणअपराधीमुझनेंउगा
र्योसलीसांतेंहोराजि ॥ धरणकहेएकेतलूं ॥ मोरीउबोलेतामगमलहीएकां
तेंहोराजि ॥ ११ ॥ ढठेखंमेसातमी ॥ पद्मवीजयएसाषीढालअधीकउ

ल्लासेंहोराजि ॥ श्रीसमरादित्यनारासमां ॥ सांसलज्योहवेश्रागेमंगलमाला
थास्येहोराजि ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥दुहा॥ श्रावीकीमएश्रापदा ॥ मोरीउंकहेमहाराज ॥पूर्गेदैवनेंसांप्रतें ॥ कहे
वानुंनहीकाज ॥ १२ ॥ मनमांचिंतेमोरीउं ॥ नहिवोलेएनाथ ॥ कचपचतुं
कामजनही ॥ हमणांबाजीहाथि ॥ १४ ॥ पाणकहेप्रणमीकरी ॥ निश्चयइ
हांथीनास ॥ कालक्षेपकरतांथकां ॥ पमीइंकोइकपास ॥१५॥ धरणकहेधी
रजधरी ॥ मुक्तनेंसूखेथीमारि ॥ श्राणिकरोश्रवनीपती ॥ दिलमांडखनधा
रि ॥ १६ ॥ पणितूक्तकष्टेंप्राणमुक्त ॥ नहिराषुंनीरधार ॥ मोरीउंकहेंमुक्तप्राण
नी ॥ वातनकांयविचार ॥ १७ ॥ सातपेढिनोसूंसरो ॥ श्रमचोश्रवनीपाल ॥
ज्ञातश्रवगुंणश्रमचासहे ॥ कोपेंनहीकोईकाल ॥ १८ ॥ नवीजाइंजेनाशीनें ॥
मरवुंतोमुक्तनेंम ॥ सज्जनस्नेहहईस्यांहोइं॥ जलपयमिलीश्रांजेम ॥ १९ ॥
॥ यतः॥ क्षीरेणात्मगतोदकायसूगुणादत्तापुरातेखिला॥खीरेतापमवेक्ष्यतेनप
यस्चात्माकृच्चानौकृतः ॥गंतुपावकमुन्मनस्तदभवदृष्ट्वाचमित्रापदं ॥ युक्तेतेन
जलेनशाम्यतिसतांमैत्रीपुनस्त्वीदृशी॥१॥ दुहा ॥ इंमविचारीश्रालस्यूं ॥ धर
णकहेसूणिधीर ॥ तूमवयणेंजाउंतूरत ॥ पाणकहेगईपीर ॥ २० ॥ पंथदेषा
ड्योपाधरो ॥ प्रणमीधरणनापाय ॥ पाछोवलीउंप्रेमस्यूं ॥जलदिधरणोजाय॥
॥२१॥ ढाल ॥ सोनानेकेरेंमारुंवेमडूं ॥ माहजीवाविषोदावि ॥ एदेशी ॥ जा
तांइणिपरिंचितवें ॥ किहांगईमाहरीनारि ॥ लघुनीतीकरवाकामउठिनज
गामीउं ॥ मुक्तरागेंरेतिणीवार ॥२२॥ मुसीकोईकतस्करें ॥ लेईगयानीरधार॥
बोलीनहीमुक्तघातविचारीचित्तमां ॥ रागघणोरेमुक्तनारी ॥ २३ ॥ नवीदेषुं
जोनारीनें ॥ तोमुक्तश्रफलसंसार ॥ इंमचिंतवतोतेहजोवालागोहवे ॥ रेमतो
श्रांसूरेधार ॥ २४ ॥ रीजुवालिकामांन्हाईउं ॥ इंणश्रवसरतेहचोर ॥ रिजु
वालीकाइंश्रावीविचारेइंणिपरिं ॥ नारीएकर्मकठोर ॥ २५ ॥ तुरतजांग्यो
नीजधवप्रतें ॥ महाश्रापदमांनाषि ॥ निजकूलनकर्योविचारश्राविमुक्त
सांप्रति ॥ नवीउंलषतिरेसाषि ॥२६॥ एहनीसंगिक्तंरही॥जिवुंकेतोकाल ॥ डर

गतीद्वारएनारीअनर्थनीषांणिछे ॥ सापणसमवीकराल ॥ २७ ॥ चंचलच
पलानीपरें ॥ मुखिमीठीअसराल ॥ एहनाचरीत्रनोपारनलहीइंपंमीते ॥ जीम
तीमबोलेरेआल ॥ २८ ॥ यतः ॥ सवईउ ॥ छिनुंमेंहसतीछिनुमेरुदतीछिनुमें
बक्कबोलकटुकसहे ॥ छिनुमेंअतिरंगविरंगछिनुं ॥ छिनुंमेंदगनीरसूत्रायरहे ॥
छिनुंमेंकटुवातसहेअपनी ॥ छिनुंमेमधुरोपणिनांहीसहे ॥ कवीपद्मकहेजग
दिसविनात्रियकीकरनीकहोकोंनलहे ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंएनारियकी
सस्युं ॥ जिणीवातेंजाइप्रांण ॥ अंगआसूषणलेईगयोतसछोमीनें ॥ शुद्ध
विचारीरेंजाण ॥ २९ ॥ लहीविचारेएहवुं ॥ रुमीथईएहवात ॥ धरणमुजरिपू
मुझजातंअन्यस्थलें ॥ रहेस्यूरेहवेसूखवात ॥ ३० ॥ कांछइचालताएं
हवें ॥ दिठीधरणकूमार ॥ रोमरायउल्लासकरीनेंपुछतो ॥ किमरेमिलीतूंनारि ॥
॥ ३१ ॥ तवरोवालागीघणुं ॥ धरणकहेएसंसार ॥ आपदसाजनजाणिनरो
ईइंणिपरिं ॥ आपदगईइंणवार ॥ ३२ ॥ तूझमिलीउछंधन्यथयो ॥ तवबोली
तेहवाम ॥ पकमीतसकरेंमुझछंउठीलघुनीती ॥ करवाकेरेरेकांम ॥ ३३ ॥
सिलसंगकरवातिणें ॥ किधाघणारेप्रकार ॥ म्हेंनवीमान्यूंतेहगयोमुझमु
कीनें ॥ बलथीकिमरेलेनारि ॥ ३४ ॥ चोरकदर्थनाथीमुंनें ॥ उपनुंदूखअपा
र ॥ जेतूम्हदिठाइमअवस्थादूखकरी ॥ सूणिचिंतेरेकूमार ॥ ३५ ॥ म्हें
चिंताचिंतव्युंतिमथयुं ॥ कहेनारीनेंरेइंम ॥ फिकरनकरीइंकांयचालोतूम्हेत
वलछी ॥ चिंतेरेथईगयुंकेम ॥ ३६ ॥ आव्योकतांतनामुखथकी ॥ पापनीप
रणतीएह ॥ गयांविचारपुरगामसूरजतवआथम्यो ॥ रयणिरेगईपणितेह ॥
॥ ३७ ॥ नविरहेवुंइंणथानिकें ॥ जईइंदंतपूरगाम ॥ तिहांमुझमाउलगेहमुंकी
तूझनेंपछे ॥ करस्यूरेकांयककाम ॥ ३८ ॥ मान्यूंलछिइंतवजवा ॥ माय्युंदंतपुरें
दोय ॥ इंणअवशरहवेवातपल्लिपतीनीसूणो ॥ जोज्योरेकिणीपरेंहोय ॥
॥ ३९ ॥ सारथवाहसूतनवीजम्यो ॥ चितउपनोरेसंताप ॥ निजनरनेंतेहसा
थसलावीसलीपरें ॥ इंणिपरेंकरेरेआलाप ॥ ४० ॥ एहनामाबापनेंतूम्हे ॥
पोहचावज्योधरिषांति ॥ हवइंचितेइंमचित्तकादंबरीदेवीतेह ॥ मान्युंरे

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामथयुंनहिपणिदेवी ॥ बलितेंदेवीनेंकाज ॥ तेहप्रति
ज्ञाकिधतेकरस्यूंतवपछें ॥ मांम्योतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ ढगेखंमेआगमी
पद्मवीजयकहीढाल ॥ सज्ञनकृतगुंणजाण होइंजुउएहवा ॥ होस्येरेमंग
लमाल ॥ ४३ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ पुरुषबलीनेंपाठव्या ॥ कादंबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥
आमंबरथीइध ॥ ४४ ॥ स्नानकरयुंसरीतातटें ॥ वलकलपहेरयांवास ॥ कण
वीरमालकरीसीरें ॥ चयविरचावेषास ॥ ४५ ॥ चंमीकादेहरेतेचल्यो ॥ ध
रतोधरणनुंध्यांन ॥ इंणिअवसरितेअटवीइं ॥ जातोधरणसूजाण ॥ ४६ ॥
सबरेंदीठसूरोदइ ॥ लछिधरणनेंल्हारि ॥ बांधीसबरेंतेविकुं ॥ आण्यातेहउदा
र ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ दख्यिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेशी ॥ आवइंजेतेहोराजि ॥
देषेतेतेहोराजि ॥ तेहनेंखेतेरे ॥ रक्तेंरुधीरत्रिशूलकरयां ॥ समीआपमीआहो
राजि ॥ दक्षघमीआंहोराजि ॥ उदेहीजमीआंरे ॥ शिषरमांसप्र्पजुगलध
रयां ॥ ४८ ॥ जिववधथायहोराजि ॥ रुधीरसींचायहोराजि ॥ नृपतीपा
येरे॥महसूतजक्रूराषसघणा ॥ आघोजायहोराजि ॥ देषेतिहांयहोराजि॥ स
बसमुंदायरेकोटबणायोनहीमणां ॥ ४९ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ धमविंक
रालाहोराजि ॥ तोरणआलारेकीधीतिहांवीहामणी ॥ गजवरदंताहोराजि ॥
दिसेमहंताहोराजि ॥ महालयदिंतारे ॥ हाफ्नचामडरगंधघणी ॥ ५० ॥ सबर
जुवानहोराजि ॥ स्नातिणेंथानहोराजि ॥ खड्गलेईपाणिरे ॥ सिलमीरोवेडखध
री॥नरनेंकपालेंहोराजि ॥ दिपेविशालहोराजि ॥ तिहांततकालरे ॥ मंगलदिप
श्रेणीकरी ॥ ५१ ॥ चामरलटकेहोराजि ॥ पुंढमेंफटकेहोराजि ॥ किधासट
केरेगजमुक्ताफलसाथीआ॥गुगंलगंधहोराजि॥होयसंबंधहोराजि॥मदवरगंध
रेदिशेफिरताहाथीआ ॥ ५२ ॥ खड्गकोदंमहोराजि॥ करधरयोघंटहोराजि ॥
पुंढमहीषखंमरे ॥ ओसिकात्यायनीकरे ॥ देखवीवीचारेहोराजि ॥ धरणतिवारें
होराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ बलीउकोईकतत्परें ॥ ५३ ॥ पणिपुन्यपापहोरा
जि ॥ जेऊईगपहोराजि ॥ तससंतापरे ॥ टालिशकिइंकिणीपरें ॥ इंणिपरें

करतांहोराजि ॥ जईनेंधरताहोराजि ॥ जिहांथरथरतारे ॥ नरसमुदायधरथी घरे ॥ ५४ ॥ पाईलागीहोराजि ॥ कालश्रेनसागीहोराजि ॥ कुमरनोरागीरे आवीगदगदउचरे ॥ मेलव्योनमुझनेंहोराजि ॥ स्यूंकझंतूझनेंहोराजि ॥ पणि इमबुझीनेंरे ॥ जनमांतरेंहवेंमतकरे ॥५५ ॥ मेंडखदिधुंहोराजि ॥ अवलूंकिधुं होराजि ॥ तेडखसीधुंरे ॥ जाणेंतूंहीकात्यायनी ॥ चिंतिचंगहोराजि ॥ नाम कुरंगहोराजि ॥ बोलावेंसंगरे ॥ लावोबलिसुलायनी ॥५६॥डग्गिलनामेंहोरा जि ॥ कासिदगामेंहोराजि ॥ काढ्योतामेंरे ॥ पकमीकेशमाथातणा ॥ थर २ ध्रुजेहोराजि ॥ कांयनसूझेहोराजि ॥ रतांजणीपुजेरे ॥ काढिषझगपल्लिपती तण्या ॥ ५७ ॥ लोकएजोयहोराजि ॥ मनमांजेहोयहोराजि ॥ मागजेंको यरे ॥ जिवितविणतूझदिजीईं ॥ सयथीतेहहोराजि ॥ बोल्योनरेहहोराजि ॥ फिरीनेंएहरेबोलाव्योनविबोलीजीईं ॥५८॥पल्लिनाहहोराज ॥चिंतेसूंराहहोरा जि ॥ मननोलाहरे ॥ पुरुषाविणकिममारीईं ॥ चिंतेधरणोहोराजि ॥ अंतेमर णोहोराजि ॥ उपगारकरणोरे ॥ क्षणइकमात्रउगारीईं ॥ ५९ ॥ चितीकुरंगहो राजि ॥ बोलाव्योरंगहोराजि ॥ जईनेंत्रंगरे ॥ तूम्हस्वामीनेंवीनवो ॥ एहनें ममारोहोराजि॥तयथीतारोहोराजि॥मुझअवधारोरे॥वातआषरमुझनेंरीझवो ॥६०॥परदूखनजरेंहोराजि॥देषीसूपरेंहोराजि॥खमीईंकिणिपरेंरे॥मारोआग लथीमुझनें ॥ पल्लिपतिनयणहोराजि॥जलतरीवयणहोराज॥ बोलेसयणरेकु णएहवुंकहेगुझने ॥ ६१॥ मुझनमीउहोराजि ॥ धरणीपमीउहोराजि॥चेतन जमीउरे ॥ तवईणिपरेंबोलावतो ॥ जुउतिहांजाईहोराजि ॥ मनमांलाईहोरा जि ॥ कूणएसाईरेसढवाहस्तपरेंचालतो ॥ ६२ ॥ जुईतेठोरहोराजि ॥ जइ किशोरहोराज॥कोईनउररेतेहजनरएईमकहे ॥पोतेनीरषेहोराजी ॥ तवतेहर षेहोराजी॥ठोमेपरषीरेबंधनतेहनांगहगहे ॥६३॥प्रणमेंचरणहोराजि॥सांसलो धरणहोराजी ॥ ताहरूंशरणरे ॥खमिअपराधतूंमाहरो ॥धरणतेसाषेहोराजि॥ अपराधआषेंहोराजि॥एकसरांषेरेदोषनहिठेताहरो॥६४॥किधुंकामहोराजि॥ अपराधठामहोराजि ॥पल्लिपतीतामरे ॥कहेस्यूंकांमकस्युंअमें ॥नयरनविमा

स्योहोराजि।मुझवचधास्योहोराजि।कामसूधास्योरे॥मुझमनोरथपुरतांतमो।
॥६५॥ पल्लिपतीचिंतेहोराजि।उलषेनतंतेहोराजि।सयनीभ्रांतेरेबोलेठेएइंणिप
रें॥पुठेतासहोराजि।साषितूंसासहोराजि।मरणअस्यासरेस्याडखथीतूंआदरे
॥६६॥ कहेकुमारहोराजि॥ वातविस्तारहोराजि॥ स्योअधीकाररे॥कामक
रोतूम्हेनिजतणं॥ कालसेनजाणिहोराजि॥ करेउलषाणहोराजि॥ कृतगुण
हाणिरेकरनारोकुंअतीघणं॥ ६७ ॥ तुम्हेजिवाड्योहोराजि॥ तुझविण
साम्योहोराजि॥ डखथीकाढ्योरेनागबालपरेंमुझनें॥ कुंमहापापीहोराजि॥
तुझसंतापीहोराजि॥ इमविलापीरेकृतघ्नरोषरकुंथयोतुझनें॥६८॥ कुंअरजा
णीहोराजिलाजतेआणीहोराजि॥ कहेमुषवाणीरे॥ जिव्यानीजपुन्येंकरी॥
ठेरआलहोराज॥ खमेंविशालहोराजि॥ नवमीढालेरेपद्मविजयपुरीकरी॥
॥ ६९ ॥ दुहा ॥ कृतघ्नकिमतुझनेंकहुं॥ सज्जनमांसीरदार॥ अज्ञा
नेंकरीइंणिपरें॥ पश्चात्तापप्रकार॥ ७०॥ पणितेस्यूंधारंसीउ॥ एहकहोअ
वदात॥ पल्लिपतीतवकहेपठे॥ वारुधुरथीवात॥ ७१॥ सारथवाहसूतसांस
ली॥ अहोथीरस्नेहअपार॥ कृतज्ञताकहुंकेतली॥ वर्णवइंवारंवार॥ ७२॥
पणिसांसलोपल्लिपती॥ देउतूझउपदेश॥ पूजोदेवगुरुप्रतें॥ बलिपुष्पादिक
वेश॥ ७३॥ ढाल॥ बेबेमुनीवरविहरणपांगरयांजी॥ एदेशी॥ धर्मनहोइं
जीवहण्यांथकीजी॥ जलथकीअनलनहोयरे॥ गायनाशृंगथीदूधनसंस्रवे
जी॥ विषथकीअमृतकिमजोयरे॥ ७४॥ धर्म॥ यतः॥ सकमलवनमग्ने
र्वासरंसास्वदस्ताद॥मृतमुरगवक्रातूसाधुवादंविवादात्॥ रुगपगममजीर्णात्
जिवितंकालकूटात्॥ असिलखतिवधात्यःप्राणिनांधर्ममिछेत्॥ १ ॥ पूर्व
ढाल॥ नरगेंतेपोहचेजिवहिंसाथकीजी॥ तिणेंएपापथकीरहोउरेरे॥ महिष
नेंमेषप्रमुखहणतांथकांजी॥ पापेंपिंडतेहोवेपुररे॥ ७५॥ धर्म०॥ कहेका
लसेनंनकरस्यूंएहवुंजी॥ अन्ननमलस्येंअमनेंजामरे॥ तोअमेंअन्नविनाले
स्यूंनहीजी॥ इंणअटवीमेंआव्याकेरुंनामरे॥७६॥ धर्म०॥ जिवनीहिंसाजी
वुंतिहांलगेंजी॥ नहिकरुंतूमकेरेउपगाररे॥ फूलवलीगंधचंदनस्यूंदेवताजी॥

बंदिसहितनेधरणनेंलावीउजी॥ पुजीनेंकीधोत्र्प्रतीसतकाररे॥ ७७॥ धर्म०॥ लूट्योहतो निजघरिकीधोउचितत्र्प्राहाररे॥ सोजनकीधांमननेंसावतांजी॥ गजकुंसमुक्ता जेद्रव्यत्र्प्रपाररे॥७८॥ध०॥ तेसवीलावीनेंद्रव्यनोढगकरयोजी॥ लिधोतेसघलोनिजसंसारि फलस्रीकाररे॥ गजवरदंतनेंचामरत्र्प्रापीत्र्प्रांजी॥ त्र्प्रापहथीरहीत्र्प्राकेइकदिन्नरे॥ रे॥७ए॥ध०॥ बंदिनेंकांयकदेईविसर्जित्र्प्राजी॥ जाणेंमावीत्रनेंवलीमहाजन्नरे॥८०॥ध०॥ त्र्प्राणिलहीनेंनिजनगरेंगयाजी॥ कोमीसवाधन हर्षधरीनेंसाहमात्र्प्रावीत्र्प्रांजी॥ सांमनामुलनीसंख्याकिधरे॥ ८१॥ धर्म०॥ देवनंदिए नीसंख्याथईजी॥ मननामनोरथसघलासीझरे॥ कोमीत्र्प्ररघधनतेहनुंनी कपरखपठेंत्र्प्रावीउजी॥ साहमाजईजोयुंतेहनुंसंमरे॥ कोमीत्र्प्ररघधनतेहनुंनी कपरखपठेंत्र्प्रावीउजी॥ साहमाजईजोयुंतेहनुंसंमरे॥ सांमनुंमुलतेत्र्प्राप्युंमु पनुंजी॥ मनमांतिखेदलत्र्प्रोपरचंमरे॥ ८२॥ धर्म०॥ त्र्प्रा लगुंजी॥ शेषधनेंकरेदाननेपुन्यरे॥ मदनतेरसीत्र्प्रावीइणत्र्प्रवशरिजी॥ धरण वीमहांततेन्याइंपुन्नरे॥८३॥धर्म०॥ कहेरथतूमचोकाढोत्र्प्रागलेंजी॥ इंमकरतांवितोकेईकाल कहेएकीमाबालरे॥ कुणकरेतेस्हूणीपरसंसीउजी॥ करतांतेपरनेंबक्रउपगा रे॥ ८४॥ धर्म०॥ कोमीसवातेंमाइंषरचित्र्प्राजी॥ जाइंत्र्प्रफलत्र्प्रवताररे॥ ८५॥ धर्म०॥ चिंतेमनमांत्रणिवर्गसाध्यावीनाजी॥ जेहथीसधाइंधर्मनेंकांमरे॥ हू धर्म०॥ तेहमांपणिगृहीनेंत्र्प्रर्थतेमुख्यठेजी॥ द्रव्येंहोइसवीपरनुंकांमरे॥ ८६॥ धर्म०॥ पवक्रमानसोत्ताम्यतेत्र्प्रर्थठेजी॥ सर्वेतेधनवद्धस्य॥ द्वारे यतः॥ वयोवृद्धास्तपोवृद्धा॥ येचवृद्धाःबक्रश्रुताः॥ पिपासितैःकाव्यरसो तिष्टंतिकिंकराः॥ १॥ बुभुक्षितैर्व्याकरणंनभुज्यते॥ हिरण्यमेवार्जयनिष्फलाकला॥ २॥ नपीयते॥ नठंदसाकेनचिडधृतंकुलं॥ मुफनेंसोगववीकिणहीरीतीरे॥ ॥ पूर्वढाल॥ तेपणितातनीमातपरेंनहीजी॥ चाल्योबक्रसाथलेईगुलनितीरे॥ ८७॥धर्म०॥ मातपीतानीत्र्प्राणाथीहवेजी॥ सायरकांठेनगरीनामरे॥ रुमीवैजयंतीन लषमीपणिसाथिलेईनेंत्र्प्राविउजी॥ दिधुंबक्रमाननेंत्र्प्राप्युंगांमरे॥ ८८॥ धर्म०॥ लालतया रपतीनेंमल्योजी॥ व्याजकरीनेंकिरियाणां विधनथयोचितवेंजी॥ जाउंपरतिरेंपामुरीझरे॥

सख्यांजी ॥ लगनमुहूर्त्तजोईपरसीद्धरे ॥ ८ए ॥ धर्म० ॥ सायरकांठेंआवीपू
जीउंजी ॥ दिधांबहुअरथीजननेंदानरे ॥ देवगुरुप्रणमीवेगाह्याजमांजी ॥
उपाड्यांनांगरजलअसमांनरे ॥ ए० ॥ धर्म० ॥ पुरयांतेसिढनेंवाहणचाली
आंजी ॥ छठेतेखंमेंदशमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेचिनद्वीपेंजवाजी ॥ धरणे
जीचित्तमांप्रतीउजमालरे ॥ ए१ ॥ धर्म० ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ वाहणतीरवेगेंवहे ॥ केईकदिनअतिक्रांत ॥ मध्यान्हेमारुतघणो ॥
इकदिनअतिउद्भ्रांत ॥ ए२ ॥ गाजेशायरगजपरें ॥ संकेटयासढताम ॥ जि
वितनीआशाजया ॥ नांगरमुंक्यानाम ॥ ए३ ॥ अथपातूंतेअनुंक्रमें ॥ वाह
णसागुंवेग ॥ आउसंबंधइअनुंक्रमें ॥ आव्युंफलगतेएग ॥ ए४ ॥ तिणेंकरी
एकअहोरातिमां ॥ पोहतोसोवनदिव ॥ मनचिंतेमुझमानिनी ॥ डुखदिठुंहा
दैव ॥ए५॥ परिजनपणपरहोगयो ॥ करीविलापतिणेंकाल ॥ कदलीफलकेरो
करे ॥ रुमोआहाररसाल ॥ ए६ ॥ ढाल ॥ प्रणमीसदगुरुपाय ॥ गायसूंरा
जिमतीसतिजी ॥एदेशी॥ सूरजआथम्योजाम ॥ पल्लवसाथरोपाथरीजी ॥ ता
ढिउमावणकाजि ॥ अरणीथीअगनीपेदाकरीजी ॥ए७॥ प्रणमीश्रीगुरुनेंदेव॥
सूतोनेंप्रातसमयथयोजी ॥ जाग्योजामप्रस्तात ॥ सूरयरायजवजगजयोजी
॥ ए८॥ अगनीफरसीतसूमि ॥ दिठिकनकमयीथईजी॥ देषिचिंतेइंम ॥ धातु
षेत्रएउत्तमईजी ॥ एए॥ किधीईटयोताम ॥ धरणनामअंकितकरीजी ॥ कि
धासंपुटथाई ॥ कनककरयुंअग्नीमांधरीजी ॥ ३०० ॥ करयांदससहससंपु
ट॥ सिन्नपोतध्वजबांधीउंजी ॥ चिनथकीएकजीहाज ॥ पुन्येंलावीसांधीउं
जी ॥ १ ॥ सूवचनसारथवाह॥सांभअसारतिहांसरयांजी ॥ कोईकद्वीपथीपां
मि ॥ लक्षीस्यूंदेवपुरेंसंचरयांजी ॥ २ ॥ आव्याजवतिणेंगांम ॥ सिन्नपोत
ध्वजनीरषीउंजी ॥ मुंक्यांनांगरताम ॥ मुंक्यानिजांमकहरषीउंजी ॥ ३ ॥
दीठाधरणकूमार ॥ वातसूणावेतेहनेंजी ॥ सूवचनसारथवाह ॥ नांमेंदयाव
हुएहनेंजी ॥ ४ ॥ चिनद्वीपजसवास ॥ देवपुरजावामनकरेजी ॥ तूम्हकहे
वरावेइंम ॥ आवोतोह्याजमाहिंथरेजी ॥ ५ ॥ बोल्यातामकूमार ॥ सांभल

रयुंस्यूं एहमांजी ॥ निर्जामककहेतांम ॥ द्रव्यशकतीनहीतेंहमांजी ॥ ६ ॥
विधीवसेंययोनिरद्रव्य ॥ पणिव्यवसायनछंमीतजी ॥ तादृत्तातोनहीतांम ॥ ध
रणकहेतवमंमीतजी ॥ ७ ॥ एकनीईछाजोहोय ॥ एतलीसूमीआवोअहींजी ॥
तेमीलाव्योतेह ॥ धरणकहेकोपस्योनहीजी ॥ ८ ॥ कांयककारणपांमि ॥
पुंछूंतुम्हनेंइणिपरेंजी ॥ ज्याजमांकेतलोद्रव्य ॥ साषोमुझनेंशुसपरेंजी ॥ ९ ॥
तवतेबोल्यालाय ॥ कर्मनीवातमाहरीसूणोजी ॥ द्रव्यगयोमुझसर्व ॥ पणित
घमकरूंदूगगुणोजी ॥ १० ॥ सोवनटंकहजार ॥ लेईनेंसांमझंआवीतजी ॥
धरणकहेसूणोवात ॥ हुंतुम्हनेंललेंपावीतजी ॥ ११ ॥ काढीनांषोसांम ॥
सोवनथीवाहणलरोजी ॥ पोहचीस्युंजवतिर ॥ लाषद्रव्यदेस्युंपरोजी ॥ १२ ॥
कहेसूवचनतवसेठ ॥ सारकिस्योसोवनतणोजी ॥ तूंबझमांनछेमुझ ॥ सय
लकरूंजेमुखिलणोजी ॥ १३ ॥ काढिनांष्युंतांम ॥ वाहणकनकगणीलस्युं
जी ॥ बेठोवाहणजाम ॥ तवलछीदरसणकस्युंजी ॥ १४ ॥ हरष्योचितमझा
रि ॥ दूसाणीलषमीघणीजी ॥ एछेमाहरीनारी ॥ धरणकहेसूवचनलणीजी ॥
॥ १५ ॥ आणंद्योतवसेठ ॥ वाहणचालेअनुंक्रमेंजी ॥ पंचजोजनगयाजा
म ॥ एकअचरीजहोयतिणसमेजी ॥ १६ ॥ सुवर्णद्वीपनीस्वामि ॥ सुवर्ण
नामावाणमंतरीजी ॥ कंपावेतेसमुद्र ॥ मानुंअकालनीवीजरीजी ॥ १७ ॥
रेरेसारथवाह ॥ कांयउपचारकरयोनहीजी ॥ मुझआणाविणएह ॥ कनक
लेईजाईसकहीजी ॥ १८ ॥ धरीउंतेणीइंजिहाज ॥ निर्जामकनेंइंमकहेजी ॥
बलियोपुरुषनीमुझ ॥ तेविणद्रव्यएकुणलहेजी ॥ १९ ॥ अथवामारूंहाथि ॥
धरणवीचारेइमसूणीजी ॥ नांषीदेवाम्योद्रव्य ॥ लषमीमुझआपीगुणीजी ॥
॥ २० ॥ उपगारीमुझएह ॥ देवितोइणिपरेंलणेंजी ॥ बलियाउंझंआज ॥ प्रा
णआत्रवशरकुंणगणेंजी ॥ २१ ॥ देविनेंकहेवांणि ॥ एहअजाणपणेंथयुं
जी ॥ प्रसन्नथईस्योमुझ ॥ बलितूमेकांयनवीगयुंजी ॥ २२ ॥ देविबोलेताम ॥
सायरमांझंपादिउजी ॥ लषमीचिंतेइंम ॥ देविइंमुझअनुंग्रहकिउजी ॥ २३ ॥
सारथवाहनेंइंम ॥ लछिसलावीइंमकहेजी ॥ संपज्योअममायताय ॥ इमकरी

सायरमांवहेजी ॥ २४ ॥ विध्योतामत्रिसूल ॥ देवीसोवनद्वीपेंलावतीजी ॥
देवीयश्रउपशांत ॥ वाहणनेनवीबोलावतीजी ॥ २५ ॥ वाहणचाल्यांजाय ॥
हेमकूंमलईणअवसरेंजी ॥ रयणद्वीपेतेंजाय ॥ दिगोनेंउलष्योसलीपरेंजी ॥
॥ २६ ॥ देविपरीचीतनास ॥ मागीउषधीईसजकस्योजी ॥ पुण्यप्रमाणेंनाम॥
जिवितशेसेंआयुधस्योजी ॥ २७ ॥ यतः ॥ वनेरणेशत्रुजलाग्निमध्ये ॥ महा
र्णवेपर्वतमस्तकेवा ॥ सुतंप्रमत्तंविषमस्थितंवा ॥ रक्षंतिपुण्यानिपुराकृतानि॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अग्यारमीएढाल ॥ ठेखंडेसोहामणीजी ॥ समरादित्यनें
रास ॥ पद्मवीजयसवेंसणीजी ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ हेमकुंमलउलष्योहवे ॥ पुछेधरणपवित्त ॥ सिरीविजयसंबंधकहो॥
तवकहेतेहत्वरित ॥ २९ ॥ जिवाड्योम्हेंतिहांजई ॥ सूणीधरणसंतूष्ट ॥ धर
णलेईवीद्याधरो ॥ गुणसंतारीगरीष्ट ॥ ३० ॥ रयणसाररलिआमणो ॥ द्विपअती
उद्दाम ॥ रतनगीरीअतीरुअडो ॥ नानाविधतरूनाम ॥ ३१ ॥ विद्याधरकि
माविषे ॥ तत्परतरूणीगीत ॥ सूरत्तीवासनादसदिसें ॥ आवेपणनहिंश्त ॥
॥ ३२ ॥ सरोवरतिरेंसूहंकरू ॥ हंसादिकनीहारि ॥ रूअणीवारूपरें ॥ शोभेअती
श्रीकार ॥ ३३ ॥ वाविकांठेंरूणविसम्या ॥ संपहेफलसहकार ॥ वाविमां
नाहिवावरे ॥ पुछेवातप्रकार ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ एढिंगीकिहांराषिरे ॥ एदेशी ॥
हेमकुंमलपुछेधरणानें ॥ किमतूमनेंमलीएह ॥ तवधुरथीमांडीनेसघली ॥ वा
तकहीहतीजेहरे ॥ ३५ ॥ प्राणीपुन्यतणांफलजोज्यो ॥ दुरजनसज्जनदोयप
टंतर ॥ आणंमेरुसमहोज्योरे ॥ प्राणी ॥ अहो २ दूष्टताव्यंतरीकेरी ॥ किधुं
मोहटुंअकाज ॥ हवेतूम्हेकहोतेकरीईतवकहे ॥ किधुंसघलूंकाजरे ॥ ३६ ॥
॥ प्रा० ॥ पणिमुजजायादुखणीहोस्ये ॥ किजेंताससंजोग ॥ हेमकुंमलमन
मांहिंविचारे ॥ रयणतणोकरूंसोगरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ हेमकुंमलकहेमेलवुं
रमणी ॥ पणिएकसांभलोवात ॥ रतनगीरीनामेंइहांपरवत ॥ सूलोचनसूर
ख्यातरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ किन्नरतेमुजमीत्रवखाण्यो ॥ तेहनेंमिलवुंमाहरे ॥
तुम्हनेंदेवपुरेंपछेंमुंकीस ॥ मिलस्येनारीतीहांरेरे ॥ ३९ ॥ प्रा० ॥ धरणकहे

जिमतूममनजाणो॥तवतेधरणनेंलेई॥पहोतोरयणगीरीतससोल॥ वर्णवीईकहो केईरे॥४०॥प्रा०॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरिं॥ रुचिरसवनअतिदिपे॥ गोष सीत्तिप्राकारनीशोल॥सूरविमाननेंजीपेरे ॥४१॥प्रा०॥ उलोथईनेंआदरदिधो॥ किधोउचितउपचार॥ किहांथीआव्यानेंएकुंणछे ॥ कहोवलीहेतूविचाररे॥ ॥४२॥प्रा०॥ आशयनीजविद्याधरसाषे ॥ रयणअपाववालाव्यो॥ हर षीतथईतेसांभलीराष्यो॥ केईकदिनमनलाव्योरे॥ प्रा०॥४३॥ रयणलेईनें धरणनेंलाव्यो॥ देवपुरनयरनेंबारी॥ रतनआपीनेंइणिपरेंसाषे ॥ सोधज्येइं हांनिजनारीरे॥ ४४ ॥प्रा०॥ हेमकुंभलनीजथानीकपोहतो॥ धरणगयापुर मांहिं॥ टोपसेठहवेंदेषेतेहनें॥ मनमांलहेउछाहरे ॥ ४५ ॥ प्रा० ॥ अहो आकारअपुरवदिशे॥ एकाकीकिमएह॥सूरवशातापुछिघरिलाव्यो॥ सेठकहे हवेतेहरे॥ ४६ ॥ प्रा० ॥ किहांथीआव्यातूम्हेंइणनयरें॥ तवतेधरणेंसाष्यो॥ माकंदीनिकल्याथीमांमी॥ देवपुरपर्यंतदाष्योरे॥ ४७ ॥ प्रा० ॥ रतनसेठनें राषवाआप्यां॥ राषज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसूणेज्यो॥ धरणप भ्यापछीजेहरे॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आसासनालषमीनेंकरतो॥ सूवचनसारथवा ह॥ एसंसारअसारछेसूंदरी॥ सऊनेंएहजराहरे॥४९॥ प्रा०॥ जिहांसंजोग वियोगत्यांदिशे॥ षेदमकरस्योनारी॥ ताहरीआथिगईनहीएहमां॥ जाणजे गईछेमाहरीरे॥५०॥प्रा०॥ एलषमीतूंलषमीबिऊंनें॥पोचाडुंतूमगेह॥तबनयनें आंसूंसरीबोली॥लषमीमायागेहरे॥५१॥प्रा०॥तुंमजिवतांमुझनेंसीचिंत॥ एक दिनसेठविचारे॥एहद्रव्यनेंसूंदरीसुंदर॥हाथिआवीकुंणहाररे॥ ५२ ॥प्रा०॥ते हतोमरणतपथ्वीपांम्यो॥ एहनुंमनमुझसाथें॥ कुंणमुरखकरआव्युंछांमे॥ चि त्तकरूंमुझहाथेंरे॥ ५३ ॥ प्रा० ॥ हास्यकरंतानीजवशकीधी ॥ लंपटनेंसी वार॥ घरणीकरीनेंराषीघरमां॥ धनपणिराष्युंशाररे॥ ५४ ॥ प्रा० ॥ केई कदिनपोहतूंअनुंकरमें॥ देवपुरेंतेजिहाज॥ सेटफलेईराजानेंमिलिउ॥ तूठो तेनरराजरे॥ ५५॥ प्रा०॥ तेहनुंदाणमुंक्युंनरराई॥ पोहतोजीहाजमझारि॥ छठेरवंभेंबारमीढालें॥ पद्मकहेअधीकाररे ॥ ५६॥ प्रा०॥ ॥ ७॥

॥ दुहा ॥ चिनथीआव्युंचालतूं ॥ जिहाजएसांसल्यूंजांम ॥ निकल्योघरणते
नीरखवा॥दोयजणदिगंतांम ॥ ५७ ॥ हरष्योहैयमेहेजस्यूं ॥ दूसाणातेदोय॥
पणिआसनदेश्पुछिउ ॥ पूर्ववृत्तांतपलोय ॥ ५८ ॥ संसलाव्योतिणेंसामठो ॥
सूवचनचितेसेठ ॥ अहो २ कर्मनीगतीअजब ॥ हैहैदैवथीहेठि ॥ ५९ ॥
केवलकिधअकाजम्हें ॥ समीहितपणिनवीसीद्ध ॥ चिंतिआपवेंचनथी ॥
कारजसुंदरकीध ॥ ६० ॥ जिवंतातूम्हजोईआ ॥ ल्योतूम्हसघलीलाछि ॥
कहेधरणतूम्हेसवीकस्युं ॥ पाछिनराषीपाछि ॥ ६१ ॥ मुक्नेंजायामेलवी ॥
किधुंसघलूंकांम ॥ जायानेंकहेजाईई ॥ आवोपुरमांआम ॥ ६२ ॥ ढाल ॥
बापमलीरेजीसमलीतूंकांनवीवोदेमीतुं ॥ एदेशी ॥ सांसल्योलाईनारीचरीत्र
हकामकरेछेकेहवां ॥ लषमीकहेकालिनयरीमां ॥ आपणजास्यूंरहेवारे ॥
॥ ६३ ॥ सा० ॥ आजतूम्हेपणिइहांरहेवुं ॥ धरणेंमानीवात ॥ स्नानकरावि
नेंदोयचिंतें ॥ करवोएहनोघातरे ॥ ६४ ॥ सा० ॥ मदिरापाईनेंआहारकरा
व्यो ॥ आवीजेहवेरयणी ॥ सज्यासूंदरपाथरीसूतां॥ धरणतथानीजघरणीरे ॥
॥ ६५ ॥ सा० ॥ मुंक्याणेमदिरानेंजोरें ॥ तेहवेअवसरजाणी ॥ फांसोदियो
पणितेफसल्यो ॥ लषमीहर्षसराणीरे ॥ ६६ ॥ सा० ॥ मुउजाणीवेऊमिलीनें॥
सायरकांठेगांम्यो ॥ तेथानिकगयांतेहवेशीतल ॥ वायरोआववामांम्योरे ॥
॥ ६७॥ सा० ॥ चेतनलाधुंतवतेंचिंतें॥स्यूंएसूपनुंदेषुं ॥ इंद्रजालअथवामति
विभ्रम ॥ अथवासत्यएपेषुंरे ॥ ६८ ॥ सा० ॥ सायरतटदेषीनेंविचारे ॥ नि
श्चयसाचुंएह ॥ उठिनेंचितेलठीनुं ॥ चरीत्रअहोदूखरेहरे ॥ ६९ ॥ सा० ॥
उनमारगेंएकेंमप्रवर्त्यी ॥ डखदायकएसोग ॥ मुखिमिठीवलीदिलथीजुठी ॥
महिलाचालतोरोगरे ॥ ७० ॥ सा० ॥ अगनीपवननेंसूजंगमहेवाई ॥ नारीचि
त्तनकलाई ॥ दोखनीषांणिकलेसनुंकारण ॥ मोहेंजगतछलाईरे ॥ ७१॥सा०॥
॥ यतः ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचंनिर्दयत्वंच ॥
स्त्रीणांदोषास्वसावजाः ॥ १ ॥ सवस्यवीजंनरक ॥ द्वारमार्गस्यदिपीका ॥ शु
चांकंदःकलेर्मूलं॥ डखानांखानीरंगना॥२॥ जलणोविपेप्पइसूहां पवणोसूय

यगोयकेणइनएणं ॥ महीलामणोनघेप्पई ॥ बऊएहिंविनयसहस्सेहिं ॥ २ ॥
॥ पूर्वढाल ॥ अथवासूवचनसेठनेंनघटे ॥ पणएहनोस्योदोस ॥ विषयराग
वाह्योनारीस्यूं ॥ तेकारणएरोसरे ॥ ७२ ॥ सा० ॥ इंणिअवसरिंतीहांटोपसे
ठना ॥ पुरसखोलताआव्या ॥ देषिनयणेंआसूंरमी ॥ इंणिपरेंतिणेंबोलाव्यारे ॥
॥ ७३ ॥ सा० ॥ रातेपणितूम्हेकिमनवीआव्या ॥ सेठनेंउपनीचिंता ॥ अमनें
जोवामोकल्यासेठें ॥ आव्याइहांखोलंतारे ॥ ७४ ॥ सा० ॥ चालोसेठनेंदरसणआ
पो ॥ सेठनीचिंतासागो ॥ अहोपुरुषनोअंतरदेषो ॥ कुमरविंचारवालागोरे ॥
॥ ७५ ॥ सा० ॥ यतः ॥ वाजिवारणलोहानां ॥ काष्टपाषाणवाससां ॥ नराणांरमणीनां
च ॥ अंतरंमहदंतरं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तेनरसाथेंधरणतेचाल्या ॥ मिलिआसेठनें
जाम ॥ एकांतिबेशारीसेठें ॥ वाततेपुछीतामरे ॥ ७६ ॥ सा० ॥ आंमणदूम
णइंमकिमदिशो ॥ होयतेसाषोसाचुं ॥ तवतेधरणविचारेमनमां ॥ किमकरी
फाटमाचुंरे ॥ ७७ ॥ सा० ॥ वातलज्जामणीनवीकहेवानी ॥ नयणेंनीरत्तरा
य ॥ कहेंकांईइंनहीसेठकहेसूणो ॥ चिनथीझ्याजजेआयरे ॥ ७८ ॥ सा० ॥
तेतूमनेंमलिउंकेनांही ॥ तवतेगदगदवाणी ॥ मिल्लिउंकुमरकहीनेंरमे ॥ आंसूं
धारवहाणीरे ॥ ७९ ॥ सा० ॥ मानुंनारीमरणलहीएहनी ॥ अन्यथाएहवोन
शोक ॥ शेठकहेंठेकुसलप्रीयानें ॥ जिहाजतेहजकेफोकरे ॥ ८० ॥ सा० ॥ वा
हणतेहजनेंनारीजीवें ॥ सेठकहेंतवइंम ॥ तुमनेंशोककहोहवेस्योछें ॥ जव
सज्जनेंछेषेमरे ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जिमतिमउत्तरनेंपमउत्तर ॥ बोलेकुमरजिवा
रें ॥ सेठकहेसूंनेंमनेंसाषे ॥ मनमांतूंस्यूंधारेंरे ॥ ८२ ॥ सा० ॥ तेमुझगुरुसा
वेंपमिवजिउ ॥ किमगुरुआणाषंमे ॥ नविकहेवानुंपणितेधरणो ॥ आणाइं
कहेवामंमेंरे ॥ ८३ ॥ सा० ॥ जिवितथीनारीजीवेंछे ॥ पणिशीलेंनवीजीवें ॥
सेठकहेकिमजाण्युंतवकहे ॥ कारणथीजिमदिवेरे ॥ ८४ ॥ सा० ॥ किणी
परेंनीपनुंतवतेधरणें ॥ सोजनजिमणथीमांमी ॥ सयलकह्युंजिमछेहलीवारें ॥
सायरतटगयांगंभीरे ॥ ८५ ॥ सा० ॥ अनुक्रमेंजीवतोतूमनेंमिलीउ ॥ वात
तेसर्वप्रकासी ॥ छठेखंमेंतेरमीढालें ॥ पद्मेंवाततेसासीरे ॥ ८६ ॥ सा० ॥ ६ ॥

॥ दुहा ॥ सूवचनउपरिसेठजी ॥ कोप्याजेमकृत्तांत ॥ धरणघरीनिजधाम मां ॥ आव्योरायउपांति ॥ ८७ ॥ वातसयलतिहांविनवी ॥ नरपतीकरवा न्याय ॥ तेमाव्योसूवयणतदा ॥ प्रणमेंआवीपाय ॥ ८८ ॥ पुछेनृपपरगटक हो ॥ सूणीरीघीसफार ॥ केमकमाणातवकहे ॥ हरषीहैयामझार ॥ ८९ ॥ आविरीध्दिकुलअनुंक्रमें ॥ नृपकहेकिहांथीनारि ॥ मातपीताइंमुझनें ॥ परणा वीवड्प्यारि ॥ ९० ॥ सनमुखनरपतीसेठनें ॥ जोवेसांसलीजाम ॥ सेठक हेसूणिसाहिबा ॥ अलिककहेएआंम ॥ ९१ ॥सुवचनकहेसाचुंकिस्यूं ॥ सेठ कहेतवआर ॥ कंचननेंएकांमिनी ॥ धरणतणिअवधारी ॥ ९२ ॥ साचुंएह जसांसलें ॥ सांसलीउपनीशंक ॥ पणिबोलेपरगटपणें ॥ मानुंमननिशंक ॥ ॥ ९३ ॥ ढाल ॥ श्रीनमिजिननीसेवाकरतां ॥ एदेशी ॥ अहोअपुरवतूंहीनि मीत्तिउ ॥ कहोईहांप्रत्ययतासप्साचोजी ॥ राजद्वारएछेतवबोले ॥ सेठसा धारणषासवाचोजी ॥ ९४ ॥ अहो० ॥ एहप्रत्ययजेतेहजजीवे ॥ सु वचनबोलेतामरायाजी ॥ धरणनामकानेंनवीसुणीउं ॥ एतोकहेछेआमता याजी ॥ ९५ ॥ अहो० ॥ परषोतूम्हेंतवतेनरराइ ॥ धरणतेमाव्योपासते हजी ॥ निजनरमुंकिनारितेमावी ॥ आवितिहांउल्लासएहजी ॥ ९६ ॥ ॥ अहो० ॥ इणवीनसेठनेंउपरोधें ॥ आव्योरायहजुरजामजी ॥ पुछेरनारी एनरनो ॥ दिठोकेनहीनुरतामजी ॥ ९७ ॥ अहो० ॥ नारीकहेकहींइंन वीदीठो ॥ पुछेंधरणनेंरायहेजेंजी ॥एतूमचीघरणीकेनांही॥तवकहेधरणतेगाय तेजेंजी ॥ ९८ ॥ अहो० ॥ जेहएणेंकह्युंतेसवीसूणीउं ॥ हवेपुछ्यानुंकांम स्युंछेजी ॥ नृपकहेतेहजमाटेपुछुं ॥ वचनकेनारोसामतूंछेजी ॥ ९९ ॥ अ हो० ॥ धरणकहेतूमआग्रहेंसाषुं ॥ नारीहतीमुझएहआगेंजी ॥ नृपकहेध रणसणीएसूवचन ॥ उलषेकेनहीकेहमागेजी ॥ ४०० ॥ अहो० ॥ धर णकहेनृपएहनेंपुछो ॥ एहकहेतेप्रमाणमाहरेजी ॥ तवसुवयणनेंपुछेसूपती ॥ छेकांईउलषांणताहरेजी ॥ १ ॥ अहो० ॥ सूवचनकहेएकुणनेंजकुंण ॥ रा यकहेएवातरहीजी॥ वाहणमांद्रव्यकिस्योछेदाषो ॥ सूवचनकहेनरतातअही

जी॥२॥अ०॥ कनककइयोदससहससंपुटछे॥ पुछ्यापछीकहेइमधरणोजी॥ रायकहेतसतोलककहोतूम्हे॥कहेनवीजाएंनेमकरणोजी॥३॥अ०॥ निजवस्तुनुं तोलनजाणे॥ तवकहेइमजएहकिधांजी ॥ सूवचननेंसोषेतवबोले॥ धरणेंवचनकर्यांजेहसिधांजी ॥४॥अ०॥नरपतीथाकोन्यायकरंतां॥तवकहेधरणविचारीरंगेंजी ॥ अलिकवादिकुंएहनेंआपो ॥ एधननेंएनारीसंगेंजी ॥ ५ ॥ ॥ अ० ॥ सूवचनकहेमुझआलदेईनें ॥ बोलेछेजुठकेमसांईजी ॥ टोप्पसें ठतवत्रटकीबोल्यो॥ रेपापीकहेइमकांईजी॥६॥अ०॥ एहवुंकरीनेंइमतूंबोले॥ सेठकहेवलीरोसआणीजी ॥ स्यूंबहुबोलेजोएनारी॥ धरणनोसघलोकोसजाणीजी ॥ ७ ॥ अहो० ॥ कहुंएहमांजोजुठुंहोवे ॥ तोघरबारस्यूंजीवआपुं जी ॥ धीजकरावोतेअम्हेंकरीइं ॥ पणिएहनेंअम्हेंखीवनापुंजी ॥८॥ अ० ॥ धरणविचारेएमुझस्येहें ॥ बोलेइणिपरेंतेणमाहरेजी ॥ नघटेउदासपसणेंकरी जंपे ॥ सूणोनृपसरयुंदिव्येएणवारेजी ॥ ९ ॥ अहो० ॥ वाहणमांसोवनसंपुटजेछे ॥ तेहमांधरणमुझनांमहोस्येजी ॥ जोसूवचननिकलेतोएहनुं ॥ रायकहेथयुंकामतोस्येंजी ॥ १० ॥ अहो० ॥ पंचोलीलेवामोकलिआ ॥ लाव्यासंपुटतांमनीरष्याजी ॥ धरणनांमदिठुंनहीजीहारे ॥ लोकथयासहुतामविलषाजी ॥ ११ ॥ अ० ॥रायकहेनवीअलीधादिसे ॥ सूवचनकहेनररायजाणोजी ॥ पणितूमआगलिअलिककहीनें ॥ किमधारेएठायप्राणोजी ॥ १२ ॥ अ० ॥ घरबारनेंजीवकबुलकर्योछे ॥ धरणनेंकहेएकेमरायजी ॥ धरणकहेजुठुंनवीबोलूं ॥ फोडोसंपुटनेंइमतायजी॥१३॥अ०॥ फोड्यासंपुटनामतेदीठुं ॥ कोप्योरायअपारतामजी ॥ महाचोरएवाणीगवेसें ॥ करेअन्यायप्रकारकामजी ॥ १४ ॥ अ० ॥ जमघरिसुवचनसेठपोचावो ॥ अवठिनेंदेअनीकालदिजेंजी ॥ धरणनेंद्रव्यसर्वएसूंप्रो ॥ वलिकहोकांयततकालकीजेजी ॥ १५ ॥ अ० ॥ धरणकहेप्रसूद्रव्येंसरीउं ॥ सूवचनअसयप्रधांनकरिइं जी ॥ चिंतेरायअहोनरअंतर ॥ स्युंएहनेंउपमांनधरीइंजी ॥ १६ ॥ ॥ अ० ॥ नृपकहेधरणएवातअघटती ॥ पणितुझवचनलंघायतिणेंजी ॥

तुझमनमांनेंतिमकरतवते ॥ बोल्योकिथपशायवयणेंजी ॥ १७ ॥ अहो० ॥ छेरखंडेदालचौदमी ॥ समरादित्यनेंरासलाषीजी ॥ पंडीतउत्तमविजयसू सेवक ॥ पद्मविजयसूविलासराषीजी ॥ १८ ॥ अहो० ॥ दुहा ॥ सकुपं चातीसेठीआ ॥ सूवचनलेईसाथि ॥ धरणलेईप्रथवीधणी ॥ सकुगयासरीता नाथ ॥ १९ ॥ संपुटधरणनेंसूंपीआ ॥ सेठेंगणीनेंसर्व ॥ धरणसूवयणनेंधी रता ॥ आपेईमनीगर्व ॥ २० ॥ कुंणनेंदैववशेंकहो ॥ वातखलीतनवीहोय ॥ षेदमुंकिनेंषांतिस्यूं ॥ साहसधरीइंसोय ॥ २१ ॥ लाखसोवनतूंमेनवीलथ्या ॥ आदरमुझनेंआप ॥ ईमसुझनेंतूमेंआषीउं ॥ लाषनोस्योआलाप ॥ २२ ॥ ए हसंभ्रमवयणेंअम्हें ॥ लाषुंतूमईणिसांति ॥ तुममनमांनेतेतलुं ॥ सोवनल्यो थईशांति ॥ २३ ॥ लाज्योसूवचननविलथ्यो ॥ धरणथईतवधीर ॥ आठलखआ वनआपीआ ॥ परनीत्तांजेपीर ॥ २४ ॥ ढाल ॥ गज २ जंजांपालनेवाजे ॥ एदेशी ॥ नृपनेंदेईशनमांन ॥ टोप्पसेठस्यूंआव्यायानरे ॥ जसनो वतिजगमांवाजी ॥ एआंकणी ॥ करीस्नाननेंलोजनकिधां ॥ बहुदानजाचक नेंदिधारे ॥ २५ ॥ जस० ॥ टोप्पसेठनेंचरणेंलागो ॥ टोपसेठकहेस्यूंमागो रे ॥ जस० ॥ कहेधरणजोनकहोनाकारो ॥ तोमांगुंएकजवारोरे ॥ जस० ॥ ॥ २६ ॥ हरषेंकरीचिंतेसेठ ॥ ऊंधन्यसकुमुझहेठिरे ॥ जस० ॥ सूरतरुचिंतामणी सुत ॥ मुझपासमांगेअद्भूतरे ॥ २७ ॥ ज० ॥ कहेसेठसूणोसुविनीत ॥ पुत्रक लत्रनेंएसवित्तरे ॥ ज० ॥ दासत्वनिमीत्तेंजाचो ॥ तोहीमुझमननवीकाचो रे ॥ २८ ॥ जस० ॥ कहेधरणजोईमविचारो ॥ तणिवचनआपोसूखकारो रे ॥ जस० ॥ त्रणवचनदियांतवमांगे ॥ मुझसहसरतनघोरागेरे ॥ जस० ॥ ॥ २९ ॥ दिधांतिहांरयणहजार ॥ तेहमांथीधरणकुमाररे ॥ जस० ॥ लेई आठरतनकरीपुजा ॥ सेठजीतुमसमनहीदुजारे ॥ ३० ॥ जस० ॥ ईणिपरें गुणस्तवनाकरतो ॥ पगविचमांनिजशिरधरतोरे ॥ जस० ॥ मुझएहमारथ नाजाणे ॥ सेठचिंतेतवसमझाणेरे ॥ ३१ ॥ जस० ॥ ठलिउंमुझवचनेंएणें ॥ कि मनाकहेवाइंश्णेंतिणेरे ॥ जस० ॥ सेठेंबहुआदरकरीउं ॥ निजनयरसणीसंचरी

उरे ॥ ३२ ॥ जस०॥ निजनयरनेंबाहिरआवी ॥ मेरादिधासूससावीरे ॥ज०॥
नरपतीतवसाहमोआवइ ॥ महामहोछवस्यूंपधरावेरे ॥ ३३ ॥ जस० ॥ नि
जसूवनेंलावेराया ॥ स्नानभोजनकरतपसायारे ॥ जस० ॥ बहुभूषणनेंब
लीमांन ॥ पोहचाव्यानिजघरियानरे ॥ ३४ ॥ जस० ॥ मायतायनेंहरषन
माय ॥ सहुचैत्येंपुजाविरचायरे ॥ जस० ॥ तेम्यावलीरायनेंघेर ॥ सतकार
कस्योबहुपेररे ॥ ३५ ॥ जस० ॥ परधांनपागीआजेह ॥ सहुसतकास्या
गुसरेहरे ॥ जस० ॥ पुछेहवेमायनेंताय ॥ तुमघरणीकहोकिहांजायरे ॥
॥ ३६ ॥ जस० ॥ कहेधरणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुछोअवदातरे ॥ जस० ॥
जेनारीनेंउचिततेकिधुं ॥ जनकादीकीचारेएसीधुरे ॥ जस० ॥ ३७ ॥ मुद्रा
देउंएहनेंआज ॥ इमचिंतवीतेपुरराजरे ॥ जस०॥ आव्योघरिउठिराय ॥ तव
धरणउचितकरेस्सायरे ॥ ३८ ॥ जस० ॥ आगमनप्रयोजनकहीइं ॥ नृपक
हेमुद्रातूमेलहीइरे ॥ जस० ॥ कहेधरणनमुद्राकाम ॥ एकवातसूणोगुणकाम
रे ॥ ३९ ॥ जस० ॥ कहेरायकहोतेकरीइं ॥ कहेधरणजोमुझआदरीइरे ॥
॥ जस० ॥ तोमुंकोबंदिवान ॥ तुमराज्यमांअलयनुंदानरे ॥ ४० ॥ जस० ॥
रायेंदीधीतवआणि ॥ मुझराज्यमांकिजेंजांणरे ॥ जस० ॥ हिस्यानविकर
ज्योकोय ॥ नहितरनृपदंमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस० ॥ नरपतीनिजथानिक
आस्या ॥ गुणधरणतणाचितलाव्यारे ॥ जस० ॥ बहुकालेमीत्रजेमलीआ ॥
तेहस्यूंक्रीमामांहलीआरे ॥ जस० ॥ ४२ ॥ गयामलयसूंदरउद्यान ॥ तिहां
नागलतानेंथानरे ॥ जस० ॥ नामेंरेविलगकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायोरे ॥
॥ जस० ॥ ४३॥ बहुलालिपालिकरेतास ॥ देषीनेंधरणउदासरे ॥जस०॥ सां
नरीलषमीतेठाम ॥ चिंतेअहोउर्जयकामरे ॥४४॥ जस० ॥ कामीपरमार्थनदे
षे ॥ वैराग्ययकीइमलेषेरे ॥जस०॥ जायआगलिधरणकुमार॥ अशोकश्रेणी
तिणीठाररे ॥ ४५ ॥जस०॥ श्रासुकथानिकतिहांदिठ ॥ हैयमांलागमीठरे
॥ जस० ॥ बहुश्रीसतणोपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकाररे ॥ ज०॥४६॥
अर्हद्दत्तआचारयनाम ॥ नाणीशुभचित्तपरीणामरे ॥ जस० ॥ जित्योजिणे

पुबञ्प्रनंग ॥ पणिइहेञ्प्रनंगसूरवरंगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजासस
रीर ॥ जोईधरणविचारेधीररे ॥ जस० ॥ पनरमीछठेखंभे ॥ पदमेंकहीढाल
ञ्प्रखंभेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ ञ्प्राचारजञ्प्रवलोकिनें ॥ धरणविचारेधन्य ॥ जिवितसफलूंजगतमां
गुणगणजासञ्प्रगन्य ॥ ४९ ॥ कंचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसऊलोक ॥
इंद्रजालपरेंलषे ॥ फिरीकरेंपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुझएहछे ॥ पा
लुंजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानञ्प्राधार ॥ ५१ ॥ निय
माकरीसकोइनही ॥ धरमतेरहेतांधाम ॥ ञ्प्रारंसेंहिंसाञ्प्रती ॥ नहितिहांधर्म
नुंनाम ॥ ५२ ॥ ञ्प्रंतेत्यजवोञ्प्रापणें ॥ कांमनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी
चारीत्रनें ॥ समकूंञ्प्राव्यूंजोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूंपस्यूं ॥ वारुसा
धिवयंस ॥ धरमलाभदिधोधुरे ॥ ञ्प्राचारयञ्प्रवतंस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जी
रेजीरेस्वामीसमोसर्या ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजबउपविसे ॥ गुरुकहेकिहां
थकीञ्प्राव्यारे ॥ धरणकहेञ्प्राव्याइहांथकी ॥ चारीत्रस्यूंञ्प्रम्हेंलाव्यारे ॥
॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एञ्प्रांकणी ॥ ञ्प्रहो २ ञ्प्राकृतीएहनी ॥ ए
हनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ बोल्यामुनीवरछेकरे ॥ ५६ ॥
श्री० ॥ इंद्रीयलालचिछांम्ववी ॥ नविकरवोतेकरवायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक
री ॥ संजमपालवुंथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विषयञ्प्रनादिनीवासना ॥ तजवी
दोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ छांम्युंनछांम्युंसमाणरे ॥ ५८ ॥
श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ ञ्प्रसदालंवनकरतारे ॥ संजमछांम्तेनवीगृहि ॥
मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५९ ॥ श्री० ॥ वेसवनिःफलतसगया ॥ तिणेंतू
लणाकस्यापाषेरे ॥ नघटेघरतूंमछांम्वुं ॥ धरणीतवइमभाषेरे ॥ ६० ॥ श्री० ॥
भगवनतूमेंसाचुंकह्युं ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रछे ॥ तूलनावि
वेकनुंकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ ञ्प्राचारयमनचिंतवे ॥ जाण्योजथार्थसंसार
रे ॥ बोधिलहेजीनधर्मनी ॥ करुंभञ्प्रांसावीस्ताररे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ बुझेजि
ममीत्रएहना ॥ बोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउ ॥ वछधन्यमाता

उरे ॥ ३२ ॥ जस० ॥ निजनयरनेंबाहिरत्र्यावी ॥ मेरादिधासूलसावीरे ॥ ज० ॥ नरपतीतवसाहमोत्र्यावई ॥ महामहोछवस्यूंपधरावेंरे ॥ ३३ ॥ जस० ॥ निजभूवनेंलावेराया ॥ स्नानभोजनकरतपसायारे ॥ जस० ॥ बहुभूषणनेंवलीमांन ॥ पोहचाम्यानिजघरिथानरे ॥ ३४ ॥ जस० ॥ मायतायनेंहरषनमाय ॥ सहुचैत्येंपुजाविरचायेरे ॥ जस० ॥ तेम्यावलीरायनेंघेर ॥ सतकारकस्योबहुपेररे ॥ ३५ ॥ जस० ॥ परधांनपाणीत्र्याजेह ॥ सहुसतकारस्याशुभरेहरे ॥ जस० ॥ पुछेहवेमायनेंताय ॥ तुमघरणीकहोकिहांजायरे ॥ ॥ ३६ ॥ जस० ॥ कहेधरणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुछोत्र्यवदातरे ॥ जस० ॥ जेनारीनेंउचिततेकिधुं ॥ जनकादीवीचारेएसीधुंरे ॥ जस० ॥ ३७ ॥ मुद्रादेउंएहनेंत्र्याज ॥ ईमचिंतवीतेपुरराजरे ॥ जस० ॥ त्र्याव्योघरिउठिराय ॥ तवधरणउचितकरेत्तायरे ॥ ३८ ॥ जस० ॥ त्र्यागमनप्रयोजनकहीई ॥ नृपकहेमुद्रातूमेलहीईरे ॥ जस० ॥ कहेधरणनमुद्राकाम ॥ एकवातसूणोगुणकामरे ॥ ३९ ॥ जस० ॥ कहेरायकहोतेकरीई ॥ कहेधरणजोमुफत्र्यादरीईरे ॥ ॥ जस० ॥ तोमुंकोबंदिवान ॥ तुमराज्यमांत्र्यलयनुंदानरे ॥ ४० ॥ जस० ॥ रायेंदीधीतवत्र्याणि ॥ मुफराज्यमांकिजेंजांणरे ॥ जस० ॥ हिंस्यानविकरज्योकोय ॥ नहितरनृपदंमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस० ॥ नरपतीनिजथानिकत्र्याव्या ॥ गुणधरणतणाचितलाव्यारे ॥ जस० ॥ बहुकालेंमीत्रजेमलीत्र्या ॥ तेहस्यूंक्रीमामांहलीत्र्यारे ॥ जस० ॥ ४२ ॥ गयामलयसूंदरउद्यान ॥ तिहांनागलतानेंथानरे ॥ जस० ॥ नामेंरेविलगकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायोरे ॥ ॥ जस० ॥ ४३ ॥ बहुलालिपालिकरेतास ॥ देषीनेंधरणउदासरे ॥ जस० ॥ सांसरीलषमीतेगाम ॥ चिंतेत्र्यहोउर्जयकामरे ॥ ४४ ॥ जस० ॥ कामीपरमार्थनदेषे ॥ वैराग्यथकीईमलेषेरे ॥ जस० ॥ जायत्र्यागलिधरणकुमार ॥ त्र्यशोकश्रेणीविणीगाररे ॥ ४५ ॥ जस० ॥ प्रासुकथानिकतिहांदिठा ॥ हैयफामांलागामीठारे ॥ जस० ॥ बहुश्रीसतणेपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकाररे ॥ ज० ॥ ४६ ॥ त्र्यर्हदत्तत्र्याचारयनाम ॥ नाणीशुभचित्तपरीणामरे ॥ जस० ॥ जित्योजिणे

पुवअनंग ॥ पणिइहेअनंगसूरवरंगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोपीतजासस
रीर ॥ जोईधरणविचारेधीररे ॥ जस० ॥ पनरमीछेखंभे ॥ पदमेंकहीढाल
अखंमेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दु० ॥ आचारजअवलोकिनें ॥ धरणविचारेधन्य ॥ जिवितसफलूंजगतमां
गुणगणजासअगन्य ॥ ४ए ॥ कंचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंवसङ्गलोक ॥
इंद्रजालपरेंछलषे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुझएहछे ॥ पा
लुंजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५१ ॥ निय
माकरीसकीइंनही ॥ धरमतेरहेतांधाम ॥ आरंभेहिंसाअती ॥ नहितिहांधर्म
नुंनाम ॥ ५२ ॥ अंतत्यजवोआपणें ॥ कांमनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी
चारीत्रनें ॥ समझूंआव्यूंजोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूंपस्यूं ॥ वारुसा
धिवयंस ॥ धरमलाभदिधोघुरे ॥ आचारयअवतंस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जी
रेजीरेस्वामीसमोसस्या ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजबउपविसे ॥ गुरुकहेकिहां
थकीआव्यारे ॥ धरणकहेआव्याइहांथकी ॥ चारीत्रस्यूंअम्हेभाव्यारे ॥
॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एआंकणी ॥ अहो २ आकृतीएहनी ॥ ए
हनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ वोल्यामुनीवरछेकरे ॥ ५६ ॥
श्री० ॥ इंद्रीयलालचिछांमवी ॥ नविकरवोतेकरवायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक
री ॥ संजमपालवुंथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विषयअनादिनीवासना ॥ तजवी
दोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ छांमयुंनछांमयुंसमाणरे ॥ ५८ ॥
श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ असदालंवनकरतारे ॥ संजमछांमितेनवीगृहि ॥
मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५ए ॥ श्री० ॥ वेलवनिःफलतसगया ॥ तिणेंनू
लणाकस्यापापेंरे ॥ नघटेघरतूझछांमवुं ॥ धरणीतवइमसापेरे ॥ ६० ॥ श्री० ॥
भगवनतूमेसाचुंकह्युं ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रछे ॥ तूलनावि
वेकनुंकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ आचारयमनचिंतवे ॥ जाण्योजथार्थसंसार
रे ॥ वोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंप्रशंसावीस्ताररे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ बुझेजि
ममीत्रएहना ॥ वोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउं ॥ वछधन्यमाता

ताहरीरे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ डुरलजबोधितेतेंलही ॥ करीसफलोअवतारेरे ॥ ता
हरुंकारयसीफस्ये ॥ लेतूंसंजमसाररे ॥ ६४ ॥ श्री० ॥ विषयनालालचीजी
वडा ॥ परमारथनवीदेषेरे ॥ इहांदृष्टांततेमाहरो ॥ सांजलोचित्तविशेषेंरे ॥ ६५
॥ श्री० ॥ इणहीजषेत्रमांहिवसे ॥ अचलपुरीनामेंनयरीरे ॥ जितशत्रुतिहांन
रपती ॥ जिणेंजीत्यासजवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतसूततेहनें ॥ स
मरकेतूबिजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजिउ ॥ बिजोकूमरनेंठाणरे ॥ ६७ ॥
॥ श्री० ॥ कुमरनेआप्यूंउजेणीनुं ॥ लोगववालुंराजरे ॥ समरकेसरीनामेंरा
जीउ ॥ थयोउल्लंठतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजिततेउपरें ॥ चढिउए
कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाछोवल्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥ ६९ ॥श्री०॥
धरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेषतोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुंपरगडो ॥ सूरीसर
रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देषीसंवेगतेउपनो ॥ पुछेधर्मविचाररे ॥ देशनादि
इंगुरुतेहनें ॥ ॥ पडीबुज्योतेकूमाररे ॥ ७१ ॥श्री० ॥ चारीत्रषयउपसमथयुं॥
इंद्रजालसमजाणीरे ॥ सविसंसारदिक्षालिइं ॥ तपसंजमकरेनाणीरे ॥ ७२ ॥
॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरतां ॥ पोहतानगरागामेंरे ॥ तिहांउजेणीथीआ
वीआ ॥ साधुवंदनकामेंरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्यराज
गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहछे ॥ वंदेगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुछेगुरु
उजेणीमां ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुंनीकहेसूंदरविहारछे ॥ पणिएकवातवि
चाररे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ छठेखंडेसोलमी ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ श्रोताज
नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरशालरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥ ॥७॥
॥ दुहा ॥ पणिनृपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ लद्रकनहीतसत्ताव ॥ मुनीउपसर्गम
हाकरे ॥ देषीनेंनिजदाव ॥ ७७ ॥ अपराजीतमुनीइंमसुणी ॥ चित्तमांकरे
विचार ॥ समरकेतूसमझिणविना ॥ अहोप्रमादअपार ॥ ७८ ॥ पुत्रनेंपणि
नवीपालवे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउंहुंउजेणीइं ॥ समझावुंशुलसाज ॥
॥ ७९ ॥ साधुद्वेषथीशुलनही ॥ बोधबिजबलिजाय ॥ सकतीछेसमझाव
वा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८० ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउजेणी॥

आर्यराङ्गगच्छअनुंसरी ॥ वसीआकार्यवसेण ॥ ८१ ॥ ढाल ॥ कुञ्जरोमोनें जातिमजाटणी ॥ एदेसी ॥ गोचरीवेलाइंमुनीवरबोलीआ ॥ तूम्हेसांभलणाअ णगार ॥ आहारआणीतूम्हनेंअमेआपीइं ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥ मुनिवरस्याद्वादिसमफेसङ्ग ॥ एआंकणी ॥ कहेहुंआत्मलब्धिकहुंतिणेंकरी ॥ देषाओतूमजेह ॥ थापनाकुलतिहांजावुंनवीघटे ॥ मुकेंचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥ ॥ मु० ॥ कुलदेषाडीनेंवलीवारीआ ॥ एहप्रत्यनीकनुंगेह ॥ इंमकहीनेंचेलोपा छोवल्यो ॥ पेठातिहांहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेशब्देंधर्मलाभदिउ ॥ दे षीअंतेउरनाम ॥ अहोमुनीनेंकरस्येंकदर्थना ॥ जाणस्येकूमरतेजाम ॥ ८५॥ मु० ॥ संज्ञाकरेजेजाउवहेलाफरी ॥ बधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलाभकरयोतेह थीआकरो ॥ जिमतेकूमरसूणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोड्या तिहां ॥ मनमांहरषनमाय ॥ देईद्वारनेंअतीसयमुनीतणें ॥ वंद्यामुनीतणापा य ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलाभदिधोतवबोलीआ ॥ नाचोतूम्हेअमपास ॥ मुनी कहेगीतवाजित्रविणनाचवुं ॥ किमसोभेसुविलास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर कहेअमेगीतवाजीत्रकरुं ॥ मुनीकहेतामश्रीकार ॥ विषमतालगीतवाजित्रइं एंकरयुं ॥ कृत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरषगोपनाछोकरा ॥ नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेंनचाववाङ्गंसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजा ण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोडीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवंत ॥ अ वरउपायनहिंइहांकामनो ॥ चिंतवेइणिपरेंचित ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलघ णंनिजुधव्यापारमां ॥ हलूइंएकनेंझालि ॥ सांध्योसर्वउतारीअंगनी ॥ बि जोआव्योतसढाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिइंकरयो ॥ उपा सीहवेबार ॥ निजठामेंजईएकांतिकरे ॥ सझायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कु मरपड्याहवेहालेचालेनही ॥ दिठासहुपरीवार ॥ पांणीइंसीचेंतनुंउलासतां ॥ बोलेनजामलगार ॥ ९४ ॥ मु० ॥ रायपुरोहीतनेंसंभलावता ॥ सूणोइणिव्यति करेएह ॥ साधुइंकुमरकरयाइणविधयकी ॥ भूपतिखबरिकरेह ॥ ९५ ॥ मु० ॥ भूपसूरीपासेंजईप्रणमीआ ॥ भगवनखमोअपराध ॥ कहेबालक

नोतवसूरीबोलीआ ॥ अमेजाणुंनहीसाध ॥ ए६ ॥ मु० ॥ तववृत्तांतस
ऊराइंकह्यो ॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ अप्रतीबंधीनिजतनुउपरें ॥ साधेतत्वअ
माय ॥ ए७ ॥ मु० ॥ नितपरलोकथीबिहेमुनीवरा ॥ खमतासमतारेसाव ॥
प्राणनासयथीडुखदेवेनही ॥ एउत्सर्गस्वभाव ॥ ए८ ॥ मु ॥ पणिकोईआच
रीउंअपवादथी ॥ होयतेपुछुंरेसाध ॥ इंमकरीपुछेसघलासाधनें ॥ पणितेक
हेनिराबाध ॥ एए ॥ मु० ॥ एहवातमांअमेंजाणुंनही ॥ सूरीकहेमहाराय ॥
एअममुनीइंतोकिधुंनही ॥ नृपकहेजुठनथाय ॥ ५०० ॥ मु० ॥ सूरीक
हेएकमुनीवरप्राऊणा ॥ किधुंहोयजोतेण ॥ रायकहेतेसाधुकिहांअछे ॥ उ
इनेंपुछुंऊंजेण ॥ १ ॥ मु० ॥ एकमुनीवरेंजइतेहनेंदाषव्या ॥ सालतरुतलेता
म ॥ ध्यानधरमनुंमुनीवरधारता ॥ देषेनरपतीजाम ॥ २ ॥ मु० ॥ उलषीमु
नीवरनेंचितलाजिउ ॥ प्रणम्योसायनापाय ॥ धर्मलाभदेइनेंइंमकहे ॥ सांभ
लिरेमहाराय ॥ ३ ॥ मु० ॥ छठेखंडेंसत्तरमीकही ॥ ऊत्तमएहवीढाल ॥ प
द्मविजयकहेश्रोतासांभलो ॥ आगलिवातरसाल ॥ ४ ॥ मु० ॥ ॥ध॥
॥ऊहा॥ जुगतूंकारजजालव्युं ॥ मुनीउपसर्गमहंत ॥ करतांवास्याकांयन
हि ॥ निजराज्येंनिरषंत ॥ ५ ॥ कुमरअनाषतेकिधला ॥ तवजलसरी
आंनेत ॥ नृपकहेलाज्योमुनीवरु ॥ अधीकक्करयुंअमहेत ॥ ६ ॥ अनुंमह
कीजेंअमतणी ॥ दोषतेखमोदयाल ॥ कुमरअंगसाजांकरो ॥ एहवुंनहीकरे
आल ॥ ७ ॥ संध्योतोसाजीकरुं ॥ मुनिवरकहेमहाराय ॥ अमचीदिक्षाआ
दरे ॥ नकरेफरीअन्याय ॥ ८ ॥ नृपकहेम्हेंआज्ञाकरी ॥ पणतसजोउंपरि
णाम ॥ मुनीकहेपुछोकुमरनें ॥ सूपतीपसणेंताम ॥ ए ॥ बोलीनसकेबापमा ॥
साधुइंकरयोपसाय ॥ अवनीपतीस्यूंआवीआ ॥ गवाकुमरनेंगाय ॥ १० ॥
जोगीसरध्यानेंजिस्यो ॥ दिगकाष्टदशाय ॥ बोलेप्राणेंबलथकी ॥ एह
वाकीधाआय ॥ ११ ॥ ढाल ॥ सेत्रुंजागढनावासीरेमुजरोमानज्योरे ॥
एदेशी ॥ मुनिवरकहेसूणोवाणीरेमुनीकदर्थनारे ॥ तेतरुफूलएफलतोनरगनी
वेदनारे ॥ तेहनोपश्चातापजोहोय ॥ तोसाह्यकारीयाउंपरलोय ॥ १२ ॥ चर

एनीसेवासारीरेसवडखकापस्येरे ॥ उपद्रवसघलाटालीरेशीवसूखश्रापस्ये
रे ॥ कुमरकहेप्रसूकरोउपगार ॥ लाज्याश्रम्हेश्रमचेश्राचार ॥ १३ ॥
॥ च० ॥ लेस्यूंदिक्षापामीरेमातपीतानणीरे ॥ श्राणातवतेबोल्यारेदिधागुरुलणी
रे ॥ जोम्यांश्रंगनेंगुंणसंघात ॥ लिधीप्रव्रज्याकरीप्रणीपात ॥ १४ ॥ च० ॥
दिक्षापालतातारावेंरेविऊजणनेंतदारे ॥ केईकदिनगयाजामरेहवेसूणोएकदारे॥
कर्मउदइंपुरोहीतकुमार ॥ जाण्यूंजद्यपीधर्मनुसार ॥ १५ ॥ च ॥ प्राणेंदिक्षा
दिधीरेइंममनश्राविउरे ॥ गुरुउपरिद्वेषजाग्योरेपणिनखमावीउरे ॥ इग्रानदे
वलोकेंउपनोदेव ॥ रतिसागरमांपम्योततषेव ॥ १६ ॥ च ॥ एकदिनश्रप्स
रासाथेंरेबेठाउपनोरे ॥ दिनसावचलीनीछारेकामरागनीपनोरे॥ कंप्याकल्पवृ
क्षदेषाय ॥ सूरसीकुसूममालाकमलाय ॥ १७ ॥ च ॥ लाजनेंसोसानाठीरेदे
वडुष्यजषस्यारें ॥ कोपकरेघणोश्ररतीरेनयनसम्यांजीस्यारे ॥ हेइंउपनोषेद
तिवार ॥ देविउविलपेतिमपरीवार ॥ १८ ॥ च ॥ इंमश्रज्ञानेंविलपुरेसातासीइ
हारे ॥ तिर्थंकरपश्रनासरेपुछुंजईतिहारे ॥ किहांउपजीसऊचिंतेदेव ॥ सूलस
डलसबोधीजीनदेव ॥ १९॥ च० ॥ श्राव्योपूर्वविदेहेरेजिनवरनेंनम्योरे ॥ पु
छ्यापछीकहेजिनजीरेउपजस्योतूम्हारे ॥ जंबुधीपनासरतमक्षारि ॥ कोसंबी
नगरीश्रवधार ॥ २० ॥ च०॥ थाईसतुडर्लसबोधीरेगुरुद्वेषेंकरीरे ॥ इत्यादिक
सवपहीलोरेसाष्योतसचरीरे ॥ सांसलीकहेश्रहोगुरूप्रत्यनीक ॥ श्रप्तेंएवमां
उदयनीलीक ॥ २१ ॥ च० ॥ श्रालोकनोउपगारीरेजिनकहेजाणीइंरे ॥ स्यो
तसप्रत्युपकारेंरेकहोनेंवषाणीइंरे ॥ परलोकउपगारनीसीवात ॥ टालेश्रन्नाण
नेंमीथ्यात ॥ २२ ॥ च० ॥ सूवीहीतकिरियाश्रापेरेयापेगुणलणिरे ॥ जनम
जरानेंमरणरेरोगसोगश्रवगुणीरे ॥ टालेजेसंशारश्रावास ॥ शाश्वतसूखपामें
सूविलास ॥ २३ ॥ च० ॥ एहवागुरुनेद्वेषेंरेगुणद्वेषीथयोरे ॥ पूर्वथीविपरी
तथाइंरेश्रतीसंशारसयोरे ॥ देवकहेप्रसूसाचुंएह ॥ किहांरेएकहोकर्मनोछेह
॥ २४ ॥ च० ॥ प्रसूकहेलगतासवमारेश्रंतएहनोथस्येरे ॥ मुगोविजुंनामरे
तुझभ्रातावस्येरे ॥ देवकहेपहेलूरयूंनाम ॥ जिणेंबीजुएलाषोस्वामि ॥ २५ ॥

च० ॥ पहेलुंनामअशोकरेजिनजीकहेहतूरे ॥ सांभलितेहनुंहेतूरेमुंगोजि
मथतूरे ॥ कोसंबीएहजपुरसार ॥ अतितकालनीवातविचार ॥ २६ ॥ च० ॥
तापसनामेंसेठरेदानादिककरेरे ॥ पणिपरमादितेहरेद्रव्यघणोधरेरे ॥ करतो
नीत २ बद्भुव्यापार ॥ आरतध्यानधरेतेअपार ॥ २७ ॥ च० ॥ घरसूअरथ
योमरीनेंरेनिजघरदेषीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेतासविशेषीनेंरे ॥ एकदिनबा
पनोदिवशतेआय ॥ भोजननीवेलाजवथाय ॥ २८ ॥ च० ॥ षीरसवावेला
जामरेआवीढुकमीरे ॥ मांझलेईमार्जाररेचाल्योदमवमीरे ॥ तवसूपकारीचिंते
मन्न ॥ वेलाअतिक्रमचढ्योबहुदिन्न ॥ २९ ॥ च० ॥ गृहपतीनातवसयथी
रेसूअरमारीउरे ॥ मांशतेराध्युंतामरेक्रोधेंहकारीउरे ॥ उपनोमरीनेंतेहजगे
ह ॥ सूअरनागपणेंथयोतेह ॥ ३० ॥ च० ॥ एहघरनेंसूपकारीरेदेषीउपनुं
रे ॥ जातिसमरणज्ञानरेनागनेंनिपनुंरे ॥ कर्म्मविचित्रथीनथयोक्रोध ॥ अनु
कंपाउपनीथयोबोध ॥ ३१ ॥ च० ॥ रांधिणसापनेंदेषीरेकोलाहलकर्योरे ॥
सहुतिहांदोमीआव्यारेअहीजमघरिधर्योरे ॥ तिहांतसनीर्जराथईअकाम ॥
मनुजआयुबांध्युंअसीराम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नागदत्तइंणिनामेंरेनीजसूतका
मिनीरे ॥ बंधुदत्ताउरेंआयोरेजनम्योजामिनीरे ॥ अशोकदत्तदिधुंअसीधा
न ॥ वरसएकवोलेथईसान ॥ ३३ ॥ च० ॥ मातपितासूपकारीरेदेषीनेंबली
रे ॥ जातिसमरणपाम्योरेइमकहेकेवलीरे ॥ कर्मअचिंत्यनीशक्तिनिहालि ॥
पुत्रवधुतेमातासालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूतनेंतातनीहालीरेमहावैरागीउरे ॥
मातापीताकिमसाधुंरेइममनलागीउरे ॥ मौनपणुंधर्युंजाणीजाम ॥ मुगोना
मप्रसीधथयोताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढालअढारमीएहरेउगरवंभमारे ॥
समरादित्यनेंरासेंरेरंगअरवंभमारे ॥ श्रीगुरुउत्तमवीजयनोसीस ॥ पद्मविजय
कहेसुणतजगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ केवलज्ञानीइंमकहे ॥ बोल्याबारवरीस ॥ चौनाणीचारीत्रीउ ॥ मे
घनादसूमुनीश ॥ ३७ ॥ आव्यातेउद्यानमां ॥ बारुवयणविन्यास ॥ सूमं
गलसाधुउीरें ॥ सिषविआसूतसास ॥ ३८ ॥ नागदत्तघरिनिरषज्यो ॥ आं

गणेंबेगेश्राय ॥ अशोकदततसईमकहे ॥ चेतनसूणिचितलाय ॥ ३ए ॥ गु
रुजितुऊनेंग्यानथी ॥ कहेसुणितापसकाम ॥ मौनधरेस्यूंमनथकी ॥ धर्मक
रोगुणधाम ॥ ४० ॥ सूअरसापनेंपुत्रसुत ॥ मरीनेंकरमपशाय ॥ तहत्तीक
रीमुनीतिहांगया ॥ संसलाव्योसदलाव ॥ ४१ ॥ यतः ॥ तावसकिमिमिण
मुणवएण ॥ पमीवज्जाणिउंधम्मं ॥ मरीउणसुअरोरग॥ जाउपुत्तसपुत्तोत्ति
॥ १ ॥ ढाल ॥ मनमोहनांजिनराया ॥ एदेशी ॥ कहेमुंगोकरीपरिणाम ॥ क
होतेंगुरुछेकिणगामरे ॥ गुरुवंदिईशुससावे ॥ जिमसवसयडखमांनावेरे ॥
॥गुरु०॥ एआंकणी ॥ ईहांचैत्यछेशक्रावतार ॥ मुनीकहेतिहांगुरुगुणधाररे॥
॥ ४२ ॥ गु० ॥ मुंगोकहेचालोजईई ॥ गुरुप्रणमीनेंसूखपईईरे ॥ गुरु० ॥
विस्मीतमुंगानोपरीवार ॥ जांणेंजायतोअवलविचाररे ॥ ४३ ॥ गु० ॥ जई
प्रणम्योगुरुनापाय ॥ धर्मलासदिईगुरुरायरे ॥ गु ॥ पुछेतवमुंगोस्वामी ॥ कि
मअतितवातुमेपामीरे ॥ ४४ ॥ गु ॥ गुरुकहेअमेनाणथीजाणुं ॥ नाणअ
तिसयएहवषाणुंरे ॥ गु० ॥ प्रतिबोधथस्येईमजाणी ॥ गुरुसाषेंधर्मनीवाणी
रे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ मुंगोप्रतीबोधतेपाम्यो ॥ पणिमुंगोनामनवाम्योरे ॥ गु०॥
ईमविजुंनामतेजाणो ॥ सांसलीकहेहर्षसराणोरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ प्रतिबोधल
हीससीरीतें ॥ प्रसूपद्मनासकहेनीतेंरे ॥ गु० ॥ वैताढ्यमांहितुम्हेंदेषी ॥ निज
कुंम्मलजुगलवीशेषीरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥ प्रतिबोधतीहांतूमथास्ये ॥ मीथ्यामत
दूरपलास्येरे ॥ गु० ॥ सुणीवंदनाप्रसूनेंकीधी ॥ गयोकोसंवीसुप्रसीद्धीरे ॥
॥४८॥ गु० ॥ मुंगानेंदेषीसाषे ॥ तूऊथीप्रतीबोधप्रसूदापेरे॥ गु० ॥ मुऊवुऊ
वजेनिरधार ॥ तवबोल्योमुंकविचाररे ॥ ४ए ॥ गु० ॥ उद्यमकरूंसक्तिप्रमा
णें ॥ सुरलेईगयोवेअढाणेंरे ॥ गु० ॥ कुटसीखायतनदेपाव्यो ॥ वलिवाततेई
मसुणाव्योरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ रयणावतंशकनाम ॥ एकुंम्मलजुगलउद्दामरे ॥
गु० ॥ कुंम्मलवलीकुटएदोय ॥ मुऊअतीसयवल्लसजोयरे ॥ ५१ ॥ गु० ॥
शल्लासमुहविवरनेंदेशें ॥ तिहांकुंम्मलदेवनीवेशेंरे ॥ गु० ॥ आपेंचिंतामणीर
यण ॥ पछेंसाषेंएहवुंवयणरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ जेंचिंताकरीईतेह ॥ एकदिनें

एकपुरेंतेहरे ॥ गु० ॥ एहनीशकतेंवैताढेंजाजे ॥ मुऊनेंकुंमलदेषाजेंरे ॥
॥ ५३ ॥गु० ॥ मानीएऐंएवात ॥ कोसंबिगयासूखसातरे ॥ गु० ॥ देवताग
योत्र्प्रापवीमान ॥ अनुंक्रमेंचवीउतिणथानरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ बंधुमतीकुषें
आयो ॥ एकदोहदतासमुहायोरे ॥ गु० ॥ सरदकालेंसहकारनीडा ॥ पणि
नीपजेनवीतसवंगरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ गरसपीमापाम्योनास ॥ डुखलथईना
रीनीरासरे ॥गु०॥ मरस्येंएनीश्चयनारी ॥ ईमलोकेवातविचारीरे ॥ ५६॥गु०॥
मुंगोचिंतेमायस्नेह ॥ जिनवाणीनअन्यथारेहरे ॥ गु० ॥ अन्यथावेअढन
जवाई ॥ ईमचिंताचित्तमांलायरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ चिंतामणीपासेंमांगी ॥ दो
हदपुरेंघमसागीरे ॥गु०॥ अनुंकरमेंजायोपुत्त्र॥नामअरहदत्तदिउजुत्तरे॥५८
॥ गु० ॥ अशोकदत्तगुरुनेंचरणें ॥ बालकनेंलगावेशरणेंरे ॥ गु० ॥ तवबाल
करावामांमे ॥ नित २ ईमकालगमामेंरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ कुमरपणंपाम्यो
जिहारें ॥ नित्तधर्मसूणावेतिहारेंरे ॥ गु० ॥ गयोकालकेतोइकईम ॥ नवीला
गोधर्मनोप्रेमरे ॥ ६० ॥ गु० ॥ एकदिनवलीअशोकदत्त ॥ पुरवसवनीकहे
वत्तरे ॥ गु० ॥ पणिअरहदत्तनेंअंग ॥ नवीलागोधरमनोरंगरे ॥ ६१ ॥ गु० ॥
उलटुंकहेमुकनेंईम ॥ विलापकरेंठेकेंमरे ॥ गु० ॥ अहोकरमपरणतीनीश
क्ती ॥ अशोकदत्तकरेंव्यक्तीरे ॥ ६२ ॥ गु०॥ ईमचिंतवीवैराग्यपांमी॥आरंस
परीग्रहवामीरे ॥ गु० ॥ लिधोईणिसंजमसार ॥ अरहदत्तपरण्योवधुच्याररे
॥ ६३ ॥ गु० ॥ सोगसोगवतांकेईकाल ॥ थयोदूरलसबोधीनिहालरे ॥ गु०॥
चारित्रनीरतीचारपाली ॥ अशोकदत्तपापनेंगालीरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ काल
करीनेंदेवताथाय ॥ अशोकदत्तमुनीरायरे ॥ गु० ॥ पन्नेंउगणीसमीढाल ॥
कहीठेषेमेरशालरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ ॥ दुहा ॥ पंचत्वभ्रातापामीउ ॥ अर
हदत्तेंसूण्यूंईम ॥ शोकथयोतेहनेंसबल ॥ पामीबहुलोप्रेम ॥ ६६ ॥ पंचम
कल्पतेपामीउ ॥ आव्योतसउपयोग ॥ अरहदत्तनोअवधिथी ॥ जाण्योसघ
लोजोग ॥ ६७ ॥ करुंउपायहवेआकरो ॥ जिमबुझेएजीव ॥ व्याधीविकु
र्विवेगस्यूं ॥ आण्यूंदूखअतीव ॥ ६८ ॥ ढाल ॥ बेमलेसारघणोठेराजवातां

केमकरोगे ॥ एदेशी ॥ षगसूळिनेंथांसाऊञा ॥ बांहितेजेहवीदोरमी ॥ लोचनमीचाणांजमजीहा ॥ पेटजीसिगागरमी ॥ ६७॥ श्रीगुरुत्र्याशातन फलएहप्राणीकिमहीनबुझे ॥ एत्र्यांकणी ॥ निद्रानाठिश्रावीश्ररति ॥ वेदना थीलक्षोषेद ॥ वैद्यतेमावीद्रव्यसऊघरनो ॥ श्रापीकहेतससेद ॥७० ॥ श्री०॥ टालोवेदनतिणेंपणिमांग्या ॥ उषधनाउपचार ॥ कांयविशेषपथ्योनहीतेह थी ॥ वैद्येंकरयोपरीहार ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ तिव्रवेदनथीइंणिपरेंबोले ॥ इक दिनपणिनरहाइं ॥ तिणेंऊंश्रगनीमांपेसीमरस्यूं ॥ सूणिबांधवरवेदाय ॥ ७२॥ श्री० ॥ मुर्छापामीपलीरोवे ॥ रोवेसऊपरीवार ॥ इंणिसमेंसबरवैद्यनेंरूपें ॥ श्राव्योसुरश्रवतार ॥ ७३ ॥ श्री ॥ षांधेंकोथलोश्ररहदत्तना ॥ घरपासेंजई बोले ॥ सबरवैद्यऊंविद्यासागर ॥ कोईनहीमुफतोले ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ सी सवेदनाटालुंषसनें ॥ बहिरतिमिरवलीटालूं ॥ शूलनेंउदरव्यथामलव्याधी ॥ टालूंकऊंतेपालूं ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ बोलाव्योसूणीनेंबऊमांनें ॥ परीजनकहेसू णिवैद्य ॥ मुहमांग्युंतुमनेंश्रापीस्यूं ॥ जलोदरटालोएसद्य ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ तेहकहेऊंधरमवैद्यछुं ॥नहिंऊंद्रव्यनोलोही ॥ कष्टसाध्यएव्याधीछेसुणज्यो॥ति णेंसूषथीनवीसोही ॥ ७७ ॥ श्री० ॥ इहसवनेंपरसवनीश्राणं ॥ त्यजवुंप मस्येलाई ॥ इहलोकेंकुपथ्यश्राहारादिक ॥ धातूकोपजिणेंवाइ ॥७८॥ श्री० ॥ परसवनुंजेपापनकरवुं ॥ तेहनियाणंटालो ॥ इहलोकपणिपरलोकसंबंधे ॥ तिणेंइहलोकश्रजुश्रालो ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ तेहमांमुख्यमीथ्यातनीवारो ॥ समकीतस्यूंचितलावो ॥ ज्ञानक्रीयाश्रभ्यासकरावो ॥ श्रारंभसऊवरजावो ॥ ॥ ८० ॥ श्री० ॥ प्रथमचरमपोरसीइंकरवो ॥ चितमलशोधनकारी ॥ जिन वरवयणसफायसलेरो ॥ बिजीपोरसीश्रर्थकारी ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ हिंसाश्र लिकश्रदत्तनेंश्रब्रम्ह ॥ मूर्छापरीग्रहवारो ॥ करवुंनहीवलीरात्रिभोजन॥ सम तामार्दवधारो ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ मायाटालीलोभनकरवो ॥ वसवुंवनसमश्रां नें ॥ चित्तनीरीहपणेंवलीरहेवुं ॥ श्रप्रतीबंधविधानें ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ भाव जलोदरटालूंइंणिपरें ॥ तोद्रव्यनोस्योभार ॥ सांभलिपरिजनइंमविचारे॥ मर

वाथीएसार ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनेंसाथेपरीजन ॥ मरणथीएहजवा
रु ॥ अरहदत्तचिंतेएमरणथी ॥ अधिकीवातविचारु ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ प
णिउपायनहिबीजोएहनो ॥ तिणेंहाकारकहायो ॥ वैद्यकहेमुफशकतीतो
देषो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योतूम्हेंसघला ॥
कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसंगत्यजजेश्हसवनी ॥ वस्तुनमनमांमुणजे
॥ ८७ ॥ श्री० ॥ मुफनेंमतमुंकेतूंमाहरुं ॥ कह्युंतेकरज्येसाई ॥ इंमकही
मंत्रमंमलआलेष्युं ॥ अरहदत्ततिहांगाई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नगरलोकसङ्क्रम
लिउजोवा ॥ उषधमंत्र्यांतिणें ॥ उज्वलवस्त्रउढामकरीनें ॥ मंत्रजप्योहवेंइ
णें ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवशकतिथीकोलाहलकरे ॥ सेरवशब्दतेमुंकें ॥
पृथवीआलोटीनेंउठें ॥ देवशकतीनवीचुके ॥ ९० ॥ श्री० ॥ विसमीढालें
एढठेरखंमें ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पंमीतउत्तमवीजयनोजंपे ॥ पद्मविजयसू
विलास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ रुपधरीव्याधीरह्यो ॥ बङ्कलीमलजंबाल ॥ डरसीगंधदयामणो ॥
सीसणअतीसयलाल ॥ ९२ ॥ आपसरीसअठएकसत ॥ व्याधीरुपपरीवार
॥ पापविपाकमानुंपरिवस्यो ॥ देवनीशक्तिउदार ॥ ९३ ॥ अचरिजजनदेषी
इस्यूं ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दिठुंनहींनहींदेषस्यूं ॥ जोपेंएहवुंजोय ॥ ९४ ॥
रोगरूपकुणेंनिरषीउ ॥ सबरवैद्यसूखकार ॥ आविउंघअवलपरें ॥ पांम्यो
डुखनोपार ॥ ९५ ॥ वैद्येंपमीबोलोवली ॥ सासेइंणिपरेंसास ॥ पापव्याधीतूंपेष
ज्ये ॥ काढितुफसकासि ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ केसरवरणोहोकेकाढिकसूबोमेरालाा
ल ॥ एदेशी ॥ हवेंइंमकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥ मारालाल ॥ फिरीनवीव
लगेहोकेडष्टउपाधी ॥ मा० ॥ आरोग्यसूखनोहोकेदेशतूंपाम्यो ॥ मा० ॥ पापक
रमनिहोकेव्याधीतवाम्यो ॥ मा० ॥ ९७ ॥ हवेतूंकरजेहोकेइंणिपरेंकाम ॥ मा० ॥
मुलउछेदेंहोकेंपापनुंगाम ॥ मा० ॥ जेहथीपामेंहोकेसूखअनंत ॥ मा० ॥ ज
नमजरानेंहोकेमरणनङ्कंत ॥ मा० ॥ ९८ ॥ तुफपरेंमुफनेंहोकेइंणिइंग्रहीउ ॥
मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेडखबङ्कसहीउ ॥ मा० ॥ करतांमुफनेंहोकेतासउ

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ए९ ॥ ओषटालवा
होकेऊंअजोग ॥ मा० ॥ वरतूंइणीपरेंहोकेमाहरासोग ॥ मा० ॥ तूंपणिउत्तम
होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुझपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ १०० ॥
लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउगाह ॥ मा० ॥
जिनशासनमांहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥ मा०
॥ १ ॥ अनुंक्रमेंसयलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुझजातिनोहोके
वांकतेथाय ॥ मा० ॥ संजममुझथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम
होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंल्योसंजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥
माहरीसाथेंहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूझहोकेंसाईइलिधी ॥ मा०॥
दिक्षातुझपणिहोकेलेवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेंतवहोकेंमान्युंएह ॥मा०॥
कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावें ॥
मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई
तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिंद्याहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिंगतेंगमीहो
केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणोहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें
व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनंद्योहोकेदुखवहुदिधो॥मा०॥वैद्यनेंषोलेहोकेतसप
रीवार॥मा०॥ लाधोतेहहोकेदेवविचार॥मा० ॥६॥वैद्यनेंसाथेहोकेफिरीरोगआ
व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणोहोकेकुप
थ्यकिधुं ॥ मा० ॥ परीजनकहेषरुहोकेदुखइणिलीधुं ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच
रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा० ॥ पणिउपगारीइहोकेमोहटातूम्हे ॥ मा० ॥ सब
रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपंचहोकेसूरदिइसीक्षा ॥ मा० ॥८॥
व्रतइगविणहोकेलीधुंफेरी॥मा०॥शांतीकरीगयोहोकेवैद्यतेप्रेरी ॥मा०॥वलीघ
रिआव्योहोकेचारीत्रमुंकी ॥ मा० ॥ देवताइजाण्यूंहोकेगलिउथुंकी ॥ मा०
॥ ९ ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिवरसावें ॥ मा० ॥ बांधववोल्याहोकेकिमफिरी
आवे ॥ मा० ॥ अवगुणयाइहोकेकिमनवीजाणे ॥ मा० ॥ एहनुंवयणतेहो
केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुंदिशे ॥ मा० ॥ बो

व्योतवतेहोकेविश्रवाविसें ॥ मा० ॥ लावोवैद्यनेंहोकेकहेस्येजेह ॥ मा० ॥
करस्यूंप्रेमेंहोकेसाचुंतेह ॥ मा० ॥ ११ ॥ बंधवेषोलतांहोकेदिगेजाम॥मा०॥
कहेमुखनीचुंहोकेकरीनेंताम ॥ मा० ॥ मातुंकीधुंहोकेकिरीयानकरी॥मा०॥
रोगउपनाहोकेकायाविफरी ॥ मा० ॥ १२ ॥ कहोउपायहोकेसवरतेबोले ॥
मा० ॥ विषयलोलपहोकेएहअतोलें ॥ मा० ॥ उद्यमहीणोहोकेनहीउपाय॥
मा०॥थास्येआगलिहोकेबहुअपाय॥मा॥०१३॥ नरकतिरीनांहोकेदूखबहु
खमस्यें॥मा०॥ पुठेएहनेंहोकेजुउकांयगमस्यें ॥मा०॥ तूमआपहथीहोके
करुंवलीसाजो ॥ मा० ॥ मुफस्यूंहिमहोकेतोरहेताजो॥मा०॥१४॥ जईसंसला
व्युंहोकेमान्युंप्रांणें ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणिहोकेहवेममप्रांणें ॥ मा० ॥ जेजे
कुंकरुंहोकेतेतेकरज्ये ॥ मा० ॥ मुफथीअलगोहोकेपणमतरहेज्ये ॥ १५ ॥
मा० ॥ हाहासएतोहोकेकीउनीरोगी ॥ मा०॥ लोकेंसाध्योहोकेमथएसोगी ॥
मा० ॥ वेद्येंआप्योहोकेकोथलोहाथें ॥ मा० ॥ नयरथीनीकल्योहोकेलेईनें
साथें॥ मा० ॥ १६ ॥ ढगेरवंमहोकेसाषीढाल ॥ मा० ॥ एएकवीसमीहोके
वातरसाल ॥ मा० ॥ दोहिलोबुफेहोकेडरलसबोही ॥मा० ॥ पणितसदेवताहो
केकरस्येसोही ॥ मा० ॥ १७ ॥ ॥ ७॥ ॥श्री॥
॥ डुहा ॥ गांमांतरहवेतेगया ॥ सूरमायाकरेसार ॥ धुमतणाअंधारथी ॥ द
ष्टिडरवदातार ॥ १८ ॥ वंसफूटेज्वालावली ॥ शुष्कचलेअसमांन ॥ बलतूंगा
मबतावीनें ॥ चाल्योतेहअचान ॥ १९ ॥ तृणसारोशिरतोलीनें ॥ अरहदत्त
कहेआंम ॥ उल्हाईतृणथीअगनी ॥ कहोकिमकरोएकाम ॥ २० ॥ सूरक
हेतूंईमसमफणो ॥अगनीनबुफेईम ॥ देहईधणलेईदाहमां ॥ कहोघरिजाईके
म ॥ २१ ॥ क्रोधअनलजिहांकिणघणी ॥ आवेपवनअन्नाण ॥ बहुप्राणीब
लतातीहां ॥ नवीआवेतूफनाण ॥ २२ ॥ बोलीनसक्योबापमो ॥ पणिनवीबु
फ्योपहाण ॥ आगलिचालीआविआ ॥ महोकमकरीमंफाण ॥ २३ ॥ढाल॥
बलीहारीरेतूंफवेषनीरे ॥ एदेशी ॥ हारे२देवतारे ॥ उनमारगतिहांचालीउरे ॥
कंटकाकुलसूगमरेलाल ॥ किमपंथथीकुपंथेंव्रजोरे ॥ अरहदत्तकहेतामरेला

ल ॥ २४ ॥ गुरुआशातनमतकरोरे ॥ एआंकणी ॥ हांरे२देवकहेतूंजाणेइंम षहूंरे ॥ नविजाईइंउनमग्गरेलाल ॥ तोकिममोक्षमारगतजोरे ॥ किमसंसार मांलग्गरेलाल॥२५॥गु०॥हांरे२दे०॥इंमसूणीमौनकरयुंतिणेरे॥पणिनवीबुझ्यो तेहरेलाल ॥ आगलिजायतवदेखतोरे॥ सूअररूपकरेहरेलाल॥२६॥गु०॥ हां रे२दे० ॥ विविधजातिकणकूंमनेरे ॥ छांमीअशुचीदुर्गंधरेलाल ॥ विष्टास्यूंरा चिरह्योरे ॥ करीगाढोप्रतिबंधरेलाल ॥ २७ ॥ गु०॥ हांरे२दे०॥ अरहदत्तदेषी वदेरे ॥ अहोएहनोअविवेकरेलाल ॥ कणमुंकीविष्टाखषेरे ॥ सूरकहेसूणितू छेकरेलाल ॥ २८ ॥ गु० ॥ हांरे२दे० ॥ कहेतूंजाणेछेषरोरे ॥ तेकहेस्यूंछंअ जाणरेलाल ॥ सुरकहेमुनीसुखछांमीनेरे ॥ तूंकिमथयोअन्नाणरेलाल ॥ २९॥ ॥गु० ॥ हांरे२दे० ॥ अशुचिविषयदुर्गंधीआरे ॥ तेहमांतूंरूबझमांनरेलाल॥ सांभलीमौनकरीरह्योरे ॥ पणिनवीबुझ्योअज्ञानरेलाल ॥ ३० ॥गु० ॥ हां रे २ चालतारेएकगामेंजईनेरह्यारे ॥ देवकूलमांधरीप्रीतरेलाल ॥ तेवंत रहेछेपमेरे ॥ लोकदेखेविपरीतरेलाल ॥ ३१ ॥ गु०॥ हांरे२दे० ॥ लोकवेश्या रेयानीकेरे ॥ वलितेपमतोहेछरेलाल ॥ वली२पमेंमुंकेवलीरे ॥एहनीतिहांगई पेछरेलाल॥ ३२ ॥ गु० ॥ हांरे २ बोलतोरेअरहदत्तएमुरखोरे ॥ किम पमेहेछेएहरेलाल ॥ अर्चापुजानवीआदरेरे ॥ तवसूरबोलेतेहरेलाल ॥ ३३ ॥ ॥गु० ॥ हांरे२तूंकिमरेजाणेछेएहवुंखरुंरे ॥ तेकहेएहमांकांयरेलाल ॥ सुर कहेतोतूंविचारजेरे ॥ संजमछोमीपलायरेलाल ॥ ३४ ॥ गु० ॥ हांरे२सुरवि वरेगतीपूजनीकतेछोमीनेरे ॥ नरकादिकनोउपायरेलाल ॥ करतोकिमजाणेन हीरे ॥ सांभलीमौनतेथायरेलाल ॥३५॥ गु०॥ हांरे२देवतारेमायाएकविकुर्व तोरे ॥ फीकूंउचारीअनंतरेलाल ॥ षेत्ररक्षयुंछेतेहनुंरे ॥ कुपकएकतसअंतरे लाल ॥ ३६ ॥ गु० ॥ हांरे२दे० ॥ सुकोविषमजग्यायघणीरे ॥ तिहांएकलेस प्रवालरेलाल ॥ एकबलदतिहांषायवारे ॥ चारिमुंकिअसरालरेलाल ॥ ३७॥ गु० ॥ हांरे२दे० ॥ जातांलमथमीनेंपम्योरे ॥ सागांअंगउपांगरेलाल ॥ देषी अरहदत्तबोलीउरे ॥ अहोएबेलविरंगरेलाल ॥३८॥गु०॥हांरे२दे०॥ फीकूंआ

चारीनेंगंमिनेंरे॥ किहांषावाएजायरेलाल ॥ सुरकहेजाणेंतूंषरोरे ॥ तेकहेएत
लूंनगायरेलाल ॥ ३ए ॥ गु० ॥ हांरे २ दे० ॥ किमतूंसूरसूखगंमिनेंरे ॥ जेह
कीकूंमईचारिरेलाल ॥ एकप्रवालवचारीषारे॥ माणससुखअवधाररेलाल ॥
॥ ४० ॥ गु० ॥ हांरे २ दे० ॥ तसअसीलाखवाईआतमारे ॥ किमपामेंउरगती
कुपरेलाल॥तेसूंणीकर्मसंचयगल्योरे॥चिंतवेईमसरूपरेलाल॥४१॥ गु०॥हांरे२
जाणिईरेएहमाणसनहीदेवतारे॥मुझकहेईमवारंवाररेलाल ॥ वातरुमीसंसलाव
तोरे ॥ साइपणएहविचाररेलाल ॥ ४२ ॥ गु० ॥ हांरे २ पुबुंएरेतासप
रमारथएहनेंरे ॥ चिंतवीपुछ्युंतामरेलाल ॥ तूंकुंणछेमुझसाईपरेंरे ॥ वातसूणा
वेआमरेलाल ॥ ४३ ॥ गु० ॥ हांरे २ देवतारेकहेछुंपरजायांतरेरें ॥ अशो
कदत्ततूंजाणिरेलाल ॥ अरहदत्ततवबोलीउरे ॥ कहोप्रत्ययअहीनाणरेलाल॥
॥ ४४ ॥ गु० ॥ हांरे २ दे० ॥ कहेआपणबिछुंईमलिरे ॥ वैताढ्यपर्वतगाम
रेलाल ॥ कुंमलजुगलजेथापीउरे ॥ प्रतीबोधननेंकामरेलाल ॥ ४५ ॥ गु० ॥
हांरे २ देवतारेकहेदेषाडुंतुझनेंरे ॥ मानीअरहदत्तेंवाणिरेलाल ॥ दिव्यसरुप
करीलेईगयोरे ॥ देषाड्यातिणेंठाणिरेलाल ॥ ४६ ॥ गु० ॥ हांरे २ तेहनेंरेकु
टकूंमलसछुदेषीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेलाल ॥ उपनुंकर्मविचित्रथीरे ॥ जा
ग्युंसाग्यप्रधानरेलाल ॥ ४७ ॥ गु० ॥ हांरे २ तेहवेंरेसावथीदिक्षाआदरेरे ॥
देवषमावीतामरेलाल ॥ निजथानिकगयोदेवतारे ॥ करीनीजसघलूंकामरेला
ल ॥ ४८ ॥ गु० ॥ हांरे २ तेहमांरेपुरोहीतसूतछुंजाणजेरे ॥ धरणसूणेमुझ
वातरेलाल ॥ विराधकप्राणीतणारे ॥ नहीतूझसमअवदातरेलाल ॥ ४ए॥ गु०॥
हांरे २ जेहोईरेअवीराधकप्राणीसलारे ॥ तेसूखेंकरेंनिरवाहरेलाल ॥ तिणेसं
जमतुम्हेआवरीरे ॥ तरोसंसारअगाहरेलाल ॥ ५० ॥ गु०॥ हांरे २ रुअमीरे
छठेखंमेएकहीरे ॥ बाविसमीवरढालरेलाल॥ पद्मकहेश्रोताघरेंरे ॥ होयोमंगल
मालरेलाल ॥ ५१ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ करजोमीधरणोकहे ॥ आणिकरहुंअणगार ॥ संसलावुंमावीत्रसवे ॥
उत्तमतूमअधीकार ॥ ५२ ॥ वुझेजोपुण्यजबरुं ॥ मुनीकहेसूखेंमहासाग ॥

बुज्यामीत्रलेईवङ्क ॥ वहेलोतेवम्रसाग ॥५३॥ त्र्प्राविमावीत्रत्र्प्रागलें ॥ त्र्प्राला
प्योत्र्प्रधीकार ॥ बुज्यांबङ्कमानेंनही ॥ सारोएसंत्र्पार ॥ ५४ ॥ जननीमीत्र
जनकवली ॥ विधीपूर्वकवम्रवीर ॥ व्रतसङ्कसाथेंसंग्रहे ॥ धरणोसाहसधीर ॥
॥ ५५ ॥ त्र्प्ररहदत्तगुरुत्र्प्रादरें ॥ सिषाव्यावङ्कसूत्त ॥ किरीयापणिबङ्कविधक
रे ॥ गितारथगुरुगुत्त ॥ ५६ ॥ ढाल ॥ गोवाळत्र्प्रांचारति ॥ त्र्प्राहिरनोत्र्प्रव
तार ॥ रुकुंगोकलीउं ॥ एदेत्र्प्री ॥ एकलमलपम्रीमासणी ॥ जोग्यथयारीषीरा
य ॥ दुःकरतपकारी ॥ इछाकरतांतेहनी ॥ त्र्प्राणागुरुनीथाय ॥ ५७ ॥ दु० ॥
लावीतेहनीलावना ॥ तपसूत्र्प्रादिकजेह ॥ दु० ॥ एकल्लविहारत्र्प्रंगीकरयो ॥
विहारकरेरीषीतेह ॥ ५८ ॥ दु० ॥ एकरातिगामेंवसे ॥ नयरेंवसेपंचराति
॥ दु० ॥ तामलीप्तिपुरीत्र्प्राविन्र्प्रा ॥ काउसग्गेमुनीगात ॥ दु०॥५९॥ वातसूणो
लषमीतणी ॥ काढिदेवपुरवाहर ॥दु०॥ सूवचनेंषोलीतदा ॥ करीप्रयत्नत्र्प्रपार
॥ ६० ॥ दु० ॥ नंदिवर्द्धनगाममे ॥ थयोविङ्कनोसंजोग ॥ दु० ॥ निजरुपे
लेईगयो ॥ लोगवतोसूखलोग ॥ दु० ॥ ६१॥ कोईककालव्यतीक्रमें ॥ साथि
लेईतेनारि ॥ दु० ॥ तामलिप्तिपुरवाहिरें ॥ उतरीउपरीवार ॥ ६२॥ दु० ॥ फि
रति२तिहांगई ॥ लधीजिहांमुनीराय ॥ दु० ॥ उलषीयारीषीराजनें ॥
मनमांबङ्कषेदाय ॥ ६३॥दु० ॥ पापकरमनाजोरथी ॥ क्रोधलहीमनमांहि ॥
॥दु०॥वज्रघातपरेंतेथई ॥ चिंतेकिमएत्र्प्राहि ॥६४॥दु०॥ दिउेमेंमुजपापथी॥
कांयकदेउंकलंक ॥ दु० ॥ कंठासणंत्र्पोफीठवुं ॥ एहनीपासनीःसंक ॥ ६५ ॥
दु० ॥ कोलाहलकरस्यूंपछी ॥ ठरस्येंतवएचोर ॥ दु० ॥ चंम्रसासनठेंलूपती॥
हणस्येंएइणगेर ॥ ६६ ॥ दु० ॥ लिक्षुरूपेंमहीचोरने ॥ लोग्रसहितहण्याका
ल ॥ दु० ॥ लिंगीपणचोरीकरे ॥ एहप्रसिद्धीलालि ॥ ६७ ॥ दु० ॥ जिममन
चित्यूंतिमकरयुं ॥ त्र्प्राव्योधाईकोटवाल ॥ दु० ॥ त्र्प्राविमुनीबोलाविन्र्प्रा ॥कां
यकउत्तरत्र्प्रालि ॥ ६८ ॥ दु०॥ नविबोलेजवतेरीषी ॥ लूषणषोलेंताम ॥दु०॥
छिन्नकेंकर्णपासेंपम्युं ॥ दिउुंदूरनगाम ॥ ६९ ॥दु०॥ नयरीजनबोलावीत्र्प्रा॥
वातदेषाम्रीतेह ॥ दु० ॥ नरपतीनेंजईविनव्यो ॥ चोरत्र्प्रपुरवएह ॥ ७० ॥

दु० ॥ विस्मितबोलेनृपती ॥ षोलिकरीषरीरिति ॥दु० ॥ मारोएहनेंतवतिहां॥
पुछेपुरवनीती ॥७१॥दु०॥ नविबोल्याजवतेमुनी ॥ तवउपनोतसकोप॥दु०॥
अहोकपटवेसेंरह्यो ॥ नवीबोल्येकरीलोप ॥ ७२ ॥ दु० ॥ मारणथानकला
वीआ ॥ शुलीइंदिधोसाध ॥ दु० ॥ करेचंमालउदघोषण ॥ सूणोपापअगाध
॥ ७३ ॥ दु० ॥ साधुवेसेंचोरीकरी ॥ तिणेएमारयोजाय ॥ दु० ॥ वलिको
ईकरस्येंइणिपरें ॥ तसपणिवधइमथाय ॥ ७४ ॥ दु० ॥ तपपरतावेंमुनीत
णें ॥ शूलीधरतीमांहि ॥ दु० ॥ पेठीमुनिविंध्यानही ॥ कूसूमवृष्टीथईत्यांहि
॥ ७५ ॥ दु०॥ धर्मतेजयवंतोअछे ॥ इमथईलोकमांवाणि ॥ दु० ॥ रायनेंमई
वधामणी ॥ आव्योनृपतेंठाण ॥ ७६ ॥ दु० ॥ हरषेंकरतोवंदना ॥ पुछेविस्म
यवात॥दु० ॥ किमएस्वामीनीपनुं ॥ साषोमुझअवदात ॥ ७७ ॥ दु० ॥ नवि
बोल्याजवतेमुनी ॥ तवनरकहेपरधांन ॥ दु० ॥ व्रतविशेषवंतारीषी ॥ नक
रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ दु० ॥ ठठेखंमेएकही ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥ दू० ॥ स
मरादित्यनारासमां ॥ पद्मनेंमंगलमाल ॥ ७९ ॥ दु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ पुछोतेनारीप्रतें ॥ तवनृपमुंकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसूणी ॥ नवि
लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ नृपनेंकहेतेनवीजमी ॥ नूपतीकहेतवतास ॥ सोधि
करोसम्यगपरें ॥ तवषोलणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउद्यानमां ॥ दे
वकूलेंनवीदीठ ॥ पणितसरक्तोपेषीउ॥ नासंतोथोनीठ ॥ ८२ ॥ कोटवालेंप
कमीकरी ॥ नृपनेंआंण्योनयण ॥ पकमयोनारीतणोपती ॥ सेठएलहोसुवय
ण ॥ ८३ ॥ नारितोइंणिनगरीनथी ॥ नासंतांपकमयोनाथ ॥ तुममनमानें
तिमकरो ॥ हेंसहुतूमचेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ साहिबामोतियोनेंहमा
रो ॥ एदेशी॥ नूपकहेतुझकिहांछेनारि ॥ तेकहेहुंनजाणुंनीरधार ॥ साहिबा
तूम्हेंसूणज्योसाचुं ॥ मोहनांतूमेसूणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठो
केंम ॥ तेकहेसयलहीनाठोइंम ॥ ८५ ॥ सा० ॥ विणअपराधेंसयकिमला
गो ॥ नूपपुछ्यापछीकहेएकआगो ॥ सा० दुष्टनारीग्रहीदूखनुंमुल ॥ तेहज
मुझअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा० ॥ असयदिउंतूझनेंनृपसाषे ॥ जोमुझ

व्यतीकरसघलोदाषे ॥ सा० ॥ कोणरीषीएकोणवलीनारी ॥ सूवयणदेषेतव
अणगार ॥ ८७ ॥ सा० ॥ उलषीआंसूंनयणेंसरीआं ॥ मुनीवरचरीतदेषीचि
तठरीआं ॥ सा० ॥ विस्मयलहीकहेरायनेंइम ॥ नविकहेवाजेहवुंश्तूनेम ॥
॥ ८८ ॥ सा० ॥ रायकहेसंसारएएहवो ॥ एहमांअचरीजलहेवोकेहवो ॥
सा० ॥ सूवयणकहेएकांतकरीजें ॥ तवनृपपरीजनदूरिंधरीजें ॥ ८९ ॥ सा० ॥
मुनीदेषीनेंघणुंपछतायो ॥ नृपनेंकहेऊंपापेंसरायो ॥ सा० ॥ पुरषस्थानऊंपुरुष
मजाणो ॥ सत्यसंधामुनिपुरषवषाणो ॥ ९० ॥ सा० ॥ कृतगुणजाणअपरउपगा
री ॥ व्रतधरयुंसर्वप्रकारजकारी ॥ सा० ॥ एहमांसर्ववातमुझसाषी ॥ रायआग
लिपुरीनवीदाषी ॥ ९१ ॥ सा० ॥ तुझसमपुरुषतेस्थाननकहिइं ॥ प्रस्तुतवातक
होजिमलहिइं ॥ सा० ॥ वातकहीतवसघलीजाम ॥ नरपतितूष्टमांनथयोता
म ॥ ९२ ॥ सा० ॥ मुंक्योसूवयणमुनीनमीचाल्यो ॥ आर्यमंगुपासेंमीथ्यात
टाल्यो ॥ सा० ॥ धर्मसांभलीकरयोपश्चाताप ॥ धरणनेंरागेंश्रमणथयोआप
॥ ९३ ॥ सा० ॥ नरपतीप्रणमीमुनीवरपाय ॥ हरषेंनीजसूवनेंतेआया ॥ सा० ॥
सयपांमीतीहांनाठीलषमी ॥ जातांवाटिपमीतीहांविषमी ॥ ९४ ॥ सा० ॥
लुंट्यांवस्त्रासरणतेचोरें ॥ रातिपाछिलीएकजपोहरें ॥ सा० ॥ पोहतीनामकुस
स्थलगाम ॥ तसनरपतीमांझ्युंएककांम ॥ ९५ ॥ सा० ॥ राणीनेंविघननिवा
रणमाटे ॥ पुरोहितगामबाहिरइणवाटें ॥ सा० ॥ अगनीकरीचोवटेचरूरांधे ॥
चोकिमुंकीचिऊंदिशबांधें ॥ ९६ ॥ सा० ॥ नरखसेदिततंडलकरीमुंक्या ॥ मंत्र
जापकरतांनवीचुक्या ॥ सा० ॥ इणअवशरदेषीतेज्वाला ॥ इणमारगआवी
साबाला ॥ ९७ ॥ सा० ॥ उतरयोसाथजाणीनेंआवी ॥ दिठीदिशापालेंतवठा
वी ॥ सा० ॥ सीवारुतनेंलगतीदेषी ॥ सयपाम्याराषसणीलेषी ॥ ९८ ॥ सा० ॥
थंल्यापगनेंपमीकरवाल ॥ करकंप्यामानुंजिवितसाल ॥ सा० ॥ पमीआधर
तीतवतेनारी ॥ बोलेमतबिहोमनहारी ॥ ९९ ॥ सा० ॥ ऊंतुंमनुष्यणीइंमकही
आवे ॥ पुरोहितपासनगननेंसावें ॥ सा० ॥ देषीधीर्यधरीतसकेश ॥ पकमी
कहेबिहोमतलेश ॥ ७०० ॥ सा० ॥ दिशापालतवउठीआया ॥ बांधीनयर

मांलेईसिधाया ॥ सा० ॥ सूपतिनेंजणव्युंकहेत्यारें ॥ करज्योविटंबणाविविध
प्रकारें ॥ १ ॥ सा०॥ एहनुंमांशएहनेंखवराव्युं ॥ लेईअशुचीमुखमांधराव्युं
॥ सा० ॥ करीयविटंबणाअतिहिनिभंगी ॥ गांममांथीकाढीतेअलगी ॥ सा०
॥ २ ॥ पेसवानवीपांमीकोईगांमें ॥ अटवीमांफिरतीगामठामें ॥ सा० ॥ पुर्व
कर्मनेंउदइंमारी ॥ गजवरेंपापकरीअतीसारी ॥ ३ ॥ सा० ॥ धुमप्रसाइंउप
नीतेह ॥ घोरपापनांफलछेएह ॥ सा० ॥ सत्तरसागरतेहनुंआय ॥ संजमपा
लेधरणमुनीराय ॥ ४ ॥ सा० ॥ करीसंलेषणाशुभपरीणाम ॥ पादपोपकरेअ
णसणताम ॥ सा० ॥ कालकरीउपनाअणगार ॥ आरणदेवलोकमांअवध[redacted]॥
॥ सा० ॥ ५ ॥ चंद्रकांतीवीमानेंएह ॥ एकविससागरआयुधरेह॥ ६ ॥सा०॥
धरणलछीदंपतीनोभाष्यो ॥सवछठेखंमेंचीतराष्यो ॥ सा० ॥ चोवीसमीढालें
एपुरो ॥ किधोछठोखंमसनुरो ॥ ७ ॥ सा० ॥ साद्रवावददशमेंगुरूवारें ॥ वि
सलनगरचोमासुंतिवारें ॥ सा० ॥ अढारसेंएकतालावरषें॥ शांतीजीनेस्वरसा
ह्यथीहरषें ॥ ८ ॥ सा० ॥ विजयसिंहसूरीसीशसवायो ॥ सत्यविजयगुरुज
गमांगवायो ॥ सा० ॥ श्रीगुरुकपुरविजयतसशीसो ॥ षीमावीजयतसशीस
जगीसो ॥ ए ॥ सा० ॥ पंमीतजीनविजयजयवंतो ॥ विद्याविचक्षणलक्षण
वंतो ॥ सा० ॥ उत्तमविजयसुशीससोभागी ॥ तत्वज्ञानमांजसमतीलागी ॥
॥ १०॥सा०॥ उत्तमसमरादित्यनोरास ॥ पद्मविजयकहेलीलविलास ॥सा०॥
सांभलतांहोयमंगलमाला ॥ पुण्यमहोदयसूखसुवीशाला ॥ ११ ॥ सा० ॥
इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मविजय
ग० विरचितेसमरादित्यचरीत्रेप्राकृत्यप्रबंधेधरणलक्ष्मीवधुवरयोःसंगतयोःष
ष्टोनरस्तवःसमाप्तःसर्वगाथाषष्टषंमे ॥ ७११ ॥ उक्तगाथाकाव्य ॥ १० ॥
सवइउ ॥ १ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ६० ॥ दुहा ॥ शांतिकरणश्रीशांतिजी ॥ समरूंसूखदातार ॥ प्रणमुंसंखेसरप्रभू ॥ श्रमवमीश्रांश्राधार ॥ १ ॥ सातमोखंमसोहामणो ॥ समरादित्यसंबंध ॥ सेनविसेनदोयभ्रातृसूत ॥ पीतराईपरबंध ॥ २ ॥ जंबुधीपलखजोश्रणो ॥ वारुसारहवास ॥ तिहांचंपानयरीतणो ॥ उत्तमठेश्रावास ॥ ३ ॥ सेसफणासो गजसमो ॥ पोढोछेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावतां ॥ सूवनतणोसंसार ॥ ॥ ४ ॥ नंदनवनवनेंजीतीउं ॥ सरोवरेंमानकासार ॥ महाजनजिहांश्रमत्सरी ॥ दक्षघणंदातार ॥ ५ ॥ रुपवंतरलिश्रामणी ॥ सूंदरघणंसुकमाल ॥ लज्जावंत महिलातिहां ॥ विनयवंतसूविशाल ॥ ६ ॥ श्रमरसेनश्रवनीपती ॥ साधीत दिशीवधुसार ॥ ईर्ष्याईश्रावीवरी ॥ लषमीपणितसदहार ॥ ७ ॥ जायातस जयसुंदरी ॥ सयलश्रंतेउरसीठ ॥ श्रनुसवतोतेहस्यूंश्रवल ॥ विषयसोगसूविशिठ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ कीमाकरीघरिश्राविउ ॥ एदेशी ॥ इणिश्रवसरदेवलोकथी ॥ चविउपालीश्रायरे ॥ धरणजीवतिहांउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरे ॥ ॥ ९ ॥ इणि ॥ दंमकनकमयदिपतो ॥ रयणविसूषीततूंगरे ॥ देवउष्यध्वज लहकतो ॥ गयणसूषणमानुंचंगरे ॥ १० ॥ इणि ॥ वदनेंउदरमांपेसतो ॥ विस्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदइदेषीकरी ॥ जागीनींदश्रतीतरे ॥ ११ ॥ इणि ॥ हर्षेपतिसंसलावती ॥ कहेतवनरपतीइमरे ॥ सकलनरिंद्रकेतुशमो ॥ पुत्रथस्येंतुझनेमरे ॥ १२ ॥ इणि ॥ सांसलीतेहश्रंगीकरे ॥ श्रनुंक्रमेंसाधेत्रिवर्गरे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउ ॥ सूखमांतेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरषमतीदासीतदा ॥ दिधवधाइरायरे ॥ दानसंतोषनुंनृपदिइं ॥ मासएकवेंहिजायरे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउं ॥ वरसएकथयूंजामरे ॥ नरकथकीहवेनिकल्यो ॥ जिवलठीनोतामरे ॥ १५ ॥ इणि० ॥ समीउतेहसंशारमां ॥ श्रनंतरसवेनरथायरे ॥ कांयककष्टकरीतिहां ॥ नरपतीकुलमांश्रायरे ॥ १६ ॥ इणि ॥ श्रमरसेननरपतीतणो ॥ साईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रसातससारया ॥ तसकुषेंगर्भेणरे ॥ १७ ॥ इणि० ॥ जवजनम्योतवथापीउ ॥ नामविसेनकुमाररे ॥ सेनकुमारपहेकला ॥ करतोविसेनस्युंप्याररे ॥ १८ ॥ इणि० ॥ पणि

नहिसेनस्युंतेहनें ॥ श्मकरतांकेईकालरे ॥ इकदिनजय २ रवथयो ॥ कुसू मवृष्टीसूविशालरे ॥ १९ ॥ इणि० ॥ सूरसिद्धविद्याधरथकी ॥ व्यापीरह्योआ कासरे ॥ रायपुढेनिजपुरुषनें ॥कहोएकिस्योप्रकासरे ॥ २० ॥ इणि० ॥ रव बरकरीप्रतीहारते ॥ साषेतासनीदानरे ॥ ईणनयरीमांपांमीआं ॥ साधवीकेव लज्ञानरे ॥ २१ ॥ ईणि० ॥ जाणेंलोकालोकना ॥ अणिकालनासावरे ॥ सूर विद्याधरवऊथुणें ॥ सांत्तलीनरपतीतावरे ॥ २२ ॥ ईणि० ॥ हरषीचाल्योवां दवा॥ आव्योउपाश्रयद्वाररे ॥ तोरणथंत्तनेपुतली॥ज्यूंविद्यूतझातकाररे॥२३॥ ॥ ईणि० ॥ किहांयकफटिकविद्रुमकिहां ॥ किहांयकचामरस्वेतरे ॥ ध्वज आरउपरफरकतो॥कनककिंकिणीसमवेतरे ॥ २४॥ ईणि०॥ बऊसामणिईपर वर्स्यां ॥ तिमश्रावीकासमुदायरे ॥ श्रीसमरूपेंसोत्ततां ॥ गुरूणीतिहांदेषायरे ॥ २५ ॥ ईणि० ॥ त्तवसायरतरियांजिके ॥ गुणमणीरयणत्तंमाररे ॥ ससीश्र मवयणशोत्तामली ॥ नासीततमअंधकाररे ॥ २६ ॥ इणि० ॥ स्वेतांबर थीसाऊणी ॥ त्तवतात्तूपतीतामरे ॥ कुसूमवरसीकरेधुपनें ॥ करेपंचांगप्र णामरे ॥ २७ ॥ ईणि० ॥ बेठेधर्म्मश्रवणत्तणि ॥ धर्मकथाकहेजामरे ॥ आ व्यादोयतिणेंसमे ॥ सारथवाहसूततामरे ॥ २८॥ईणि०॥ बंधुदेवसागरनामें॥ लेईनीज २ नारिरे॥परमगुरुप्रणमीकरी॥साऊणीप्रणमेसाररे॥२९॥ईणि०॥सात मेरवंकेढालए॥पहेलीपापनीवारेरे॥पद्मविजयकहेसांत्तलो॥सूणतांजय२काररे ॥ ३० ॥ ईणि० ॥ डुहा ॥ सागरकहेनृपसांत्तलो ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ अ दसूतए*कदिठुंअम्हे ॥ सांत्तलज्योतसत्तेद ॥ ३१ ॥ सांत्तलतांविस्मयथस्ये ॥ रहिनसकुऊंराज्य ॥ विस्मयप्रेर्योविसमी ॥ अर्थनजाणंआज ॥ ३२ ॥ पुढुंएत्तगवतीप्रतें ॥ ठवोनृपकहेठीक ॥ असंत्ताव्यअद्भुतकिस्यूं ॥ तेता षोतहकीक ॥ ३३ ॥ सागरकहेमुझसहचरी ॥ हाथेंषोयोहार ॥ अतितकाल कोईउपरें ॥ विसरीउईणवार ॥ ३४ ॥ आजसोजनकरीआवीउ ॥ चित्रसा लीचीत्रकार ॥ एकथयुंअचरीजइहां ॥ त्ताषुंतेअधीकार ॥ ३५ ॥ ढाल ॥ अरज २ सूणोनेंरूमाराजीआहोजी ॥ एदेशी ॥ एहवे २ मोरएकचित्रमां

होजी ॥ लेवेउंचोरसाय ॥ षिणमां २ कोटिहलावतोहोजी ॥ किधोपिछविला
स ॥ ३६ ॥ एह ॥ पांष २ षंषेरीउतरयोहोजी ॥ रातांवस्त्रमांहार ॥ मुंकि २
गयोनिजथानिकेंहोजी ॥ कुउचित्रप्रकार ॥ ३७ ॥ एह ॥ देषी २ विस्मय
उपनोहोजी॥कहोएस्यूंकहेवाय ॥ एहवे २ जय २ रवथयोहोजी ॥ कुसुम
वृष्टितेथाय ॥ ३८ ॥ एह ॥ सूरवर २ विद्याधरमल्याहोजी ॥ सांसलीलोकनी
वाणि ॥ पाम्यांपाम्यांकेवलसाकुणीहोजी ॥ आव्योकुंश्एगाए ॥ ३९ ॥ एह ॥
बोले २ नरपतीसांसलोहोजी ॥ साचुंअचरीजएह ॥ एहवुं २ संसवीइंनही
होजी ॥ पुछेलगवतीनेह ॥ ४० ॥ एह ॥ लाषे २ तवतेहसाधवीहोजी ॥ ए
हमांअचरीजकांय ॥ करमें २ स्यूंनवीसंलवेहोजी ॥ नियमासफलांतेथा
य ॥ ४१ ॥ एह ॥ जेहवां २ शुलाशुलबांधीआंहोजी ॥ तेहवांउदईथाय॥
अशुलें २ जलअगनीहोइंहोजी ॥ न्यायतेथायअन्याय ॥ ४२ ॥ एह ॥
चंद २ तिमीरहेतूहोइंहोजी ॥ घरमांथीमरीजाय ॥ अर्थ २ अनर्थमीत्रवेरी
उहोजी ॥ नलथीअगनीवरशाय ॥ ४३ ॥ एह ॥ शुलथी २ विषअमृतहो
इंहोजी ॥ डरिजनसज्जनहोय ॥ अपजस २ तेजसनीपजेहोजी ॥ नहणे
जुधमांकोय ॥ ४४ ॥ एह ॥ पामें २ अचिंतीसंपदाहोजी ॥ सूणीबोलेनर
नाह ॥ कोहना २ कर्मनीपरणीतीहोजी ॥ बोलेसाकुणीराह ॥ ४५ ॥ एह ॥
माहरा २ कर्मनीपरणतीहोजी ॥ बोलेतामलूपाल ॥ किमते २ स्यूंनिमोत्तक
होहोजी ॥ साकुणीलाषेरशाल ॥ ४६ ॥ एह ॥ जंबु २ द्वीपनालरतमांहो
जी ॥ संखवर्द्धननाम ॥ नयर २ संषपाललूपतीहोजी ॥ धनसार्थपउद्दाम ॥
॥ ४७ ॥ एह ॥ धन्या २ तेहनेंलारजाहोजी ॥ दोयपुत्रछेतास ॥ धनपती २
धनावहनामथीहोजी॥पुत्रीधनसिरीषास ॥ ४८ ॥ एह ॥ जाणो २ तेकुंराजी
आहोजी ॥ परणावीपुरमांहिं ॥ तातें २ तिहांसोमदेवनेंहोजी ॥ लरताउपरत
तांहि ॥ ४९ ॥ एह ॥ लोग २ नीवातलहीनहीहोजी ॥ उपनोमुक्नीरवेद ॥
चंद २ कांतालीधसाकुणीहोजी ॥ पाउधास्यांगतषेद ॥ ५० ॥ एह॥सषीइं २
मुकजएव्युंजदाहोजी ॥ गईकुवंदनकाम ॥ जिनघरे २ दिगतेगुणीहोजी ॥

सूंदरपणिदसोकाम ॥ ५१॥ एह ॥ कला२ कुसलमांनीनहीहोजी ॥ श्रुतदेवी परेजेह ॥ धरम २ कहेतीश्रावीकासणीहोजी ॥ विस्मयथयोमुझदेह ॥५२॥ एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतदाहोजी ॥ घंटाचालीमेहाथि ॥ दिवो २ करी फूलवरसीश्रांहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ धुप २ करीप्र सूवंदिश्राहोजी ॥ श्राविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मलाभतिणेंदिउहोजी ॥ बेठीतासस‌काास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुछे २ मुझतूम्हेंकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक हुंइहाथीश्राय ॥ साध्यो २ सषीइमाहरोहोजी ॥ जनकजननीठाय ॥५५॥ एह ॥ करमें २ परणीतसषीऐंहोजी ॥ मरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपवा सबहुकरेहोजी ॥ मनवैराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह० ॥ देह २ मीगालेंइणिपरें होजी ॥ सांभलीतुमवीरतंत ॥ भक्तिं २ श्रावीवंदवाहोंजी ॥ भावितश्राणि लहंत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खंम २ सातमेबीजीकहीहोजी ॥ उल्लासेंएहढाल ॥ पंमीत२ उत्तमवीजयनोहोजी ॥ साषेपद्मएबाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ७॥

॥ दुहा॥साधवीकहेंसारुंकरयुं ॥श्राव्यांतूम्हेंइहांश्राज॥वलीवैराग्यघणोवहो ॥ करतांश्रातमकाज ॥ ५९॥ एसंसारश्रसारछइ ॥ दुखसाजनदुखदाय॥ धर्म कहेतेधरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेशथीपमीवजी ॥ केतोकवितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चिंतव्यूंचित्तविचाल ॥ ६१ ॥ साधुपणुंलेउंसखर ॥ पुछुंभातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवीथाइं किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजाविउं॥ रहिनेघरश्रावास ॥ प्रतीमाभरा वीपरवमी ॥ करुंनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलवलीचंदनगंधफल ॥ द्रव्य नोव्ययतेंदषि ॥ सोजाईमनभावेनही ॥ करकरकरेश्रतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ पीउजी२ नामजपुदिनरातीश्रां ॥ एदेशी॥ म्हेंमनचिंतव्यूंसाईचित्तजोउपरी॥ स्यूंमूझएहस्यूंकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेंतेंवाससूवनश्रागलिरही ॥ धन पतीश्राव्योवाससूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमभाईसांभलेंसोजाईनेंतिमक हे ॥ धर्मदेशनामिसथीजीमसंसयलहे॥ सामीराषज्येश्रापणीस्यूंकहिइंघणुं॥ सांभलीचिंतवेतासपतिकुशीलपणुं ॥ ६६ ॥ भगनीजुठनभासेतिणेंएहश्रीस

स्युं ॥ आवीजबतेनारिवदनअवलूंकस्युं ॥ पायउलासीदिवोसमारीतंबोलघरे॥
नारीनीधारीमतशय्यापरपगधरे ॥ ६७ ॥ मनचिंतेंस्त्रीहासीमुजकरताहस्यें ॥
जवसूतीतवसरतारउठ्योधसमस्ये ॥ नारीकहेस्यूंकारणतवकहेंइणिपरे॥ कां
यनहीपणिनीसरमुजघरबाहिरे ॥ ६८ ॥ साचिंतेमेंदुष्कृतकांयकिधूंपरूं ॥
चिंतविउठिशय्याथीचित्तआलोचकरूं ॥ बहुचिंताअंतेपतीनीद्रावशथयो ॥
सापणिसंसारेमुजदोषनकोईस्तयो ॥ ६९ ॥ शोकातूरथईचिंतवेमुजजिववुंन
ही ॥ जिणथीपतिदुहवाईअथवाईमसही ॥ मरतांसरतानुंहोयलघुताईपणंं ॥
लोककरेविकल्पआगुंअवलूंघणंं ॥ ७० ॥ एदुखसहेवाईनहीकहोस्यूंकी
जीई ॥ अहवानणंदमुजमाहीकामएदिजीई ॥ बुद्धिघणीजुगताजुगतुंमुजता
षस्ये ॥ करस्यूंपछेतेकामनणंदजेआषस्यें ॥ ७१ ॥ मनदुखनेंवलीआंषि
आंसूधारावहे ॥ रातिमाहिंषिणमात्रनानिंद्रातेलहे ॥ वासलूवनयकीआमण
दुमणीनीकली ॥ म्हेंपुछ्युंतसइंणिपरेंकिमरहेटलवली ॥ ७२ ॥ रोतेवदनेकहे
अपराधजाणंनही ॥ रुठोसरतारकहेमुजनिकलतूंबही ॥ मेंकह्युंधीरीथाकरुं
कामछुंताहरुं ॥ ईमकरीसाईनेंकह्युंसुणिवचनतेमाहरुं ॥ ७३ ॥ स्योअपराध
कस्योतूजनारीतेकहो ॥ तेकहेदुष्टशीलानोनामतेमतलहो ॥ एहथीसंततीबिग
डेअपजसवीस्तरे ॥ मलिनकरेवलीकुलनेंसरतासंहरे ॥ ७४ ॥ उत्तयलोकबि
गडेतिणेंकामनएहनुं ॥ म्हेंकह्युंकिमजाण्यूंतवचरीकहेतेहनुं ॥ सांभल्युंतूम
पासेदेशनामीसकह्युं ॥ तवम्हेंकह्युंतूजपंमीतपणंरुमुंलह्युं ॥ ७५ ॥ अहोतुज
माहपणनेंमुजस्यूंस्नेहजघणो ॥ म्हेंकह्योसामान्येंएहमांदोषजघणो ॥ पणि
नविएहनोदोषदेषाडवाजाणजे ॥ एतलेतूंतुजनारीमांदोषमलावजे ॥ ७६॥ स
रमायोनेपश्चातापकरेअती ॥ अहोमातुंकस्युंकाममनावीतेसती ॥ म्हेंइमधा
स्युंमानस्येंकृष्णधवलसह्व ॥ एहसाईहवेंबिजानीपणजेवह्व ॥ ७७ ॥ इणि
परेंसाषयुंहाथथेकाणेंराषज्यो ॥ बिजुंसर्वपूरवपरेंएहनेंसाषज्यो ॥ कपटेंक
रमबंधाणंमुजनेंतिणेंसमें ॥ अन्यदादिक्षामेंलहीजिणेंसवनवीसमें ॥ ७८ ॥
साईसोजाईस्यूंव्रतपालूंछुंसदा ॥ आयुषइंसूरलोकेंथयाअमेंअन्यदा ॥ आ

गलिथीमुक्ताईचवीइहांआवीआ ॥ सेठपुरणदत्तपुत्रपणेंनामगावीआ ॥
॥ ७९ ॥ सागरनेंबंधुदेववधंताअनुक्रमें ॥ हुंपणिउपनीगजपुरनगरेंतिणस
में ॥ शंषसेठनीशुक्तकांतानारीउरे ॥ पुत्रीपणेंयईनांमसर्वांगसूंदरीधरें ॥ ८०॥
सोजाईउपणिदेवलोकमांथीचवी ॥ कोसलापुरमांनंदनसेठघरेहवी ॥ देविला
कूषेंनारीपणेंविङ्अवतरी ॥ श्रीमतिकांतिमतीअसीधाअनुंक्रमेंधरी॥ ८१॥
जैनधर्मिंहुंश्रावककुलउपनायकी ॥ जौवनवयलहीतिणेंमुक्तदेषेसङ्गकी ॥
बंधुदेवगजपुरमांएकदिनआविउ ॥ मुक्तनेंदेषीकाममांहिचितलावीउ ॥
॥ ८२ ॥ पुठ्योमुक्तवृत्तांतवर्द्धननरनेंजदा॥ सर्वांगसूंदरीएशंषधुआकहेत
दा ॥ तासपीताकनेंमांगीतवतेइमकहे ॥ जोग्यतुम्हेछोपणिएसाधर्मिकलहे ॥
॥ ८३ ॥ श्रावकविणजोगनकरूंसूतनेंदिकरी ॥ म्हेंइमगुरूनेंपासेसुद्धअगम
धरी ॥ तवतेकहेमुक्तनेंपणिसाधर्मिककरो ॥ तातकहेसूणोजीनवाणीहृदइ
धरो ॥ ८४ ॥ सावथीश्रावकथाउतवतेशांसली ॥ मुक्तलोसेगयोसाधुशामी
पेंतेवली ॥ धर्मसूणीनेंकपटेंश्रावकतेथयो ॥ क्रियाकरेदानादीदिइएमका
लगयो ॥ ८५ ॥ एकदिनतातनीपासेंआविवीनवे ॥ धन्यथयोहुंमतजाणो
कहेकेतवे ॥ तूम्हेउपदेसदिधोहुंपणिपामीउ ॥ जैनधर्म्मनेंमिथ्यामतसवी
वामीउ ॥ ८६ ॥ मुक्तपरलोकनोबांधवदेवगुरुसमो ॥ तूमसमअवरनहोय
अहोतूक्तनेंनमो ॥ विदितसंशारस्वसावङंतिणेंमुक्तपनही॥ कन्यानोतिणेंनि
जदेशेंजास्यूंसही ॥ ८७ ॥ शासनरागेंमुक्तनेंमतवीशारज्यो ॥ उचित्तकाममु
क्तशिवज्योदृढधर्मधारज्यो ॥ पोतानोगणज्योइमकहीपाइपमे ॥ सूद्धस्वसा
वथीतातसत्यचितमांघमे ॥ ८८ ॥ वङमानेंवलीतातकहेधन्यछोतूम्हें ॥ जि
णेंलाधोजैनधर्मघणस्यूंकहीइअम्हें ॥ सातमेखंमेढालएत्रीजीमनधरो ॥पद्म
कहेसवीलोककेसङ्गजयरकरो ॥ ८९ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७॥
॥ डुहा ॥ परमारथतूम्हेपामीआ ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ इमकहीनीकलीउइ
स्यें ॥ नवीकीधोकांयनाद ॥ ९० ॥ सजनमेलावोसर्वनो ॥ करीनेंपूछेकांमा
परणावुंकहोतोपछें ॥ तूममनमांनेंताम ॥ ९१ ॥ सङ्गकहेश्रावकसाचलो ॥

सर्वांगसूंदरीसंग ॥ जोग्यलह्योहवेजीमतूम्हे ॥ मनमानेसोउमंग ॥ ९२ ॥ पर णावेतवमुक्रूपीता ॥ काढ्योकेईककाल ॥ निजघरिआव्योनारिस्यूं ॥ करेउ ठवततकाल ॥ ९३ ॥ वासरगयोवेलाथई ॥ मंगलदिपमंडाण ॥ कुसुमव्रष्टी कीधीतीहां ॥ वासआवासवषाण ॥ ९४ ॥ धुपघमीतिहांधगधगी ॥ लटका वीफूलमाल ॥ आव्योतत्तीहंएसमे ॥ सूणोवातसमकाल ॥ ९५ ॥ ढाल ॥ जिनवचनेवैरागीउहोधन्ना ॥ एदेशी ॥ इणिअवशरउदईथयुंहोप्राणी ॥ वां ध्युंप्रथमजेकर्म ॥ लोगव्याविणछुटेनहीहोप्राणी ॥ कर्मनराषेसर्मरेहो ॥ सू णज्योप्राणीकर्मनकिजेंबे ॥ ९६ ॥ षेत्रपालफिरतोयकोहोप्राणी ॥ आव्यो तीएहीजदेश ॥ कर्म्मपरिणामअचिंत्यछेहोप्राणी ॥ दिठांदंपतीनववेशरेहो ॥ सू० ॥ कर्म० ॥ ९७ ॥ कौतिकजोउंएहांहोप्राणी ॥ जिमनवीथायसंजोग ॥ रुपकरीअन्यपुरुषनुंहोप्राणी ॥ पाम्वातासविजोगरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ९८ ॥ गोषमांवदनकरीकहेहोप्राणी ॥ सर्वांगसूंदरीकाम ॥ बंधुदेवेंतेनिरषीउहोप्रा णी ॥ आव्योकषायनेंधामेरेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ ९९ ॥ अरतिथईमुफउप रिहोप्राणि ॥ जाण्युंकुसीलछेनारि ॥ कोईकबोलावीकिमगयोहोप्राणी ॥ इणि घरेंकरतविचाररेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ १०० ॥ स्नेहबंधनत्रुटीगयोहोप्राणी ॥ ढुंआवीतीहांतांम ॥ चेष्टाकीधसूवातणीहोप्राणी ॥ सषीउगईनिजठामरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १ ॥ द्वारदेईशय्यातणेंहोप्राणी ॥ बेठीएकजदेश ॥ पतीउग्यो सहसातदाहोप्राणी ॥ ढुंपणिउठीविशेषरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ २ ॥ म्हेंअपरा धनपुछीउहोप्राणी ॥ पतितवसूतोतेथी ॥ करतोविकल्पकोम्योगमेंहोप्राणी ॥ निद्राआवीएथीरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ३ ॥ ढुंपणिमहाशोकेंयहीहोप्राणी ॥ ध रतिइंबेठीताम ॥ रातिगईडखणीघणीहोप्राणी ॥ जाणेंत्रिभूवनस्वामीरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ४ ॥ सहिउआवीत्सरतागयोहोप्राणी ॥ पुछेसहीउवात ॥ कि मतूमेंआमणडमणांहोप्राणी ॥ तवनवीशोव्युंजातरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ५ ॥ वातकहेवाजेहवीनहीहोप्राणी ॥ शोकथीकंठनीरुद्ध ॥ सद्धिबुद्धिपणनासीग ईहोप्राणी ॥ फिरीपुछेसखिशुद्धरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ६ ॥ व्यतीकरसर्वसू

णावीउंहोप्राणी ॥ तर्वचितेसरिवईम ॥ स्वामीनीमांउरवणनहीहोप्राणी ॥ पति
पणिनीपुणठेनेमरेहो ॥सू०॥क०॥७॥ कर्मदोषपरस्तवतणोहोप्राणी ॥ निश्चय
कारणएह ॥ स्वजनपुछ्याविणपतिगयोहोप्राणी॥आव्योचंपाइतेहरेहो॥सू०॥
॥ क० ॥ ८ ॥ मातपीतापतीउपरेंहोप्राणी ॥ कोप्यांमाहरेरेराग ॥ व्यवहार
टाल्योतेहस्यूंहोप्राणी ॥ मुक्तउपनोवैरागरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ९ ॥ एसंशार
असारमांहोप्राणी ॥उरवतोसोहिलूंहोय॥चारीत्रधर्मतेदोहिलोहोप्राणी॥ चंचल
जीवीतजोयरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥१०॥ गृहआश्रमथीहवेसरयुंहोप्राणी॥जे
हथीबहुजंजाल ॥ चारित्रलेवुंमाहरेहोप्राणी ॥ जिणथीसूरवअसरालरेहो ॥
॥ सू० ॥ क० ॥ ११ ॥ इंणअवशरतिहांआवीयांहोप्राणी ॥ गुरुणीजसव
तीनाम ॥ मातपीताआणालहीहोप्राणी ॥ दिक्षामहीअतीरामरेहो ॥ सू० ॥
॥ क० ॥ १२ ॥ बंधुदेवपरण्योहवेहोप्राणी ॥ श्रीमतीनामेंनारि ॥ कोसलापु
रेंनंदसेठनीहोप्राणी ॥ धुयागुणसंभाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १३ ॥ सागरपर
ण्योतेहनीहोप्राणी ॥ सगनीकांनीमतीनाम ॥ तेवधुविहुंलेईआवीआहोप्राणी
॥ इंणहिजचंपागामरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १४ ॥ गुरुणीसाथिविचरतांहोप्रा
णी ॥ आव्यांतुमपुरेराय ॥ फिरतांगोचरीगाममांहोप्राणी ॥ बंधुदेवघरिआय
रेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १५॥ मुनीनेंवयरनराषवुंहोप्राणी॥ दिठांतेबिहुनारि॥
पुरवसवअत्यासथीहोप्राणी ॥ प्रितीथईतेअपाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १६ ॥
यतः ॥ जंअत्यसेईजीवो ॥ गुणंचदोसंचईहजम्मंमी ॥ तंपावईपरलोए ॥
तेणयअसासजोएणं ॥ १ ॥ अत्यासेनकीयाःसर्वा ॥ अत्यासात्सकलाःक
लाः ॥ अत्यास्याझ्यानमौनादी ॥ किमत्यासस्यडष्करं ॥ २ ॥ पुर्वढाल ॥
पमीलाल्यांअन्नपांणीइंहोप्राणी ॥ आव्यांउपाश्रइंतेह ॥ धर्म्मसूणाव्योदोय
नेंहोप्राणी ॥ परणम्योविकसीदेहरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १७॥ श्राविकाथई
हवेवीनवेहोप्राणी ॥ किजेंअमउपगार ॥ धर्मकहोघरआविनेंहोप्राणी ॥ बुझे
अमपरीवाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १८॥ आणालहीगुरुणीतणीहोप्राणी ॥ गम
नागमनकरेय ॥ सातमेखंभेचोथीकहीहोप्राणी ॥ पन्नेंढालतेश्रेयरेहो ॥

॥ सू० ॥ कर्म ॥ १ए ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ५ ॥

॥ दूहा ॥ इणअवसरिआव्यूं उदय ॥ कर्मजेबिजुंकिध ॥ रागघणोबिहुंनारी
नो ॥ सासनलक्कीत्रीध ॥ २० ॥ व्यंतरआश्रितसूवननो ॥ चितइंइणिपरचि
त्त ॥ साधवीउपरसाचलो ॥ लक्किलावसलीरीति ॥ २१ ॥ जोउंरागजोपेंकरी॥
इणअवसारएकदिन्न ॥ गईहुंएहनागेहमां ॥ वारूवाससवन्न ॥ २२ ॥ हारप
रोवेहर्षस्यूं ॥ कांतिमतीनिजकाम ॥ उलीथइआदरदिई ॥ आसनदेवेआम
॥ २३ ॥ साहुणीउवेठीसरवर ॥ मुझपुछेमहाराय ॥ दिधीधर्मनीदेशना ॥ उठी
अवसरगाया ॥ २४ ॥ढाल ॥ नंदसलूणानंदनारेलो ॥ एदेशी ॥ जावामाझ्युंजेतदे
रेलो ॥ कांतिमतीकहेतेतलेरेलो ॥ आजतूमारेपारणरेलो ॥ असनलीउदेहथा
रणंरेलो ॥ २५ ॥ आणिकरीसाहुणीतणीरेलो ॥ म्हेंतिहांआहारलेवातणीरेलो॥
कांतिमतिस्यूंगयांहवेरेलो ॥ आहारनाघरमांएहवेरेलो ॥२६॥ चित्रमोरमां
अवतर्योरेलो ॥ व्यंतरमोरतेउतर्योरेलो ॥ हारगलीथानिकेंगयोरेलो ॥ मुझनें
विसंसमवडूपयोरेलो ॥२७॥ पुछस्यूंगुरुणीनेंजईरेलो ॥ इमचितवीआलयगई
रेलो ॥ पोहरावीनेंकांतीमतीरेलो ॥ वाससूवनमांआवतीरेलो ॥ २८ ॥ हार
जोयोदिठोनहीरेलो ॥ मनचिंतेएस्यूंसहीरेलो ॥ कौतूकमोहदुंउपनुंरेलो ॥ क
होसाईएस्यूंनीपनुंरेलो ॥२ए॥ पुछेतवपरीवारनेंरेलो॥दिठोकोईइंहांहारनेंरेलो॥
परीजनकहेजाणंनहीरेलो ॥ पणिकोईआव्युंनहीरेलो ॥ ३० ॥ इहांआर्यां
आव्यांहतारेलो ॥ तूम्हेतीहांजाउजोयतारेलो ॥ कांतिमतीकहेस्युंकहोरेलो॥
एहुनेंतृणमणीसमलहोरेलो ॥ ३१ ॥ असंबद्धकहोतेहनेंरेलो ॥ कनकपथ्थरंस
मजेहनेंरेलो ॥ वातचालीपुरमांघणीरेलो ॥ कसुमेंआवीगुरुणीतणीरेलो ॥
॥ ३२ ॥ गुरुणीकहेमुझनेंइस्यूंरेलो ॥ कर्मनिपजेसहुकिस्यूंरेलो ॥ तपचारी
त्रअधीकांकरोरेलो ॥ मतइंणघरिपगलूंधरोरेलो ॥ ३३ ॥ प्रवचनलाघवजाणी
इरेलो ॥ तेतोप्रयलथोनाणीइरेलो ॥ शरदचंदशाशनतणंरेलो ॥ मलिनपणंथा
इघणंरेलो ॥ ३४ ॥ अधर्मलहेधरमीनवारेलो ॥ सहुहोइदूरगतीजवारेलो ॥
लंघेजिनआणावलीरेलो ॥ संसारहेतूसहुनेंसलीरेलो ॥ ३५ ॥ गुणगंभीरअगु

णीथईरेलो ॥ धरमनीवाततोवहीगईरेलो ॥ बोधीबालीसंसारमांरेलो ॥ रुळे
ज्युंपारावारमांरेलो ॥ ३६ ॥ सांसलीसंवेगसावनारेलो ॥ उपनीआतमपाव
नारेलो ॥ तपकरेंसुविसेषेंहवेंरेलो ॥ तसघरवरजेविणजवेरेलो ॥ ३७ ॥ परी
जनमनशंकाघणीरेलो ॥ आवीकानेंनहीएककणीरेलो ॥ आविकाचितवेंइंणि
परेंरेलो ॥ गुरणीइंवातजाणीपरेंरेलो ॥ ३८ ॥ संकटजाणीनआवीआंरेलो ॥
धरमेंआपणसावीआंरेलो ॥ दोषअनेकपरघरजतांरेलो ॥ इहलोकनानिस्पृह
थतांरेलो ॥ ३९ ॥ आव्यांनहीतेकारणेंरेलो ॥ अम्हेजस्यूंगुरूणीबारणेंरेलो ॥
केइककालइंमवहीगयोरेलो ॥ एकदिनचित्तनीरमलथयोरेलो ॥ ४० ॥ कर्मरा
शीपातलीपमीरेलो ॥ शुकलध्यानमांहिचढीरेलो ॥ जिववीरजउल्लस्यूंजदारेलो ॥
अपुर्वकरणथयुंतदारेलो ॥ ४१ ॥ रूपकश्रेणिमांहिलहीरेलो ॥ केवलज्ञानगं
नुंनहीरेलो ॥ कर्मचुटुंजवमाहरूरेलो ॥ व्यंतरचित्तथयुंपाधरूरेलो ॥ ४२ ॥ प
श्चातापेंहारनेंरेलो ॥ मुंक्योकर्मनीवारणेंरेलो ॥ कर्मविपाकमुरुदाषीउंरेलो ॥
सांसलीसह्जनहरषीउंरेलो ॥ ४३ ॥ विस्मितथईकहेएहवुंरेलो ॥ अहोएत
लाथीडखकेहवुंरेलो ॥ राजादिककहेस्वामिनीरेलो ॥ बहुदूखनीखमीजामिनी
रेलो ॥ ४४ ॥ चिहुंगतीमांसमतांथकांरेलो ॥ डखतेकहोकीमकहीसकांरेलो ॥
नरकतिरीदूखतोरह्यांरेलो ॥ मनुंष्यनांपणिकिमजाइंसह्यांरेलो ॥ ४५ ॥ गरसनें
जनममरणजरारेलो ॥ प्रियविरहादिकदूहकरारेलो ॥ मैथुनसुखमानेंजिकेरे
लो ॥ खरजखननसमछेतिकेरेलो ॥ ४६ ॥ मुखमीठाविरसापछेरेलो ॥ धर्म
थकीसहुअघगछेरेलो ॥ बुझीससातवसूपतीरेलो ॥ बंधुदेवकहेसूसमतीरेलो ॥
॥ ४७ ॥ धरमअमेअंगीकरुंरेलो ॥ तुमआणाअमेशीरधरुंरेलो ॥ जिमसूख
देवाणुंप्रियारेलो ॥ विलंबनकीजेंएक्रीयारेलो ॥ ४८ ॥ अठाईमहोछवकरेरे
लो ॥ दानदेईनेंउधरेरेलो ॥ हरीसेननेंराज्येंठविरेलो ॥ दिक्षालिइंज्यूंसूरगवी
रेलो ॥ ४९ ॥ पुरुषचंद्रसूरीनेंकनेंरेलो ॥ साथेंप्रधाननेपरीजनेंरेलो ॥ पांचमी
ढालपदमेंकहीरेलो ॥ सातमेखंमेंएसहीरेलो ॥ ५० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ षेदधरीछलबोलतो ॥ सेनतणांवीसेण ॥ छिद्रनलाधुंछलथकी ॥

तवकस्युंमौनजतेण ॥ ५१ ॥ एकदिनसूरजआयमें ॥ फूल्याअकालेंफार ॥ सवनउद्यानमांसूपना ॥ वनपालकतिणीवार ॥ ५२ ॥ आवीप्रधाननेंउलगें ॥ तिमजविगतिणेंताम ॥ पागमुलप्रकृतियया ॥ जाणीचिंतेजाम ॥ ५३ ॥ अं बजअष्टांगनिमित्तिउ ॥ सिद्धपुत्रसूवीचार ॥ एकांतआदरकरी ॥ पुछेप्रधान प्रकार ॥ ५४ ॥ कुसूमविचारलावीकहो ॥ तवबोल्योततकाल ॥ कोपनक रस्योकोपरें ॥ शास्त्रवचनसंभाल ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ चउसद्दहणातीलिंगछे ॥ एदेशी ॥ कोपकिस्योदैवपरिणती ॥ साषेंइमप्रधानोजी ॥ कहाजेहवुंहोयते हवुं ॥ तवबोल्योतेविज्ञानजी ॥ ५६ ॥ त्रु० ॥ विज्ञानथीकहेकुसूमउग्यां ॥ अकालेफलतासए ॥ राज्यउलटपलटथास्यें ॥ सांसलोसूविलासए ॥ तुरतसह जस्वसावकूआं ॥ तिणेंथोफोकालए ॥ षीणवेलावलयकीवली ॥ मसूतकालनि हालए ॥ ५७ ॥ कहेपरधानकरवुंकिस्यूं ॥ साषोतासउपायजी ॥ दानप्रमु खशांतीकर्मथी ॥ विघनविमारणथायजी ॥ ५८ ॥ त्रु० थायइंणिपरेंनीमी त्तीउकहे ॥ देवगुरूपुजाकरो ॥ जावजीवकांयपापगंमो ॥ गुणअधीकअं गिधरो ॥ पमीहारनृपनोइंणिअवशरे ॥ आवीकहेमहारायए ॥ बोलावेतूमेंशी घ्रआवो ॥ तवप्रधानकहायए ॥ ५९ ॥ कहोनृपनेंजईइंणिपरें ॥ आव्यो आणिप्रमाणजी ॥ पुछेतामनीमीत्तीउ ॥ स्येकारणनृपआणिजी ॥ ६० ॥ त्रु० ॥ नैमितीउकहेराजपुरथी ॥ आव्योनृपनरएकए ॥ कल्याणकारीतिणें तूम्हनें ॥ तेमाव्याछेछेकए ॥ संक्षेपथीकुंएहजाणूं ॥ तवकहेपरधानए ॥ क ल्याणकारीकहोस्यूंछे ॥ बोलेतववरज्ञानए ॥ ६१ ॥ उचरोकांयकमुख थकी ॥ तवतेइंणिपरेंसासेजी ॥ जयइजयलछीनीलय ॥ सूणीनीमीत्तीउ विमासेजी॥६२॥ त्रु०॥विमासीकहेनृपकुमरनें ॥ कंन्यादेवाकाजए॥आव्यो तिणेंआणंदहेतू ॥ वलिसूणोएकआजए ॥ जेहपरणस्येएहकुमरी ॥ तेहथा स्येरायए ॥ एहतूमचाराज्यकेरो ॥ वलिअन्यनोथायए ॥ ६३ ॥ नैमित्तीउ विसर्जिउ ॥ पुजीहर्षलहीनेंजी ॥ शांतीकर्मआणाकरी ॥ गयोनृपपासेवही नेंजी ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ रायउछीआशनआप्युं ॥ दिगेनयणेंउतए ॥ नृपकहे

रायपुरसूपनरए ॥ सूणोतसत्राकुतए ॥ ऋंषनरपतीइंमकहावे ॥ सूतामुझत्रां तीमती ॥ त्रापीतूम्हसूतगमेतेहनें ॥ वाहलीजिवीतथीत्रती ॥ ६५ ॥ कहेमंत्रीत्रनुंकूलए ॥ किजेंतासवचन्नजी ॥ रायकहेमानोसूखें ॥ सेनकुमारनेंदिन्नजी ॥ ६६ ॥ त्रु ॥ सामंतनयरीजननेंजणवे ॥ मंत्रीवर्द्धापनकरे ॥ वाजेमंगलतूरनाचे ॥ त्रंतेउरीत्राणंदधरे ॥ त्राणंदसज्जनेंउपनोपणि ॥ डुहवाणेविसेणए ॥ सूणिनसकुंएहव्यतीकर ॥ देषीसकीइंकेणए ॥ ६७ ॥ केइकदिनपछीमोकले॥परणवासेनकुमारोजी ॥ बज्रुत्राडंबरेंपरवस्यो ॥ मंत्रीप्रमुखपरीवारोजी ॥ ६८ ॥ त्रु ॥ परीवारसेंतीगयोतीहारें ॥ सामईउंतेनृपकरे ॥ छोडाव्यासज्रुबंदिजननें ॥ दानदेवेंज्रुसपरें ॥ राजमारगशुद्धकीधो ॥ पात्रनाचेंपगपगें ॥ इत्यादिकपरवेशमहोछव ॥ त्राडंबरथीझगमगे ॥ ६९ ॥ उतरेंनृपदत्तसूवनमां ॥ लगनदिवसवरतावेजी ॥ त्रनुंक्रमेगजशीरबेशीनें ॥ विवाहमांझवेत्रावेजी ॥ ७० ॥ त्रु ॥ बज्रुपरिंशिणगारकरीनें ॥ पहेरीवस्त्रत्रलंकारए ॥ रुपत्रदसूतदेषीचिंते ॥ तामसेनकुमारए ॥ तवत्रनादित्रत्यासदोषें ॥ जाग्योप्रेमत्रंकुरए ॥ त्रहोएहवासावजगमां ॥ उपजेसरपुरए ॥ ७१ ॥ पाणिग्रहणथयुंतीहां ॥ फेराफरतांतामजी ॥ दानदिइंबज्रुनरपती ॥ सूखलोगवेज्रुसधामोजी॥७२॥त्रु ॥ वोलावीत्राकेईदीवसरहीनें॥ त्राव्यानिजपुरीउमही॥ नरपतीत्रंतेउरनगरजनसज्रु ॥ त्राव्याशनमुखगहगही ॥ पेशारामहोछवकरीनें ॥ लाव्यानीजत्रावासए ॥ तवविसेनकूमरडुसाणो ॥ पुरववैरत्रत्यासए ॥ ७३ ॥ कालगयोवलीकेतलो ॥ त्राव्योमासवशंतोजी ॥ कामिनीजनमदनाकूली ॥ मलयत्रनीलवायंतोजी ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ कोकीलरवेंकरीपथीकत्रसव्या ॥ केसूडाफूलिरह्यां ॥ त्रंबमंजरीतणेंपरीमल ॥ भ्रमरत्रतीत्राणंदलह्यां ॥ राढामिलीतिहांत्रतीत्रनोपम ॥ तामसेनकुमारए ॥ वस्त्रउज्वलत्रनें त्राभूषण ॥ साथेंबज्रुपरीवारए ॥ ७५ ॥ त्रमरनंदनउद्यानमां ॥ कनककटकधस्यांहाथोजी ॥ बाजुबंधनेंकुंमल ॥ केमेंकटीसूत्रतेसाथोजी ॥ ७६ ॥ त्रु० ॥ तीणेंसाथिमाथेमुगटपहिस्यो ॥ बेठोगजवरउपरें ॥ वाजतेवाजेबंदीज

नस्यूं ॥ परवस्योजवनीशरे ॥ खंमश्चातमेपञ्चविजइ ॥ कहिछठीढालए ॥ स
मरादीत्यनारासमांहिं ॥ सूणतांमंगलमालए ॥ ७७ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ डुहा ॥ ऐरावणपरिंईद्रजिम ॥ सूरपरीव्रततिमञेना॥शांतिमतीपणिसोहती ॥
सूषणवञ्चसरणेण ॥ ७८ ॥ रसणामणीनेउरवर ॥ हारकुंमलशोहंत ॥ चंद्रमु
षीचतुराघणं ॥ माननीजनमोहंत ॥ ७ए ॥ जमीतरतनजंपानमां ॥ बेठी
बालातेह ॥ इहवाणेदेषीइस्यूं ॥ जमोविसेनोजेह ॥ ८० ॥ पुरवकर्मविपाक
स्यूं ॥ अवलूंसूजेन्नाम ॥ मारूंएहनेंमुलथी ॥ ठावोफेमुंठाम ॥ ८१ ॥ अमर
नंदनउद्यानमां ॥ आव्योकुमरञ्चाराम ॥ वाविसरोवरव्रुनें ॥ देषीहर्षउद्दाम
॥ ८२ ॥ उतरीउञ्चवनीतलें ॥ क्रिमाविविधप्रकार ॥ करतांदिनसवीनिक
ल्यो ॥ आव्यानीजञ्चागार ॥ ८३॥ इमनितरमवाआवतो ॥ सेनकुमरसुहम
ल्न ॥ मारापुंठेंमुकतो ॥ विसेनकुमरविपिन्न ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ लोहारणीजायो
द्विकरो ॥ लोहारीहे॥तेहनुंफूलणीउदितनामकोललसूरंगीहे ॥ एदेशी ॥ इम
करतांबञ्चदिनगया ॥ सूणोप्राणीहे ॥ एकदिनथयामध्याह्न ॥ लालगुणषाणी
हे ॥ परीजनसञ्चविरलाथया ॥ सू० ॥ रह्योनिजसवननेंथान ॥लाल० ॥८५॥
निज २ कामेंचरगया ॥ सु० ॥ हवेधरीतापसवेस ॥ लाल० ॥ आव्याविसे
णकुमारना ॥ सु० ॥ कपटकरीकायक्लेश ॥ लाल० ॥ ८६ ॥ नलीकाप्रयो
गेंषमगधरी ॥ सु० ॥ देषेसेनकुमार ॥ला० ॥ ञ्चकमकरव्योआववातणो ॥सु०॥
आव्याजामतिवार ॥ ला० ॥ ८७ ॥ स्येकारणतूमेआवीआ ॥ सु० ॥ इंमपुछे
सेनकुमार ॥ ला० ॥ तेकहेगुरूआणाथकी ॥ सु० ॥ आवोएकांतेठार ॥ला०॥
॥ ८८ ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ सु० ॥ तपसीगुरूवचकार ॥ ला० ॥ थोमो
इंदोषएहमांनही ॥ सु० ॥ गुरुहृदयइंमधारि ॥ ला० ॥ ८ए ॥ गयाएकां
तेंजेतले ॥ सु० ॥ छुरीकूटावीलीध ॥ ला० ॥ काढिषमगषंधदेशमां ॥ सु० ॥
गाढप्रहारतेकीधं ॥ ला० ॥ए०॥ कोप्योकुमरचितेंस्यूंथयुं ॥सु०॥वलिआमावे
पास ॥ ला०॥ अचलीतवीर्यकूमरघणं ॥ सु० ॥ पमीआतेहनेंपास ॥ला०॥
॥ए१॥ घातकषेसायाघणं ॥ सु० ॥ जित्याएकेंच्यार ॥ ला०॥ खमगकूटा

वीनेंलीत्र्प्रां ॥ सु० ॥ देषीएहप्रकार ॥ ला० ॥ ए२ ॥ त्र्प्रोरकरयोवनपालीका ॥ सु० ॥ तवत्र्प्राव्याचोकीत्र्प्रात ॥ ला० ॥ खमगथीमारवामांमीत्र्प्रा ॥ सु० ॥ तवकुमरनिषेधकरात ॥ ला० ॥ए३॥ कोसलस्थानवलाथया ॥ सु० ॥ जीवीतनीनहीत्र्प्रास ॥ ला० ॥ मारेमुत्र्प्रानेंसुंहोइ ॥ सु० ॥ त्र्प्रास्यात्र्प्रफलथईजास ॥ ला० ॥ए४॥ रायसुणीतीहांत्र्प्रावीत्र्प्रा ॥ सु० ॥ बंधाव्यातेचोर ॥ ला० ॥ नूपकहेएस्युंथयुं ॥ सु० ॥ कुमरकहेतिणेंठोर ॥ ला० ॥ए५॥ कांयत्र्प्रमेजाणंनही ॥ सु० ॥ घातकनेंकहेताम ॥ला०॥ स्युंएकरयुंकोणेंमोकल्या॥सु०॥ निमीत्तविनानहीकाम ॥ ला० ॥ ए६॥ नवीबोल्यातेतवफिरी ॥ सू० ॥ पुछेइंमत्रणिवार ॥ ला० ॥ तोपणिजबनवीबोलीत्र्प्रा ॥ सु० ॥ तबतसदिधोमार ॥ ला० ॥ ए७ ॥ नवीत्र्प्रषमाणाकोरमा ॥ सु० ॥ जिवीतनीवलीत्र्प्रास ॥ ला० ॥ नूपकोपनरवमीसक्या ॥ सु० ॥ वातकहीसवीतास ॥ ला० ॥ ए८॥ कुमरविसेनेंमोकल्या ॥ सू० ॥ किधुंएहत्र्प्रकाज ॥ ला० ॥ कोप्योवीसेनकुमरत्तणी ॥ सु० ॥ सेनकहेसुणोराज ॥ ला० ॥ एए ॥ कुमरवीसेनएनवोकरे ॥ सु० ॥ स्वजनतणोहीतकार ॥ ला० ॥ तातनोसुतजसत्र्प्ररथीउ ॥ सु० ॥ नकरेविरुद्धकूमार ॥ ला० २०० ॥ जीवीतईछकइमकहे ॥ सु० ॥ तिणेंकिजेंसुपत्र्प्राय ॥ ला० ॥ घातकमुंकोतातजी ॥ सु० ॥ तामगवेषेराय ॥ ला० ॥ १ ॥ कुमरवित्र्प्रोननानीश्र्वयें ॥ सु० ॥ कोप्योरायत्र्प्रपार ॥ ला० ॥ काढीमुंकोमुऊराज्यथी ॥ सु० ॥ कुलडषकएकूमार ॥ ला० ॥ २ ॥ काढोएघातकजीवथी ॥ सु० ॥ तवपमीउसेनपाय ॥ ला० ॥ साषेजोएईमकरो ॥ सु० ॥ तोमुऊउखत्र्प्रतीथाय ॥ ला० ॥ ३ ॥ यास्येत्र्प्रवस्थामुऊतणी ॥ सु० ॥ जिणेंतूमउपजेत्र्प्रोक ॥ ला० ॥ तेहसूणीनृपचिंतवे ॥ सु० ॥त्र्प्रहोत्र्प्रंतरजुउलोक ॥ला०॥ ४ ॥ नृपकहेतुऊनेंजेगमे ॥ सु० ॥ पणिनहीजुगतीवात ॥ ला० ॥ कुमरकहेत्र्प्रनुंग्रहकरयो ॥ सु० ॥ करतांएत्र्प्रवदात ॥ ला० ॥ ५ ॥ मुंक्याघातकजीवता ॥ सु० ॥ कुमरराष्योजिणेंपास ॥ ला० ॥ व्रणकर्मनीत्र्प्राणाकरी ॥ सु० ॥ नूपगयोनीजवास ॥ ला० ॥ ६ ॥ लोकवादएहवोथयो

॥ सु० ॥ अहोहिवंकस्युंकांम ॥ ला० ॥ इमअपजसविसेननो ॥ सु० ॥
सेनसूणीउखधाम ॥ ला० ॥ ७ ॥ विणअपराधेंअहोजुउ ॥ सु० ॥ अपज
सताजनथाय ॥ ला० ॥ निंदितउर्जनआचरे ॥ सु० ॥ तेएहथीनकराय ॥
॥ ८ ॥ ला० ॥ लोकनीरंकुसनवीचारे ॥ सु० ॥ जुक्ताजुगतूंजेह ॥ ला० ॥
अथवापुरवकर्मथी ॥ सु० ॥ निपजेसघलुंएह ॥ ला० ॥ ए ॥ उहवाणो
सेनइंणीपरें ॥ सु० ॥ हवेरुकाणेपरहार ॥ ला० ॥ सुतदिवसेंन्हायोवली ॥
॥ सु० ॥ दानदिइंअपार ॥ ला० ॥ १० ॥ मुंक्यावंदिलोकनें ॥ सु० ॥ पूज्या
नयरीनादेव ॥ ला० ॥ मंगलतूरबजावीआं ॥ सु० ॥ वधामणंकरेहेव ॥
॥ ला० ॥ ११ ॥ सातमेंखंमेंसातमी ॥ सु० ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ ला० ॥
श्रीसमरादित्यरासमां ॥ सु० ॥ धर्मथीमंगलमाल ॥ ला० ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नरपतीवर्जननवीलहे ॥ कुमरविशेनकिवार ॥ नविमनाचिंतेनीप
नु ॥ इंगितकामएवार ॥ १३ ॥ उचितकरेनहीएकपणि ॥ परिजनपरीचय
त्याग ॥ उछवमांनवीआवीउ ॥ किमहंग्रामांकाग ॥ १४ ॥ सेनकुमरतेसां
लली ॥ चित्तमांकरेवीचार ॥ अछतुंआलदिइंजना ॥ नसहाइंनीरधार ॥ १५ ॥
तिहांजईनेंकहितातनें ॥ लावुंचरणलगाय ॥ जगतिपतीजईवीनव्यो ॥ कहे
मुफकरोपसाय ॥ १६ ॥ कुमरविनाआणंदकीस्यो ॥ नृपकहेसांसलन्याय ॥
कुलकलंकनीवातकीम ॥ करतांजसकहेवाय ॥ १७ ॥ सेनकहेसाचोनही ॥
विकलपतणोविचार ॥ आचरेनहीअकार्यनइ ॥ आणिकरोएवार ॥ १८ ॥
सोलोतूंसोलायछे ॥ देषेसघलूंउध ॥ पणिएकूटिलपराक्रमी ॥ लागेमुफमन
लूध ॥ १९ ॥ कहेकुमरसाषोकिस्यूं ॥ गुणथीअतीगंसीर ॥ बालससावबाहि
रकस्यो ॥ पणिधरेअपजसपीर ॥ २० ॥ रायकहेतूंकमनरूचे ॥ तिमकरि
सूखेंतेमावि ॥ तवस्वयमेवतिहांगयो ॥ आषेइंणिपरेआवि ॥ २१ ॥ ढाल ॥
मालाकिहांछेरे ॥ एदेशी ॥ आमणउमणनेंवलीउर्वल ॥ वाल्हामारा ॥ आलूषण
नहीअंगरे ॥ वदनकमलकमलाणंजेहनुं ॥ देषेशेनविरंगरे ॥ २२ ॥ उत्तम
एहवारे ॥ अपराधीस्यूंनेह ॥ करेसुखदेवारे ॥ एआंकणी ॥ त्रुटीजुनीखाटे

सूतो ॥ वा० ॥ देषीविसेननेंचितेरे ॥ अछताअवगुणजनजबसाषे ॥ डुषनावे
किणीरीतेंरे ॥ २३ ॥ ऊ० ॥ यतः ॥ संतगुणविप्पणासो ॥ असंतदोसुझवेय
जंडुखं ॥ तंसोसेईसमुद्दं ॥ किंपुणहियंयंमणुस्साणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ रेसाई
छगेनृपपासें ॥ वा० ॥ बालचेष्टानवीकीजे ॥ पापचिंतानकरोघटमांहि ॥ चि
त्तउगाहधरीजेंरे ॥ २४ ॥ ऊ० ॥ ईणविएअलंकारकरावे ॥ वा० ॥ चंदनच
रचेअंगेंरे ॥ क्षोमजुगलपहिराव्युंसेनें ॥ दिउतंबोलउमंगेंरे ॥ २५ ॥ ऊ० ॥
लाविनृपनेंपायलगाव्यो ॥ वा० ॥ हवेउछववर्त्ताव्यो ॥ अनुक्रमेंकेईककाल
गयाथी ॥ सेनविश्वासेंलाव्योरे ॥२६॥ऊ० ॥ एकदिनकौमुदीमहोछवकरवा ॥
वा०॥ नृपचाल्याउद्यानें ॥ नगरलोकक्रीडामांमंड्या ॥ जुउअचरीजईणथाने
रे ॥ २७ ॥ उ० ॥ मत्तमतंगजछुटोथंसथी ॥ वा० ॥ आलानथंसउषेडी ॥
पादपलांजतोलोकनेंसनमुख ॥ चाल्योमीछछेडीरे ॥ २८ ॥ ऊ० ॥ हाथिश्रे
णीलांजेंथयोकलकल ॥ वा० ॥ लोकतेचिह्नदिशनाठा ॥ रायजाणीकहेपक
डोएहनें ॥ किमबलथीसह्यघाठारे ॥ २९ ॥ ऊ० ॥ आणालहीतवशेनकुमा
रह ॥ वा० ॥ तेहनेंसनमुखधायो ॥ सिंहकिसोरपरेंगजदेषी ॥ मदसवीडर
पलायोरे ॥ ३० ॥ ऊ० ॥ करीअसवारीअंकुशग्रहीनें ॥ वा० ॥ कुंभस्थ
लेंतेदीधी ॥ गुल२शब्दकरयोगजराजें ॥ जसकिरतीबह्नलीधीरे ॥ ३१ ॥ऊ०॥
डुल्लाणोएजससांसलीनें ॥ वा० ॥ चिंतेविसेनकुमार ॥ एडुखतोमेंखम्युंनवी
जाइं ॥ करीइंकिस्योप्रकाररे ॥ ३२ ॥ ऊ० ॥ जेथानारतेथाज्योपणझुं॥वा०
मारुंमाहरेहाथे ॥ एकदिनशेनकुमरउद्यानें ॥ रह्याशांतीमतीसाथेरे ॥ ३३॥
॥ ऊ० ॥ संध्यासमयेंकेईनरसाथें ॥ वा०॥ सेनसकतीनवीचारी ॥ क्रोधवसें
नीजबलअणतोली ॥ चाल्योमारवुंधारीरे ॥ ३४ ॥ ऊ० ॥ चंदनलताघरमां
हिपेठो ॥ वा० ॥ दिठोकुमरएकाकि ॥ शांतिमतीसुतीदेषीनें ॥ काढ्यूंषड्गते
ताकीरे ॥ ३५॥ ऊ०॥ शांतिमतीदेषीकहेपीउनें ॥ वा० ॥ तवसंभ्रांततेपामी॥
घातकरयोतेवंचावीलीधो ॥ कलबलछलनहीषांमीरे ॥ ३६ ॥ ऊ० ॥एस्यूंईम
शुन्यह्रदयेंकरीनें ॥ वा० ॥ खड्गतेअपहरीलीधुं ॥ काढिछुरीवलीमारए

कामें ॥ कामप्रकारजकिधुंरे ॥ ३७ ॥ ऊ० ॥ करमरमीनेंतेहफूंटावी॥वा०॥
लीधीसेनकुमारें ॥ तेहनीपीमाइंपम्योहेगे ॥ उगावेशेनत्यारेरे ॥ ३८॥ ऊ० ॥
हाथफालीसज्याइंबेशारी ॥ वा० ॥ पुठेसंभ्रमवातो ॥ कंठरुंधाणोउत्तरनदि
धो ॥ उठ्योचित्तथीहारीरे ॥ ३९ ॥ ऊ०॥ नीकलीउहवेतीहांथोत्यारे ॥वा०॥
शांतीमतीपतीपुछे ॥ सीएवातकहेतवमुफनें ॥ खबरनहीएस्यूंछेरे ॥ ४० ॥
ऊ० ॥ पणिसामान्येंएहवुंजाणुं ॥ वा० ॥ राज्यअरथेंकोईप्रेस्यो ॥ इंणेथा
निकरहेवुंमुफनघटे ॥ जिणेंसाईडुषथीघेरयोरे ॥ ४१ ॥ ऊ० ॥ जोकदी
नृपजाणेंकोईलिगें ॥ वा० ॥ तोघरमांथीकाढे ॥ अंबाशोकधरेंकुललाघव ॥
कुपुरुषकलंकएचाढेरे ॥ ४२॥ ऊ०॥ कुलनिंदाराषेतेसुपुरिस॥ वा०॥ इंमसु
णीबोलेनारी ॥ तूम्हनेंकिमनृपजावादेस्ये ॥ कुमरकहेसुणिप्यारीरे ॥ ४३ ॥
ऊ० ॥ गुरुनेंसाष्याविणजावुंछे ॥ तेहमांगुणबहुजाणी ॥ शांतीमतीकहेहे
स्वामीजी ॥ परमाणतूमचीवाणीरे ॥ ४४ ॥ ऊ० ॥ सेनकूमारकहेचालोहव
इं ॥ वा० ॥ रषेकूमारतेनासे॥लज्जापरीसहनांहिषमाइं ॥ तिणेंनवीरहेएवासे
रे ॥ ४५ ॥ऊ० ॥ सातमेंखंमेंआठमीढालें ॥ वा ॥ सज्जनवातएंजोज्यो॥पद्म
विजयकहेडरजनसरीषा ॥ सविकाकोईमतहोयोरे ॥ ४६ ॥ ऊ० ॥ ॥छ॥
॥ डुहा ॥ सज्जनशेलमीशारीषा ॥ आपेरसअसराल ॥ पीम्यापणपिमेनही ॥
मोहटातेहमयाल ॥ ४७ ॥ अर्कहवइंतिहांआथम्यो ॥ परीजननेंकहेप्रेम ॥
आजइंहांवसवुंअछे॥ जाउसहुइंजेम ॥ ४८ ॥ सज्याहवेतिहांसजकरी ॥
मस्तकदूखेमुफ ॥ इमकहीसहुअलगांकर्यां ॥ गाठिचित्तमांगुफ ॥ ४९ ॥
उंघ्यासहुइंएतले ॥ अबलानेंकहेइंम ॥ देशांतरदिरघघणां ॥ निकलवुंतोनें
म ॥ ५० ॥ आपदपणिआवेकदा ॥ कर्मवीचित्रनांकाम ॥ अबलानोअवस
रनही ॥ नपफेसुफिनुंनाम ॥ ५१ ॥ शांतीमतीकहेस्वामीजी ॥ फिकरनकरी
इंफोक ॥ तूमसाथेंमुफवर्त्ततां ॥ स्योमुफनेंछेशोक ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ धन २
संप्रतीसाचोराजा ॥ एदेशी ॥ शांतिमतिस्यूंचाल्योतिहांथी ॥ नकहीकोईनें
वातरे ॥ चंपावासगाममांहिआव्या ॥ चालिरातोरातिरे ॥ ५३ ॥ सज्जनपरी

त्राइंणीपरेंकीजें ॥ एत्र्प्रांकणी ॥ त्र्प्रर्कउग्योनेंथाकीत्र्प्रबला ॥ बेठांएकवनमां
हिरे ॥ रायपुरवासीसारथवाहसूत ॥ सानुंदेवत्र्प्राव्योत्यांहिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥
उलषीनेंचित्तमांइमचिंतें ॥ किहांथीरतीनेंकामरे ॥ रायतोकाढिनमुंकेंएहनें ॥
एहमहागुणधामरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ गुणपक्षपातीहरीषेणराजा ॥ तिणेंकारण
कोइत्र्प्रन्यरे ॥ कोइसमर्थनकाढवाएहनें ॥ पणकोइउदवेगमन्नरे ॥ ५६ ॥
॥ स० ॥ प्रणमीपुछुंइमवीचारी ॥ पुछेकरीपरणामरे ॥ खेदमकरज्योत्र्प्रजा
ण्योपुछुं ॥ कूंत्र्प्ररबोलेतामरे ॥ ५७ ॥ स० ॥ षेदतणोत्र्प्रवत्र्प्रारनहीसाषो ॥ त
वबोल्योसानुंदेवरे ॥ तूम्हसुसरापुरनोउवासी ॥ तामलीमीजाउंहेवरे ॥ ५८ ॥
स० ॥ माहरोसाथइहांउतरीउ ॥ त्र्प्राव्योत्र्प्राचमननेंकाजरे ॥ पासेसरोवरछे
त्र्प्रतीसूंदर ॥ त्र्प्राव्योतेहनीपाजिरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एहनीकुंजमांपेसतांउप
नो ॥ मुझनेंत्र्प्रतीत्र्प्राणंदरे ॥ म्हेंजाण्युंइहांहरषतेथास्ये ॥ दिठेतूममुखचंदरे ॥
॥ ६० ॥ स० ॥ रायपुरेंम्हेंदिठातूमनें ॥ उलष्याकारणतेणरे ॥ हरषलह्योप
णिषेदउपनो ॥ दिठाएकाकीजेणरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ कहेवाजेहवीहोयतोसा
षो ॥ चिंतेतामकुमाररे ॥ त्र्प्रहोत्र्प्रनुंरागवचनचतूराइ ॥ साषेइमउदाररे ॥ ६२ ॥
॥ स० ॥ सांसलिकारणपुछेकहेस्यूं ॥ पणितामलीमीइंजावुंरे ॥ सार्थपकहेमु
झसाथेंत्र्प्रावो ॥ कूमरकहेतेनावुंरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ ताततणात्र्प्रसवारजोत्र्प्रा
वे ॥ तोमुझनेंलेईजावेरे ॥ सानुंदेवकहेरहेस्यूंइहां ॥ जवतेत्र्प्रावीनेजावेरे ॥
॥ ६४ ॥ स० ॥ नानाकरतांपणितेरहीउ ॥ तवजेनकूमरतेसासेरे ॥ जाउसाथमांकोई
नेंमकहेज्यो ॥ मतत्र्प्रावज्योइणवासेंरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ सार्थपचाल्योत्र्प्राप
साथमां ॥ त्र्प्राव्यातेत्र्प्रसवारोरे ॥ पुछेसाथनेंनरनारीकोई ॥ दिठांइणहीप्रकारो
रे ॥ ६६ ॥ स० ॥ साथकहेइहांकोईनत्र्प्राव्युं ॥ तवकहेमाहोमांहिरे ॥ कूमर
नोएहनमारगजावा ॥ म्हेंसाष्युंहतूत्यांहिरे ॥ ६७ ॥ स० ॥ रायपुरमारगचा
लोइहांथी ॥ इमकहीगयात्र्प्रसवारोरे ॥ थोडीवेलाइंमोकलेसार्थप ॥ दंपतीनें
त्र्प्राहारोरे ॥ ६८ ॥ स० ॥ वातकहेसार्थपत्र्प्रावीनें ॥ सूर्यत्र्प्राथम्योजामरे ॥
लाव्योसाथमांपाछलीराति ॥ किधप्रयाणतेतामरे ॥ ६९ ॥ स० ॥ शांतिमती

स्यूंकुमरनेंग्रापे ॥ वेसवानेंजंपानरे ॥ मारगजातांफेरादेईनइं॥उतरीयाकोईथा
नरे॥७०॥स०॥ इमनीतनीतप्रयाणकरतां॥ वोल्याकेईकदीन्नरे॥ एकदिनदत्त
रतीग्रटवीमां ॥ उतर्योसाथतेवन्नरे ॥ ७१ ॥ स० ॥ सयजाणीचोकीचिहुं
पासें ॥ मुंकीथईसावधानरे॥ प्रातसमयचोकीसहुउठी ॥ सहुगयानीज २
थानरे ॥ ७२ ॥ स० ॥ चाकरसवेंलादवालागा ॥ ग्रावीसिलनीधाफिरे ॥ बा
णतणोवरसातवरसावे ॥ सिंगनासब्दवजाफीरे ॥७३॥स०॥ मारि २ करताते
ग्राव्या ॥ खेदलक्षाकर्मकाररे ॥ ग्राफहथीग्राराग्रागलिदोफ्या ॥ लागोजुद्ध
ग्रपाररे॥ ७४ ॥ स० ॥ शांतिमतीनेंधीरजग्रापी ॥ चाल्योसेनकूमाररे ॥
केसरीहरणजुथज्यूंत्रसव्या ॥ सबरसेन्यपफीहारिरे ॥७५॥ स०॥ विजीदिस
थीसाथनेंसेल्यो ॥ लुट्युंसांफजसाररे ॥ ग्राफहथीग्रारापाफ्यासघला ॥ नाठी
सघलीनारीरे ॥ ७६ ॥ स० ॥ कुमरग्राव्योजवएहदीशाइं ॥ सिल्लतणीपफी
नासिरे ॥ एकाकीदेषीपल्लिपती ॥ ग्राव्योतासप्तकासिरे ॥ ७७ ॥ स० ॥ ना
ख्युंषफगकुमरवंचावे ॥ कुमरेंदिधप्रहाररे ॥ मुर्छालहीपल्लिपतीपफीउ ॥ वींजें
कूमरतिवाररे ॥ ७८ ॥ स० ॥ ढुकफासरथीकमलिपत्रें ॥ लाविसिंचेंनीररे ॥
नयनउघाफीनामविलोके ॥कुणएसाहसधीररे॥ ७ए॥स०॥ रुपेंमयणपराक्रमें
केसरी ॥ दयाइंमुनीकुमाररे ॥ ठेसूकमालपणिदृढप्रहारी ॥ सत्रुनेंमीत्रग्रनुं
हाररे ॥ ८० ॥ स० ॥ परमेसरएदीसेसाचो ॥ कामग्रजुत्तूंकीधुंरे ॥ एहवा
पुरुषनेंग्रापणेंइंणिपरें ॥ साथलूंटिडुखदिधुंरे ॥ ८१ ॥ स० ॥ सातमेखंफे
समरादित्यना ॥ रासमांनवमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेसांसलोश्रोता ॥ ग्राग
लिवातरशालरे ॥ ८२ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ कुमरकहेमतग्राकूला ॥ स्वस्थाउसाग्यवंत ॥ कहेपल्लिपतीकेहवुं ॥
स्वस्थपणंग्रमसंत ॥८३ ॥सीलसेन्येंग्रावीसणें ॥ इंणग्रवसरकोईम॥पल्लि
पतीनेंपाफीउ ॥ करस्यूंकहोहवेकेम ॥ ८४ ॥ मार २ करतामनुंज ॥ तिहां
सवरनाताम ॥ ग्राव्यादेषीग्राफणी ॥ सानकरेपल्लिस्वामि ॥ ८५ ॥ मुफजी
त्योएमहापुरुष ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ सिग्रादीकरीतेसुणी ॥ उपनोवहुग्रा

ल्हाद ॥ ८६ ॥ हाथजोमीमुंकीहवे ॥ धनुंषतीरधरीकंध ॥ परसूतेहवेपाणी
नें ॥ आव्यांअंजलीबंधि ॥ ८७ ॥ असयतेआपोअमतणी ॥ सेनकहेसूवी
चार ॥ आयुधरहीतनेंअसयछे ॥ इंणअवसरअवधारि ॥ ८८ ॥ ढाल० ॥
सूणोहोतेऊंअनाथी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतीपाएपमे ॥ कहेखमोमुझअपराध ॥
साथतूमारोलूटिउ ॥ तिणेंकिधुंरेपापअगाध ॥ ८९ ॥ कुमरजीकिधोरेअम
उपगार ॥ तूमसरीषाजगमांदूच्यार ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥ इंमकहीकरीउद
घोषणा ॥ संग्रामकीधोदूर ॥ जिणेंजेलीधुंहोइंते ॥ लावोरेमुझहजुर ॥ ९० ॥
कु० ॥ कोईकनेंकांईरहेस्येकदा ॥ तोटालूंतेहनोगाम ॥ ततकालसऊलेदूंक
री ॥ कहेजुउरेएदाम ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कहेकुमरनहीस्वामीअम्यो ॥ सऊवाहसू
तजोआय ॥ तोउलषीनेंसघलूंलहे ॥ सूणीतेहनेंरेषोलवाजाय ॥ ९२ ॥ कु० ॥
एकवननंकूंजेंतेलह्यो ॥ लाविआतेहनेंतांम ॥ कहेपल्लीपतीनवीजाणीउं ॥
एहवारुमारेपुरूषएगाम ॥ ९३ ॥ कु० ॥ इणेंजीत्याअमनेंएकले ॥ अम्हेप
मीवज्योएनाथ ॥ एऊनातूम्हेअम्हेतूमतणो ॥ लूटिलीधोरेइंणिपरेंसाथ ॥ ९४ ॥
कु० ॥ चिजसावएतूमतणी ॥ लेज्योसंसालीसाय ॥ सार्थपवीचारेचित्तमां ॥
इंणएकेंरेकिधपसाय ॥ ९५ ॥ कु० ॥ सार्थपकहेसऊआवीउ ॥ हरष्योतेप
ल्लीस्वामि ॥ कूमरविचारेएहनी ॥ सऊनतारेजुउआम ॥ ९६ ॥ कु० ॥ प्रहा
रतससंजावीआ ॥ दिधोकंदोरोआप ॥ जाणीप्रसादअंगीकर्यो ॥ पल्लिनाथें
रेमोहटानीछाप ॥ ९७ ॥ कु० ॥ त्रणकर्मबीजापुरुषनां ॥ वलीकरावेतकूमार ॥ क
हेपल्लीछेढुकमी ॥ मुझपालिरेचालोएवार ॥ ९८ ॥ कु० ॥ उपगारकीजेंमुझत
णी ॥ बोलेतेशेनवीचार ॥ सार्थपप्रमाणएवातमां ॥ सानुंदवरेसाषेतीवार ॥
॥ ९९ ॥ कु० ॥ तुमदरीसणेंदिठीअम्हें ॥ तूमचीमनोहरपालि ॥ इंणसमेंसा
नुंदेवनो ॥ सूपकाररेआव्योतेकालि ॥ ३०० ॥ कु० ॥ आंसूनीधारषंचेनही ॥
कहेगयुंसर्वजेसार ॥ नृपसूताकहींदिसेनही ॥ सूणीऊउरेआकुलोकूमार ॥
॥ १ ॥ कु० ॥ सानुंदेवविलषोथयो ॥ पल्लिपतीथयोमुंढ ॥ कहेराजपुत्री
कुणअछे ॥ मुझसाषोरेतेहनुंगुढ ॥ २ ॥ कु० ॥ कहेसानुंदेवराजपुरतणो ॥

शंषपालनामेंराय ॥ तेहनीसूताआकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीथाय ॥ ३ ॥
कु० ॥ पल्लिपतीकहेकिमबन्यु ॥ तवकहेतेसूपकार ॥ संग्राममांसाहमोग
यो ॥ जबधाईरेसेनकूमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ विजीदीशाथीलेलीउ ॥ लुटिउ
सघलोसार ॥ आव्हथीआरापामीआ ॥ तवविहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥
कु० ॥ निकलीपटआवासथी ॥ हाआर्यसूतगयाक्यांहिं ॥ मुकलावीहती
तीणेंकरी ॥ पुंठेचाल्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ अटवीसणीजातांथकां ॥
एकसबरमुकनेंआय ॥ लकुटमारयोचरणमां ॥ ढंतोपड्योरेतिणहीजठाय ॥
॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्छालहीवलीचेतना ॥ लाधीतेउठ्योताम ॥ खोलिघणीपणि
नवीजडी ॥ हवेकरोरेतूमेएकाम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीइंमसणी ॥ मु
र्छालहोतेकुमार ॥ पल्लिपतीइंआसासीउ ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥
वेलाथईछेथोडली ॥ अटवीतनांहीदूर ॥ देविनवडहीमीसके ॥ मुकलीलरेसेनासू
रि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनवेगेंचालतां ॥ नहीअजाण्युंकोईगाम ॥ हिमणाला
वीनेंमेलवुं ॥ इंमकहीरेमुंक्यातास ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपल्लिपतीकहे ॥
ढंजाईसरखोलवानारि ॥ निजपुरूषकेईकसुंपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥
॥ १२ ॥ कू० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतूम्हेआज ॥ हिव
णांखोलीलावीइं ॥ जिहांहोस्येरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ इंमकरीसहुइंचा
लीआ ॥ केईसूलटलेईसंग ॥ सातमेखंडिदशमीकही ॥ ढालपन्नेरेचढतेरंग ॥
॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥
॥ दुहा ॥ संसरतांशांतिमती ॥ आर्यपुत्रकिहांआज ॥ दिशामुढदिनआथम्यो ॥
पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचिंतेमाहरोपती ॥ आवीनमील्योआंहिं ॥
विरहेंकहोकीमजीवीइं ॥ मरवुंआवनमांहिं ॥ १६ ॥ अशोकवृक्षअवलं
बीनें ॥ दिउपासडषरासी ॥ वनदेवीवाणीसूणो ॥ एहवीमाहरीआशि ॥ १७ ॥
आर्यपुत्रमुंकीअवर ॥ नवीचींत्योमनमांहिं ॥ जोजनमांत्तरेआर्यसूत ॥ तो
पतीथाज्योत्यांहि ॥ १८ ॥ इंमनीआणंआदरी ॥ आतमअधरकरेअ ॥ पा
सत्रुटोधरणीपडी ॥ मुर्छातामसलेय ॥ १९ ॥ ढाल० ॥ ढेमोनांजी ॥ एदेशी ॥

तापसकुमरआयोइंणिअवसरि ॥ संध्यासेवनकाज ॥ देषीचिंतवेंसामिनीकु
णए ॥ रूपेंरतीशिरताज ॥ २० ॥ अलगारहिइं ॥ वनदेवीपरेंएआज ॥
अलगा ॥ ऐआंकणी ॥ अथवास्यूंमुझनारीनुंकारज ॥ जाउंअवरठेकाणें ॥
शास्त्रमांवास्युंनारिनुंदरसण ॥ पंमीतइंमवषाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ नयणेंलो
हचलाकातातो ॥ अंजनकरवीरूमी ॥ पणिजेअंगोपांगसंगाणह ॥ नारीनीरष
वीसूंमी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विषसषीइंपणिसोगिनसजीइं ॥ रसनाठेदवलीरू
मो ॥ पणनवीअलिकवचनजंपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥
मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अथवादिनउद्धार ॥ करवोतेपणिशास्त्रेंबोल्यो ॥
जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यतः ॥ नधम्मकज्जापरमत्थिकज्जं ॥ नपाण
हिंसापरमंअकज्जं ॥ नपेमरागापरमत्थिबंधो ॥ नबोहीलासापरमत्थीलासो ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमांएकाकी ॥ सूतितिणेंएदीन ॥ विद्याथ
रीठेकेएकुणठे ॥ देषीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इंणिरुपेंनेंपासगलेंस्यो ॥
वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेंस्यूंनवीथाइं ॥ कर्मविचित्रकरेह ॥ २६ ॥
अ० ॥ कर्मंमलजलेदिधआसूषो ॥ आउषेचेतनआव्यूं ॥ आंषिउघामेंतवमु
नीतापस ॥ देषीचिंतमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुनीवर ॥
ऊंतापसकुमार ॥ सुणीप्रणमीतवआसीससाषे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥
अ० ॥ तूम्हेंइहांकिहांथितवमुनीसाषे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएका
कीकिमइंहांआवी ॥ किमएहवोव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इंमसांभलीशांति
मतीचिंतें ॥ किमकहिइंनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिनीजउ
णिमथात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इंमचिंतीकहेरायपुरराज ॥ शंखपालनोबे
टी ॥ साथलुटाणेतिणेंएकाकीनी ॥ सत्तोगयोमुझमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ ता
सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालागी ॥ तपसीकहेमतरोसोसागिण ॥
नहीसंसारसोलागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिमनाटकीआकेरीबाजी ॥ षिणमांहो
यविजोगा ॥ षिणसंयोगरूणेकमांमोदज ॥ षिणमांहोवतशोगा ॥ ३३ ॥
अल० ॥ षिणमांआपदरूणमांसंपद ॥ बुद्धीवंतेइंमजाणी ॥ नकरेविषादवि

षमवेलामां॥अनुंचित्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजधरतांआपदजाइं ॥ तिणेतूंछेमिवीषाद ॥ वलीतूफलक्षणथीऊँजाणुं ॥ सूणिकऊंकरीप्रसाद॥३५॥ अल० ॥ तुफसरतानवीमरणलसोछें ॥ कहेतूफसोवनकांती ॥ कोकीलस्वरसू प्रतीष्टीतचरणां ॥ नासीदक्षणवर्त्तवंती ॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितंबफलकसूवी शालविराजे ॥ शारदशसिसमवयण ॥ नविकमलाणीछवीमधुगुलीका ॥ शा रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूषीतसालमंमलसोहे ॥ कुटिल केशवलीकाला ॥ स्नेहालाघणुंतिणेतूफसाधुं॥तुंछेंसाग्यवीशाल॥३८॥अल०॥ अवीधवातूंछेवलीवीजुं ॥ पुत्रवंतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतूम्हेआवीवंदो ॥ सू णीचालीतसल्हार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदेआशीशदिधी ॥ मुनीइंव्य तीकरसाप्यो ॥ कुलपतीकहेमततपज्येवछे ॥ हवेदूखडरेंनाप्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ थोमादिनमांपतीतूफमिलस्यें ॥ इणहिजजाणिज्यान ॥ ज्ञानेंकरी जाणुंछुंएहवुं ॥ साकहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतेरहेतां॥ वितोकेतोककाल॥सातमेखंमेपद्यविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ दुहा ॥ अटविमांइणअवशरिं ॥ सबरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिकरीव ऋषांतिस्युं ॥ क्रिमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोवोलीगयो ॥ नमलीनेहनी नारि ॥ षेदलहीविलषायया ॥ मिल्याअरण्यमकारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सणुंतेसांसलिसेद ॥ ४५ ॥ सऊनेंदिवसनसारीषा ॥ कालक्षेपपणिकांय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आपहथी कर्योआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविदेहमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुंक्याचोकी दार ॥ तिणेंसमेसबरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिअधिधनुंखसीतताणीजी ॥ पुछे २ वातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेषबरपमेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥साथआव्योंअटवीमांजाणी ॥ विश्वपुरकेरोराणो ॥४९॥सुणो०॥

आएयूंपल्लिपतीनीकलस्ये ॥ मोकलीतिएंधाफि ॥ कहेपल्लिपतीमुझमनकेरी ॥ पोहतीनांहिरुहाफी ॥ ५० ॥ सू० ॥ स्वामीकारयसाध्युंनांही ॥ तोपणिजावुं तठ ॥ रषेसाथएआवीलूटें ॥ थाइंतोअतीअअनठ ॥ ५१ ॥ सू० ॥ सानुदे वनेंतेहसूणावी ॥ कुमरनीकरज्योसार ॥ डरथीकुमरनेंप्रणमीचाल्यो ॥ जा एंतेहकुमार ॥ ५२ ॥ सू० ॥ जुउंगुरुतापल्लिपतीकेरी ॥ इंमविचारीताम ॥ खमगलेईकहेसानुदेवनें ॥ पणयसंगनहीकांम ॥ ५३ ॥ सू० ॥ तुम्हेंसूखवा ताईहारहेज्यो ॥ अथवाकरज्योप्रयाण ॥ इंपल्लिपतीखबरकरेवा ॥ जाउंबुं सूणिजाए ॥ ५४ ॥ सु० ॥ सानुदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमरकहेताम ॥ बोलवाजेहवीवातनहीठइं ॥ इंमधरीचाल्योहाम ॥ ५५ ॥ सु० ॥ अनुक्रमें जुधलागुंतिहांसबलूं ॥ गगनांगणलगेबांणें ॥ पल्लिपतीकहेसेनकुमरनें ॥ जुउंमुझशक्तीवीनाए ॥ ५६ ॥ सु० ॥ सेनकुमरपणिखमगलेईनें ॥ चाल्यो सत्रुसाहमो ॥ सिंहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरषपल्लिपतीपांम्यो ॥ ५७ ॥ सु० ॥ अनुक्रमेंजुधकरतांहास्या ॥ पल्लिपतीकुमार ॥ पकमीनेंलेईचाल्याशिवपुर ॥ आव्याहरषअपार ॥ ५८ ॥ सु० ॥ पणिएककुमरनुंदेषीपराक्रम ॥ सफचम क्याचित्तमांहिं ॥ समरकेतूराजानेंसघलो ॥ कहेअधीकारउगाहिं ॥ ५९ ॥ सु० ॥ रुपपराक्रमदेषीराज ॥ विस्मयपाम्योचितें ॥ कूणएपुरुषलोकोत्तरदि ठो ॥ करहुंगवेषणातंते ॥ ६० ॥ सु० ॥ नरपतीसूतहोस्येसहीनीश्चें ॥ इंमचिंतो नृपबोले ॥ मारोपल्लिपतीएतस्कर ॥ डुष्टनहीइंणतोले ॥ ६१ ॥ सु० ॥ कुमरकहेमुझ सीमोटाई ॥ एहमरेकुंजीवुं ॥ तिएंमुझनेंमारोईमसाषें ॥ नहीतरजलनवीपीवुं ॥ ६२ ॥ सु० ॥ रायविचारेस्यूंमुखबोले ॥ एहमहानुंलाग ॥ अथवाएहनेंइं मजजुगतूं ॥ रायकहेधरीराग ॥ ६३ ॥ सू० ॥ जातीवंशसाषोतूमकेरां ॥ त वतिहांसेनकुमार ॥ पासेंआफुंअवलूंजोतो ॥ उत्तमधरीआचार ॥ ६४ ॥ सू० ॥ सानुदेवइणअवशरेंआव्यो ॥ सेटणंसाथेंलाव्यो ॥ वातकुमरनीकहेवासारू ॥ केईकनरेंसोहाव्यो ॥ ६५ ॥ सु० ॥ नृपआणाइंपेसणदेवे ॥ समरकेतूपमीहार ॥ जईनरपतिनेंसेटणंआप्युं ॥ नृपदिइंसतकार ॥ ६६ ॥ सू० ॥ आसननृपआ

पीवेसार्यो ॥ दिंगेसेनकूमार ॥ पिमीतत्र्प्रनेकप्रहारेंदेषी ॥ शोकधरेतिणीवार
॥ ६७ ॥ सू० ॥ मुर्छालहीनेधरणीढलीउ ॥ स्यूंथयुंरायविमासे॥शितलउपचा
रेंलह्योचेतन ॥ पुछेनृपतसपासें ॥ ६८ ॥ सु० ॥ तुमनेंएहथयुंस्यूंसाषो ॥ त
ववोल्योसत्थवाह ॥ एहसंसारमांसारनहीकांय ॥ आपदहोयअथाह ॥ ६९॥
॥ सु० ॥ चंपाधीपसुतएहवीआपद ॥ पाम्योतिणेंमुफशोक ॥ तवनृपचिंते
जेहकलपना ॥ किधीतेनहीफोक ॥ ७० ॥ सु० ॥ पुछेतदकहोएकिणीपरें ॥
अटविमांएकाकी ॥ सानुंदेवकहेमिलीउवाटें ॥ वातनजाणुंवाकी ॥ ७१ ॥
सु० ॥ वननीकुंजमांनारीस्यूंदिठो ॥ इत्यादिकसहुसाष्युं ॥ कुमरनीषवरल
हीहुंआव्यो ॥ जेहथुंथयुंतेहदाष्युं ॥ ७२ ॥ सु० ॥ रायकहेएरुमुंकिधुं ॥
सातमेंखंमेंढाल ॥ पद्मविजयकहेवारमीसाषी ॥सुणतांमंगलमाल॥७३॥सू०॥
॥ दुहा ॥ रामकहेनीजनरप्रतें ॥ एहनेंकरोअवंद्य ॥ सांसलितेपणिसहुक
आ ॥ निरताकरणनवद्य ॥ ७४ ॥ विजाघरमांवेहुनें ॥ सज्याकिधीसार ॥
वैद्यवोलाव्यावेगस्यूं ॥ व्रणकर्म्मकरेतिणीवार ॥ ७५ ॥ शांतिमतीनेंसोध
वा ॥ निजनरनेंनरराय ॥ मुंकिनेंमहिपतीहवे ॥ सार्थपनेंसमझाय ॥ ७६ ॥
साथतूमारोविसमथल ॥ डरेंजावुंदेश ॥ अवशरमेघनोआविउ ॥ सांसल्यो
सुविशेष ॥ ७७ ॥ राजकुंअरेंमुफघरे ॥ चिंतानकरोचित्त ॥ जाउसूषेंजि
मसुखहोइ ॥ सार्थपदूखथीसित्त ॥ ७८ ॥ पगनवहेपार्थिवसूणो ॥ कुमरवि
नामुफकोय ॥ संसलावेतेसेननें ॥ सार्थपआवीसोय ॥ ७९ ॥ सेनकहेसार्थ
पसूणो ॥ नरपतीकहेछेन्याय ॥ कायरपणुंनविकिजीइ ॥ नरपतीवयणन
जाय ॥ ८० ॥ नकरोवयणजोनृपतणुं ॥ निवृतिअमनवीथाय ॥ वचनप्र
माणकरीवदे ॥ नवीतूमवचनलोपाय ॥ ८१ ॥ ढाल० ॥ अवशरपामीनेरे
किजेनवआविलनीउली ॥ एदेशी ॥ अवसरदेषीनेरेचाल्योसारथवाहसूजा
ण ॥ वर्षाकालआव्योतिणसमें ॥ निपनासघलांधान ॥ अनुक्रमेंवर्षाथयो
व्यतीक्रम ॥ निरमलथयांनिवाण ॥ ८२ ॥ अव० ॥ कुमरपल्लिप
तीसाजाहुआ ॥ कस्यांवधामणांसार ॥ रायकुमरनेंकहेमेंमुक्या ॥ षोलवा

नरतूऊनारी ॥ ८३ ॥ अव० ॥ केईकआव्यानेकेईनाव्या ॥ इंणअवशर नरदोय ॥ सोमसूरनामेंइमजंपे ॥ सांसलोवाततेमोय ॥ ८४ ॥ अव० ॥ कुमरनारीसंजोगनुंकारण ॥ रायकहेकहोतेह ॥ सोमसूरकहेकादंबरीमां ॥ प्रियमेलकतिर्थजेह ॥ ८५ ॥ अव० ॥ तेहनीउतपतीसांसलोनें ॥ एहज अटवीमांहिं ॥ विशाषवर्द्धननामेंनगरें ॥ सूपअजीतबलत्यांहि ॥ ८६ ॥ अ० ॥ सेठवसूंधरनामेंरुडो ॥ प्रियमित्रसूततास ॥ ईश्वरखंधसेठनीठेपुत्री ॥ निलुआ कन्यावास ॥ ८७ ॥ अव० ॥ तेहनेंदिधीपणिनविपरण्या ॥ वितोकेतोककाल ॥ यौवनपाम्यांएहवेवरना ॥ बापनुंधनवीसराल ॥ ८८ ॥ अव० ॥ सेठवसुंधरपोहतोपरलव ॥ हवेप्रियमीत्रकूमार ॥ मानेंनहिकोईदलीद्रपणाथी ॥ परीजनकरेअपकार ॥ ८९ ॥ अव० ॥ जेजेकरेतेनीष्फलजाइं ॥ पाम्योमनविषवाद ॥ निकलिउतेनयरनेंमुंकी ॥ मुंकितिहांआल्हाद ॥ ९० ॥ अव० ॥ शून्यसमुंठेमनीपरेंचाल्यो ॥ उत्तरपंथसूजाण ॥ पंथरसीक्षुनागदेवनामें ॥ मलिउमीत्रप्रमाण ॥ ९१ ॥ अव० ॥ सिक्षुइंउलषीनेंबोलाव्यो ॥ एहअवस्था तुऊ ॥ किमठेनेंकिहांजायएकाकी ॥ साषेतूंमुझनेगुऊ ॥ ९२ ॥ अव० ॥ प्रीयमित्रकहेदैवनेंपुठो ॥ सघलीमाहरीवात ॥ नागदेवकहेताहरातातनें ॥ ठेकेनहीसुखशात ॥ ९३ ॥ अ० ॥ प्रियमीत्रकहेपरलवपोहता ॥ तेहनेंनितसूखसात ॥ पणिप्रियमीत्रजघन्यपुरुषना ॥ देषोएअवदात ॥ ९४ ॥ अ० ॥ इहपरलोकएकेनसधाइं ॥ एहवोअवसरआज ॥ नागदेवकहेशोकनधरीइं ॥ जमराजानेंराज ॥ ९५ ॥ अ० ॥ तासनीवारककोईनलहीइं ॥ धर्मरायविणजाण ॥ इत्यादिकउपदेशदेईनइं ॥ दिक्षादिइंतिणठाण ॥ ९६ ॥ अ० ॥ गोरसत्यागप्रमुखकरेकिरीया ॥ केईकदिनगयाजाम ॥ निलुआनारीवातसूणीनें ॥ मनमांचितेताम ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सरतामारगचालेनारी ॥ इमचिंतीकरेधर्म्म ॥ विषयपीपासाविणसरतानुं ॥ दर्शनमनथयुंरम्म ॥ ९८ ॥ अ० ॥ विरहथकीतेदुर्बलकाई ॥ अनुक्रमेंतेविचरंत ॥ तिणेंनयरेंआव्योतससत्ता ॥ निलुआजइप्रणमंत ॥ ९९ ॥ अ० ॥ ध्यानयोगमांदिठोतेहनें ॥ मुर्छाआवीताम ॥ ध्यानयोगमुंकीतेसी

क्षुाकहेस्यूंपयुंएआम ॥ ४०० ॥अ०॥ सखिउकहेएईसरखंधनी ॥पुत्रीनीतु आनाम ॥ तूम्हनेंदिधीपणिनवीपरणी ॥ मोहेमुंगितआम ॥ १ ॥ अ० ॥ सांसलीशोकातुरथयोतेहवे ॥ स्नेहवध्योगयुंध्यान॥ पाणीकमंफलनुंगांठीने॥ आणीतेहनेंसान ॥ २ ॥ अ० ॥ रागघणोनारीनोदेषी ॥ वलीकटाक्षनांबाण॥ अंगउपांगजोतांनारीनां ॥ वींधाणातसप्राण ॥ ३ ॥ अ० ॥ मदनविकारअ तीउर्जयछे ॥ रमणीकतरुणीविलास ॥ एकांतथानिकवननुंजाणी ॥ चित्तवि इलपयुंतास ॥ ४ ॥ अ० ॥ गुरुवचलोपुंकेएहगंमुं ॥ डुष्करवातएदोय ॥ अथवाव्रतपालूंतोएमुक्त ॥ जनमांतरेंपणिहोय ॥ ५ ॥ अ० ॥ मनशंगितपा मेंव्रतपालें ॥ एहविगुरुनीवाच ॥ व्रतरहस्येनेंएपणिमलस्ये ॥ एहवुंधास्युंसा च ॥ ६ ॥ अ० ॥ सातमेंखंमेंतेरमीसाषी ॥ पद्मेंढालरशाल ॥ समरादित्य नारासमांरुमी ॥ सुणतांमंगलमाल ॥ ७ ॥ अ० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥ उहा ॥ वलिविनीतानावसयकी ॥ चलिउंएहनुंचित्त ॥ बोलावुंअचलाप्रते॥ जोउंजंपणरीती ॥ ८ ॥ इंमचिंतीआषेंश्स्यूं ॥ मतडुखआणेंमन्न ॥ तूफने हेंङुंतमफकु ॥ कङ्गतेसांसलिकन्न ॥ ए ॥ व्रतलीधुंकिमवरजीइं ॥ गुरुवच किमनगणाय ॥ पणिसांसल्युंगुरुपासथी ॥ व्रतथीवंछीतथाय ॥ १० ॥ उत्त यवातव्रतथीअछे ॥ एहलोकेंगुरुआण ॥ परस्वतूफसंगमपणं ॥ मिलस्येए हप्रमाण ॥ ११ ॥ निलुआकहेनिरतूंकरो ॥ माहरेतूमेप्रमाण ॥ अणसणवि फइंआदर्युं ॥ स्नेहपरस्परआण ॥ १२ ॥ सरताआसयसामिनी ॥ नरआसय घरेनारी ॥ जनमांतरहेज्योअमे ॥ इंणिपरिंचितअवधारि ॥ १३ ॥ ढाल ॥ सूरतीमहिनानी ॥ चैत्रेंचतूरसूजनाव्या ॥ रावाजीकरेरविचार ॥ एदेशी ॥ रु कुअशोकनेंहेछलिअणसणकिधउदार ॥ वङ्गवारंतीसखीजनपणितेमननवि धारि ॥ तेकोलाहलसांसलीआव्यागुरुनागदेव ॥ लाज्योप्रियमीत्रउईथईवं थाततषेव ॥ १४ ॥ मनवंछिततूमनिपजोइंणिपरेंदिइंआशीश ॥ मनचिंतेकुण नारीएरुपसमानवरीस ॥ रागघणोप्रियमीत्रनेंउपरिलषीइंम ॥ तवसखी इंकह्योमांफीधुरथीजिणीपरेंप्रेम ॥ १५ ॥ नागदेवतवचिंतवेअहो२मदनवी

कार ॥ मदनसेदाणप्राणीआसर्वकरेपरकार ॥ उसरीईहवेईहांथीनहीउपदेश नोलाग ॥ चिंतवीकहेप्रीयमीत्रनेंसांभलतूंमहालाग ॥ १६ ॥ स्नेहालुहोयस ज्जनतिणेंतेंएकरयूंकांम ॥ पणस्याबासगेतूंफनेंव्रतनवीखंमयुंआम ॥ खेदम करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ ईमकहीनागदेवगयोहवईप्रियमीत्रनेंनारि॥ ॥ १७ ॥ नरनारीनृपवंदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणामेंकरीकालदो किन्नरथाय ॥ जोईपुरवसवअवधिथीआव्योतेहउद्यान ॥ पुजाकरीउद्यान नीकरयुंदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनंगनेंनिर्वतीदेवीथापीतांहि ॥ नंदनव नगयातिहांथीहर्षधरीउछांहि ॥ तिहांएकदिठिवीद्याधरीतासप्रीतमनोविजो ग ॥ तिणेंप्रतीउबलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुछेतेहनेंतूंकुणकिमए काकीईम ॥ साकहेमदनमंजुषाषेचरीकुंडुनेम ॥ प्रितमरागथीविद्यादेवीनीपु जानकीध ॥ सत्तीविजोगसरापछमासनोतेणीईदिध ॥ २० ॥ एहनिमीत्तेंतू फपतीकेरोथास्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीव[illegible]मासमीसतूंअरतीसंजोग ॥ च रणेंपमीतवमेंकह्युंस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपददेषा य ॥ २१ ॥ तिणेंतेंरुंमुंकामनकीधलूंपणिसुणिवात॥ नंदनवनतूंजायज्येउपज स्येसुरवआत ॥ प्रीयमेलकरूंषउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवील ताआलिंगीतहेछलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूंफमीलस्येसरताईमसुंणीआवीएथ॥ पणिनवीलास्येंथानिकनविजाणुंछेकेथ ॥ किनरकहेधीरीथाऊंतूंफदाषुंतेह ॥ अनुंक्रमेंषोलीदेषाड्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्येथीमी लीउतससरतार ॥ निजपतीआगलिधुरथीसर्वकह्योअधीकार ॥ विद्याधरकिं नरनेंप्रीतीथईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयासज्जनीज२गार ॥ २४ ॥ किंनरीकहेनिजस्वामीनेंएडरवतोनरवमाय ॥ निजप्रीयविरहतणुंतिणेंकिजें तासउपाय ॥ जनमलह्यानुंफलजेकरीईपरउपगार ॥ तिणेंएवृक्षछबेजीहांआ पणमिलीआंसार ॥ २५ ॥ सांभलिप्रीयमेलकछव्योनीजकृतदेवलपास॥छमि २ जणव्युंईमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकनीआशापुरणकीध॥ ति णेंप्रीयमेलकतिरथनामथयुंप्रसीद्ध ॥ २६ ॥ तेकारणउंजाणुंकूमरएतिहां

जोजाय ॥ तोतससक्तिअचित्यथीनारीनुंमिलवुंथाय ॥ रायकुमरमनहरष्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुंनिजनरस्युंशुभवाच ॥ २७ ॥ पल्लिप
तीनेंपुछेस्यूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांभल्यूंतपवनढुकमुंथानीकएह ॥ राय
कहेतुमेंपरीकरलेईनइंजाउंत्तछ ॥ पणितुम्हेघरणीलहीनइंनिश्चयआववुंइछ ॥
॥ २८ ॥ सांभलीवयणतेंचालीउंकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुंक्रमेंतपोवनढुक
मोपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोधथीथोभोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंवं
दिआदिइंआशिसतिवार ॥ २९ ॥ पल्लिपतीतेहथानीकलाव्योराजकुमार ॥ व
क्षपादपउपशोतीनतेदेउलनेंद्वार ॥ कल्पपादपनवीउलषुंपणिसामान्येंएछा
य ॥ पल्लिपतीवचसांभलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ संसारेंशांतिमतीनां
षीदीर्घनीशास॥सापणिफुलग्रहीनेंजातीनीजआवास ॥ तावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेठीवीसामेतिहांप्रिय मेलकनेंगाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिठोतीहांअशोक ॥ संसारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनइंणअवसरेंफूरक्युंतामकुमार ॥ समतो २ आवीउतेप्रीयमेलकगार॥
॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बहुकालेमल्योतिणेंउतकंठीतघ
नज्यूंमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलज्जाताम ॥ परीक्षाकरुंइमउहिज
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहांथीआव्याइमकरतीविचारअनेकप्रकार ॥
सूपनहस्येकेकिमएपामीषेदअपार॥षरीप्रतितथीस्वस्थथईतिणेंबहुरससार॥
वेदतीमुर्छापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युंथयुंरमतीआंसू
धार॥ पाणिइंसीचीपणिनवीबोलेतेहलगार॥ तवबहुआक्रंदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोड्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसंभारनो
बोलेतामकुमार ॥ किमआक्रंदकरयोतववातकहेथरीप्यार ॥ सातमेखंडेएप
दमेंभाषीचौदमीढाल ॥ वातसुणंतांहोस्येसज्जनेंमंगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ रायपुरपतीशंखरायनी ॥ पुत्रीपावनअंग ॥ सांतीमतीएसोहामणी॥
आरतिविरहएकांग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनीकट ॥ इणेंपणिइंमआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

कार ॥ मदनसेदाणप्राणीआसर्वकेरेपरकार ॥ उसरीइंहवेइंहांथीनहीउपदेश नोलाग ॥ चिंतवीकहेप्रीयमीत्रनेंसांसलतूंमहाभाग ॥ १६ ॥ स्नेहालुहोयस ज्जनतिणेंतेंएकरयूंकांम ॥ पणस्यावासछेतूंक्जनेंत्रतनवीखंमयुंआम ॥ खेदम करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इंमकहीनागदेवगयोहवइंप्रियमीत्रनेंनारि॥ ॥ १७ ॥ नरनारीनृपवंदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणामेंकरीकालदो किन्नरथाय ॥ जोईपुरवस्रवअवधिथीआव्योतेहउद्यान ॥ पुजाकरीउद्यान नीकरयुंदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनंगनेंनिर्दतीदेवीथापीतांहिं ॥ नंदनव नगयातिहांथीहर्षधरीउछाहिं ॥ तिहांएकदिठिवीद्याधरीतासप्रीतमनोविजो ग ॥ तिणेंअतीडवलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुछेतेहनेंतूंकुणकिमए काकीइंम ॥ साकहेमदनमंजुषाषेचरीहुंनेम ॥ प्रितमरागथीविद्यादेवीनीपु जानकीध ॥ सत्तीविजोगसरापछमासनोतेणीइंदिध ॥ २० ॥ एहनिमीत्तेंतू ऊपतीकेरोथास्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीवनमांसमीसतूंअरतीसंजोग ॥ च रणेंपमीतवमेंकयूंस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपददेषा य ॥ २१ ॥ तिणेंतेंरुमुंकामनकीधलूंपणिसुणिवात॥ नंदनवनतूंजायज्येउपज स्येसुरवव्रात ॥ प्रीयमेलकरूंषउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवील ताआलिंगीतहेठलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूंक्जमीलस्येसरताइंमसुणीआवीएथ॥ पणिनवीलासेंथानिकनविजाणंछेकेथ ॥ किनरकहेधीरीथाकुंतूंक्रदाषुंतेह ॥ अनुंक्रमेंषोलीदेषाड्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीमी लीउतससरतार ॥ निजपतीआगलिधुरथीसर्वकह्योअधीकार ॥ विद्याधरकिं नरनेंप्रीतीथईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयांसज्जनीजरगार ॥ २४ ॥ किंनरीकहेनिजस्वामीनेंएडरवतोनरखमाय ॥ निजप्रीयविरहतणंतिणेंकिजें तासउपाय ॥ जनमलक्षानुंफलजेकरीइंपरउपगार ॥ तिणेंएरुरुछवोजीहांआ पणमिलीआंसार ॥ २५ ॥ सांसलिप्रीयमेलकठव्योनीजकतदेवलपास॥गमि २ जणस्युंइंमविरहीनीपुरेआस ॥ केईकविरहीलोकनीआशापुरणकीध॥ ति णेंप्रीयमेलकतिरथनामथयुंप्रसीद्ध ॥ २६ ॥ तेकारणहुंजाणंकूमरएतिहां

जोजाय ॥ तोतससक्तिअचित्यथीनारीनुंमिलवुंथाय ॥ रायकुमरमनहरख्या
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुंनिजनरस्यंशुभवाच ॥ २७ ॥ पल्लिप
तीनेंपुछेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांभल्युंतपवनढुकमुंथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनईजाउत्तछ ॥ पणितूम्हेघरणीलहीनइंनिश्चयआववुंइछ ॥
॥ २८ ॥ सांभलीवयणतेचालीउकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुंक्रमेंतपोवनढुक
ओपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोधथीयोभोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंवं
दिआदिईआशिसतिवार ॥ २९ ॥ पल्लिपतीतेहथानीकलाभ्योराजकुमार ॥ ब
कुपादपउपशोभीतनतेदेउलनेंद्वार ॥ कल्पपादपनवीउलषुंपणिसामान्येंएउा
य ॥ पल्लिपतीवचसांभलीचित्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ संसारेशांतिमतीनां
षीदीर्घनीशास॥सापणिफुलपहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेठीवीसामेतिहांप्रियमेलकनेंगाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिठीतीहांअशोक ॥ संभारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनइंणअवसरेफूरक्युंतामकुमार ॥ समतो २ आवीउतेप्रीयमेलकठार॥
॥ ३२ ॥ देषीसरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बहुकालेंमल्योतिणेंउतकंठीतघ
नज्यूंमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलज्जाताम ॥ परीक्षाकरुंइमउद्दिञ्ज
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहांथीआव्याइमकरतीविचारअनेकप्रकार॥
सूपनहस्येकेकिमएपामीषेदअपार॥षरीप्रतितथीस्वस्थयईतिणेंबहुरससाव॥
वेदतीमुर्छापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युंथयुंरभतीआंसू
धार ॥ पाणिईसीचीपणिनवीबोलेतेहलगार॥तवबहुआक्रंदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोभ्योकुमरआवीकहेविहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसंशारनो
बोलेतामकुमार ॥ किमआक्रंदकरयोतववातकहेधरीप्यार ॥ सातमेखंभेएप
दमेंसाषीचौदमीढाल ॥ वातसुणंतांहोस्येसज्जनेंमंगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ रायपुरपतीशंखरायनी ॥ पुत्रीपावनअंग ॥ सांतीमतीएसोहामणी ॥
आरतिविरहएकांग ॥ ३७ ॥ प्राणत्यागपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनीकट ॥ इणेंपणिईमआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

रें ॥ तपोवनमांततषेव ॥ कुसुमकारणईहांअनुंक्रमें ॥ वलतीआवीहेव ॥
॥ ३९ ॥ बेठीतवबिहामणी ॥ मुर्छापांमीईम ॥ कारणतोकलीईनही ॥ पणि
अमनेंअतीप्रेम ॥ ४० ॥ आक्रंदतिणेंकिधोअमें ॥ सांसलीसेनकूमार ॥ ह
रषविषादनेंअणहवई ॥ ॥ पामीडखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्छावलीहवेमानिनी ॥
स्नेहेंजोवेस्वामि ॥ कुलपतीवयणकूर्मुनही ॥ तरुणीसाषेताम ॥ ४२ ॥ चा
लोकुलपतीचरणनें ॥ पामेपरमाणंद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपगारीतेअ
मंद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देशीपारधीआनी ॥ मनवसीआएदेशी ॥ तापसणी
उचिंतवेंरे ॥ एएहनोसरतारे ॥ पुण्यवंतो ॥ नहितोईमकीमबोलतीरे ॥ सूं
दरअंगआकाररे ॥ गुणवंतो ॥ ४४ ॥ अहोविधातामेलवेरे ॥ जेहनेंजुगतूंजेहरे ॥
पु० ॥ आणंदआंसूसरहवेरे ॥ उठेशांतिमतीतेहरे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ पल्लिपती
जोईरीझीउरे ॥ अहो २ रूपनीधानरे ॥ पु ॥ पुरुषरतननेंएहवीरे ॥ नारीरत
नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपल्लिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृत्यछुंरे ॥ ग्रहणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥
सूंदरीकहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतूमेसूपसायरे ॥ पु० ॥ ईमकहीजोयुंपतीस
णीरे ॥ सेनकहेतिणेंठायरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपसायकरीजीईरे ॥ एहवुं
नहीकांयसाररे ॥ पु० ॥ लाज्योपल्लिपतीघणंरे ॥ हवेमनचिंतेकुमाररे ॥
४९ ॥ गु० ॥ अणचिंतव्युंएकिमथयुंरे ॥ पादपदिठोतामरे ॥ पु० ॥ अपुर
वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुछेपल्लिनाथ
नेंरे ॥ स्यूंएवननुंनांमरे ॥ पु० ॥ तेकहेडंजाणंनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुछेतापसणीप्रतेंरे ॥ तिणेंपणिसाष्युंतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
तूमढुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविआरे ॥
थोडोकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येबहुकालनोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेलकषरोरे ॥ धवलकुसूमजुगदीठरे ॥
पु० ॥ पल्लिपतीनेंदाषव्योरे ॥ तिणेपणिदिठउकीठरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ पुजाक
रूएहवननीरे ॥ लावोउपगरणतासरे ॥ पु० ॥ शक्तिअचिंत्यछेएहनीरे ॥ पुगी

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सवरपासमंगावीआरे ॥ फूलचंदननेंनीररे ॥
पु० ॥ तिणेंविधिपुर्वकपूजीउरे ॥ कल्पवृक्षनेंधीररे॥ ५६ ॥गु० ॥ आवरजी
एहनेंगुणेंरे ॥ षेत्रदेवीआशन्नरे ॥ पु० ॥ कहेतूठीतुफ्रउपरेरे ॥ मांगितुंजेहोय
मन्नरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ यतः ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघंनिशीगर्जितं ॥
अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघंदेवदर्शनं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्युं
पछेरे ॥ अधीकूंछेमुफआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेरे ॥ नविमांगेकांई
काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआग्रहकरीआपीईरे ॥ रयणएकअसीरमरे ॥
पु० ॥ विषसघलांअपहरीलीईरे ॥ रोगहरेगुणएकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ इम
चिंतीकहेदेवतारे ॥ तुंनीरलोलीसाररे ॥ पु० ॥ मुफवक्रमांनेंलिजीईरे ॥ करवा
परउपगाररे ॥ ६० ॥ गु० ॥ मणीरयणएमाहरुंरे ॥ सांभलीकरेविचाररे॥ गु० ॥
देवतामान्यहोइंसदारे ॥ इमकरीग्रहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामत
वइमकहेरे ॥ चिरंजीवआशीसरे ॥ पु० ॥ अदृश्यथईतेदेवतारे ॥ वाधीकूमरज
गीसरे ॥६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्यूंअमेंगायरे ॥पु०॥
थयामध्याह्नसमयहवइरे ॥ तिणेंअमथीनरहायरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपती
नेंक्षवंदवारे ॥ आविसतुमचेंसंगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवंदिआरे ॥ दिइं
आशीशसुचंगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईबेसाडीउरे ॥ परीजनस्युंतेसेनरे
॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविवृत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउप
योगनेंउलषीरे ॥ कुलपतीआदरकिधरे ॥ पु० ॥ सारयासूंपीतेहनीरे ॥ वली
शीखाईमदिधरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआश्रमछांमयोअछेरे ॥ पणिएहस्युंप्र
तिबंधरे ॥ पु० ॥ तिणेंअनुरुपथीदेषज्योरे॥ स्योकहीइंपरबंधरे ॥ ६७॥गु०॥
वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेंखंमेंढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सु
णतांमंगलमालरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अबलाविलपेइंम ॥ कुलपतिसमफावी
कहे ॥ प्राणिनकरीइंप्रेम ॥ ६९ ॥ तुफकुदइंक्षनीतवसूं ॥ नितपासेंत्रसूंनारि ॥
तेहसुंणिकुलपतीप्रतें ॥ प्रणमेवक्षलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुछीतापसणीप्रतें॥ दंपती

मिलीयांदोय ॥ दानादिकबहुदेईनें ॥ सरक्योतिहांथीसोय ॥ ७१ ॥ विश्वपुरेंते
आवीउ ॥ संसलावेसवीवात ॥ नरपतीनेंतेनारीनी ॥ सुणीहरष्योसगधात ॥
॥ ७२ ॥ वधामणांकीधांवली ॥ करीआदरसतकार ॥ पल्लिपतीनेंपाठव्यो ॥
सेनरस्वातीहांसार ॥ ७३ ॥ पितृराज्यपरेंप्रेमस्यूं ॥ सांतीमतीस्यूंसोग ॥ विल
संतांवासरगया ॥ सुखअनुकूलसंयोग ॥ ७४ ॥ ढाल ॥ तूनेंगोकलबोलावेरे
कान्हगोवालनागोपीरे ॥ एदेशी ॥ हवेकर्म्मविचीत्रथरोगसूपतीनेंथावेरे ॥ न
यणेंआवेबहुशूलसंध्योकंपावेरे ॥ व्यापीसीरवेदनजामदांतसवीहालेरे ॥ बहु
सासवचननिरोधनयणेंनवीसालेरे ॥ ७५ ॥ तेमाव्यावैद्यसुजाणउषधअती
कीधांरे ॥ पणिगुणनथयोतेलगारबंछीतनवीसीधांरे ॥ वैद्यखेदलह्यानेंअंतेउरी
घणंरूइरे ॥ पमीखबरकूमरनेंतांमसूखेंनवीसूइरे ॥ ७६ ॥ मुझउपगारीएरा
यलहेदूखएहवुंरे ॥ किमजीवंतांएखमायकरूंहवेकेहवुंरे ॥ धीग्जीवीतमा
हरूंजेणनहीउपायरे ॥ इमकरतांसेनकूमारनेमुर्छाथायरे ॥ ७७ ॥ करीवाय
आशासनाशांतीमतीइमसासेरे ॥ आरोग्यमणीवररयणअछेतूमपासेंरे ॥ सलूं
संसारथुंतेनारीहरषथीलेईरे ॥ मणीरयणचाल्योतवताससकुनशुभदेईरे ॥ ७८ ॥
कोईककहेरहोचिरंजीवशीघ्रचाल्योरे ॥ नरपतीपासेंजईहाथनेंपायपखाल्यो
रे ॥ उंज्योमणीरयणेंरायसम्यूंतवशूलरे ॥ थिरदांतथयागईशीशानीवेदनामुलरे ॥
॥ ७९ ॥ सम्योसासनेंउघमयांनयणसंध्योथईसाजीरे ॥ बोलवालागोनृपजा
मसहुथयाराजीरे ॥ आविशक्तिनेंउठ्योरायकुमरपरसंस्योरे ॥ राणीउमंत्रि
लह्यामोदकिणेंनवीखीस्योरे ॥ ८० ॥ नृपपुछेमुझनेंकांयखबरनहीएहरे ॥ उ
पगारकस्योकिणेंमुझसाषेतूमेतेहरे ॥ कह्युंजिवाणेंदेसर्वबोल्यातवरायरे ॥
अमृतसमएहकुमारमरणकीमथायरे ॥ ८१ ॥ देवगुरुसुपसाइएहकहेतेकु
माररे ॥ नृपपलणेंप्राणएतूझकहुस्यूंवारवाररे ॥ कहेकुमरगुरूतूमेतामनृपती
कहेसाचुंरे ॥ जोगुरूतोवचनप्रमाणकरोअमेराचुंरे ॥ ८२ ॥ कहेकुमरकरूंतू
मआणकहेतवसूपरे ॥ जावुंनहीमुझथीदूरकहुंअनुरुपरे ॥ करेकूमरप्रमाण
तेतामविसरजेकुमाररे ॥ तेमावीपरीजनलोककहेनीरधाररे ॥ ८३ ॥ आवेकुम

रनेतेमवाकोयतोमुफविणसाषेरे ॥ मतकहेज्योकुमरनेंवातसहुनेंईमदाषेरे ॥
एकदिनआव्योमंत्रीपुत्रअमरगुरुनामरे ॥ थईखबरसूपतिनेंतामतेमव्योनीज
गमरे ॥८४॥ कहेतेहनेंनरपतीईमवाल्होमुफएहरे ॥ इणपणीवजीउंमुफपास
रहेवुंतूंम्हगेहरे ॥ ईमजाणीकरज्योतेमसहुसुखपामेरे ॥ कहेअमरगुरुथ
न्यएतूमसरीषाकामेरे ॥ ८५॥ जिमहुकमकरोगेदेवकरीस्यूंतेमरे ॥ जणवेह
वेकूमरनेंसूपअधीकधरीप्रेमरे ॥ जातांहवईकूमरनीपासअमरगुरुहावेतेरे ॥
नवीमुंकेकुमरनेंरायअधिकगुणसंतेरे ॥८६॥ करयुंनिजवशराज्यविशेनेंतिणे
नउपायरे ॥ नृपदीक्षालेतांमुफकहीगयातायरे ॥ राज्यहारस्येएहविसेनउह
रस्येसेनरे ॥ नैमितीआनोआदेशअछेवलीतेणरे ॥८७॥ सामंतनेंदइंअपमान
उलंघेआचाररे ॥ बहुवाध्योलोसअशारविशेनकुमाररे ॥ तिणेंरहेवुंजुगतूंनअ
त्रविचारएकीधरे ॥ चरपुरुषेंकुमरनेंतामवधाईदीधरे ॥८८॥ आववानोहुक
मतेकीधअनुंक्रमेंआव्यारे ॥ सेनकूमरेउठीतामपाहिपधराव्यारे ॥ पुछेईमकु
सलछेतातकूमरनेंदाषोरे ॥ कहेकूसलछेसहुनेंतोयकहुतेचित्तराषोरे ॥८९॥
सूपतीइंतूमनेंनदिठथयोवैराग्यरे ॥ तवसंजमस्यूंमनलायमहासोसागरे ॥ नि
जसुतनेंआपीराज्यसाथेंपरधानरे ॥ परिजनस्यूंसंजमलीधधरीशुसध्यानरे ॥
॥९०॥ तवचिंतेसेनकुमारअहोमुफरागरे ॥ सांईअमकुलनीस्थितिएहअंतेवै
रागरे ॥ कहेकुमरअजानेंतेहकेहवांछेसाषोरे ॥ तवअमरगुरुकहेवातयोमामां
लाषोरे ॥ ९१ ॥ नृपेंलिधीप्रव्रज्याजामथयुंडखएहरे ॥ तूम्हेंपरदेशेंगयानास
विजुंडखतेहरे ॥ मनमांनेंछेईमतेहनहीअमनायरे ॥ कहेसेनवीसेनछेतेकेमप्र
जाअनायरे ॥ ९२ ॥ एहवेंछिक्योपणीहारअमात्यसुततामरे ॥ कहेचिरंजी
वोवलीआपफुरक्युंनेत्रवामरे ॥ थईचिताकुमरनेंतामअहोस्युंथास्येरे ॥ अथ
वासलूंकरस्येदेवविघनसहुजास्येरे ॥ ९३ ॥ कहिसांतिमतीनेंतासलोजननें
स्नानरे ॥ सुखथीदिइंनिजअधीकारचढतेनीतवानरे ॥ नित्यखवरिमगावेरा
ज्यतणीनीजसाररे ॥ एकदिनशांतिमतीनारीनेंसुपनउद्दाररे ॥ ९४ ॥
कहिसातमेखंमेंढालतेसोलमीसारीरे ॥ एतोसमरादित्यनेंरासलागेंघणंप्या

रीरे ॥ गुरुउत्तमविजयनोशीससुकोमलवांणीरे ॥ कहेपद्मविजयधरीप्यार
सूणोसवीप्राणीरे ॥ ए५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ अंजनभ्रमरनेंअनुंसरें ॥ पत्रतणोनहीपार ॥ अंबकमनआणंदक
रूं ॥ कल्पवृक्षसूखकार ॥ ए६ ॥ सुपनेंघणंसोहामणो ॥ चिंतितांचिंताचुर ॥
पेषेउदरमांपेसतो ॥ शांतिमतीससनुर ॥ए७॥ जागीपतीनेंजणावती ॥ तसफ
लदाषेतेह ॥ सोसागीसूतहोयस्ये ॥ जगतनमावेजेह ॥ ए८॥ सांभलीधर्ममां
सजहोइ ॥ कांयकवितोकाल ॥ पुरेमासेसूतप्रसवीउ ॥ करेउछवततकाल ॥
॥ एए ॥ रायकुमरसकरिऊीआ ॥ अमरसेनअभीधांन ॥ ठविउंतेहनुंठाउं
कुं ॥ सुणोहवइथईसावधांन ॥५००॥ ढाल ॥ तिरथतेनमुंरे ॥ एदेशी ॥ चंपा
नयरथीआवीउ ॥ वातलावीउरे ॥ एकदिनअनुंचरएक ॥ वाततेसांभलोरे ॥
॥ १ ॥ जोवाप्रवृत्तिराज्यनी ॥ सुखकाजनीरे ॥ मुंक्योअमरगुरुतास ॥
॥ २ ॥ वा ॥ हालीमुहालीविरचिआ ॥ नविअरचिआरे ॥ जाणीअचलपुर
नाथ ॥ ३ ॥ वा० ॥ मुक्तापीठेबलकरी ॥ चंपापुरीरे ॥ लिधीथोडादिनमां
हिं ॥ ४ ॥ वा० ॥ हाथकरयोसंभारनें ॥ अधिकारनेंरे ॥ हवेजाणोकरोते
म ॥ ५ ॥ वा० ॥ विशेननाशीनेंगयो ॥ दूखबहुथयोरे ॥ तेहनीषबरिनही
कोय ॥ ६ ॥ वा० ॥ कोप्योअमरगुरुसांभली ॥ आवीबलीरे ॥ कुमरनेंक
हेअवदात ॥७॥वा०॥ बोलेअमरषेथीइणिपरें ॥ कुणइमकरेरे॥ साईपरातवइम
॥ ८ ॥ वा० ॥ निजपदेठवुंविशेननें ॥ अरीसेननेंरे ॥ सांजवुंतोषरीवात ॥
॥ ए ॥ वा० ॥ दाहीणकरफूरक्योतदा ॥ जयकहेसदारे ॥ बोल्योतदागज
राज ॥ १० ॥ वा० ॥ कुमरकहेएजीतीउ ॥ दूखवितीउरे ॥ नृपनेंकरावेजा
ण ॥ ११ ॥ वा० ॥ म्हारेतिहांजावुंलहुं ॥ तूमनेंकहुंरे ॥ कोप्योरायअपार॥
॥ १२ ॥वा०॥ एनहीकुमरनेंपरिसव्यो ॥ मुक्नेंहवोरे ॥ पणिमुकसेनासाध्य
॥१३॥वा०॥अमरगुरूकहेसाचलुं ॥साध्युंसलूंरे ॥ पणिकुमरेंनरवमाय॥ १४॥
वा०॥समरकेतूनरपतीकहे॥चितगहगहेरे॥उसकरव्योअमसाथि॥वा०॥१५॥
छत्रचामरमुगटेंकरी ॥ चढिउकरीरे ॥ कूंडलहारसोहंत ॥ १६ ॥ वा० ॥ सा

मयीवळ्ळसजकरी ॥ अमरषधरीरे ॥ शकुनमुक्करतशुसजोग ॥ १७ ॥ वा०
चाल्योअनुंक्रमेंआवीउ ॥ सुखपावीउरे ॥ देशसीमाछेजह्न ॥ १८ ॥ वा० ॥
मुक्कापीठनेंमोकल्यो ॥ दूतएकसलोरे ॥ बोलेवीचक्षणबोल ॥ १९ ॥ वा० ॥
कहेवराव्युंएमुक्रतणं ॥ स्यूंकङ्घणरे ॥ आपोराज्यउदार ॥ २० ॥ वा० ॥
इंमतूंमप्रीतमीवाधस्ये ॥ नवीबाधस्येरे ॥ नहितोकरज्येजुध ॥ २१ ॥ वा० ॥
सांसलीकोपेंकलकल्यो ॥ कहेमतीचल्योरे ॥ मुंकवालीघुंनराज्य ॥ २२ ॥
वा० ॥ जुधथीअप्रीतीउपजे ॥ वळ्ळनीपजेरे ॥ उत्तमसूसटसंहार ॥ २३ ॥
वा०॥ तोपणिजुद्धकरूंअमे ॥ सूणज्योतूम्हेरे ॥ दूतकहेतवइम ॥२४॥ वा०॥
जमलोकेंजावासणी ॥ मतीतूम्हतणीरे ॥ दिसेछेनीरधार ॥ २५ ॥ वा० ॥
आवीकुमारनेंविनवे ॥ जिमतेलवेरे ॥ जईएकांतेदूत ॥ २६ ॥ वा० ॥ सांस
लितेपणिकोपीउ ॥ चित्तरोपीउरे ॥ अमरषवीरसअपार ॥ २७ ॥ वा०॥ ढाल
सत्तरमीएसली ॥ सवीसांसलीरे ॥ सातमेखंमेरशाल ॥ २८॥ वा० ॥ ॥छ॥
॥ डुहा॥ भृकुटीचढावीनेंसणें ॥ कोपेंथईअतीकराल ॥ सौम्यवयणपणिसहज
थी ॥ सीषणनसकेसालि ॥ २९ ॥ करनेंआस्फालीकरे ॥ वरणखलातेवाणि॥
एहमनोरथअमअछे ॥ हमचीनहीकोईहांणि॥३०॥विळ्ळंबलमांबीजेदीनें॥घोर
करेसंग्राम ॥ सुसटनेंदिधासामगा ॥ सिरपाविळ्ळसीरगाम ॥ ३१ ॥ दानवळ्ळप
रेंदिधलां ॥ जाचकपाम्याजोर ॥ रातिगईरवीउगीउ ॥ सबलोमांम्योसोर ॥
॥ ३२ ॥ मयगलगाजेमलपता ॥ तुरंगघणातेजाल ॥ रथआरोह्याराजवी ॥कर
लेईकरवाल ॥ ३३॥ सुसटथयातिहांसजघण॥कुंततिरकरलेय ॥ बिरुदावली
बोलीजते ॥ वाजीत्रवळ्ळवाजेय ॥ ३४ ॥ अमरषवसेंआवीमिल्यां ॥ वागेवी
रनीहाक ॥ केईककायरकंपता ॥ वारुसांसलीवाक ॥ ३५ ॥ ताकीमुकेतीर
नें ॥ खंमेकेईखरुप्प ॥ छत्रध्वजाकेईछेदता ॥ साचुंसूरसरुप्प ॥ ३६ ॥ सूस
टकबंधतिहांसामगा ॥ रुधीरलित्तवरगात ॥ नाचेनाटिकनीपरें ॥ विस्मयज
नविख्यात ॥ ३७ ॥ आमीषलोलुपआवीआ॥ कंकगृध्रनेंकाक॥गगनतेछायो
विहगस्यूं ॥ छलतीवळ्ळलीछाक ॥ ३८ ॥ बलवंतीसेनावळ्ळ ॥ सेनतणीसपरा

ण॥पणिमुक्तापिठेंप्रथम॥जित्योसेनसूजाण॥३९॥ढाल॥रमतांतेफाटोघाघरोरे॥
दलगजफाटोचिररे ॥ झुंबे॥ आवोरेओलगाणातांहरीकांकणीरे॥झूबे॥एदेशी॥
सेनप्रसंसीसुसटनेंरे ॥ उगावेसंग्रामरे ॥ करवा ॥ जाणेंजमराजाउठ्योनीजघे
रधरवा॥ ४० ॥ कुंततिरतरवारनारे ॥ घालेघातअपाररे ॥ तिणें॥मानुंकल्पां
तकालआयोसमएणें॥४१॥ रणतूरवाजेवेगस्यूंरे ॥ करीकुंभस्थलभेदरेथाइं॥
कायरलोककेईडरथीपलाइं ॥४२ ॥ मुक्तापीढलस्करतणारे ॥ छेदेछत्रनीशाण
रे ॥ ताकी ॥ मुगटछेदेकेईमदीरास्यूंढाकी ॥ ४३ ॥ इंमकरतांविटीलीइंरे ॥ मु
क्तापीढनेंसेनरे ॥ राज॥ तोहेप्रहारकोरसूरथईफाजा ॥४४॥ सूरसीरूपणिचि
त्तचमकीआरे ॥ देषीएसंग्रामरे ॥ वारु ॥ एहवेसेनहणेंखफगेंदीदारू ॥ ४५॥
पफ़ीउप्रथवीउपरेरे॥ जय२रवकरेलोकरे ॥ मिलीआ ॥ सेनकुमरजसबोलवा
रेंहलीआ ॥ ४६ ॥ मंगलतूरवजावीआंरे॥सेनआव्योतसपास॥ गुणराणे॥
मुक्तापीढदेषीचित्तहरषाणे॥ ४७॥ विंजणेंवायरोवीजीउरे ॥ चंदनसीच्यां
तासरेअंगें ॥ चेतनावलीथईस्वस्थतारंगे ॥४८ ॥कुमरकहेरुफुंकरयूंरे ॥ नूप
नेंघटतूंजेहरे॥किधुं॥दिनपछ्कंतूम्हेचित्तमांनलीधुं॥४९॥पूर्वपुरुषतेअजुआली
आरे ॥ म्हेंलीधंमुफराज्यरे ॥ साई॥ ताहरूंतूफकुसलूंरहोसदाई ॥ ५० ॥ तूं
मुफसाईसमोवफेरे ॥ लाव्योनीजआवासरे ॥ मानें॥ करीवधाईबोलावीउब
छमानें॥ ५१ ॥ अमरगुरुनेंकुमरकहेरे ॥ लावोविसेनसूपालरे ॥ खोली॥
थापोचंपाइंचित्तमांहितोली ॥ ५२ ॥ अमरगुरुकहेतिमकरूंरे॥ पणिरहेज्यो
तुम्हेचंपरे॥ स्वामी॥ सेनकहेतववातअसीरामी ॥ ५३॥ रहेस्यूंचंपाइंषरा
रे॥ पणिनृपतोविसेनरे ॥ जाणो॥ नरपतीइंजिणेंकीधलोछेराणो ॥ ५४ ॥
वातप्रमाणकरीहवइंरे ॥ मोकलेनीजनरइंमरेसाषी ॥ इंमकहेछेतूमदेवहितरा
षी ॥ ५५ ॥ पुरवजनुंएराज्यछेरे॥ भोगवोआविएथरे ॥ साई ॥ तेपणगयात
सपाससुखदाइ॥ ५६ ॥ सेनगयाचंपाभणीरे ॥ महाजनआव्यूंतामरे॥साह
मुं ॥ पाउधारोअमेजेमसूखपामुं॥ ५७॥ सेनकहेकिमआवीइरे॥ विनावी
ञेनसूपालरे॥ अम्हे ॥ महाजनकहेप्रसूस्यूंकहोछेतूम्हें ॥ ५८ ॥ अमसवि

तव्यताएहवीरे ॥ ईमचिंतवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येंअमेएहवाजसर
जा ॥ ५९ ॥ नगरबाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे
नपासेंनरजेपठाया ॥६०॥ अमरगुरुनेंतेकहेरे ॥ कयंगलानयरीईतेहरेदिठो॥
तिणेंपणिसांसल्योसेनजेउकीधो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनईसाषीउरे ॥ तूम
चोजेसमाचारतेआगें ॥ सांसलीतेअंगोअंगथीरे ॥ लागे ॥ ६२ ॥ उसाणोमन
थीघणुंरे ॥ कमलाणंमुखतासरेपापें ॥ मछरथीयस्योतेहसूणोआपें ॥ ६३ ॥
बोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेईमरे ॥ वात ॥ परसूजबलथी
राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविलोगवुंकिमेरे ॥ जाउतुमेनीजठामिस्यानें
आया ॥ फिरीमतआवज्योस्युंकहुंलाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणोतिमकरो
रे ॥ चिंतवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥
आवीकुमरनेंकह्युंरे ॥ कुमरबोल्यातामरेवाणी ॥ तातसाईवीनावातमीविराणी
॥ ६७ ॥ अंधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमांआजरे ॥ धारो ॥ अमर
गुरुकहेबुधीनोसंभारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे ॥ महापुरुषनोधर्मएह
सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६९ ॥ सातमेखंडेसोहामणीरे ॥
एहअढारमीढालरेलाषी ॥ पद्मेंश्रोतासूणोचित्तथीरराषी ॥ ७० ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ हरीसेनराजऋषीहवे ॥ काकासेनकुमार॥ सघलोव्यतीकरसांसली॥
चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसंजमनेंजाणीइ ॥ अधीकरणकरयुंईण॥
उधरीइएहआतमा ॥ करूणातसकरणेण ॥ ७२ ॥ साथेंसाधुअनेकथी ॥ आ
व्यातिणेंउद्यान ॥ वनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउधरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे
ईवंदनलणी ॥ अमरगुरुस्यूंआय ॥ नष्टशोकउद्यानमां ॥ दिठामुनीसूखदाय
॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवमलागीआ ॥ संजतसकुसीरदार ॥ आणाश्रीअरीहंतनी॥
निरवहेतांनिरधार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ जंबुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी
आराधता ॥ मोहतीमीरलरनासहो ॥मुनीवर ॥ निरतीचारचरणधरे ॥ नविपम
तामोहपासहो ॥७६॥मुनी०॥एहवामुनीनीतूवंदीई॥एआंकणी॥जेहनीरंजनशं
षज्युं ॥ लावनालावतावारहो ॥ मु० ॥ शारदजलज्यूंहृदयथी ॥ प्रणमुंतेअण

गारहो ॥ ७७ ॥ मु० ॥ एह० ॥ सीसनेंचितामणीसमा ॥ मुगतीमारगमुत्तिवं तहो ॥ मु० ॥ शांतीसूधारसजलनीधी ॥ वंद्यातेसगवंतहो ॥मु० ॥७८॥एह॥ धर्मलासदिधोधुरे ॥ रोमांचिततेकुमारहो ॥ मु० ॥ आणंदआंसूआव्यांतदा ॥ मुनीकहेसूणितूकुमारहो ॥ मु० ॥ ७९ ॥ एह० ॥ सावधरमपरेंताहरी ॥ वा तसुंदरसुवीचारहो ॥ मु० ॥ तुऊनीरवेदेंमुनीपणें ॥ आव्यूंमुऊएवारहो ॥मु० ॥ ८० ॥ एह० ॥ एहअसारसंसारमां ॥ संजमतेहजसारहो ॥ मु० ॥ जिवी तएहमानवतणें ॥ केवलक्लेशआधारहो ॥ मु० ॥ ८१ ॥ एह० ॥ द्रव्यउपा र्जनक्लेशजे ॥ नवीलहीइंतसपारहो ॥ मु० ॥ देवदानवनेंपणिसदा ॥ मृत्युत णोशिरसारहो ॥ मु० ॥ ८२ ॥ एह० ॥ करवोप्रमादजेथोफलो ॥ तेपणिअन रथमुलहो ॥ मु० ॥ गुरुसाषीतकहूंतेहनो ॥ संबंधआमलचुलहो ॥ मु० ॥ ॥ ८३ ॥ एह० ॥ एहजजंबुसरतमां ॥ उत्तरपंथअपारहो ॥ मु० ॥ वर्द्धना पुरमांराजीउ ॥ अजीतवर्द्धनअवधारिहो ॥ मु० ॥ ८४ ॥ एह० ॥ सद्भना मगाथापती ॥ चंदातेहनीनारिहो ॥ मु० ॥ सर्गनामेंसुततेहनो ॥ निरधनतेह अपारहो ॥ मु०॥ ८५ ॥ एह० ॥ सद्भमरणलह्योहवे ॥ किधांमरणनांकाम हो ॥ मु० ॥ आजीवीकाहेतेंकरे ॥ चंदापरघरकामहो ॥ मु० ॥ ८६॥ ए०॥ अटवीमांहिथीलावतो ॥ इंधणसागप्रमुखहो ॥ मु० ॥ विक्रयथीआजीवी का ॥ इमदिनकाढेउखहो ॥ मु० ॥८७॥ए०॥ एकपाप्रोसीतेहनें ॥ पासंमना मेसेठहो॥ मु०॥ आव्योजमाईतसघरे ॥ तेहनीकरवावेठहो॥ मु०॥८८॥ए०॥ बोलावीचंदातदा ॥ पाणीसरणनीमीत्तहो ॥ मु० ॥ पुत्रसूप्योघरिआवस्ये ॥ चितनधारीचीत्तहो ॥ मु० ॥८९ ॥ ए० ॥ सोजनासिंकेथापीनें ॥ कटीकादेई उवारहो ॥मु०॥ स्नानादिकनासयथकी ॥ चंदाचालीजिवारहो ॥ मु० ॥९०॥ ए० ॥ सर्गतूरतआव्योतदा ॥ मुक्योइंधणसारहो ॥ मु० ॥ मातषोलीपणिन वीजमी ॥ करतोकोपअपारहो ॥ मु० ॥ ९१ ॥ ए० ॥ कामकस्यूं हवेसेठनुं ॥ पणनवीदिधूकांयहो ॥ मु० ॥ आवीनिजघरजेतले ॥ कर तीमहाविसायहो ॥ मु० ॥ ९२ ॥ ए० ॥ दिनमुषीदेषीकरी ॥ कोपथीबोल्यो

सग्गहो ॥ मु० ॥ किमसूलीइंतूऊदीधली ॥ सूषपीमाश्रमलग्गहो ॥
॥ मु० ॥ ए२ ॥ए०॥ तेकीमतूऊनेंविसरयुं॥तवतसवोलीमातहो॥ मु०॥ हाथ
कपाणाताहरा॥ एहसीकेंरद्युलातहो ॥ मु०॥ ए४ ॥ ए० ॥ लेईनेंकेमषाधुं
नहीं ॥ एहवांवचनउच्चारहो ॥ मु०॥ करतांकर्मबांध्यांतिणें॥ जासविपाक
अपारहो ॥ मु० ॥ ए५ ॥ ए० ॥ एकदिनकर्मवीचित्रथी ॥ सावीसावनेंजो
गहो ॥ मु० ॥ बोधिविजपाम्यातीहां ॥ मानतूंगसूरीसंजोगहो ॥ मु० ॥ए६॥
ए० ॥ श्रावकपणंपाम्यावली ॥ चढतेशुसपरीणामहो ॥ मु० ॥ चरणधरम
वलीपमिवज्यां ॥ गुणगणकेरांधामहो ॥ मु० ॥ ए७ ॥ ए० ॥ करीयसंलेष
णाठेहमे ॥ श्रागमउक्तविधानहो ॥ मु० ॥ कालकरीनेंउपना ॥ दोयतेस्वर्ग
विमानहो ॥मु०॥ए८॥ए०॥ समरादित्यचरीत्रमां ॥ पद्मबीजयकहीढालहो ॥
॥ मु० ॥ सातमेखंमेसोहामणी॥ उगणीसमीसूविशालहो ॥ मु० ॥एए॥ ए०
॥ डुहा ॥ तामलीपीइंणसरतमां॥नयरीद्रव्यनीधान॥कूमारदेवइल्यकामिनी॥
जुजीश्रानामजुवान ॥६००॥ सर्गदेवहवेस्वर्गथी॥ श्राविलीइंश्रवतार ॥ तेह
नीकूषेंततषिणें॥ जनमथयोक्रमेंज्यार ॥ १ ॥ श्रहूणदेवश्रसीधाठव्युं ॥ क्र
में २ थयोकुमार ॥ चंदाइंणश्रवशारिंचवी ॥ सूरवरथीसूवीचार ॥ २ ॥ नामें
पाम्लापथनयर ॥ सेठजसादित्यसार॥ श्र दसूतनारीइंलूश्र॥ तसकुषेंश्रवता
र ॥३ ॥पुत्रीश्रनुक्रमेंप्रसवती ॥ देइणिनामतेदीध॥ श्रनुंक्रमेंदीधीश्रहूणनें ॥
सघलूंसावीसीद्ध॥ ४ ॥ ढाल॥ विधातावैरणरेठगीमांस्यूरेलीष्यूरे॥एदेशी ॥वि
धातावांकोजाणोरे॥ जुउस्युंस्यूरथाइरे ॥ परण्याविणचढिउक्याजेरे ॥ श्ररु
णदेवद्रव्यनेंध्याइंरे ॥ ५ ॥ कम्हाहथीपेंगयाकमावारे ॥ कमाईतेरेवलीउरे ॥
क्याजतेवाटिमांलागुरे ॥ कर्मेंजुउस्युरेथयुंरे ॥ श्राव्यूंएकपाटिउंहाथेरे॥ ति
णेंदूखसव्वइंगयुंरे ॥ ६ ॥ महेसरसाथेंबिजोरे ॥ तेपणितीहांसायरतरीउरे ॥
श्राव्याजबसायरकांठेरे ॥ पाम्लावहवाहिरचरीउरे ॥ ७ ॥ महेसरतिहां
बोल्योरे ॥ तूमारेसासरेजईइरे ॥ कुंश्ररतवइंणिपरिसाषेरे ॥ इंणिवेलाइंम
किमकहीइंरे ॥ ८ ॥तवतेकहेबेसोबाहिररे ॥ नयरमांजरेजास्यूरे ॥ सोजन

छूजईनइंञ्आएऊंरे ॥ कहेतेसुषमांगस्यूंरे ॥ ए ॥ देवकूलमांजईनेंसूतोरे ॥ थाकें
करीउंघ्योसारोरे ॥ महेसरतोलेवागयोञ्आहाररे ॥ हाटिसेरीइंफिरतोञ्अपारोरे ॥
॥ १० ॥ इंणञ्अवसरउदइंञ्आव्यूंरे ॥ देइणीनेंकर्मबंधाएऊंरे ॥ निजसवनउद्या
नेंबठीरे ॥ तस्करनुंथयुंरेटाएऊंरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलवज्रमुलारे ॥ तस्करति
हांलेवाञ्आव्योरे ॥ गाढांतिणेंनवीनिकलीआंरे ॥ साथेंछुरीकारेलाव्योरे ॥
॥ १२ ॥ तिणेंकापीहाथनेंलीधारे ॥ लेईनासवारेमाम्युंरे ॥ वनपालीइंबुंबजपा
मीरे ॥ जाणेंञ्आव्युंरेधाड़ुंरे ॥ १३ ॥ कोटवालसूणीउजाणोरे ॥ चोरतोञ्आगे
रेनासेरे ॥ नासतांहवइंथाकोचोररे ॥ जाण्यूंहवेकिहांरेजास्येरे ॥ १४ ॥ पे
ठोदेवकूलमांहिरे ॥ अरुणदेवजीहांरेसूतोरे ॥ उदेंतसकर्मञ्आव्यूंरे ॥ सञ्ज
नकर्मेंषूतोरे ॥ १५ ॥ चोरेंचित्तमांहिंचितीरे ॥ कस्मांमुंक्यांतेहनीपासेरे ॥ पो
तेञीषरञ्अंधारेंउपायोरे ॥ छुरीमुंकीहीणेंञ्आसेरे ॥ १६ ॥ उग्योञ्अरूणदेवतवदी
ठोरे ॥ जाण्युंदेवतारेतूठोरे ॥ लेईफांटिमांहिसंगोपेरे ॥ छुरीदेषीचितेंञ्अपुठोरे ॥
॥ १७ ॥ तवञ्आव्योतिहांतलाररे ॥ मनमांक्रोसनारेथईरे ॥ कहेकिहांजाई
सदूराचारीरे ॥ छुरीकापमीरेगईरे ॥ १८ ॥ पकम्योतवबोलेतेहरे ॥ मेंञ्अपराध
स्योरेकीधोरे ॥ तेकहेद्योकटकनोजोमोरे ॥ कहेञ्अहूणनम्हेंरेलीधोरे ॥ १९ ॥
ञ्आणीक्रोधनेंञ्आफ्योतीणेंरे ॥ तवपमीञ्आंकटकसूपीठेरे ॥ उलष्यांकोटवालें
तामरे ॥ सूपतीपुरधरीउनीठेरे ॥ २० ॥ संसलाव्योव्यतीकररायरे ॥ दिठोद्रव्य
स्यूंरेतेहरे ॥ कहेद्योसूलीइंएचोररे ॥ तलवरपणिसांसलीएहरे ॥ २१ ॥ लाव्योजीहां
सूलीनुठामरे ॥ सुलीइंएरेदिधोरे ॥ इंणञ्अवसरसोजनलाव्योरे ॥ देवकूलमांएरेस
धोरे ॥ २२ ॥ महेसरेंषोलिघणीकीधीरे ॥ नदिठोकोईरेठामेरे ॥ तवञ्आसनदे
ञोजोयोरे ॥ नलह्योकोईरेनामेरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेंपुछेरे ॥ एहवोकी
हांरेसाल्योरे ॥ तेकहेनवीदिठोकोईरे ॥ पणिएकचोरझाल्योरे ॥ २४ ॥ हम
णांतसमारयोसाईरे ॥ कदातिहांरेगयोरें ॥ कौतूकनोलिधोजायरे ॥ सुणीसो
करेथयोरे ॥ २५ ॥ ञ्आकुलव्याकूलघणोथाईरे ॥ साईएरेस्यूंकह्युंरे ॥ साईमु
झनेंठामदेषामोरे ॥ मारूंहईमुंरेदह्युंरे ॥ २६ ॥ तवठामदेषाम्योतिणेंरे ॥ तिहां

खोसाणेआयोरे ॥ सूलीईसेठपूत्रनेंदिठोरे ॥ अरूणदेवरेसायोरे ॥ २७ ॥ इम
कर्मविचित्रताजुउरे ॥ सातमेखंमेरेसूणोरे ॥ कहेपद्मवीसमीढालेंरे ॥ कस्यां
कर्मएरेमुणोरे ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ कर्मविपाककमुआघणा ॥ मूठीपामेंमन्न ॥ पमीउप्रथवीउपरें ॥ तम
फमतोतेतन्न ॥ २९ ॥ प्रेक्षकलोकआव्यापठें ॥ पुठेंफालीपाणि ॥ स्योएकहो
संबंधछे ॥ आपोउत्तरआणि ॥ ३० ॥ महेसरबहुलेमोहथी ॥ बोलेगदगदबो
ल ॥ वाटितठिएवातमी ॥ अवलोयर्योअतोल ॥ ३१ ॥ तामलिमीईतिलकसम॥
कुमारदेवकहेवाय ॥ तेहनोसूततूमेजाणजो ॥ अरूणदेवअसीधाय ॥ ३२ ॥
ईणनयरीवासीअवल ॥ जसादित्यजगजाण ॥ जामातातसजांणज्यो ॥ आ
व्योईणहीजठाण ॥ ३३ ॥ जिहाजसागुंप्रीयजनगया ॥ मनमांधरतोमाम ॥
नगयोसूसरानेंघरे ॥ अवज्ञारजाणीआम ॥ ३४ ॥ बेसार्योम्हेंवाहिरें ॥ पुर
मांगयोपीठाण ॥ आहारलेईनईआवीउ ॥ गवोषोल्योठाण ॥ ३५ ॥ पापउद
यपरगटथयो ॥ आव्योखोलतोआंहि ॥ दिठोईणीपरेंदृष्टिथी ॥ किहांएसूली
क्याहिं ॥ ३६ ॥ ढाल ॥ ईमम्हारापघणंसवाईढोला ॥ एदेशी ॥ ईमकहेतांमु
रछानमीउ ॥ प्रथवीउपरितेपमीउरे ॥ सवीकाकर्मतणीगतीन्यारी ॥ नसकेको
ईकर्मनेंवारीरे॥स०॥पुंरानीपरेंतमफमतो ॥ उव्योकीमहीकलमथमतोरे ॥ ३७॥
सवि० ॥ निजवधकरवानेंमांमें॥ लेईपथरसीरस्यूंपछामेरे॥सवि०॥ प्रेक्षकलो
केंथरीराष्यो ॥ ईणिपरेजेसंबंधदाष्योरे ॥ स० ॥ ३८ ॥ नगरीमांथयोविस्ता
र ॥ जसादित्येंसूण्योअधीकाररे ॥ स० ॥ नीजपुत्रीलेईतीहांआयो ॥ दिठोअ
रुणदेवमनसायोरे ॥ ३९॥सवि०॥ अहोअहोएवाततेकेहवी ॥ सेठपुत्रनीजो
वाजेहवीरे ॥ सवी० ॥ मुर्छलह्यांउहीतानेंतात ॥ छांटयांचंदनविंजणेंवातरे ॥
॥ ४० ॥ स० ॥ काढोमुफकष्टरेसाय ॥ नवीजोकसंतापखमायरे ॥ स० ॥
मरस्यूंनीश्चयततकाल ॥ सूणीवातएप्रथवीपालरे ॥ स ॥ ४१ ॥ कोटवाल
स्यूंकरतोरीस ॥ कोटवालकहेसूणोईसरे ॥ स० ॥ चोरीतवस्तुस्यूंएह ॥ पक
ड्योअमेकरीईकेहरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ जसादित्यपासेंवधगाम ॥ नरपतीआ

वीलणेंआमरे ॥ स० ॥ साईदैवनोएअपराध॥ अमबुद्धीतणोनहीबाधरे॥४३॥ स० ॥ कोईसावीसावविचार ॥ ईमबोलेसूत्तरतारेरे ॥ स० ॥ सूलिइंथीउता र्योतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ प्रतिबोधनोअवसरजा णी ॥ आव्यासूरीचउनाणीरे॥ स० ॥ अमरेसरगणधरनाम ॥ तपअतीसयथी असीरामरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ सूरवरपुजीतगतपाप ॥ सहुनागयाशोकसंताप रे ॥ स० ॥ देवताइंप्रथवीसमारी ॥ गंधोदकवरसेधारीरे ॥ ४६ ॥ स० ॥ वली कनककमलपणिवीरचे॥ फूलवरसेनेंमुंनीनेंअरचेरे॥स०॥ तिहांबेसीनेंदेसना देता ॥ उपदेशमाहिंइंमकहेतारे ॥ ॥ ४७ ॥ स० ॥ मोहनीदामकरोप्राणी ॥ धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअढारो ॥ दशवीधजती धर्मनइंधारोरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ तजीइंवयरीअंतरंग ॥ डुखदिइंपरमादप्रसंग रे ॥ स० ॥ थोडोपणिकरिइंपमाय ॥ तेहथीबहुकर्मबंधायरे ॥ ४९ ॥ स० ॥ डुखदायकतासविवाग ॥ मानसतनुडुःखअतागरे ॥ स० ॥ देइणीनेंअरूणदे वजेम ॥ तवपुछेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसंबंध ॥ विस्तार थीकहेपूरबंधरे ॥ स० ॥ जोएतलाडकुतकेरो ॥ विपाकआव्योअधीकेरो रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ इमसांसलीकेईप्रतीबुज्झ्या ॥ संवेगथीकर्मस्युंजुझ्यारे ॥ स० ॥ अरुणदेवदेईणीदोय ॥ मुर्छागततनषीणहोयरे ॥ ५२ ॥ स० ॥ चेत नालहीपाम्यांज्ञान ॥ जातीसमरणशुसध्यानरे ॥ स० ॥ आदाननिदानसहु जाण्यो ॥ शुसपरीणामेंपरमाण्योरे ॥ ५३ ॥ स० ॥ प्रसूजेतूम्हेसाष्युंतेम ॥ अमेंज्ञानेंदिठुंइंमरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणदेईकरो अम्हशोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टालोसं सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीवात ॥ डुर्गतीजाइंसदगतीयातरे ॥ ५५ ॥ सवी० ॥ सूरनरसूखसाधेएह ॥ निरवांणदिइंवलीजेहरे ॥ स० ॥ अणसणदिइंतपसेंठसाषें ॥ सहुधन्य २ मुखिसाषेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेबि हुंजणगुरूनेंस्वामी ॥ वलिकहोकांयअंतरजामीरे ॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेस घलूंकिधुं ॥ मानवसवनुंफललीधुंरे ॥ स० ॥ ५७ ॥ वलीढांढोममतडखमु

ल ॥ मैत्रीसङ्कस्यूंअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवङःकृतउगंछे ॥ एकरत्नत्रयीनेंवं
गेरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकेरसूप्रकारोरे ॥
स० ॥ इणअवसरकहेसूपाल ॥ संवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला
नांएफलवतलावो ॥ तोअमनेंकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपमी
आ ॥ अम्हेकर्म्मजंजीरस्यूंजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती
एहवी ॥ फलेंअधीक २ बमजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीवांधे॥
तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांडुखघणांसोगवस्ये ॥ बङ्का
लगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोडुंजांणो ॥ तिणेंसाषेंत्रीसूवनराणो
रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसंगदिइंडुखव्यापरे॥स०॥
इहसवडुखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद
थीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥
गुरुउपरिनकरेप्यारेरे ॥ ६४ ॥ स० ॥ इमसंचीबङ्खलांपाप ॥ सहेवेदननरकेंआपरे
॥ स० ॥ पुछेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यगूकहेगुरुरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इंम
सातमेखंमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमइणिपरेंसाषे॥
नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ सर्वआरंसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ ना
णवृद्धीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुंकेनही॥वर्द्धमांनसंवेग ॥ पुरवसंचीत
पेपवे ॥ वलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निर्मीत्तवीनावांधेनही ॥ नवांकर्मनी
रधार ॥ अनुंक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखअंगीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी
सनें ॥ करयोनकीमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउ ॥ पणबङ्खलोपरमाद
॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणो ॥ करेकर्मनोअंत ॥ पणिथोमाअप्रमादथी॥
सोमयांकर्ममहंत ॥ ७१ ॥ आदरीउअप्रमादनें ॥ अशुसटल्योअनुवंध ॥
विजअप्रमादनुंवोईउं ॥ स्तविइंएसंबंध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो
रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीसाषे॥ करवोनहीपरमादसराषे॥डःकृ
तनिंदारेकरीइं ॥ इंणपरेंसवआयरसुखेंतरीइं ॥ ७३ ॥ तिणें० ॥ आलोईइं

गुरूपासें ॥ प्रायछीत्तविधिपूर्वकअत्यासें ॥ ईमसूणीबुझ्योरेराय ॥ कारागा
रविमुक्तीकराय ॥ ७४ ॥ तिणें० ॥ जसादित्यमाहेश्वरसाथें ॥ चारीत्रलिइं
नृपसदगुरूहाथें॥ एहसूणीअधीकार॥कटकचोरआव्योतिणेंठार॥ ७५॥ति०॥
पश्चातापरेकरंतो ॥ गुरूनेंइणीपरेंतेहवदंतो॥म्हेंपापीइंएकाम॥किधुंनीःसंधसप
रिणाम ॥ ७६ ॥ ति० ॥ धर्मजवेषीरेसार ॥ अधरमनोकीधोअधीकार ॥ मा
नवसवएअहेलेंषोयो ॥ डखपरंपरानोमुखजोयो ॥ ७७॥ ति०॥ स्योबहुवच
नविन्यास ॥ प्राणत्यागकरवोतूमपास ॥ कहोप्रसूजोग्यजेमाहरे ॥ दिधो
गुरुउपयोगतिवारे ॥ ७८ ॥ ति० ॥ लौकिकसुंदरतासाव्यो ॥ पणिनवीसववै
राग्यतेआव्यो ॥ ईमवीचारीरेतास ॥ दिधुंअणसणशुद्धअत्यास॥ ७९॥ ति०॥
दिधोवलिनवकार ॥ चोरेंपिणकर्योअंगीकार ॥ नियोआतमआप ॥ गुरूवं
दीनेंधोयांपाप ॥ ८० ॥ ती० ॥ अरूणदेवेंकर्योकाल ॥ देईणीतस्करपणित
तकाल ॥ त्रणेंसूरवररेथाय ॥ तिणेंसुणीसेनकुमरजीराय॥ ८१ ॥ ती० ॥ रा
ज्यअसारनेंकाम ॥ किधोस्येकामेंसंग्राम ॥ जुगतूंकामनकिधुं ॥ सेनकुमर
पणिबोल्योसीधुं ॥ ८२ ॥ ती०॥ कुलपरासवनसहाणो ॥ तिणेंअसूंदरकार्य
कराणे॥ जाण्यूंहवइंतूमपास ॥ दिक्षाथीउपसमहोयतास ॥८३॥ ती०॥ आ
पोजोग्यजोजाणो॥गुरूकहेयोग्यतणेंशिरठाणो॥तजवाजोग्यसंसार ॥किजेंल
घुकारयनीरधार॥ ८४॥ति०॥सेनकूमरकहेसाच॥ सूणोअमात्यगुरुनुंवाच॥अ
नुंमतीद्योतूम्हेंसारी॥बोल्योतामअमात्यविचारी॥ ८५॥ति०॥ विघनमहोयोरेतू
मनें॥आठदिवसद्योमाग्यांअमनें॥अठाईमहोछवरेकीधो॥दानअतूलजाचकनें
दीधो॥ ८६॥ती०॥राज्यठव्योनिजपुत्र॥अमरसेनराषेघरसूत्र॥शुभलगनेंशुभवा
र॥शांतिमतीपणिसाथेंनारि॥ ८७॥ती०॥अमरगुरूमुखमंती॥शकुनसवेंअनुंकु
लनीपंती॥हरीसेनगुरुनेंरेपासें॥दिक्षालेईनेंश्रुतअत्यासे ॥ ८८॥ती०॥अनुंक्रमे
सुत्रनेंकिरीया ॥ अर्थधर्योऊआगुणदरीआ ॥ तुलनाजिनकल्पकेरी ॥ करेगु
रुआणालहीयसलेरी ॥ ८९॥ ती० ॥ पांचप्रकारनीतेह ॥ तपनें १ सूत्र २ अ
र्थे ३ गुणगेह ॥ एकांत ४ बल ५ पंचजाणो॥ पाठांतरबिजोपरमाणो ॥ ९०॥

ती० ॥ यतः ॥ तवेणसूत्तेणअद्वेणं ॥ एगंतेणवलेणय ॥ तूलणापंचहावुत्ता ॥ जिणकप्पंपमीवज्जउ ॥ १ ॥ अत्रपाठांतरंविशेषावश्यके ॥ तवेणसूत्तेणसत्ते एगत्तेणबलेणय ॥ इत्यादी ॥ तत्रभावनापंचधा ॥ पूर्वढाल ॥ पहेलीउपासरामांहि ॥ बिजीबाहिरधरतउगांहि ॥ त्रिजीचोकमांरहेतां ॥ चोथीसुनाघरमांसहेतां ॥ए १॥ ती० ॥ पांचमीसमशानेजाइ॥सत्वभावनाइणीपरिथाय ॥ वृहतकलपमांविस्तार ॥ जोज्योइहांथायग्रंथअपार ॥ए २॥ ती० ॥ यतः॥ पढमाउवस्सयंमी॥ बियाबाहितईयाचउकंमी॥ सुन्नहरंमीचउत्थी ॥ तहपंचमीयामसाणंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ किधीतूलनारेइम ॥ टालेसंगसकुस्यूंप्रेम ॥ गामेएकजराति॥नगरेपंचरातीविख्याता॥ए ३ ॥ ति०॥इकदिनविचरंताआया॥ कोल्लागसन्निवेसेंमुनीराया ॥ काउसग्गरह्याएकगामें ॥ प्रणमोएमुनीनीत्यसीरनामि ॥ ए४ ॥ ती० ॥ सातमेखंमेंरेढाल ॥ बावीसमीसाषीसूरशाल ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पद्मवीजयकहेधरीउल्लास ॥ ए५ ॥ तिणे० ॥ ॥ छ ॥

॥ दुहा ॥ राज्यविनाहवेरमवमे ॥ नामविसेंनकुमार ॥ इणअवशरतिहांआवीउ ॥ धरतोद्वेषअपार ॥ ए६ ॥ मुनीवरदीठामोटिका ॥ पणिकोईकर्मप्रमाण॥ कोपेंचित्तमांकलकल्यो ॥ बोलेइणिपरेवाणि ॥ ए७ ॥ दिठोवलिदांष्टकरी ॥ नहिमुकपापनोपार॥अथवाआअवसरभलो ॥ एकाकीअवधारि॥ ए८ ॥ एकांतेआयुधनही ॥ पोचाफुंजमपाणि ॥ मनोरथपुरुंमनतणा ॥ अथवामुकइंमहाणि ॥ एए॥ निजकुलपुत्रनेंनिरषतां ॥ कहोमारुंकिणरीती ॥ वधकंरस्यूंवलीअवसरें॥ चाल्योइमधरीचित्त ॥७००॥ढाल॥पटोधरपाटीइपधारो॥ एदेशी॥ नवीकोईनेंव्यतीकरसाप्यो ॥ एद्वेपहैयामांराप्यो ॥ मुनीसमतारसचित्तचाप्यो ॥ १ ॥ सवीजनवंदिइमुनीसावें ॥ जिमसव २ पातिकजावे ॥ सद्धि ॥ एआंकणी ॥ देवकुलपीठीकाइसुतो ॥ सूरजपेत्रांतरेंपोहोतो ॥ थयोरातिनेंसागनिचंतो ॥ २ ॥ स० ॥ गयोरवमगलेइमध्यरातें ॥ मुनीवरपासेएकांतें ॥ ध्याननीश्चलमुनीवरध्याते ॥ ३ ॥ स० ॥ एकअरतीनेंवीजुंअज्ञान ॥ ज्वल्योक्रोधनेंदिप्योमान ॥ काढ्युंखमगभूजंगसमान ॥ ४ ॥ स० ॥ कहे

सांसलिरेउराचार ॥ जिवलोकनयणेंअवधारि ॥ ऊंमारीसतूऊनीरधार ॥ स०
॥ ५ ॥ ध्यांनमांनसूणेंमुनीराय ॥ पणिषेत्रदेवीतिणेंगाय ॥ सूणेगुणरागि
णीचितलाय ॥ ६ ॥ स० ॥ विसेनकूमारनेंकोपी ॥ खमगवाहेजदालाज
लोपी ॥ अपहरीलीइंदोषआरोपो ॥ ७ ॥ स० ॥ घंत्योवलीतेहजगाम ॥
कहेधिगूसंक्लेसपरीणाम ॥ अनार्यपणानोधाम ॥ ८ ॥ स० ॥ समसत्रुमि
त्रमुनीएह ॥ वासीचंदनसमदेह ॥ तेउपरिकीमकरेएह ॥ ९ ॥ स० ॥ तूऊ
मुखनवीजोवुंग्यार ॥ दयाआणीनेंमुक्योतिवार ॥ पणितिव्रकरमथयांल्हार ॥
॥ १० ॥ स० ॥ नगणेंतेदेववचन्न ॥ फिरीमारणधाइंतन्न ॥ देवताइंजाणीशु
लपन्न ॥ ११ ॥ स० ॥ लोहीवमतोनाष्योतास ॥ मुनीअवग्रहजाण्योपास ॥
क्रोसनालहीउठ्योतास ॥ १२ ॥ स० ॥ अवग्रहथीकाढ्योबाहिरें ॥ मुंक्यो
वनमांजईत्यारें ॥ अदृशथयादेवताज्यारे ॥ १३ ॥ स० ॥ पापनीपरणती
जुउमाहरी ॥ नविसकीउएहनेंमारी ॥ विसेनतेइंमवीचारी ॥ १४ ॥ स० ॥
इंमकरतोरूद्रतेध्यान ॥ अमरषधरतोअज्ञान ॥ थयुंनारकआयुबंधाण ॥ स० ॥
॥ १५ ॥ अतिनिवेशथीदृढथाय ॥ क्रमेंकोईककालगमाय ॥ परीजनसऊ
नीजघरिजाय ॥ १६ ॥ स० ॥ पीमाबऊसूषनीषमतो ॥ एकाकीमारगचल
तो ॥ चोप्पीलाअटवीमांसमतो ॥ १७ ॥ स० ॥ लीहगृध्रआवणनेंकाज ॥
मांससेलूंकरेतसव्याज ॥ मास्योतिणेंविसेणराज ॥ १८ ॥ स० ॥ मरीउठीनं
रगेंजायो ॥ मुनीआसातनफलपायो ॥ बावीससागरतसआयो ॥ १९ ॥ स० ॥
हवेसेनरायअणगार ॥ पालीसंजमनीरतीचार ॥ करीसंलेषणातजेआहार ॥
॥ २० ॥ स० ॥ प्रणमीवीतरागनापाय ॥ आदरेअणसणशुसगाय ॥ प्रतीबंधरहीत
नीरमाय ॥ २१ ॥ स० ॥ लावनाआराधीलावें ॥ देहपंजरमुंकीजावे ॥ नवमे
ग्रैवेयकेआवे ॥ २२ ॥ स ॥ त्रीससागरआयुतास ॥ ईमसत्तमसवसूविला
स ॥ पिन्नराईसाईपणेंजास ॥ २३ ॥ स० ॥ सातमोकह्योरवंमरशाल ॥ संवत
अढारबेताल ॥ जेठवदिछठेंत्रेवीसढाल ॥ २४ ॥ स० ॥ विजयसिंहसूरी
ससवाया ॥ सत्यविजयसूसीसगवाया ॥ तससीसकपुरकहाया ॥ २५ ॥

स० ॥ तसषीमावीजयगुरुराय ॥ जिनविजयवीबुधतसथाय ॥ सोलागीज
नसूषदाय ॥२६॥ स० ॥ तससिसमांउत्तमवीजयो ॥ जगमाहिजसजसवी
जयो ॥ जसनामप्रलातेंलीजयो ॥ २७ ॥ स० ॥ समरादित्यनोएरास ॥ कहे
पद्मविजयसूप्रकाश ॥ पुरेपासकल्याणजीआस ॥ २८ ॥ स० ॥ इतिश्री
संविज्ञपक्षीयपंडीत्तप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मवीजयग० विर
चितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसेनवीसेनपितृव्यभ्रात्रोसप्तमोनरस्तवः
समाप्तः ॥ तत्समाप्तोचसमाप्तोयंसप्तमःखंडः ॥ सप्तमखंडेसर्वगाथा ॥
॥ ७२८ ॥ श्लोक ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ढा० ॥ दुहा ॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ समरीसरसतीमाय ॥ गुणगणदायकगुरु तणा ॥ प्रेमेंप्रणमुंपाय ॥ १ ॥ सातमोखंमसोहामणो ॥ पुरणकरीसूप्रमाण ॥ अद्भुतरखंमहवेआठमो ॥ सांभलोसर्वसूजाण ॥ २ ॥ जंबुद्वीपलक्षजोअणो ॥ भरतषेत्रअसीराम ॥ सूरपुरीसमसोहामणी ॥ नयरीअयोध्यानाम ॥ ३ ॥ वनवाभीविहारेंकरी ॥ नित्यउछवआणंद ॥ जुवतीअद्भुतछेजिहां ॥ करणीग तीसूखकंद ॥ ४ ॥ लावन्यउतपतीलेषिइं ॥ सूद्धसीलआमाचार ॥ विधीकौ शल्यप्रकर्षवली ॥ विस्मयठाणवीचार ॥ ५ ॥ पुरुषगर्वपुरावसे ॥ अदभूत चरीतउदार ॥ गुणपक्षपातीनेगुणी ॥ वचनतेवदेविचार ॥ ६ ॥ ढाल ॥ देशीचोप ईनी ॥ दाननाव्यसनीलोकछेजेह ॥ लोभीजसलेवानेंतेह ॥ परधनलेवानेंपां गला ॥ परस्त्रीदेषणनेंआंधला ॥ ७ ॥ विकणकरवातेहअकाज ॥ मूंढापरमां गणनेंकाज ॥ गुणग्रहवानोनहीसंतोष ॥ मुंगापारकालेवादोष ॥ ८ ॥ जि हांबंधनतेधम्मीलेंहोय ॥ अथवाफूलबंधाइंजोय ॥ दंमछत्रनेंकेप्रशाद ॥ स्ने हनोक्षयदिपकेंअवीवाद ॥ ९ ॥ मारसबदसोगठीनेंकहे ॥ निरदयपणंति हांखमगेंलहे ॥ छुहियांमंदिरदिशेघणां ॥ गजसालाइंकलहनहीमणां ॥ १० ॥ कोरणीमंदिरमाहिघणी ॥ पणितिहांलोकनहीकोरणी ॥ मैत्रीबलनामेंतिहांरा य ॥ राज्यलक्ष्मीपरेंकिर्तिसूहाय ॥ ११ ॥ नितीपरेंनहीदयाविहीन ॥ शत्रु नेंकिधाछेदिन ॥ पद्मावतीपटराणीतास ॥ सूखभोगवेतेहस्युंसुवीलास ॥ १२ ॥ नवमाग्रैवेयकवासीदेव ॥ उपनोतेहनीकूखेंहेव ॥ दिठुंसूपनतिणेंपरभात ॥ ए कसरोवरतिणहीजराति ॥ १३ ॥ कमलसहीततेराजेघणुं ॥ नृत्यकरेमानुं विचीतणुं ॥ भ्रमरसमुहगुंजारवकरे ॥ कांठेंपंषीरक्षांपरपरे ॥ १४ ॥ तरुअ रश्रेणीचिहुंदिशफरी ॥ एहउदरपेठुंसंचरी ॥ जागीसंभलाव्युंभरतार ॥ नृप नेंपणियथयोहर्षअपार ॥ १५ ॥ पुत्रथास्येरायहंससमान ॥ सूपकमलाकर भोगअमान ॥ सांभलीसंतोषपामीनारी ॥ त्रणवरगसाधेसूखकार ॥ १६ ॥ अनुंक्रमेंशुतमुहूरतशूभयोग ॥ सूखथीप्रसवेपुत्रनीरोग ॥ कमलपरेंकरपद सूकमाल ॥ दाशीइंविनवीउसूपाल ॥ १७ ॥ रायतणेंमनहर्षनमाय ॥ दिइं

वधामणीकरीयपञ्चाय ॥ ठोमीदीइतीहांकारागार ॥ हरष्योजनपदचित्तउदार ॥ १८ ॥ आणंदध्वजकियांघरसिरे ॥ पुजावीरचावेपरपरें ॥ घरिघरिवाजेमंगलतूर ॥ रमणीगीतगाइससनुर ॥ १९ ॥ वधामणांलावेबज्जलोक ॥ नाचेतरूणीजननाथोक ॥ रायदोइबज्जआदरतास ॥ कहेतूमकेरीदृष्टीएषास ॥ ॥२०॥बज्जआणंदमांगयोएकमाज्ञ॥विविधउछवकरतांउल्लास॥ नामठवेगुणचंदकूमार ॥ अनुक्रमेंकुमरस्तावलहेज्ञार ॥ २१ ॥ सिखिकलाउअनेकप्रकार॥ लेखगणीतआलेखवीचार ॥ नाटिकगीतनेंवाजित्रयुत ॥ होराकाव्यनेंआर्याजुत्त ॥ २२ ॥ प्रहेलीकामागधीकाश्लोक ॥ देषीअचरीजपामेलोक ॥ ज्ञायनविधीवीधीअन्ननेंपांन ॥ अष्टापदसमतालनुमांन ॥ २३ ॥ रमणीप्रतीकर्म्मलक्षणनारी ॥ पुरुषतणांलक्षणअवधारि॥ हयगयगोएनेंकूकम्मतणां॥मेढलक्षणवलीजाणेघणां ॥ २४ ॥ चक्रदंममणीअसीनेंछत्र ॥ कांगिणीचर्म्मलक्षणकहेवत्त ॥ चंद्रसूरराज्जनाचार ॥ ग्रहनाचारअनेंप्रतिचार ॥ २५ ॥ मंत्रतंत्रयंत्रकेरीबात ॥ व्युहप्रतीव्युहतणाअवदात ॥ खंधाचारनांजाणेमान ॥ नगरनीवेज्ञाजाणेतसथान॥२६॥ हयगयसीक्षानेंधनुर्वेद॥धातूबादवलीमणीनाभेद॥बाज्जदंममुठिअठिजुद्धावलितेजाणेंयुद्धनोयुद्ध॥सजीवननेंनीजिवउपाय॥नालिकाखेमग्नशकुनरुतथाय॥२७॥ विषयप्रसंगसमयआविउ॥पणिकलासणवाचित्तसावीउ॥वलीआसनठेसिद्धिनांसूख॥क्लिष्टकर्मउपसमीआंडख॥ २८ ॥ कन्यारुपप्रकर्षनदिठ ॥ तिणेंतसविषयप्रसंगअनीठ ॥ गुरुनेंउपजावतोआणंद ॥ साथेंचाकरनाबज्जवृंद ॥ २९ ॥ नंदनवनउपमवनमांहि ॥ क्रिम्राकरतोअतीउछाहि ॥ पुण्यतणांफलइमसोगवे ॥ दानयाचकनेंबज्जउछवे ॥ ३० ॥ समरादित्यतणोएरास ॥ आठमेखंडेलिलवीलास ॥ पंमीत्तउत्तमविजयनोबाल ॥ पद्मविजयकहेपेहेलीढाल ॥ ३१ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ दुहा ॥ जिवविसेणनारकजिके ॥ उदवत्योइणकाल ॥ संसरीउसंसारमां ॥ सहेतोडखअसराल ॥ २२ ॥ अनंतरसवेंतिणेंआचरयुं ॥ कष्टतथाविधकांय॥ वैताढ्यवारुपरवतें ॥ अवतरीउतेआय ॥ २३ ॥ रथनेंउरचक्रवालरम्य ॥ वि

द्याधरवरथाय ॥ असीधावाणमंतरईस्युं ॥ किधुंअनुंक्रमेंताय ॥ ३४ ॥ वा
ध्योवयेवीद्याधरो ॥ रमतोरमतोरान ॥ मयणनंदननामेंसलूं ॥ अयोध्या
उद्यान ॥ ३५ ॥ तिहांआव्योतेंततषीणें ॥ इणअवसरआवंत ॥ गुणचंद्रकूमर
गुणीघणा ॥ चित्रकरणनिचित ॥ ३६ ॥ ढाल० ॥ देशीआंठेलालनी ॥ दि
ठेकूमरनेंजाम ॥ पापउदयथयोताम ॥ सूंदरलाल ॥ ततषीणकोपेंकलकल्यो
जी ॥ ३७ ॥ चिंतवेंचित्तस्युंइंम ॥ एपापीइंहांकेम ॥ सूं० ॥ कुणउखदा
यकदेषीइंजी ॥ ३८ ॥ इंहांकरवोस्योविचार ॥ माहूएंदूष्टआचार ॥सुं०॥आ
व्योनिकटकूमरनेंजी ॥ ३९ ॥ कुमरनीहदिमांतेह ॥ आवीनशक्योएह ॥
सूं० ॥ तवचिंतेइंहांरहीहणंजी ॥४०॥ रहीअदृश्यप्रकार ॥ विद्यासक्तिउदा
र ॥ सूं० ॥ सीषणसब्देंसेंषवुंजी ॥ ४१ ॥ सहजेंतजस्येप्रांण ॥ इमकरीते
हअजाण ॥ सूं० ॥ शब्दकरयोसैरवघणोजी ॥ ४२ ॥ वज्रप्रहारेंजेम ॥ फू
टेगिरीवरतेम ॥ सू० ॥ तोहिकुमरक्षोल्यानहीजी ॥ ४३ ॥ मित्रलज्ञाति
हांक्षोल ॥ तेहनेंकरीथीरथोल ॥ सूं० ॥ कोप्योअतीवाणमंतरोजी॥ ४४ ॥
अहोधीरजइंणिकिध ॥ पापीडुष्टप्रसीद्ध ॥ सू० ॥ फेरीपराक्रमदाषवुंजी ॥
॥ ४५ ॥ कंचनपादपनाम ॥ करीनाष्योसिरठांम ॥ सूं० ॥ कुमरपुण्येंदूरें
पड्योजी ॥ ४६ ॥ वाणमंतरदूसाय ॥ चिंताइंणिपरेंथाय ॥ सूं० ॥ अहो
पापीशकतीघणीजी ॥ ४७ ॥ अधीककरेमनषेद ॥ इंणअवशरिथयोसेद ॥
सू० ॥ खेत्रपालतिहांदेवताजी ॥ ४८ ॥ वाणमंतरएदेव ॥ गमनरतीशुसटे
व ॥ सू० ॥ तेदेषीबीहनोघणंजी ॥ ४९ ॥ विद्यानुंबलअल्प ॥ नाठोतेहअ
जल्प ॥ सुं० ॥ विद्याधरवाणमंतरोजी ॥ ५० ॥ आव्यानयरमझारि ॥ तेगुण
चंदकूमार ॥ सूं० ॥ इंणिअवसरिउत्तरापंथेंजी ॥ ५१ ॥ पाटणसंषपुरथाय ॥
शंषायनतिहांराय ॥ सूं० ॥ कांतिमतीतसनारयाजी ॥ ५२ ॥ धुआरत
नवतीतास ॥ मुनीपणपामेंपास ॥ सूं० ॥ रुपमनोहररतीसमीजी ॥ ५३ ॥
कलालावण्यनिधान ॥ वरचिंताअसमान ॥ सूं० ॥ विधीइंघड्योकेनवीघ
ड्योजी ॥ ५४ ॥ चिंतवेंइंणीपरेंमाय ॥ षोलावुंशुसगाय ॥ सूं० ॥ प्रथवीव

ऊरयणेंसरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसबलसूजाण ॥ जोवारूपविन्नाण ॥ सू० ॥
पुरषदिशोदिशमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषवितंइंणिरीति ॥ रूपकलापरतीत ॥
सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकूमार ॥ करीचित्रांमस
कार ॥ सू० ॥ लावीमुझदेषाडीइंजी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रछे
दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौशल्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयप्र
माण ॥ गयादिशोदिशजाण ॥ सू० ॥ दिगनृपसुतबङ्कतिणेंजी ॥ ६० ॥ प
णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकांयकजेलोग ॥ सू० ॥ तेचित्र्याचित्राममांजी ॥
॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिगेगुणचंदकू
मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअत्या
सतोदेषीउंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥
कुंअरनयरमांआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाइं
सरूप ॥ सू० ॥ एकजवारवलीदेषीउंजी ॥ ६५ ॥ आठमेंखंमेंढाल ॥ बि
जीअतिहिंरशाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेश्रोतासुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ चित्रमतीबोल्योचतुर ॥ सूषणअदसूतसालि ॥ तेकहेदिठुंतोपरुं ॥
एहमांनहीकोईआल ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशमो ॥ करीसकीइंकहोकेम ॥
पम्हढंदोनवीनिपजे ॥ अमनेंखेदछेइंम ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचलूं ॥ अ
मनेंपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूंएहनोसेद ॥ ६९ ॥ रयणव
तीपरेंनित्यरही ॥ प्रतिछंदकरूपांण ॥ सूषणकहेएसावतूं ॥ जोपणिडःकरजा
णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुंरुप ॥ आलेषीनेंआपणे ॥
अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेंपीलीवादली ॥ एदेशी ॥ चित्रका
रसूतमिसथई ॥ जईमीलीइंराजकुमार ॥ सूषणकहेरुमोकसो ॥ मिलवानो
एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोत्ताप्योरे ॥ चित्तराप्योरे ॥ तूम्हबुधीतणोनवीपामीइं
वरपार ॥ एआंकणी ॥ इमकरतांमालिमथस्ये ॥ रतनवतिउपरिंकेहेवोराग ॥
नयरमांपेगाइंमकरी ॥ पटआलेषीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशेंगया
जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ ऊकमलहीमांहिमोकल्या ॥ तवआवीकरे

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणाथीबेसीहवे ॥ पटकाढ्योहरषीतवयण ॥
देषाडीकहेइंणिपरें ॥ शंषपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥ तूम्ह
गुणसांसलीआवीआ ॥ दिठाजेहवासूण्याकान ॥ पृथवीनाथतूम्हेअछे ॥ पण
अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रनोलवअमेजाणीइं ॥ तेतूमपय
सत्तिप्रसाव ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचंद्रकुमारतेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसंपूरणहोय ॥ चित्रकर्म्मएहउपरि ॥ जगमांन
वीदिशेंकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईइंनदिठेएहवो ॥ रेखाकेरोविन्यास ॥
मृगनयणीएदक्षिणकरे ॥ शतपत्रधरयुंसूविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ मयण
घरिणीमानुंचित्रमां ॥ रहेतीहरतिअमचित्त ॥ दानवमानवदेवमां ॥ एहवी
नारीहोइंकिममित्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपलावण्यरतीसमु ॥ तूमेनीपुणप
णेंकरयुंजोर ॥ कलाअधीकथीमाहराए ॥ चितडातणेछेचोर ॥ ८१ ॥ स
लो० ॥ तेहकहेनीपजावीउरे ॥ विधीइंजेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुणाईपणें ॥
कहोकेहीपरेंवषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तूमेकिहां
दिठुंएरूप ॥ त्रिलूवनविस्मयउपजे ॥ तेसाषेताससरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
तेकहेसांसलोकूमरजी ॥ संखपुरेंसंखायनराय ॥ तेहनीएछेकुंअरी ॥ रंसा
पणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामेंकरी ॥ कंदर्पमहोछवमांदि
ठ ॥ जंपानेंबेठीथकी ॥ शिरछत्रधरयुंसूविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ बहुसखी
उइंपरीवरी ॥ दक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेंपोहोताघरे ॥ किधोसंसारी
आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसूंदरपणें ॥ विश्वकर्म्माइंनलिखा
य ॥ तोमुरषजनेंवचनथी ॥ कहोकिणीरीतेंकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ मद
नवसेंगुणचंद्रजी ॥ थयापणिगोपविआकार ॥ कहेकांयप्रष्णउत्तरकहो ॥
तवबोल्यातेहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्यूंदिइंकामिनीकूणनम्या ॥ हरनें
विषधरकरेकांय ॥ चंद्रमानीजकीरणेंकरी ॥ स्यूंधवलकरेकहोराय ॥ ८९ ॥
॥ सलो० ॥ एकेंशब्देंच्यारनो ॥ उत्तरकरवोकहोनेह ॥ नहंगणासोयंकहे ॥
गुणचंदकुमरधरीनेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चित्रमतिकहेसाहिबा ॥ तूमलहण

वेगग्रतीग्रार ॥ कुमरकहेविजुंकहो ॥ कांयप्रष्णतेग्रतिहिंउदार ॥ ए१. ॥
॥ सलो० ॥ बोल्योविलासबुधीतदा ॥ स्यूंरथमांहोयप्रधान ॥ बुधीबलेंकुंणलो
कमां ॥ जितेधरतोग्रसीमांन ॥ ए२ ॥ सलो० ॥ स्यूंकरतीबालाकहो ॥ ने
उरनोशब्दकरंत ॥ हसीतवदनकुमरतदा ॥ चक्रमंतीइंमवदंत ॥ ए३ ॥ स० ॥
ग्रहोग्रतीसयतूमबुधीनो॥ ईत्यादिकप्रष्णजबाप॥सूषणप्रमुषनावालीग्रा॥स
झरीझयानीजचित्तग्राप ॥ ए४ ॥ सलो० ॥ ग्रंथविस्तारनासययकी ॥ नवी
कीधोइंहांपरपंच ॥ कुग्ररपणिपरमोदथी ॥ ग्रंग२थयोरोमांच ॥ ए५ ॥
॥ सलो० ॥ धनदेवनामसंप्तारीनें ॥ करेझकमतेलाखदिनार ॥ ग्रापोइंणिपरें
सासली ॥ करीतहत्तिनेंकरेविचार ॥ ए६ ॥ सलो० ॥ सोलाकुमरदानेसरी ॥
नविलाखविनादिइंदांन ॥ पणिनवीजाणेंकेंहवुं ॥ लाखकेरूंहोस्येमांन ॥
॥ए७ ॥ सलो० ॥ कुमरनेंग्रागेंढगकरुं ॥ तवजाणेंलाखप्रमांण ॥ फिरीयो
मास्येककाममां ॥ नवीसाषेएहवीग्राणि ॥ ए८ ॥ सलो० ॥ इंमविचारीढग
कस्यो ॥ तवपुछेएस्यूंकुमार ॥ तेकहेचित्रकरसूततणी ॥ देवराव्युंदानतेसा
र ॥ एए ॥ सलो० ॥ कुमरविचारेएहनें ॥ लासेंछेदानग्रपार ॥ तिणेंढगमुझ
देषावीनें ॥ कहेछेजेदाननीवार ॥ १०० ॥ सलो० ॥ जाणेछेइंमधनतणो ॥
हलुंइ२ होइंनास ॥ पणिएहनीजुउमुंढता ॥ एकांतिबासनीग्राशि ॥ १ ॥
सलो० ॥ त्रिजीग्राठमाखंमनी ॥ कहीपद्मविजयवरढाल ॥ वलिकुमरनांव
यणमां ॥ सुणज्योसवीरंगरसाल ॥ २ ॥ सलो० ॥ ॥ ७ ॥ ॥७॥
॥ दुहा ॥ जिवसाथेंजायेंनही ॥ ग्रगनिचोरग्रवनीस ॥ साधारणएसंपदा ॥
कहोनवीदीजेंकिस ॥ ३ ॥ ग्रंतेदिइंग्रपकारए ॥ तिणेंदेवुंतेतथ्य ॥ लाषग्रल
पएलेषीइं ॥ परसवनुंनहीपथ्य ॥ ४ ॥ ग्रासवमांपणिएहनें ॥ दानलाषएदो
य ॥ पोहचेनहीपुरुंतिणें ॥ ग्रपरग्रापवुंहोय ॥ ५ ॥ उहुंनहोइंग्रर्थमां ॥ देतां
वझपरेंदान ॥ पुण्यवधेप्राणीतणुं ॥ एहजगुणग्रसमांन ॥ ६ ॥ दानसो
गनदाटिइं ॥ करीइंग्रनेकप्रकार ॥ राषिपणिरहेस्येनही ॥ पापतणेंपरकार ॥
॥ ७ ॥ प्रतिबोधीस्यूंएपढें ॥ ग्रथवाएहउपाय ॥ समझावणनोसर्वथा ॥ ८ ॥

वुंइमठराय ॥ ८ ॥ एस्युंलाषनेएतला ॥ अल्पजदिशेग्राम ॥ दोयलाषतिणें द्रिजीइं ॥ तहत्तिसणेंतेताम ॥ ९ ॥ चित्रमतिसूषणचिंतें ॥ चितमांकरेविचार ॥ अहोउदारताएहनी ॥ अहोबुद्धिअवधारि ॥ १० ॥ डहासोरठी ॥ प्रणमीकुमरनापाय ॥ धनमोकलेधारीकरी ॥ जोरआवासेंजाय ॥ चित्रमतीसूषणचतूर ॥ ११ ॥ ढाल ॥ कपुरहोइअतीउजलोरे ॥ एदेशी ॥ कालनिवेदीवयणथीरे ॥ श्रीगुणचंदकुमार ॥ जाणिमध्याह्ननेउठीआरे ॥ जायमज्जनघरद्वारिरे ॥ १२ ॥ प्राणीपुण्यतणांफलजोय ॥ पुण्यथीसवीसूखहोयरे ॥ प्राणी० ॥ एआंकणी ॥ कनककलसगंधोदिकेंरे ॥ मज्जनप्रमुखअशेस ॥ कामकरेचित्तईछतोरे ॥ रतनवतीसुवीशेषरे ॥ १३ ॥ प्राणी० ॥ एकांतेंशाल्लारह्योरे ॥ चितवेअहोसानारि ॥ कन्याछेएकारणेंरे ॥ करवोएहस्यूंप्यार रे ॥ १४ ॥ प्राणी० ॥ तेहमांडुषणकोनहीरे ॥ इणेंअवसरेंसज्ञमीत्त ॥ विशालबुद्धिप्रमुषआवीआरे ॥ मांड्योविनोदसुंचित्तरे ॥ १५ ॥ प्रा० ॥ विद्याधरविद्याधरीरे ॥ आलेष्यांअदभूत ॥ नवनवांआसूषणरच्यांरे ॥ देषामेआकूतरे ॥ १६ ॥ प्रा० ॥ अतीनवनेहनेंसूचवेरे ॥ दृष्टिपरस्परस्नेह ॥ प्रेमआरोह्योअंगमांरे ॥ दिसेपरगटतेहरे ॥ १७ ॥ प्रा० ॥ चित्रमतीसूषणतदारे ॥ आव्यातेहजठाम ॥ दिठाकुमरनीरषतारे ॥ षेचरयुग्मअतीरामरे ॥ १८ ॥ प्रा० ॥ गुलीइंषरम्याकरवलीरे ॥ देषीप्रणमीतेह ॥ कहेएस्यूंमहाराजीआरे ॥ कुमरकहेजुउएहरे ॥ १९ ॥ प्रा० ॥ देषीचमक्याचित्तमारे ॥ सर्वकलासावधांन ॥ चित्रमांसावदेषाड्योरे ॥ मुसकलछेतेहतानरे ॥ २० ॥ प्रा० ॥ चित्रसास्त्रमांइमकहेरे ॥ जासनलहीइंचरीत्र ॥ वातकह्यावीणचित्रनोरे ॥ जाणीइंसावपवीत्ररे ॥ ॥ २१ ॥ प्रा० ॥ तेहजचित्रकरधुरकह्योरे ॥ इणसमेंथयोवीयाल ॥ कालनीवेदीबोलीउरे ॥ संध्यासमयसंसालिरे ॥ २२ ॥ प्रा० ॥ संध्याउपरिनेहथीरे ॥ अस्ताचलरवीजाय ॥ संकेतथानकनीपरेंरे ॥ सूरगीरीगुंजमांगयरे ॥ २३ ॥ ॥ प्रा० ॥ कुसूमसूगंधतेविस्तर्योरे ॥ पुजेरमणीअनंग ॥ दिपज्योतीपरगटथइरे ॥ सांसलीतेहसूरंगरे ॥ २४ ॥ प्रा० ॥ गुरुपदनमनसमयथयोरे ॥ उग्या

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणनेंरे ॥ प्रणम्याविनयप्रकाररे॥ २५॥ प्रा० ॥ मावित्रेंबहुमानीउंरे ॥ गयानीजवाससूवन्न ॥ आविनिद्राअवसररे॥ रतनवतीस्युंमन्नरे॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदिठुंसूपनमारे ॥ दिव्यकुसुमनीमाल ॥ आपीकोईकइंमकहेरे ॥ ल्योएअतीशुकमालरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥ तुममनगमतीएहठेरे ॥ सांसलीधरीनीजकंठ ॥ तूरप्रस्तातनांवाजित्रांरे ॥ जाग्योधरीउतकंठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीबोलीउंरे ॥ करतोतिमीरविनास ॥ चक्रवाकदुखटालतोरे ॥करतोरवीसूप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादिकसुणीहरषीउंरे ॥ रतनवतीनोलाह ॥अन्यथासुपननपरीणमेंरे ॥ मंगलशब्दशनाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईइहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रस्ताव ॥ गुरुपदवंदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेतावरे ॥ ३१॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमीकरीरे ॥ बेगजबनिजगाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोष्टिचतूर्थगुढथायरे ॥ ३२ ॥ प्रा० ॥ विशालबुद्धिबोल्यो ॥ यतः ॥ सुरयरमणस्सरईहरे ॥ णियंबंसमिरंवधुधूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरीसाषोइरे ॥ फिरीसाष्युंतिणेंजाम ॥ ततषीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणनीवारेआमरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदंयथा ॥ रमणरसकरंनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ विशालबुद्धिकहेरूयमुंरे ॥ पुरयूंपदतुमेंस्वामी ॥ चित्रमतीकहेमाहरुंरे ॥ पुरोपदइणठामिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यतः ॥ साविग्ररईसाररसा ॥ समाणितूंमुक्कबहलसिक्कारा ॥ नतरइविवरीयरयं ॥ कुमरबोल्यायथा ॥ णियंबसारालसासामा ॥ २ ॥ सूषणबोल्यो ॥ विउलमीमउलियठी ॥ घणविरसंसरससाभिणीसूंचिरं ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरबोल्या ॥ विसमईउरम्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ इंमकरतांतिहांआवीउंरे ॥ कहेइणिपरेंप्रतिहार ॥ सूपबोलावेतूम्हसणीरे ॥ रहेवामीपरीवाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुंक्रमें कुमरगयातिहांरे ॥ अश्वखेलाव्याजोर ॥ आव्यानीजआवासमांरे ॥ शेषकत्यकरेगोररे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ इंमविनोदकरतांथकांरे ॥ केईदिवसवहीजाय॥ एकदिनरतनवतितणेरे ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७॥ प्रा० ॥ चोथीआठ

मारखंममारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समरादित्यनारासमारे ॥ सूणतांमंग
लमालरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ रतनवतीनारूपमां ॥ परवसथयोअपार ॥ उत्सूकजेवाअलजयो ॥
नयनेंतेनीरधार ॥ ३९ ॥ हेठिलिखीगाहावली ॥ इणअवसरितिहां
आय ॥ सूषणचित्रमतीसला ॥ चित्रजुइंचितलाय ॥ ४० ॥ विस्मयलहीवां
चीतदा॥गाहागुणसंभार॥धन्यकूअरीनृपनीधुआ॥करेजसचाहकुमार ॥४१ ॥
अचरीजअथवानहीइहां ॥ जेवडमानवाजोग ॥ देवीनेंजईदाषीइं ॥ गुणमी
लीउसंजोग ॥ ४२ ॥ बुद्धिवंततवबोलीउ ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ पमठंदोए
अपूर्वछे ॥ अहोमुफअचरीजथाय ॥ ४३ ॥ दिठविणएदाषवी ॥ सूषणबो
ल्योसाय ॥ एतादृशछेएहमां ॥ कूमनविलिखीउंकांय ॥ ४४ ॥ ढाल ॥ मनमो
हनमनमोहनपावनदेहमीजी ॥ एदेशी ॥ इणेंअवसर २ प्रतिहारआवीउजी ॥
नृपसाथ्युं २ तेसूणीइंकुमारहो ॥ विश्वसूती २ गंधरवआवीउजी ॥ तूमदरि
सण २ नोधरेप्यारहो ॥ ४५ ॥ स्वामीअरज २ सूणोएकअमतणीजी ॥ ए
आंकणी ॥ कहेकुंअर २ तेमोकलोवेगस्यूंजी ॥ तिणेंमुंक्यो २ आव्योताम
हो ॥ करीमुजरो २ नेंपासेंउपविसेजी ॥ कहेसूणिइं २ वाततेआमहो ॥४६ ॥
स्वा० ॥ नृपसाषे २ इणिपरेंतूम्हसणीजी ॥ गंधर्व २ विचारसंदेहहो ॥ पमी
उ २ तेगुणचंफ्टालस्येजी ॥ सूणिहसीआ २ कूमारतेरेहहो ॥ ४७ ॥ स्वा० ॥
सूतनोजुउ २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतवइमहो ॥ गुणआदर २
जाणोपणिनहीजी॥सूतमात्रे२नृपनोंप्रेमहो ॥ ४८॥ स्वा०॥ चित्रमतिनें २ सू
षणदोयकहेजी ॥ षरीवात २ कहीछेएणहो ॥ कहेकुमर २ चालोआणाकहूं
जी ॥ उठिचाल्या २ विनइजेणहो ॥ ४९ ॥ स्वा० ॥ बिड्ंहरष्या २ निज
तवनेंगयाजी ॥ नवीकेहेवुं २ कुमारनेंकांयहो ॥ विज्ञान २ कुमरनुंआले
षीनेंजी ॥ कहेसूषण २ चालोगयहो ॥ ५० ॥ स्वा० ॥ चित्रमतिकहे २
कहीनेंजायतांजी ॥ स्युंथाइ २ तवकहेतेहहो ॥ नवीजावा २ दिइंतूमनेंकि
मेंजी ॥ चित्रमईकहे २ साचुंएहहो ॥ ५१ ॥ स्वा० ॥ आलेष्युं २ रूपकु

मारनुंजी ॥ कुमरेजे २ लिखितेहाथिहे॥ अयोध्या२मांहिथीनीकल्याजी ॥
देईविळइं २ पट्टिकासाथिहो ॥ ५२ ॥ स्वा० ॥ शंषपुरीइं २ पोहताअनुं
क्रमेंजी ॥ कल्लोधुरथी २ कूमरवृत्तांतहो ॥ सूणीराणी२विकरूपदेषीनेंजी ॥
चित्तहरषी२तेहएकांतिहो ॥ ५३ ॥ स्वा० ॥ दानदिधुं२ताससंतोषनुंजी ॥
रुपजोई२करयविचारहो ॥ अहोरूप२अवस्थानकेहवुंजी ॥ अहोअतीश
य२देहआकारहो ॥ ५४ ॥ स्वा० ॥ रत्नवतीना२रुपहेठलिखिवीजी ॥ जे
हगाहा२वांचीतेहहो ॥ मनचिंते२माहरीधुआजी ॥ ईमईछे २ चित्तस्यूंएहहो
॥ ५५ ॥ स्वा० ॥ मोकलीतं२रुपकुमारनुंजी ॥ कूमरी२नेंपासेंतामहो ॥ स
खीमयण२मंजुषातिहांगईजी ॥ चित्रपट्टिका२दाषीजामहो॥ ५६ ॥स्वा०॥
कहेकुमरी२एस्युंछेकहोजी ॥ मोकल्युं २तूममाइएहहो ॥ कहेवराव्युं२छेए
सीषज्योजी ॥ कहेकूमरी२कोहनोएलेहहो ॥ ५७ ॥स्वा० ॥ तेबोली२कांय
जाणूंनहीजी ॥ एइंद्र२होस्येईमजाणिहो ॥ सहसनेत्र२कहेसातेहनेंजी ॥
तेबोली२होस्येंनाराणीहो ॥ ५८ ॥ स्वा० ॥ कृष्णवरणें२तेछेतवकहेजी ॥ स
खिबोली२त्यारेंहोस्येंचंदहो ॥ सातापे२कलंकछेतेहनेंजी ॥ सषितापे२कंद
र्पअमंदहो ॥ ५९ ॥ स्वा० ॥ बोलीरयण२वनितेतेहबालीउंजी ॥ महादेवइं२
कहोकीमहोयहो ॥ सषीतापे२कहोतूमेआपथीजी ॥ अपुरव२दरसणकोय
हो ॥ ६० ॥ स्वा० ॥ कहेरयण२वतीएनरअछेजी ॥ चढतीवय२रूपसंभा
रहो ॥ निकलंकी२सोवनकांतीछेजी ॥ नेहालां२नयणअपारहो ॥ ६१ ॥
॥ स्वा० ॥ बोलीमयण२मंजुषासलूंकल्यूंजी ॥ एहमांनही२कांयसंदेहहो ॥
ऊतोजाणूं२एतूम्हवरऊस्येंजी ॥ कोईएहवे२कहेनिःसंदेहहो ॥ ६२॥स्वा०॥
हरषीते२सांसलीशकुननेंजी ॥ आलेख्यो२भतिछंदतेहहो ॥ कहेसखीनें२
मातनेंदाषवोजी ॥ सीषीके२नहीकहोएहहो ॥ ६३ ॥ स्वा० ॥ जईदाष्यूं२
तवघणूंहरषतीजी ॥ निजधुआ२धन्यविन्नाणहो ॥ आलेषी२कूमरेंजे
कूमरीजी ॥ लावीमुंकी २ तिणेंतसगणहो ॥ ६४ ॥ स्वा० ॥ अनुंरूप २ युग
लदेषीकरीजी ॥ मनहरषी २ राणीकहेईमहो ॥ कहोरतन २ वतीनेंएछीकहे

जी ॥ नीत्यकरज्यो २ एहस्युंप्रेमहो ॥ ६५ ॥ स्वा० ॥ तुझनेंपणि २ इंणि परेंकुंअरेंजी॥ आराधी २ ठेअनुरुपहो ॥ चित्रपट्टी २ काबिऊइंमोकलीजी ॥ तिणेंपणीजइ २ कह्युंतेसरुपहो ॥ ६६ ॥ स्वा० ॥ सखीबोली २ म्हेंजेतूमक ह्युंजी ॥ राजकुमर २ तूमारेजोग्यहो ॥ कलाआगर २ गुणनीधीदेषीइंजी॥ एहजोगें २ कोनवीशोगहो ॥ ६७॥ स्वा० ॥ पछठंदो २ देषीतूमतणोजी ॥ जुउकेही २ रितेंकस्युंरुपहो॥ जाणंनीश्चय २ मिलस्येंएहस्युंजी ॥ पाणीग्रहण २ जोगअनुंपहों ॥ ६८॥ स्वा०॥ पांचमीकही २ ढालएआठमेंजी॥ खंमेंरुमी २ समरादित्यरासहो ॥ गुरुउत्तम २ विजयकृपाथकीजो ॥ पद्मविजयें २ हर्षउल्लासहो ॥ ६९ ॥ स्वा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ डुहा ॥ कुमरीचिंतेंकिहांथकी ॥ मीलवुंएहस्युंमुझ॥ मंदभाग्यजेमांनवी ॥ सुरमणीनवीहोइंसुझ ॥ ७० ॥ अंबकफूरक्युंइंणिसमें ॥ वामाकेंहूंवाम ॥ तूष्टमांनथइंतेतदा ॥ कहेमुझसरीउंकाम ॥ ७१ ॥ मातऊकमथी माननी ॥ करेआवश्यककर्म्म ॥ भोजनकरीचित्तभावतूं ॥ हरषेंरहेतीहर्म्म ॥ ७२ ॥ पछीठंदोलेईपाणिमां ॥ वदेअहोअंगवीन्यास ॥ नयननेहअहोनिरषीइं ॥ अहो २ सर्वअभ्यास ॥ ७३ ॥ इंमकेइवासरअतीक्रम्या ॥ गुणचंदपणिइंमग्यान ॥ करतांदिवसकेतागया ॥ धरतपरस्परध्यान ॥ ७४ ॥ ढाल॥ सूरपतीसेवीतत्रीभूवनधणी ॥ एदेशी ॥ जाणेंमैत्रीवलनरवरु ॥ परस्परेंवात मनोहरु ॥ मनचिंतवेतवभूपाल ॥ एयोग्यवातसूरशाल ॥ ७५ ॥ त्रुटक० ॥ योग्यवातरसालजाणी ॥ कुसलनरत्नपमुंकीआ ॥ रत्नवतीपणिकूमरकेंहूं ॥ ध्यांनकबऊंनचुकीआ ॥ ७६ ॥ राजकन्याउचीतकरणी ॥ सर्वठांमीतेणिइं॥ रातिदीनउदवेगकरती ॥ शून्यताकरीजेंणीइं ॥ ७७॥ षायबगासांअंगमरमे ॥ आवीतीहांमदनमंजुआ ॥ चिरंजीवतूंस्वामीनीहे ॥ सफलमनोरथ संजुआ ॥ ७८ ॥ जिमकह्युंम्हेतिमनीपनुंछे ॥ वरतूम्हारोएथस्ये ॥ कटिसूत्र आपीसांभलीनें ॥ कहेवातएकीमहस्ये ॥ ७९ ॥ कहेमयणमंजुआतूमकनें थी ॥ गईदेवीपासए ॥ तवचित्रमतीभूषणबिऊनें ॥ दिठातासस्सकासए ॥८०॥

मुफ्फकहेराणीजाउकुमरी ॥ पाससाषोइणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥
कुमरगुणचंदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीतूनेंठेप्रार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेतामए ॥
किमत्र्प्रसंबन्धएहसाषे ॥ सषीकहेसूणोत्र्प्रामए ॥ ८२ ॥ राणीकहेत्र्प्रा
राधीउतीएं ॥ प्रजापतीनूठेघणुं ॥ तिणेंजोगमिल्योएसूणीनें ॥ दिइंत्र्प्रा
सरणत्र्प्रापणुं ॥ ८३ ॥ परमोदसरथीचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह
सब्दसूणीसंतापह ॥ त्र्प्रापदासघलीगई ॥ ८४ ॥ देवगुरुनेंवंदोत्र्प्रावली ॥ दा
नदिइंमहारायए ॥ इमनित्यकरणोकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायए ॥ ८५ ॥
त्र्प्रजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती ॥ एकमासेंतेहपोहतो ॥ जा
णेंत्र्प्रयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ काराबंधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पा
त्रनाचेदानदेवे ॥ जनमेंनवीषुटेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रतंमारमांथी ॥ काढे
त्र्प्रासूषणघणां ॥ घोटकशालातिमसणगारे ॥ रथध्वजामंमीततणा ॥ ८८ ॥
लगनशुसजोवराव्युंसलेह॥देवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमंगलवाजीत्रसूणतो ॥ बं
दिजनविरुदावली ॥ ८९ ॥ इमरवंमत्र्प्राठमेढालठठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥
पद्मविजयेंकहीरुमी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥ ९० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढयोकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतस
दिदार ॥ त्र्प्रादित्यत्र्प्रसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोमे ॥
सासनपतिवंदनजइइं ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरवेठोसोहे ॥ लोकतणां
चित्तमांत्र्प्रतीमोहे ॥ चंदसूरकामरामकेंकोहेंके ॥ ९२ ॥ केसरीइंवागेवि
राजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपस्यूंगजेके ॥ के० ॥ एत्र्प्रांकणी ॥ मीत्रविशालबु
द्धिमुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमंगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥
॥ के० ॥ नयररामात्र्प्रालीनंदनाकरती ॥ चोकि २ जोवेसंचरती ॥ गु
णचंदनागुणगावेफीरतितो ॥ ९४ ॥ के० ॥ त्र्प्राव्यतोरणमंमपमांहि ॥
उतरीत्र्प्राकरीवरथीउछाहि ॥ सासूकरेपुषणांविधीत्यांहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥
दिठिचित्रतणेंत्र्प्रणुंहार ॥ रतनवतीनुंरुपत्र्प्रपार ॥ त्र्प्रधरबीबीफलसममनो
हारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्यूंकुचराजे ॥ विस्तीरणनितंबजछा

जे ॥ मुषदेषीत्र्रसधरपणिलाजेतो ॥ ए७ ॥ के० ॥ करपदतलत्र्रोणीतसम
राता ॥ सर्वत्र्रंगगुणजगविख्याता॥ लूंछणमांकरेलोकविधानातो॥ए८ ॥के० ॥
सर्वत्र्रंगेंघणंदेषणजोग ॥ चित्तवालीजुइंमुनीवरलोग ॥ देषतांजाइंसघला
त्र्रोगके ॥ एए ॥ के० ॥ देषीहरष्योचित्तमऊारि ॥ पाणिग्रहणकरेंशुत्तवा
र ॥ मंगलसमीत्र्रांहर्षत्र्रपारके ॥ २०० ॥ के० ॥ दिनकरत्र्राथमीउंससीउ
गो ॥ लेईवधुवाससूवनेंपुगो ॥ साथेंवधुसखीपरीवृतरूगोके ॥ १ ॥ के० ॥
कालथोमोरहीसहीसऊजाइं ॥ त्र्रंगत्र्रंगिमलिऊीमाकराइं ॥ सूषसंत्र्रारतणां
विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुखनिद्राकरतांगईराति ॥ मंगलतूरवाजेपरभा
ति ॥ कमलिनीतामवीकश्वरथातके ॥ ३ ॥ के० ॥ प्रातत्र्रावश्यककिधांकां
म ॥ चाल्याउद्यानजोवात्र्रभीराम ॥ क्रिमाकरीत्र्राव्यानिजठामके ॥ ४ ॥
के० ॥ देवपुजालोजनवीधीसारी ॥ साथेंरतनवतीनीजनारी ॥ लोगवेसूखव
रडखनीवारीके॥५॥के० ॥इंमकरतांकेइदिनवहीजाय॥एकदिनहवेबलमैत्रीरा
य॥विग्रहरायनीजसेवकप्रायके॥६॥के० ॥त्र्राणिनमानेंतेनीजस्वामी॥सेनुमो
कलेतामउद्दाम ॥ जित्योविग्रहकरीसंग्रामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योब
लमैत्रीसूप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुंप ॥ जाण्यूंकूमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
के० ॥ सीहउपरीनवीछाजेसीत्र्राल॥तेहसीत्र्रालसमोसूपाल॥ कहेनृपनेंइमव
यणरसालके ॥ ए ॥ के० ॥ तिणेंतूमेतातजीयोमुऊत्र्राणि ॥ जिमतुमकोप
त्र्रगनीनेंगांण ॥ थायपतंगतेरायत्र्रजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायदिइंतवल
सकरसाथि॥कूमरकहेसांलोनरनाथ॥खोसाणोविग्रहसऊसाथके॥११ के० ॥
जबलगेंजीतूंनएहनरिंद ॥ तवलगेंतातपरासववंद ॥ किमकरूंविषयसंगसू
खकंदके॥१२॥के०॥ इंमचिंतीमुंकीतोहांनारी॥ लेईलसकरकिधीत्र्रसवारी ॥
एकमासेंपोहोतोत्र्रवधारिके ॥ १३॥ के० ॥ त्र्राव्योकूमरविग्रहइंमजाणी॥
गढरूहोकरोबेठोताणी ॥ कूमरेंविटयोजिमद्वीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
विणसंसलावेतामकूमार ॥ विग्रहउपरिरोसत्र्रपार ॥ एहचाकरनोस्योछेसा
रके ॥ १५ ॥ के० ॥ बलीउनाथत्र्रछेनीजपास ॥ तिणेंसऊसेनाधरीत्र्रउल्ला

स ॥ मांम्योजुद्धअसम्नसरासके ॥ १६ ॥ के० ॥ डुर्बलेतेनवीजीताइं ॥ तो
हिमानथीअधीकसराइं ॥ महासंग्रामकरेचित्तलायके ॥ १७ ॥ के० ॥ जा
णीकूमरहवेकहेवरावे ॥ मतकरोजुद्धतूमेंइणदावें ॥ एहनोयत्नविनाजयथावे
के ॥ १८ ॥ के० ॥ जाणीअशाध्यपेगेकोटमांहि ॥ विंटयोछेचोकफेरएप्रां
हि ॥ नाससेएककहोकेणेंराहेंके ॥ १९ ॥ के० ॥ वाहलाप्राणथकीतूमोराय ॥
तेहविनासससहजमांथाय ॥ एपणितूपनेंसेवकगायके ॥ २० ॥ के० ॥ नीती
मांपहेलीसामवषांणो ॥ जुधकरणनोनहीएहटाणो ॥ स्वामीसेवकसंबंधपी
छणेके ॥ २१ ॥ के० ॥ अविनयनाशनोकीधोउपाय ॥ तिणेंपराक्रमएह
स्यूंनवीथाय ॥ माहरासमतूम्हनेंदर्ईस्तायके ॥ २२ ॥ के० ॥ हवेमतकरज्यो
एहवुंकांम॥तेहकहेजिमतूम्हेकहोस्वामि ॥तिमहीजकरस्यूंप्रसूसिरनामीके ॥
॥ २३ ॥ के० ॥ आठमेंखंफेएसातमीढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्यविशाल ॥
सांभलतांहोयमंगलमालके ॥ २४ ॥ के० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ विशालबुद्धिनामेंवली ॥ इणिपरेंकरेउपाय ॥ राजपुत्रनेरीझिस्यूं ॥
वेहेंचीदीइंवताय ॥ २५ ॥ चोकिमुंकीचिहुंदिशें ॥ रूंधेंआहारनेंनीर ॥ केई
कदिनइंमकाढिआ ॥ धरतोसाहसधीर ॥ २६ ॥ इणअवशरतिहांआवीउ ॥
वाणमंतरवनमांहि ॥ रहवाभीरमतोकुंमर ॥ देषीउपनोदाह ॥ २७ ॥ अहो
गुरुताएहनी ॥ विर्यवंतविशेस ॥ मुझशरिषोपणिमारवा ॥ अवशरनलहे
अशेस ॥ २८ ॥ पणिडखदेवापाधरो ॥ एअवसरछेआज ॥ इमविचारीआ
वीउ ॥ विप्रहपासेंव्याज ॥ २९ ॥ प्राशादतलेंबेठोप्रगट ॥ विग्रहकरेवषांण॥
किमआव्यापुछेकहो ॥ वलतीबोलेवाणि ॥ ३० ॥ मलयजावाप्रमेंमांझीउ ॥
दिठोविचमांदाव ॥ गुणचंदवयरीमुझगणो ॥ तुझपणतेहजमाव ॥ ३१ ॥ उ
दयखमायनएहनो ॥ साहाज्यकरूंतूझसाच ॥ नयणेंआजएनिरषीउ ॥ मन
मांतुंहवइंमाच ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ तुम्हेंतोसलेंविराजोजीसंखेसरकेवासीशाहिब
सलेंविराजोजी ॥ एदेशी॥ तुमेंतोसलेंपधार्याजी॥देवांसीकोईदीशो॥ तुमेंतोस
लेंपधार्याजी ॥ एआंकणी॥ एहवुंजाणेसाहाज्यजकीजें ॥ तोकरीइंइंमका

म ॥ विग्रहकहेमुझतीहांजईमुको ॥ गुणचंदनुंजीहांगांम ॥ ३३ ॥ तू० ॥ र
यणीमाहिंकरवुंएहवुं ॥ वाणमंतरकहेतांम ॥ एतोआयतमाहरेदीसे ॥ जास्ये
जवदोजाम ॥ ३४ ॥ तू० ॥ च्यारजणास्यूंसजथईनें ॥ विग्रहरहीउजाम ॥
विद्यापरतावेंपणजणनें ॥ लेईचाल्योधरीमाम ॥ ३५ ॥ तूमे० ॥ गुणचंदअ
ज्यापासेंमुंक्या ॥ दिगेतामकुमार ॥ गुणचंदनेंबोलावेएहवे ॥ विग्रहधरीअ
हंकार ॥ ३६ ॥ तू० ॥ मुझसाथेंतूंवयरकरीनें ॥ किमसूतोसूखमांहि ॥ करी
करवालकरेंउगीनें ॥ सुणीजाग्योउछांहि ॥ ३७ ॥ तू० ॥ उठिनेंकुंअरतवबो
ल्यो ॥ सलो २ व्यवसाय ॥ खडगलीईकरमांइणेंअवसर ॥ अंगरक्षकतिणे
गय ॥ ३८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वारेतामकुमार ॥ मत
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमइणवार ॥ ३९ ॥ तू० ॥ रहेज्योसाषीतुमेई
णसमइ ॥ झुंकरस्युंसंग्राम ॥ इणिअवसरवाणमंतरषडगें ॥ दिइंपरहारउद्दाम
॥ ४० ॥ तू० ॥ मारि २ करतोतिमविग्रह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नांख्यांआ
बझ्नोझ्नतिणेंपणिवंचावेकुमार॥ ४१ ॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेकलाकुशलबली॥
उतकटबलपरीणाम ॥ सिंहकिसोरपरेंकरीवरनें॥ किधासङविणधाम ॥४२॥
॥तू०॥ उपगारीविग्रहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहार॥ झालीकेशनेंनांष्योहेठे॥
ह्जतेजय२कार ॥४३॥ तूमे०॥ विग्रहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरीवा
र ॥ कोलाहलउपनोतवनाठो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ ४४ ॥ तूमे० ॥ वाणमं
तरचिंतेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ इं
णिपरेंपणिनमराय ॥ ४५ ॥ तूमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ संतलावुं
परीवार ॥ गुणचंदतोपरलोकेंपोहोतो ॥ इमपणिथस्येंअपकार ॥ ४६ ॥ तू०॥
इमविचारीचाल्योतीहांथी ॥ इणसमेकहेकूमार ॥ उठि२ महापुरिसकरेले॥
हरषधरीहथीआर ॥ ४७ ॥ तूमे० ॥ इमकहिनेंमुंक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
व्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीइणिपरेंवाणी॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ ४८॥ तू०॥
तूमसाथेंहवेमुझनेंनघटे ॥ हाथेंलेवाहथीआर ॥ पूर्वेंस्वामीहवणांजीत्यो ॥
बझूतूमचोउपगार॥ ४९ ॥ तूमे० ॥ तुमवसर्बुपणितूमेनवीमार्स्यो ॥ मास्यो

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतूमसरिषानरनें ॥ इमजघटेएतत्व ॥ ५० ॥ तूमे० ॥
विग्रहकहेस्यूंमुझवषाणो ॥ झंपापीसीरदार ॥ झाकूंसाषेस्यूंकहोहोवे ॥ सां
सलोइकइणिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ झकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजि
णीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणंर स्यूंकहुंतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥
कुमरकहेकापुरुषवोरुझा ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताशत्रुनेंनवीमारयो ॥
वलिअजगाम्योआम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असंबधबोलोनहीमुखथी ॥ मुझनें
दिधाप्राण ॥ तिणेंसूखथिपणिमेतूममूंक्या ॥ तवबोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू०॥
करीपशायनेंसेवककिजें ॥ बोल्योतामकुमार ॥ तातनणासेवकतूमेतिणें ॥
ज्येष्टभ्रातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोतूममनमानें ॥ चालोतातस
कास ॥ विग्रहकहेचालोतिहांजइइं ॥ सिकनहीतूमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ व
धांमणांतिहांविग्रहेंकिधां ॥ चाल्योकुंअरसाथि ॥ विजयधर्म्मआचारयइं
णिसमें ॥ पाउधारयामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकंचनसमव
ड ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल
॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचंदनेंप्रतिबोधनोअवसर ॥ जाणीलाभअपार ॥
राज्यतजीमिथीलानयरीनुं ॥ लिधोसंजमसार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥
गुणसंभवउद्यानेंउतरया ॥ लब्धिवंतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवात
सुणीनें ॥ हरष्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसंघातें ॥
वंद्यागुरुनापाय ॥ सायरसमगंभीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥
जिनवाणिपरेंजेनीकलंकि ॥ देषीशुभपरीणाम ॥ उपनोसर्वसंगत्यागीना ॥
वंदूंपदअभीराम ॥ ६२ ॥ तूमे० ॥ साधुनुंदरीसणतेपावन ॥ चिंतीप्रणम्यापा
य ॥ विग्रहसहितसहुसाधुपणि ॥ धर्मलाभदेवराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ आठ
मेखंडेंआठमीढालें ॥ गुरुवेशारेपास ॥ पद्मविजयपभणेंइणअवसरि ॥ वात
सुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥७॥ ॥७॥ ॥७॥ ॥७॥
॥दूहा॥ इणअवसरएकआवीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वंदनाकरीनेंवीनवे॥ सां
भलोप्रभूस्वरुप ॥ ६५॥ कनकपुरेंदृढप्रभकरो॥राज्यतिहांगुरुराय ॥ तेहनेंआग

लितिणेंपुरें ॥ हिमणांवातकहाय ॥ ६६ ॥ मार्गपाम्याथीमांमीनें ॥ आसवल
गेंअधीकार ॥ वारुतूमेंवखाणीउ ॥ तिहांङगयोतिवार ॥ ६७ ॥ जनमुखथी
म्हेंजाणीउ ॥ संषेपेंसंबंध ॥ अचरीजसांसलवाअछे ॥ पसणोसरूपरबंध
॥ ६८ ॥ अंतरायअन्यलोकनें ॥ नहोइंजोनीरधार ॥ अनुग्रहकिजेंअमस
णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६९ ॥ अमनेंपणिअनुग्रहहोस्ये ॥ एहकहेंअव
दात ॥ एइछाअमनेंअछे ॥ वलिजिमतूममनवात ॥ ७० ॥ गुरुजीकहेंगुणचं
दनें ॥ सांसलयईसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कहुंतेसुणिदेईकान ॥
॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिबजीश्रीविमलाचलसेटिइंहोजी ॥ एदेशी ॥ कुअरजी ॥
एहसरतमांजाणिइंहोजी ॥ मिथीलानयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥
विजयधर्मतिहांराजीउहोजी ॥ राज्यकरूंअवदात ॥ कु०॥७२॥ कुअरजी॥
वातसोहामणीसांसलोहोजी ॥ एआंकणी ॥ कु०॥ अग्रमहीषीमाहरेंहोजी ॥
चंद्रधर्मावाहलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेंहोजी ॥ ३
छीरयणमनधारि ॥ कु०॥ ७३ ॥ कु० ॥ कुं० ॥ मंत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥
मंत्रसीद्धनांकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइंमुफसाषीउहोजी ॥ सां
सलीमुरछाङपांमी॥ कु०॥७४॥ कु०॥कुं०॥शीतलचंदनसीचीआंहोजी॥ कि
धांविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीडखीउघणहोजी ॥ देषीपिणन
शकूंकांय ॥ कु० ॥ ७५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥
आव्योचोथेदिन्न ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानवीहोजी ॥ तिव्रतपेपरी
खिन्न ॥ कु० ॥ ७६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सूतिलगावीअंगमेंहोजी ॥ मंत्रशीद्ध
कहेंआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतूमेंआकुलाहोजी ॥ नारीहरीमेंराय ॥
कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मंत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥ तेहनोएहवोजीत
॥ कु० ॥ कु० ॥ विणसाषेलेईजायवीहोजी ॥ पणिशीलेंसूपवीत्त ॥ कु० ॥
॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीमापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसंताप ॥
राजनजी ॥ रा० ॥ मासछएमिलस्येसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशाययोआप ॥
॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्छालहीपुरवपरेंहोजी ॥ चिंतवलेकङइंम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूंहोजी ॥ घोप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकस्याहोजी ॥ तेतेकरुंआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतजयूंकांयनवीगमेंहोजी ॥ निशीदीनकरुंविलाप ॥ कु० ॥ ८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ क्षण २ मांमुरझलइंहोजी ॥ दुखकलइंनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पंचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पंचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुंहोजी ॥ माहरूंदुखअशराल ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अंगोअंगआणंदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इंमुजचित्तमांचितवुंहोजी ॥ कहोस्यूंकारणहेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीआवीतदाहोजी ॥ आव्यातिर्थंकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरष्योघणुंहोजी ॥ सांभलीतेहनीवांणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रभूसनमूषगयोहोजी ॥ संतोषीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु०॥ कु०॥ वंदनाकरीनृपवंदस्यूंहोजी ॥ दिधीसङनेंआणि॥ कु०॥ कु०॥
हयगयरहसङसजकरोहोजी ॥ जिनवरवंदनटाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रभूषणपहेरोसङहोजी ॥ सोभाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी॥ साधुंकांयकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नंदनवननेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतूसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पंचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ बिजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीषीसूरविरचे
तिहांहोजी ॥ हवेत्रीजोगढशार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोभव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यंतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअभीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भ्रमररवंचा
णालोभस्युंहोजी॥ कुसूमभरेनमीडाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिंहासणमांझी
आंहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

उजलांहोजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननाथबेसाहिबोहो
जी ॥ विकसीतकुंदज्यूंसालि ॥ कु० ॥ ए२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनकदंमसो
हामणोहोजी ॥ पवनेंनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीहचक्रध्वजमोटिको
होजी ॥ गगनलिहनकरेतेह ॥ कुं० ॥ ए४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरगननेंचा
लताहोजी ॥ उज्वलजिणीपरेंहंस ॥ कु ॥ कु० ॥ देवडंडसीघनगाजतीहोजी ॥
सज्जनकरेपरसंश ॥ कु० ॥ ए५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमंमलपरेंदिपतूंहो
जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ सामंमलतेजेंतपेहोजी ॥ व्यंतर
कृतसवीषास ॥ कु० ॥ ए६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननायकनुंरचेहोजी ॥
समवसरणइंमझार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगलांठवेहोजी ॥ तेप
णिनवसूविचार ॥ कु० ॥ ए७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुंठेंरहेहोजी ॥
दोयउपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेंहोजी ॥ तिरथनमेंजी
नराय ॥ कु० ॥ ए८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेगप्रदक्षिणादेईनेंहोजी ॥ पुरवस
नमुखनाथ ॥ कुं० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेंहोजी ॥ जोगमुंद्राइंधरीहा
थ ॥ कु० ॥ एए ॥ कु० ॥ यतः ॥ संघाचारसाष्यें ॥ सिंहासणेनी
सन्नो ॥ पाएठविउणपायपिढंमी ॥ करधरीयजोगमुद्दो ॥ जिणनाहोदेशणं
कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिह्रंदिशेंजिनशारीषाहोजी ॥ प्रतिबिंब
धरेविष्यात ॥ कु० ॥ कु० ॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंघणीवा
त ॥ कुं० ॥ ३०० ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ जिनवरस
मदेषाय ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ चामरढालेबिहुंदिशेंहोजी ॥ निरमलतिहांसूरराय ॥
कु० ॥ १ ॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूंणेंप्रसूजीयकीहोजी ॥ सिंहासनरचेताम
॥ कु० ॥ कु० ॥ बेसेंजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेराधाम ॥ कु० ॥ २ ॥
कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरवबारणेंहोजी ॥ मुनीवैमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
साधवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बसेअगनीकुणेंठारी ॥ कु० ॥ ३ ॥ कु० ॥ कु० ॥
सवणपतीवणजोतिषीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसेदक्षिण
बारणेंहोजी ॥ बेसेनैरतिकुणेतेह ॥ कु० ॥ ४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सवणपती

वणजोतीषीहोजी ॥ पेसेपछीमद्वार ॥ कु० ॥ कु० ॥ वावकुणेतेउपविसें होजी ॥ जिननेंकरीनमस्कार ॥ कु० ॥ ५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ वैमानो कसूरतिमवलीहोजी ॥ नरनेंनरनीनारि ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसीउत्तरबारणें होजी ॥ बेसेईशानकुणेंठारि ॥ कु० ॥ ६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सापनकुलमृगमृ गपतिहोजी ॥ कुकमनेमार्जार ॥ कु० ॥ कु० ॥ जातिवैरविशारीनेहोजी ॥ बेसेबिजेप्राकार ॥ कु० ॥ ७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ यानविमाननरदेवनांहोजी ॥ रहेत्रीजागढमांहि ॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीदायककहेहोजी ॥ सांसलोवलीउग हि ॥ कु० ॥ ८ ॥ कु० ॥ राजनजी ॥ दीठीराणीतीहांकिणेंहोजी ॥ सांस लीउल्लोउल्लास ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ आठमेखंमेनवमीकहीहोजी ॥ ढालप दमेंएरास ॥ कुं० ॥ ए ॥ कुं० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ सामग्रीसङ्गसजकरी ॥ गजवरबेठीगेलि ॥ वाजीत्रबहूपरेंवाजते ॥ करतांपरें२केलि ॥ १० ॥ नयरबाहिरजवनीकल्यो ॥ परीवृतबहुपरीवार ॥ समवसरणसोहामणुं ॥ दिठुंदरिसउदार ॥ ११ ॥ उत्तरद्वारेंआविउ ॥ पुल कीतथईपवीठ ॥ जगविख्यातजीनेसरु ॥ दरिसणनयणेंदिठ ॥ १२ ॥ प्रण मीजीनवरपाउले ॥ स्तवनाकरेरशाल ॥ सावधानथईसांसले ॥ स्वरपदवर्णवि शाल ॥ १३ ॥ ढाल ॥ लावो २ नेंराजिमुंघांमुलांमोती ॥ एदेशी ॥ सवीतूमें वंदोरेअरीहादेवजिणंदा ॥ गुणगणकंदोरेनमतांजाईसवफंदा ॥ एआंकणी ॥ जयपरमेश्वरजगदानंदन ॥ जयजगवल्लभनाथ ॥ जयत्रीभुवनएकमंगलरू पी ॥ जयतूंशीवपुरसाथ ॥ १४ ॥ सवी० ॥ जयजोगीसरसेवीतपदकज ॥ ज यइंद्रियगजसिंह ॥ जयदुर्जयनिर्जितकंदर्प्पंह ॥ जयतूंअकलअबीह ॥ १५ ॥ स ० ॥ जयसवीकमलवीकाशनदिनकर ॥ जयसूरनरनतपाय ॥ जयमनवं छीतपुरणसूरगवी ॥ जयतूंअमलअमाय ॥ १६ ॥ स० ॥ जयपारंगतजयनी कलंकी ॥ जयस्याद्वादसरुप ॥ जयगुणरहीतगुणाकरस्वामी ॥ जयअसरो रुअरुप ॥ १७ ॥ स० ॥ जयपरीसहफोजेंऐरावण ॥ जयअजरामरदेव ॥ जं यलवसयलंजनअविनाशी ॥ जयसूरतरूसमसेव ॥ १८ ॥ स० ॥ जय

गतरागद्वेषगतवेदा ॥ जयगतरोगनेंशोग ॥ जयगतमानमत्सररतीअरती ॥ जयगतजोगविजोग ॥१ए॥ स० ॥ जयसर्वज्ञतथासर्वीदंशी ॥ जयतूंचरण अनंत ॥ जयअपुनर्भवजयजयनीरुपम ॥ जयभगवंतभदंत ॥२०॥ स० ॥ जयतूंअचलअनंतअखंमह ॥ जयअक्षयअवीकार ॥ जयनीजगुणभोगीनें अयोगी ॥ जयतूंमार्गदातार ॥२१॥ स० ॥ जयजगबंधवजयजगरक्षक ॥ जयनीरीहनिःसंग ॥ जयशाश्वतसूखअव्याबाधह ॥ जयनीजआतमरंग ॥२२॥ स० ॥ जयपुरणानंदीपरमातम ॥ जयचिदअमृतपानि ॥ जयनिजगुणकर्त्तातहभोक्ता ॥ जयतूंअकहकहानी ॥ २३ ॥ स० ॥ जयगुणानंतअलपमुझबुद्धी ॥ जयजीनवरकिमकहीइं ॥ उत्तमगुणजोपद्मविजयकहे ॥ प्रगटेतोसवीलहीइं ॥ २४ ॥ स० ॥ ॥ ५ ॥ ॥५॥

॥ डुहा ॥ जनपतीइमजिनराजनी ॥ स्तवनाकरीआनाह ॥ प्रणमेगणधरमुनीपती ॥ इमअणगारउछाह ॥ २५ ॥ उचितथानिकेंउपविसे ॥ प्रथवीपतीपरीवार ॥ दिइप्रभूजीपणिदेशना ॥ भवभयभंजणहार ॥ २६ ॥ ढाल ॥ पांमवपाचेंवांदतांमनमोह्युरे ॥ एदेशी ॥ प्रांणीजीनवांणीसूणो ॥ तूमेछांमीमोहजंजालरे ॥ पामीनरभवदोहिलो ॥ मतखोवोआलपंपालरे ॥ २७ ॥ मतखोवोआलपंपाल ॥ फिरी २ दोहिलोजीनधर्मरे ॥ जिनधर्मनोमर्मलहीकरोजिणीपरेंपामीइंशीवशर्मरे ॥ एआंकणी ॥ जिवअनादीअनंतछे ॥ कर्मसंजुत्तपरवाहरे ॥ पापथीडखीउधर्मथी ॥ सूखीउसवीदर्शनराहरे ॥ २८ ॥ सूख० ॥ चारीत्रश्रुतदोयभेदथी ॥ धर्मपरषीजेंत्रणिभेयरे ॥ एकेकभनेंबीजोछेदथी ॥ तापकनकपरेंपरषेयरे ॥२ए ॥ ताप० ॥ जिहांसावद्यनीषेधछे ॥ टालेरागादिकजिहांध्यांनरे ॥ एहकशोटीइंशूद्धछे ॥ जिमकनककशोटीइंदानरे ॥३०॥ जीम०॥ सूक्ष्मबादरजीवनी ॥ जिहांहिंसानोनहीत्यागरे ॥ तेहअशुधधर्मजाणीइं ॥ वलिरागादीकनहीत्यागरे ॥ ३१ ॥ वली ॥ जिहांसंयमअप्रमत्तता ॥ लिइआहारादीकजीहांशुद्धरे ॥ छेदशुद्धतेधर्मछे ॥ इणिपरेंभासेस्वयंबुधरे ॥ ३२ ॥ इणी० ॥ पंचसूमतित्रणिगुपतीजे ॥ सदाकालपालेसवीशुद्धरे ॥ एहथीविपरीतजेहोइं ॥ तेछेदथीथ

मेंअशुद्धरे ॥ ३३ ॥ तेछे० ॥ सोजनपरघरजायवुं ॥ वलिषमगादीकधरेजेह
रे ॥ तेहधर्मउछेदवो ॥ जुक्तिनवीथापेतेहरे ॥ ३४ ॥ जु० ॥ जीवादिकस्याद्वा
दथी ॥ घटेबंधादिकसदसावरे ॥ तेजुगतिवलीथापवुं ॥ एशुद्धधरमछेतावरे ॥
॥ ३५ ॥ ए० ॥ एहजुक्तीनखमीसके ॥ तेतापअशुरुविचाररे ॥ तिणेंनी
त्यानीत्यजाणीइं ॥ जीवअस्तीनास्तीपरकाररे ॥ ३६ ॥ जीव० ॥ धर्मअने
कइंमजीवना ॥ ठरेसूखडखबंधनेंमोखरे ॥ धर्मअनेकनमांनीइं ॥ तोउलटा
होइंदोषरे ॥ ३७ ॥ तो० ॥ अस्तीस्वरुपेंजाणीइं ॥ पररुपेंनास्तीस्वसावरे ॥
नहीतोवीसीष्टअसावथी ॥ सवीएकरुपहोयसावरे ॥ ३८ ॥ स० ॥ नित्यए
कांतेसाषीइं ॥ तोकिमडखरूयनेंहेतरे ॥ अनुष्टांनकरेलोकए ॥ सूखलहेवा
नेंसंकेतरे ॥ ३९ ॥ सु० ॥ कहिइंएकांतेअनीत्यजो ॥ तोसवनअनंतरनाशरे॥
जिवपरिणामीअसावथी ॥ केहनेंसूखडखनीआशिरे ॥ ४० ॥ के० ॥ सेदा
सेदइंमजाणीइं ॥ तिमएकअनेकवीचाररे ॥ स्याद्वादरीतेंकरी ॥ उलषोआत
मनीरधाररे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ मिथ्यात्वादिकबंधनां ॥ हेतूइंकरीबांधइंकर्मरे ॥
सम्यक्तादिकसावथी ॥ रूयकरीलहेशाश्वतसर्मरे ॥ ४२ ॥ रू० ॥ सेदासे
दजीवनेंतनुं ॥ रुपीनेंअरुपीतेमरे ॥ कर्त्तासोक्ताउसयछे ॥ बंधादिकपणिघटे
इंमरे ॥ ४३ ॥ बं० ॥ जीवशरीरपणिसिन्नछे ॥ जेकारणइंएसवपापरे ॥ अन्य
शरीरेंआतमा ॥ परसवसोगवेसंतापरे ॥ ४४ ॥ प० ॥ अन्यकरेअन्यसोगवे ॥ ते
तोनघटेसर्वप्रकाररे ॥ तिणेंअसेदकोईरीतीछे ॥ इंमसेदासेदउदाररे ॥ ४५ ॥
इं० ॥ बंधअनादीप्रवाहथी ॥ कंचनपछरसमतेहरे ॥ नहितोशुद्धस्वरुपनें ॥
कर्मवलगेइष्टनएहरे ॥ ४६ ॥ क० ॥ तेहनोअंतपणिसव्यनें ॥ होइंपुत्रपीता
परेंजाणिरे ॥ कुकमीअंमपरेंवली ॥ असव्यनेंनीत्यवषाणिरे ॥ ४७ ॥ अ० ॥
तासवीनासउपायनें ॥ सेवीवरीआसीऊअनंतरे ॥ तेहतणोनवीअंतछे ॥ अध्वं
शअसावपरेंततरे ॥ ४८ ॥ अ० तेहकारणसवीकीजीइं ॥ तेहकर्मविनाशउपा
यरे ॥ समकितधुरिंअंगीकरो ॥ जिमसवीगुणथीरतायायरे ॥ ४९ ॥ जि० ॥
देवगुरुनेंधर्मनी ॥ रुचीतेसमकीतकहेवायरे ॥ वितरागसर्वज्ञजे ॥ तेदेवपणें

ठहेरायरे ॥ ५० ॥ ते० ॥ परीसहआरंसजिणेंतज्या ॥ जेतरणतारणसमरछ रे ॥ उपगरणधर्मनाजेहछे ॥ तेचारीत्ररक्षणअछरे ॥ ५१ ॥ ते० ॥ केवलिइं जेसाषीउं ॥ तेधर्मकहिजेंसंतरे ॥ एसमकीतव्यवहारथी ॥ निश्चयेंनीजआ तमतंतरे ॥ ५२ ॥ नी० ॥ इमसमकीतअंगीकरो ॥ तुम्हेसफलकरोअवताररे ॥ देशनासांभलीइंणीपरें ॥ लहीपरषदाहर्षअपाररे ॥ ५३ ॥ ल० ॥ हाथजोडी प्रणमीकरी ॥ कहेप्रभुतूम्हवचनप्रमांणरे ॥ तूमसमदेशककोनही ॥ घरिजाइं इमकरतीवषाणरे ॥ ५४ ॥ घ० ॥ केईकसमकीतपामीआ ॥ केईदेशवीरती लहेसत्वरे ॥ सकलसंगछांमीकरी ॥ केईचारीत्रलीइंलहीतत्वरे ॥ ५५ ॥ के० ॥ केईसद्दकसावीथया ॥ कहीआठमेरवंमढालरे ॥ पद्मवीजयेंदशमीलही ॥ सू णोआगलवातरसालरे ॥ ५६ ॥ सू० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दुहा ॥ नयणेंदिठीनारीनें ॥ समवसरणमांसार ॥ चिंतायईमुझचित्तमां ॥ निश्चयएमुझनारि ॥ ५७ ॥ किमएइंहांआवीकहो ॥ वलीसंसास्युंवयण ॥ मंत्रसिद्धसाध्युंमनें ॥ राणीदेषीरयण ॥ ५८ ॥ पुछुंजीनवरनेप्रभू ॥ परसव स्युंकस्युंपाप ॥ राणीवीरहथीरोवतां ॥ सबलथयोसंताप ॥ ५९ ॥ इंणिपरें धारीआदरे ॥ कुमरजीपुछ्युंकेंम ॥ पूर्वकर्मविपाकजे ॥ अरीहालाषेइंम ॥ ॥ ६० ॥ ढाल० ॥ होपीउपातलीआनारीगुणावलीतामजो ॥ पंजरीउंकरली धोझरतेलोयणेरेलो ॥ एदेशी ॥ होसूणिराजनीआ ॥ जंबुद्वीपमझारीजो ॥ विंध्याचलइंणनामेंपरवतसोहतोरेलो ॥ होसू० ॥ उपधीउंघणीतछजो ॥ जा जुल्यमांनदिपकपरेंतिणेंमनमोहतोरेलो ॥ ६१ ॥ होसू० ॥ चंदनप्रमुखसू गंधजो ॥ बहुपंषीगणशब्दकरेसोहामणारेलो ॥ होसू० ॥ सिहरसेणतुझना मजो ॥ शबरतणोतूंरायबलमांनहीमणारेलो ॥ ६२ ॥ होसू० ॥ बहुजीव नोकरेघातजो ॥ विषयमुर्छितंतूंअतीसयघरणीस्युंरहेरेलो ॥ होसू० ॥ रोझ हरिणनेंरीछजो ॥ करेविजोगजुगलनोमनमांसूखलहेरेलो ॥ ६३ ॥ होसु० ॥ सुखआसीलाषीतेहजो ॥ वनमांरेतेवीहतातूझथीथरहरेरेलो ॥ होसु० ॥ श्री मतीताहरेनारिजो ॥ गुंजाफलमालानांआभरणांधरेरेलो ॥ ६४ ॥ होसु० ॥

पहेरेवल्कलवस्त्रजो ॥ रुमीरेतरुत्र्प्रानीत्रोटीकांनमांरेंलो ॥ होसु० ॥ तेहनी
साथेंनीत्यजो ॥ गिरीनीकुंजमांसुषलोगवतोमांनमारेलो ॥ ६५ ॥ होसु० ॥
षीषभरीतूतिणीवारजो ॥ आव्योरेएकगळमुनीवरनोतिहांकिणेंरेलो ॥ होसु०॥
पंथभ्रष्टपरीखीन्नजो ॥ देषीनेंअनुंकंपाआवीतुझमनेंरेलो ॥ ६६ ॥ होसु० ॥
तुझमनमांथईचिंत्तजो ॥ विषमगीरीकंतारमांकिमइणीपरेत्तमेरेलो ॥ होसु०॥
जईपुछ्युंततकालजो ॥ मुनीकहेसूलापंथथीतिणेंसमीइंत्र्प्रमेरेलो ॥ ६७ ॥
होसू० ॥ श्रीमतीकहेसरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकआपीइरेलो ॥ हो
सू० ॥ विध्यनीअटवीसीमजो ॥ पारिउतारीएहतणांडखकापीइरेलो ॥ ६८ ॥
॥होसू०॥ एहनीधानसमानजो॥ किधीरेतूझसेटिव्रीधाताइंखरीरेलो॥ होसू०॥
इमसांसलीनसवाणिजो ॥ उठ्योरेरोमांचितअतीहरषेंसरीरेलो ॥ ६९ ॥ हो
सू० ॥ लाव्योमुलनेंकंदजो ॥ अदसूतफललाव्योतवइमुनीवरसणेरेलो ॥ हो
सू० ॥ नवीकल्पेअम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीषेधनवीलेउंतिणेंरेलो ॥
॥ ७० ॥ होसू० ॥ बोल्योसबरसूपालजो ॥ अमउदवेगहोइंतिणेंकारणलीजी
इरेलो ॥ होसू० ॥ मुनीवरजाणीलावजो ॥ लालालालविचारीइमवदिजीइरेलो
॥ ७१ ॥ होसू० ॥ लावोफलमुलकंदजो ॥ वरणगंधपलटाणांहोइजेहनारेलो
॥ होसू० ॥ जेबहुकालनांलीधजो ॥ सबरसयतेसांसलीवयणांतेहमारेलो ॥
॥ ७२ ॥ होसु० ॥ परीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीला
सीआरेलो ॥ होसु० ॥ पंथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतशुसलावथीधन्यनी
जमानीआसलो ॥ ७३ ॥ होसु० ॥ मुनीइंपणएकसोधर्मजो ॥ सांसलीकर्म्म
वीवरथीतूमेंअंगीकरयोरेलो ॥ होसु० ॥ दिधोतूमनवकारजो ॥ शिवसुखका
रणतेतूमेसक्तिहृदेधरयोरेलो ॥ ७४ ॥ होसु० ॥ अतिशयज्ञानीतेहजो ॥
जाणीरेउपगारकहेवलीइणिपरेरेलो ॥ होसु० ॥ पद्ममांएकदिनसारजो ॥ सा
वयआरंसवरजीनेंइणीपरेंकरेरेलो ॥ ७५ ॥होसु०॥ एकांतेंरहीतामजो॥ नव
पदनेंतूसंसारेदढमनकरीरलो ॥ होसु० ॥तुझनेंमारेकोयजो ॥ तोपणितेरहेवुं
समताशुसआदरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु० ॥ इमपालीजीनधर्म्मजो ॥ पामस्यो

सुरसुखथोमाकालमांहितूमेरेलो ॥ होसु० ॥ अंगीकारकरेदोयजो ॥ साधुवय
णएठेतिणेंनीस्तरीयांश्रमेंरेलो ॥ ७७ ॥ होसु० ॥ मुनीइंकिधविहारजो ॥
एहश्रसीग्रहपालेबिङंजिममुनीकह्योरेलो ॥ होसू० ॥ वर्द्धमानसंवेगजो ॥
एकदिनपखीमापोसहतिहांदंपतीग्रह्योरेलो ॥ ७८ ॥ होसू० ॥ तिहांश्राव्यो
एकसीहजो ॥ गजकुंभस्थलदारणनेंरसीउघणेरेलो ॥ होसू० ॥ श्रीमतीबी
हनीतामजो ॥ देषीनेंसीहउठ्योधरीसाहसपणेरेलो ॥ ७९ ॥ होसू० ॥
धनुषतिरलिइंहाथिजो ॥ कहेमतबिहेनारीतूंएकसरेहणेरेलो ॥ होसू० ॥
श्रीमतीबोलेतामजो ॥ एहमांनहीसंदेहपराक्रमतूमतणेरेलो ॥ ८० ॥ होसू० ॥
पणिगुरुवयणपलायजो ॥ गुरुइंकह्यूंप्राणांतकरेकोइंवधप्रतेंरेलो ॥ होसू० ॥
तेखमज्योचित्तमांहिजो ॥ किमगुरुवयणवृथाकरीइंसमरणठेतेरेलो ॥ ८१ ॥
होसू० ॥ परभवबंधुसूतजो ॥ तेगुरुवयणरसायणकरीनेंजाणीइंरेलो ॥ होसू० ॥
नारीनेंकहेइंमसीहजो ॥ सत्यकह्युंतेवयणगुरुबहुमानीइंरेलो ॥ ८२ ॥
होसू० ॥ तूझमोहेंकरयुंइंमजो ॥ मुक्युंधनुषतीरम्हेंगुरुवयणेंरह्योरेलो ॥ होसू० ॥
इणिश्रवसरतेसीहजो ॥ उछालीलांगुलनेंतेसनमुखथयोरेलो ॥ ८३ ॥ होसू० ॥ तें
चिंत्युंमनमांहिजो ॥ गुरुश्राणापरीपालणकसवटिएषरोरेलो ॥ होसूं० ॥ उप
गारीएहसीहजो ॥ इंमचिंतनशूभकरतांश्राव्योडहकरोरेलो ॥ ८४ ॥ होसू० ॥
दंपतीदोयविनासजो ॥ किधोरेउपसर्गतेतूमेश्रहीश्रासीश्रारेलो ॥ होसू० ॥
सोहमदेवलोकमांहिजो ॥ दंपतीउपनाऋध्धीवंतश्रावासीश्रारेलो ॥ ८५ ॥
होसू० ॥ पल्योपमएकश्रायजो ॥ सोगवतांश्रग्यारमीढालसोहामणीरेलो ॥
होसू० ॥ श्राठमेखंमेएहजो ॥ पद्मविजयकहेवातसूणोश्रागेंघणीरेलो ॥ ८६ ॥
॥ दुहा ॥ जंबुद्धीपमांबिङंजणां ॥ श्रपरवीदेहश्रनुंप ॥ नयरचक्रपुरनिरषी
इं ॥ भलोगुरुमृगांकभूप ॥ ८७ ॥ कामिनीबालचंदाकही ॥ तसकूषेंश्रव
तार ॥ समरमृगांकठवेसूखें ॥ नामगुरुनिरधार ॥ ८८ ॥ सालोनृपनोसोह
तो ॥ सुभूषणसिरदार ॥ कुसुममतीनारीकूषमां ॥ तूझनारीश्रवतार ॥ ८९ ॥
श्रशोकदेवीएहवुं ॥ थाप्युंनामथीरथाव ॥ कलाग्रहणकरतांबिङं ॥ जोवन

पाम्यांजाव ॥ ए० ॥ तुमविवाहथयोबिहुंतणो ॥ परण्यादिनसूपसह ॥ सू
खस्तोगवतांस्वर्गनां ॥ जाणेकालनजह ॥ ए१ ॥ रागघणोस्त्रीरमणनें ॥ इम
करतांएकदीन्न ॥ पलिदेषीप्रथवीपती ॥ परसंवेगप्रपन्न ॥ ए२ ॥ राज्यदेई
तूऊराजीउ ॥ देवीस्यूंलिइंदिष ॥ राज्यपालेतूरंगस्युं ॥ सङस्त्रीनेंदिइंशी
ष ॥ ए३ ॥ मारयानीरदयमनकरी ॥ वलितीर्यंचवीजोग ॥ हवेविपाकसू
णितेहना ॥ सघलाकटुकसंयोग ॥ ए४ ॥ ढाल० ॥ पहेलीनेंनामेंहोजीवि
रजीनवरकहे ॥ एदेशी ॥ तिणहीजविजइहोजीगंगानयरीइं ॥ सिरीवलरा
जाररराज्यकरेतीहांजी ॥ तेहस्युंसहजेंहोजीविग्रहतूऊथयो ॥ सूसटसनुरा
रेगयासिरिबलजीहांजी ॥ ए५ ॥ तोपणितेहस्युंहोजीसंग्राममांमीउ ॥ शेष
सैन्यपणितिणेमारयुंयदाजी ॥ तुऊपणिमारयोहोजीकालकरीतीहां ॥ रौद्र
ध्यानथीरेगयोनरगेंतदाजी ॥ ए६ ॥ सत्तरसागरहोजीआउषुंनाहरुं ॥ ता
हरीराणीरेमरणतेसांसलीजी ॥ मुरछापामीहोजीचेतनावलीलही ॥ करेनिया
णरेइणिपरेंतेवलीजी ॥ ए७ ॥ जिहांमुऊस्वामीहोजीहोइउपना ॥ तिहांमुऊ
होज्योरेउपजवुंपरुंजि ॥ इमकहीपठीहोजीबलतीअगनीमां ॥ क्लिष्टचित्तथी
रेकष्टसस्युंआकरूजी ॥ ए८ ॥ सत्तरसागरहोजीआउषेउपनी ॥ महाडुख
सहेतारेअनुंक्रमेंबिहुंजणांजी ॥ तिहांथीनीकलीहोजीपुस्करार्द्धमां ॥ सरत
षेत्रमारेनिरधनजेघणांजी ॥ एए ॥ तेविहुंउपनाहोजीत्तीन्न २ घरें ॥ वि
हुंजणपरण्यारेअनुंक्रमेंदंपतीजी ॥ आजिविकानुंहोजीदूखतूमेअनुंसवो ॥
तिहांइआव्यारेएकदिनमहासतिजी ॥४ ०० ॥ देषीतेहनेंहोजीसरधावाधतें ॥
प्रासूकसीझारेरोमांचितथईजी ॥ आपीनेंपुछ्यूंहोजीकिहांरहोछोतूम्हे ॥ त
वतेबोलीरेमुख्यजेसंजईजी ॥ १ ॥ वसूसेठघरनेहोजीपासेउपासरें ॥ नयरमां
रहीइंरेइमसूणीहरषीआंजी ॥ सांफेलेईहोजीफूलतिहांगयां ॥ सव्रतागु
रुणीरेनामेंनीरषीआंजी ॥ २ ॥ पुस्तकसाहमीहोजीदृष्टीठवीकरी ॥ तनुं
जसनालारेसमरतेलोयणांजी ॥ सुवयणकमलाहोजीसोहेज्युंकमलिनी ॥ ह
रषेंवधारेविसीतदोयजणांजी ॥ ३ ॥ अंगअग्यारेहोजीजीलनेंटेरुइं ॥ धर्म

लातदिधोरेकरतचोकरीजी ॥ प्रसूजीवंदोहोजीकुसुमवुठिकरी ॥ संसारसा
गरसुखेंजाउतरीजी ॥ ४ ॥ इमसुणीजिनवरहोजीवंदिदेहरे ॥ गणिणीसमी
पेरेआवीउपवीसजी ॥ गणिणीपुछेहोजीकिहांतूमवासछइ ॥ गोचरीआंकहे
एकंतोइहांवसजी ॥ ५ ॥ अम्हेंगयांगोचरीहोजीएहतणेंघरे ॥ सरधावं
तघणाछेसामीनीजी ॥ सर्केआव्याहोजीजिनवरवांदवा ॥ गणिणीबोल्यारे
वातकरीकामनीजी॥६ ॥ धर्मतेजगमांहोजीसरणआधारछे॥धर्मनेंमुंकीरेदुख
टालेनहीजी ॥ इंद्रजालसमहोजीकसुपनासमो ॥ चलनेंअसारेरेनरसवएल
हीजी ॥ ७ ॥ धर्मकरेनहीहोजीविषयनोलोलपी ॥ चंदनबालीरेअं
गाराकरेजी ॥ धर्मथीलहीइंहोजीशाश्वतसुखघणां ॥ थोडेकालेरेकह्युंइमजी
नवरेंजी ॥ ८ ॥ तिणेंतूमेआव्यांहोजीतेहमुंकरयुं ॥ जिनमुनीदरीशणअ
तीपावनकह्युंजी ॥ इमतुमेसांभलीहोजीशुद्धहृदयथकी ॥ मांसनेंमधुनुंरे
पचखाणतुमेलह्युंजी ॥ ९ ॥ उठवावेलाहोजीगणिणीइंकह्युं ॥ नित २ आव
ज्योरेसुणवाधर्मनइंजी ॥ दुखसहुजास्येहोजीतूमचाअंगथी ॥ वचनतेमा
न्यंरेजाणीममनेंजी ॥ १० ॥ घरेहवेंआव्यांहोजीधर्मतेनीतकरो ॥ अनुंक्र
मेंतुम्हनेरेशुद्धश्रावकपणंजी ॥ विषयविमुखथीहोजीपालीधर्मनें ॥ म
रीब्रह्मलोकेंरेलह्युंसुखसुरतणंजी ॥ ११ ॥ सातसागरनुंहोजीभोगेरुंआउषुं ॥
तिहांथोचवीनेंरेआव्यांनृपघरेजी ॥ सवरजनममांहोजीकर्मकरयांतुम्हें ॥
दुखतसनरगेंरेसहीयांपरपरेंजी ॥ १२ ॥ मनुंजनाभवमांहोजीदुखककांयसोग
व्यां॥उदयेंआव्यूंरेशेषरह्यूंतिकेजी॥इमजाणिनेंहोजीकर्मनकीजीइं॥तासउदय
थीनरविहेजीकेजी ॥ १३ ॥ लोकनाथनीहोजीसांभलीवाणीनें ॥ परमसं
वेगरआतमसावीउजी ॥ कहेजीनवरजीहोजीधर्मसलोकस्यो ॥ प्रसूजीपशाइं
रैवैरागआवीउजी ॥ १४ ॥ दिक्षालेस्यूंहोजीप्रसुजीपाउले ॥ जगगुरुबोलेरे
प्रतीबंधमतकरोजी ॥ लिधीदीक्षारेसूवनगुरुकनें ॥ एहवृत्तांतरेकह्योमेंमाह
रोजी ॥ १५ ॥ कनकपुरेम्हेंहोजीतेतुम्हनेंकह्यो ॥ संवेगउपनोरेसांभलीवा
तमीजी ॥ गुणचंद्रचितेहोजीदुष्टवीपाकछे ॥ धिग् २ कहिइंरेमोहनीजात

मीजी॥१६॥आठमेखंमेंहोजीढालबारमी॥ साषीइंमम्हेंरेपग्रवीजयकहेजी॥
समरादित्यनेंहोजीरासेंसोहामणी ॥ सुणतांमंगलमालचीलहेजी ॥ १७ ॥
॥ दूहा ॥ गुणचंदकुमरकहेगुणी॥अम्हनेकरयोउपगार ॥ कहेतांआपकथातू
म्हे ॥ प्रगटउतास्यापार ॥ १८ ॥ धरमअमेधारयोपरो ॥ पामीतुम्हपसाय ॥
मिथ्यावीकल्पसवीमिट्या ॥ अम्हनेंरतनउगाय ॥ १९ ॥ पणिगिहीधरमपसा
यकरि ॥ विग्रहकहेतववाणि ॥ महेरकरीतूम्हेमुझनें ॥ आपोअनुंवत्तजाणि
॥ २० ॥ विधीइंश्रावकव्रतलीआं ॥ वंद्यागुरुबहुमान ॥ गुरुधर्मलाभदेईगदो॥
सुणितूंवातसयान ॥ २१ ॥ आव्याअवसरउलषी ॥ अमेतूझबोधनआज ॥
रतनपुरीथीराजीआ ॥ कहेसीधुंअमकाज ॥ २२ ॥ पाछुंतिहांजईपोहचवुं॥
मुनीवरतिहांबहुमुझ ॥ वाटिजोतांहोस्येंबली ॥ तिणेंसांभलिकहुंतूझ॥२३॥
अयोध्यामांअमतणो ॥ मिलवुंथस्येकुमार ॥ दृढव्रतहोज्येदाषवी ॥ अदसू
नहवेअणगार ॥ २४ ॥ सहुसाधुस्युंसंचरया ॥ गगनपंथगुरुराय ॥ वंदेकुम
रविग्रहबिहुं ॥ अनुंक्रमेंअदृशथाय ॥ २५ ॥ हवेअयोध्याहर्षस्युंचाल्याच
तूरविचारि ॥ वाणमंतरनीवातनो ॥ पसरयूंहवेप्रकार ॥२६॥ढाल॥कुंवारीरंगढो
लनां ॥ एदेशी ॥ तेहजदिवसेंतिहांगयोहोराजि ॥ वाणमंतरषगजेहरे ॥ उगा
वेएहवीवातमी ॥ कुमरनापरीजनआगलेहोराजि ॥ कुमप्रपंचकरेतेहरे ॥
॥ २७ ॥ उ० ॥ विग्रहराइंमारीउहोराजि ॥ संग्रामेंगुणचंदरे ॥उ०॥ श्रवणपरं
परासांभलेहोराजि ॥ मैत्रीबलजेनरिंदरे ॥ २८ ॥ उ० ॥ नरपतीतेनवीसरद
हेहोराजि ॥ रतनवतीसूणेजामरे ॥ उ० ॥ मुर्छाईधरणीढलीहोराजि ॥ आ
श्वासेपरीजनतामरे ॥ २९ ॥ उ० ॥ रायसूणीतीहांआवीउहोराजि ॥ नयणें
नीरनमायरे ॥ उ० ॥ रतनवतीचरणेंनमीहोराजि ॥ कहेसूणीइंमहारायरे ॥
॥ ३० ॥ उ० ॥ कुंमंदभाग्यसीरोमणीहोराजि ॥ पेसूंअगनीमझारिरे ॥ उ०॥
आणाथोजीवीतनजुंहोराजि ॥ गयोमुझप्राणआधाररे ॥ ३१ ॥ उ० ॥ प्रा
णनिगोरहजीरसाहोराजि ॥ थोआणमुझआजरे ॥ उ० ॥ सूरलोकेंसंगमहो
इंहोराजि ॥ आर्यपुत्रस्यूंकाजरे ॥ ३२ ॥ उ० ॥ सोहागणसूणिवातमीहोरा

जि ॥ नृपकहेमकरोएशोकरे ॥ उ० ॥ संस्तवनहीएहवातनोंहोराजि ॥ मानें
कोईनलोकरे ॥ ३३ ॥ उ० ॥ सिंहनेंमारेसीत्र्यालीउंहोराज ॥ एहमनाइंकेम
रे ॥ उ० ॥ सीह्यादेशेंसाषीउंहोराजि ॥ पुत्रजनमईमनेमरे ॥ ३४ ॥ उ० ॥ व
चनत्र्यलीकनतेहनुंहोराजि ॥ नहीमुफत्र्याकुलचित्तरे ॥ उ० ॥ सूपनदिठुंम्हें
सोहामणुंहोराजि ॥ त्र्यविधवातूफदित्तरे ॥ ३५ ॥ उ० ॥ जनमांतरकोईवै
रीइंहोराजि ॥ कुफकपटकस्युंएहरे ॥ उ० ॥ तिणेंएवातनकीजीइंहोराजि ॥
जिणीवातेंजाइंगेहरे ॥३६॥उ०॥ दैवनीवातत्र्यचिंत्यछेहोराजि ॥ वातहोस्येएह
साचरे ॥ उ० ॥ तोत्र्यम्हेपणिकीमजीवस्यूंहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥
॥ ३७ ॥ उ० ॥ पवनगतीकाशिदप्रतेंहोराज ॥ मोकलीउंछेत्र्याजरे ॥ उ० ॥
पांचदिवसमांत्र्यावस्येहोराजि ॥ पछेजुक्तकरेस्यूंकाजरे ॥ ३८ ॥ उ०॥
तिणेमतथाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसंतापरे ॥ उ० ॥ रत्नवतिक
हेतातजीहोराजि ॥ जिमतूमचोहोयछापरे ॥ ३९ ॥ उ० ॥ पणिजो
तूम्हत्र्याणाहोईहोराज ॥ तोदेउंनीतदानरे ॥ उ० ॥ शांतिकरमवलीति
मकरुंहोराजि ॥ देवपुजाबहुमानरे ॥ ४० ॥ उ० ॥ कुसलवातत्र्यार्यपुत्रनी
होराजि ॥ सांसलीइंत्यांसीमरे ॥ उ० ॥ माहरुंमनछेएहवुंहोराजि ॥ त्र्याहारत
णोकरूंनेमरे ॥ ४१॥ उ० ॥ रायकहेकरीइंसूषेंहोराजि ॥ एहमांकोईनदोखरे
॥ उ०॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरे॥४२॥ उ०॥ नृपती
निजथानिकगयोहोराजि ॥ सागईपुजनहेतरे ॥उ०॥ इणेंत्र्यवशरेंतिणेंनीरषी
त्र्यांहोराजि ॥ पुरवपुण्यसंकेतरे ॥ संजमवंतीसाधवी ॥ एत्र्यांकणी ॥ ४३ ॥
विचारभूमीथीत्र्यावतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ सं०॥ ज्ञानीतपसी
उपसमीहोराजि ॥ सूंदरत्र्यंगत्र्याकाररे ॥ ४४ ॥ सं० ॥ लावनालावेंपरिण
म्यांहोराजि ॥ साहुणीनेंपरीवाररे ॥ सं० ॥ श्वेतांबिकानृपनीधुत्र्याहोराजि ॥
कोसलानृपनीनारीरे ॥ ४५ ॥ सं० ॥ चरणसिरीइंवियहधरयुंहोराजि ॥ सुसं
गताजसनामरे ॥ सं० ॥ देषतांरतनवतीतणेहोराजि ॥ नाठोशोकउद्दामरे ॥
॥ ४६ ॥ सं० ॥ मनमांत्र्याणंदउपनोहोराजि ॥ त्र्यातमविर्यउल्लासरे ॥ सं० ॥

चिंतवेंअहोसगवतीतणोहोराजि ॥ रुपनेंविषयउदासरे ॥ सं० ॥ ४७ ॥ अ
होकुसलताएहनीहोराजि ॥ कृतारथअहोएहरे॥ सं० ॥ मुझनेंदरीसणएथयुं
होराजि ॥ धन्यथईमुझदेहरे ॥ ४८ ॥ सं० ॥ दरीसणमात्रेंजेहनांहोराजि ॥
पापपमलजाइंदूररे ॥ सं० ॥ साधवीपासेंतेगईहोराजि ॥ सुसध्यानेंसंपुररे॥
॥ ४९ ॥ सं० ॥ विनयथीगणिणीवांदियांहोराजि ॥ धर्मलाभदिउतामरे ॥
सं० ॥ फिरीवंदिनेंबोलतीहोराजि ॥ विनतिसूणोएकआमरे ॥ ५० ॥ सं० ॥
दुखीजनवछलछोतूमेहोराजि ॥ किजेंएकपशायरे ॥ सं० ॥ मुझचरित्रावो
स्वामीनीहोराजि ॥ जोनवीरोधकोईथायरे ॥ ५१ ॥ सं० ॥ दुखउपसमकां
यकथयोहोराजि ॥ तुम्हदरीसणथीआजरे ॥ सं० ॥ संसलावोमुझधर्मनेंहो
राजि ॥ जिमहोवेमुझकाजरे ॥ ५२ ॥ सं०॥ धर्मशीलासुणीवातमीहोराजि॥
एहमांकांयनवीरोधरे ॥ सं० ॥ गुरुणीकहेअमेआवस्यूंहोराजि ॥ जेहथी
होयतूमबोधरे ॥ ५३॥सं०॥ कोईनेंअप्रीतीनउपजेहोराजि ॥ रतनवतीकहेता
मरे ॥ सं० ॥ धरमीमुझगुरुजनअछेहोराजि ॥ नहिकोईअप्रीतीठामरे ॥५४॥
॥ सं० ॥ गणिणीकहेतोआवस्युंहोराजि ॥ साकहेकिधपशायरे ॥ सं० ॥
चाल्यांसद्धसाथेंहवेहोराजि ॥ रतनवतीघरिजायरे ॥ ५५ ॥ सं० ॥ आठमे
खंडेएकहीहोराजि ॥ तेरमीढालरसालरे ॥ सं० ॥ पद्मविजयकहेसांसलोहो
राजि ॥ सुणतांमंगलमालरे ॥ ५६ ॥ सं० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ विनयकरीविधिस्यूंवली ॥ उत्तमआसनआपि ॥ अलवेंआगलिउ
पविसे ॥ सूणवानेसंलाप ॥ ५७ ॥ परिवारपणिबेठोपछे ॥ सुणवाधर्मसंकेत ॥
ज्ञानीतवगुरुणीकहे ॥ हवेकरवातसहेत ॥ ५८ ॥ एसंसारअसारमां ॥ जन
ममहादुखखाण ॥ जरावलीजीरणकरे ॥ मरणदुखअसमांण ॥ ५९ ॥ मोह
विषयनेंमांनतिम ॥ मछरक्रोधनेंमाय ॥ लोभसायरलषदुखदिइं ॥ इंद्रियवि
षयउजाय॥६०॥ सूषीउनहीसंशारमां ॥ परमारथथीपेष ॥ मुनीवरमुझीमानि
नी ॥ दृढ्रूपणेंतूंदेषी ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ सूंदरपापथानिकतजोसोलमुं ॥ एदे
शी ॥ सूंदररोगीजिमवरवैद्यनें ॥ करीयगवेषणासारहो ॥ सूं० ॥ निजदुष

तासनिवेदिनें ॥ करेतेहनोउपचारहो ॥ ६२ ॥ सूंदरधर्मथीसवीसुखसंपजे ॥ एआंकणी ॥ सुं० ॥ वैद्यवचनअंगीकरे ॥ सेवेकिरीयातेहहो ॥ सूं० ॥ कष्ट करेपथ्यसेवतां ॥ आरोग्यअरथीजेहहो ॥ ६३॥ सूं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ डखपणबाह्यगणेनही ॥ नविमुक्यापणिव्याधिहो ॥ सुं० ॥ निजमुषउ लषीउजिणें ॥ अनुक्रमेथायअबाधहो ॥ सुं० ॥ ध० ॥ ६४ ॥ सुं० ॥ तिम मुनीवरसंसारमां ॥ जनमजरानेंमरणहो ॥ सूं० ॥ व्याधेंपीड्यावैद्यनुं ॥ वि तरागकरेसरणहो ॥ ६५ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तेहनुंकथननेंआचरे ॥ लि धासंजमसारहो ॥ सुं० ॥ किरीयाकष्टकरेघणुं ॥ सहेउपसर्गअपारहो ॥ ॥ ६६ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ अंतरसमसंतोखना ॥ सूखथीनगणेडखहो ॥ सुं० ॥ अंतरअव्याबाधनें ॥ जाण्युंनीश्चयसुखहो ॥ ६७ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ वितरागसुखीआघणुं ॥ सावरोगनहीजासहो॥ सुं० ॥ मोहतिमीरड रेंगयुं ॥ ज्ञानसूरयपरकासहो ॥ ६८ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ त्रुटिसत्रनीवे लमी ॥ ढूकडुंउशीवसुखहो ॥ सुं० ॥ सुखिआतिणेंथोडाहोइ ॥ बहुडखीआ लहेडखहो ॥ ६९ ॥ सूं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ पणिसंसारीजीवनें ॥ सूखडख नोविपर्यासहो ॥सूं० ॥ अंगनाआहारादिकथकी॥ मानेंसुखविश्वासहो॥७०॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तुम्हडखकारणअमकहे ॥ तवकहीसघलीवातहो॥सुं०॥ परमारथेंजीमतूमेंकह्युं ॥ तिमसाचोअवदातहो ॥ ७१ ॥ सुं० ॥ ध० ॥सुं०॥ पणिपतीवीरहसालेघणो ॥ गुरुणीबोल्यांतामहो ॥ सुं० ॥ कुसलअछेवउतेह नें ॥ धीरजधरिथिरथावहो ॥ परमाणंदेमिलावहो ॥ सुं० ॥ ७२ ॥ ध० सुं० ॥ साकहेकिमजाणोतूमे ॥ गुरुणीकहेस्वरतूम्हहो ॥ सुं० ॥ सोहागणि नेंजोईइं ॥ एहवोउएगुम्हहो ॥ ७३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ रतनवतीकहे सांभलो ॥ मतकरज्योतूम्हेक्रोधहो ॥ सुं० ॥ गुरुणीकहेमुनीलोकनें ॥ क्रोध तणोहोइरोधहो ॥ ७४ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ साकहेप्रत्ययदाषवो ॥ गुरु णीकहेस्युंकामहो ॥ सुं० ॥ वितरागनांवयणमां ॥ नचलेसुणिअसीरामहो ॥ ॥ ७५ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ स्वरमंमलमांलाषीउं ॥ तेहकह्युंम्हेंएहहो

॥ सुं० ॥ तिणेंनवीथाइंएअन्यथा ॥ वलिप्रत्ययकह्यतेंहहो ॥ ७६ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तुझ्हतावलेंसाषीइं ॥ मतकरज्येमनरीसहो ॥ सुं० ॥ गुरुप्रदेशेंमसहोस्ये ॥ जाणज्येविसवाविसहो ॥ ७७ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ हवेतूंताहरुंजाणज्ये ॥ साकहेसाचिवाणिहो ॥ सूं ॥ म्हेंआकुलपणेंसाषीउं ॥ गणिणीकहेनहींहाणिहो ॥ ७८ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ स्नेहिहोइंउतावला ॥ पणिमुझषमज्येएहहो ॥ सुं० ॥ तुझ्हतावलेंजेकह्युं ॥ अणघटतूंम्हेंजेहहो ॥ ७९ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ साकहेशोकनीवारीउं ॥ किधोमुझ्हउपगारहो ॥ सुं० ॥ पुछुंतूंम्हएकवातमी ॥ एकुंणकर्म्मप्रकारहो ॥ ८० ॥ सूं० ॥ ॥ ध० ॥ सुं० ॥ गणिणीकहेएथोफलो ॥ ठेअज्ञानविवागहो ॥ सुं० ॥ पणिएरुद्रताकेतलो ॥ सांभलिमाहरीवागहो ॥ ८१ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ थोफेकर्मेम्हेंलह्यो ॥ जेहविपाकअपारहो ॥ सुं० ॥ साकहेसावधांनअछुं ॥ किजेंमुझ्हउपगारहो ॥ ८२ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ आठमेखंफेचौदमी ॥ पद्मविजयकहीढालहो ॥ सुं ॥ गणिणीकहेहवेनीजतणुं ॥ सांभलोचरीत्ररसालहो ॥ ८३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ उहा ॥ नयरीकोसलानोधणी ॥ नरसूंदरनरनाह ॥ अदसूतइणहीजविजयमां ॥ अंगेंधरेंउछाह ॥ ८४ ॥ आसवपर्याइअछुं ॥ धर्मपतीतसधारि ॥ एकदिनगयोअवनीपती ॥ रमवारानमझारि ॥ ८५ ॥ अपहरीउअश्वेंतदा ॥ मुक्योअटवीमांहिं ॥ मध्याह्नेंतिहांमाननी ॥ ततषिणदिठिल्याहि ॥ ८६ ॥ तवआदरतेअतिकरे ॥ आवोअवनीपाल ॥ बेशोतूम्हेइणबेसणें ॥ सेवाकरुंसंसालि ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ देशीबलाउनी ॥ एदेशी ॥ रायकहेतूंकुंणछेरे ॥ कुणएथानिकसार ॥ तवतेकहेजरवणीअछुं ॥ मनोहरानामउदाररे ॥ एतोविंध्यनुंरणअवधारीरे ॥ तवनरपतिकहेसुणिनारिरे ॥ तूंएकलीकिमइंणिगरिरे ॥ ८८ ॥ वलिहारीशीलवंतनीमेरेलाला ॥ एआंकणी ॥ जरकिणीकहेअमेदंपतीरे ॥ नंदनवनथीआज ॥ मलयाचलजईआवतां ॥ इंणिथानिकआव्यांसमाजरे ॥ पतीकोप्योवीणकोईकाजरे ॥ एकाकिणीकीधीत्याजरे ॥ तवबोल्योइमनरराजरे ॥ ८९ ॥ व० ॥ बिजइंकांमहिणंकरयुरे ॥ तुझमुंकीगयोएह ॥ तूंप

णिसाथेंनवीगई ॥ सूणिबोलीजक्कणीतेहरे॥ होइंअन्यनुरागीजेहरे ॥ तिणस्यू नहीकारजरेहरे ॥ तवसूपकहेगुणगेहरे ॥ए० ॥ ब० ॥ धर्मसतीनोएनहीरे ॥ बोलेजक्कणीताम ॥ दोषविनातजेरागीने ॥ तेहनेंसतिअपणानोस्योगामरे ॥ नृपसाषेतवअसीरामरे ॥ कुणदोषवीनातजेआमरे ॥ साकहेमुरषनांकामरे ॥ ॥ ए१ ॥ ब० ॥ इंमकहीनांषेकटाक्कनेंरे ॥ जवेषेतेहराय ॥ लाजमुंकीमोहें कहे ॥ निजबोल्युंइमनपलायरे॥ अनुरागीनेंकुणतजेसायरे॥ अनुरागीतजो मुज्कांयरे ॥ नृपकंहेपरस्त्रीतूंथायरे ॥ ए२ ॥ ब० ॥ पुरुषनेसघलीपरअछे रे ॥ निजघरिनिजणीकोय॥ रायकहेइममतकहो ॥ जेविरोधीपरलोयरे ॥ क हेनारीअलिकवचतोयरे ॥ परलोकविरुद्धएजोयरे ॥ कह्युंअनुरागीतजेकोय रे॥ ए३ ॥ ब० ॥ रायकहेरागिणीकीसीरे ॥ डरगतीमोकलेइंम ॥ दोषसरीत कारणें ॥ परलोकअपेक्षानकेमरे ॥ तवबोलीदेषामतीप्रेमरे ॥ मुज्कवचनकरें जोनेमरे ॥ नहितोतूज्कनेंनहीषेमरे ॥ ए४ ॥ ब० ॥ रायकहेअमेनवीगणरें ॥ रंभाकेरोतार ॥ कोपचढ्योथईसामुही ॥ सूपतिंहकारीतिवाररे ॥ तवअदृश्य थईतेनारिरे ॥ चाल्योनीजनयरविचाररे॥ हवेजोज्योमार्गमज्कारिरे ॥ ए५ ॥ ब० ॥ कंचनपादपमारवारे ॥ नांष्योपमीउंदूर ॥ नृपजुइंजपरीजिस्ये ॥ तव दिठीजक्कणीक्रूररे ॥ साषेसाक्रोधनेंपुररे ॥ भृकुटीकरीगगनेंसूरीरे ॥ ज्कनांषी सतूज्कनेंचुरीरे ॥ ए६ ॥ ब० ॥ त्रुटिसतूवारकेतलीरे ॥ तवबोल्योराजान ॥ रे पापिणीगोचरनही ॥ नहीतोतूज्कफेमुंथानरे ॥ घंटिजिमचुरेधानरे ॥ इमजक्क णीसांभलीकानरे ॥ दिव्यजोगेंअदृश्यपहिचानरे ॥ ए७ ॥ ब० ॥ सैन्यमल्युं नीजरायनुंरे ॥ हरष्यांसघलांलोक ॥ करेवधामणांसज्जना ॥ सेटणांलावे योकेंथोकरे ॥ नृपसावधानगतशोकरे॥ नविविश्वसेंचित्तएटोकरे ॥ रषेआवे गलामांतोकरे ॥ ए८ ॥ ब८ ॥ सांधवीकहेम्हेंपुछिउंरे ॥ किमनधरोविसवा स ॥ रायकहेएसहजथी ॥ तवपुछ्युंफिरीनृपपासरे ॥ मुज्कप्रजलेचित्तवेषास रे ॥ अतीआग्रहेपुछ्युंतासरे ॥ तवसर्वकह्युंसूरवकासरे ॥ एए ॥ ब० ॥ वात मनोहरानीकहीरे ॥ म्हेंसाष्युंसूणोस्वामी ॥ किमएद्वेषणीतुमतणी ॥ कहेराय

झुंफेकुंगामरे ॥ जोमुझकरआवेएवामरे ॥ एकदिनवलीनृपआसीरामरे ॥ वास
सवनमांहिगयोजामरे ॥ ५०० ॥व०॥ तवझुंवाससूवनगईरे ॥ दिठोतीहांम्हें
राय ॥ मुझसमरूपेंनारीस्यूं ॥ दिठोमुझमनसंकायरे ॥ उसरवामांझुंपायरे ॥
सूपनेंथयोतामकषायरे ॥ पापिणीमायाकरीआयरे ॥ १ ॥ व० ॥ रेदेवी
एपापिणीरे ॥ केहवीआवीआज ॥ ईमकहीदोम्ह्योपूठिथी ॥ केसपकमेतेन
रराजरे ॥ मेंकस्युंस्यूंकरोएकाजरे ॥ नवबोलावेतेस्त्रीपाजिरे ॥ आवीजोतूमस
मवेसव्याजरे ॥ २ ॥ व० ॥ मायास्त्रीकहेरायनेंरे ॥ एदरीसणनहीलाग ॥ पा
पिणीकाढीमुंकीईरे ॥ सूणीपसणेनरपतीवागरे ॥ चोकीआततेमोमुझपागरे ॥
आव्यातवसूंपीअसागरे ॥ एंहनोकरोरणमांतागरे ॥ ३ ॥ व० ॥ करज्योक
दर्थनाबहुपरेंरे ॥ किधीआणाप्रमांण ॥ पुरववयरीनीपरें॥ पापिणी २ कहे
वाणीरे ॥ केईपकमेकेसनेंपाणिरे ॥ केईताणेंवस्त्रअन्नाणरे ॥ केईताणेंहाथपी
ठानरे ॥ ४ ॥ व० ॥ नयरबाहिरलावीकरीरे ॥ किधीकदर्थनाफेर ॥ मुंकीरण
मांएकली ॥ ईणिपरेंसाषेथईसेररे ॥ फरीपकमीसजोएसेररे ॥ तोहणस्यूंएस
मसेररे ॥ वलिआईमकहीतिणीवेररे ॥ ५ ॥ व०॥ म्हेंमनमांईमचितव्युंरे ॥
अहोएपापवीकार ॥ विणअपराधेंएवमां ॥ प्रांणीलहेदुखअपाररे ॥ पुरवकृ
तकर्मविचाररे ॥ हवेजीववुंकेहीप्रकाररे ॥ मरवुंनीश्चयएधारीरे ॥ ६ ॥ व०॥
झंपापर्वतथीकरुंरे ॥ ईमनीश्चयकरीठीक ॥ पोहतीपर्वतेंक्लेशथी ॥ चढवामां
म्ह्युंतहकीकरे ॥ मुनीवरदेषेगतसीकरे ॥ दरीमांरह्यातेहनजीकरे ॥ कलपांते
नबोलेअलिकरे ॥ ७ ॥ व० ॥ नामसूगृहीतसूरीअछेरे ॥ साथेंबहुपरीवार ॥
संसाररणसार्थपसमो ॥ चिंतामणीसमहीतकाररे ॥ तपतेजेजीमदिनकाररे ॥
गुणरयणतणोसंभाररे ॥ दुषीआनेंतेआधाररे ॥ ८ ॥ व० ॥ देषतांदिव्यज्ञानी
मुनीरे ॥ नाठोसर्वकिलेस ॥ वंद्याविनईमुनीवरु ॥ धर्मलाभदिईसूवीशेसरे ॥
कहेवठआंसलिउपदेशरे ॥ मनमांमतकरिसंक्लेसरे ॥ तूंशिलवंतीशुभवेशरे ॥
॥ ९ ॥ व०॥ आठमेखंमेएकहीरे॥ वरपनरमीढाल ॥ समरादित्यनारासमां ॥
गुरुउत्तमवीजयनोबालरे॥ हवेगुरुजीवयणरसालरे॥ कहेस्येसविजिवदयाल

रे ॥ जेहथीहोस्ये मंगलमालरे ॥ १० ॥ ब० ॥ ॥ ७॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ स्युंसंशारमांसारछे ॥ आपदसाजनएह ॥ मोहेमुंक्यामानवी ॥ त
त्वनजांणेंनेह ॥ ११ ॥ श्रवणेंजिनवचनवीसुणें ॥ अहितेबांधेआप ॥ तिव्र
कर्मतेवेदतां ॥ सूधोहोइंसंताप ॥ १२॥ वितरागवयणांवीना ॥ होइंइंणिप
रेंहाणि ॥ म्हेंकह्युंतहतीमहामुनी ॥ वलिकह्रोएकवषांण ॥ १३॥ पापकस्युं
किस्युंपुरवें ॥ पामीइंस्याप्रकार ॥ कहेगुरुसांसलितेकथा॥ कह्रंशेषसूप्रकार
॥ १४ ॥ ढाल० ॥ देशीचांदलीआंनी॥ एदेशी ॥ इंणसरतेंउत्तरदेशें ॥ ब्रह्मपु
रनगरेंसुवीशेसें ॥ ब्रह्मसेनसुपतीसुसवेसरे ॥ १५ ॥ शीलवंती ॥ तसवी
डरविप्रइंणेंनाम ॥ नृपनेंविश्वासनुंठांम ॥ पुरंदरातेहनीवामरे ॥ १६ ॥
शी० ॥ चंद्रजशातेहनीपुत्ति ॥ इंहाथीनवमेंसवेंक्रुति ॥ मावित्रजाणेंअम्ह
सूतीरे ॥ १७ ॥ शी० ॥ जिनवयणसावितमायताय ॥ तुझवाततेहीतनीक
हाय ॥ तुझनेंपरिणमननथायरे ॥ १८ ॥ शी० ॥ सववासनाजेहअणाई ॥
बालसावबलीडरवदाई ॥ जसोदामवसेसेठाईरे ॥ १९ ॥ शी० ॥ बंधुसुंदरीते
हनीनारी॥ तेहस्यूंतूझप्रीतीअपार ॥ तेहनेंवाह्लोशंशाररे ॥२०॥शी०॥अतिसं
क्लेशीपरीणाम ॥ वलिगिरधरसोगनेंकाम ॥ परसवनुंनजांणेंनामरे ॥२१ ॥
शी० ॥ तुझमावीत्रेंघणुंवारी ॥ एपापिणीडरगतीबारी ॥ एहनीसंगतीनह्री
तूमसारीरे ॥२२॥ शी० ॥ तेंवचननमान्युंतास ॥ एकदिनवलीगईतसपास ॥
बंधुसुंदरीदीठीनीरासरे॥ २३॥ शी०॥पुछ्युंतेंकीमतूंइम॥ साकहेपतीनोनहीप्रे
म ॥ एहनेंमदिरावतीस्युंवेहमरे ॥ २४ ॥ शी० ॥ माहरेनहीहजीअसंतान॥
स्युंजाणेंथस्येस्युंतान ॥ तेसांसलीसाष्यूंकानरे ॥ २५ ॥ शी० ॥ नवीकरी
इंइमविषाद ॥ उद्यमकरीइंअवीवाद ॥ तवतेकहेंझीणेंनादरे ॥ २६ ॥ शी० ॥
नवीजाणुंकांयउपाय ॥ परीव्राजिकाएकइंणेंठाय ॥ उत्पलानामेंसूणाय
रे ॥ २७ ॥ शी० ॥ एवातमांकुशलवषाणी ॥ पुरबाहिरपुरवठाणी ॥ तेहनें
लावोतूमेआणीरे ॥ २८ ॥ शी० ॥ तुंतुरतगईतसगेह ॥ बंधुसुंदरीतेमनेह ॥
परीव्राजिकाआवीतेहरे ॥ २९ ॥ शी० ॥ तूंतोसुंपीगईनिजघेर ॥ पुजीकहे

साइणीपेर ॥ करोसगवतीमुक्पपरिमेररे ॥ ३० ॥ श्री० ॥ शंसलाव्योनीजव
त्तांत ॥ परीव्राजीकाकहेएकांत ॥ तूंथिरजथरिमनशांतिरे ॥ ३१ ॥ श्री० ॥
मदिरावतीउपरिषेद ॥ थाइतिमकरस्युंसेद ॥ निश्चयकरीनेंतूंवेदरे ॥ ३२ ॥
श्री० ॥ साकहेकिधोउपगार ॥ गईपरीव्राजिकाआगार ॥ करेविद्यनेंविजो
गप्रकाररे ॥ ३३ ॥ श्री० ॥ केईउषधीशकतीअर्चीत ॥ वलिकर्मविचीत्रता
संति ॥ थयुंकारजनिश्चयतंतरे ॥ ३४ ॥ श्री० ॥ मदिरावतीगांमीसेठें ॥ श्री
केयहितेजुइहेठें ॥ तुफकर्म्मवंधाएतेनेंठेरे ॥ ३५ ॥ श्री० ॥ आउषुतेअनु
क्रमेंपाली ॥ थईहाथिणीतूंमतवाली ॥ युथाधीपनेंनहीवाहलीरे ॥ ३६ ॥
श्री० ॥ लहिमरणनेंवानरीथाय ॥ युथाधीपनेंनसूहाय ॥ कर्थ्यांकर्म्मतेके
होकिहांजायरे ॥ ३७ ॥ श्री० ॥ जुथाधीपेंदूरेंकीधी ॥ जरठाकूरेंपकमी
लीधी ॥ सांकलबांधीडखेदीधीरे ॥ ३८ ॥ श्री० ॥ तिहांमरीनेंकुतरीजाई ॥
सविस्वाननेपणिनसूहाई ॥ रीतूकालेंपणडस्तगाईरे ॥ ३९ ॥ श्री० ॥ रूतव
ऊलनेंविणठीदेह ॥ पमीआकीमाअतीरेह ॥ बऊक्केशसोगवतीजेहरे ॥ ४० ॥
श्री० ॥ तिहांथीमरीथईमार्जारी ॥ कोईमार्जारनेंनहीप्यारी ॥ घरअनलें
बलीतिणीवारीरे ॥ ४१ ॥ श्री० ॥ मरीचक्रवाकीथईजाम ॥ सरतारविऊणी
ताम ॥ महाडखणीथईअवीरामरे ॥ ४२ ॥ श्री० ॥ तिहांथीचंमालणीऊई ॥
पतीअलपामणीरहेजुई ॥ अनुंकरमेंतीहांथीमुईरे ॥ ४३ ॥ श्री० ॥ हवेसील
मीनोसवआयो ॥ कोईसवरनेंसंगनसुहायो ॥ संक्केशेंजेकर्म्मबंधायोरे ॥
॥ ४४ ॥ श्री० ॥ पालिमांथीकाढीमुंकी ॥ कोईनजुइसाहमुंथुंकी ॥ हवेकर्म
थीतेथईटुकीरे ॥ ४५ ॥ श्री० ॥ समतितिहांविषमप्रदेश ॥ शंहतीबऊलासं
क्केश ॥ दिठामुनीवरशुसलेशरे ॥ ४६ ॥ श्री० ॥ आठमेंखंमेएढाल ॥ गुरु
उत्तमविजयनोबाल ॥ सोलमीकहेरंगरशालरे ॥ ४७ ॥ श्री० ॥ ॥ ५ ॥
॥ ऊहा ॥ मारगमांयाकामुनी ॥ सूलापंथसयाल ॥ तेमुनीइंदिठितूंनें ॥ करुणावं
तकृपाल ॥ ४८ ॥ मोदथयोताहरेमनें ॥ पुठेमुनीवरपंथ ॥ कुणएयामिकते
कहो ॥ अलीकनएहमांग्रंथ ॥ ४९ ॥ सक्कंतारएसाधुजी ॥ पठिमदिशतु

मपंथ ॥ अथवादेषाडुंअमें ॥ एहमांअलीकनअंथ ॥ ५० ॥ मार्गदेषाडेमानि
नी ॥ चिंतेविस्मीतचित्त ॥ अहोअणगारअमधरी ॥ प्रियसाषीसुपवित्र ॥
॥ ५१ ॥ संगकरेएहसाधुनो ॥ तेहनोधन्यअवतार ॥ शुभपरीणांमेंइमसयल ॥
कर्म्मषप्यांइकतार ॥ ५२ ॥ धर्मलाभसूणीधर्मिणी ॥ प्रणमीमुनीवरपाय ॥
आरंभपरीग्रहतमअलप ॥ मार्द्दववलीअमाय ॥ ५३ ॥ तेकारणबांध्युंतिहां ॥
मनुजआयुमहाभाग ॥ विहारकरयोतिहांमुनीवरें ॥ मुनीवरएहजमाग ॥
॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ आजआणंदथयोप्रेमनांवादलवरस्यांदिहाडासोहला ॥ ए
देशी ॥ आजआणंदथयोमुनीवरदरीसणदिठुंधन्यदिनआजनो ॥ एआंकणी ॥
मुनीवरविचरयापणिनारीतणो ॥ शुभभावनदृढोजेहघणो ॥ आ० ॥ स्वेतां
बिकानयरीरायतणें ॥ लहीमरणनेंउपनीपुत्रीपणें ॥ ५५ ॥ आ० ॥ कोसला
नयरीनृपपेंपरणी ॥ यौवनवयआवीतसकरणी ॥ आ० ॥ तेकर्म्मरसथुंजेतूझ
शेश ॥ जरिवणीतसकारणसुविसेस ॥ ५६ ॥ आ० ॥ तूझरूपेंकरीनेंनृपढ
लीउ ॥ तूझकर्म्मशेषजेरह्योबलीउ ॥ आ० ॥ तसउदइंकदर्थनाबहुपामी ॥
परीव्राजिकालाव्याथीषामी ॥ ५७ ॥ आ० ॥ इमसांभलीमोहतिमीरगयो ॥
तवजातीसमरणमुझथयो ॥ आ० ॥ संवेगथीगुरुप्रणमीकह्यं ॥ कबएहकर्म
जअंतलह्यं ॥ ५८ ॥ आ० ॥ गुरुकहेएएकजअहोराते ॥ तवपुण्युंमेंवलिसुष
सातें ॥ आ० ॥ नृपजरूणीकहोजाणस्येंक्यारे ॥ वलतूंगुरुजीबोल्यात्यारे ॥
॥ ५९ ॥ आ० ॥ रातेंजबजरूणीपासें ॥ नरपतीजासेंअतीउल्लासें ॥ आ० ॥
पणितूझस्वलावथीफेरफार ॥ देषीसंकासेसुवीचार ॥ ६० ॥ आ० ॥ मंत्री
श्वरनेंतेकहेवात ॥ तवपरीक्षाकरवाअवदात ॥ आ० ॥ उलंघीजिनप्रतीमा
जाम ॥ जरूणीनुंकपटलह्युंताम ॥ ६१ ॥ आ० ॥ मारिमारिकरेलेईकरवा
ल ॥ अदृश्यजरूणीथईततकाल ॥ आ० ॥ पछेनृपकरस्येपश्चात्ताप ॥ अहो
राणीकदर्थिम्हेंआप ॥ ६२ ॥ आ० ॥ म्हेंकह्युंभगवननहीनृपदोष ॥ एकर्म्म
करयांतेहनोरोष ॥ आ० ॥ गुरुकहेसाचुंपणिमोहवसें ॥ आवसेंइहांविहाणें
वायतीसें ॥ ६३ ॥ आ० ॥ तूझदेषीतुझस्यूंसुषीहोस्ये ॥ तेपिणसझइनयणें

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येमनसंताप ॥ म्हेंकयूंप्रसूगयांमाहरांपाप ॥
॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीलवलयटलीउ ॥ संयोगवियोगथकीमली
उ ॥ आ० ॥ नृपत्र्यावेपणिमुझनहीरंग ॥ जरामरणपिमीतकिमसूखसंग ॥
॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेत्र्प्रत्यंतसुखीकहिइ ॥ नवीलोकनीतीनुंएलहीइ ॥
॥ आ ॥ जरामरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्ये ॥ ६६॥
॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरह्माजबगुरुविख्यात ॥
॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युंधन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांत्तलितुंससनेह ॥ ६७ ॥
॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममंचचित्तमांधार ॥ आ० ॥ सवि
सवटालेशीवसुखआपे ॥ गुणगणआवीत्र्प्रंगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें
कयूंकिरपाकरोसारी ॥ ऊंजाउंतुमचीवलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुझ
बामदीशे ॥ गुरुकहेतुंरहेशोसनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ ऊंविनइंनमतीइमजर
ही ॥ जिनवरसंत्तारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अखलीतादीकगुणस्यूंदिधो ॥
उपयोगेंम्हेंत्र्प्रंगीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुझत्तयजाणंसवीदूरगयो ॥ मानुं
मोरूतेमुझशनमुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी
मांएकपासेंरहेतां ॥ ७१ ॥ आ० ॥ मतधरजेत्तयमनमांकांइ ॥ हवेत्र्प्रमदरी
सणविहाणेथाइ ॥ आ० ॥ इमकहीगुरुपोहतानीजठामि ॥ ऊंहरषीउपनोवि
श्रांम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपखोलतोआव्योपरपरें॥
॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअन्नाणी ॥ ७३ ॥
॥ आ० ॥ म्हेंकह्युंतवकोपसमयनांहिं ॥ पूरवकृतशेषकरमआंहिं ॥ आ० ॥
नृपकहेऊंनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाण्यूंकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ०॥
बऊत्तवसोगवीउंवऊरीत ॥ तिहांतोतूम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा
मुझकर्मनोदोष ॥ इहांकरवोनहीकोईस्यूंरोष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे
सामान्येंऊंजाणुं ॥ तुझनाणविचोपऊंपरमाणुं ॥ आ० ॥ तवधुरथीकहीमें
सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसूविख्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांवे
तेदेपावो ॥ म्हेंकह्युंपासेंछेतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराय॥

हरषीवंद्यागुरुनापाय ॥ ७७ ॥ आ० ॥ गुरुइंपणिधर्मलाभदिधो ॥ गुरुआ
गेंसवीअवदातकीधो ॥ आ० ॥ अहोदूकृतथोकुंविपाकघणो ॥ तोमुऊसी
गतीथास्येतेसुणो ॥ ७८ ॥ आ० ॥ तिणेंजेमुऊकरवुंतेहकहो ॥ गुरुकहेसा
वद्यसर्वजहो ॥ आ० ॥ करोअतीतकालनुंपमीकमणं ॥ वलिवरतमाननुं
संवरणं ॥ ७ए ॥ आ० ॥ धरोअनागतकालनुंपच्चरवाण ॥ इमटलस्येक
र्म्मनुंबंधाण ॥ आ ०॥ इमसीवसूखथास्येकरतलें ॥ नृपसाषेअनुंयहकरयो
सलें ॥ ८० ॥ आ० ॥ ईमकरीइंगुरुजीतुमआणि ॥ मुऊनेंकहेसांभलोगुरु
वाणि ॥ आ० ॥ गुरुधर्म्मसारथीसमनहीमलें ॥ एहथीसव २ पातिकटलें ॥
॥ ८१ ॥ आ० ॥ म्हेंकथ्यूंजुगतुंतवनरराय ॥ महादानदिननेंदेवराय ॥ आ०॥
वलितीहांअगाईमहोछवथाय ॥ सुरसुंदरसुतराज्येंगाय ॥ ८२ ॥ आ०॥ अमात्य
साथेंबऊसामंत ॥ मुऊस्युंसऊअंतेउरवंत ॥ आ० ॥ व्रतलीधांअम्हेंगुरुजी
पासें ॥ विधीइंवर्द्धमानतेंचुसआसें ॥ ८३ ॥ आ० ॥ इमआठमेखंमेंसुविसा
ल ॥ कहीरुमीसत्तरमीढाल ॥ आ० ॥ एसमरादित्यतणेंरासें ॥ वरपद्मविज
यशुभअत्यासें ॥ ८४ ॥ आ० ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥
॥ डुहा ॥ ईणिपरेंगुरुणीआषवे ॥ करमविपाकएमुऊ ॥ तिणेंथोमुंकर्मतेंक
र्युं ॥ तसवीपाकएतुऊ ॥ ८५ ॥ सोगवेबऊसयकारीउ ॥ नरकतिरीमांने
म ॥ रतनवतीसुणिरंगस्युं ॥ कर्मकरयांजाइंकेम ॥ ८६ ॥ डुकृतनिजनोदो
षए ॥ जाणीनतपीइंतेए ॥ सम्यगूदेशविरतीश्राविका ॥ साधवीवचनश्रवणे
ए ॥ ८७ ॥ तुम्होधन्यजिणेंघरतज्युं ॥ डुखदालिद्रकरयांडुरिं ॥ ऊपणिधन्य
थईहवे ॥ पामीदरसणपुर ॥ ८८ ॥ ढाल० ॥ काहानआवोजीउरारेकऊं
एकवातमली ॥ एदेशी॥ गुरुणीजीमाहरारे ॥ स्वरनीवातमली ॥तुम्हेसाबोकेह
वीरसीछसांतमली ॥ परमाणंदजोगेरेकेसरतातुऊमले ॥ इमसाष्युंतुमुऊनेरे
केसंदेहकीमटलें ॥ ८ए ॥ गु० ॥ स्यूंपाम्यातेपिणरेकेजिनवरधर्मप्रतें ॥ गुरु
णीकहेजाणंरेकेएहवुंसांप्रतें ॥ ईणिअवसरहाथिरेकेगुलगुलशब्दकरे ॥
संध्यामंगलनारेकेतुरवाज्यांसुपरें ॥ ए० ॥ गु० ॥ बंदीजनबोल्यारेकेधर्मथी

स्यूंनहोइ ॥ नंदासंभारिणीरेकेलावीकटकदोई ॥ उज्वलफूललाव्योरेकेपुरोहीतइमकहे ॥ गुरुवंदनअवसररेकेसूणीचितगहगहे ॥ ९१ ॥ गु० ॥ सज्जसकूनतेरुभारेकेदेषीनेंचिंतवे ॥ लह्यांजिनवरवयणारेकेस्वामीइमसंसवे ॥ श्रुतदेवीआरीषारेकेभगवतीइंकह्युं ॥ परमाणंदयोगेरेकेतेपणिसदह्युं ॥ ९२ ॥ गु० ॥ करीवीनयनेंभाषेरेकेरातिइहांरहो ॥ गुरुणीकहेकल्पेरेकेपणिएवातलहो ॥ आलयछेपासेरेकेतिणेंअमेजास्यूंतिहां ॥ फिरीअवसरेंआवस्यूंरेकेहोज्योधर्मलालइहां ॥ ९३ ॥ गु० ॥ सावंदेपायारेउपासरेतेहगयां ॥ करिरातिनीकरणीरेवलीपरभातिथयां ॥ उठीनेंपोहतारेकेगुरुणीनेंपासें ॥ देशनादीकसूणीनेंरेकेगइघरिउल्लासें ॥ ९४ ॥ गु० ॥ इमबोल्यादिहाडारेकेच्यारतेअनुंक्रमें ॥ पांचमेदिनआवीरेवधामणीइमधरमें ॥ गुरुणीस्यूंवेगेरेआवीचंदसुंदरी ॥ कहेताहरोभरतारेआव्योआवीकाजकरी ॥ ९५ ॥ गु० ॥ भगवतीनुंअन्यथारेकेवयणहोइनही ॥ रतनवतीहरषीरेकेदिधुंदानउमही ॥ गुणचंदजीआव्यारेमिल्यातीहांरायनें ॥ विग्रहनीवातोरेकहीनमीपायनें ॥ ९६ ॥ गु० ॥ नृपेंसनमांनदीधोरेगयोहवेधसमसी ॥ आव्रेरतनवतीनेंरेपासेंजबउल्लसी ॥ तवदिठांगुरुणीरेकेनमेंहरषेंकरी ॥ धर्मलाभतेदिधोरेकुमरकहेचीत्तधरी ॥ ९७ ॥ गु० ॥ मुझपुन्यनाउदयनोरेकेपारनपामीइ ॥ सुगृहीतगुरुपासेंरेमीथ्यात्वमेंवामीइं ॥ तूमपासेंदेवीरेधरमपामीअछे ॥ तूम्हदरीसणडरलसरेपाम्योकंअघगछे ॥ ९८ ॥ गु० ॥ कुशलानुंबंधीरेपुन्यवीनाप्राणी ॥ एहवासाथनलहेरेगुरुणीकहेइमवाणी ॥ अनुंकरमेंपामेंरेसूखतेमुक्तितणां ॥ बिजानुंस्यूंकेहवुरेकुमरकहेतववयणां ॥ ९९ ॥ गु० ॥ पुन्यपापनाक्षयथीरेयद्यपिमोक्षलहे ॥ पणिकारणपुन्यानुरेबंधीपुन्यकहे ॥ तेवीणनवीलहीइरेआराधकपणुं ॥ गुरुणीकहेरुडुंरेतूमचुंजाणपणुं ॥ १०० ॥ गु० ॥ इमकरीधर्मचरचारेगुरुणीठामगयां ॥ दंपतीहोइधरमीरेमनमांमगनभयां ॥ हवेविजंजणसांभलेरेदेशनानीत्यतिहां ॥ जाइधर्मआराधतारेकोईककालइहां ॥ १ ॥ गु० ॥ रत्नवतीनेंउपनोरेसूतएकसोभागी ॥ राज्येंठवेराजारेगुणचंदवडभागी ॥ मैत्रीबलराजारेदिक्षाआदरे ॥ धर्म

थीसङ्कसामंतरेत्र्प्राणारायनीधरे ॥ २ ॥ गु० ॥ निकंटकपालेरेत्र्प्रलंकृतराज्यगु
णें ॥ त्रिणवर्गनइंसाधेरेत्र्प्रन्योन्यत्र्प्रबाधपणें ॥ सङ्कजनसूप्रशंसेरेदेवगुरुसेवें॥
इंमराज्यपालंतांरेंदानत्र्प्रतूलदेवे ॥ ३ ॥ गु० ॥इंणेंत्र्प्रवसरेंत्र्प्राव्योरेजलदकाल
रुम्नो ॥ हंसनागदूरेंरेवीरहीनेंत्र्प्रतिसूंम्नो॥ मोरम्नातिहांनाचेरेगरजारवथाय॥ ह
रण्यावप्पईयारेविजलीचमकाय ॥ ४ ॥ गु० ॥ दाडरबङ्कबोलेरेपृथिवीनीरव
हे ॥ नदिउंथईमातीरेसरोवरलहेरलहे॥ बगलानीपंतीरेपंथीघरिचाल्यां ॥ मही
षीनेंगायोरेटाढिकलहीमाहल्यां ॥ ५ ॥ गु० ॥ सरीतापुरजोवारेनिकलीउंरा
जा ॥ निजपरीवारसाथेरेत्र्प्रवलवेसताजा ॥ तृणकाष्टतणांणारेसरीतामांत्र्प्रावे॥
कलूषितबङ्कपाणीरेकांठेनवीमावे ॥ ६ ॥ गु० ॥ बिङ्कंतटतिहांपाम्नेरेलहेविस्ता
रघणो ॥ त्र्प्रारामविनासेरेपारनपुरतणो ॥ जलचरबङ्कदिशेरेत्समरीजलपावें ॥
मरजादामुंकीरेबालनेंविहावें ॥ ७ ॥ गु० ॥ इंमदेषीतमासोरेत्र्प्राव्यानीजगेहा॥
ढालत्र्प्राठमेरवंम्नेरेत्र्प्रढारमीएह॥ गुरुउत्तमविजयनोरेपद्मविजयसीस॥सांत्त
लज्योश्रोतारेसूणतांसुजगीश ॥ ८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ केईकदिनवलीव्यतीक्रम्या ॥ शरदसमयसंसालि ॥ त्र्प्रश्ववाहनो
त्र्प्रावीउं ॥ सूपतेसरितासालि ॥ ए ॥ मुलस्वसावेंनीरमली ॥ कुरनजलचरको
य ॥ बुधजनसेवीततेबङ्क ॥ सांत्तसुंदेषीसोय ॥ १० ॥ संवेगेंनृपसंवरी ॥ चि
त्तमांकरेवीचार ॥ रीधीत्र्प्राम्नंवरनवीरहे ॥ करेनीजपरत्र्प्रपकार ॥ ११ ॥ न
दिदृष्टांतेनीरषीइं ॥ पुरुषनोएहप्रकार ॥ सावनतटपाम्नेसली ॥ त्र्प्रातममलीन
त्र्प्रपार ॥ १२ ॥ वलित्र्प्रारंसपरीग्रहवधे ॥ करेउनमादकल्लोल ॥ चरणधर्म
वाम्नीचसे ॥ तजेकृत्यसीमत्र्प्राजोल ॥ १३ ॥ मोहतणीलमरीमहा ॥ परमार
थत्र्प्रणपांमि ॥ त्र्प्रबुद्धलोकधणंत्र्प्रम्नवमे॥ देषीत्र्प्रदसूतदाम॥ १४ ॥ सरिताप
रेंस्वसावथी ॥ त्र्प्रलगीजाइंउपाधि ॥ त्र्प्रनुक्रमेंतारीत्र्प्रातमा ॥ त्र्प्रनुसवेंत्र्प्रव्या
बाध ॥ १५ ॥ ढाल ॥ सूलोमनत्समरारेंकांयत्समे ॥ एदेशी ॥ त्र्प्रापस्वसावमां
हिरमे ॥ त्र्प्रावेजोरेवीवेक ॥ पापमीत्रनेंपरीहरे ॥ शुत्तपरीणामनीटेक॥ १६॥
गुणचंदरायसंवेगीउं ॥ एत्र्प्रांकणी ॥ त्र्प्रध्यवशायसलाहोइं ॥ त्र्प्रर्थत्र्प्रनर्थनो

कार ॥ अंतरायपरलोकनो ॥ मिथ्यात्सीमानविस्तार ॥ १७ ॥ गु० ॥ क्लेशहो
यजेहथीघणो ॥ ज्ञाननीपरणतीनाश ॥ कपटकरेवलीआकरू ॥ लोसथीसर्व
विनास ॥ १८ ॥ गु० ॥ कर्मादानव्यापारनें ॥ सेवेपापअनेक ॥ कुसलजोग
जाइंवेगलो ॥ पापमतीअतीरेक ॥ १९ ॥ गु० ॥ द्रव्यउपगारछेयद्यपी ॥ प
णिअल्पकालिकएह ॥ परपीमाहोइंघणी ॥ किमआदरीइंतेह ॥ २० ॥ गु०॥
द्रव्यस्तावउपगारमां ॥ स्तावतेजाणिप्रधांन ॥ इमचिंतवतांवाधीउं ॥ शुभपरी
णामनीदान ॥ २१ ॥ गु० ॥ आवीमंदिरनरपती ॥ संभलावेतेहवात ॥ रतन
वतीमंत्रीप्रतें ॥ बोलेतेअवदात ॥ २२ ॥ गु० ॥ जिमसाध्युंतुम्हेस्वामीजी ॥
कीजेंइंछीतकाज ॥ कालरूपइंहांनवीघटें ॥ चंचलजीवीतराज ॥ २३ ॥ गु० ॥
जाइंधरममांजेघमी ॥ तेहप्रशंसवालाग ॥ सांभलिउदघोषणाकरी ॥ देनोदा
नअथाग ॥ २४ ॥ गु० ॥ सर्वदेहरेंविरचावतो ॥ पुजाअनेकप्रकार ॥ ज्ञाता
कल्पसूत्रेंकही ॥ रायपसेणीमझारि ॥ २५ ॥ गु० ॥ जिवाभिगममांहिवली ॥
पुजाकहेजिनराय ॥ तेहउवेषेजेप्राणीआ ॥ मुंढाडरगतीजाय ॥ २६ ॥ गु० ॥
धृतीवलपुत्रराज्येंठवी ॥ सज्जनेंदेईसनमांन ॥ षवरिगुरुनीकढावनो ॥ जाणी
तेहनुंथान ॥ २७ ॥ गु० ॥ रतनवतोसाथेंलेई ॥ सामंतनेंपरधांन ॥ चाल्या
काशीदेशमां ॥ संयमनुंधरोध्यांन ॥ २८ ॥ गु० ॥ वाणारसीनयरीवसे ॥
विजयधर्मसूरीराय ॥ धर्मलाभसूरीसरदिइं ॥ जववंद्यागुरुपाय ॥ २९ ॥ गु०॥
पुछ्यापछीसघलूंकहे ॥ आगमकारणसार ॥ वाणारसीपतीवज्जकरे ॥ द्रव्यथ
कीउपचार ॥ ३० ॥ गु० ॥ सज्जसाथेंमहामहोछवें ॥ वधतेशुभपरीणाम ॥
संजमलेवेनरवरू ॥ विचरेग्रामानुंग्राम ॥ ३१ ॥ गु० ॥ सुत्रभण्याकीयाअल्यसी ॥
समइंथयाअतीप्राय ॥ एकलवीहारअंगीकरूं ॥ पुछ्याश्रीगुरुराय ॥ ३२ ॥
गु० ॥ आणाजवगुरुजीकरे ॥ तवसूत्रादिकजेह ॥ तुलनापंचप्रकारनी ॥
करेपुरवेंकहीतेह ॥ ३३ ॥ गु० ॥ यतः ॥ सूत्तेणंअछेणं ॥ इत्यादीतथापढमाछवस्सयं
मी ॥ बिहाबाहीतईतईयाचउक्कंमी ॥ सूतपरमीचउछी ॥ तहपंचमीआमसा
णंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ इंणिपरेंसत्वतोलीकरी ॥ एकलमल्लविहार ॥ सूत्रविधिअं

गीकरे ॥ पालेनीरतीचार ॥ ३४॥ मु०॥ काउगयोइंमकेतलो ॥ इकदिनकरत
विहार ॥ कोल्लांगसनीवेसेंगया॥ रहिआएकांतठारा॥३५॥गु०॥काउसग्गकरी
नेंरह्या॥आठमेंखंमेंढाल॥उगणीसमीपद्मेंकही॥सूणतांमंगलमाल॥३६॥गु० ॥
॥ दुहा ॥ मलयजातांवाणमंतरो ॥ मिलीयामुनीमाहंत ॥ कोपचढयोचित्तक
लकल्यो ॥ चितमांइमचिंतंत ॥ ३७॥ पापीदिठोपापथी ॥ कपटकरेजुउ
केंम ॥ मुंकुंशिलाइहांमोटिकी ॥ तूरतमरेएतेम ॥ ३८ ॥ मोरेएहनेंमाहरूं ॥
सफलवीद्याकुलशार ॥ रौद्रध्यानेंअतीरोसथी ॥ वंछितकरेविकार ॥ ३९ ॥
ढाल० ॥ नवमीवांमेंनीवारयोरे ॥ साधुजीसणगार ॥ एदेशी ॥ पासेंपरवत
थीशिलारे ॥ विद्यावलथीरेलीध ॥ मुंकेगगनथीमुनीसिरेंरे ॥ पिमाअतीसयकि
ध ॥ ४० ॥ पणिनवीसावथीपीमीआरे ॥ जोवेषेचरतेह ॥ जिवतादेषीको
पीउरे ॥ चिंतवेअहोजुउएह ॥ ४१ ॥ जिवनशक्तिअहोघणीरे ॥ अहोपरस
वपरूपात ॥ अवज्ञामुजउपरेरे ॥ एहनीअपुरववात ॥ ४२ ॥ मुंकीमोहटी
शिलावलीरे ॥ तेहथीपीमीरेकाय ॥ पणिनवीसावपीमाईउरे ॥ देषीक्रोधसत
राय ॥ ४३ ॥ त्रिजीवारतूरततिणेरे ॥ मुंकीएकमहंत ॥ पणितिमहीजदेषीक
रीरे ॥ अतिसयषेदलहंत ॥ ४४ ॥ चिंतवेमारीनवीशकुं ॥ करूधर्ममांअंत
राय ॥ कोईकनुंघरमुंशीनें ॥ मुंकुंएहनेपाय ॥ ४५ ॥ लोकनेंकहूंमहापापी
उ ॥ जुउकेहवांकरकाम ॥ लोकतेकरस्येकदर्थना ॥ आपदालहेस्येरेतांम ॥
॥ ४६ ॥ जिमचिंतव्यूंतिमहीजकरयुंरे ॥ संलावेकोटवाल ॥ आव्योतला
रदिठामुनी ॥ परमदयालमयाल ॥ ४७ ॥ तपशोषीततनुंएहनुंरे ॥ दिशेमुर
तिशांति ॥ चित्तआकुलनहीएहनुंरे ॥ सोगरहीतएकांति ॥ ४८ ॥ एकिम
करस्येएहवुं ॥ अथवाकपटविचोत्त ॥ करूंपरीक्षाएहनी ॥ यद्यपीदीशेप
वीत्त ॥ ४९ ॥ जामनीकुंजेनीहालीउ ॥ उपनीशंकारेताम ॥ पूछ्युंपणिनवी
बोलीआ ॥ तर्जनाकरताप्रकाम ॥ ५० ॥ तोपणिनवीबोलेयदा ॥ तवषेच
रहरषंत ॥ अध्यवशायनीकुरता ॥ नरकआयुबंधंत ॥ ५१ ॥ रौद्रध्यानें
निकाचीउं ॥ हवेचिंतवेकोटवाल ॥ कहिइंनृपनेंजेगमे ॥ तेहकरोनरपाल ॥

॥ ५२ ॥ संसलाव्युंसूपालनें ॥ आव्योवीश्वसेनराय ॥ दिठातवतिणेंउलस्या ॥
प्रणम्यासगतेरेपाय ॥ ५ ३॥ पुछेकोटवालनेंतूम्हे ॥ किधुंछेप्रतीकुल ॥ तेक
हेतेहवुंकांयनही ॥ तवनृपकहेअनुंकूल ॥ ५४ ॥ राजऋषीएअम्हतणारे ॥
स्वामीगुणचंदराय ॥ निरुपसरगसूपालिनेंरे ॥ नरसवसफलकराय ॥ ५५ ॥
सयलसंगत्यागीगुरु ॥ वरतेछेएहध्यांन ॥ अप्रतीवंधपणेंरहे ॥ किधाछेअनुं
ष्टान ॥ ५६ ॥ एकलविहारअंगीकरयो ॥ बोल्योतामतलार ॥ धन्य २ करी
षामीउ ॥ नृपकहेस्योएविचार ॥ ५७॥ कोटवालकहेजिणेंकर्युं॥ तेनरछेंश्णो
ठार ॥ नृपकहेकिहांछेदाषवो ॥ अदृशथयोतेणीवार ॥ ५८ ॥ नजम्योतव
सूपतीसणें ॥ कोईकउपसर्गकार ॥ सुरषेचरहोस्येसही ॥ डष्टतणेएप्रकार
॥ ५९ ॥ कहोअंतेउरनेतूम्हे ॥ जनपदनेंसूवीशेस ॥ आव्यास्वामीतुमतणा ॥
गुणचंदजेहनरेश ॥ ६० ॥ धरममुरतिधरीआवीउ ॥ दिठेपापपलाय ॥ शि
वसूखकारणस्वामीजी॥ निःसंगीमुनीराय॥६१॥विसवशक्तीसक्तिघणी॥ वंदो
नीजउपगार ॥ कोटवालेंजणव्युंसवे ॥ सहुनेंहर्षअपार॥६२॥ आविसहुइं
वंदिआ ॥ पुजाकरीविस्तार ॥ गुणस्तवनावलि २ करे ॥ दरीसणविस्मयका
र ॥६३॥ आठमेखंमेएकही ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पल्लवीजयएविसमी ॥
सुणतांलीलवीलास ॥ ६४ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ आव्योकवामीइंणसमे ॥ सुणोकहेवातसरुप ॥ एअणगारनेंउपरें ॥
नांषीशिलाअनुंप ॥ ६५ ॥ आवीमार्गआकाशथी ॥ नवीदीठोनयणेन॥ नवी
नाठानेनविचल्या ॥ कोणजाणेंकर्युंकेण ॥ ६६ ॥ तसनीघातेंत्रासीउ ॥ मु
छीलसोमहाराय ॥ आगलिनवीजाणंअवर ॥ किधुंमुंनीनेंकांय ॥ ६७ ॥
एहशिलाडगअपरजे ॥ तेपणिनाषीतेण ॥ महापापीविणमानवी ॥ जुउनेंन
करेजेण ॥ ६८ ॥ शोकातूरथयासांसली ॥ राणीपूरजनराय ॥ अहो२ऋषीरा
यनें ॥ डष्टमहाडखदाय ॥ ६९ ॥ अहोक्लिष्टकर्म्माअहो ॥ अहोअलोकी
कएह ॥ अहोनीरदयताएहनी ॥ नहिविवेकनेंनेह ॥७०॥ अहोगुणद्वेषीआ
करो ॥ मुनीवरमहाव्रतवंत ॥ अज्ञानीस्यूंनआचरे ॥ मोहेसहुमुझंत ॥ ७१ ॥

प्रथवीपतीइमविलपतो ॥ जाणिमुनीवरजाण ॥ पुरेध्यानेंपारीउ ॥ काउस
ग्गइमकेहवाण ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ सरतन्नपसावस्युंए ॥ एदेशी ॥ मुनीवरक
हेसूणिराजिम्राए किधांकर्मनजाय ॥ आपोआपसोगवेए ॥ एहअलपदुख
राय ॥ ७३ ॥ नमोमुनीरायनेंए ॥ धन२एहनीमाय ॥ नमो० ॥ एआंकणी॥
एहअनादिसंसारमांए ॥ कर्म्मसंतानअनादि ॥ दुखेव्यापीरह्योए ॥ निजगु
णऋध्धिआगदि ॥ ७४ ॥ नमो० ॥ जनमजरामरणेंलस्योए ॥ दिनताइष्टवी
जोग ॥ सोगबहुउपजेए ॥ वलितनुंमांअतीरोग ॥ ७५ ॥ नमो० ॥ इमजा
णीवैराग्यथीए ॥ समकीतमुलव्रतबार ॥ वलीचारीत्रलिइंए ॥ गांमीनीजआ
गार ॥ ७६ ॥ नमो० ॥ छठअठमादिकतपकरेए ॥ सीलंगसहस्सअढार ॥
पालिसूरसवलहेए ॥ शिवसुखअनुंक्रमेंसार ॥ ७७ ॥ नमो० ॥ केइकक्लीव
पुरुषवलीए ॥ कामसोगलपटाय ॥ बहुदुखसोगवेए ॥ निचनीसेवकराय ॥
॥ ७८ ॥ नमो० ॥ सीमसंग्राममांहेअफेए ॥ पेसेसमुद्रमझारि ॥ मित्रादिकनें
ठगेंए ॥ विषयासीलाषप्रकार ॥ ७९ ॥ नमो० ॥ परसवनरगेंसंचरेए ॥ गं
मीचंचलआय ॥ लह्यांम्हेंदुखघणांए ॥ वारअनंतीप्राय ॥ ८० ॥ नमो० ॥
सिन्न२सातेंधरीइं ॥ दुखतणोनहीपार ॥ कुंसीपाकेंपच्योए ॥ तिव्रशस्त्रेंलसो
मार ॥ ८१ ॥ नमो० ॥ करवतथीवेहर्योवलीए ॥ काष्टनेंजिमसूत्रधार ॥ से
ह्योत्रिशुलेंकरीए ॥ जंत्रेंपिल्योअपार ॥ ८२॥ नमो० ॥ वज्रतुंमपंषीथईए ॥
षाधोकरतोरीव ॥ तातांजोतरकरीए ॥ मुंक्यामाहरीग्रीव ॥ ८३ ॥ नमो० ॥
इंमकरीरथवहेवराविउए ॥ तिल २ षंमकर्योकापि ॥ दिशोदिशबलीकरेए ॥
हिंसानांएपाप ॥ ८४ ॥ नमो० ॥ जिसतालूथीकाढतांए ॥ एअलीकबोल्या
नोसेद ॥ वलिपरद्रव्यलिउए ॥ काननाककरेछेद॥ ८५ ॥ नमो०॥ धगधगती
लोहपुत्रीकाए ॥ आलिंगनदिइंदेव ॥ वैतरणीमांठवेए ॥ उष्णनीरनितमेव ॥
॥ ८६ ॥ नमो० ॥ छायजाणीसामलीतलेंए ॥ बेसवाजउंजाम ॥ पमेंतसपत्र
जेए ॥ काननाकछेदेताम ॥ ८७ ॥ नमो० ॥ ताढि १ ताप २ सूष ३ तर
स ४ नीए॥षरजनें ५ परवसताप ६॥सोगसय ८ ज्वर ९घणोए॥दाह १०

अतीसयथाय ॥ ८८ ॥ नमो० ॥ एदशवेदनानरगमांए ॥ बलिकंकशुनक नेंकाक ॥ रोताचुंटेंघणंए ॥ पापकरमपरीपाक ॥ ८९ ॥ नमो० ॥ आंषिमि चीउघामीइंए ॥ नहिसुखतेतीवार ॥ तिरीगतीमांवलीए ॥ पाम्योडखअपार ॥ ९० ॥ नमो० ॥ म्हणलंजननेंवधहोइंए ॥ बऊवहेवरावेसार ॥ षमीसूषतरस नेंए ॥ नवीकरेंकोइसूसार ॥ ९१ ॥ नमो० ॥ नरसवमांपरवशपणंए ॥ नि रधननेंवलीक्लीव ॥ तिणेंनरपतीसूणोए ॥ शोकनकरीइंअतीव ॥ ९२ ॥ न मो० ॥ रायकहेतुमेस्वामीजीए ॥ किधोसफलअवतार ॥ करयोथीरआतमा ए ॥ अंतररिपुजयकार ॥ ९३ ॥ नमो० ॥ शोचणयोग्यतूम्हेनहीए ॥ टां म्योप्रमादप्रसंग ॥ अंगितपसिरीकरीए ॥ प्रापशायशीवसंग ॥ ९४ ॥ नमो० ॥ शोचवायोग्यतेतेथयोए ॥ जिणेंकीधोउपसर्ग ॥ गुरुकहेतवसूणोए ॥ एहवो संशारसंसर्ग ॥ ९५ ॥ नमो० ॥ परचिंतातूस्युंकरेए ॥ करिनीजआतमचिंत ॥ सुणिनृपउच्चरेए ॥ आणाकरोसगवंत ॥ ९६ ॥ नमो० ॥ कोपासेंव्रतआदरुं ए ॥ विजयधर्म्मगुरुपास ॥ मुंनिइंणीपरिंकहेए ॥ करयुंप्रमणवचतास ॥ ॥ ९७ ॥ नमो० ॥ गुणचंदमुंनीहवेविचरीआए ॥ वाणमंतरहवेतेह ॥ करी महाकर्मनेंए ॥ रोगेंथईषीणदेह ॥ ९८ ॥ नमो० ॥ इंद्रियहांणीलक्षाघणंए ॥ अशु सउदयथयोतास ॥ स्वसावफरयोवलीइं ॥ करेआक्रंदवेषास ॥ ९९ ॥ नमो० ॥ वैद्यनीपुणउपदेशथीइं ॥ विष्टाप्रमुखमुषदिध ॥ कंटकशज्याकरीए ॥ ईमकां यकसूखसीद्ध ॥ ७०० ॥ नमो० ॥ रौद्रध्यांनदोषेंकरीए ॥ तेत्रीससागरआ य ॥ सातमीनरगेंगयोए ॥ महाडखनोसमुदाय ॥ १ ॥ नमो० ॥ गुण चंद्रपणिरीषीराजीउए ॥ पालीसंजमशुद्ध ॥ करीसंलेषणाए ॥ सावनासावी वीबुद्ध ॥ २ ॥ नमो० ॥ करमराशीबऊषयकरीए ॥ स्वामीसपलाजीव ॥ नमीवितरागनेंए ॥ थानिकजोईनिरजीव ॥ ३ ॥ नमो० ॥ पादपोपगमअण सणकरीए ॥ पालीनीरतीचार ॥ रुंधीचेष्टाप्रतेंए ॥ बऊवंदेअणगार ॥ ४ ॥ नमो० ॥ गाइंदेवांगनागीतमांए ॥ स्तवनाकरेनरदेव ॥ त्यजिनीजदेहनेंए ॥ थयासरवारथेंदेव ॥ ५ ॥ नमो० ॥ तेत्रीससागरआउषेंए ॥ सुखशागरकी

लंत ॥ एनरसवआठमोए ॥ आठमोखंमएअंत ॥ ६ ॥ नमो० ॥ एकविस ढालेंसोहामणोए ॥ समरादित्यनेंरास ॥ अढारबेंतालीसेंए ॥ सूदिदसमीसाद माश ॥ ७ ॥ नमो० ॥ श्रीविजयसिंहसूरीसनाए ॥ अंतेवासीमुख्य ॥ क्रियाउधारकरयोए ॥ सत्यविजयसूसीष्य ॥ ८ ॥ नमो० ॥ कपुरविजयतस पाटवीए ॥ षीमावीजयतससीस ॥ षिमागुणथीसरयाए ॥ जिनवीजयसू जगीस ॥ ९ ॥ नमो० ॥ उत्तमविजयजीतेहनाए ॥ सीष्यशीरोमणीशार ॥ पंमीत्तगुणेंआगलाए ॥ समतारससंभार ॥ १० ॥ नमो० ॥ कल्याणपासपशा यथीए ॥ पद्मविजयकहेंइम ॥ विसलनगरेंरहीए ॥ समरादित्यगुणप्रेम ॥ ॥ ११ ॥ नमो० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणि शिष्यपं० पद्मवीजयगणि ॥ विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकतप्रबंधेगुणचंद्रनृपवाणमंतरासिधानविद्याधरयोः अष्टमनरसवः समाप्तः ॥ सर्वगाथा ॥ ॥ ७११ ॥ उक्तगाथा ॥ ५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ए० ॥ दुहा ॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ शांतीसदासुखकार ॥ समरीसरसती सामिनी ॥ गुरुगुणज्ञानदातार ॥ १ ॥ आठखंमकह्याइणिपरें ॥ दिन २ चढतेदाव ॥ नवमोखंमहवेनीरमलो ॥ साधुंआणीसाव ॥ २ ॥ समरादित्यसोहामण ॥ गुणद्वेषीगीरीसेण ॥ नृपसूतनेंचंमालनर ॥ सांसलोइंसयणेण ॥ ३ ॥ शेणिजं बुद्वीपेंअछइं ॥ सरतषेत्रसररीद्धि ॥ उज्जेणीनयरीप्रवल ॥ प्रथिवीमांहिप्रसीद्ध ॥ ४ ॥ मंदिरगढमढमालीआं ॥ विहारआराभविशेष ॥ पोलीपागारमारगपृथु ॥ अमरजुइंअनीमेष ॥ ५ ॥ ढाल ॥ उसीसावलदेराणीअरजकरेछे ॥ अब कोवरसालोघरिकिजेंहो ॥ गढबुंदीराहामावाल्हाचलणनदेस्यूं ॥ एदेशी ॥ लष

मीचवजाणीपरीषामीसविधीइं ॥ रजुपरेंमानुंबांधीहो ॥ सूणोतवीश्रणसाव
इं ॥ गुणगुणवंतकेरा ॥ सज्जनगुणरयणेंकरीसूषीत ॥ रुपकलासऊइंसाथी
हो ॥ ६ ॥ सु० ॥ जेहनीसीमासरोवरसोहे ॥ नलिनीवनेंसरसोहेहो ॥ कम
लेंनलीनीनेंकसलतेभमरें ॥ भमरगुंजारवेंमोहेहो ॥ ७ ॥ सु० ॥ नामेंपुरीस
इंसहतेहनोराणो ॥ सुंदरीराणीजाणोहो ॥ त्रिणवर्गश्राधतांकालगमावे ॥ दंपती
दोयवषाणोहो ॥ ८ ॥ सु० ॥ इणसमेसुरसरवारथवासी ॥ तिहांथीचव्याश्रायु
पालीहो ॥ सुंदरीकुषेंउपनोजीहारे ॥ जागीसुपनेंरवीसालीहो ॥ ए ॥ सुं० ॥
पतीनेंकहेम्हेंसूरयसूपनें ॥ दिठोश्राजप्रभातेंहो ॥ कमलाकरविकस्वरकरतो ॥
किन्नरतसगुणगातेहो ॥ १० ॥ सुं० ॥ गगनविसूषेतिमीरविणासे ॥ लोकक
रेपरणामहो ॥ श्रातपेंसौम्यतेपेसतोउदरें ॥ तेहनुंफलकहोस्वामीहो ॥ ११ ॥
सुं० ॥ नृपहरषीकहेतूऊसूतहोस्ये ॥ त्रिभूवनमांविख्यातहो ॥ तहतीकरीप
तीवचनप्रमाणी ॥ श्रनुक्रमेंजनमतेजातहो ॥ १२ ॥ सुं० ॥ रुमेनपेतरेंकर
शुमुहूर्त्त ॥ विणसंक्रेगेंश्रायोहो ॥ सिद्धिमतिदासीइंवधायो ॥ नृपमनहरषन
मायोहो ॥ १३ ॥ सुं० ॥ दासीनेंदानदेईनेंकरावे ॥ वंदिमोचनरायहो ॥ श्र
नीवारीतदाननेंदेवरावे ॥ ॥ नयरम्होछवमंमायहो ॥ १४ ॥ सुं० ॥ पथ्थरायप्र
मुखजेनरदेवा ॥ तेहनेंकरताजाणहो ॥ बऊउछवनित २ प्रतेंकरतां ॥ ऊउ
मासप्रमाणहो ॥ १५ ॥ सुं० ॥ सुपनप्रमाणेंपीतामहकेरूं ॥ समरादित्यदिइं
नामहो ॥ इणश्रवसरजीववाणमंतरनो ॥ नारकनीकल्योतामहो ॥ १६ ॥
सू० ॥ नानाभवतिरिगतिमांभटकी ॥ दऊडरवषमतोतेहहो ॥ करमवसेंसी
श्रालीउऊउ ॥ मरणलहीवलीएहहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ इणिहिजनयरीइंचं
फालपाफे ॥ गंठीगनामचंमालहो ॥ जक्षदेवानामेंतसनारी ॥ तासकुषेंततका
लहो ॥ १८ ॥ सू० ॥ गिरीसेननामेंपुत्रजऊउ ॥ जन्मतीऊरवीउदीनहो ॥
कुरूपीपणेंकालगमावे ॥ पापराशिधनहीनहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ समरादि
त्यपुण्यफलश्रनुभवता ॥ पुरवसूकृतश्रभ्यासेंहो ॥ सयलकलावायकालेंशी
ष्यो ॥ साषीमात्रगुरुपासेंहो ॥ २० ॥ सू० ॥ कुमरपणेंपणिपुरवश्रभ्यासें ॥

शास्त्रचिंतनघणकरातोहो ॥ तत्वजुक्तिइंवातठरावे ॥ सावेसावनाञ्प्रवदातोहो ॥
॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकप्रछन्नहो ॥ पुण्या
नुबंधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाणनीरमल
नेंत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसंपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनहीउक्त
त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआदर ॥
नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीडानेंविषयनसेवे॥महावैरागीकुमारहो ॥२४॥
सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चिंतवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकंदर्प्पनेंवीत्तअ
तूलछे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रवर्मा ॥ रा
यकन्याघणंइछेहो ॥ मुनीदरसणनलह्योपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनप्री
छेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ सूषणनकरेमानोहो ॥ री
जुतानमुंकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यसंसारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिन
थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुझचीजहो ॥ तपकहेसवीसुखमुझनेंहो
स्ये ॥ एहकल्याणनुंबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेखंडमें ॥ स
मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीशउत्तमविजयनोजंपे ॥ आगलिवातविलासेंहो ॥
२९ ॥ सू० ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥ ॥ छ ॥
॥ दुहा ॥ उज्वलितगोष्टीदेषीइं ॥ सूंपुंतेहनेंसंग ॥ कलावंतक्रिडानीपुण ॥ मदन
विशीष्टमत्तंग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससंगेततकाल ॥ अतिप्रमो
दउपजावस्ये ॥ मुझनेंतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोककामांकुरअछे ॥ ललितां
गनामलहंत ॥ चतूरचुडामणीचिंतवी ॥ कहेतेमीसूकंत ॥ ३२ ॥ जतनकरी
तुम्हेजोपस्यूं ॥ समरादित्यसूजाण ॥ लोकमारगमांलावीइं ॥ एछेअमची
आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकवीतोकाल ॥ सझसेलावि
चरेसदा ॥ खेलेनवरख्याल ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ विंझाजीहोरतनकूउनेंमुखसां
कमुंहोवीझा ॥ किमकरीकरुप्रवेशवयणवाल्हासयणरुडा ॥ एदेशी ॥ वाह
लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईइंहोमित्ता ॥ इमकरीचाल्यातेह ॥ छेलवाल्हा ॥
सयणरुडा ॥ वा० ॥ विणाप्रयोगेंदेखावताहोमीत्ता ॥ काव्यविनोदकरेह ॥

॥ ढ० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्यूंहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥
॥ढ०॥वा०॥ कामशास्त्रबोलेघणांहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ढ० ॥३६ ॥
॥वा०॥ बांधेंहिंघोलाहूंषस्यूंहोमीत्ता ॥ हिंचेतिहांधरीप्रीति ॥ढ०॥वा०॥ गित
गाइंप्रतिरुअर्मांहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित्त ॥ ढ० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु
सुमसायरापाथरेहोमीत्त॥वरणवतापंचबाण ॥ ढ०॥वा०॥ तदेषीचित्तचिंतवे
होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ढ० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वधतेसंवेगेंकरीहोमी
त्ता ॥ अहोएकीमबोधाय ॥ ढ० ॥ वा० ॥ मुढदशाप्रतीआकरीहोमीत्ता ॥
किमउपगारतेथाय ॥ ढ० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणितेहनाउपरोधथीहोमीत्ता ॥
नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ढ० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणेंहोमीत्ता ॥ आ
चरयूंतसअनुंकुल ॥ ढ० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥
उपजाव्योविसवास ॥ ढ० ॥ वा० ॥ एकदिनसहूमीत्रेंमीलीहोमीत्ता ॥ मां
ड्योवातविलास ॥ ढ० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ बोलेअशोकइंणिपरेंहोमीत्ता ॥ का
मशास्त्रसमनांहि ॥ ढ० ॥ वा० ॥ अवरकिस्यूंतवबोलीउहोमीत्ता ॥ कामांकू
रउगहि ॥ ढ० ॥ ४२ ॥ वा०॥ एहमांकांयनपुछवुंहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग
सधाय ॥ ढ० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुंहोमीत्ता ॥ तेहथीसंरक्षणथाय ॥
॥ ढ० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुद्धसंततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधर्म्म
॥ ढ० ॥ वा० ॥ दारासुतसूद्धथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनांसर्म ॥ ढ० ॥
॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतमीपजेंहोमीत्ता ॥ तिणेंत्रणवरगनुंहेत ॥
॥ ढ० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगसतुंकसुंहोमीत्ता ॥ एहमांदोसनदेत ॥ ढ० ॥
॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसतुंजाणज्योहोमीत्ता ॥ धरमअरथफलकां
म ॥ ढ० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोक्षनोनहीफलगांम ॥
॥ ढ० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गछेहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥
॥ ढ० ॥ वा० ॥ अशोककहेइहांसाखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥
॥ ढ० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामांकुरकहेएपरुंहोमीत्ता ॥ ललितांगकहेइंम
नाम ॥ ढ० ॥ वा० ॥ करीइंपशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोलनतरजेउद्दाम ॥

शास्त्रचिंतनघणुरातोहो ॥ तत्वजुक्तिईवातठरावे ॥ सावेसावनाप्रवदातोहो ॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकप्रछन्नहो ॥ पुण्य नुबंधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाणनीरमा नेंत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसंपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनहीछ त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआद नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीडानेंविषयनसेवे॥महावैरागीकुमारहो ॥२ सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चिंतवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकंदर्प्पनेंवी तूलछे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रवर्मा यकन्याघणीइछेहो ॥ मुनीदरसणनलह्योपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीका छेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ भूषणनकरेमानोहो जुतानमुंकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यसंसारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुक्तचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखकु स्ये ॥ एहकल्याणनुंबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेरवंडें मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीशउत्तमविजयनोजंपे ॥ आगलिवातविला २९ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ उल्लसितगोष्टीदेषीइं ॥ सूंपुंतेहनेंसंग ॥ कलावंतक्रिडानीपुण विशीष्टमत्तंग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससंगेततकाल ॥ द उपजावस्ये ॥ मुक्तनेंतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोककामांकुरअछे गनामलहंत ॥ चतूरचुडामणीचिंतवी ॥ कहेतेमीसूकंत ॥ ३२ ॥ तुम्हेजोपस्यूं ॥ समरादित्यसूजाण ॥ लोकमारगमांलावीइं ॥ ए आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकवीतोकाल ॥ स चरेसदा ॥ खेलेनव२ख्याल ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ विक्राजीहोरतन कडुंहोवीक्रा ॥ किमकरीकरुप्रवेशावयणवालहासयणरुडा ॥ लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईइंहोमित्ता ॥ इमकरीचाल्यातेह ॥ सयणरुडा ॥ वा० ॥ विणाप्रयोगेंदेखावताहोमीत्ता ॥ काव्य

नसुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअंधकार ॥ ढे० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
लसूतछेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ ढे० ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवधे
लाघवहोइहोमीत्ता ॥ वलिअविस्वासनोगाम ॥ ढे० ॥ वा० ॥ शरीरस्थीतीहोइ
कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्दाम ॥ ढे० ॥ ६३ ॥ वा० ॥ बहुसेवेजो
विषयनेंहोमीत्ता ॥ तोहोइक्षयीमुखरोग ॥ ढे० ॥ वा० ॥ मोहीनेंएमनोहरु
होमीत्ता ॥ मिथ्यात्तीमाननेंयोग ॥ ढे० ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखमेंविजीक
हीहोमीत्ता ॥ मित्रबोधननीढाल ॥ ढे० ॥ वा० ॥ पद्मवीजयकहेआगलेहो
मीत्ता ॥ दिइउपदेशरशाल ॥ ढे० ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ मोक्षअलोकीकमानीइ ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
कवश्यो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ६६ ॥ संपूरणकारयसवे ॥ अव्यावाधअ
नुप ॥ जनमजरानहीजेहनें ॥ सूखउतकृष्टसरुप ॥ ६७ ॥ ज्ञानध्यानपणि
गुणअछे ॥ धर्म्मरुपतेधारि ॥ क्षयोपशमक्षायकहोइ ॥ सफलतदासंशार ॥
॥ ६८ ॥ कामअनिंदितकोइकहे ॥ पणितेनांहिप्रकार ॥ तिरिपणिसोगवतां
तूरत ॥ निंदितछेनीरधार ॥ ६ए ॥ कामशास्त्रतेंकारणें ॥ करेअनाणप्रका
स ॥ अदत्तागहणअवलोकीइ ॥ साषेंजीनवरतास ॥ ७० ॥ यतः ॥ तंना
महोइसढं ॥ जंहियमछंजणस्सदंसेइ ॥ जंपुणअहियंतिसया ॥ तंणएकंकत्तो
च्चयंसढं ॥ १ ॥ ताजंकामुद्दिरण ॥ समढसढंनतंबुहजणेण ॥ सुमीणेविजंपी
यव्वं ॥ पसंसियवंचउवयणं ॥ २ ॥ डुहा ॥ सुखदाईसडुसत्वनें ॥ उपजावेउ
पसम्म ॥ परसंसवुंनेजंपवुं ॥ क्षदइजाणोरम्म ॥ ७१ ॥ यतः ॥ पसमाईसाव
जणयं ॥ हियमेगंतेसत्ताणं ॥ निउणेणजंपीयवं ॥ पसंसियवंचसुवीसुद्धं ॥ ३ ॥
॥डुहा॥ सांभलीवीस्मयसहुलह्या॥ चित्तमांकरेविचार ॥ अहोविवेकअहोसाव
ना॥अहोवैराग्यअपार ॥ ७२ ॥ कृतज्ञगुणअहोकेहवो ॥ एहवाअध्यवशाय॥
नविहोईमुनोवरमनें ॥ इमचित्तअचरीजथाय ॥ ७३ ॥ ढाल ॥ आवोजीलाहरी
आवाहला ॥ मीतुं२बोलेतासारा ॥ दिवाएहवाफेरथकीयुतारा ॥ आवो० ॥ एदे
शी ॥ करेसहुमीत्रमिलिवातो ॥ तेहमांअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुमारकहुं

॥ ढे० ॥ ४८ ॥ वा० ॥ कुमरकहेमतकोपज्योहोमीत्ता ॥ सापुंरुंपरमन्न ॥
॥ ढे० ॥ वा० ॥ सङ्गकहेकोपश्हांकिस्योहोमीत्ता ॥ नाशअन्नाणनोजन्न ॥
॥ ढे० ॥ ४९ ॥ वा० ॥ कुमरकहेकामशास्त्रजेहोमीत्ता ॥ करनारनेंसूणनार
॥ ढे० ॥ वा० ॥ प्रगटकरेअन्नाणनेंहोमीत्ता ॥ तेसूणज्योअधीकार ॥ ढे० ॥
॥ ५० ॥ वा० ॥ प्रकृतिअशारविटंबणाहोमीत्ता ॥ परसवविषउपमांन ॥
॥ ढे० ॥ वा०॥ मोहदोषेंदेषेंनहीहोमीत्ता ॥ कृत्याकृत्यअज्ञान ॥ ढे० ॥५१॥
वा० ॥ रुधीरमांशअशुचीसरीहोमीत्ता ॥ रमणिकेरीकाय ॥ ढे०॥ वा० ॥ग
र्त्ताशुकरनीपरेंहोमित्ता ॥ रहेनित्यतिहांलपटाय ॥ ढे० ॥ ५२ ॥ वा० ॥ मं
दबुद्धीदेषेनहीहोमीत्ता ॥ परमारथनीवात ॥ ढे० ॥ वा० ॥ बुधजनगरहीत
जाणिइंहोमीत्ता ॥ प्रकृतीचपलनरहात ॥ ढे० ॥ ५३ ॥ वा० ॥ बालजीव
मानेंघणंहोमीत्ता ॥ कामसंपामणहेत ॥ ढे० ॥ वा० ॥ क्लेशकरेअकृत्यध
रेहोमीत्ता ॥ ध्याइंकुध्यांनसंकेत ॥ ढे० ॥ ५४ ॥ वा० ॥ कुशलमार्गमुंकेव
लीहोमीत्ता ॥ पामेअतिउनमाद ॥ ढे०॥ वा०॥ गुरुजननींनिंदाकरेहोमीत्त॥
लोकथीलहेअपवाद ॥ ढे० ॥ ५५ ॥ वा० ॥ अनुंक्रमेंजाइंनरगमांहोमीत्त॥
वलीएहसवडखदाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ वधबंधनपामेंघणांहोमीत्ता ॥ ईर्ष्या
कुलघरथाय ॥ ढे० ॥ ५६ ॥ वा० ॥ सयविषादनुषेत्रछेहोमीत्ता ॥ क्रोधत
णोरेनीवाश ॥ ढे०॥ वा०॥ धर्मशास्त्रनिंदेतिणेंहोमीत्ता ॥ रुमानकामवीलास॥
॥ ढे०॥ ५७ ॥ वा०॥ मध्यस्थथईनेविचारज्योहोमीत्ता ॥ किमसाधेत्रणिवर्ग
॥ ढे०॥वा०॥ द्रव्यउपार्जेकिणीपरेंहोमीत्ता ॥ किमवलीसाधेसर्ग ॥ ढे०॥५८
॥ वा० ॥ कामकुशलप्राणीतणीहोमीत्ता ॥ कुलटादिशेनारि ॥ ढे० ॥ वा० ॥
कामकुशलनहीतेहनीहोमीत्ता ॥ शिलवंतीसूविचार ॥ ढे० ॥ ५९ ॥ वा० ॥
तिणेंकारणशुससंततीहोमीत्ता ॥ इत्यादिकनएकांत ॥ ढे० ॥ वा० ॥ काम
कुशलप्राणीतणाहोमीत्ता ॥ पुत्रतेअतिउर्दंत ॥ ढे० ॥ ६० ॥ वा० ॥ बलित
स्करपणंतेहमांहोमीत्ता ॥ इंमअसमंजसवात ॥ ढे०॥वा० ॥ धरमअरथफल
पणिनहिहोमीत्ता ॥ कामतेडखअवदात ॥ ढे० ॥ ६१ ॥ वा० ॥ खरजखन

नसुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअंधकार ॥ छे० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
लसूतछेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ छे० ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवधे
लाघवहोइंहोमीत्ता ॥ वलिअविस्वासनोठाम ॥ छे०॥वा० ॥ शरीरस्थीतीहोइं
कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्दाम ॥ छे० ॥ ६३ ॥ वा० ॥ बङसेवेजो
विषयनेंहोमीत्ता ॥ तोहोइंक्षयीमुखरोग ॥ छे० ॥ वा० ॥ मोहीनेंएमनोहरु
होमीत्ता ॥ मिथ्यात्तीमाननेंयोग ॥ छे० ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखंमेबिजीक
हीहोमीत्ता ॥ मित्रबोधननीढाल ॥ छे० ॥ वा० ॥ पद्मवीजयकहेआगलेहो
मीत्ता ॥ दिइंउपदेशरशाल ॥ छे० ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ मोक्षअलोकीकमानीइं ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
कवयो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ६६ ॥ संपूरणकारयसवे ॥ अव्याबाधअ
नुप ॥ जनमजरानहीजेहनें ॥ सूखउतकृष्टसरुप ॥ ६७ ॥ ज्ञानध्यानपणि
गुणअछे ॥ धर्म्मरुपतेधारि ॥ क्षयोपशमक्षायकहोइं ॥ सफलतदासंशार ॥
॥ ६८ ॥ कांमअनिंदितकोइंकहे ॥ पणितेनांहिप्रकार ॥ तिरिपणिसोगवतां
तूरत ॥ निंदितछेनीरधार ॥ ६९ ॥ कामशास्त्रतेंकारणें ॥ करेअनाणप्रका
स ॥ अदत्ताग्रहणअवलोकीइं ॥ साषेंजीनवरसास ॥ ७० ॥ यतः ॥ तंना
महोइसछं ॥ जंहियमछंजणस्ससंदंसेइं ॥ जंपुणअहियंतिसया ॥ तंणएकंकत्तो
व्वयंसछं ॥ १ ॥ ताजंकामुद्दिरण ॥ समछसछंनतंवुहजणेण ॥ सुमीणेविजंपी
यव्वं ॥ पसंसियवंचडवयणं ॥ २ ॥ डुहा ॥ सुखदाईसङसत्वनें ॥ उपजावेउ
पसम्म ॥ परसंसवुंनेजंपवुं ॥ क्षदइंजाणोरम्म ॥ ७१ ॥ यतः ॥ पसमाईसाव
जणयं ॥ हियमेगंतेसत्ताणं ॥ निउणेणजंपीयवं ॥ पसंसियवंचसुवीसुद्धं ॥ ३ ॥
॥डुहा॥ सांसलीवीस्मयसङलह्या॥ चित्तमांकरेविचार॥ अहोविवेकअहोसाव
ना॥अहेवैराग्यअपार ॥ ७२॥ कृतज्ञगुणअहोकेहवो॥ एहवाअध्यवशाय॥
नविहोईमुनोवरमनें ॥ इंमचित्तअचरीजथाय॥७३॥ ढाल॥ आनोहलीलाहरी
आवाहला ॥ मीठुं२बोलेतासारा ॥ दिठाएहवाकेरथकीतुंतारा ॥ आवो०॥एदे
शी ॥ करेसङमीत्रमिलिवातो ॥ तेहमांअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुंमारकङ

अवदातो ॥ ७४॥करे० ॥ तुम्हेंकह्युंलोकोत्तरएह॥ इहांअधीकारकहोकेह ॥
लौकिकमांकांमशास्त्रगुणगेह ॥ ७५ ॥ करे० ॥ कहेकांमांकुरएसारुं॥ कह्युं
अशोकेंअवधारुं ॥ कहेललितांगलागेप्यारुं ॥ ७६ ॥ करे० ॥ बोलेहवेकुं
मरसूणोवाणी ॥ लहेनहीतत्ववातप्राणी ॥ घणाकंदर्पंपबालअन्नाणी ॥ ७७॥
करे० ॥ होइकर्म्मबंधहेतूकाम ॥ नहितेहस्यूंमाहरेकाम ॥ जाणिपफेकुपक
होकुणआम ॥ ७८ ॥ करे० ॥ देवाणोनउत्तरतिहांकेंणे ॥ करयुंअंगीकार
सहुतिणे॥गयाकेईदिननेहसरनयणें ॥ ७९ ॥ करे० ॥ सहुमलीइमविचारकि
धो ॥ एकुमारतोतपसीसमसीधो ॥ आपणनोएकीमजाइलीधो ॥ ८० ॥
करे० ॥ अछेउपायइहांएक ॥ दाक्षिण्यवंतएछेछेक ॥ आपणमित्रस्युंकि
धाविवेक ॥ ८१ ॥ करे० ॥ पाणिग्रहणकरोकहीइम ॥ मानेजोवचनधरी
प्रेम ॥ सहुइधारीएहवोनेम ॥ ८२ ॥ करे० ॥ बेशीएकदिनइणिपरेंसाषें ॥
अशोकसुणोमीत्रसहुसाषे ॥ एकपुछुंधरीमनअसीलाषे ॥ ८३ ॥ करे० ॥
मानविकेनहीमीत्रनीवाच ॥ कहेकुमरमित्रनात्रणिताच ॥ अधममध्यमउ
त्तमसाच ॥ ८४ ॥ करे०॥ एकमीत्रघणफलाल्यापाल्या॥ कोईवातथीनवीअ
लगाटाल्या ॥ पणिआपदाइदूरेंचाल्या ॥ ८५ ॥ करे०॥ एतोतूम्हेअधममीत्र
जाणो ॥ हवइसूणोपर्वमीत्रस्याणो ॥ मिलेकोईपर्वउछवटाणो ॥८६॥ करे०॥
नविहावसावकरवोतास ॥ पणिकष्टेंतेकरेवेषास ॥ राषेकांयलौकीकसू
विलास ॥ ८७॥ करे० ॥ कांयविलपीवीलंबकरीमुंके ॥ एतोमध्यममी
त्रनवीचुके ॥ हवेउत्तमरुधीररेफेंयुंके ॥ ८८ ॥ करे० ॥ एकलटकसलामहो
इतेहा॥मुंकावेदुःखथकीएह ॥ गौरवपणंदाषवेबहुजेह ॥ ८९ ॥ करे० ॥ यो
फेउपगारतेबहुमांनें ॥ संपदपणितेतसघरिआंणें ॥ आपदाइपणिराषेछानें ॥
॥ ९० ॥ करे० ॥ एहमांउत्तमसरीषुंथावुं ॥ कहेकामांकुरनरहस्यपावुं ॥
एतोजगतजीवजाणेंछावुं ॥ ९१ ॥ करे० ॥ ललितांगकहेकह्युंगंसीर ॥ कहो
हवेज्युंलहिइतिर ॥ कहेकुमरसूणोसहुथईधिर ॥ ९२ ॥ करे० ॥ परमार्थ
मीत्रनात्रणिसेय ॥ देहसजनधर्मजाणेय ॥ जघन्यमित्रदेहनेंवेय ॥ ९३ ॥

करे० ॥ देहनीषीण २ करोसंसाल ॥ सूषतरसनेंटाढिनापकाल ॥ संसालतां पणिहोयविकराल ॥ ए४ ॥ करे० ॥ निरालंबनमुंकोनेंजाइं ॥ हवेंमध्यम मित्रसजनथायें ॥ मायतायकलत्रसगनीसाय ॥ ए५ ॥ करे० ॥ क्लेशअ वशरेंकरतांविलाप ॥ प्रस्तावेंतेसंसारेंआप ॥ जाइंपरसवपुण्यतथापाप ॥ ॥ ए६ ॥ करे० ॥ हवेधर्ममीत्रउत्तमजाणो ॥ तेगोकोईकअवसरमनआ णो ॥ पणिथायसखाईसपराणो ॥ ए७ ॥ करे० ॥ तेतोसघलासयसाथेंटा लें ॥ फिरि २ तेपुरुषनेंसंसालें ॥ अनुंकरमेंशाश्वतसूखआलें ॥ ए८॥ करे०॥ इंमजांणीविषयनासूखगांमो ॥ एअसारस्युंमततूम्हेरढिमांमो ॥ एआतमसू खकरेखांमो ॥ एए ॥ करे० ॥ पांमीमानवनोसवअीकारो ॥ मोक्षमारग पांमीमतहारो ॥ वितरागवयणचित्तअवधारो ॥ १०० ॥ करे० ॥ उत्तमन रसेवितधर्म्मकरो ॥ सव २ नांपातिकदूरिंहरो ॥ संसारसायरसूखमांहित रो ॥ १ ॥ करे० ॥ नवमेखंमेंत्रीजीढाल ॥ कहीपद्मवीजयअतीसूरशाल ॥ आगलिंहोस्येमंगलमाल ॥ २ ॥ करे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ समरादित्यनांसांसली ॥ वारुरशालांवयण ॥ तेहअशोकादीकत णां ॥ नेहेंसरीयांनयण ॥ ३ ॥ तथासव्यतातेहवी ॥ शुद्धवलीसंयोग ॥ क र्म्मविचित्रकह्यांतिणें ॥ उतकटविर्यअसोग ॥ ४ ॥ समरादित्यनीशक्तिथी ॥ कर्म्मराशीकृतषीण ॥ उपसममिट्ठुतआवीउं ॥ परिणतीशुसथईपिण ॥ ५ ॥ मोहवासनामिटिगई ॥ अशुसतुटोअनुवंध ॥ गुणवंतगंठीसेदतां ॥ शुद्धसम कीतसंबंध ॥ ६ ॥ अशोककहेषरुंएहछे ॥ नहिसंदेहनुंनांम ॥ शोसनथीप णिशोसनं ॥ कामांकुरकहेकाम ॥ ७ ॥ अथवाशोसनएहजछे ॥ निश्चयकां यनअन्य ॥ ललितांगकहेलखलोकमां ॥ अमचांपुन्यअगन्य ॥ ८ ॥ अ न्नाणनिद्राइंउंघीआ ॥ अमनेंजगव्याआज ॥ हेतूवादअमहीतकरी ॥ कुमरें किधुंकाज ॥ ए ॥ आतमहितअम्हेआदरूं ॥ शिष्यातूम्हसंसालि ॥ अशो ककहेएअतीसलूं ॥ साष्यूंअवशारसालि ॥ १० ॥ कुमरकहोकरवुंजिके ॥ ततषीणबोल्यातांम ॥ संषेपेंसूणज्योतूम्हे ॥ साधुसंगविसराम ॥ ११ ॥ विष

यरागवलीवर्जवो ॥ सवसरूपनेंसावि ॥ कुसंगत्यागनीतकीजीइं ॥ दानादिक
चउदाव ॥ १२ ॥ साधु २ इंमत्र्याक्रकहे ॥ करस्युंअमेअंगीकार ॥ कुमरकहे
कृतपुन्यछो ॥ सफलजनमतूमसार ॥ १३ ॥ धरमीथयातिणेंधन्यछो ॥ ते
हवोल्यातिणीवार ॥ आपनुंदरीसनअधन्यनें ॥ नहोईइंमनीरधार ॥ १४ ॥
कुमरप्रशंसाइमकरी ॥ गयातेनिज २ गेह ॥ केईकदिनइंमअतीक्रम्या ॥ ई
णिअवसारजुउएह ॥१५॥ ढाल ॥ कउमाराअयागुरुजीसाकुणा ॥ एदेशी ॥
आईवसंतरीतूअन्यदा ॥ वनसिरीअतिविलसंत ॥ म्हारासाजनवाहला ॥ चा
लोवसंतजोवाजईइं ॥ आंबेमंजरीउलसई ॥ अतिमुक्तकउल्लसंत ॥ १६ ॥
म्हा० ॥ तिलकादिकफूल्याघणं ॥ मलयाचलवायावाय ॥ म्हा० ॥ भम
रगुंजारवकरीरह्या ॥ कोकिलशब्दसूणाय ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ मदनपीमेंबाल
वृन्दनें ॥ विकसीतकमलिणीथाय ॥ म्हा० ॥ काननसेवेबहुजना ॥ विरहन
दंपतीखमाय ॥ १८ ॥ म्हा० ॥ नगरमहर्द्धिकआवीआ ॥ इंणिसमेंभूपती
पास ॥ म्हा० ॥ विनवेइंणिपरेंरायनें ॥ पुरोअम्हारीआस ॥ १९ ॥ म्हा० ॥
नित्यउछवछेयद्यपी ॥ तोपणिआजवीसेस ॥ म्हा० ॥ उछवउपरिंहोयस्ये ॥
उछवजननेंअसेश ॥ २० ॥ म्हा० ॥ पाउधारोतिणेंराजीआ ॥ तवचिंतेम
हाराय ॥ म्हा० ॥ मोकलुंसमरादित्यनें ॥ देषेविचित्रसमवाय ॥ २१ ॥
म्हा० ॥ तोसमीहीतअम्हनिपजे ॥ उपजेकामविकार ॥ म्हा० ॥ इंमवि
चारीतेहनें ॥ साषेसूणोपरकार ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ उछवबहुदेषावीआ ॥ कुं
लस्योपरमाणंद ॥ म्हा० ॥ हवेदेषावोकुमरनें ॥ तुमचोएहनरिंद ॥ २३ ॥
म्हा० ॥ कहेमहर्द्धिकरायनें ॥ किधोअमसूपसाय ॥ म्हा० ॥ इमकहिते
निजघेरगया ॥ तेमावेकुमरनेंराय ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ वछस्थितीएआपणी ॥
मधुउछवथाइंआज ॥ म्हा० ॥ जोवाजाइंनरपती ॥ इंमसाषेमहाराज ॥२५॥
म्हा० ॥ एमारगतुम्हेआचरो ॥ म्हेंजोयुंबहुवार ॥ म्हा० ॥ हर्षथस्येप्रजा
लोकनें ॥ तिमस्वजनपरीवार ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ कुमरप्रमाणकरेहवे ॥ हर
ष्योरायअत्यंत ॥ म्हा० ॥ आणीकरेंप्रतीहारनें ॥ जईसंसलावोतंत ॥ २७ ॥

म्हा० ॥ ज्ञानगरगमुखमंत्रीनें ॥ रथवरप्रमुखतयार ॥ म्हा० ॥ करीनेंकुम
रस्यूंनिकलो ॥ एहआणाअवधारि ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ प्रतिंहारेंजईहर्षथी ॥
संसलाव्योअवदात ॥ म्हा० ॥ तेपणिहरषेंतिमकरे ॥ रथवरतेहविख्यात ॥
॥ २९ ॥ म्हा० ॥ यंत्रयोधथाप्यातिहां ॥ वलिवैजयंतीपताक ॥ म्हा० ॥
घुघरीचिहुंदिशरणकणें ॥ पुण्यतणापरिपाक ॥ ३० ॥ म्हा० ॥ छत्रचाम
रघणसोहतां ॥ लटकेरयणनीदाम ॥ म्हा० ॥ आसनमांड्युंतिहांकिणें ॥
इणिअवसरतिणेंठाम ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ कुंकमवस्त्रपहेरीकरी ॥ पात्रलोक
तिहांआय ॥ म्हा० ॥ विविधयानबेशीवली ॥ आवेसूजंगनभाय ॥ ३२ ॥
म्हा० ॥ कुमरजोवानेंकारणें ॥ बहुतिहांराजकुमार ॥ म्हा० ॥ गोषेंरहिअं
तेउरी ॥ कुमरदर्शननेंशार ॥३३॥ म्हा०॥ सूपआणाथीपरिवर्यो ॥ निकल्यो
तामकुमार ॥ म्हा० ॥ मीत्रअशोकादिकसहु ॥ चाल्याकुमरनीढार ॥ ३४ ॥
म्हा० ॥ बेठारथवरउपरि ॥ मीत्रनीसाथेंतेह ॥ म्हा० ॥ रथचाल्योहवेजे
तले ॥ जय २ शब्दकरेह ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ पात्रतेनाचेपगि २ ॥ पुंठेराज
कुमार ॥ म्हा० ॥ कौतूकविविधप्रकारनां ॥ देषतांअतिवीस्तार ॥ ३६ ॥
म्हा० ॥ राजमारगतिहांआविआ ॥ निज २ लेईसमुदाय ॥ म्हा० ॥ रीद्धिवि
शेसेंसोहेघणुं ॥ अचरीजवीबुधनेंथाय ॥ ३७ ॥ म्हा० ॥ वाजित्रविविधप्र
कारनां ॥ देषतांलहेवैराग ॥ म्हा० ॥ सावनासावेएहवी ॥ अहो २ मोहअ
ताग ॥ ३८ ॥ म्हा० ॥ अहोअकार्यमांधीरतां ॥ अहोचेष्टापरमाद ॥ म्हा० ॥
अहोदिरघदरसीनही ॥ अहोअणालोचितवाद ॥ ३९ ॥ म्हा० ॥ अहोसव
नीअशुद्धता ॥ अहोसंशारनोसंग ॥ म्हा० ॥ ईमचिंतवतांचालतां ॥ वाधेवै
राग्यतरंग ॥ ४० ॥ म्हा० ॥ तासस्वरुपविचारतो ॥ सारथीदाषेंतास ॥ म्हा० ॥
भिन्न २ कौतूकप्रति ॥ वाधतेहर्षउल्लास ॥ ४१ ॥ म्हा० ॥ नवमाखंडतणी
कही ॥ चोथीढालरसाल ॥ म्हा० ॥ पद्मविजयएहरासमां ॥ सुणतांमंगल
माल ॥ ४२ ॥ म्हा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ आगलिजातांइणसमें ॥ देउलपीठेंदिठ ॥ रोगेंपिड्योरगरगें ॥ नरए

कबेठेनीठ ॥ ४३ ॥ दिठोहाथज्यूंदोरमी ॥ परगटसूक्ष्यापाय ॥ अतिबीतठ
अशुचीअती ॥ मांषीदेहनमाय ॥ ४४ ॥ निकलीआंरातांनयण ॥ नाशातेल
हीनाश ॥ कुमरदेषीमनकर्मनी ॥ परिणतीचिंतेपास ॥ ४५ ॥ करुणाआणी
कुमरजी ॥ बुक्ष्ववावक्रलोक ॥ सारथीनेंपुछेसषर ॥ रहोएसाषोरोक ॥४६॥
नाटिकस्यूंएनीरषीइं ॥ तवशारथीकहेतेह ॥ नहिएनाटिकनाथजी ॥ अति
व्याधेंमस्योएह ॥ ४७ ॥ कुमरकहेव्याधीकवण ॥ सारथीकहेसूजाण ॥ शरी
रसूंदरअसूंदरकरे ॥ विणकालेंएवियाण ॥ ४८ ॥ कुमरकहेएकापुरिस ॥
तातसहेकिमताम ॥ सारथीबोल्योसांसलो ॥ एहवध्यनहीआम ॥ ४९ ॥ कु
मरकहेवध्यकिमनही ॥ मागेखग्मगमहंत ॥ व्याधीरहेतूंवेगलो ॥ अलवेकरहूं
तूक्ष्अंत ॥ ५० ॥ अथवाजुद्धनेंआवितूं ॥ इष्टतूंद्येदुखलोक ॥इमआषीनेंउत
स्यो ॥ सघलोमुंकीशोक ॥ ५१ ॥ चाल्योसनमुखतेचतूर ॥ तेदेषीनेंताम ॥
मिलिआलोकमहाजना ॥ कुंअरस्यूंकरेकांम ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ घरिआवोह
रीनावीरसूधीरसामलीआंजीरे ॥ एदेशी ॥ सारथीकहेसूणिसाहिबा ॥ म्हारा
वाहलाजीरे ॥ हणवायोग्यनएह ॥ दुखरेह ॥ म्हा० ॥व्याधीनामेंननरअछेशं॥
म्हा० ॥ कर्मनीपरिणतीजेह ॥ सकृदेह ॥ ५३ ॥ म्हा० ॥ साधारणसकृजी
वनें ॥ म्हा० ॥ समरथनहीराणाराज ॥ जयकाज ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेपुर
जनसूणो ॥ म्हा० ॥ एकिमछेकहोआज ॥ अतीभाज ॥ ५४ ॥ म्हा० ॥ पु
रीजनकहेइंमजप्रलू ॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेसारकुमार ॥ म्हा० ॥ तोकिम
एवेसीरस्यो ॥ म्हा० ॥ बलनवीफोरवेलगार॥ इंणीवार ॥ ५५ ॥ म्हा० ॥ सा
रथीकहेशंणिमस्यां ॥ म्हा० ॥ बलआवीनाशीजाय ॥ नउगाय ॥ म्हा० ॥ जो
रएहनुंचालेनही ॥ म्हा० ॥कुमरकहेतकुणथाय॥सुषठाय॥५६॥म्हा०॥सारथी
कहेधरमीतणी ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेसूणोलोक ॥ सकृथोक ॥ म्हा० ॥ धर
मतेक्करवोश्रेयछे ॥ म्हा० ॥ परमार्थेंएहशोक ॥ सकृफोक ॥ ५७ ॥ म्हा० ॥
पुरीजनकहेसाचुंकस्युं ॥ म्हा० ॥ पणिउछवनोहोयसंग ॥ एकंग ॥ म्हा० ॥
लोकस्थितिनेंपालवा ॥ म्हा० ॥ नाटिकजोवोरंग ॥ सूचंग ॥ म्हा० ॥ ५८ ॥

सारथीकहेएसाचलूं॥ म्हा०॥ ईमकहेचाल्याजाय॥ त्यांदेषाय॥ म्हा०॥
एकनरनिजसवनेंरह्यो॥ म्हा०॥ मुखमांसासनमाय॥ शिथिलाय॥५९॥
म्हा०॥ केशगयाशीरनावली॥ म्हा०॥ नयणगलेश्रावेषास॥ नहिकोपा
स॥ म्हा०॥ दांतपड्यापरीजनसवे॥ म्हा०॥ करेउपद्रवतास॥ डुखवास
॥ ६०॥ म्हा०॥ सेठसेठाणीएहवां॥ म्हा०॥ देषिलहेवैराग्य॥ महासाग्य
॥ म्हा०॥ सारथीनेंकहेएकिस्यूं॥ म्हा०॥ नाटिकश्रसीनवलाग॥ श्रयाग
॥ ६१॥ म्हा०॥ सारथीकहेनाटिकनही॥ म्हा०॥ एजरापीमीतसेठ॥
॥डुषवेठ॥म्हा०॥कुमरकहेजराकुंणठे॥म्हा०॥डुखदेवेंईमनेंग॥सलीपेठ॥६२॥
म्हा०॥ तेकहेनवजीरणकरे॥म्हा०॥ लोकनेंश्रहीतनीकारकुमार॥म्हा०॥
कहेकिमतातउवेषता॥ म्हा०॥ सारथीकहेचित्तधारि॥ तिवार॥ ६३॥
म्हा०॥ तातनेंश्रायत्तएनही॥ म्हा०॥ कुमरकहेतवईमधरीप्रेम॥ म्हा०॥
लावोरवमगहएंश्रमे॥म्हा०॥नविश्रायतहोईकेम॥ जुठनेम॥ ६४॥ म्हा०॥
कहेरपापिणीतूंजरा॥ म्हा०॥ मुंकितूंएहनोख्याल॥ संसालि॥म्हा०॥ तुंजाते
श्रवलाश्रठे॥ मा०॥ जोमाहरीकरवालविकराल॥ ६५॥ मा०॥ सनमुख
उद्योतेहनें॥ मा०॥ लोकमिल्यांवकुताम॥ स्यूंश्रांम॥ मा०॥ सारथीक
हेश्रवलानही॥ मा०॥ उदारीकपरीणामएठाम॥ ६६॥ मा०॥ कालवसें
एनीपजे॥ मा०॥ उलंसोस्योतास॥ विमासि॥ मा०॥ सकुसाधारणएहठे
॥ मा०॥ कुमरकहेसाचीसास॥ केनास॥ ६७॥मा०॥ पुरिजनकहेसाचुं
कहे॥ म्हा०॥ तवकहेकुमरविचार॥ धरीप्यार॥ मा०॥ खेदनकरस्यो
कोतूम्हे॥ मा०॥ एहकरेश्रपकार॥ जनवार॥ ६८ मा०॥ एहथीपरास
वउपजे॥ मा०॥ हसवाजोग्यतेथायसुखजाय॥ मा०॥ धर्म्मरसायणठां
मीनें॥ मा०॥ कुंणविजोसूखदाय॥ कहोलाय॥ ६९॥ मा०॥ सांसलीस
कुकहेइणिपरें॥ मा०॥ श्रहो२कुमरविवेक॥ जगएक॥ मा०॥ श्रहोपर
मार्थदरसीपणुं॥ मा०॥ श्रहो२धर्म्मनीटेक॥ श्रतिरेक॥ ७०॥ मा०॥
नयरीलोकस्यूंसारथी॥ मा०॥ लह्यासंवेगमहंत॥ कहेतंत॥मा०॥ श्रति

अदसूततूम्हेंकह्युं ॥ मा० ॥ पणिअम्हमोहअनंत ॥ नहीसंति ॥ ७१ ॥मा०॥
सवअनादिअभ्यासथी ॥ मा० ॥ मोहवासनानतजाय ॥ महाराय ॥ मा० ॥
कुमरकहेजेतजेनही ॥ मा० ॥ परिसवकरेजराय ॥ जमराय ॥ ७२ ॥मा०॥
इणसमेंदिठुंएहवुं ॥ मा० ॥ दरिद्रपुरुषमृतकोय ॥ खाटेंसोय ॥ मा० ॥ वस्त्र
जीरणउढ्यूंतिणें ॥ मा० ॥ दिनपुरुषेंलिउंजोय ॥ बहुरोय ॥ ७३ ॥ मा० ॥
स्त्रीजनडुखणीरोवती ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवदेखि ॥ सहुपेखि ॥ मा० ॥ चिं
तामोहवासनातणी ॥ मा० ॥ रहेवाशोसुविशेष ॥ स्यूंएष ॥ ७४ ॥ मा० ॥
एनाटिकअचरीजजस्यूं ॥ मा० ॥ सारथीकहेअवदात ॥ विख्यात ॥ मा०॥
मनचिंतेतेसारथी ॥ मा० ॥ संवेगकारणवात ॥ आयात ॥ ७५ ॥ मा० ॥
अहोसंशारअशारता ॥ मा० ॥ प्रतिबोधननिमीत्त ॥ धरीहित ॥ मा०॥ अण
जाण्यापरेपुछतो ॥ मा० ॥ साधुंयथारथरीति ॥ लहीप्रीति ॥ ७६ ॥ मा० ॥
कुमरसुणोकहेसारथी ॥ मा० ॥ एमृत्युईमशोआज ॥ करेताज ॥ मा० ॥
बंधुभणिराषेनही ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोस्यूंकाज ॥ कहोराज ॥ ७७॥मा०॥
किमराषेपुरीमांपीता ॥ मा० ॥ कहेसारथीनहीएह ॥ कोईदेह ॥ मा० ॥
मारीकीमसकीइंप्रसू ॥ मा० ॥ खमगलावोकहेतेह ॥ हणजेह ॥ ७८ ॥
॥ मा० ॥ रेरेमृत्यूउसोरहे ॥ मा० ॥ जुझकरेमुझसंग ॥ धरीरंग ॥ मा० ॥
इंमकहीसाहमोदोमीउ ॥ मा० ॥ सारथीकहेतवचंग ॥ एकंग ॥ ७९॥ मा०॥
हणवायोग्यनएहछे ॥ मा० ॥ साधारणसहुजिव ॥ अतीव ॥ मा० ॥ आयु
करमनेंवससवे ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवखीव ॥ अक्लीव ॥ ८० ॥मा०॥ नय
रीजनपुठेकहे ॥ मा० ॥ सत्यप्रसूछेएह ॥ नसंदेह ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोसा
रथी ॥ मा० ॥ बांधवछेमेकेह ॥ तसदेह ॥ ८१ ॥ मा० ॥ सारथीकहेजीव
तोगयो ॥ म्हा० ॥ रह्युंकलेवरतास ॥ डुखवास ॥ मा० ॥ गुणसंसारीतेहना ॥
मा० ॥ रोवेसहुनीशास ॥ डुखराशि ॥ ८२ ॥ मा० ॥ नवमेखंमेएकही ॥
मा० ॥ रुमीपंचमीढाल ॥ रसाल ॥ मा० ॥ पद्मविजयएरासमां ॥ म्हा० ॥
सूणतांमंगलमाल ॥ विशाल ॥ ८३ ॥ मा० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥ दुहा ॥ अतीवछ्रलतजोएहछे ॥ किमनवीजाइंकेम्हि ॥ कुमरकहेजाइंएककिम ॥ तेसङ्गनवीगयोतेम्हि ॥ ८४ ॥ सारथीकहेसूणिसाहिबा ॥ कहिनजाइंकांय ॥ कर्मविचित्रकथाकही ॥ जिवविचित्रगतीजाय ॥ ८५ ॥ कुमरकहेजोइंमकहो ॥ अहोहवेकिस्योउपाय ॥ सारथीकहेतूम्हेसांसलो ॥ जोगीगम्यजणाय ॥ ८६ ॥ अम्हेनजाणंएअरथ ॥ समरादित्यकहेसार ॥ कहोलोकोएकिमअछे ॥ सङ्गकहेकहेश्रीकार ॥ ८७ ॥ तवकहेकुमरततषीणें ॥ एजोइंमअधीकार ॥ सङ्गएनाटिकथीसर्युं ॥ वारुह्रदयविचार ॥ ८८ ॥ सांसलीसङ्गसंवेगीआ ॥ पाम्याकेईप्रमाण ॥ समकितकेईशिवपंथनें ॥ जाणीकुंअरजाण ॥ ८९ ॥ माहणदेवसेनमुखें ॥ सांसल्योव्यतीकरसर्व ॥ अवनीपतीबिहतोअती ॥ गयोतेचितथीगर्व ॥ ९० ॥ ढाल ॥ सखीनैनजामहिनें चाल्या ॥ एदेशी ॥ तेमवामोकलेहवेराय ॥ वहेलाघरिआवोसाय ॥ सूणिकुमरआव्यानिजठायहोराजि ॥ ९१ ॥ मानोवचनहमारो ॥ एआंकणी ॥ आविबेसेरायनीपास ॥ सूपसाषेतवसूविलास ॥ मांगवुंकांयतूफसकासिहोराजि ॥ ९२ ॥ मा० ॥ तुफमानवुंपमस्येतेह ॥ कहेकुअरतवआसनेह ॥ गुरुवयणलोपेकुणरेहहोराजि ॥ ९३ ॥ मा० ॥ नृपकहेतुफछेपरतीत ॥ पणितूफउपरिघणिप्रीती ॥ तिणेंकहिइंएइंणिरितीहोराजि ॥ ९४ ॥ मा० ॥ जाउकहेस्यूंअवसरपामी ॥ उठ्याकुंअरनृपशीरनामी ॥ निजउचितकरेनवीषामीहोराजि ॥ ॥ ९५ ॥ मा० ॥ वेठमित्रस्यूंवलीएकदिन्न ॥ करेधर्मकथाधनधन्य ॥ प्रतिहारआवीकहेकन्नहोराजि ॥ ९६ ॥ मा० ॥ तुम्हमाउलपासथीआया ॥ कोईकामेंमहंतसोहाया ॥ तिणेंतूम्हतेमेनररायाहोराजि ॥ ९७ ॥ मा० ॥ सूणिमीत्रस्युंकुमरतेआया ॥ प्रणमीबेठानीजठाया ॥ नृपबोलेसांसलोजायाहोराजि ॥ ९८ ॥ मा० ॥ खमगसेनमाउलतुफजेह ॥ कहेवरावेतुम्हनेंतेह ॥ दोयकन्यामुफरूपरेहहोराजि ॥ ९९ ॥ मा० ॥ विभ्रमवतीविभ्रमआणें ॥ कामलताकामीकरेप्राणें ॥ जीवथीअधिकितेवषाणेहोराजि ॥ २०० ॥ मा० ॥ स्वयंवरातेदोयआई ॥ वरतोसङ्गनीअनुंजाई ॥ परणोतूम्हेचित्तमांलाईहोरा

जि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिणेंलहेस्यूंप्रेमेसंतोस ॥ तेनृपनेंमोदनोपोस ॥गुरूवयणें
तूम्हनहीदोशहोराजि ॥ २ ॥ मा० ॥ कन्यापणिलहेआणंद ॥ इमसाथ्यूंजा
मनरिंद ॥ चिंतेकुमरसूखकंदहोराजि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वैतातेंपणिकुंजाणं ॥
साथ्यूंतेएहजटाणं ॥ तातबोलेछेप्रतीशांणंहोराजि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुवय
णतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमंगलथाय ॥ तवबोलेइमनररायहोराजि ॥
॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकांयविचार ॥ प्रार्थनापणिएहउदार ॥ करविअव
स्यनिरधारहोराजि ॥ ६ मा० ॥ कुमरेंतहमानीवात ॥ नृपहरष्योसातेधात॥
कहेउचितएतुझअवदातहोराजि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुझधर्मतणोपक्षपात ॥ प
णिलोकमारगविख्यात ॥ अनुंसरतांहोयसूखसातहोराजि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ
पजेवलीजबसंतान ॥ वयअतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेववुंव्रतअसमानहो
राजि ॥ ए ॥ मा० ॥ कुंअरकहेरुमुंथास्ये ॥ इंणिअवशरिघरनेंपासें ॥ सिद्धा
र्थपुरोहीतसासेहोराजि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमांनहीकांयसंदेह ॥ गजगुल
गुलशब्दकरेह ॥ वाजेमंगलतुरसनेहहोराजि ॥ ११ ॥ मा० ॥ बंदिबोलेज
य २ वाणि ॥ अनुकुलशकुनसजाणि ॥ हरष्योनरपतीगुणषाणिहोराजि॥
॥ १२ ॥ मा० ॥ बोल्योकालनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयथयोआम ॥ सूर
यआव्योमध्यठामहोराजि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतास्नान ॥ केई
देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूस्रुषासनमानहोराजि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान
मुंकीअणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंअधीकारहोराजि ॥
॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंआणाआपे ॥ करोकरणीउचिततेआपे ॥ प्रण
मेकुमरसूखव्यापेहोराजि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राइंबहुदिधांदांन ॥ नयरीशो
साअसमांन ॥ सूरलोकसरीसोवानहोराजि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपुजा
उकिधी ॥ नाचेपगें२पात्रप्रसीधी ॥ अंतेउरीहरषमांगिध्दिहोराजि ॥ १८ ॥
मा० ॥ मंगलवाजांबहुवाजे ॥ नृपतेंमगणकसमाजें ॥ पुछेलगनविवाहनेंका
जेंहोराजि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपंचमीआजप्रधान ॥ नहिअवरकोएहस
मान ॥ वधावीलिइंराजानहोराजि ॥ २० ॥ मा० ॥ खंमनवमेछठीढाल ॥

सूणतांहोयमंगलमाल ॥ कहेउत्तमवीजयनोबालहोराजि ॥ २१ ॥ मा० ॥
॥ दुहा ॥ आणाकरीअमात्यनें ॥ सामग्रीकरोसज्ज ॥ तहतिकरीतेपणितूरत ॥
करतातीमहिजकज्ज ॥ २२ ॥ शुसटनेंआपेसामटा ॥ आयुधअतिअवल्ल ॥
अंतेउरीनेंआपतां ॥ नानाआसरणनवल्ल ॥ २३ ॥ रथवरशोसारूअमी ॥
गाजेवलीगजराज ॥ अंबाडीअंवरअमी ॥ सिंदूरादिकसाज ॥ २४ ॥ तुरंग
तयारकरयाअती ॥ करणीउचीतकरेय ॥ तोरणवांध्यांमणितणां ॥ ध्वजप
टकनकधरेय ॥ २५ ॥ सयलविधीकरयोसहजमां ॥ करीपुजाकुलदेव ॥
प्रणमीमावीत्रपाउलें ॥ मीत्रमानीस्वयमेव ॥ २६ ॥ रथवरवेठाकुंअरजी ॥
साथेंमीत्रनोसाथ ॥ परगटपरणवाचालीउ ॥ समरादित्यसनाथ ॥ २७ ॥
ढाल० ॥ कोमीसोनईंकासीदो ॥ म्हारावाहलाजीरे ॥ करनारोनहीकोय ॥
जईनेंकज्यो ॥ मा० ॥ एदेशी ॥ परणवावरघोडेचढ्या ॥ वरराजाजीरे ॥ नाचेप
गि २ पात्र ॥ जोवाचालोवरराजाजीरे ॥ मंगलतूरवजावते ॥ वर ॥ लोकमि
ल्यातेअमात्र ॥ २८ ॥ जोवा० ॥ अंतेउरीरथमांरही ॥ वर ॥ गावेमंगलगी
त ॥ जोवा ॥ नयरीलोकआणंदिउ ॥ व ॥ रायनेंहरषनमाय ॥ २९ ॥ जोवा ॥ ०
संवेगेसावीतमती ॥ वर ॥ वरमनअचरीजथाय ॥ जोवा० ॥ सवस्वरु
पचितांचितवे ॥ वर ॥ लोककरेपरसंश ॥ ३० ॥ जोवा० ॥ विवाहलवनेंआवी
आ ॥ वर ॥ उपनाउत्तमवंश ॥ जोवा ॥ माहिरामांहिआविआ ॥ वर० ॥ दिठीकंन्या
दोय ॥ ३१ ॥ जोवा० ॥ गजदंतमयीजिमपुतली ॥ वर० ॥ विभ्रमवतीतिहांजोय ॥
॥ जो० ॥ वरआसरणेंदेहमी ॥ वर० ॥ कुंकूमविलेपनहोय ॥ ३२ ॥ जो० ॥ कामलताव
लीशोसती ॥ वर० ॥ इंद्रनिलमणीवान ॥ जोवा० ॥ हरीचंदनविलेपीउ ॥ वर० ॥ राजेअ
तीअसमांन ॥ ३३ ॥ जो० ॥ कुमरदेषीमनचितवे ॥ वर० ॥ अहोसुंदरआ
कार ॥ जो० ॥ अहोलावण्यनिकलंकता ॥ वर० ॥ अहो २ विनयप्रकार ॥
॥ ३४ ॥ जो० ॥ मुरतिशांतिघणीअछे ॥ वर० ॥ जाणुंहोस्येजोग्य ॥ जो० ॥
करीशाषीअगनीतणी ॥ वर० ॥ करेकंशारआरोग ॥ ३५ ॥ जो० ॥ पाणिग्रहणइं
मनीपनो ॥ वर० ॥ फेराफरिआताम ॥ जो० ॥ उचितदानसवीदीधलां ॥

वर० ॥ किधांसघलांकांम ॥ ३६ ॥ जो० ॥ इणिअवसररवीआथिम्यो॥ वर० ॥ उग्योनहंगणचंद ॥ जो० ॥ वाससूवनसजिउंतिहां ॥ वर० ॥ मणि दिपकनावृंद ॥ ३७ ॥ जो० ॥ कुसूमसज्यातिहांपाथरी ॥ वर० ॥ लटकेचं पकदाम ॥ जो० ॥ भ्रमरावलीवलीरणझणे ॥वर०॥ पमवासेगंधवाम ॥३८॥ जो० ॥ दोयवधुबेठीजीहां ॥ वर० ॥ आव्यातिहांकुमार ॥ जो० ॥ मित्रअ शोकादिकेंकरी ॥ वर० ॥ परवरीउपरीवार ॥ ३९ ॥ जो० ॥ उसीथइतेदोय वधु ॥ वर० ॥ कुमरसज्याइनिष्पन्न ॥ जोवा० ॥ उचितथानिकबेठांसहु ॥ वर० ॥ मित्रनारीबहुपन्न ॥ ४० ॥ जो० ॥कुंदलताप्रमुखाजीके ॥ वर० ॥ सखीउबेठीपास ॥ जो० ॥ विभ्रमवतीनींकुंदलता ॥ वर० ॥ कामलतामानि नीषास ॥ ४१ ॥ जो० ॥ कुंदलतालावीदीइ ॥ वर० ॥ तंबोलकुसूमनीमाल॥ जो० ॥ विभ्रमवतीइंमोकली॥वर०॥ ल्योतूमेकूमररसाल ॥४२ ॥जो०॥निज करथीगुंथीआठइ ॥ वर० ॥ धरतिरागअत्यंत ॥ जो० ॥ मानिनीमाधवीकुसू मनी ॥ वर० ॥ मालामनमोहंत ॥ ४३ ॥ जो० ॥ कुमरनेंआपीइंमकहे ॥ वर० ॥ करोसफलअनुराग ॥ जो० ॥कुमरकहेकिमरागछे॥ वर० ॥ तवसा कहेलहीलाग ॥ ४४ ॥ जो० ॥ हरषविषादेबोलती ॥ वर० ॥ कुमरगंसीरसू णीवाणी ॥ जो० ॥ नामतुमारुंसांसल्यूं ॥ वर० ॥ तेदिनथीतूम्हझाण ॥४५॥ जो० ॥ थाइंदिन २ डबली ॥ वर० ॥ करेनीततूमचीवात ॥ जो० ॥ एहवी वातसूणीहवइ ॥ वर० ॥ चिंतवेकन्यानात ॥ ४६ ॥ जो० ॥ जुगतोरागए जाणीनें ॥ वर० ॥ मोकलीतूमनेंपाणि ॥ जो० ॥ सफलमनोरथनीपनो ॥ वर० ॥ आव्युंसघलुंठाणि ॥ ४७ ॥ जो० ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ वर० ॥ छेमुझउपरिराग ॥ जो० ॥ रागीकहिइंतेकरे ॥ वर० ॥ कार्यअकार्यविसाग॥ ॥ ४८ ॥ जो० ॥ धर्मदेशनाकीजीइ ॥ वर० ॥ अवसरहिमणांएह॥ जोवा॥ इंमसमरादित्यचिंतवी ॥ वर० ॥ कहेजोअमपरिनेह ॥ ४९ ॥ जो० ॥ तो अहितेवरतावतां ॥ वर० ॥ किमलहिइंअनुराग॥जो० ॥मानिनीकहेइंमकिम कहो ॥ वर० ॥ कुमरकहेसूणोवाग ॥ ५० ॥ जो० ॥ सातमीनवमारवंभमां॥

वर० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ जोवा० ॥ पद्मविजयसोहामणी ॥ वर० ॥ ढा
लअधीकउल्लास ॥ ५१ ॥ जोवा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सूणोदृष्टांतसोहामणो ॥ कामरुदेशकहेंत ॥ नामेंमदनपुरवरनय
र ॥ प्रद्युम्ननृपपरूरणंत ॥ ५२ ॥ रतिराणीरतीरुपथी ॥ विषयनोसूखविलसं
त ॥ नृपरमवानेंनीकल्यो ॥ रहवामीसूरमंत ॥ ५३ ॥ राणीतवगोषेंरही ॥
राजमारगनीरषंत ॥ विमलमतीसज्ञवाहसूत ॥ शुभंकरनामसोहंत ॥ ५४ ॥
जोवनवयतसजाणीनें ॥ उपनोअतिअविवेक ॥ अवलोकेंआदरकरी ॥ अ
भीलाषाअतीरेक ॥ ५५ ॥ तसदृष्टीथईतेहपणि ॥ गिरधरथयोगमार ॥ चित्त
जाणएअतीचतूर ॥ राणिहृदयविचार ॥ ५६ ॥ एकदेरोंउंरूसोरस्सो ॥ जाणी
जालनीनाम ॥ दाशीनेंदेषावती ॥ आणितुंएहनेंआम ॥ ५७ ॥ कामीहृदय
होयअतीकठीन ॥ लेईआवितेल्हार ॥ पल्यंकेबेठेपछें ॥ वासगृहेतिणिवार॥
॥ ५८ ॥ बिहुंदिशंतंबोलनुं ॥ अर्द्धप्रश्नुंइणेंएह ॥ सूणिउंशब्दइंणिसमें ॥ कल
यलबंदिकरेह ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ आजगईतीहुंसमवसरणमां ॥ एदेशी ॥ राणी
वीचारेएसूपतीआव्यो ॥ हवेनहीअन्यउपायरे ॥ घाल्योबाहिरजवानेंथानी
क ॥ आव्योहवेनररायरे ॥ ६० ॥ शीलपालोत्तविलावधरीनें ॥ शिलेंशदग
तीहोयरे ॥ शीलविराधननांफलएहवां ॥ इहलवमांपणिजोयरे॥६१॥शी०॥
रायकहेवारकनरतेमो ॥ शौचकरेवाजावुंरे ॥ शुभंकरसूणीचीत्तविचारें॥ मर
णअवस्यइंहांपावुंरे ॥ ६२ ॥ शी० ॥ मरणविकलहीपड्योसंडासे ॥ महाउर
गंधअंधकारोरे ॥ विष्टाकूपकृमीकूलेंव्यापीत ॥ पडीउंतेहमांकिनारोरे ॥
॥ ६३ ॥ शी० ॥ अशुचिसरीउंकृमीइंषाधो ॥ दृष्टीप्रशाररोकाणोरें ॥ अंग
शंकोच्युंवेदनपाम्यो ॥ आकुलहोयतिणठाणोरें ॥ ६४ ॥ शी० ॥ अंगरक्ष
कनृपनेंतिहांजोयुं ॥ आव्योनृपतिणगयोरे ॥ शरीरस्थीतीकरीनेंफीरीआ
यो ॥ राणीस्यूंकालगमायोरे ॥ ६५ ॥ शी० ॥ सांकेरायसत्तामांपोहतो ॥
राणीतवजोवरावेरे ॥ नविदीठेतवकहेइमराणी ॥ कहोसाईउंकिहांजावेरे ॥
॥ ६६ ॥ शी० ॥ दाशीकहेएमरणनासयथी ॥ पडीउंकूपमझारेरे ॥ चि

तातितथईतवराणी ॥ मृतजाण्योनीरधारोरे ॥ ६७ ॥ श्री० ॥ तेहशुसंकरड
खथीपीम्यो ॥ सवितव्यतानेंजोगेंरे ॥ आयुबलेंकोईकालगमावे ॥ अशुची
रसपानसोगेंरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ विष्टाकुपशोधननेंकाजें ॥ उघाड्योतद्वार
रे ॥ अशुचिनिर्गममारगेंनीकल्यो ॥ रातिसमयतिणीवाररे ॥ ६९ ॥ श्री० ॥
देहछबीविणठीनेंनाग ॥ नखनेंकेशावीरुपरे ॥ किमहीकअंगपषालीनिजघ
रि ॥ पोहतोकष्टसरुपरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ बीहनोपरीजनसयथीकूणए ॥ ते
हकहेमतबीहोरे ॥ शुसंकरकंपितातवपुछे ॥ विमलमतीमतीलीहोरे ॥ ७१ ॥
श्री० ॥ स्यूंतेंकीधुंजिणेंईमकुउ ॥ तवकहेपुत्रविचारोरे ॥ मरणलह्योमतजा
णोपीताजी ॥ तेहजकुंअवधारोरे ॥ ७२ ॥ श्री० ॥ पणिजेकरणीथीईमकुउ ॥ तेसं
सलावुंअसागरे ॥ करीएकांतनेंसाष्यूंसघलूं ॥ सांसलीतातविरागोरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥
वातरहीतघरमांतसथापे ॥ सहस्त्रपाकादिकतेलेंरे ॥ परीमर्दनकरीनेंतसतातें ॥
मुलस्वरुपकरीमेलेरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ एकदिनदेवतायतनेंजातां ॥ रतिराणीई
दिठोरे ॥ पुरवनीपरिंजालणीमुंकी ॥ तेम्हावेकहीमीठोरे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ मो
हदोषेंकरीतेपणिआव्यो ॥ थयुंवलीपुरवरीतेंरे ॥ कुपथीनीकल्योवलीसङ्
कुउ ॥ केईककालव्यतीतेंरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ वलिईणिरीतेंकस्युंफरीजीव्यो ॥
ईमबकुवारगयोआव्योरे ॥ एदृष्टांतकह्योहवेपुछुं ॥ कहोचित्तमांजोसाव्योरे ॥
॥ ७७ ॥ श्री० ॥ रतीनेंरागहतोकेनांही ॥ मानिनीकहेपरमार्थेंरे ॥ रागनही
वलीबुद्धीरहीतसा ॥ कुमरकहेतसअर्थेंरे ॥ ७८ ॥ श्री ॥ रागनहीमुक्कउपरिं
एहनो ॥ परमार्थेंबुद्धीहीनरे ॥ इर्प्याकारणंचपलस्वसावे ॥ सोगवांछेएदीन
रे ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ वस्तुतत्वनसमजेकांई ॥ डरलसनरअवताररे ॥ सवसमु
द्रमांपांमीनकरे ॥ धर्म्मतेमुंढगमाररे ॥ ८० ॥ श्री० ॥ संहरेत्रणिसूवननेंमृ
त्यू ॥ सहेजेकूरस्वसावरे ॥ नविचारेएहनेंवशआपण ॥ किमधरेविषयवी
सावरे ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ अहितेवरतावेतेकारण ॥ मुक्कउपरिनहिरागरे ॥ ईमसांस
लीवकुउदोयबुझी ॥ लहेसंवेगविरागरे ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ शुद्धसावनाईकर्म
खप्यांबकु ॥ पामीदेशचारीत्तरे ॥ श्रद्धाप्रतीशयेंकुमरनापदजुग ॥ प्रणमे

अतीसूविनीतरें ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ विभ्रमवतीकहेमोहगयोभ्रम ॥ उपनुंस
म्यगनाणरे ॥ विषयरागटलीउंसवसयथी ॥ पीउतूम्हवचनप्रमाणरे ॥ ८४ ॥
श्री० ॥ कामलतापणिइंमहीजसाषे ॥ तवसमरादीत्यसासेरे ॥ सलेंतूमेंमानव
नोसवपांम्यां ॥ कुशलबुद्धीजिणेंपासेरे ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ तिणेंतूम्हविषय
त्यागघटेकरवो ॥ मोहजनीतमोहहेतूरे ॥ मोहस्वरुपमोहानुबंधी ॥ संक्लेश
तिमशमवेतूरे ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ संक्लेशजनीतनेशंक्लेशहेतू ॥ तिमसंक्लेशअ
नुबंधेरे ॥ जावजीवशांमोमोहचेष्टा ॥ कुशलवुद्धीनेंशंधेरें ॥ ८७ ॥ श्री ०॥
इत्यादिकवयणांसूणीश्रवणें ॥ बोलेवधुटीदोयरे ॥ जावजीवपच्चख्यूंअमेंअ
ब्रम्ह ॥ हरष्योकुमरतेसोयरे ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नवमेखंमेढालअनोपम ॥
॥ आठमीअदसूतसाषीरे ॥ पद्मविजयकहेधन्यएदंपती ॥ जिणेंएहवीमतिरा
षीरे ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ हरष्योकुमरहैयाथकी ॥ कहेअहोहलूआंकर्म ॥ धन्यताउपसम
धीरता ॥ धारकअहोपतिधर्म ॥ ९० ॥ इहलोकनीइहानही ॥ अहोगंभिर
अपार ॥ इंमचिंतिआवेंइस्युं ॥ साधुकरयुंसुखकार ॥ ९१ ॥ मेंपणिजाव
जीवमुणो ॥ चोथुंव्रतकरयुंचित्त ॥ अहो २ शासनआदरयुं ॥ मुखथीकहे
सज्जमीत्त ॥ ९२ ॥ कुसूमवृष्टिदेवेंकरी ॥ उत्तमअध्यवशाय ॥ चिंतेकुमरवि
चारइंम ॥ शुभपरिणामसूहाय ॥ ९३ ॥ तदावरणषइंतेहनें ॥ अवधीज्ञानउ
प्पन्न ॥ त्रिहुंकालजाणेंतदा ॥ प्रगटसंवेगप्रपन्न ॥ ९४ ॥ व्यतिकरसूणिप्र
थवीपती॥प्रतीहारनेंपास॥सांभलीराणीपणिसवे॥वलतोकरेविषास॥९५॥ अण
घटतुंअवनीपती॥कहेकामएकीध॥राणीकहेरोतीथकी ॥लाहविषयनविलीध॥
॥९६ ॥ढाल ॥पूउप्यारीनेंधन्नोप्रेमस्यूंहोनारी॥ सकूलीनी॥ एदेशी ॥ इंणसमे
आवीदेवांगनाहो ॥ सूणोसूपती॥हैइंविराजेहार ॥ सज्जमनमोहेजिहोराजि ॥
मुगटकुंमलकटकेंकरीहो ॥ सु० ॥ कटिमेखलाखलकार ॥९७॥ सज्ज॥ देवउ
ष्यथीसोहतीहो ॥ सु० ॥ मणिनेउररणकार ॥ स० ॥ बावनाचंदनलिपीउंहो
॥ सु० ॥ सूरतरुकुसूमनेधारि ॥ ९८ ॥ स० ॥ मणिदिवापरेंदिपतिहो॥ सु०॥

सोमवदनअत्यंत ॥ स० ॥ देषीवीस्मयपामीआहो ॥ सु० ॥ हरषविषादेनमंत ॥ ९९ ॥ स० ॥ बोलेतामदेवांगनाहो ॥ सु० ॥ मकरोचीत्तवीषाद ॥स०॥ कुमरेंघणंजुगतूंकर्युंहो ॥ सु० ॥ टाल्योसवविषवाद ॥ २०० ॥ स० ॥ मोकुमारगइंणिसाधीउंहो ॥ सु० ॥ अमृतयञ्जुंतज्यूंफेर ॥ स० ॥ आपदाडरेंकरीइंणेंहो ॥ सु० ॥ पुरुषातमइंणिपेर ॥ १ ॥ स० ॥ कूद्दताटालीउदारताहो ॥ सु० ॥ किधीअंगीकार ॥ स० ॥ तिणेंकुतारथएहछेहो ॥ सु० ॥ धन्यतूमकुलअवतार ॥ २ ॥ स० ॥ राणितूम्हेंपणिछेभियोहो ॥ सु० ॥ नहिसोचवायोग्यजेह ॥ स० ॥ शाश्वतसूखवंइंणिआदर्युंहो ॥ सु० ॥ धन्यतूफकुखजिहांएह ॥ ३ ॥ स० ॥ बहुजननेंशिवसूखतणहो ॥ सु० ॥ कारणतूफसूतनेम ॥ स० ॥ तिणेंवेषासडरेंकरोहो ॥ सु० ॥ नरपतीकहेतवइंम ॥ ४ ॥ स० ॥ कुंणतूमेछोतेकहोहो ॥ सु० ॥ देवीकहेसूणिवाणि ॥ स० ॥ खम्गप्रहरणेंउलषीहो ॥ सु० ॥ सूदरीसणाअसीहांण ॥ ५ ॥ स० ॥ तुफसूतगुणअनुरागिणीहो ॥ सु० ॥ रहूंतूफसवनमफार ॥ स० ॥ रायराणीसुणीहरषीआंहो ॥ सु० ॥ धन्यगुणवंतकुमार ॥ ६ ॥ स० ॥ देवतापणिरागीहोइंहो॥ सु०॥ देवताबोलेतांम ॥ स० ॥ कुमरप्रस्तावघणोअछेहो ॥ सु० ॥ चालोजईइंतेगांम ॥ ७ ॥ स० ॥ घरमंपिमनिहालिइंहो ॥ सु० ॥ कहेतेकरीइंकांम ॥ स० ॥ देवीप्रणमीनेंचालीआहो ॥ सु० ॥ कुमरसमीपेंजाम ॥ ८ ॥ स० ॥ अवधिकुमरेंजांणिउहो ॥ सु० ॥ हरषेंउसाथाय ॥ स० ॥ प्रणम्यामावीत्रपाउलेंहो॥ सु० ॥ बेठाआसणठाय ॥ ९ ॥ स० ॥ प्रणमीपुछेतातनेंहो ॥ सु० ॥ किमआव्यातूमेएथ ॥ स० ॥ अणघटतूंएकिधलूंहो ॥ सु० ॥ मुफनवीतम्योतेथ ॥ ॥१०॥ स० ॥ नृपकहेदेवीइंसाषीउंहो ॥ सु० ॥ तूमवृत्तांतअशेष ॥स० ॥ रांणिकहेगुणवंततूंहो ॥ सु० ॥ किमदिजेंआदेश ॥११ ॥ स० ॥ कुमरकहेतुमेगुरुजनाहो ॥ सु० ॥ तूमआणाकरूंजेह ॥ स० ॥ गुणवंतपणंमुफतोरहेहो ॥ सु० ॥ रायकहेसुणोएह ॥ १२ ॥ सु० ॥ दुःकरकामतूम्हेंकर्युंहो ॥सु० ॥ समरादित्यकहेवाणि ॥ स० ॥ नहीदुःकरइंहांसांसलोहो॥ सु० ॥ च्यारपुरुष

नुंकहांण ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकच्यारपुरुषहताहो ॥ सु० ॥ द्रव्यछकतिहां
दोय ॥ स० ॥ दोयविषयनालोलपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवज्यासोय ॥
॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकथांनिकपेषिउहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
शि ॥ स० ॥ नारीदोयरंत्तासमीहो ॥ सु० ॥ करतीअतीसूविलास ॥ १५ ॥ स० ॥
जेपामवुंतेपामीआहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाल्याताम ॥ स० ॥ वांणियईईण
अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेष
ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतपमस्येएह ॥ स० ॥ उंचुंजोतांदेषीउहो ॥ सु० ॥ रौ
द्रदर्शनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरह्योआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनशा
कीईतेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेषीउहो ॥ सु० ॥ तासउपायनरेह ॥ १८ ॥
स० ॥ ईणिसमेवाणीसूणीतिहांहो ॥ सु० ॥ जेछेअछकाम ॥ स० ॥ मरण
लहेतेईणिपरेंहो ॥ सू० ॥ वलीलहेडखगाम ॥ १९ ॥ स० ॥ जेहनीरीहएदो
यथीहो ॥ सू० ॥ लावेअसारतातास ॥ स० ॥ तोकमें२दूरेंषसेहो ॥ सू० ॥
कालेउपद्रवनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेचिंतवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीछेमीईहो ॥ सू० ॥ सिघ्रतेलेवाजाय ॥ २१ ॥ स० ॥
बिजापणिमनचिंतवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविषयस्यूंनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
कविपाकछेहो ॥ सू० ॥ ईमकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ दुःक्करकारकेहा
कहोहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित्त ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रवृत्तिआहो ॥ सू०
लेवाविषयनेंवित्त ॥ २३ ॥ स० ॥ दुःकरकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
जेविवाग ॥ स० ॥ बिजानुंदुक्करकिस्यूंहो ॥ सु० ॥ जुक्तकरेजेतागा ॥ २४ ॥ स० ॥
नवमीनवमाखंमांहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ स० ॥ पद्मविजयसो
हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअधीकउल्लास ॥ २५ ॥ सक्र० ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ पर्वतपमतोपेषीउ ॥ तेआयुअसराल ॥ सूरअसूरांनहिआसरो ॥
सिषणअतीसयाल ॥ २६ ॥ असमंजसकारकअती ॥ विषसमजासविपाक ॥
विषयनोत्यागवषाणीउ ॥ अमृतसमआपाक ॥ २७ ॥ क्लेशरहीतकुंअरकहे ॥
सूखथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागपणिईणिपरें ॥ स्यूंदुःक्करसमझाय ॥ २८ ॥ रा

यकहेरुकुंकह्युं ॥ मोहमांपणिमुंकाय ॥ कुमरपीतानेंतवकहे ॥ डरदंतएउखदाय ॥ २ए ॥ मरणदेषेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेश ॥ वीर्यगलेवारूपरें॥ दिइंवलीगुरूउपदेश ॥ ३० ॥ दोषनआणेंदृष्टिमां ॥ करेअकारयकांम॥ जिनवरदेषाम्योजीके ॥नधरेधर्मनुंनांम ॥ ३१ ॥ इंमसांसलीअवनीपती ॥ सएंधरीउसलाव ॥ जेंमकह्युंतेतिमजछे ॥ देविपणिइंणिदाव ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ मांपीनागीतनी ॥ साहिबसांसलिवीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवछसांसलो ॥ अमवमपणिछेमाय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुण्योवली ॥ चिंतानहीतिणेंकांय॥ कु० ॥ ३३॥ मा० ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ बालायौवनवेस ॥ कुं० ॥ मनवंछितनवीथयुं ॥ तिणेंउदवेगवीशेश ॥ कुं० ॥ ३४ ॥ मा० ॥ कुंअरकहेनकरोतूम्हे ॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवांछीतएहनुंथयुं ॥ धन्यएहनोअवतार ॥ मा०॥३५॥मा०॥ मोहबिजएणिइंलह्युं ॥ सांसलीएहवीवात ॥ माताजी ॥ वछमुखसाहमुंदेषीउं ॥ तवबोलीसूणोमात ॥ मा० ३६ ॥ मा० ॥ तुम्हस्नेहेंकरीइंमकहो ॥ पणिसरीउंअम्हकाज ॥ मा० ॥ आर्यपुत्रघरणीतणो॥सब्दलह्योअमेआज ॥ मा० ॥ ३७ ॥ मा० ॥ तुम्हप्रसावथीनीपनुं ॥ अममनवंछीतजेह ॥ मा० ॥ धर्मकह्योवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मा० ॥ ॥ ३८ ॥ मा० ॥ तिणेंउदवेगनकीजीइं ॥ राणिवीचोरताम ॥ कुं० ॥ अहोरुपनेंउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कुं० ॥ ३ए ॥ मा० ॥ गुरूसक्तिअहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कुं० ॥ अहोगंसीरताएहनी ॥ इंमचिंतीकहेतास ॥ कुं० ॥ ४० ॥ मा० ॥ खमगसेनपुत्रीतणुं ॥ उचितवेघटतूंइंम ॥ कुं० ॥ इंणिपरिकरतांवातमी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कुं० ॥ ४१ ॥ मा० ॥ विप्रपुरंदरनांमथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कुं० ॥ कोलाहलतिहांबहुथयो ॥ जेहसूणीहोयत्रास ॥ कुं० ॥ ४२ ॥ मा० ॥ रायकहेनिजपुरूषनें ॥ जाउषबरकरोएह॥ कुं०॥ कुंअरकहेमतजायजो॥ जांणुंछुंछेजेह ॥ पीताजी ॥४३॥ कुंअरकहेतूमेंसांसलो॥एआंकणी॥एसंसारविलासछे॥रायकहेतेकेंम ॥ कु०॥ कुमरकहेएसहुजे॥अरधमुउजबनेम॥पिताजी॥४४॥कु०॥ तिणेंसहुस

ज्ञनरोवतां ॥ नृपकहेदिगेश्राज ॥ कुं० ॥ कुंअरकहेकारणनही ॥ मरणध
मिनरराज ॥ पिता ॥ ४५ ॥ कुं० ॥ एहनेंरोगहतोनही ॥ नृपकहेकिममुउइं
म ॥ कुं० ॥ कुमरकहेअवाच्यछे ॥ निंदितछेवलीतेम ॥ पिता ॥ ४६ ॥ कु०॥
नृपकहेसंसारमां ॥ स्यूंनहीनिंदितहोय ॥ कुं० ॥ पणिकौतिकमुझएअछे ॥
सांभलावोतूम्हेसोय ॥ कु० ॥ ४७ ॥ कुं० ॥ कोईविस्तारनहीलहे ॥ नहिदू
रजनकोएथ ॥ कुं० ॥ कुंअरकहेमतइंमकहो ॥ सूणोजेनीपनुंतेथ ॥ पीता०॥
॥ ४८ ॥ कु० ॥ नर्मदानारीछेएहनें ॥ तिणेंदिधूंछेझेर ॥ पीता ॥ मोकलोवैद्य
उतावला ॥ आंणीमनमांमहेर ॥ पीता ॥ ४९ ॥ कु० ॥ उषधेजीवेतेजथा ॥
वलीएहनीजेपोलि ॥ पीता ॥ नैऋतकूणेंकूतरो ॥ एपणिएहनेंतोल ॥ पिता ॥
॥ ५० ॥ कु० ॥ एहजझेरतेदिधलूं ॥ एहजविधीकरोतास ॥ पीता ॥ जिव
स्येतिणेंएविझंजणां ॥ रायनेंथयोउल्लास ॥ पीता ॥ ५१ ॥ कुं० ॥ अहोज्ञान
अुउकुमरनुं ॥ इमकहीवैद्यनेंतेम्हि ॥ पीता० ॥ सीषवीनेंतीहांमुंकीआ ॥ नि
जनरनेंतेकेम्हि ॥ पी० ॥ ५२ ॥ कुं० ॥ नृपपुछेहवेकुमरनें ॥ स्यूंइणमारणहे
त ॥ पीता ॥ कुमरकहेअवीवेकछे ॥ तोपणिएसंकेत ॥ पीता ॥ ५३ ॥ कु० ॥
वाहलीपुरंदरनेघणी ॥ तोपणिनारीअज्ञान ॥ पी० ॥ अर्जूनदासजेनीजघरें ॥
तेहस्यूंलागोतान ॥ पी० ॥ ५४ ॥ कुं० ॥ श्रवणपरंपरासांभल्यूं ॥ मान्यूं
नविप्रेंतोहिं ॥ पी० ॥ इंमकेईकालवहीगयो ॥ मातकहेहवेमोहिं ॥ पी० ॥ ५५ ॥
कु० ॥ पुत्रनसुंदरवज्रअछे ॥ उवेषेछेकेम ॥ पी० ॥ थायसंताननासवली ॥
सांभल्यूंविप्रेंइम ॥ पी० ॥ ५६ ॥ कु० ॥ सांभलीवामदवंचितवे ॥ इमसाषेछे
मात ॥ पी० ॥ प्राणप्रियाएनारीछे ॥ किमहोस्येएवात ॥ पी० ॥ ५७ ॥ कु० ॥
दशमीनवमाखंडमां ॥ पद्मवीजयकहीढाल ॥ पी० ॥ समरादित्यनारासमां ॥
आगलिवातरसाल ॥ पी० ॥ ५८ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सासुवज्रनेंसपनही ॥ एहवोपणिअनदात ॥ वलीविशेषथीगुणवती ॥
मत्सरनहीमुझमात ॥ ५९ ॥ एतलाकाललगेंअही ॥ सेदनजाण्योसाय ॥ नारीप
णिछेनीरमली ॥ स्योकीजेंव्यवसाय ॥ ६० ॥ चंचलनारीतेचीत्तथी ॥ इंमसा

षेअणगार ॥ तेपणिनवीथाइंवितथ ॥ विषमाकामवीकार ॥ ६१ ॥ परीक्षा करूंतिणेंपाधरी ॥ इंमचिंतीएकांत ॥ लाषेनर्मदासामिनी ॥ खमज्योमनध रीखांति ॥ ६२ ॥ महिपतीआणाइंमाहरे ॥ जवुंमाहेसरजाम ॥ शिघ्रआवी स्यूंसूंदरी ॥ केईकदिनछेकांम ॥ ६३ ॥ रहेज्योरूमीरीतीस्यूं ॥ नर्मदाकहे तवनारि ॥ आर्यपुत्रकुंआवस्यूं ॥ नहिरहुंकुंनिरधार ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ अईश्री तमस्यूंएकवारसलूणीबोलोहो ॥ एदेशी ॥ तुमवीनकुंनवीरहीसकुंरे ॥ इमक हीरूदनकरेय ॥ पुरंदरकहेसूंदरी ॥ स्नेहेंकायरतामधरेय ॥ ६५ ॥ चरीत्रन हीरूमीहो ॥ अहोकोईनलहेएहनोपार ॥ चरी० ॥ माहरेतिहांकांयदुखनथी रे ॥ तवकहेवचनप्रमांण ॥ पणिजोमोमाआवस्योतो ॥ माहराजास्येंप्राण ॥ ॥ ६६ ॥ चरि० ॥ बिजेदिवसेनिकल्योरे ॥ बाहिरदिवसगमाय ॥ रजनीइंपे छेगेहमां ॥ करीमायारहोएकठाय ॥ ६७ ॥ चरी० ॥ मध्यरातिवासगेहमां रे ॥ सूतांदिठांदोय ॥ सूरत्तप्रयासनाखेदथीरे ॥ निद्रामांआव्यांसोय ॥ ६८॥ चरी० ॥ कोपेंअतीघणुंकलकल्योरे ॥ नाठेदूरिवीवेक ॥ चिंतवेजलस्यूंपा लवी ॥ नारिनेंतेआपनीटेक ॥ ६९ ॥ च० ॥ पणिअर्जुनएदुष्टछेरे ॥ लोगवे माहरीनारि ॥ मारूंएहनेंचिंतवी ॥ कर्योसूतानेंप्रहार ॥ ७० ॥ चरी० ॥ मा रीतेवासनागेहथीरे ॥ रहीउघरएकदेश ॥ जोउंनारीहवेस्यूंकरे ॥ तिहांरुधीर फरसथयोलेश ॥ ७१ ॥ चरी० ॥ तेहथीजागीजोईछेरे ॥ मरणलह्योतेजा र ॥ चिंतवेहाहामरीगयो ॥ मुझजेहस्यूंअतिशयप्यार ॥ ७२॥ चरी० ॥ मंद लागिणीडुंघणीरे ॥ किणेंमारयोमुझस्वामि ॥ मारिनमुझनेंपापिइं ॥ किमजी वतीरहुंइणठामि ॥ ७३ ॥ चरी० ॥ गईहवेरतीसूखनीकथारे ॥ इंमचिंतीषणें षाग्नि ॥ घाल्योअर्जुननेंतिहां ॥ दुखधरतीअतीगाढ ॥ ७४ ॥ चरी० ॥ जोइ नेंहवेनीकल्योरे ॥ पोहतोइछितठाण ॥ सापणितिणथानिककरे ॥ वेदिकात सतनुंअहीनांण ॥ ७५ ॥ चरी० ॥ नारीनहीरूमीहो ॥ एआंकणी ॥ दिपक रेनेंबलीदीइरे ॥ पुजेप्रतीदीनतास ॥ आलिंगनवलीतीहांकरे ॥ इंमस्नेहेंअन्नां णवीलास ॥ ७६ ॥ ना० ॥ आव्योपुरंदरअन्यदारे॥ देषाम्योनवीकार ॥ केइ

कदिनइंणिपरेंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चिंतवेअहोएमुं
ढतारे ॥ अहोकेहवोठेराग ॥ अथवाएहवीसास्त्रमां ॥ सापीठेनारीअताग ॥
॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ ऋषीइंसास्त्रमझार ॥ तिणेंम
नमांनेंतेकरो ॥ मुझकाजनतासलगार ॥ ७९ ॥ नारी० ॥ इंमचिंतवीपुरवप
रेंरे ॥ सोगवेतेहस्यूंसोग ॥ बारवरसइंमवहीगयां ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग
॥ ८० ॥ नारी० ॥ इंमकरतांगतपांचमेंरे ॥ दिवसेंरांध्यूंअन्न ॥ ब्राह्मणनेंजी
माझवा ॥ पणिनारिनुंजारमांमन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेंरे ॥
तिहांकस्युंवलीनुंदांन ॥ तवपुरंदरदेषीकरी ॥ हसीनेंकहेइंणिपरेंवाणि ॥८२॥
नारी० ॥ हजीअएस्यूंकरोसूंदरीरे ॥ सांसलीकरेंवीचार ॥ निश्चयमारथोमु
झपती ॥ तिणेंबोलेएइंणेंपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमाहूएहाथस्यूंरे ॥
तोलेवाइंवेर ॥ इमचिंतीनेंआपीउंरे ॥ सोजनमाहिंझेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए
व्यतीकरसूणीपुढीउंरे ॥ सूपेंइंमकुमार॥ स्वाननेंस्येकारणदीउंरे ॥झेरकहोतेवी
चार॥८५॥ नारी०॥कुमरकहेएकुतरोरे॥आवीवेसेतेंठाम॥निजप्रियउपद्रवजा
णीनेंरे ॥ एहनेंपणिदिउंताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनसणीरे ॥ मा
रयोइंणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ कमीउपनोदेहमझारि ॥ ८७ ॥
नारी० ॥ तिहांथीगृहकोकिलथयोरे ॥ उंदरनेंवलीतेक॥ वलीअलसीउंउपनुं॥
तिमसरपपणेंअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातमेंसवतेकुतरोरे ॥ मारेसघले
नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिग् २ ऐंसंसार ॥ ८९ ॥ नारी० ॥
रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाए ॥ थानिकनवीमुंकेकिमें ॥ अहोमो
हशकतीअप्रमांण ॥ ९० ॥ नारी० ॥ स्वानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपतोल
ह्योसंवेग ॥ अहोसंसारअसारता ॥ कर्मवीचीत्रपणंअतीरेग॥ ९१ ॥ नारी०॥
नवमारवंममांएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमां ॥ सू
णतांहोयमंगलमाल ॥ ९२ ॥ नारी० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ बैंबआव्यांइंणिअवसरें ॥ जिवाम्योकहेजाम ॥ उद्योतथयोइंणि
अवसरिं ॥ देवदूंदूसीनदेंतांम ॥ ९३ ॥ सांसलेगीतसोहामणां ॥ कहेक

होरायकुमार ॥ एहकिस्यूंअदसूतअछे ॥ वलिकहेकुमरवीचार ॥ ए४ ॥
गुणधर्मसेठनोसूतगुणी ॥ जिनधर्मनामेंजाए ॥ आजजसूरमांअवतरयो ॥
निश्चयअवधीनाए ॥ ए५ ॥ मीत्रनारीसमभावबा ॥ इहांतिआव्योएह ॥ प्र
तिबोधीपाछांजतां ॥ रिद्धीदेषामीरेह ॥ ए६ ॥ सूरपदपाम्योकिमसखर ॥
प्रतिवोध्याकेणीपेर ॥ कुमरकहेएकीमकहुं ॥ वाच्यनहीएधेर ॥ ए७ ॥ तु
म्हआग्रहथीतातजी ॥ पसणंताशप्रकार ॥ जिनमतसावितजिनधरम ॥ व
सेंनविषयविकार ॥ ए८ ॥ ढाल ॥ जंबुसरतसूत्तामीनी ॥ एदेशी ॥ सा
वनासावेंसावस्यूं ॥ नगमेंमनमांसंशाररे ॥ धनदत्तमीत्रएकतेहनें ॥ बंधुला
नांमेंनीजनारीरे ॥ एए ॥ पणितेधनदत्तस्यूंरमें ॥ बहुकालगमायोइमरे ॥
जिनधर्मतोइहलोकनी ॥ नविराषेअपेक्षाप्रेमरे ॥ ४०० ॥ विणसंसलावेकूट
बने ॥ सून्यघरमांकाउसग्गरातेंरे ॥ रहिआहवेजेबंधुला ॥ धनदत्तसंकेतक
रयोवातेंरे ॥ १ ॥ तेसून्यघरमांआवीआं ॥ एकपल्यंकलेईतेदूठरे ॥ पाई
इंषीलालोहना ॥ ढाल्योपल्यंकपापेंपुठरे ॥ २ ॥ जिनधर्मनापगउपरें ॥
आव्योषीलोपगविधाणोरे ॥ तेउपरिंबिहुंजणचढ्या ॥ करेआलिंगनअन्ना
णोरे ॥ ३ ॥ मैथुनसेवेंमोहस्यूं ॥ तससारेंसेघोअत्यंतरे ॥ षिलोपेठोपृथिवी
मां ॥ जिनधर्मनेंवेदनाअनंतरे ॥ ४ ॥ कुशलबुद्धीतीहांचिंतवे ॥ अहोवीषय
मुंझावेजीवरे ॥ शीलजाइंदूरगतीपमे ॥ तिहांदूखसहेअतीवरे ॥ ५ ॥ धन्य
मुनीसमसूखवरया ॥ दूरिछंम्यानारीनासंगरे ॥ हुंतोनतजुंएसंगनें ॥ घरमां
रह्योराषुरंगरे ॥ ६ ॥ मीत्रनेंनीजसार्यासणी ॥ नकरीसकुंसावउपगाररे ॥
तोबीजानीसीवारता ॥ आत्मसरीयाउंअशारोरे ॥ ७ ॥ अहो २ डुरकहेतूथ
यो ॥ अहोमुझसंगतीपणिएहरे ॥ क्लिष्टचेष्टाकरेएहवी ॥ इहलोकेंपणिडुख
जेहरे ॥ ८ ॥ परसवजाइडुरगती ॥ हुंस्यानोकल्याणमीत्रोरे ॥ कल्याणमी
त्रमंगलकरे ॥ तेतोहुंथयोइमअमीत्तोरे ॥ ए ॥ चारनहीमुझएहमां ॥ तिणें
समरूंपंचनवकाररे ॥ इमकरीसमरेतेहनें ॥ वलीसंसारेंदेवअणगाररे ॥ १० ॥
पढमंहवइमंगलं ॥ कहेतांबुढातसप्राणरे ॥ ब्रह्मलोकमांउपनो ॥ प्रजुंजतो

अवधिनाणरे ॥ ११ ॥ देवकृत्यकिधावीनां ॥ आव्योकरूणामनआणीरे ॥
मित्रनारीप्रतीबोधवा ॥ करेइमवीचारसूजांणरे ॥ १२ ॥ रागअतीएहनेंअ
छइ ॥ तसस्तयविणनहिप्रतीबोधरे ॥ इमकरीमायामुकतो ॥ वेदनाअतीसू
खविरोधरे ॥ १३ ॥ यहेवाणीवीशूचिकाइं ॥ अशूचीचीकणंजंबालरे ॥
डरगंधअशुचिसकूकसणी ॥ पणिलागेअतीवीकरालरे ॥ १४ ॥ दोयपासां
सेहाईआं ॥ हाहामरणलङंहूंइमरे ॥ वलगेधनदत्तनेंवली ॥ जंबालेषरफाइ
तेंमरे ॥ १५ ॥ पापपरेंलीपाईउ ॥ महाअरतीउपनीअंगेरे ॥ अहो२एस्यूंवनी
गयुं ॥ इमचितवेमननेंसंगेरे ॥ १६ ॥ उसरवाकांयमांमीउं ॥ साचितवेनेह
स्युंएतोरे ॥ बोलेमरूंबङवेदना ॥ अंगलागेंडखकसमेतोरे ॥ १७ ॥ तेकहेङं
स्युंकरूंइहां ॥ माहरोनहीकांइचारोरे ॥ साकहेसरीरउलांसीइ ॥ उलांसेंतव
तिणीवारोरे ॥१८॥ कहेमुफहाथचालेनही ॥ कोईमुरतीवंतएपापरे॥ एसरीषुं
तोदीठुंनही ॥ अरतियहेवाणोआपरे ॥ १९ ॥ साचितेमुफपापथी ॥ एउदइ
आव्यारोगरे ॥ देवसमोपतीवंचीउ ॥ कस्युंविरूवउत्तयलोगरे ॥ २० ॥ पा
मीसंवेगनेरोवती ॥ हाआर्यपुत्रइमकहेतीरे ॥ धनदत्तपणिइमचिंतवे ॥ अ
होडखसमुदायवहेतीरे ॥ २१ ॥ एसंसारअसारछे ॥ एहकायाअशूचीसंभा
रेरे ॥ प्रियमित्रवयणतेसांसल्यां ॥ सूखसोगव्यांतसउपगाररे ॥ २२ ॥ जे
हवीम्हेंचेष्टाकरी ॥ तेहनांफलङएपाम्योरे ॥ रेमीत्रम्हेंमाठुंकरयुं ॥ इमकहे
तांमोहकांइवाम्योरे ॥ २३ ॥ जांणीसमयप्रतीबोधनो ॥ ग्रंवपुजणमिसक
रीआयोरे ॥ सूरनिजरूपप्रगटकरी ॥ पुजाकरेग्रंवनीरमायोरे॥ २४ ॥ दरी
सणदिठुंदोयजणें ॥ वेदनाथईउपशांत्तरे ॥ देषीदेषीदोइवंदीआ ॥ अहोसक्ति
रूपनेंकांतीरे ॥ २५ ॥ पुछेस्वामीतूम्हेंकोणछो ॥ किमआव्याआणेंगामरे ॥ ते
कहेङंसूरआवीउ ॥ जिनधर्म्मबिंबपुजाकामरे ॥ २६ ॥ तेकहेकिहांजीनध
र्म्मनी ॥ प्रतीमातवतिणेंदेषाडीरे ॥ देषीचीत्तमांचिंतवे ॥ एजीवरहीतमानुंगा
ढीरे ॥ २७ ॥ कोसलहीकहेएकीस्यूं ॥ इहांस्योपरमार्थवषांणोरे ॥ सूरपरमा
र्थकहेतांथकां ॥ पायप्रणमेधरीवङमांनोरे ॥२८॥ नवमेखंमेंवारमी ॥ कही

पद्मविजयईमढालरे॥समरादित्यनारासमां ॥ मूणोआगलवातरसालरे ॥२९॥
॥ दुहा ॥ पुछेसुरनेंइणिपरें ॥ जिनधर्मकिहांसूजांण ॥ देवकहेंथयोदेवता ॥
विध्योंकिलविश्रांण ॥ ३० ॥ दिगेतीमहीजदरूथी ॥ कहेंअहोकीधअक
ज्ज ॥ मूर्गेविज्ञजणपांमीआं ॥ सुरकरतोवलीसज्ज ॥ ३१ ॥ लघुतापाम्याला
जथी ॥ मरवानेंउजमाल ॥ देषीनीवारेंदेवता ॥ स्येंकरोमरणसंसालि ॥ ३२॥
तेकहेजाणोसवीतूम्हे ॥ अमस्यूंपुछेआम ॥ सुरकहेमरणथकिसरयूं ॥ करो
तसउपदेशकाम ॥ ३३ ॥ उपदेशयोग्यअमेनही ॥ तेकहेगयातेमीत्र ॥ सुर
कहेयोग्यअछेसखर ॥ पश्चात्तापपवित्त ॥ ३४ ॥ पापकरेंपणिपापीआ ॥
पश्चात्तापनशाय ॥ क्लिष्टकम्र्मतेहजकह्या ॥ शास्त्रेंसज्जसमझाय ॥ ३५ ॥
जिनधर्मगयानजांणज्यो ॥ तेहजञ्तूंमपास ॥ परिणतीकर्मनीपामीनें ॥ व
रतेमोहविलास ॥ ३६ ॥ धर्मसरणकरोधसमसी ॥ जिमनवीहोईजंजाल ॥
तेकहेकरस्यूंतोहिपणिं ॥ करस्युंकालअकाल ॥ ३७ ॥ आजथीतूमवचनें
अम्हें ॥ जाण्यूंअकारयजाम ॥ किमजीवनधरीईकहो ॥ निर्जरलहीपरिणा
म ॥ ३८ ॥ जिनवरेंसाध्योजिणीपरें ॥ दिधोतिमउपदेश ॥ सर्वविरतिकरी
सामठी ॥ अणसणकीधअसेश ॥ ३९ ॥ लवसरुपतिहांसावतो ॥ संवेगेंकरी
शुद्ध ॥ डक्तनिंद्यादाषतां ॥ अतिशयतेअवबुध ॥ ४० ॥ अमरईहांथीउत
पत्यो ॥ करस्यूंजेधारयूंकाज ॥ सांसलीलह्योसंवेगनें ॥ रूमीपरेंमहाराज ॥
॥ ४१ ॥ ढाल ॥ सेठसेनाप्रतीवाधिको ॥ पुरोहीतनेंपरधानबे ॥ केम्निमुंकें
कामिनी ॥ सहेसबत्रीसराजानबे ॥ प्राणजीवनघरेंआउनां ॥ आउनांवेदील
स्याउनांवे ॥ प्रा० ॥ एदेशी ॥ रायकहेवछसाचलूं ॥ सवचेष्टाअसारालबे ॥
जलकल्लोलपरेंदेषीइं ॥ साचिएईन्द्रजालबे ॥ ४२ ॥ कुमरसंवेगेंपुरीउ ॥ पुरी
उवेडखचुरीउबे ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥ कल्याणमीत्रतेदोहिला ॥ एहवा
नेंपणिकीधबे ॥ एहवागुणनीयोग्यता ॥ शिवसुखकरतलदिधबे ॥ ४३ ॥
॥ कु० ॥ सज्जकहेसत्यकह्युंतुमें ॥ सज्जईलह्यावेरागबे ॥ नृपकहेउपजस्येकि
हां ॥ कहोकुअरवमत्तागबे ॥ ४४ ॥ कु० ॥ सौधरमेंसुरवरथस्ये ॥ सूपकहे

अणाचारवे ॥ कुमरकहेतोस्युंथयुं ॥ पश्चात्तापअपारवे ॥ ४५ ॥ कु० ॥
विरतीपरीणामएहनाथया ॥ तिणेंडरगतीनवीजायवे ॥ जोअप्रमादथीआच
रे ॥ तोशुभपरंपराथायवे ॥ ४६ ॥ कु० ॥ रायकहेएहवातणी ॥ किमएहोइ
जोगवे ॥ कुमरकहेविचित्रता ॥ कर्मपरीणामआसोगवे ॥ ४७ ॥ कु० ॥ एह
नीप्रवृत्तीअकुसलतणी ॥ नहीअतीसंकिलेससारवे ॥ एकप्रवृत्तिमात्रजहतां ॥
अनुंबंधरहीतविचारवे ॥ ४८ ॥ कु० ॥ आगमरीतेंचालीआं ॥ लागोनहीअ
तीचारवे ॥ नृपकहेसाधुंतेवीना ॥ किमभवछेदनसारवे ॥ ४९ ॥ कु० ॥ कु
मरकहेधारयुंपरूं ॥ विनतीकरूंवलीएकवे ॥ एसंसारअनर्थमां ॥ आपदछे
अतीरेकवे ॥ ५० ॥ कु० ॥ मननरूचेरहांमाहरूं ॥ हरषइंआपोआणिवे ॥ गु
रूआणाइंप्रवृत्तता ॥ कामचढेपरमाणवे ॥ ५१ ॥ कु० ॥ तिणेंआणामुजआ
पीइं ॥ इंमकहीपगीउपायवे ॥ रायकहेवछसांभलो ॥ आसघलोसमुदायवे ॥
॥ ५२ ॥ कु० ॥ सज्जनाएहपरीणामछे ॥ तिणेंअम्हेंदिधीआणिवे ॥ अथवा
अमगुरूछोतूम्हे ॥ अदसूतनीरमलनाणवे ॥ ५३ ॥ कु० ॥ कामनपुछएनुंरह्यूं ॥
अह्मतूम्हकीजेंउचीतवे ॥ किधप्रशादतेतातजी ॥ कुमरकहेसूवीदितवे ॥ ५४
॥ कु० ॥ तूम्हेपणिजुगतूंआदरयुं ॥ इंमकहेतांथयोसोरवे ॥ वाज्यांतूरप्रसाति
नां ॥ बंदीजनकरेसोरवे ॥ ५५ ॥ कु० ॥ तमगयुंनेरवीउगीउ ॥ वायाप्रसात
नावायवे ॥ विरहदल्योचक्रवाकनो ॥ मिलीआअमात्यसमवायवे ॥ ५६ ॥
॥ कु० ॥ कुमरचरीत्रसंभलावीउं ॥ नृपेंकह्योनीजअसीप्रायवे ॥ तेपणिहर
ष्यांसांभली ॥ घटतूंकीधुंरायवे ॥ ५७ ॥ कु० ॥ कुमरचिंतामणसारिषा ॥ नृप
कहेएइंमवे ॥ विलंबनकीजेंएहमां ॥ उचितकरोधरीप्रेमवे ॥ ५८ ॥ कु० ॥
आणिप्रमाणकरीतीणें ॥ वरवरीआथोषायवे ॥ सज्जदेहरेपूजारची ॥ दानम
हादेवायवे ॥ ५९ ॥ कु० ॥ पुरजननेंसनमांनीउ ॥ बंदिवांनमुंकायवे ॥ रा
ज्यठवेताणेज्यनें ॥ मुनीचंदनामसूहायवे ॥ ६० ॥ कुं० ॥ गुरूजननीपुजाक
री ॥ शुभदिनकरणमुहूत्तवे ॥ रायराणीमीत्रवृंदस्युं ॥ नारीविक्रंसंजुत्तवे ॥
॥ ६१ ॥ कुं० ॥ लहपुरंदरस्यूंवली ॥ पुरीजननेंपरधांनवे ॥ बेठासीबीकाइं

सङ्घ ॥ वलीसामंतराजानबे ॥ ६२ ॥ कुं० ॥ मंगलतूरवजावते ॥ नाचंतेवरपा
त्रबे ॥ बंदिवीरुदबोलीजते ॥ लोकनेंहर्षअमात्रबे ॥ ६३ ॥ कु० ॥ अध्यव
शायवधतेथके ॥ विस्मयपामेंलोकबे ॥ पापरासीनेंषपावतो ॥ जोवेजनथो
केंथोकबे ॥ ६४ ॥ कु ॥ बङ्घआंम्बरेंनीकल्यो ॥ नयरीबाहीरकुमारबे ॥ पु
ष्पकरंमउद्यानमां ॥ आवेबङ्घपरीवारबे ॥ ६५ ॥ कु० ॥ नामप्रसासस्रीत
दा ॥ पाउधारयातिणेंबारबे ॥ चौनाणीचारीत्रीआ ॥ वंदेतीहांअणगारबे ॥
॥ ६६ ॥ कु० ॥ सूरवरतसपुजाकरे ॥ विधीपुर्वकतसपासबे ॥ दिक्षाजिननी
आदरे ॥ पामीगुरूनोवासबे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ ईद्रतीहांपुजाकरी ॥ तिममुनी
चंदराजानबे ॥ पुरमांसङ्घदेहरेकरे ॥ अठाईमहोछवतानबे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
पम्हअमारिवजावीआ ॥ हरष्यापुरीजनसाथबे ॥ समरादीत्यप्रमुखसङ्घ ॥
आणिपालेजगनाथबे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ नवमेरवंमेंतेरमी ॥ ढालअधीकउल्ला
सबे ॥ साषीपद्मविजइंइसी ॥ समरादित्यनेंरासबे ॥ ७० ॥ कु० ॥ ॥छ॥
॥दुहा ॥ लोकप्रसंसालखकरे ॥ सांभलीतेगीरीसेण ॥ कलूषीतचितक्रोधेंथयो ॥
जाणेंइणिपरेंजेण ॥ ७१ ॥ मुंढलोकमानुंकरे ॥ मुरषनुंबङ्घमांन ॥ डरा
चारएदेषीनें ॥ अधीकोहोइंअसीगांन ॥ ७२ ॥ मारूंएहनेंमुलथी ॥ तोसू
खसाताथाय ॥ हाथेंमाहरेएहवइं ॥ निश्चयआवस्येन्याय ॥ ७३ ॥ ढांनांखो
लेगीइनें ॥ गिरीसेनतेहगमार ॥ मुनीवरसंजमम्हालता ॥ गुरूचरणेंगुणधार
॥ ७४ ॥ पुर्वाल्यासपणेकरी ॥ अलपकालेंअदसूत ॥ सणिआद्वादशांगीस
ला ॥ पुरवचौदप्रसूत ॥ ७५ ॥ क्रियाकलापसङ्घकरया ॥ वाचकपदभावंत ॥
विहारकरंतामुनीवरू ॥ ग्रामानुंग्रांमगमंत ॥ ७६ ॥ साधुनासमुदायथी ॥ क
रतासवीउपगार ॥ अयोध्यापुरीआवीआ ॥ श्रावकसाथेंसार ॥ ७७ ॥ ढाल ॥
टेकरहीरेसहेरसरू अचिकेमेंदान ॥ एदेशी ॥ मुनीवरआयारेनयरीअयोध्या
मेंदान ॥ संघसङ्घआयारेनमवाचैत्यनीदान ॥ एआंकणी ॥ शक्रावतारचैत्य
मनोहार ॥ रीषभदेवप्रतीमाअवधारि ॥ दिठुंतेउद्यानमझार ॥ नयरीसोहेरेइं
णदेहरेंनीरधार ॥ उज्वलदीपेरेशंषकुंदअनुंहार ॥ गगनेंअमीआरेध्वजपटअ

तिहांविस्तार ॥७८॥ मुनि० ॥ दिठोमानुंदेववीमान ॥ तोरणमणीमयथंससूवा
न ॥ शालिसंजीकाकरतीतान ॥ रयणसमुहेरेंबांध्यूंकोट्टिमतास ॥ सोहेगंसा
रोरेरयणनादिवप्रकास ॥ सूरतरूफूलेंरेंपुज्याजिनवरषास ॥ ७७ ॥ मुनी ॥
सेवाकरवासूरवरआय ॥ तिमचारणजाणोरीषीराय ॥ नारीमधुरस्वरेंगीतगा
य ॥ कृष्णागरनारेधूपअतीशयथाय ॥ दशदीसव्यापेरेमुनीकरेस्तवनाजीन
राय ॥ सिद्धजनसुणतारेपरमारथनिरमाय ॥ ८० ॥ मुनी ॥ देषीमणीमयति
हांसोपान ॥ चढिनेवंदेजिनभगवांन ॥ लोकालोकजाणेंजेहज्ञांन ॥ वंदिबेठा
रेसमरादीत्यएकदेश ॥ चारणमुनीरेविद्याधरसुवीसेष ॥ आवीनमीयारेमुनीव
रचरणअशेस ॥ ८१ ॥ मुनी ॥ इणअवशरिंपरसन्नचंदराय ॥ स्वामीअयो
ध्यानोतेथाय ॥ समरादित्यआव्यामुनीराय ॥ जाणीराजारेलेईनीजपरीवार ॥
वंदवाआवेरेहैयेंहरषअपार ॥ प्रसूजीपुजीरेंआव्योजीहांअणगार ॥ ८२ ॥
॥ मुनी० ॥ प्रणमीबेठेमुनीवरपास ॥ पुछेप्रश्नधरीउल्लास ॥ नासीनंदनइहांसू
णीइवास ॥ धरमनाचक्रीरेप्रथमकह्यायंथेतेह ॥ तोस्यूंपहेलारेधरमहतोनही
एह ॥ जोहतोपहेलारेतोकीमप्रथमकहेह ॥ ८३ ॥ मुनी० ॥ मुनीकहेभरत
षेत्रमांजोय ॥ इणिअवसर्प्पिणीपहेंलांहोय ॥ पणिधर्मनहोतोमतलहोकोय ॥
छेअनादीरेतीर्थंकरभगवंत ॥ तेहनोभाष्योरेधर्म्मअनादिवहंत ॥ भूपतीभाषेरे
साषोकरूणारेवंत ॥ ८४ ॥ मुनी० ॥ सकुषेत्रेंअवसर्प्पिणीइंम ॥ मुनीकहेए
हवुंकहिइंकेम ॥ भरतऐरवतेंपंचेनेम ॥ महाविदेहेरेंछेअवस्थितकाल ॥ जि
नपतिनीत्येंरेषटजीउनाप्रतीपाल ॥ अंतरनांहीरेचक्रीवासुबलसालि ॥ ८५ ॥
॥ मुनी० ॥ भरतऐरवतेंअनीयतकाल ॥ बारआरेकालचक्रवीशाल ॥ चढतो
पडतोहोयनरपाल ॥ सागरवीसेरेहोइंतासप्रमाण ॥ अवशर्प्पिणीरेछआरेकरी
जाण ॥ उत्सर्प्पिणीरेतेहजरीतीवषाण ॥ ८६ ॥ मुनी० ॥ अवसर्प्पिणीमांप
हेलोजेह ॥ च्यारकोडाकोडिसागरतेह ॥ सूसमसूसमानामेंएह ॥ सूसमबीजो
रेत्रणिकोडाकोडीमांन ॥ सूसमडसमारेबेकोडाकोडीमांन ॥ त्रिजाआरारेकेहुं
एअसीधांन ॥ ८७ ॥ मुनी०॥ उंणांबेंतालीसहजार ॥ वरससागरकोडाकोडी

धार ॥ डषमसूषमाईणपरकार ॥ पांचमोत्र्यारोरेवरससहसएकवीस ॥ डरव
मानांमेंरेछगेपणएवरीस ॥ डरवमडरवमारेमहाडरववंतमनीस ॥ ८८ ॥ मुनी ॥
पहेलेत्र्यारेत्रणिपल्यत्र्याय॥त्रणिगाउउंचीतसकाय॥ कल्पवृक्षमनवंछीतदाय॥
दसछेजातिरेपहीलामत्तंगतऊ ॥ मदिरासघलिरेतिणहीजठांमेंपसऊ ॥ भृंगमा
दिसेरेसाजननीवीधीजऊ ॥ ८ए ॥ मुनी० ॥ त्रुटितांगेंवाजीत्रत्र्यनेक ॥ दिप
शिषानांमेंवलीएक ॥ दिपपरेंदिपेंसूवीवेक ॥ जोईसनामेरेकरतातेहउद्योत ॥
चित्रांगवृक्षेंरेफूलमालसवीहोत ॥ चित्ररसेंजाणोरेसोजनवीधीसुरवसोत ॥
॥ ए० ॥ मुनी० ॥ मणित्र्यंगमांहोईत्र्यलंकार ॥ सवनरूषमांगेहप्रकार ॥ त्र्य
नीगणमांसऊवस्त्रवीचार ॥ संज्ञानांहीरेधर्माधर्मविशेष ॥ त्र्यारानीत्र्यादिरेजा
णोएहत्र्यशेष ॥ घटतूंजाईरेतिहांथीसऊलवलेश ॥ ए१ ॥ मुनी० ॥ बिजेत्र्या
रेदोयपल्यत्र्याय ॥ दोयगाउनुंसरीरतेथाय ॥ लक्षणवंतानेंनीरमाय ॥ घटतां
त्र्यायुरेवलीप्रमाणशरीर ॥ त्रिजानीत्र्यादेंरेसांसलितूंनरवीर ॥ एकपल्यत्र्यायु
रेएकगाउतनुंधीर ॥ ए२ ॥ मुनी० ॥ तेहनेंत्र्यंतेपेहेलोराय ॥ जगततणीथि
तीसऊबतलाय ॥ सुरत्र्यसुरांसऊपुजनीकथाय ॥ धरमनाचक्रीरेपहेलात्र्यरी
हाजीणंद ॥ चिऊविधेधर्मरेउपदेशेसुरवकंद ॥ त्र्यनुंक्रमेंपांमेरेशिवसुरवपरम
त्र्याणंद ॥ ए३ ॥ मुनी० ॥ नवमेरवंमेंचौदमीढाल ॥ साषेउत्तमविजयनोबा
ल ॥ संमरादित्यनोरासरशाल ॥ सुणतांहोवशेंरेघरघरिमंगलमाल ॥ सांसलो
त्र्यागेंरेसवीकार्यईउजमाल ॥ जिमतूम्हेंपामोरेलीलालछीवीशाल ॥ए४॥मुनी०॥
॥ उहा ॥ त्र्यारोचोथोत्र्यादिते ॥ पंचसेधनुंषप्रमांण ॥ कायात्र्यायुपुरवकह्युं ॥
चुलसीलरकपहीचाण ॥ ए५ ॥ वावरतात्र्यन्नवारिनें ॥ धर्म्माधर्मतेधारिं ॥
तिर्थंकरचक्रीतथा ॥ बलवासूदेवतिवार ॥ ए६ ॥ पंचमत्र्यारोपामतां ॥ त्र्या
युवरससतएक ॥ सातजहाथसरीरछई ॥ वाह्लधर्मवीवेक ॥ ए७ ॥ तिरथत्र्यं
तिमजिनतणुं ॥ चालेहमीचालि ॥ छगेत्र्यारेछटकीउं ॥ सरीरत्र्यायुसंसालि ॥
॥ ए८ ॥ वरससोलत्र्यायुवयूं ॥ उंचुंकरतनुंएक ॥ मांसाहारीत्र्यतीमलीन ॥
वलिनहीधर्मवीवेक ॥ एए ॥ ढाल ॥ सरोवरसूकावेलाव ॥ हंसाडरकधरे ॥

सरोवरउरेबेलाल ॥ जाइंचित्तधरे ॥ एदेशी ॥ उलटिजाणोबेलाल ॥ जात्सर्पिं
णीवली ॥ कालचक्रजाणोबेलाल ॥ इणिपरेदोयमली ॥ ५०० ॥ त्रुटक ॥ दो
यमीलीधारोमतवीचारो ॥ धरमनहतोपुरवे ॥ मोहटाल्योकरयोअनुंग्रह ॥ सू
परुंणीपरेवीनवे ॥ १ ॥ इंणसमेंआयोबेलाल ॥ माहणएकसलो ॥ इं
द्रसर्मानामेंबेलाल ॥ मरुडगुंणनीलो ॥ २ ॥ त्रु० ॥ गुणनीलोगरढोबुद्धी
वंतो ॥ वंदिपुछेइंणीपरें ॥ सगवांनतूमचाशास्त्रमांहि ॥ कर्मसाष्यांजीनवरें ॥
॥ ३ ॥ तेकर्मबेलाल ॥ बांधेंकीमकहो ॥ गुरुकहेसूणज्योबेलाल ॥ सू
णीनेंसरदहो ॥ ४ ॥ त्रु० ॥ सरदहोनाणनीप्रत्यनीकता ॥ उलवेकरेअंतराय
ए ॥ आशातनाकरेज्ञानीउपरि ॥ द्वेषकरतोधायए ॥ ५ ॥ साषेअव
लूंबेलाल ॥ ज्ञानावरणनें ॥ बांधेकर्मबेलाल ॥ नवीलहेकरणनें ॥ ६ ॥ त्रु० ॥
दरसनतणीप्रत्यनीकताइंम ॥ जावअवलूंसाषतो ॥ दर्शनावरणीकर्मबांधें ॥
चित्तथीरनविराषतो ॥ ७ ॥ करेअनुंकंपाबेलाल ॥ डुखनवीआपतो ॥ सोक
संतापबेलाल ॥ परनांकापतो ॥ ८ ॥ त्रु० ॥ कापतोपरनीवलीपीमा ॥ बांधे
शातासुखतणी ॥ विपरीतथीअशातबांधें ॥ वातसांसलोमोहणी ॥ ए ॥
क्रोधनेंमांनबेलाल ॥ मायालोहनें ॥ मिथ्याचरणबेलाल ॥ तिव्रकरेमोहनें ॥
॥१०॥ त्रु० ॥ बांधेमोहनीकर्मइंणिपरे ॥ हवेइंपंचिदीवधकरे ॥ आरंसपरी
ग्रहमहामेलें ॥ मांशवलीजेवावरे ॥ ११॥ नारकआयुबेलाल ॥ बांधेतनरा ॥
मायाअलिकबेलाल ॥ वंचवातत्परा ॥ १२ ॥ त्रु० ॥ तत्पराकूमामानकरवा ॥
कूमांतोलकरेघणां ॥ आयुतिरयंचकेरूबांधें ॥ डुखतणीजीहांनहीमणां ॥
॥ १३ ॥ प्रकृतिविनीतबेलाल ॥ पश्चातापीउ ॥ मछरनकरेबेलाल ॥
मनुजआउथापीउ ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ बालतपअकामनीर्जर ॥ सरागसंजमजा
णिइं ॥ देशवीरतीथकीबांधें ॥ देवआयुगणिइं ॥ १५ ॥ कायनेंसावबेलाल ॥
ऋजुताजेहनें ॥ अवीसंवादनबेलाल ॥ योगहोइंतेहनें ॥ १६ ॥ त्रु० ॥ तेहनें
बंधशुसनांमकेरो ॥ अशुसवीपरीतएहथी ॥ आठजातीनामदजेंनिच ॥ गोत्र
बांधेतेहथी ॥ १७ ॥ जातीकुलनेंबेलाल ॥ रूपनेंतपतणो ॥ श्रुतबल

लासबेलाल ॥ ऐश्वर्यमदघणो ॥ १८ ॥ त्रु० ॥ मदएहनोजोकरेनांही ॥ ऊंच गोत्रबांधेसही ॥ दानादिकअंतरायकरतो ॥ अंतरायबांधेवही ॥ १९ ॥ इणिपरेंबांधेबेलाल ॥ जिववीशेषथी ॥ आठप्रकारेंबेलाल ॥ कर्मअशेषथी ॥ ॥ २० ॥ त्रु० ॥ इमसूंणीकहेंइंद्रसर्मा ॥ स्वामिजीसाचुंकह्युं ॥ हवेमो रूनुंबीजसाषो ॥ तेहकिमजाइलह्युं ॥ २१ ॥ पाठकबोलेबेलाल ॥ बि जकहीजीइं ॥ सूरमणीसरीषुंबेलाल ॥ सम्यक्तलहीजीइं ॥ २२ ॥ त्रु० ॥ लि गतेहनुंसमसंवेग ॥ दिकतेटालेकर्मनें ॥ हवेलहीइंतेहसूणज्यो ॥ सांभलेजीन धर्मनें ॥ २३ ॥ गुणिनीसंगतीबेलाल ॥ गुणपक्षपातीउ ॥ तथासव्य ताबेलाल ॥ जोगेंअघातीउ ॥ २४ ॥ त्रु० ॥ अनूकंपादीकभावनाकरे ॥ कर्म खयउपशमेंलहे ॥ इंद्रसर्माकहेसच्चुं ॥ जेहपाठकजीकहे ॥ २५ ॥ पणिम सूभाषोबेलाल ॥ मोक्षमांसूखघणुं ॥ संजमदुखथीबेलाल ॥ किमलहेतेपणुं ॥ २६ ॥ त्रु० ॥ किमलहेतवगुरूकहेभांभलि ॥ जिमउषधथीनीरोगता ॥ अथ वापरमारथेंसंजम ॥ दुखनीनहीजोगता ॥ २७ ॥ शुभपरिणामबेलाल ॥ शुक्ललेस्या वली ॥ ग्रास्त्रेंभाषेबेलाल ॥ संजमसूखकेवली ॥ २८ ॥ त्रु० ॥ केवलीभाषेबारमासह ॥ चरणकउजेहनुं ॥ अनुंत्तरविमांनसूरजे ॥ सूषउलंघेतेहनुं ॥ २९ ॥ यतः ॥ जेइमे अझताए समणानिग्गंथा ॥ एएणंकस्सतेउलेसं ॥ विइवयंती ॥ मासपरियाए समणे निग्गंथे ॥ वाणमंतराणंदेवाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ एवंदुमासपरीआए सम णेनीग्गंथे ॥ असूरिंदवज्जिआणंभवणवासीणंतेउलेसंविईवयंती ॥ तिमासपरी आए ॥ समणेनिग्गंथे ॥ असूरकुमाराणंदेवाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ चउमास परीपरीआए ॥ समणेनिग्गंथे ॥ गहगणनरकत्तताराहूवाणं ॥ जोईसीयाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ पंचमासपरीआए समणेनिग्गंथे ॥ चंदिमसूरीयाणं ॥ जोईसीदाणंजोईसरायाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ छमासपरीयाए समणे नीग्गंथे ॥ सोहम्मीसाणदेवाणं ॥ तेउलेसंवीईवयंती ॥ सत्तमासपरीआ एसमणेनीग्गंथेसणंकुमारमाहिंदाहिंदाणंदेवाणंतेउलेसंवीईवयई ॥ अठमास परीयाए ॥ समणेनीग्गंथे ॥ बंभलोगलंतगाणं ॥ तेउलेसंवीईवयई ॥ नव

मासपरीयाएसमणेनिग्रंथे ॥ महासुक्कसहस्सारांणदेवाणं ॥ तेउलेसं॥दसमास
परीयाएसमणेनिग्रंथे ॥ आरणच्चुआणंदेवाणं॥ तेउलेसं॥एक्कारसमासपरीआ
एसमणेनिग्रंथेगेविज्ञाणंदेवाणं ॥ तेउलेसं ॥ बारमासपरीआएसमणेनिग्रंथे ॥
अणुत्तरोववाइणं ॥ देवाणंतेउलेसंवीईवयई ॥ तेणपरंसूक्केसूक्कालीजाईत्तवी
त्ता ॥ सिझईबुझईमुच्चईसवडखाणमंतंकरेई ॥ इतिभगवतीसूत्रे ॥ पूर्वढाल॥
तेहउपरिबेलाल॥ शुक्लसुखभाषीउं॥ शुक्लालीजात्यबेलाल ॥ सुखईमदाषीउं
॥२०॥त्रु०॥ दाषीउंतिणेमुनीराजसूषीआ॥परमार्थेइमधारजे ॥ कहेईद्वारमा
तहत्तिस्वामी ॥ किधोअमउपगारजे ॥ २१ ॥ ईणिअवसरबेलाल ॥ पुरवेंआ
वीउ॥ नामचित्रांगदबेलाल ॥ प्रणमेभावीउ॥२२॥त्रु०॥ भावीउंकहेईमखंमन
वर्मे ॥ ढालपन्नरमीभली ॥ पद्मकहेएसांभलीनें ॥ बुद्धिकिजेंनीरमलि ॥२३॥
॥ दुहा ॥ कुणप्रांणीथीतीकेतली ॥ बांधेकतीविधबंध ॥ पुछेप्रणइंणीपरें ॥
सयलकहोसंबंध ॥ २४ ॥ समरादित्यकहेसूणो ॥ आयुवीनाअवधारि ॥
सातकरमबांधेसदा ॥ आठबांधेजउआय ॥ २५ ॥ बांधेंमोहआयुवीना ॥
सूक्ष्मजेसंपराय ॥ बंधछनोबाकीरह्यो ॥ एकबंधहवेआय ॥ २६ ॥ शातावं
धउपशांतनें ॥ मुनीवरजेषीणमोह ॥ सयोगीपणिज्ञातनें ॥ बांधेईमपभीबोह॥
॥ २७ ॥ दाषीसमयथीतीजेहनी ॥ नहिकषायजसनाम ॥ शैलेसीगतसाधु
जी ॥ अबंधीअसीराम ॥ २८ ॥ इत्यादिकबहुदाषीउ ॥ कर्मपयभीअधीका
र ॥ जाणोसूत्रथकीजीके ॥ वधतोथाईविस्तार ॥ २९ ॥ चित्रांगदलहीचीत्र
नें ॥ मोहटल्योमहाराय ॥ अमनेंप्रसूअनुंग्रहकस्यो ॥ शिक्षाधरूंशिरगाय
॥ ४० ॥ कालवेलाथईअनुंक्रमें ॥ प्रणमीगुरूनापाय ॥ रायप्रमुखबहुरिकि
थी ॥ गवापोहतागय ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ प्रीतीनीवातन्यारीउंथवजी ॥ प्रीत०
एदेशी ॥ जीनसासनगतीन्यारी ॥ सवीकजनजिन० ॥ समरादित्यमुनीराज
उचीतनीज ॥ क्रियाकरेअतीशारी ॥ सवि० ॥ तेहजचैत्यमांवीजेदिवसें ॥
बेठाआसनधारी ॥ ४२ ॥ स० ॥ अग्नीभूतीब्राह्मणतिहांआयो ॥ विधीस्यूंवं
दनकारी ॥ स० ॥ चैत्यवांदिपाठकजीप्रणम्या ॥ बेठोनीजडखवारी ॥४३॥

स० ॥ विनयवीशेषथीकहेमुझसाषो ॥ देवविशेषनीरधारी ॥ स० ॥ वलीते
हनीसेवाविधीदाषो ॥ तसफलकहोसूखकारी ॥ ४४ ॥ स० ॥ गुरुकहेदेवसू
णोतूम्हेपहेलां ॥ सर्वज्ञपरमोपगारी ॥ स०॥ रागद्वेषवर्जितसूरपुजीत॥ कृतकृ
त्यअनीयतचारी ॥ ४५ ॥ स० ॥ जनमजरानहीमहिमाअचिंतित ॥ देशना
घनअनुंकारी ॥ सवी० ॥ जसवयणेंसवशायरउतरे ॥ शरधावंतनरनारी ॥
॥ ४६ ॥ सवी० ॥ तेहनीसेवानीवीधीसूणज्यो ॥ अध्यवशायशुलधरिइं ॥
सविकजनजिनसेवाइंमकरीइं ॥ एआंकणी ॥ यथासकतीनिस्पृहताचित्तें ॥
जिमआणास्यूंमरीइं ॥ ४७ ॥ सवि ॥ तपकरीइंवलीसाविइंसावन ॥ निरती
चारव्रतचरिइं ॥ सवि ॥ आणाखंमनकबकुंनकिजें ॥ तसफलकर्मविषरीइं ॥
॥ ४८ ॥ सवि ॥ देवमहर्ध्दिकमहावीमानें ॥ अपूछरास्यूंपरवरीइं ॥ सवि ॥ दि
व्यसोगसोगवीउत्तमकूल ॥ आविनेंअवतरीइं ॥ ४९ ॥ सवी ॥ रूपसुंदरवि
सीष्टसोगवलो ॥ अनुंक्रमेंधर्मआदरीइं ॥ सवि ॥ केवलज्ञांनलहीहवे
करमें ॥ शैलेसीइंचरीइं ॥ ५० ॥ सवी ॥ पणलघुअक्षरउच्चरणकाले ॥ शिव
सुंदरीवरवरीइं ॥ सवी ॥ सांसलिपाठकजीनांवयणां ॥ हर्षेंअग्नीसूतीसरीइं ॥
॥ ५१ ॥ सवि ॥ वलिपुछेतेमध्यस्थहोवइं ॥ जेहथयावितराग ॥ सविकजन
सांसलोतूम्हेमहासाग ॥ एआंकणी ॥ तेउपगारकरेनहीकोयनें ॥ किमसवी
जीवहीतलाग ॥ सवि ॥ ५२ ॥ गुरूकहेसुणोप्रसूदेशनादेवें ॥ तेहथीहोइंमोह
त्याग ॥ सवि ॥ एहथीउपगारकोइंनमोहटो ॥ कोइंजीवनोनहीजाग ॥ ५३॥
॥ स०॥ अग्निसूतीकहेकिमउपगारह ॥ उपदेशनीएकवाग ॥ सवि ॥ गुरुकहे
जोउपदेशकरेतो ॥ फललहेतेवमसाग ॥ ५४ ॥ सवि ॥ चिंतामणीमंत्रनेंवली
अगनी ॥ सेवनजोकरेराग ॥ सवि ॥ जतनाइंसेवेफलेतेहनें ॥ पणिनवीदीइंते
सराग ॥ ५५ ॥ सवि ॥ पणिनदिधुंइमनवीकहेवाइं ॥ इंमसुणीलह्योवैराग ॥
॥ सवि ॥ कहेस्वामीमुझमोहगयोहवइं ॥ वाध्योअधीकसोसाग ॥ ५६ ॥
॥ सवि ॥ इणअवशरएकअसीनवश्रावक ॥ साथेंसखरपरीवार ॥ सविकज
नजिनशासनसोहकार ॥ एआंकणी ॥ धनरिध्दिनामकरेप्रसूपुजा ॥ द्रोपदी

परेंनीरधार ॥ ५७ ॥ सवि ॥ बेठोवाचकजीनेंप्रणमी ॥ पुछेप्रश्नउदार ॥सवि॥
मुनित्रिविधत्रिवीधेंव्रतपचखे ॥ अनुंमतिपणिपरिहार ॥ ५८ ॥ सवी ॥ जव
श्रावकनेंकरावेंमुखथी अणुंव्रतनोउच्चार ॥ सवि ॥ तवमुंनीनेंअनुंमत किम
नावे ॥ साषेतवअणगार ॥ ५ए ॥ सवि ॥ विधिदेतांअनुंमतीनवीआवे ॥ अ
विधीअनर्थसंभार ॥ सवि ॥ सेठकहेविधीकहोगुरूमुझनें ॥ जिमहोईमुझउप
गार ॥ ६० ॥ सवि ॥ गुरूकहेसुणिसंवेगसारतुं ॥ स्वरूपकहेसंसार ॥ सवि ॥
डुखपरंपरकारणसवछे ॥ तेडुःखटालणहार ॥ ६१ ॥ सवि ॥ अह्पेसी
वसुखवल्लीलहीई ॥ संजमएहप्रमाण ॥ सविकजनजिनशासनमंडाण ॥
एआंकणी ॥ प्रथमथीसुलसावनथीकरीई ॥ ईणिपरेंचरणवखाण ॥
॥ ६२ ॥ सवि ॥ असमरथजोकदितेहनोहोइ ॥ कर्मउदयपरीमांण ॥ सवि ॥
अणुंव्रतउच्चरवाउजमालह ॥ जाणिअवसरजाण ॥ ६३ ॥ सवी ॥ उच्चरावे
अणुंव्रततेजननें ॥ जोईप्रसस्तखेत्रठाण ॥ सवी ॥ आगारादिकसुद्धरावे ॥
आपमध्यस्थवीनाण ॥ ६४ ॥ सवी ॥ सुणीकहेसेठतोहिंकिमनावे ॥ अनुंम
तीकहोमहेरवाण ॥ सवि ॥ तवगाथापतीचोरदृष्टांतें ॥ गुरूकरेउत्तरदाण ॥
॥ ६५ ॥ सवी ॥ नवमेखंडेसोलमीढालें ॥ नांणउत्तमजिमसाण ॥ सवी॥ पद्म
विजयकहेसुणतांहोवे ॥ श्रोतावरिकल्यांण ॥ ६६ ॥ सवि ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ वसंतपुरवारूवसे ॥ जितसत्रुरायसूजाण ॥ धारणीशीलनीधारणी ॥
मनहरणीमहेराण ॥ ६७ ॥ नाटीककलानीरषीनृपें ॥ वरदियोसुवीशेष ॥
रांणीकहेरूमोपरें ॥ लषीआपोवरलेष ॥ ६८ ॥ करीईमहोठवकौमुदी ॥ अं
तेउरइछाय ॥ आणादिंइअवनीपती ॥ अनुंक्रमेंसोदीनआय ॥ ६ए ॥ ईला
पतीउदघोषणा ॥ करेसूणयोसहुकोय ॥ नरजेरहस्येनयरमां ॥ जमघरि
जासेसोय ॥ ७० ॥ डरलसआणादेषीनें ॥ पुरुषवर्गपुरबाहरि ॥ निरणय
करिनेंनीकल्यो ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ७१ ॥ ढाल १ ॥ मीठामिठुंबोली
नेंस्युंरीझवोरे ॥ एदेशी ॥ सूणोसेठजीवातसोहामणीरे ॥ तेहनयरमांसेठशि
रोमणीरे ॥ सू० ॥ षटपुत्रतेहनेंलायकघणारे ॥ व्यवहारकरेसोहामणारे ॥

॥ ७२ ॥सू०॥ नविनीकलीआतेव्यपतारे ॥ दरबाजादिइंवलीजीप्रतारे ॥सू०॥
नृपसयथीतेछांनारह्यारे ॥ उछवकरयोरयणीइंहमह्यारे ॥ ७३ ॥ सू० ॥ विजे
दिननृपआणाकरेरे ॥जुउरह्योकोइछेछांनोघरेरे॥सू०॥जोइनेंतेपणिआवीकहेरे॥
सेठनाषटपुत्रघरमांरहेर ॥७४॥सू०॥ नृपकोपेंवधआणादिइरे॥ नरआविइंम
वदिजीइरे ॥ सू०॥ वधथानिकलेइगयाहवइरे ॥ तसतातबिहनोनृपविनवेरे॥
॥ ७५ ॥ सू० ॥ अपराधखमोएस्वामीतूम्हेरे ॥ मुकोपुत्रनफीरीकरीइंअम्हे
रे ॥ सू० ॥ वलिदूजोपणिकरेइंणिपरेंरे ॥ तिणेनृपनवीमुंकेकरगरेरे ॥ ७६ ॥
सू० ॥ सेठबार २ इंमसाषतारे ॥ वम्रोपुत्रमुंक्योबङआषतारे ॥ सू० ॥ ब
ङमान्योसेठतेहनेंरे ॥ बिजानेंतोनरपतीहणेंरे ॥ ७७॥ सू० ॥ सेठनेंतोसुतमा
रयातणीरे ॥ अंछोपणिअनुंमतिनवीसुणीरे ॥ सू० ॥ दृष्टांतकह्योउपनयसु
णोरे ॥ सूपतीसमस्रावकनेंमुणोरे ॥ ७८ ॥ सू० ॥ षटपुत्रसमाषटकायछे
रे ॥ सेठतूल्यमुनीवरथायछेरे ॥ सू० ॥ नृपविनतीसममुनीदेशनारे ॥ नवि
मुनीपणफलिइंशुंसवेशन.रे ॥ ७९ ॥ सू० ॥ तवस्रावकव्रतउच्चरावतारे ॥ न
विअसंजमअनुंमतीसावतारे ॥ सू० ॥ कह्योअवधीदोषइंणिपरेंरे ॥ तिणेंज्ञा
नपुर्वककिरीआकरेरे॥ ८० ॥ सू० ॥ यतः ॥ पढमंनाणंतउदया ॥ एवंवि
ठईसव्वसंजए ॥ अन्नाणीकिंकाही ॥ किंवानाहीछेयपावगं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
घणऋद्धिसेठहरषीनेकहेरे ॥ उपदेशातुमसूणीचित्तगहगहेरे ॥ सू० ॥ एक
अशोकचंदनांमेंवलीरे ॥ पुरवेंआव्योनमेललीललीरे ॥ ८१ ॥ सू० ॥ पुछे
प्रश्नथोफेपरमादथीरे ॥ दारूणविपाकविखवादथीरे ॥ सू० ॥ स्वामीतेतिमकेंव
लिअन्यथारे ॥ सुणिइंछिइंलोकमांहिंयथारे ॥ ८२ ॥ सू० ॥ गुरुकहेजेआग
ममांकह्यारे ॥ तेतिमहिजाणोभांणीलह्यारे ॥ सु० ॥ जेआगमबाह्यकहेघण
रे ॥ तेतोपादछिकप्राणीसुण्यारे ॥ ८३॥ सू० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥
कहेअशोकचंदसूणज्योअहींरे ॥ सु० ॥ केईजीवघणीहिंसाकरेरे ॥ पापथा
निकसघलांआदरेरे ॥८४॥ सू० ॥ तेहनेंधनसंपदासुंदरूरे॥ वलीसोगआयुदी
रघधरूरे ॥सु०॥ नविअनुंबंधत्रुटेतेहनांरे ॥ सङवचनतेमानेंजेहनोरे ॥८५॥

सू०॥ अपराधअलपएकप्राणीआरे॥ सहुविपरितवातडुखषाणीआरे ॥सू०॥ गुरूकहेसूणिकर्मविचित्रतारे ॥ जसपापानुंबंधीकर्मजुक्ततारे ॥८६ ॥सू० ॥ डुरगतिगामीक्षुद्रसत्वछेरे ॥ संसारमांहिएकत्वछेरे ॥ सू० ॥ अनरथसाजन करीपापनेंरे ॥ पापेंसरेपुरणआपनेंरे ॥ ८७ ॥ सू० ॥ तिणेंईहलोसलही जायछेरे ॥ डुरगतिमांडुखबहुथायछेरे ॥ सू० ॥ विपरीतनेंविपरीतजाणीइंरे ॥ अशोकचंदभमनाणीइंरे ॥ ८८ ॥ सू० ॥ कहेअशोकचंदस्वामीषहूंरे ॥ तुम्हें साध्यूंतेअंगीकरूंरे ॥ सू० ॥ अज्ञानगयुंप्रसूमाहरूंरे ॥ नहिअणजाण्युंकां इताहरूंरे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ ईणअवशरिपुरावंआविउरे ॥ त्रिलोचनप्रणमें साविउरे ॥ सू० ॥ करजोमीनेंप्रश्नपुछेहवेरे ॥ प्रसूसाषोमुफसंशयजवेरे ॥ ॥ ९० ॥ सू० ॥ ढालसतरमीखंमनवमेंकहीरे ॥ समरादित्यरासमांहिलहिरे ॥ सू० ॥कहेपद्मविजयसूणज्योसवेरे ॥ जेपुछेतसउत्तरहवेरे ॥ ९१ ॥सू० ॥ ॥डुहा ॥ असत्यदानएकआषीउं ॥ उपष्टंसवलीअन्य ॥ एहमांकोणकहुं अवल ॥ पाठककहोकयपुन्य ॥ ९२ ॥ वाचकजीकहेपरवमुं ॥ प्रथमअस यपरधांन ॥ चोरदृष्टांतसूणोचतूर ॥ कहिइंतेदेईकांन ॥ ९३ ॥ ढाल० ॥ उधवमाधवनेंकहेज्यो ॥ एदेशी ॥ ब्रह्मपुरनयरेंनरराय ॥ कूलध्वजनांमेवि ख्याय॥कमलूआपटराणीथायके ॥९४॥ सवितुम्हेअसत्यदांनदेज्यो ॥ महणो महणोइमकहेज्यो ॥ स० ॥ एआंकणी ॥ तारावलीप्रमुखाराणी ॥ विजीपण रूपनीखाणि ॥ क्रिमेंज्यूंइंद्रइंद्राणीरे ॥ ९५ ॥ सवि ॥ सहुराणिस्थूंएकदिन्न॥ बेछेगोषेंधरीमन्न ॥ सोगठपासेंरमेधन्नके ॥ ९६ ॥ सवी ॥ चोरलाव्योतिहां कोटवाल ॥ बांध्योगाढबंधनजाल ॥ कसप्रमुखेंअतीडुरकालरे ॥ ९७॥सवि॥ विनतीकरेंन्टपनेंइंम ॥ परधनलिधुंईणेंनेम ॥ करीइंस्वामीकहोतेंम ॥ ९८ ॥ ॥ सवि ॥ सूपतीकहेएहनेंमारो ॥ चाल्योतलारतिणीवारो ॥ तसकररोयोडुख सारोरे ॥ ९९ ॥ सवि ॥ प्रथमचोरीमारयोजाउं ॥ मननामनोरथनविपाउं ॥ इंमजअधन्यजाइंआउरे ॥ ६०० ॥ सवि ॥ सूणिकहेराणिउसूणोराय ॥ चोर नामनोरथनविथाय ॥ पणिजोकरोतूम्हेसूपसायरे ॥ १ ॥ सवि ॥ एकरा

णीकहेमुझआज ॥ आपोजिमपुरूंकाज ॥ ततषिणआदेमहाराजरे।२।सवि॥
सहस्रपाकथीमरदाव्यो ॥ सूगंधउणणजलेन्हवराव्यो ॥ ख्योमजुगलतसपहे
राव्योके ॥ ३ ॥ सवि ॥ दससहसद्रव्यएहनेंलागो ॥ एतलोजद्रव्यमाहरेपा
गो ॥ विजीइंतेमथ्योधरीरागोके ॥ ४ ॥ सवि ॥ कामितसोजनतिणेंदिधुं ॥ आ
सवपानवलिसीधुं ॥ जक्षकर्द्दमलिपनकिधुंके ॥ ५ ॥ सवि ॥ आप्योवलीए
ककंदोरो ॥ किधोवलीतेहनेंनोहरो ॥ एतलोजद्रव्यमाहरेकोरोके ॥६॥ सवि ॥
लेखेविससहसगणीउ ॥ वलिविजीइंपणिइंमसणीउ ॥ आलूषणथीतनुंमणीउ
के ॥ ७ ॥ सवि ॥ तंबोलआपेवलिआरो ॥ लाषद्रव्यइंणिंउवारयो ॥ एटलूंमु
झ्जेअवधारोके ॥ ८ ॥ सवि ॥ पटराणीनेंनृपसासे ॥ तुंकांईनविदिइंस्येआ
से ॥ साकहेकांयनमुझपासेंके ॥ ९ ॥ सवि ॥ रायकहेतूंपटराणी ॥ जिवआ
धीकतूंमुझजाणी ॥ ताहरेसीवातनीहाणिके ॥ १० ॥ सवि ॥ जेमांगेतेतूझआ
पुं ॥ ताहरूंवयणऋदयथापुं ॥ कहेतेहनांडखमांकापुंके ॥ ११ ॥ सवि ॥ सा
कहेकिधोसूपसाय ॥ आपुंएहनेंमनसाय ॥ जिमसूषतिमकरोकहेरायके
॥ १२ ॥ स० ॥ साकहेचोरनेंसूणिसाई ॥ उग्यांअकारयफूलआई ॥ दि
ठांकहोएचितलाईके ॥ १३ ॥ सवि ॥ पश्चातापथीकहेचोर ॥ नविकरूंएहवुं
कोईठोर ॥ जिणथीडखकहोयघोरके ॥ १४ ॥ सवि ॥ दिधुंअसयकहेदेवी ॥
नृपकहेकोनकरेएहवी ॥ चोरकहेतूंमाजेहवीके ॥ १५ ॥ स० ॥ राणीहर
षीततषेव॥बिजीतोहसतीहेव॥दानदिधुंबहुकरीसेवके॥१६॥सवि॥राणीकहेकि
मकरोहासी॥पूछेचोरनेंसुविलासी॥कहेचोरनेकहोविमासी॥१७॥सवि॥चोर
कहेम्हेंनवीजाण्यूं ॥ मरणनासयथीसूखठाण्हूं॥ स्वस्थययोहवेपरमाणंके ॥
॥ १८ ॥ सवी ॥ सांभलीसहुराणीमानें ॥ एउपनयकह्योव्याख्यानें ॥ हरष्यो
त्रिलोचनसूणीकांनेंके ॥ १९ ॥ सवि ॥ स्वामीसत्यकह्युंएह ॥ एहमांकांय
नसंदेह ॥ सहुइंगयानिज २ गेह ॥ २० ॥ सवी ॥ नवमेखंमेएढाल ॥ अ
ढारमीकहिसूवीशाल ॥ उत्तमविजयतणोवालके ॥ २१ ॥ सवि० ॥ ॥४॥
॥ डुहा ॥ देशदेशेंइंमदेशना ॥ देतातेहदयाल ॥ कालकेतोइकअतिक्रम्यो ॥

करुणावंतकृपाल ॥ २२ ॥ अवंतीदेशेआविआ ॥ रेफवाहपुरसार ॥ सिस संपदासूगुणस्यूं ॥ उद्यानेंअवधारि ॥ २३ ॥ एकांतेंजइआदर्यो ॥ अशोक वनेंअतीरांम ॥ काउसग्गतिहांतावनकरे ॥ एकजआतमरांम ॥२४॥ ढाल॥ टोडरमलजजीत्योजी ॥ एदेशी॥ एकांतेंकाउसग्गरह्यारे ॥ तिहांआव्योचंमाल॥ मोहरायजीत्योजी ॥ जित्यो २ विर्यउल्लास ॥ मोह ॥ जीत्योजीत्योचरणवी लास ॥ मोह ॥ जीत्यो २ नाणप्रकास ॥ मोह ॥ एआंकणी ॥ गिरीसेनदुष्ट तेचिंतवेरे ॥ कोपेंथईविकराल ॥ २५ ॥मो०॥ मुकवकुदिनरकलावीउरे ॥ आ जदिठोनयणेण ॥ मो० ॥ इंहांमारुंअवशरअछेरे ॥ जिममरेअतिदुःखेण ॥ ॥ २६ ॥ मो० ॥ लाव्योजुनांकुंभमारे ॥ विटयूंकृषीनुंअंग ॥ मो० ॥ अलसी तेलवलीरेभीउरे ॥ रौद्रध्यांनएकंग ॥ २७ ॥ मो० ॥ अगनीप्रजाल्योतिहां किणेंरे ॥ मुनीवरध्यांनमांलिन ॥ मो० ॥ जाण्यूंपणिनहीचित्तमारे ॥ दाह्य योजवदीन ॥ २८ ॥ मो० ॥ ध्याननोसंक्रमथयोतदारे ॥ चिंतवेतवमुनीरा य ॥ मो० ॥ अहोएस्यूंअनरथतणोरे ॥ हेतुथयोइणठाय ॥ २९ ॥ मो० ॥ दुरगतीकारणतेहनेंरे ॥ अहोदारूणपरिणाम ॥ मो० ॥ अथवाएचिंताकिसी रे ॥ समतानुंइहांकांम ॥ ३० ॥ मो० ॥ सामायिकठेमाहरेरे ॥ वलगानीर मलध्यांन ॥ मो० ॥ महासामायिकउपनुंरे ॥ अपूरवकरणेतांन ॥ ३१ ॥ ॥ मो० ॥ क्षपकश्रेणीतिहांउल्लशीरे ॥ वाध्योविर्यउल्लास ॥ मो० ॥ हणतो कर्मसत्रुप्रतिरे ॥ संसारीदूखतास ॥ ३२ ॥ मो० ॥ ध्यांनअनलेमोहइंधणां रे ॥ बालिकिधांराष ॥ मो० ॥ विविधलब्धितिहांउपनीरे ॥ जोगमहिमएदा षि ॥ ३३ ॥ मो० ॥ निरमलथयोनीजआतमारे ॥ घातिकरमपपाय ॥ मो०॥ केवलनांणतेपामीआरे ॥ समरादित्यरीषीराय ॥३४॥ मो० ॥ सफलप्रयाससफ लोथयोरे ॥ कृतकृत्यथयाअणगार ॥ मो० ॥ उछवरंगवधांमणांरे॥ प्रगट्यां निजआगार ॥३५॥ मो०॥ मुनिवरनामहिमाथकीरे ॥तेहपेंआसन्न ॥मो०॥ वेलंधरकूंमारनुंरे ॥ चलिउंतिहांआसन्न ॥ ३६ ॥ मो० ॥ अवधीनांणथी जोईनेरे ॥ लेईकुसुमनीराशि ॥ मो० ॥ देवअनेकस्यूंपरिवर्योरे ॥ आवेतिहां

उल्लास ॥ ३७ ॥ मो० ॥ प्रणमीकुसूमवृष्टिकरेरे ॥ उहलवेअगनिनेंतांम ॥
मो० ॥ काढिनांष्यांचुंयरारे ॥ करतोवलीपरणाम ॥ ३८ ॥ मो० ॥ खोतां
णेगिरीसेनतदारे ॥ एस्योवातविचार ॥ मो० ॥ वेलंधरकहेपापीआरे ॥ रेरे
डुष्टआचार ॥ ३ए ॥ मो० ॥ रेपुरुषाधमनीचतूरे ॥ तूंमहाशोचणजोग ॥
मो० ॥ मुखनविजोईइताहरूरे ॥ होवेपापसंयोग ॥ ४० ॥ मो० ॥ एहकां
मतेंस्यूंकरयुंरे ॥ नहिआरयनुंकांम ॥ मो० ॥ इणअवसरतिहांआविउरे ॥
मुनीचंदरायउद्दाम ॥ ४१ ॥ मो० ॥ नर्मदाप्रमुखारांणिउरे ॥ सार्थेमहासा
मंत ॥ मो० ॥ सक्तिसावधरीवंदिआरे ॥ आणंदअंगअनंत ॥ ४२ ॥ मो० ॥
वेलंधरनेंपूछिउरे ॥ स्योएवातबनाव ॥ मो० ॥ वेलंधरकहेपापिनेंरे ॥ निज
आतमडुखदाव ॥ ४३ ॥ मो० ॥ अमृतसूतसत्रुनहीरे ॥ मुनिनेंअगनीप्र
योग ॥ मो० ॥ प्राणांतअध्यवशायथीरे ॥ नहीएहनेंदेवलोग ॥ ४४ ॥ मो० ॥
रायकहेमातुंकरयुंरे ॥ कारणकहोइहांकांय ॥ मो० ॥ वाछल्यसऊजंतूतणारे ॥
मोदहेतूमुनीराय ॥ ४५ ॥ मो० ॥ पिधानकरेकोयनेंरे ॥ शीतलताजिमचं
द ॥ मो० ॥ नविलहिइकारणकीस्युंरे ॥ कहेवेलंधरइंद ॥ ४६ ॥ मो० ॥
नवमेखंमेएकहीरे ॥ उगणीसम वरढाल ॥ मो० ॥ विघनथयांसविवेगलारे ॥
पद्मनेंमंगलमाल ॥ ४७ ॥ मो० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ जाणेंअशुसउदयजिके ॥ डुखहेतुडुखरूप ॥ सवअनंतकरवास
णि ॥ कारणडुरगतीकूप ॥ ४८ ॥ नृपकहेजुतूंनहीजरा ॥ पणिपुछोमुनीपा
य ॥ वेलंधरकहेवरकयुं ॥ सूणज्योसऊसमवाय ॥ ४ए ॥ ढाल० ॥ रागरा
मगिरी ॥ चोसठिमणनुंमोतिऊगमगेरे ॥ एदेशी ॥ सोहमइंद्रोआवेइणिसमें
रे ॥ ऐरावणहाथीशीरवेगेंतेहरे ॥ केवलज्ञाननामहिमाकारणेंरे ॥ देवसमु
हेंपरवरीउवलिजेहरे ॥ ५० ॥ रीषीजीचरित्रेंसऊजनमोहिउरे ॥ एआंकणी ॥
किंनरगायनेंनाचेअपछरारे ॥ हरषेंआविकिधोप्रथवीशोधरे ॥ गंधोदकसी
चीकुसूमेंपुजतारे ॥ कनककमलठवेकरताविघननिरोधरे ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥
देवतानेंदेवीआणंदथासऊरे ॥ वेठापदमेंसमरादित्यमुणिंदरे ॥ सोहमइंद्रोस्त

वनाईमकरेरे ॥ हस्वामीतूम्हनागेमोहनरिंदरे ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ जित्याक
र्मशत्रुक्केराउरेंगयारे ॥ कतारथऊआतूम्होसगवांनरे ॥ त्रोमीसववल्लिशिव
पुरपांमोआरे ॥ उग्योरवीजलहलतोकेवलज्ञानरे ॥ ५३ ॥ रीष० ॥ सांस
लीईमस्तवनारायनेंदेवतारे ॥ तिमसामंतप्रमुखवंदेमुनीनापायरे ॥ अहो
२ मुनीवरनांकारयनीपनारे ॥ अपछरानाचेंकिंनरसूरगुणगायरे ॥ ५४ ॥
रीषी० ॥ जनपदनालोकतेआव्यासांसलीरे ॥ हरषीतरांणावंदेमुनीमहाराज
रे ॥ गिरीसेनचिंतेमहानुंसावनारे ॥ अहोएहनीम्हेंकिधुंकामअकाजरे ॥
॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ आक्रेप्युंवीजकुशलपक्रनुंरें ॥ मोहटानीतंगतीनिष्फल
नविथायरे ॥ पछरमारंतांआपेंफलप्रतेरे ॥ अंबादिकजेउत्तमवृक्षकहाय
रे ॥ ५६ ॥ रीषी० ॥ चंदनकापतांआपेवासनारे ॥ मुनीअपकारेपाम्यो
गुणनीराशिरे ॥ गिरीशेनचाल्योहवेनीजघरसणीरे ॥ मुनीवरेंजाण्योदेशना
नोअवकाशरे ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ जिवनेंकर्मनोजोगअनादीछेरे ॥ कनको
पलदृष्टांतेंतासविकाररे ॥ उपज्येवऊजोनीपामेंकदर्थनारे ॥ वलिसंयोगवी
जोगतणोनहीपाररे ॥ ५८ ॥ रीषी० ॥ जरानेंमरणनीमोहटीआपदारे ॥ कू
पथ्यसेवेनलहेहितअहीतरे ॥ मूंढताछंमोतेकारणसणीरे ॥ तत्वविचारोकोजेंसऊ
जनमीत्तरे ॥ रीषी० ॥ ५९ ॥ पुजोदेवगुरूनेंदांनविधेंदिउरे ॥ पालोशीलकरोतप
जपअन्यासरे ॥ सावनासावोध्याउसूसध्याननेंरे ॥ छंमोकदायहकर्मसे
लकरोनासरे ॥ ६० ॥ रीषी० ॥ कर्मअसावेंनिरमलआतमारे ॥ तेहथीकां
ईनवीपामेंविकाररे ॥ पामेंअव्याबाधसूखनिजपेन्नमारे ॥ निर्णेंउद्यमकिजे
निजतत्वविचाररे ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ देशनासूणिनेंगुणपाम्याघणारे ॥ वंदि
पोहताईंद्रतेनीजआवासरे ॥ मुनिचंदराजागुरूनेंविनवेरे ॥ तूमउपसर्गक
र्योकहोसंबंधतासरे ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ हेतूतोदिसेस्वामीकोनहिरे ॥ मुनी
बोल्यामोहटोअकूशलअनुंबंधरे ॥ गुणसेनअग्निसम्र्मास्तवयकीरे ॥ मांमीनें
किधोसघलोसंबंधरे ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ सांसलिनेंराजासामंतदेविउरे ॥ तिमवेलंध
रलह्यासंवेगरशालरे ॥ चिंतेसऊअहो २ दोपअन्नाणनोरे ॥ अज्ञानेंदारूण

अशननोत्यागअणसणकह्युं ॥ तेहनादोयप्रकारोजी ॥अलपकालिकनेंयावत
कथा ॥ हवइंउणोदरीधारजी ॥ ए४ ॥ त्रु० ॥ धारीइंत्रिणभेदतेहना ॥ पहेली
उपगरणांतणी ॥ बिजीअशननीद्रव्यथीए ॥ भावेंक्रोधादिकतणी ॥ ए५ ॥
द्रव्यक्षेत्रकालभावथी ॥ वृत्तिसंषेपचउभेयजी ॥ भेदअनेकरसत्यागना ॥ वि
गयप्रमुखजेअमेयजी॥ए६॥त्रु०॥अनेकवीरासनादिकथी॥ लोचादिककाय
क्लेशए ॥ संलिनताचउभेदसमझो ॥ सुणोतेहविसेसए ॥ ए७ ॥ ॥ इंद्रि
यनीसंलीनता ॥ तिमवलियोगनीजाणोजी ॥ एकांतथानिकसेववुं ॥ करवाय
लिनतावषाणोजी ॥ ए८ ॥ त्रु० ॥ हवइंकहुंअभ्यंतरभेदषटतप ॥ प्रायछित
दसजातीए ॥ बिजोवीनयप्रकारभाष्यो ॥ भेदतेहनासातए ॥ एए ॥
ध्यानतेदोयनेंवरजवां ॥ आरतरौद्रनामेंजी ॥ धर्मशुक्लदोयआदरो ॥ वेयाव
च्चदशठामेंजी ॥ ७०० ॥ त्रु० ॥ सझायतेंमपांचेंप्रकारे ॥ काउसग्गहवेभा
षीइं ॥ द्रव्यभावदुभेदद्रव्यथी ॥ च्यारभेदेंआषोइं ॥ १ ॥ तनुउपधीगणआ
हारनो ॥ काउसग्गद्रव्यथीजाणोजी ॥ कर्मकषायसंसारथी ॥ त्रिविधभावम
नआणोजी ॥ २ ॥ त्रु० ॥ आणोद्वादशभेदतपए ॥ कर्मतपावेतेतपकह्यो ॥
कर्मक्षयकारणेंकरीइं ॥ एहपरमारथलह्यो ॥ ३ ॥ इहभवपणिएहतपथ
की ॥ विघनतेनाठांजायजी ॥ लक्ष्मिथीरथईनेंरहे ॥ किरतीदशदिशथायजी
॥ ४ ॥ त्रु० ॥ थायकिरतीसहजगुणए ॥ पणिनतसअरथेंकरे ॥ चउनाणसं
जुततिर्थपतिपणि ॥ कर्म्मखपवाआदरे ॥ ५ ॥ कर्मनीकाचितनविहोइं ॥ त
सउपक्रमकह्योग्रंथेंजी ॥ जायनिकाचीतपणिजिके ॥ साधंतांसीवपंथेजी ॥
॥ ६ ॥ त्रु० ॥ शिवपंथसाधेतेहजाणें ॥ मुझअणहारीधर्मए ॥ आहारकलंक
अनादीभवनुं॥जेहथीबहुकर्मए ॥ ७ ॥ दृढप्रहारीनेंसोमजी ॥श्रीमांनदेवसूरी
सोजी॥श्रीजगचंद्रसूरीवली॥ गजसुकमालमुनीसोजी॥८ ॥त्रु० ॥ ढंढणामुनी
तीमधनाऋषीजो ॥ कूरगडूनीमजाणीइं ॥ केईबाह्यअंतरदोयकरतां ॥ केईअ
भ्यंतरठाणए ॥ ए ॥ केवलबाह्यनफलकह्युं ॥ फलतेशमताभारोजि ॥ निरवां
छकताइंजेकरे ॥ तेपामेंभवपारोजी ॥ १० ॥ त्रु० ॥ बहुलब्धिपामेंअनुंक्रमेंइं

म ॥ क्षपकश्रेणीमांचढे ॥ वरुविर्यउल्लासेंकरीनें ॥ कर्मरीपुसाथेंवढे ॥११॥
घातीच्यारनोषयकरी ॥ पांमेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमंमलें ॥ करे
उपगारजिमसानोजी ॥१२॥सु०॥ सानुपरेंउपगारकरीनें ॥ आयुअंतआवेंज
दा ॥ योगरूंधीध्यांनतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥ १३ ॥ पांचलघुअ
क्षरसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अंतसमयक्ष
यकारजी ॥ १४ ॥ सु० ॥ क्षयकरीसीद्धीवरयासमयें ॥ नवमेखंमेंढालए ॥
बाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतांमंगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सिद्धसरूपचजशास्त्रमां ॥ वचनअगोचरवात॥तेहनोलवलापुंतथा ॥
जेहनुंसुखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिवरेंनमोरेहरीणीआथमीरे ॥
एदेशी॥सवितूम्हेवंदोरेसीद्धस्वामीसणीरे॥गुणअगट्याएकत्रीश॥ज्ञानावरणक्ष
येंपणगुणथयारे ॥ ज्ञानअनंतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणक्षयेंगु
णनवथयारे ॥ वेदनीनाशथीदोय ॥ षायकदरशनचारित्रगुणयथारे॥ मोहक्ष
येंदोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणलीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो
नाश ॥ दोदोगुणपणअंतरायक्षयकरीरे ॥ इंमइकत्रीसगुणराशि ॥१९॥स०॥
वरणगंधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पांचसंठाणगयाथी
पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपां
मीआरे ॥ वलिअशरीरअसंग ॥ अरूहथयाइंमएकत्रिशजाणीइंरे॥ ध्यांनक
रोरक्तरंग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामांन्येंगुणआठछेरे॥ केवलज्ञानअनंत॥
केवलदर्शनअव्याबाधनेंरे॥ क्षायिकसमकितवंत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अक्षय
स्थितीनेंअरूपीजेथयारे॥ अगरूलघूअवगाह॥विर्यअनंतूविघ्नवीनाशथीरे॥
किजेंएहजनाह ॥ २३ ॥ स०॥त्रणिकालसूरसूखसेलूंकरीरे॥ ठविइंनसपरदे
श ॥ इंमशाकुनसदेशेंठवीतेहनोरे ॥ कोजेंवर्गवीशेश ॥ २४ ॥ सवी ॥ इंणिप
रेंवर्गअनंतवेलाकरोरे ॥ करीइंसकुसमुदाय॥पणिअव्याबाधसूखअंशेनहीरे॥
जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकसीद्धतणीअवगाहणारे ॥
तिहांरहेसीद्धअनंत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेंरे ॥ असंखगुणालगवं

त ॥ २६ ॥ सवि ॥ पणिनविसीमहोईनेंपीमानहीरे ॥ एहअरूपस्व
साव ॥ अवीनासीशाश्वतसूखनोधणीरे ॥ नरमेंजेपरस्ताव ॥ २७ ॥ सवि ॥
अजरअमरअकलंकीजेथयारे ॥ सविगुणआवीरसाव ॥ नविनिजआत्म
देशेंपरमाणुऊरे ॥ रमताजेहस्वसाव ॥ २८ ॥ स० ॥ अचलअखंमअलेसी
अरूजवलिरे ॥ जेहअजोगीअणाहार ॥ साध्यरूपसवीसवीजनवंदनेरे ॥ स
वशायरलह्यापार ॥ २९ ॥ सवी ॥ शोगवीयोगसंयोगतेवेगलारे ॥ अनंतचतू
ष्टयीधार ॥ आतमगुणनीपूरणतालह्यारे ॥ प्रणमोतूम्हेवारंवार ॥ ३० ॥ सवी ॥
थीरतापणिनिजगुणमांहिथईरे ॥ तिणेंचारीत्रथीररूप ॥ अफूसमांणगतीलोका
ग्रेगयारे ॥ सादिअनंतसरूप ॥ ३१ ॥ सवि ॥ वाच्यनहीसंठाणतिणेंकरीरे ॥
कह्युंअनीछसंठाण ॥ सिद्धअनंतरप्रथमसमयकह्यारे ॥ परंपरपछेंवषांणि ॥
॥ ३२ ॥ सवि ॥ चरमसवेंजेनीजअवगाहनारे ॥ तेहमांसुषिरीपुराय ॥ त्रि
जोसागघटाडीघनकरयोरे ॥ प्रणमोतेहनापाय ॥ ३३ ॥ स० ॥ बंधनछेदादि
ककारणथकीरे ॥ जावुंशमयेंसातराज ॥ ज्योतीमांज्योतीमलीजसनीरमली
रे॥पाम्यानिजगुणराज ॥ ३४ ॥ स०॥ व्यवहारेंलोकाग्रेपदेंरह्यारे॥निश्चयेंआ
तमखेत ॥ सूक्ष्मबादरत्रसथावरनहीरे ॥ कर्मतणाएसंकेत ॥३५॥ स० ॥ सी
द्धशिलाथीजोजनछेहमेरे ॥ ऊडीत्रणसेंतेत्रीस ॥ उतकृष्टीजघन्यअवगाह
नारे ॥ अंगुलजासबत्रीस ॥ ३६ ॥ स० ॥ गुणअनंतअनंतछेजेहनारे ॥ कि
मकहीसकीईरेतेह ॥ जाणेकेवलीपणिनकहीसकेरे ॥ सवमांसव्यपुरजेह ॥
॥ ३७ ॥ स० ॥ नवमेंखंमेंत्रेवीसमीढालमारे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ समरादि
त्यसरूपकहेसीद्धनुंरे ॥ पद्मकहेसूविलाश ॥ ३८ ॥ स० ॥ ॥ ९ ॥
॥ दूहा ॥ सबरदृष्टांतईहांसूणो ॥ शुद्धकरीसरधांन ॥ नहिउपमत्रिणिसूवन
मां ॥ परगटकोपरधांन ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ दिललगारेवादलवरणी ॥ एदेशी ॥
तुम्हेध्याउरेसाहिबध्यानमां ॥ एआंकणी ॥ जेहनागुणनसकेकहीवयणें ॥
ज्ञानिदेषेपणिग्यानमां ॥ ४० ॥ तुम्हे० ॥ क्षितीप्रतीष्टपुरजितशत्रुराजा ॥
जयसीरीराणीप्रधांनमां ॥ तुम्हे० ॥ एकदिनआहेमेंनृपचाल्यो ॥ अश्वहरी

गयोरानमां ॥ ४१ ॥ तुम्हे० ॥ अंगखलायोविषमपरदेशें ॥ एकञावरति
एगाएमां ॥ तूम्हे०॥ इमचिंतेकोईमोहटोनरए ॥ ऊखमांपमिउअचानमां॥
॥ ४२ ॥ तूम्हे० ॥ उचीतकरूंउपचारकंकांयक ॥ चोकमुंयहेतवपा
णिमां ॥ तूम्हे० ॥ जलउपकंठेअश्वनेंलाव्यो ॥ नृपउतरयोतवसांनमां ॥
तूम्हे० ॥ ४३ ॥ नृपन्हायोअश्वनेंन्हवराव्यो ॥ कदलीजंबिरदिइंखानमां ॥
तूम्हे० ॥ पायप्रणमीनेंआहारकराव्यो ॥ नृपचिंतेनीजमानमां ॥ ४४ ॥
तूम्हे० ॥ सत्कीवंतोनेंसज्ञनसूपुरिस ॥ वज्ञाकरयोमुफ्बज्ञमानमां ॥ तुम्हे०॥
सांफसमेकरयोंकुसूमसायरो ॥ सूतोसूपतेढाणमां ॥ ४५ ॥ तुम्हे० ॥ धनुं
षतिरलेईययोअंगरक्षक ॥ तुरंगेंचढ्योसवारमां ॥ तूम्हे० ॥ खोलतांसेना
आवीमीलीतव ॥ रायचाल्योअञावारमां ॥ तुम्हे० ॥ ४६ ॥ साथेंसबरलेई
पुरआयो ॥ आदरमांनअपारमां ॥ तूम्हें० ॥ न्हावुंपहेरवुंउढवुंलोजन ॥ नि
जस्यूंसबरश्रीकारमां ॥ ४७ ॥ तूम्हे० ॥ सामंतादिकपुढेकुणए ॥ नृपक
हेसिरिउपगारमां ॥ तुम्हे० ॥ सज्ञप्रसंस्योनृपेतसदीधी ॥ राणीउसेवा
कारमां ॥ ४८ ॥तुम्हे० ॥ धूपघटिनेंमणीनीदीवीउ ॥ शय्याउसीसांसारमां॥
तूम्हे० ॥ द्राक्षादिकआसवबज्ञपाया ॥ नाटिकविविधप्रकारमां ॥ ४ए ॥
तुम्हे० ॥ पंचविषयसूखलोगवेंइमनित ॥ एकदिनचिंतीवीचारमां ॥ तूम्हे०॥
रायनेंकहेजास्यूंनीजथांनिक ॥ नृपकहेसज्ञपरीवारमां ॥ ५० ॥ तुम्हे० ॥
जाउबज्ञअञावारपहोचावो ॥ सूखथीएहनीपालिमां ॥ तुम्हे० ॥ दिधोब
ज्ञद्रव्यनेंबज्ञमुलां ॥ वस्तरथरमाञालिमां ॥ ५१ ॥ तुम्हे० ॥ पहोतोअनुंक
रमेंनिजपालें ॥ मिलिउबालगोपालमां ॥ तुम्हे० ॥ सबरसज्ञमिलीपुढेतेहनें ॥
किहांगयाताआजकालिमां ॥ ५२ ॥ तुम्हे० ॥किमरह्यास्यूंषाधुंस्यूंपाम्या॥
कह्युंसघलूंसूरसालमां ॥ तूम्हे० ॥ तवपुढेतेनयरकेहवुं ॥ रायकेहवोलूपा
लमां ॥ ५३ ॥ तूम्हे० ॥ उपमाविणनसकेकहीरणमां ॥ तोपणिकहेनीज
चालिमां ॥ तुम्हे० ॥ दरिसमगेहलोजनवनफलसम॥ लिलमीजुवतीबालमां॥
॥ ५४ ॥ तुम्हे० ॥ गुंजाहारआलरणदेषाके ॥ गेरूलेपनकणयरमालमां ॥

तुम्हे० ॥ नकहीशकेपणिजाणेंमनमां ॥ पुरगुंणअतिअविशालमां ॥ ५५ ॥
तुम्हे० ॥ तेसूखनरसूरमांहिनक्यांहि ॥ जेसूखसहजाणंदमां ॥ तुम्हे० ॥
सूणिवेलंधरनहीसीघदिरघ ॥ कस्वटत्तनहिदंदमां ॥ तुम्हे० ॥ ५६ ॥ अं
सचोरंसपरीमंमलनांहि ॥ नहीकृष्नादिवर्णवृंदमां ॥ तुम्हे० ॥ सुरत्तीडरत्ती
नतिक्तादिकरस ॥ फरसनवेदनाछंदमां ॥ ५७ ॥ तुम्हे० ॥ संज्ञाउपमानही
जेहप्रसूनी ॥ किमकरीकहीइंवाणिमां ॥ तुम्हे० ॥ ढालचोविसमीनवमेंखं
में ॥ केवलीकहेलहीनाणमां ॥ तुम्हे० ॥ ५८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नहीरुपीअरूपीनही ॥ गंधअगंधनगाय ॥ नहीरसअरसकदानही ॥
नहीफरसेंतरन्याय ॥ ५९ ॥ आचारसूत्रेंआषीउं ॥ अपयनेंपयनछि ॥ स
यलप्रपंचरहीतसदा ॥ अनंतज्योतितसअछि ॥ ६० ॥ पाम्यापरमाणंदनें ॥
सांसलीतेहसनाथ ॥ सामंतराणीप्रमुखसवे ॥ सलोमुनीचंदसूनाथ ॥ ६१ ॥
करकजजोमीनेंकहे ॥ अम्हनेंकस्योउपगार ॥ देईधर्म्मनीदेशना ॥ स्वामी
जीश्रीकार ॥ ६२ ॥ चरीत्रतुम्हारूंचित्तधरी ॥ उपनोअम्हअलीलाष ॥
चारीत्ररसअम्हेचाषीइं ॥ सलिबोलेइंमसाष ॥ ६३ ॥ ढाल० ॥ तेतरीआरे
साईतेतरीआ ॥ एदेशी ॥ तुम्हेतरियारेसाईतुम्हेतरीआ ॥ इमसमरादित्यउचरी
आरे ॥ सावद्यकीतुम्हेचरणतेवरीआ ॥ सवअटवीउतरीआरे ॥ ६४ ॥तुम्हे॥
जेकरवुंतेसघलूंकरीया ॥ हवेद्रव्यथीकरोकिरीयारे ॥ तेकहेप्रभूअम्हनेंउप
गरीआ ॥ आणिअम्हेशीरधरीआरे ॥ ६५ ॥ तुम्हे० ॥ वेलंधरइंमचित्तअ
नुंसरीआ ॥ अहोधन्यएहनापरीआरे ॥ उचितउछववङ्हरषेंसरीआ ॥ वेलं
धरगकरीआरे ॥ ६६ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यशिष्यज्ञाननादरीया ॥ शील
देवजेठरीयारे ॥ तेहनाशीशपणेंआदरीआ ॥ संगसयलपरीहरीआरे ॥
॥ ६७ ॥ तु० ॥ कौतूकनेंअनुंकंपाइंपूछे ॥ वेलंधरसूरवरीआरे ॥ तेअधम्म
निजउपद्रवकारी ॥ गीरीसेननीकहोचरीआरे ॥६८॥ तूम्हे० ॥ सव्यतयाअ
सव्यअछइए ॥ बिजलशोकेनांहिरे ॥ लेहेस्येकेनहितेपणिलाषो ॥ केवलीकहे
सूणोआंहिरे ॥ ६९ ॥ तुम्हे०॥ सव्यअछेपणिबिजनपांम्यो॥ पणिलहेस्येतेसू

णज्योरे ॥ असंखपुद्गलपरावर्त्तअतितें ॥ सार्दूलसेननृपगुणज्योरे ॥ ७० ॥
तुम्हे० ॥ तेहनोअश्वप्रधांनएथास्ये ॥ तिहांसमकितएलास्येरे ॥ क्षयउपस
ममीथ्यात्वलहेस्ये ॥ पातिकदूरपलास्येरे ॥ ७१ ॥ तूम्हे० ॥ चिंतवीउंमुझउप
रिंशणि ॥ अहोमहानुंभावएहरे ॥ गुणपक्षपातपरंपराविजक ॥ समकीत
लहोएहरे ॥ ७२ ॥ तुम्हे० ॥ तेअश्वसमकीतपांमीअनुंक्रमें ॥ सवअसं
ख्यातासमस्येरे ॥ शंखनामेब्राह्मणसवलहेस्ये ॥ तिहांचारीत्रपरणमस्येरे ॥
॥ ७३ ॥ तुम्हे० ॥ क्षपकश्रेणीमांकेवललहीनें ॥ निजआतमऋध्धीवरस्येरे॥
निजगुणशकतीअनंतीपरगट ॥ सावेंएहजकरस्येरे ॥ ७४ ॥ तुम्हे० ॥ इं
मसांभलीवेलंधरहरष्या ॥ प्रणमीमुनीवरपायारे ॥ निजथानिकपोहतोह
वेकेवली ॥ विचरेजेनीरमायारे ॥ ७५ ॥ तुम्हे० ॥ हवेएकदिनगिरीसेनपक
माणो ॥ चोरीमांतक्मारय्योरे ॥ कुंभीपाकेंकरीकरमेंपचारयो ॥ मुनिवरद्वेष
जेधारयोरे ॥ ७६ ॥ तुम्हे० ॥ सातमीनरगेंतेहदोषथी ॥ उपनोदूखअपारो
रे ॥ विचरंताश्रीसमरादित्यजी ॥ पहोतासीध्धगिरिठारोरे ॥ ७७ ॥ तुम्हे० ॥ क
रमविषमस्थितीजाणीकिधो ॥ केवलीनोसमुद्घातरे ॥ शैलेसीपमीवजीयामुनी
वर ॥ जेहअयोगीविख्यातरे ॥ ७८ ॥ तुम्हे० ॥ सयोगपयाहितिहांकर्म्मखि
पावे ॥ वेदनीआयुगोत्रनामरे ॥ देहपंजरठांमीहवेमुलथी ॥ अफूसमाण
गतीनामरे ॥ ७९ ॥ तुम्हे० ॥ समयएकेंलोकाग्रेंपहोता ॥ परमब्रह्मालयजे
हरे॥ जनमजरामरणेंकरीवीरहित ॥ अचलअक्षयथयातेहरे ॥ ८० ॥ तुम्हे० ॥
सुरवरमहोछवकरेशीवपदनो ॥ पूजेतेहशरीररे ॥ अंगप्रधानग्रहेंतेतनुंनां ॥
पामवासवजलतिररे ॥ तुम्हे० ॥ ८१ ॥ देवलोकमांजईसुरनें ॥ संसलावे
अवदातरे ॥ तेपणिंसक्तेंकरीप्रणम्या ॥ पुज्याहर्षसरातरे ॥ ८२ ॥ तुम्हे० ॥
निजआतमहेतेंनितपुजे ॥ सुरवरसमकितवंतारे ॥ समरादित्यगिरीसेनवखा
णया ॥ चमतकारचितदेतारे ॥ ८३ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यगयाशिवपुर
मां ॥ विजानेंसंचाररे ॥ तिणेंगुणीजनउपरिंनवीमछर ॥ किजेंसूणिअधीका
रेंरे ॥ ८४ ॥ तुम्हे० ॥ एकपषेंवयरेंदुखपांम्यो ॥ विडंपरवनीसीमानरे ॥

वलिअज्ञानकष्टउखपामें ॥ एदृष्टांतपणिख्यातरे ॥ ८५ ॥ तुम्हे० ॥ नवमे खंमेपचविसमीए ॥ पञ्चवीजयकहिढालरे ॥ श्रीसमरादित्यकेवलिरासें ॥ सुंणतांमंगलमालरे ॥ ८६ ॥ तुम्हे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

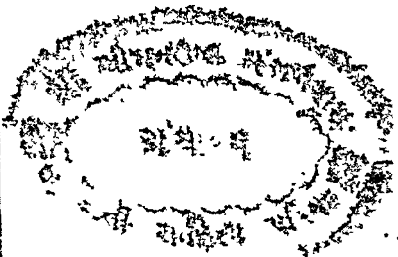
॥ दुहा ॥ संक्षेपेंएसवीकह्यो ॥ समरादित्यनोरास ॥ श्रवणेंपणिहोयसांसल्यां आणंदअंगउल्लास ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ गीरूआरेगुणतुम्हतणा ॥ एदेशी ॥ समरादित्यगुणगाईआ ॥ आणीहर्षअपारोरे ॥ मुजथीमंदबुद्धितणो ॥ कांयधारीचित्तउपगारोरे ॥ ८८ ॥ सम० ॥ शकतिनहीमुजएहवी ॥ पणिश्रीहरीभद्रसूरीवयणेंरे ॥ चालेयष्टीआलंबनें ॥ जिमशकतीरहीतजुइंनयणेंरे ॥ ८९ ॥ सम० ॥ हरषहतोबज्ञदिनतणो ॥ तेआजचढ्योसुप्रमाणोरे ॥ उढवरंगवधामणां ॥ कांयघरि २ कोमिकल्याणोरे ॥ ९० ॥ सम० ॥ पंमीत्तजनकिरपाकरी ॥ मुजउपरिंशुद्धकरेज्योरे ॥ अलपबुद्धिमुजजाणिनें ॥ मतचितमांरीसधरेज्योरे ॥ ९१ ॥ सम० ॥ शकतीरहीतपणिमुजसणी ॥ मुनीगुंणेंबोलाव्योप्राणेंरे ॥ अंबमंजरीशक्तेंलवे ॥ कांयमधुरकोकिलमधुटाणेंरे ॥ ९२ ॥ सम० ॥ सीतेंखलजननेंनमुं ॥ जेअढतांउखणकाढेरे ॥ प्रितेंसज्जननेंनमुं ॥ जेमेंरूशिखरपरचाढेरे ॥ ९३ ॥ सम० ॥ अलपबुद्धीअणासोगथी ॥ कांयबोल्यूंवचनविरूधरे ॥ मीछादूकममुजहज्यो ॥ जिणथीहूंथाउंशुद्धरे ॥ ९४ ॥ सम० ॥ सूरसवशहीतनवेसवें ॥ मुनीसत्र २ समताचढतीरे ॥ नवमेंसवपूरणथई ॥ कांयसमताजेहनीवढतीरे ॥ ९५ ॥ सम० ॥ पेहेलेखंमेपनरकही ॥ बिजेत्रेवीसढालरे ॥ त्रिजेचौदचोथेंकही ॥ ढालअठावीसविशालरे ॥ ९६ ॥ सम० ॥ ढालपांचमेंछेकही ॥ सलीचोवीसनेंचोवीसरे ॥ शातमेत्रेवीसआठमे ॥ खंमेसाषीवाविशरे ॥ ९७ ॥ सम० ॥ नवमेखंमेएककही ॥ छवीसमीढालरशालरे ॥ सर्वमीलीनेंएकसो॥कहीनवाणुंवरढालरे ॥ ९८ ॥ सम० ॥ अढारउगणच्यालमां ॥ कांयमांम्योरासएवरषेरे ॥ लिबमीचोमासूंरही ॥ कांयदिन २ चढतेहरषेंरे ॥ ९९ ॥ सम० ॥ वोहराकसलाआदिदे ॥ सिलोटासहसमल्लनामेंरे ॥ तसआग्रहेप्रारंभीउ ॥ वलीनीजआतमहितकांमेंरे ॥१००॥ सम० ॥ तिणेंव

रसैंतिहांसंघमां ॥ तपकिधाघरि २ बाररे ॥ पंचोत्तेरमासखमणते ॥ थया
जिनबिंबमाननहाररे ॥ १ ॥ सम० ॥ लुंपकघरिपणिकीधलो ॥ पणितेश्र
ज्ञानमांपेसेरे॥ अग्निशर्मानीपरें ॥ आणावीर्णतपकूंणकहेस्यंरे॥ २ ॥ सम०॥
श्रीगुरुउत्तमवीजयनी ॥ किरपाइंकिधोरासरे ॥ पद्मवीजयकहेहोयजो॥
कांयघरि २ लिलविलासरे॥ ३ ॥ सम० ॥ कलस ॥ तपगछनंदनसुरतरु
प्रगट्या ॥ एदेशी ॥ शासननायकश्रीविबुधलायक ॥ वर्द्धमानजिनचंदाजी॥
पंचमगणधरसोहमपटधर ॥ जंबुतासमुणिंदाजी ॥ ४ ॥ प्रभवापटधरपूर
वधारी ॥ शज्जंसवसूरिंदाजी ॥ मनकपीताजेपुत्रनेंअरथें ॥ दशवैकालिक
करंदाजी ॥ ५ ॥ जशोभद्रसुरीतसपटधर ॥ पूरवचौदसणिंदाजी ॥ संभूतिवी
जयनेंभद्रबाहुगुरु ॥ एकजपाटगणिंदाजी ॥ ६ ॥ थुलिभद्रजसातमापटधर॥
पूरवचौदधरिंदाजी ॥ ब्रह्मचारीशिरशेहरसणीइं ॥ कोशाप्रतिबोधंदाजी ॥७॥
आर्यमहागीरीआर्यसूहस्ती ॥ दशपूरवधरइंदाजी॥ अवंतीसुकमालवुझव्यो॥
तिमसंप्रतीनरिंदाजी ॥ ८ ॥ आठपाटलगेंइणीपरेंपहेलुं ॥ निग्रंथनांमकहंदा
जी ॥ सुस्थितसुप्रतीबधएहविहुं ॥ पटधरएकसुखकंदाजी ॥ ९ ॥ कोमिवा
रसुरीमंत्रजप्योतिणें ॥ कोटिकगणथप्यंदाजी ॥ श्रीइंद्रदिन्नसुरीतसपटधर ॥
श्रीदिन्नसुरीहवंदाजी ॥१०॥ सिंहगिरीसुरीतसपटधर॥ द्वादशमेगुणवंदाजी॥
जेहनासीसवीनीतसीरोमणी ॥ संघलाजेगतदंदाजी ॥११॥ तसपट्टेश्रीवयरमु
नीसर ॥ जिनशासनशोहंदाजी ॥ चौदमेपाटवज्रसेनसुरी ॥ निस्संगज्युंअर
विंदाजी ॥१२॥ पन्नरमेपटश्रीचंद्रसुरी ॥ चंद्रगछथयानांमजी ॥ त्रिजुंएपर
सीधुंजगमां ॥ सामंतभद्रतसठामजी॥१३॥वनवासीचोथुंथयुंअसीधा॥तसप
ट्टगुणमणीधामजी ॥ श्रीवृद्धदेवसुरीपरसीध्धा॥ पटधरतसअसीरामजी॥१४॥
श्रीप्रद्योतनसूरीविराजे ॥ मानदेवसूरीछाजेजी ॥ तसपट्टमांनतूंगआचारय ॥
उद्योतकअतीभाजेजी ॥१५॥ विरसुरीएकविसमेपट्टे॥ जयदेवसुरीबावीस
जी ॥ देवाणंदवलीवीक्रमसुरी ॥ श्रीनरसिंहसुरीसजी ॥ १६ ॥ पट्टछवीसमेस
मुद्रसुरीवर ॥ मानदेवसुरीतासजी ॥ विबुधप्रभसुरीतसपाटें ॥ श्रीजयानंद

जयपन्यास ॥ ग्यानीध्यानीनेंनहीमांनी ॥ दशदिशकिरतिजासरे ॥ ५० ॥ ह० ॥ पयमीपंचसंग्रहसुखग्रंथा ॥ जाणेंतसआमनाय ॥ लदकउपगारीमुंकमोहटा ॥ शांतदांतगुणरायरे ॥ ५१ ॥ हम० ॥ मुकशरीषापवरनवपल्लव ॥ किधाअतीहीतआणी॥स्येोस्योकउपगारगुरूनो॥ वाणीजासप्रमाणीरे॥५२॥ हम० ॥ विसलनगरवीराजेरूमूं ॥ जिहांजिनचैत्यछेदोय ॥ जिहांअतीसक्तीवंताबहुश्रावक ॥ प्रसूपूजाघणीहोयरे ॥ ५३ ॥ हम० ॥ तेगुरूउत्तमवीजयपशाइं ॥ पद्मवीजयलघुशीसें ॥ विशलनगरचोमासरहीनें ॥ लाध्योविसवाविसेंरे ॥५४॥ हम०॥ जिहांलगेंग्रहगणतारामेरू॥ चंद्रसुरयपरकाश ॥ तिहांलगेएहरासथीररहेज्यो॥जयजयकारवीलासरे॥५५॥हम०॥समरादित्यनोरासएसणस्ये ॥ लिखस्येलागवीशाल ॥ तेहमहोदयपदवीलहेस्ये ॥ हास्येमंगलमालरे ॥५६॥ हम०॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंडितप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणिशिष्यपं० पद्मविजयविरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसमरादित्यगिरीसेनयोःनवमनरभवः समाप्तः तत्समाप्तौसमाप्तोयंनवमःखंडःतत्समाप्तौचसमाप्तं श्रीसमरादित्यचरीत्रं ॥ नवमखंडेसर्वगाथा ॥ ८५६॥ श्रीमुंबईबंदिरश्रीशांतिनाथजीप्राशादात् ॥ सुसंलवतु ॥ कल्याणमस्तु॥ श्रीरस्तु॥ श्री ॥ ॥७॥

४८८९





દિવસ નાના
રાત્રિ મોટી

રાત નાની
દિવસ મોટા

ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદ ગ્રંથાલય
અમદાવાદ-૯